ॐ

किताब मुफीद आंम मालुम व

जगत हितकारनी

अज तसनीफ

साध अनुपदास

मुतवतन मुल्क मारवाड

यह जगत हितकारनी

जिसको

श्री अनुपदास - प्रीटिंग प्रेस

छावणी ऐरनपुरामें छापके

प्रसिद्ध किया

ता १७ अप्रेल संन १९०९ इा बैसाष बुदी १२ संा १९६५

॥श्री॥

जगत हितकारनी

इल्तमास

यह किताब मैंने फायदा आंमके वास्ते व महनत तमांम
और बहुतसे रुपीया खर्च करके तयार कीहै
इसवास्ते सब सजनोंसे यह प्रार्थनाहै
कि इस किताबको तमांम व कमाल
व हरुफ ब हरुफ ब गौर
तमाम पढ़ें—और सोचें
समझें और इन बनियोंके
जालसे बचें

परमात्मानै नम

हजार हजार शुक्र उस जोतीस्वरुप नीरंजन नीराकारका है कि जिसने ज मीन व आसमानको बनाया और तमाम सृष्टीको पैदाकीया परंन्तु उस की कारीगरीका भेद किसी पर जाहीर नहीहुआ कि क्या भेदहै फिर मेंरी जबानसे इश्वर परमात्माकी तारीफ अदा नहीहोसक्ती और दूसरा मजमुन बतौर समुद्र कहै सो कलमसे लिखा जाताह कि जो२करतब मैने इन सौदागर महाजना न–के देखे वोह अजब तरहके नजर आये जिससे मुझ गरीब साध अनुपदा सको तमांम जहानके हिंन्दु मुसलमान और साध संत और पण्डित फकीर और मुल्कों मुल्कोंके राजा महाराजा और सातों आठों और सब—विलाय तीके बादशाह और दीगर अंग्रेज वगैराकी खिदमतमें हाथ जोड़कर अरज; करना लाजिम आया कि जिसको जादूचाला और राक्षस विद्या और काफिर विद्या और इन्द्रजाल कहतेहैं वोह एक किसमका पापहै कि जिस्तरहसे रावण ने चलायाथा और मेह और मौतको कबजेमें करलीथी पापके सबबसे याने होम करा२के बुद्धी भी भ्रष्ट करदीथी इन्द्रजालके पापसे और काल वगैरा, पड़ा२करके लक्षमी अपने काबूमें करके लंकामें लेगयाथा और उसीतरहसे– हिरनाकश राजानेभी चलायाथा और उसीतरहसे कंन्स राजानेभी चलायाथा और उसीतरहसे कारुन बादशाहनेभी चलायाथा और रावण हिरनाकश कंस कारुन वगैराकी तरहसे बल राजाके बादसे इन सौदागर महाजनाननेभी— राक्षस विद्याका पाप चलायाहै सोइन बनियोंनेभी मेहको और मोतको सहारे

करलीहै और बुद्धी भ्रष्ट करदीहै पापके सबबसे कि जिस दिनसे इस हिंन्दु स्तानमें काल पडाना बल राजाके बादसे शुरु कियाहै सो इन्होंनेभी काल पडा पडाके रावण वगैराकी तरहसे लक्षमी और धन काबूमें करलियाहै और ज हाजोंमें लाद२के दरियाओंके पार लेगयेहैं जैसे कि रावण लंकामें लेगयाथा उसीतरहसे यह बनियेभी दरियाओंके पार लेगयेहैं सो यह राक्षसीपाप धन लेनेके वास्ते काल पडानेका पाप चलायाहै सो धन हिंन्दुस्तानका तो काबूमें करलियाहै परन्तु धन हिंन्दुस्तानमें बहुतथा और अलावा इसके दुसरी बाद शाहतोंमेंभी बहुतथा जिसका सबुत वैदकी किताबोंमें लिखाहै कि सतजुगमें; सोनेका ठाट और पाटथा और गरीब गुरबाके घरमें सोने चांदीके बरतनथे और पग पग रत्नोंकी खानें सुनिजातीथी कि जिसकी कुछ गिनती नहीहो सक्तीथी सो राजा बादशाहोंके टोटा-किस बातकाथा इस सबबसे तमाम— खलकतको यकीन दीलाया जाताहै कि बल राजाके जमाने तक मोजुदहोने खांनहाये सोना चांदी वगैराके सतजुग रहा क्योंकि उस जमानेमें चांदी सोनेका ठाट और पाटथा और धांन वगैराभी बहुत होताथा क्योंकि सतजुगमें काल वगैरा नही पडताथा इससे धांन वगैरा सतजुगमें बहुत होताथा जबसे इन महाजनानने काल पडाना शुरु कियाहै जिस दिनसे दिन२जमाना बुरा होता जाताहै और काल वगैरा यह बनिये लोग नहीपडावें तो सदा सतजुगहीहै परन्तु बल राजाके बादसे जो तरह२के रोग और काल वगैरा पडाने शुरु, कियेहैं जबसे धन दुनियाका खेंच रहेहें और सबको नीरधन करदियाहै—ब लकि दिन२बुरा होताजाताहै सो यह फितुर सौदागरांनके राक्षसी पापकाहै क्योंकि इनहोंकी दुकांनें दूसरी बादशाहतोंमें पहूंचगइहें सो अब उनके बाल बच्चोंको गारत करके उनका धनभी काबूमेंकरेंगे कि जिसतरहसे हिंन्दुस्तान को गारत करदियाहै उसीतरहसे दूसरी बादशाहतोंकोभी गारत करेंगे और; अलावा इसके किजिन बादशाहोंको हिंन्दुस्तानमें लाना चाहतेहैं तो हिंन्दुस्तान का लोभ बतारके सब बादशाहोंको गारत करदेंगे और आप मीलेके मीले रहतेहैं और हिंन्दु मुसलमानके बच्चोंको दूसरी विलायतोंसे मरवादेतेहैं और अपने— बच्चोंको बचाये रखतेहैं और होले२अखीरमें सातों आठों विलायतोंको गारत करादेवेंगे जैसे कि रावणने दुनीयाके गारत करनेको जाल चलायाथा कि;

सब वलायेतोंमे जब थोडेसे आदमी रहजावेगे जब मेरा चारकुटमे राजहोजा वेगा तोकोईमेरा राज छीनन्हीसकेगा उसीतरहेसे ईनबनीयोनेभी यहीसोचकर यह जाल चलायाहे ओर पहलेही सबकी अकल अपने राक्षसी पापसे खरा व करदेतेहे क्युंकी सातो आठो वलायेतोकेलोग हीन्दुस्तानके लोभ केवास्ते आपुसमे लडलडके गारत होजावेगे जबसातो आठो ओर सब वलायेतो मे आदमी थोडे रहजावेगे तोचारकुटमे हमारेबच्चोंका राजहोजावेगा तोफीर हमा रा राज कोईन्ही छीनसकेगा जबसब वलायतोंमे आदमी थोडेरहजावेगे ओर यह बनीये यह जांनतेहे कीहमारी ओलाद जीयादा रहजावेगी तोफीर हमा रा राज कोईन्ही छीनसकेगा सोतोदुनीयामे हीन्दुओमे कहतेहेकी ऐसाकलज ग आवेगाकी सो[१००]कोस छोटासा ऐकगांवडा मीलेगा ओर मुसलमांनों मे यह कहतेहे कीचोदहवी[१४]सदी ऐसाबुरा वकत आवेगा कीकाल वगेरा वहोतहोगा ओर रीजकवगेरा कमहोगा सोआदमीको आदमी खानेलगेगा सो पहलेसेही ऐसीऐसी बातदुनीयांमे चलादीहें सोदुनीयामे अच्छे अच्छे बडेगुनी लोगकहतेहे सोजेसे दुनीयांमे बुराहोनेके पहलेसे बातचलाईहे उसीके मुवाफी क दुनीयांके नांमका ईन्द्रजालका पाप करातेहे वेसाहीबुरा होजाताहे ओरयह ऐसीऐसी बातेंबुरा होनेकी चलाई तोबनीयोनेहे ओर अगलेस्ती लोगोंके सर अपने बचावके वास्ते रखदेतेहे सोवोह लोगतो हमारे तुमहारे मुवाफीक आद मीबंन्दाथे क्युंकी रचनातो पेदाकरंन्तेने रचीहे उसपेदाकरंन्तेने अपनेनांम के वास्ते क्युंकी वोहतो पेदाकरंन्ता सबसंसार ओर सबवलायेतोंके उपर दयार खतेहें यहतो काफरी पाप ओर ईन्द्रजालका पाप करानेवाले बेईमांन पाप-करातेहे जीससे दुनीयांमे बुराहोताहे ओर काफरीपाप ओर ईन्द्रजालकापाप दुनीयांमे कईबार चलायाहे ओर दुनीयांने दुखपापाकर छोडायाहे जबदुनीयां कीओलाद बचीहे ओरयह कदीमीजाल याने ठेटसे बनीयोंका हीहे ओरबनी ये लोगोने हीचलायाहे ओर रावण हरनाकस ओर कंस कारून वगेराकोअ पने पाप मेसे थोडासा सीखाकरके ईनबनीयोहीने जालमे डालकरके मरादी येहे ओर तमांम कदीमी जाल अपनेपासही रखतेहे ओर वोह पाप चोडेन्ही आनेदेतेहे ओर ईनका जाल पकडान्हीजाताहे ईससबबसे दुनीयांमेदुख रहता जाताहे क्युंकीईनका पाप अलोपहे ईससेमालुमन्ही होसकताहे ओर जोमेरेको

ईनहोंने समासुख कलपायाहे जेसेकी रावणने सनीचरको समासुख कलपाया था ओर सनीचरको मालुमपडी ओर संसारको वाकीफकीयाथा उसीतरहेसे मेरेकोभी समासुख कलपातेहे जीससे मुझकोभीमालुम पडीहे जीससेआपलोगो को वाकीफ करताहूं सोहीन्दुस्तांनमे रावण हरनाकस कंस काल्हन वगेरानेई न बनीयोंके शांमीलही जनम पायाथा?जब उनकोही-खबरन्ही पडीतो दुसरी वलायेतोंके राजा बादशाहोंको-क्याखबर पडनेदेगे ओर सातो आठो वला यतो ओर अंग्रेजो वगेराके आगे मेरी हाथ जोडके अरजहे कीजव रावणव गेराको ईन बनीयोने खबर न्ही पडनेदी तोआप लोगतो दुसरी वलायेतके हो आपको कीस्तरहसे खबर पडनेदेंगे ओर मेईस्वास्ते लीखताहुकी आपलो ग तोआठ सात वलायेतहो ओर हीन्दुस्तांन ऐक वलायेतहे ओर यहां हीन्दु मुसलमांनके वच्चे सीनाये ईनबनीयोंके अगर गरीब होकरभी रहेंगे तोजादुसे बुदी भीष्टकरके ओर आपुसमे लडाकरके मारदेवेंगे जब आपलोगोंको मालु म होगा कीहीन्दु मुसलमांन बदमाशहें ओर आप!लोगोंको यह मालुम न्ही कीतमांम?संसार कीजादुसे बनीयोंने बुदीभरष्ट करीहे जब,भीआप सातो-आ ठो वलायतोंके हाथोंसे मरवादेंगे सोआप लोग ईनकुलंकीयूंका जाल छोडा ओगे तोआप लोगोकी?ओर सबहीकी ओलाद!उभरेगी ओर आपके ईकबाल सेहीन्दु'मुसलमांन कीओलादभी उभरेगी यांने सब संसारकी ओर खुद यह बनीये आपलोगोसे मीलेके मीले रहतेहें!ओर अपनेदगाकी खबरन्ही पडनेदे तेहें ओर अखीरमे दगासे आपलोगोंके बच्चोंको भीगारत करेंगे?सोईन बनी योंने अपना राजचार कुंटमें करने केवास्ते ओर अपने!मतलबके वास्ते यह जाल चलायाहे जीससे आप लोगोंको हीन्दुस्तांनमें!लातेहें सोसातों आठोंव लायेतोंको आपुसमें लडालडाकर गारत करदेंगे फीर यह!कुलंकी जब संसा रथोडा रहजावेगा जब अपनाराज करेंगे जीससे हीन्दुस्तांनमे दुसरीबादशाह तकेलोगोंको लातेहें परंन्तु यहजाल ईनसोदागर महाजनांनने बल राजाकेबा दसे चलायाहे ओर दुसरी बादशाहलको ओर सातों आठों ओर!सब-वलाये तोंमें राज करनेके सबबसे,बल राजा केबादसे'लानेलगेहें सोउनकाभी धनले नेके गरजसे ओर धनका लालचदेके वास्तेराज कराने हीन्दुस्तांनके लातेहें ओर जब उनका धनलेलेवेंगे फीरउनकी अकलकोभी राक्षसी पापसे केदकर

कैसराव करदेंगे जब खुदबखुद आपुसमे लडकरही मरजावेंगे-सोऐसे ऐसेईन सोदागर महाजनांनने ईसजहांनमे जाल चलादीयाहे,ओर सबसे हीले मीलेहें ओर रातदीन गुप्तीपाप करातेहें जीसकीखबर.आपलोगोंको,अबतक बीलकु लन्हीहे सोआपलोग ईसगरीबके लीखनेपर गोरफरमाकर ओर ऐकदीलहोकर ईनकेराक्षसी पापको छोडाईये देखोभाई हीन्दु मुसलमांन अंग्रेज ओर सातो आठो वलायतके बादशाह सबऐक दील होकर लोभको छोडदो ओर ईनसो दागर महाजनांनके जालकी पहचांनकरो ओर ऐकदीलहोकर ईनहोंके राक्षसी पापको छोडाओ;जबतुमहारे बाल बच्चे बचेंगे न्हीतो यह;सोदागर महाजनऐसे हेकी सबको गारत करदेंगे सोईनहोंके ऐसेऐसेजालहें ईसगरजसे यह कीताब [जगतहीतकारनी]बनाईहे कीईनहोंके जालोंसे वाकीफ होकरईसका!बंन्दोबस्त करो ताकी तमांम लोगोको सुखप्राप्तहो वरना यह जादुखोरा ऐसेहें कीसब कोआपुसमे लडाकर मारदेंगे ओर धन सातों आठों बादशाहतोंका लेलेवेंगे क्युंकी पहले जमांनेमे राजा रावणने राक्ष बीद्याका पाप चलायाथा उसजमां नेमे दुनीयांकी थोडी२बुदी भरष्टहुईथी परंन्तु उसजमांनेमे राजा रावणने स नीचरजी महाराजको राक्षसबीद्याके पापमे समामुख कलपायाथा!ओर तकली फदीथी जबसनीचरजी महाराजने संसारके गारत होनेकेसबबसे भबीक्षनसेईस बातका जीकरकीया कीतुमहारा भाई रावण संसारकेनांमका गुपती पाप क रारहाहे जीससे संसारके लोगोंकी अकल खराब होगईहे ओर ईसी सबबसे तमांम जहांनमे रोग चाला-वगेरा फेलेहुयेहें सोआप महरबांनीकरके ईसराक्ष सी पापका अपने भाई रावणसे बंदकराओ ओर जोईस राक्षसी पाप काक रना बन्द नाकराओगे तोरावणके साथ तुमहारे कुलकोभी नुकसांन पहूंचाया जावेगा ओर तकलीफ दीजावेगी क्युंकी आप रावणके सगेभाईहो ओर आ पलोगोंको ईनके जालोंकी अच्छीतरहेसे वाकफीयतहे सोबताओकी कहांपरगुप तोपाप होरहाहे अगरचे आप नावतअेंगे तोआयंन्दा ईसका नतीजा आपकेह कमे नीहायत खराबहे जब सनीचरकी भबीक्षनने दहशतअंगीज बातोंको सु नकर अपनेदीलमे बीचारकीया कीमेरेभाई रावणका जोराक्षसी पापहे वोहस नीचरको कुल मालुम होगयाहे जोईसके बतानेमे मेंनेकीसीतरहका फरेब रखा तोजरुर मुझको रावणके साथ तकलीफ ओर नुकसांन करादेगा ईसवजेसे भ

वीक्षनने अपनेभगतीका खीयालकरके ओर संसार ओर ईश्वर परमातमाकाखी यालकरके ओर डरकरके अपने भाईरावणका कुलगुपतीपाप बतादीया कीजी सकदर रावण कराताथा क्युंकीलंका पेशतर अलोपथी कीजबतक भवीक्षनने न्हीबताईथी परंन्तु लंका जबसे प्रघटहुईहे कीजबसे भवीक्षनने बताईहे लेकी न जबकी रावणसे ईसबारेमे दरीयाफत कीयागया तोरावणनेअपना राक्षसी पाप जोकीलंकामे रातदीन कराताथा कीसीकदर बताया ओर कीसीकदरन्ही बताया जबसनीचरने यहदेखा कीरावण मेरेसे अपनेराक्षसी पापको अलोपर खताहे कीजो राक्षसी पाप बाकीरहजावेगा तोहम फीर पाप करनीकलेंगे ओ र तमांमजहांनको गारतकरके चारकुंट ओर चोदाभांणमे हमअपना राज करें गे ईसगरजसे कुल जाल अपना न्हीबताया?कीजोलंकामे गुपतीपाप कराताथा जब सनीचरजीमहाराजने अपनेदीलमे बीचार करकेदेखा कीजबतक कुल सं सारको रावणके राक्षसी पापकी खबरन्हीहोगी जबतक राक्षसी पाप छुटना मुशकीलहे ईसवजेसे सनीचरने रावणके राक्षसी पापका चरचा कुल जहांनमे करदीया कीरावणने राक्षसी पापके जादुसे मेहको ओर मोतको अपने कबजे मेकररक्खहे ईससेदुनीयांमे दीनरबुराहोता जाताहे ईसबातके सुनतही कुलजहां नने सनीचरके कहनेपर यकीन लाकर ऐका सबसरष्टीनेकीया कीजरुर रावण केघरका राक्षसी पापहे ओरहम सबलोगोंकी अकल ईसीराक्षसी पापमे केदहो रहाहे कीजोरावणके राक्षसी पापको न्हीपहचांनतेहें परंन्तु सनीचरजी महारा जका जुगजुग ओर भोभो भलाहुजीओ कीरावणके राक्षसी पापको न्हीपहचां नतेथे उन्होंको वाकीफकरके पहचांनवाया न्हीतोसब लोग अन्धोंकी तरहसेथे ओरजो रावणने सनीचरजीको राक्षसी पाप सेन्हीकलपायाहोता तोरावण ज रुर कुलजहांनको गारतकरके अपनाराज करलेता परंन्तु सनीचरजी महाराज नेअपनेउपर दुखपडतेही रावणका राक्षसी पाप तमांमजहांनमे प्रघट करदीया जीसके सुननेसे सबलोग फोरन समझगये कीजोलंकामे रावण राक्षससी पाप कराताथा उसकोतमांम खलकतने ऐकदीलहोकर बीलकुल मीटादीया जबसेज हांनकी ओलादको सुखप्रापत हुवाहे न्हीतोओलाद दुनीयांकी न्हीरहती क्युंकी रावण तमांमदुनीयांको गारतकरके सातों आठों वलायतोंको अपनेकबजेमे कर लेता ओर अपना राजकरता जीसकासबुत परांनों वगेरासे साबीतहे बलके

राक्षसीवेदकी कीतावें ओर टीपनावगेरा चलायेथे ओर रतनागर सागरकेउप
र लंका शहर बसायाथा कीजहां हजारों कोसोंमेपांनी भराहुवापडाहे जीसका
हाल परांनोंवगेरामे लीखाहे कीरावणने लंका समुन्द्रके बीचमे आबाद कीथी
ओर सुरग नरक बनायाथा ओर चोरासीलाख कुन्डीयां राध लहुकीबनाईथी
सोउन कुंन्डीयोंकेउपर रखेश्वरोंकेनांम कीजीसकी वजेसे लंकामे कोईन्ही जास
कताथा जोकोई लंकामे जानेकेवास्ते समुन्द्र कीतरफजाता तोजादुचालेसे डगो
देता ओर लंकाकेउपर कीसीको न्हीजानेदेताथा ओर दुनीयां येहन्हीजांनतीथी
कीरावणलंकामे ईन्द्रजालकी वजेसे न्हीजानेदेताहे ओर जोकी सुपना ओर ग्रेह
चाला दुनीयांमे जारीहुयेहें यह भीरावणके जमांनेसेहुयेहें ओर जोरावणके रा
क्षसीवेदकीं कीतावें ओर टीपनावगेरा दुनीयांमे चलाकरके सबकी अकलोंको
खराब करदीयाथा सोयह बातभी बेदकी कीतावोंमे लीखीहुईहें कीरावणनेरा
क्षसीवेदकी कीतावें ओर टीपनावगेरा दुनीयांकी अकलोंको फेरनेकेलीये चला
येथे जीसकासबुत परांनोंवगेरासे साफप्रघटहोताहे परंन्तु रावणके जाल मीटां
नेकेवास्ते तमांमदुनीयां लंकामे पहूंचनेकेवास्ते तयारहुई परंन्तु दुनीयांको यह
पतान्हीलगा कीलंकामे कीस्तरहसे जासकेंगे फीरकुछ अरसा गुजरनेकेबाद यह
तजवीजकी कीतमांम सरष्टीके राजा बादशाह ओर रईयतवगेराने ऐकाकरके
बडी भारीफोज बनाई ओर जोकी राजारावणके भाईबेटे फोजसमेत हीन्दुस्तां
नमे रहतेथे उनकोपकडकर पुरारतंगकीया जबरावणके भाईभवीक्षननेकी रा
वणका राक्षसीपाप चलायाहुवाथा वोह तमांम राजा बादशाहोंको ओर दुनी
यांवगेराको भवीक्षनने बतादीया देखोजबकी सन्नीचरने रावणके राक्षसीपापका
पता लगादीयाथा ओर वाकीफकीया जबदुनीयांकी ओलादबचीहे परंन्तु रा
वण तमांम दुनीयांको मारके धनअपने काबुमे करलेता तोसनीचरका नांमई
सदुनीयांके उपर सीरफ नेकी करनेकीवजेसे अमर रहाहे कीजो रावणका रा
क्षसी पापथा उससेदुनीयांको बचाई ईसीतरहसे हरनाकुश नेभी राक्षस बीद्या
चलाईथी जबभी तमांमदुनीयांकी बुधीभरष्ट होगईथी परंन्तु उसकेजमांनेमेभी
तमांम दुनीयांने ओर राजा बादशाहोंने ऐकदीलहोकर हरनाकुशके राक्षसीपाप
कोछोडाया जब तमाम दुनीयांबची न्हीतो हरनाकुशभी तमांम दुनीयांको गा
रत करकेधन अपने काबुमे करलेता ओर हरनाकुशनेभी राक्षसबीद्याका सुरग

ओर नीरक बनायाथा ओर अलावा ईसके चोरासीलाख कुन्डीयांभी राद ल हुकी बनाईथी सोउन कुन्डीयोंके!उपर दुनीयांके नांमका पाप कराताथा ईस से दुनीयांकी अकल!खराब होगईथी जबकी हरनाकुशके राक्षसी पाप!कीख बर दुनीयांको नरसिंघजीके-कहनेसे मालुमहुइ,जब:तमांम:संसारने दीलमे बी चार करकेकहा:कीयह जीतनी!खराबीयां:दुनीयांमेहोतीहैं यह कुलहरनाकुशके राक्षसी!पापका फीतुरहे जबभी तमांम राजा:बादशाहोंने ऐकदील होकर हरना कुश केराक्षसी:पापको छोडाया जब!तमांम दुनीयां बचीहे.ओर जोहरनाकुश काराक्षसी:पाप न्हीमीटताती हरनाकुशभी!चारकूटमे ओर चोदाभांनमे अपना राज करता:परंन्तु संसारनेहेत करके!हरनाकुशके राक्षसीपापको;मीटादीया ईस से दुनीयां सलांमतरहीहे उसकेबाद कंसराजानेभी राक्षसबीधाका पाप चला याथा ओर अलावाईसके:राक्षस बीधाकेबेद ओर टीपनावगेरा चलायाथा ओर राक्षसीपापका सुरंग नीरकभी बनायाथा ओर चोरासीलाख कुन्डीयांभी राद लहुकी बनाईथी यहबात दुनीयांमे मशहुरहे परंन्तु जबकीकंसराजाके राक्षसी पापकी खबरपडी जबतमांम दुनीयांके राजा बादशाहोंने ऐकदीलहोकर कंस राजाके राक्षसीपापको छोडाया जबतमांम दुनीयांबचीहे न्हीतोकंस राजाभीत माम दुनीयांको मारके धनअपने!काबुमेकरलेता ईसीतरहसे कारून बादशाहने राक्षसबीधाके बेद ओर कीताबें ओर टीपनावगेरा दुनीयांमे चलायेथे ओररा क्षसीपापका सुरंगबनायाथा ओर चोरासीलाख!कुंन्डीयांभी:बनाईथी सोउनकुंन्डी योंपर चोरासीलाख जीवाजुनको:कलपाताथा;जबकीकारून बादशाहके राक्षसी पापकी खबरपडी जबतमांम दुनीयां ओर राजा बादशाहोंने ऐकदीलहोकर कारू नबादशाहके राक्षसी पापको छोडाया जबतमांम दुनीयांबचीहे न्हीतोकारूनबा दशाहभी तमांम दुनीयांको मारकर धनअपने!काबुमेकरलेता सोयहबात दुनीयांमे प्रघटहे ओर जोकीराजा रावणने ओर कारून बादशाहने राक्षसीपाप चलाया था सोउनहोंके पापको तमांम जहांनने ऐकदील होकरके छोडायाथा:जबतमांम दुनीयां बचीथी वरना ओलाद दुनीयांकी न्हीरहती परंन्तु ईनचारों शखसों नेजोराक्षसी पाप चलायाथा:उनकेनांमभी बदल२कररख्खेथे?कीजीससे हमारा राक्षसी जाल!मालुम न्हीहोगा:जीनकीतारीफ:मे:नांमके हवाला कलमहे कीजो रावणने राक्षसी:पाप चलायाथा उसकानांम ईन्द्रजालरखाथा?जीसको सनीचर

जीमहाराजने तमांम जहांनमे मशहुरकरदीयाथा ओर हरनाकुश राजाने!जोरा क्षसीपाप चलायाथा उसकानांम?राक्षसबीचारखा जीसको नरसिंघजीने दुनीयां मेंमघटकीया ओर कंसराजाने जोराक्षसी पापचलायाथा उसकानांम जादुचा लारखा कीजीसको श्रीकृशनमहाराजने संसारमे प्रघटकीया—ओर कारूनबाद शाहने जोराक्षसीपाप चलाया उसकानांम काफीरबीचारखा कीजीसको गुरु नांनकनेमघटकीया यांने पापतोवोहका वहीथा?परंन्तु नांम ईसवजेसे बदल२कर रखेथेकी जोऐकनांमसेही पापमजकुर चलायाजावेगा जबतोदुनीयां समझजावे गी फीरहमको कोनपापकरनेदेगा ओर जबकी नांमईसपापके बदलकर:रखेंगे तोहमारा जाल!ऐकाऐक जाहीर न्हीहोसकेगा ईससेऐसे२नांम बदलकर:रखेथे परंन्तु बलराजाके बादसे ईनसोदागर महाजनांननेभी रावण?हरनाकुशवगेराकी तरहसे राक्षसीपाप चलायाहे परंन्तु पापतो वोहकावहीहे लेकीन नांम ईनहों नेभीबदलकर रखाहे कीजीसको तमांम हीन्दु?मुसलमांन ओर सबलोग:कलुका ल:कहतेहें सोवोह सोदागर महाजनांनके घरका राक्षसीपापहे कीजीस्तरहसे!रा वण वगेराने चलायाथा उसीतरहेपर ईनसोदागरांनका राक्षसीपाप चलरहाहे ओर ईनसोदागर महाजनांननेभी रावणकीतरहसे राक्षसीवेदकी कीतावें ओर टीपनावगेरा दुनीयांमे चलायेहें कीजोआजदुनीयांमे चलरहेहें?यहसबईन्द्रजालहे जीसकोहीन्दु:मुसलमांन अंग्रेज!ओर सबसरष्टी देखरहीहे ओर ईनसोदागरमहा जनांनने पहलेसेयह केसीअकलमंन्दीकीहे जोअगले जमांनेके:स्तीलोगहुयेहें उन केनांम कीतावोंसे लीखकर जाहीरकीयेहें?ओर ऐसाभी लीखाहेकी?अबऐसाज मांना तंगआवेगाकी जीसकेघरमे ऐकसेरकांसीरहेगी वोहदोलतमंन्द?कहलायेगा सोयह कीतावें जीसमेदुनीयांके बुराहोनेका लीखाहे वोहईन सोदागरोंनेही रा क्षसीजालकी कीतावें चलाइहें?ओर अगलेस्तीलोगोंका नांमउन कीतावोंमे ली ख दीयेहें ईसवास्तेकी आपप्रघटनहूं ओर यहभीलीखाहेकी वोहसेर कांसीभी राजा बादशाहोंके घरोंमेरहेगी सोदेखोभाई ईसजमांनेमेतो राजा बादशाह हा थी घोडा फोजवगेरा केईकीसमके आरांमउठातेहें फीरजबकी सेरभर?कांसीर हजानेकी नोबत पहूंचेगी उसवकतमे?ईनराजा बादशाहोंका क्याहालहोगा सो यहबात काबीलखीयाल करनेकेहे कीसेरभर कांसीमेसे क्यातो अपने?खरचमे लावेंगे:ओर :क्यादुनीयांके कारजकरेंगे?ओर क्याफोजरखेंगे!ओर कहांसेअच्छा

कपडा जरी व रेशमका पहनेंगे जबसेरभर कांसीरहजावेगी?तोरईयतवगेरातो सबमरजावेगी!क्युंकी सबकांम रुपीया पेसासेहोताहेःब्याह शादीमे कपडावगेरा कहांसेआवेगा ओर वगेरबलद गायेके खेतीबाडीके कांमकीसतरहसेचलेंगे ओर बगेरपेसेके दुनीयांका कोईकांम न्हीचलसकताहे ओर जबरईयत तबाहोजावेगी तोराजा बादशाह क्याकरेंगे?रेयतबगेर राजहीन्हीहेःक्युंकीपेसेबगेर दुनीयांकेका रज चलेंहीन्ही ओर पेसेबगेर रेयत मरहीजावेगी ओर ईनसोदागरांनने काल पडारकरधन अपनेकाबुमे?करलीयाहे ओर जोकुछकी बाकीरहाहेःउसकोभीकाल पडापडाके काबुमेकरलेंगे ओर यहसोदागर धनको?जहाजमे लादरकररावणकी तरहसे दरीयावोंकेपार लीयेजातेहें जेसेकीरावण लंकामेलेगयाथा उसीमुवाफीक यहभीलेजातेहें ओर फीरपहलेसे दुनीयांमे यहबातेंभी ईनहोंने चलादीहें?कीसेर कांसीरहेगी वोह!दोलतमंन्दहोगा ओर दुनीयांकी आंखोंदेखते धनकोलेजातेहें ओर दुनीयांकी बुदीभ्रष्टकरके ऐसासुजातेहेंकी अंग्रेजलेजातेहें?ओर लीयेजातेहें यहबनीये सोदुनीयांकोतो कुछदोशन्ही क्युंकीदुनीयांकी बुदीतो ईनहोंकेजादुमे ईनहोंनेकेदकररखीहे ओर आंखोंदेखते यहबनीये धनको रेलमेःवःजहाजमेला दकरलीयेजातेहें ओर दुनीयांको बुदीभ्रष्टहोनेकेसबबसे खबरन्हीपडतीहे ओर ईनहोंने केसीअकलमंन्दीकीहे कीयहबनीयेजब दुसरीवलायतके लोगोंको हीन्दु स्तांनमेलावेंगे तोवोह दुसरीवलायतकेलोग दुनीयांसेयह बातसुनेंगे!कीहीन्दुस्तांन कापेसा अंग्रेजलेगये तोफीरवोह अंग्रेजोंसेलडेंगे ओर असलमेयहबनीये अंग्रेजों सेलडावेंगे परन्तु आप यहअलगकेअलग ओर!न्यारेकेन्यारेरहेंगे ओर सेरकां सीकीभीजातें ईनबनीयोंनेही पहलेसेचलाईहें सोयहतोजाहीर दीखाईदेवेहे कीज बधन हीन्दुस्तांनका यहबनीयेलेजावेंगे तोसेरकांसीही बाकीरहजावेगी ओर यह बातसेर कांसीवगेराकी ओर कालवगेराकी चलाईतोपहलेसे बनीयोंनेहें ओर साधु फकीरोंकानांम लगाकरलीखदीयेहें कीफलांनेसाधु फकीर पहलेसेलीखग येहें कीऐसारबुराजमांना दुनीयांमेआवेगा सोअगर साधु फकीरोंको पहलेसे मालुमहोता तोवोह यहभीलीखजाते कीयहबनीये राक्षसीजाल दुनीयांका बुरा होनेकेवास्तेःचलावेंगे सोवोहतो बेचारे परमेश्वरकी भगतीकरतेथे ओर उसका नांमलेतेथे अपनेजीवका भलाहोनेकेवास्ते सोयहबनीये ईसजालको प्रघट ओर चोडे!नाहोनेकेवास्ते?अपनेसर रावणकेमुवाफीक न्हीलेतेहें जैसेरावण अपनेसर

न्हीलेताथा ओर सीवायेईसके ओरभी बातकेसी लीखकर जाहीरकीहे:कीसुरज हजार कीरनोंसे तपेगा जीसकी गरमीसे धरती लाल सुरख तांबेकेरंग होजा वेगी ओर जभीनमाताके उपर पांनीजोहे वोहईस्तरहगरमहोगा कीजीस्तरहसे कडाईके अंन्दरतेल उबलताहे उस्तरहसे पांनीउबलेगा सोदेखोभाई उसवक्तमें ईनराजा!बादशाहोंकाक्या हालहोगा परंन्तु अब;लोगोंको यहबात नीहायत खुबी केसाथसोचनी ओर समझनीचाहीये ओर यहजो आगमे ईनसोदागर महाजनांन ने कीताबोंकेअंन्दर लीखकर जाहीरकीहें यहकुल सोदागर महाजनांनकी जा लसाजीयांहें क्युंकीसुरज हजारकीरनोंसे न्हीतपेगा यहतोतमांम जहांनको भुल बताईहे परंन्तु यह ऐसातो जरुरकरेंगे कीजमीनमाताको अगनीका रोगकरके बीमारकरदेंगे जीसकीवजेसे धरती सुरख तांबेके रंगहोजावेगी ओर पांनीभी तेलऊनटने कैमुवाफीक ऊनटेगा परंन्तु यहजादुखोरा सुरजकोतो नाहकबदनां मकरतेहें ओर सबसंसारके लोगोंको भुलबताईहे कीतपेगा मेरा लीखनायहहे कीसुरज हरगीज२न्हीतपेगा क्युंकीयहतो अपने मामुलीकीलपर घुमतेहें ओर सुरज चंन्द्रमातो ईस्तरहसेहै-कीजीस्तरहसे आदमीके सरीरमे जोतहोतीहे उसी तरहेसे जमीनमाताके सरीरमे सुरज चंन्द्रमाकी जोतहे परंन्तु ईनसोदागर म हाजनांनके ईन्द्रजालके पापसे कुलजहांनके लोगोंकी अकल केसीखराब कर दीहेकी जीससेसब लोगोंको ऐसाहीमालुम होताहेकी यहराक्षसी बेदकी कीता बें अगले स्तीलोगोंकी लीखीहुईहें जीससेउनको कांममेलातेहें परंन्तु उनको यह बीलकुल मालुमन्हीहे कीजीतनी कीतावेंराक्षसी बेदकीहें वोहकुल ईनसो दागर महाजनांनकीहें ओर ईनकीचलाईहुईहें परंन्तु नांम उनकीताबोंमे अगले स्तीलोगोंका लीखकर जाहीरकीयाहे जीससे तमांमलोग उनकीताबोंकोपढतेहें ओर उनहीकेउपर चलतेहें हालांकी रात दीनखराब होतेजातेहें तोभीन्हो सम झतेहें,कीईन बनीयोंने रावणके मुवाफीक राक्षसीबेदकी कीतावें ओर टीपना वगेरा चलायेहें क्युंकीसंसारकी बुदी राक्षसीपापमे केदहोरहीहे;ईससे न्हीसमझा जाताहे क्युंकीजब रावण वगेरानेपाप चलायाथा तोदेवतासरुपी जोलोगथे;उन कोभीन्हो मालुमहोताथा-जबसनीचरने वाकीफकीया जबसंसार वाकीफहुवा ईस से मेहाथजोडकर अरज करताहूं कीकुलजहांनके राजा बादशाह ओर रयतऐक दीलहोकर ईनबनीयोंके राक्षसीपापको छोडाओगे——जबतुमहारे;बालबच्चे बचेंगे

न्हीतोयह सोदागर?महाजन ईसपरमेश्वरकी!रचनाको गारतकरके:धनअपनेकाबु मे करलेंगे?ओर ईनवनीयोंकी दुकानें दुसरीवलायतोंमे पहूंचगईहें सोदुसरेबाद शाहोंको!हीन्दुस्तांनमे लार२करके:हीन्दुस्तांनके लोगोंको?गारतकरादेंगे?ओर:धन सबबादशाहोंका अपने काबुमेकरलेंगे ओर सबको नीरधनकरदेंगे परंन्तु ईनके जालोंकीखबर कीसीवलायतके राजा बादशाहों?ओर अंग्रेजतकको भीन्हीहे ओर ईनसोदागरांनका दील ईस्तरहपरहे?कीजीस्तरहसे हमने?हीन्दुस्तांनकाधन अपने काबुमेकरलीयाहे उसीतरहपर दुसरी बादशाहतोंका धनकाबुमे करलेनेकेवास्ते यहजाल चलायाहे परंन्तु यहसोदागर महाजनांन!जबकीसी बादशाहको हीन्दु स्तांनमे लानाचाहतेहें तोउनकोरुपीया पेसाकी:मददेतेहें ओर हीन्दुस्तांनके:राज करनेका?लोभबतातेहें ओर जबवोहआनेकेवास्ते तयारहोजातेहें तोसोदागरलोग उनकोहीन्दुस्तांनमे लेआतेहें:ओर राजकरादेतेहें?तोईसहीन्दुस्तांनमे वास्तेराजकर नेके पहलेतो!मक्कावालोंकोलाये:तोउन्होंने अरसातक!राजकीया बलके मक्का— वालोंनेअपने राज अहातेमे जबरन हीन्दुओंको मुसलमांनकीया जीसकीखबर हीन्दुस्तांनके!लोगोंको बीलकुल न्हीपडनेदी!जीसकीखास वजेयहहीहे कीउनकी अकल अपनेराक्षसीपापके जादुसे ईनवनीयोंने केदकरदीथी जीससेखबर न्ही पडी ओर पहलेजमांनेकासा धन?अबमक्कामेभी न्हीरहा ईसवजेसे:वहांकेलोगभी दुखीहें परंन्तु यहखबर नातोहीन्दुस्तांनकोहीहे?ओर नामक्कावालोंकोहे?कीईनसो दागरांनने अपनेराक्षसीपापसे संसारकेलोगोंकी अकलको खराबकरके धनको काबुमे करलीयाहे जीससेतमांम दुनीयां दुखीहे?उसकेबाद वास्ते राजकरानेके अंग्रेजोंकोलाये तोमक्का वालोंकीतरहसे अबयहभी राजकररहेहें!ओर जीस्तरहसे कीमक्का वालोंको राज?करानेकेवास्ते यहसोदागर महाजनांन लायेथे उसीतरहसे अंग्रेजोंकोभी लायेहें ओर जीस्तरहसेकी ईनसोदागर—महाजनांनने'मक्का,वालोंका धनअपने.कबजेमे करलीयाहे उसीतरहसे अंग्रेजोकाभी धनअपने काबुमेकरलेंगे ओर नीरधनकरदेंगे जबरुसके बादशाहसे मीलकर अंग्रेजोंके बच्चोंकोमरवादेंगे ओर अपने मीलनेकी खबर अंग्रेजोंको ओर अंग्रेजोंके—बच्चोंकोभी न्हीपडनेदेंगे ओर—रुसवालोंकोलाके-हीन्दुस्तांका राजकरादेंगे ओर जबउनकाभी धनकाबुमे करलेंगे ओर रुसवालोंको नीरधनकरदेंगे:फीरओरकीसी बादशाहतके-राजा बा दशाहसे:जामीलेंगे ओर जबउनकाभी धनकाबुमे करलेंगे,ओर रुस;वालोंकीतरह

सेउनकोभी नीरधनकरदेंगे ओर-उनकेबच्चोंको मरवादेंगे गरजकी सोदागरमहा जनअपने–राक्षसीपापसे सबकीअकलोंको?भ्रष्टकरके सातों?आठों–बादशाहतोंके राजा बादशाहोंको हीन्दुस्तांनके राजकरानेका लोभदेकरकेलावेंगे ओर?उनसे हीन्दुस्तांनका राजकरावेंगे ओर?सबबादशाहोंको–नीरधन करदेंगे–ओर राजा बादशाहोंको अपने,राक्षसीपापसे यहबनीये बाहमलडाके मरवादेंगे ओर?अपने जालकी खबरन्हीपडनेदेंगे ? क्युंकीईनसोदागरांका ? जालरावणकीतरहसे अलोपहो रहाहे कीजीस्तरहसे रावणने लंकामे चोरासीलाख कुंन्डीयोंका सुरग नरकब नायाथा उसीतरहसे बलराजाके बादसे ईनसोदागर महाजनांनने राक्षसबीद्या कासुरग?नरक बनायाहे सोवोहसोदागर महाजनांनकेःघरकाराक्षसी पापहे ओर ईसीराक्षसीपापके जादुसे कुलजहांनके लोगोंकी अकल फीरीहुईहे?कीजेसेरावण केवकतमेसबकी अकलफीरगईथी परंन्तु?ईतनाखीयाल?कोईभीसाहब न्हीकरतेकी जबरावणने राक्षसबीद्याचलाईथी ओर?रावणकीचोरी सनीचरकोःमालुमहोगईथी सोसनीचरके मुहसेसुनतेही रावणके राक्षसीपापको कुलसंसारने ऐकदीलहोक र फोरनतजादीया फीरओर न्हीचलनेदीया ओर सनीचरकोभी?जीयादान्हीस मझानापडाथा क्युंकीउसजमांनेमे संसारकीअकल थोडीरखराबहुईथी ओर अब ईनसोदागरांनके?राक्षसीपापसे ऐसीअकल खराबहोगईहेकी समझायेसेभीःन्हीस मझतेहें सोऐराजा बादशाह ओर रयतवगेरा मेरीयहअरजहे कीईनसोदागर म हाजनांनके अजहद जालहें–सोजीस्तरहसेकी?रावणके राक्षसीपापको सनीचर केकहनेसेतमांम संसारने ऐकदीलहोकरके छोडायाथा?उसीतरहसेःईनसोदागरःम हाजनांनकेजालको कुलसंसारके हीन्दुःमुसलमांन ओरःअंग्रेजवगेरा ऐकदीलहो करकेछोडाओ जबतुमको ओर?तुमहारेबाल?बच्चोंको आरांममीलेगा ओर जीस बादशाहकोकी–हीन्दुस्तांनमे लानाचाहतेहें तोपहलेउनका धनभीःराक्षसबीद्याके पापसेखेंचलेतेहें ओर नीरधनकरदेतेहें जबभुखे मरनेलगतेहें तोफीरयह सोदा गरलोगउनको?रुपीयापेसाकी मददेकरके हीन्दुस्तांनमे हीन्दुस्तांनका!राजकरा नेकोलातेहें ईससेवोहभीकुछ खीयाल न्हीकरतेहें ओर भुलेहुये ओर बहकेहुये रहतेहें ऐ सातोःआठोःबादशाहतोंके हीन्दु!मुसलमांन-अंग्रेज मेरीयह अरजहेकी सोदागरःमहाजनांनको धनका ! लोभबहोतहेःकीपेसा!रुपीयासब-हमारेपासहोजावे तोहम सबकेमालीक ओर सेठबनबेठें ओर!अपनाराजकरें सोतुम!संसाकेलोगो

अगर,हीम्मतकरके!ईनसोदागरांनके?राक्षसीपापको नाछोडाओगेतोःतुमसबसंसार केलोग लोभहीलोभमे गारत होजाओगे? ओर? हीन्दुस्तांनतो गारत होहीगईहे ओर जोथीडीबहोत बाकीरहीहे सोवोहअब तुमलोगोंकोलाके?तबाहकरादेंगेःसो यह जाल सीरफधन लेनेकेवास्तेःओर राजकरनेकेवास्ते चलायाहे?ईससेईसईन्द्र जालकेपापको? छोडानाचाहीये जबदुनीयांकी ओलाद सलांमतरहेगी ओर जी स्तरहसेकी राजारावणने ओर हरनाकुशनेःओरःकंस!ओर-कारूनबादशाहने,रा क्षसबीद्याका?सुरगबनायाथा उसीतरहसेःबलराजाके बादसे-ईनसोदागर महा-जनांनने राक्षसबीद्याका सुरग नरकबनायाहे सोयहबात सबसंसारमे मशहुरहे कीवहांपरराध लहुकीकुन्डीयांहें ओर यहभीकहतेहेंकी सुरग नरकहे जीसको आंमलोग हीन्दु;मुसलमांन सुरग?नरककहतेहें सोभाईमेरेहो व्हांपरकोईसुरगहे ना नरकहे यहतोसीरफ सोदागरमहाजनांन बनीयोंकेघरका राक्षसीपापहे!ओर सुरग वो नरकतो यहजमीनमाताहीहे ओर-अपनहीन्दु मुसलमांन राक्षसीबेदकी की तारबेंपढतेहें!कीजीनमे चोरासीलाख कुन्डीयोंकाहाल ओर चोरासीलाख;जीवाजु नकाहाल दुखदेनेकुलोंकेलीखाहे सोभाईमेरेहो यहअसलीबेदन्हीहे यहतोसोदागर महाजनांनके घरकागुपती पापकाबीखांनहे ओर जोटीपना ब्राहमनलोग बांचते हें वोहभी ईनसोदागर महाजनांनकेघरके-चलायेहुयेहें क्युंकीयह राक्षसीबेदके टीपनेहें असलीःबेदकेटीपनेन्हीहें सोयहबात बेदकीकीतावोंसे साबीतहोतीहे की रावणने राक्षसीबेद ओर कीतावेंराक्षसीबेदकी ओर गीरहचालोंके टीपनावगेरा दुनीयांमेचलायेथे उसीतरहपर बलराजाकेबादसे ईनसोदागर महाजनांनने राक्ष सीबेदकीकीतावें-ओर टीपनावगेराःचलायेहें सोईसबातका!खीयालकरनाचाहीये कीचलायेतो बलराजाके बादसेहें परंन्तु कीसी२कीताबमेऐसा लीखकरजाहीर कीयाहेकी यहकीतावेंःजमीन व आसमांनसे पहलेकीबनाईहुईहेंःयांने[मन्सासागर] कीताब पहलेकीबनाईहुइहे ओर चलाइहुइहें सोयहबात काबील गोरकरनेकेहे कीजबरचाहीन्हीथी तोलीखने पढनेवालाकोनथा सोऐ भाईयोयहःरचनातोकदीम सेहीहें ओर कीतावोंके बनानेवालेभी कदीमसेहें क्युंकीजीन कीतावोंको जमी नःआसमांनके पहलेकीबतातेहें सोवोहपहलेकीन्हीहें यहतोईनसोदागर महाजनां नकेघरकाःजालहे सोतुमसंसरके लोगोअपनी आंखोंसेहीदेखरहेहो क्युंकीरावण नेतो,दुनीयांके!पीछे[९]हीगीरह!लगायेथे!परंन्तु ईनसोदागर!महाजनांननेतोईस

कदर?गीरह लगायेहेंकी?जीसकीकुछ गीनतीभी?न्हीहोसकती सोतुमतमांम?जहां नकेलोग अपनीआंखोंसे देखरहेहो—ओर कांनोंसे सुनरहेहो:कीटीपनोंमे गीरह चालोंका:पारहीन्हीहे क्युंकीहरसाल रोगचालोंका!ओर गीरहचालोंका?ओर:डाड चालोंका यांने,टीडकाआना ओर?चुहा:यांनेऊंदरोंका?जीयादाहोना यांनेऊंदरा सांप बीच्छुवगेराकी लाखोंजीवाजुन जमीनकेपेटमे पेदाहोतीहें कीजीस्तरहसेआ दमीकेपेटमे कीसीकीसमकी बीमारीसे:सेंकडोंतरहके!कीडेपडजातेहें सोभाईमेरेहो जीस्तरहसेकी आदमीकेपेटमे रोग:बीमारीकेसबबसे कीडेपडजातेहें ईसीतरहसे जमीनमाताके-पेटमे रोगचालेकीवजेसे सेंकडोंतरहकेकीडे पडजातेहें यहहालटीपनों केअंन्दर हरसाल—लीखाहुवाआताहे.कीफलांनेसाल फलांनेकीसमकी बीमारीशरु हागी याकालवगेरापडेगा सोऐ संसारकेलोगो जबकीसाल गुजरनेकेबाद दुसरे बरसआतेहें तोब्राहमनलोग कालवगेराके पडनेकेबारेमे तमांमजहांनकेलोगोंको साफदीलसे:सुनातेफीरतेहें परंन्तु ब्राहमनलोगोंकोतो सुनानेकीवजेसे कुछदोशन्ही परंन्तु सोदागरमहाजनांननेकी जोचोरासीलाख कुंन्डीयोंका?स्वंग नरकबनायाहे वहांपर जमीनमाताके नांमकापापकरातेहें जबतोजमीन माताकोलगजाताहे ईसव जेसेजमीनमाताके पेटमेकीडेपडजातेहें ओर जबकीजीवाजुन ओर आदमीयोंके नांमका पापकरातेहें तोपापहोनेकेसबबसे?आदमीयोंको हरतरहकी:अंगपीडापेदा होजातीहे गरजकीदुसरी जीवाजुनके नांमकापापकरातेहें तोपापहोनेकी वजेसे आदमीयोंकीतरहसे दुसरीजीवाजुनभी!बीमारीकेसबबसे तरह२कीअंगपीडापातीहे ओर यहबनीये ऐसाभीकरतेहेंकी जबकीसीकेनांमका बाबतमरनेके जीयादापाप करातेहें तोसंसारमे मरीभीपडजातीहे ओर यहबेईमांन ऐसाभीकरतेहें कीराजा बादशाहोंकेनांमका:पापहोमकरावें तोराजाबादशाह कच्चीउमरमे मरभीजातेहें उमर पाकेमरेंतो कुछसोचन्ही परकच्चीउमरमे मरजावेंतो टीपनोंके?अंन्दर सुनातेहीहें कीअबकेराजा बादशाहोंपरभारहे तोफीरउसराजा बादशाहोंकेनांमका होम पाप चोरासीलाख-कुंन्डीयोंकेउपर करावेंतो उससाल—राजा बादशाहमरजानेहें सोपह लेटीपनोंकोसुनातेहें ओर फीरचोरासीलाख कुंन्डीयोंकेउपर पापकरातेहें,जीससे तरह२कीबीमारीयां.होजातीहें जीसकाहाल टीपनोंकेअंन्दर सालबसाल—बजबांनी ब्राहमनांन सुनतेहीहो कीजोआयेबरस टीपनोंकेअंन्दर कालपडनेकेबाबत ओर रोगचाला-फेलनेकेबारेमे ओर गाये,घोडा ऊंटवगेरापर भारहोनेकेबारेमेभी.ली

खतेहें ओर यहभीलीखतेहें कीफलांनेबरसमे तलवार?चलनेकाजोगहे—क्युंकीटी पनोंमे! यहबातलीखीहे! सोजबतलवार चलनेकेनांमका पाप-होमकरातेहें!तोतलवा र चलजातीहे परन्तु ईनसोदागर,महाजनांनने तमांमजहांनके लोगोंकी अकल अपने राक्षसीपापसे!ऐसीकेदकरदीहे कीईनकेजालोंको सबसाहबांन सरआंखोंसे कांनमेलातेहें ओर मुलाहजाफरमातेहें!जबभीईस बदहुनरकेबारेमे ऐसीकोशीसन्ही करतेहेंकी जीससेराक्षसीपाप ईनसोदागर महाजनांनका संसारसे दुरहोजावेतो केसीउमदाबातहे क्युंकीयहसोदागर महाजन जीससालमेतकरार फीसादहोने सब संसारके पापकरावें तोदुनीयांकी अकलफीरनेके सबबसे'आपुसमे लडाईकरतेहें ओर फीरउसतनाजेसे भाईभाईआपुसमे लडकरमरजातेहें सोयहहाल सबजांन तेहीहो ओर प्रघटहे,कीहम तुममेऐसे२हेतईरादेरहेहें कीऐकदुसरेको?देखकरकेना राजहोतेहें बलकेरंज व गममे'गीरफतारहोजातेहें ओरःजहांतककी मोकामीलताहे ऐकदुसरेको जमनेन्हीदेताहे ओर गरीबों अमीरों ओर राजा,बादशाहोंमे ऐसा खार अेसारहेकी भाइभाइआपुसमे यहचाहतेहें कीमेराबडा भाइमरजावेतो इस कामालभी मेरेहाथआजावे ओर छोटाभाइको-बडाभाई न्हीचाहताहे कीयहमरजा वेतो सबमालधन मेरेहाथआजावे गरजकी जीतनेभाईहोवें आपुसमे ऐकदुसरेका यहचाहतेहें ओर-राजालोग यहचाहतेहेंकी भाईबेटों ओर ऊमरावोंवगेराको गा लदृतो सबमुलककी पेदायशमेरे हाथआजावे परंन्तु यहबुधी फीरनेका सबबहे कीराक्षसीपापसे बुधीफेरदेतेहें जबऐसाही सुझताहे—परंन्तु यहराजा बादशाहोंकी भुलहेकी जबभाई बेटेसरायत'गलजावेंगे—तोराजालोगोंकोभी कोनराजकरनेदेंगे परन्तु बुधीफीरनेसे सुझतान्हीहे सोऐसे२खार अेखार ईसजमांनेमे रहगयेहेंकी ऐसाहाल ओरकीसीःजमांनेमे न्हीहुवाथा कीजोआजहम.ओर तुम ओर सब-संसार—अपनी२आंखोंसे देखरहेहो कीउसपरमेश्वरके घरमेतो,सिंघ—ओर बकरी शांमीलचरीहें ऐसासंम्प ओर हेतइरादाथा सोजीसदीनसेकी राक्षसबीद्याका पाप दुनीयांके नांमसेकरातेहें उसदीनःदुनीयांकी अकल लछामांन'होजातीहे सोयह टापने'राक्षसबीद्याकेहें—कीजीस्तरहसे-रावणने,राक्षसबीद्याके टीपनेचलायेथे ईसी तरहपर ईनबनीयोंनेभी राक्षसबीद्याके टीपनेचलायेहें ओर ब्राहमनोंको मराने केवास्ते-पकडादीयेहें परन्तु ब्राहमनोंकोतो ईनके जालोंकी खबरन्ही कीटीपने बनीयोंके चलायेहुयेहें सोईनबनीयोंने टीपनोंकेअन्दर यहकेसीचालाकीकीहे'की

ब्राहमनोंके बुजरगोंकेनांम टीपनोंकेअंन्दर लीखकरके प्रघटकीयेहें ईससेब्राहमन यहजांनतेहेंकी!यहटीपने;हमारेहें सोयह?ब्राहमनोंकीभुलहे? क्युंकीयहःटीपनेराक्षसी बेदके?बनीयोंके बनायेहुयेहें!ओर चलायेहुयेहें:कीजोटीपनोंको ब्राहमनलोग;आज?बांरहेहें परंन्तु?ईनमहाजनांनने—यहअकलमंन्दीकीहे कीजोराजा बादशा टीपनोंका हालदरीयाफत करेंगेतो ब्राहमनोंके बच्चेमारेजावेंगे लेकीन-ब्राहमनलोग ईनटीपनोंका बीलकुल.खीयालन्हीकरते कीईनटीपनोंमे ग्रेहःगातातो राक्षसीबेद केमोजीबहें!सोईसबातको बीलकुलन्ही;सोचतेहें कीटीपने हमकोकीसीने राक्षसी बेदकेतोन्ही पकडादीयेहें—क्युंकीरावणने छलकरके राक्षसीपापके टीपनेरखेश्वरों कोपकडादीयेथे सोउसीतरहसे छलकरके जालकेटीपने हमारेबच्चे गारतकरनेके वास्तेतोन्ही पकडादीयेहें सोतोबीलकुलन्ही?समझतेहें?सोयहअकल;फीरनेकासबब हे क्युंकीबुधीको ईनहोंनेःराक्षसीपापसे ऐसीखराब करदीहेकी कलमसे लीखान्हीजाता बलके;ब्राहमनोंको ताहम ऐसाहीसुझताहे?कीयहजोटीपनेहें?कीजीनहोंको हमरोज-मररा बांचतेफीरतेहें—यहहमारे घरकेहें:परंन्तु यहन्हीजांनतेकी ईनसोदा बार महजनांनने जालसाजीकरके राक्षसीपापके टीपनेबनाकरके?हमब्राहमनोंको पकडादीयेहें कीजेसेरावणने जालसाजीकरके रखेश्वरोंके हाथोंमे राक्षसीबेदके-टीपने?पकडादीयेथे यहहालःईस्तरहसेहे कीरावणकादील?चकवे—राजकरने ओर कुलप्रथविंपर राजकरनेकाथा ईसीतरहसे ईनमहाजनांननेभी बलराजाके बादसे जालसाजीकरके ब्राहमनोंके?बच्चेमरानेकेवास्ते राक्षसबीद्याके-टीपने पकडादीयेहें ओर ईनकाभीमन चकवे,राज करनेकाहे सोयहहाल ईस्तरहसेहे कीजब;अकल खराब होजातीहे?जबऐसाहीसुझताहे परंन्तु यहभीगोर करनेकीबातहे कीजोब्राहमनलोग टीपनोंको ईसजमांनेमे घर२बांचतेफीतेहें परंन्तु बांचनेसे;कोनसाकाल ओर?कोनसारोगवगेरा ओर—कोनसीबातें होतीहें ओर टीपनोंमे जोकहतेहें कीफलांनेदीन तमांम साओदेसमे मेहकाजोगहे तोउसदीन?जमीनमाताके नांम कापाप उनःचोरासीलाख कुंन्डीयोंकेउपर? बंन्धकरलेतेहें? तोबीरखा तमांमदुनीयां जहांनमेहोजाताहे! ओर!जोयह महाजनलोग यहचाहें;कीमेह;थोडाबरसनेदेवें तोउसीवकत जमीनमाताके नांमका पापकरना—शरुकरदेतेहें तोबरसते२मेहबंन्धहोजाताहे ईसकीऐसी मीसालहे कीजेसेआदमी खाना खाताहोवे ओर खाते२ उसकेपेटमे?बहोतसखत—दरदःदुखपेदाहोजावे * तोउसीवकत वोह;उसदरदकीवजेसे

खाना?पीनाबंन्ध!होजावे-उसीतरहसे;जमीनमाताकेभी ? जादुसे * रोगकरदेतेहैंतो ÷ मेहबरसते२बंन्धहोजाताहे याने जमीनमाता पांनीपीते२रोगकेसबबसे बंन्धहोजा तीहे क्युंकीजमीनकी खोराकपांनीहे ओर जोटीपनोंमे यहलीखाहुवाहे वो ली खतेहैं कीफलांनीजगेह मेहहोगा ओर फलांनीजगेह मेहन्हीहोगा याने?फलांना खंन्डखालीरहेगा तोजीसतरफका खंन्डखालीरहताहे—उसतरफकी जमीनकेनांम कापाप करायेजातेहैं ओर जीसखंन्डके अंन्दरमेह होनेकालीखतेहैं?ओर उसखंन्ड कीजमीनके नांमकापाप छोडदेतेहैं तोवहांमेह बरसताहे कीजेसे आदमीकेसरीर मेऐकपासेकीतरफमे दरदहोजावे ओर दुसरीतरफका?पासाअच्छारहे याऐकहाथ यापांव यासर यापेट यापीठमे!कीसीतरहका दरद यारोगहोजावे ओर दुसरा हाथःपांवःयासर यापीठअच्छीहोवे ईसीतरहसे जमीन्माताकेभी देह ओर सरीर हे ओर जीसतरहसेकी आदमीकेसरीरमे रोगहोजावे उसीतरहसे—जमीनमाताके सरीरमे!जादुचालेसे यहबनीये महाजन--जमीनके नांमकाहोम यानेपापकरातेहैं- ओर रोग व बीमारीपेदा करदेतेहैं?तोजमीनमाताभी बीमारहोजातीहे ईससेकही बरसताहे ओर कही न्हीबरसताहे क्युंकी जीसतरहसेआदमी जीन्दादीलहेःउसी तरहसे जमीनमाताभी जीन्दाहे ओर टीपनोंमे यहलीखतेहैं कीअबकेबरसपवन जीयादाचलेगा तोजमीनमाताको जादुसे दमकारोग करदेतेहैं;तोईन्महाजनांनकी ईससेयह गरजहे?कीधांन रीजकवगेरा कमहोवे तोईनकेघरमे फायदा पडताहे- तोपवनका रोगइसतरहसेहे—कीजेसेआदमीको दमकारोग होजाताहे ओर जोटी पनोंमे यहलीखदेतेहैं कीअबकेबरस अगनीचाला बहोतहोगा तोउसबरस जमी नकेनांमका पापकराकेःगरमीका रोगकरदेतेहैं जेसेआदमीके-पेटमेगरमी ओर आ ग पेदाहोजातीहे ओर कही२गरमीका जादुसे—जीयादारोग करतेहैं?तोबहोतसे गांवःजलजातेहैं ओर जंगल व पहाडोंमे धांन घास झाड बनासपतीवगेराखुद बखुद जलजातेहैं ओर मेकहांतकलीखूं आपलोग गोरकरोतो बहोतसेरोग ईन महाजनांनने जमीनमाताको जादुसेकररखखेहैं कीजीससेपेदावार धांनवगेराकी न्हीहोतीहे!ओर ईनहोंने!बेशुमाररोग जमीनमाताको करदीयेहैं?जीससेधांनवगेरा न्हीहोताहे ओर!मेनेतोऐक दोबात आपलोगोंके वाकीफकरनेको लीखीहैं ओर जेसाकी?स्तजगमे रीजकहोताथा—वेसाअब न्हीहोताहे क्युंकी;जमीनमाताके!सरी रमे बारोमासही—जादुसे रोगरखतेहैं;ईससेस्तजगके!मुवाफीक रीजकन्हीहोताहे

जीससेकुल दुनीया दुखीहे!ओर जोटीपनोंमे!यहलीखतेहें कीअबकेबरस आदमी योंमे बीमारी कमहेःतोउसबरस!संसारकेनांमका पापथोडाःकमकरतेहें ओर जोटी पनोंमे यहलीखतेहें कीअबकेबरस जांनवरोंमे--याने घोडाःऊंट,गाये'भेंस-बकरी वगेरामे बीमारीकमहे तोउसबरस;जांनवरोंके नांमका पापथोडा कमकरतेहें तो जांनवरबेचारे फलतेफुलतेहें ओर टीपनोंमेयहभी लीखतेहें कीगाये भेंसःभेड-ब करी वगेरामे-रोगजीदाहे तोउसबरस उनकेनांमका पाप-जीयादाकरावें तोयहब नीये महाजनबेईमांन केसीचालाकीकरतेहें कीचार पांचबरस पेशतर धीरतख-रीद२कररखतेहें ओर!फीरजांनवरोंमे जादुसेमरी डालकरके--धीरतमहेंगाकरकेब चतेहें सोपहलेसेतुम सबसंसारको टीपनोंमे सुनातेहीहें कीधीरत रुईवगेरा खा ने पीनेकी चीजवगेरा महेंगीहोगी!गरजईनकीयहहे कीहरऐकतरहसे छलकरके पेसासंसारमेसे खेंचलेवें!सोयहबनीये ऐसे२पापकराके चालाकीकरतेहें ईससबब से मेनेऐक२बातको सोसो जगहलीखीहे परंन्तु ईनबनीयोंने केईलोगोंकेदीलोंमे जादुसे मेरेकोःपागलसुझातेहें सोलोगोंकोतो कुछदोशन्ही क्युंकीजादुसे कुछका कुछसुझादेतेहें ओर मेतोसंसारके बचेउभरनेकेवास्ते आपलोगोंको;वाकीफकरताहूं ओर खबरदारकरताहूं कीजोब्राहमनलोग टीपने ईसजमांनेमे घर२बांचतेफीरते हेंःपरंन्तु बांचनेसे कोनसाकाल ओंर कोनसारोगवगेरा ओरःकोनसीबातेंहोतीहें ओर टीपनोंके बांचनेसेकोनसी--मरीवगेरापडतीहे लेकीन!यहटीपने!परवांनेकेतो रपरःसंसारकेलोगोंको छे२महीनेपहलेसे लोगोंकेःनुकसांन पहूंचानेकेलीये कांनो कांन सुनादेतेहें ओर दीन मीतीईनटीपनोंमेभी लीखीहुईहे मगर जीसवकतकी चोरासीलाख कुंन्डीयोंकेउपर--पापकरातेहें जबयहटीपने सच्चेहोजातेहें ओर जो कीचोरासीलाख कुंन्डीयोंकेउपर जमीनके--नांमका पापकरावेंतो अनेकतरहकी-बीमारी जमीनके सरीरमेहोजातीहें ओर संसारकेनांमका पापकरावें तोआदमी योंको बीमारीहोजातीहे ओर जोसंसारके नांमकाजीयादा पापकरावें तोमरीभी पडजातीहे उसीतरहसे--अनबोले यानेबेजबांन घोडा ऊंट!गायेवगेराके नांमका पापकरावेंतो उनकोरोग पेदाहोजाताहे ओर जोउनकेनांमका जीयादाःपापकरा वेंतो बेजबांनोंके उपरभी;मरीपडजातीहे सोटीपना सुनानेसेतोःकुछभीन्हीहोताहे वोह--जबचोरासीलाख कुंन्डीयोंकेउपर पापकरातेहें!जबसंसारका बुराहोताहे-ईस तरहसे पापकरा२केईनटीपनोंको यहमहाजनलोग सच्चाकरतेहें ईससेःऐःब्राहमन

लोगो साधअनोपदासकी हाथजोडके!अरजहेकी यहटीपने बनीयोंके बनीयोंको वापीसदेदो ओर राजःदरबारमे यहकहनाकी यहटीपने राक्षसबीद्याके रावणके तोरपर ईनबनीयोंने हमारेबुजरगोंको कीसरीतसे पकडादीयेहें ओर!हमलोगतो भुलेहुयेहें–क्युंकीहमारे बुजरगोंकानांम!टीपनोंकेअंन्दर लीखाहुवाहे ईससेईनटीपनोंको हमअपना जांनतेहें क्युंकीरावणने हजारोंतरहकेःजालकरके–राक्षसीबेदके टीपनेवगेरा रखेश्वरोंके–हाथोंमे पकडादीयेथे तोरखेश्वरलोग ऐसे२स्तीथे जेसे शीवजी!ओर!बृहमाजी ओर रांमचंन्द्रजीसरीखे ओर रखेश्वरवगेरा ऐसे२लोग रावणके ईन्द्रजालकेपापमे भुलगयेथे तोईसवक्तके÷आदमीयोंकीतो–क्याचलाई जबऐसे२स्तीलोगोंकोभी!खबरन्हीपडीथी!कीईन्द्रजालमे हमारीबुधी केदहे तोआ ज!कलके जमांनेकेलोग कीसतरहसेईस ईन्द्रजालकाहाल मालुमकरसकतेहें रावणने सनीचरको समामुखकलपाया जबरावणके जालकी–खबरपडी तोसनीचर जीने सबदुनीयांको वाकीफकरदीया जब;सबदुनीयांको ओर रखेश्वरोंकोःखबरपडी सोतमांमबातें–रावणके ईन्द्रजालकी अगलेस्तीलोग-बेदशास्त्रमे लीखगयेहें ओर–दुनीयांमे मुहजबांनीभी*कहतेहें कीरावणने;ईस२तरहसे ईन्द्रजालचलायाथा सोमेरेकोभी ईनबनीयोंने सनीचरजीकी तरहसेसमामुख कलपायाहे ईसवास्तेमे तमांमसंसारको वाकीफकरताहूं ओर जबमुझको समामुख न्हीकलपायाथा तोमुझकोभी तुमहारीतरहसे कुछखबर–ईसईन्द्रजालके जादुकीन्हीथी—सोयहजाल सबसंसारःमीलकर,छोडाओ तोतुमहारे सबसंसारकी'ओलाद उभरेगी न्हीतोयह बनीयेअपने लोभ ओर धनकेवास्ते–सबदुनीयांको गारतकरदेंगे ईसवास्तेतरह२ केछलकरके–राक्षसबीद्याके टीपने?हम ब्राहमनोंको?पकडा दीयेहें–सोऐ भाईयो ईन बनीयोंकेतो अनेकतरहके जालहैं?किजीसका अंन्दाज कुछन्ही होसकता–क्युंकि ईनबनीयोंने ईसतरहके फरेबकरके राक्षसीबेदके टीपने ब्राहमनोंको पकडादीयेहें सोयह टीपने सीरफ ब्राहमनोंके कुल ओर ओलाद मरानेको पकडादीयेहें?ओर आप अलाहदाके–अलाहदा रहगयेहें क्युंकि जोटीपने स्तजगमे थे उनमेदीन मीती?यादरहनेके वास्तेलीखीहुईथी नीमधरम–पुन्यकरनेके वास्तेथेःसोअसली–टीपनेतो ईनबनीयोंने दबालीयेहें किजीसतरहसे रावण?वगेराने-दबालीयेथे ओर अपने जाली टीपने चलादीयेथे उसीतरहसे ईन;बनीयोंनेभी बलराजाके?बादसे राक्षसीपापको चलाकरके रावणके तोरपर—ईन बनीयोंने

असली टीपनेतो?दबालीयेहैं ओरःअपने-तोरपर जालके टीपने रावणकी?तरह से;चलादीयेहैं मगर दीन,व,मीती ईन'टीपनोंमेभी याद-रहनेकेवास्ते; लीखदीहे ओर ग्रेहचाला ओर रोगचाला-व;मांदगीवगेराके?बारेमे लीखाहे*ओर;ऐसाभी लीखाहेकि कलजग-ईसतरहका आवेगाकि बहन,व,भाई?आपुसमे हरांम-कांम; करेंगें क्युंकि यहबनीये जादुसे-बुधीभ्रष्ट करदेवेंतो आदमीयोंकी?बुधी जांनव रोंके-मुवाफीक होजावे-फीरःआदमीभी-बहन?बेटीको न्हीसमझैं लेकीन जीस तरहसे संसारमे भुलपडतीजावेगी जबयह?महाजन ऐसीबुधी*भ्रष्टकरेंगे जब जांनवरोंके मुवाफीक बहन बेटीसे हरांम करनेलगेंगे सोअबईस जालकी;खब र पडगईहे?सोसब संसार-मीलकर-ईसजालको छोडाओ न्हीतोईन-महाजनोंनने जीस्तरहसे टीपनोंमे लीखाहे तोवेसेही यहबनीये बुधी;भ्रष्टकरके करदीखावेंगे क्युंकि तुमःजोतीशके-भरोसे-भुलेहो ओर यहराक्षसी जालहे सोयह!टीपनेतो-राजके--परवांना मोजीब ईसतमांम;दुनीयांमे फीररहेहैं किजीस्तरहसे नेकी;व; बदीकेबारेमे बाबततलबी फरीकैनके समन मजकुरेबाला-राजसे जातेहैं उसीत रहसे ईनसोदागर महाजनोंनके राक्षसबीद्याके टीपने दुनीयांमे?फीररहेहैं-ओर अलावाईसके चौरासीलाख कुंन्डीयांभी;राधःलहुकीवनाईहैं सोउनकुंन्डीयोंपर;चो रासीलाख जीवाजुनको-दुनीयांके नांमसे-कलपातेहैं किजीस्तरहसे ईनटीपनोंमे बीमारी ओर मीरगी ओर कालकाहाल दरबारे पडनेकेलीखाहे?सोपडजावे-सोजमीनःमाताके नांमसे जीवाजुन कलपातेहैं तोकालभी दुनीयांमे पडजाताहे ओर ग्रहनभी दुनीयांमे!पडजाताहे-ओर जीस्तरहसेकि रावणने सुरज चंन्द्रमा को;बांधाथा सोईसकाहाल बेद ओर कीतावों,व, परांनों-वगेरामेलीखाहे परंन्तु दुनीयां यहकहतीहे केरावणने सुरज;चंन्द्रमाको बांधकर अंन्दाजदेखाथा-किज मीनकेनांमसे पाप?कीयाजाताहे-वोह जमीनको-लगताहेकि न्हीलगताहे ईसवजे से बतोर;तजरबेके रावणने?दोचार मरतबा?ग्रेहनभी डालके देखाथा :सोवोह पडगयाथा ईससेजमीनको पाप लगगयाथा सोग्रेहनकापडना दुनीयांमे रावण ने चलायाथा सोयह बातदुरस्तहे सोरावणके वक्तमेतो रावणने दोःचारबारही ग्रेहनपडायाथा-रावणने सुरज;चंद्रमाको दो-चारबारही-बांधकर?ग्रेहनडालाथा-जीससेदुनीयांमे यहबात-प्रघटहे किरावण-ऐसाथा किसुरज चंन्द्रमाको व;पवन ओर पांनीकोभी बांधलेताथा ऐसाकांम उसनेकीयाथा जीससेउसकी-यहबात

मशहुर चलीआतीहे?परंन्तु? यहवनीये—बेईमांन * बारामहीनेमे दो?तीनदफे ग्रेहन पडादेतेहें सोतुमसब संसार टीपनोंमे सुनतेहीहो सोयहबात—दुरस्तहे?किजोज मीनके नांमका पाप?कीयाजाताहे वोहजमीनको—लगजाताहे जबउनहोंने अपने दीलमे—यह खीयालकीया ओर परमेश्वरसेडरा किजमीन माताके आसरेतो;कु ल सरष्टी ओर;जहांनबसताहे—ओर हमभी जमीनके आसरेसेही—पलतेहें ईससे जमीनके—नांमका पाप न्हीकराना चाहीये क्युंकि जमीनमातातो सबचीजोंकी पालनेवालीहे किजोचीज जमीनके उपरहोतीहें ओर हें ओर जमीनकेउपर;रा जा बादशाह—ओर तमांमजहांन ओर चोपाये?पंखेरुवगेरा रहतेहें अगरचे— उनहोंको हमारे ईसराक्षसी पापकी खबरपडगई- तोमुझको;मे;ओलादके गारत करादेंगे?ईसबातको भवीक्षनने अपनेदीलमे सोचा ओर सोचवीचारकर—अपने बडेभाई रावणसेकहा किजमीन?माताके नांमका—पाप?न्हीकराना चाहीये:क्युं कि जमीन माताकेउपर—कुलजहांनके लोगबसतेहें अगरतुम्हारे राक्षसीपापकी; खबर दुनीयांकोपडगई किरावण जमीनके नांमका?पापकराताहे:तोतमांमजहांन बगेर—ऐक दीलहुयेके अपनी ओलादकोही गारतकरदेंगे सोईसबातका जीकर भवीक्षनने अपनेभाई रावणसे करकेकहा कितुम पाप करनाछोडदो परंन्तु रा वणने अपनेभाई भवीक्षनका कहानमांना—ओर राक्षसी पापकरातारहा लेकीन भवीक्षनअपनी भगतीकीवजेसे—संसारके लोगोंसे बहोतडरा ओर डरकीवजेसे- अपनेभाई रावणको छोडकर ऐकतरफकोवचा सोअपनेभाई रावणके राक्षसी, पापसे बचकर अपनेकुलका नांम सलामतरक्खा सोयहबात—बेद;ओर;परानोंमे लीखीहे किभवीक्षन अपनी भगतीसे भगतथा ओर रावण व भवीक्षन जोआ पुसमेमीलकें जमीन!माताके नांमका पापकराते—तोसंसारके लोगोंको जोखबर पडती किभवीक्षनभी रावणके साथ पापकरारहाहे परंन्तु!भवीक्षनतो पापकर नेसे बचाहुवाथा ईससेबचगया अगर रावणके शामीलहोता तोभवीक्षनकीभी- जांन ओलादसमेत नीकालडालते लेकीन भवीक्षन संसारका ओर अपनीभग तीका—डरकरके अलाहदारहा ओर नेकीकीवजेसे अपनानांम—सलांमतरक्खा परंन्तु रावण जमीनमाताके नांमका!पाप;कराताथा:ईससेजमीन माता दुबलीहो गईथी-फीरउसके सरीरमे चरबी कहांसेरहती लेकीन जमीनके:सरीरमे चरबी ईन:चीजोंको कहतेहें किजीनको—फीजमांनेमे चांदी;व;सोनेकी खांनें बोलतेहें

वोहःचरबीहे परंन्तु रावणके?वक्तमेतो चांदी?सोनेकीखांनें मोजुदथी-क्युंकि;रा वण जमीनमाताके'नांमका पाप!थोडाकराताथा ईससेजमीन--माता; रावणके ज मॉनेमे-दुबलीन्हीहुईथी लेकीन--रावण दुनीयांकेनांमकाःपापःअलबत्ता कराताथा सोखासवजे रावणके---जाल चलानेकीयहथी! किजबसंसारके लोग-थोडेसेरहेंगे ओर अकलखराब होजावेगी*तोहमअपना राजचारकुंट ओरःचोदाभांनमे अच्छी तरहसेकरेंगे ईससेसाफ;जाहीरहोताहे किदुनीयांकेःनांमकापाप रावण--कराताथा परंन्तु जीसवक्तकि रावणके राक्षसबीद्याकी खबर दुनीयांकोहुई किरावण त मांम--दुनीयांको अपनेराक्षसी!पापसे गारतकीया--चाहताहे जबतमांम दुनीयांने; ऐकदीलहोकर--रावणके राक्षसीपापको!मीटादीया बलके रावण पापनाछोडनेकी वजेसे ईमांनहारहुवा जबखुदअपनी ओलादको तमांमजहांनके--हाथोंसे अपनेसा थहीमरादीःसोभाईमेरे--यहबात काबील गोरकरनेकेहे किराज; तेजतोधरम ओर नेकीकाहे परंन्तु नेकीका छोडनाअच्छान्ही क्युंकिरावणने दुनीयांकी अकल अ पने राक्षसीपापसे थोडीःखराबकीथी सोकुलजहांनके राजा बादशाह;व;रईयैत वगेराने ओर साधु फकीरोंने ऐकाकरके फोरन रावणके!राक्षस;बीद्याको छो डादी सोजलदी पापछुटनेकी वजे;यहथीकि सरष्टीनेअपनी ओलादकी तरफ-- देखाकि अभीतोःरावणने अपने राक्षसी;पापसे थोडी२अकल खराबकरीहे;ओर जोजीयादा पापकरायातो!कुलसरष्टीकी ओलादको गारत;करादेगा ईससेरावण के राक्षसीपाप छोडानेका अभीसे बंन्दोबस्तकरना!वाजीबहे ताकिःजोरनापकड नेपावे ओर जोजोर;पकडगयातो फीरपापका छुटनामुशकीलहे जबतमांम जहां नने ऐकदीलहोकर रावणके राक्षसीपापको × छोडाया जबजहांनकी ओलादको सुखप्राप्तहुवा अलावाःईसकेदुनीयां यहकहतीहे;किसुरज-चंन्द्रमा रावणके रसोडे को तपताथा-यहबात खीलाफहे क्युंकि; दुनीयांकी अकल ऐसीखराबःकरदीहे किझुठीबात जोकोई जमीनके पडदेपरःकहताहे उसकोयकीनसे सच्चामांनलेतेहें- जीसकीवजे-यहहे किसबसंसारके---लोगोंकी अकल राक्षसीपापसे!भ्रहीष्टकरदीहे जीससे झुठीबातकोभी सच्चमांनलेतेहें देखोभाईकि सुरज चंन्द्रमाकोनसा-आदमी थे किजो रावणके रसोडेको तपतेथे--सोयहबाततो- ईस्तरहसेहे किजीस्तरहसे- अपनी देहकेअंन्दर*रोशनीहोतीहे उसीतरहसे जमीनमाताके देहमेभी सुरज--- चंन्द्रमा-कुव्वतके सबबसे रोशनीरखतेहें:सोयहबात; ईस्तरहसेहे किजमीनके पेट

मे अगनीका रोगजादुसे करदेवें तोपहाड!या!ओर कोईजगह आपहीजलनेको लगजावे सोवोहजगह?अगनीके—रोगकीवजेसे ऐसीतपतीहे किजोचाहोतो;खाना वगेरा उसजगह पकालो ओर यहअगनीका?रोग ऐसाहे—किजेसे आदमीकेपेट मे याबदनमे गरमीकी आग;उठजावे ईसीतरहसे जमीनकोभी गरमी वगेराका रोग करदेतेहें—ओर अपनाजाल प्रघट नाहोनेकेलीये ऐसी२बातें प्रघटकरदेतेहें किसुरज रावणका—रसोडा तपताथा ओर असलमे जमीनमाताको यहरोग अ गनीका करदेतेहें ओर?दुनीयांकी बुधीभ्रष्ट करदेतेहें जीससे जमीनमाताके रो गोंको समझतेहीन्ही जादुसे जमीनमाताको—फाडभीदेवें जबभी न्हीसमझें ओर यहन्हीजांनते किजमीनमाताकाभी हमारेमुवाफीक जींन्दा सरीरहे;जोयहफटतीहे तोईसकोभी बहोत दरदहोताहे ओर बाजईत्तफाक नार्दुस्तहोने तबीयत गरमी वगेराके सबबसे ऐसीकुमला जातीहेकि जोखाना पीनाभी—न्हीखाया जाताहे-बलकेपेटमे बीमारीके सबबसे—हजारोंतरहके कीडे?पेदाहोजातेहें तोफीरकेसी त बीयत हेरांनरहतीहे—तोईसीतरहसे जमीनमाताके नांमका पाप चोरासीलाख कुंन्डीयोंके उपर सरद गरमका रोगकरावें तोमकांन;व;कीला?वगेराकी दीवारें जलनेको लगजावें सोईनबातोंको दुनीयांतो जादुचालेके पापसे भुलीहुईहे क्युं कि यहबनीये लोग अपने राक्षसीपापसे ईसबातको जाहीर न्हीहोनेदेतेहें;परंन्तु यहबात ईस्तरहसेहे—किजब:जमीनके नांमका पापकरातेहें जबअगनी आपसेआ प लगजातीहे ओर ऐसाभीहोताहे कियह जोबनीये जादुकेजोरसे सुरज चंन्द्र माको नीचे उतारनाचाहें तोउतारभी सकतेहें ओर?अगले लोगोने राक्षसबीद्या वालोंको अच्छीतरहसे हाथ दीखायेहें किउनकी ओलादको गारतकरदीयाथा-ईससबबसे यहबनीये डरतेहें?किजोहमारा जाल लोगोंको मालुमहोगया तोहम कोभी!मे!ओलादके संसारकेलोग मारडालेंगे-जीससे-डरतेहुये*सुरज चंन्द्रमाको नीचे न्हीउतारतेहें क्युंकि अगले लोगोंको जीनरने जाल चलायाथा उनको अच्छीतरहसे सजा?मीलचुकीहे ओर अलबत्ता लोगोंको भुलडालके ओर कोई देवता फकीरोंकी करामातका?नांमलगाकर तोकभीउतारेंगे ओर अपना जाल प्रघट-नाहोनेकेवास्ते पहलेसे करामात वगेराका नांम मशहुर—करदेतेहें जेसेकि शम्सतबरज फकीरका हाल लोग बयांनकरतेहें-किजब उसके बदनकी—खाल उसने अपनेहाथसे उतारदीथी तोअंन्दरसे कोरामांस उसकेबदनका नीकलआ

या?तोउसको संसारमेकोई!अपनेपास न्हीआनेदेताथा-जबवोह कसाईसे?मांसला या ओर वोह-टुकडामांसका सेखनेकेवास्ते सुरजको नीचेउतारलीया ओर;वोह मांस सुरजकी गरमीसे सेखकरखाया तोतमांम दुनीयां जलनेलगी—सोयह;बात बीलकुल गलतहे क्युंकिजोवोह फकीर गोस्तकाटुकडा—सुरजकी गरमीसेसेखता तोउसके—बदनकी खाल उतरीहुईथी ओर बदनका कोरामांस नीकलाहुवाथा तोवोह फकीर सुरजकी—अगनीसे आपभी?जल?भुनजाता तोवोह आप कीस्त रहसे बचगया ओर ऐसा मालीकभीन्हीहे किजोऐक आदमीकेवास्ते सबदुनी यांको?जलादेवे—यहबात कीसतरहसे समझमेआवे ओर—अलावाईसके?अपनेहाथ से खोलीकीतरहसे अपनी खालउतारके उसफकीरने डालदीबतातेहें सोयहभी बात समझमे;न्हीआतीहे सोभाईयो गोरकरो किखोलीकीतरहसे खालःकीस्तरह से आदमी अपनेहाथसे?उतारसकताहे यहबात सीरफ राक्षसीःजालकीहें ओर मालीकनेतो?यहखाल खोलीकीतरहसे-उतरनेकेःलायकतो बनाईभीन्हीहे सोऐसी ऐसी बातें ओर कीस्साःपहलेसे चलादीयेहें;ओर ऐसी२बातें जतीयोंके नांमसे सुनातेहें किजतीलोग तारे ओर-चंन्द्रमाको उतारलेतेहें ओरःबडेकराभातीहें;सो यहबात ईस्तरहसेहे किजब तारेउतारेंतो जेसेआदमीका जीव बीखरनेलगताहो वे जबऐसारोग दुख-जमीनमाताको?तारेउतरनेसे होताहे ओर-सुरज चंन्द्रमाको जोउतारें तोजमीनमाताको यह ऐसारोगहे किजेसेजीव—घबराके भुलाहुवा हो जाताहे-जबसुरज चंन्द्रमाको उतारें तोऐसे२रोग;व;दुख जमीनमाताके जीवको होजावें जोयह बनीये सुरजःचंन्द्रमाको नीचेउतारें तोऐसा२दुखहोजावें ओर-बातें जालकी—ऐसीचलाईहें किकरामातसे तारे चंन्द्रमा सुरज वगेरा उतारतेहें ओर-फकीरोंकोभी ऐसाहीःसुजादेतेहें किहमबडे!करामातीहें ओर ऐसेहीसंसार; को सुजादेतेहें कियह फकीर साधुलोग-बडेकरामातीहें ओर जेसेरावण;वगेराने रखश्वरोंकोःओरःसंसारको करामातके भरोसेभुलायेथे ईसीतरहसे यहबनीयेभी; भुलारहेहें सोमेआप लोगोंको वाकीफकरताहूं किजब-दुनीयां; भुलमेपडजावेतो यहबनीये-बेईमांन जादुसे सुरज चंन्द्रमाको नीचेउतारेने लगजावेंगे सोईनका-मतलबयहीहे किबडेलोग—सब-उजडजावें?तोसब संसारमे हमारा राजहोजावे सोदुनीयांमेभी यह बातकहतेहें किदील्ली फकीरोंजोगी अबहुईहेःसोबगेरपेसाके लोग फकीरहीहोगयेहें ओर होले२सातों-आठों वलायतोंको फकीरोंजोगी याने

जेसेदील्ली ? हीन्दुस्तांनकी वलायतको करदीयाहे! ऐसेहीकरदेंगे ओर;सबदुनीयां करामातके भरोसे भुलीहुईहे ओर असलमे ईनमहाजनांनका—यहजादुका जाल हे ओर जादुकी करामात चलाईहें?ओर दुनीयांमे यहकहतेहें किफकीरोंहीने—बददुआदीहे जोबादशाहूंका-राजजातारहाहे ओर असलमे तोराज ईनमहाजनां नके जादुसेडुबाहे ओर फकीरोंकीभी बुधीभ्रष्टकरके उनकेमुहसे—जादुसेकुछकी कुछ-बददुआ कहवाकर—फीरजादुसे राजा बादशाहोंके नांमका होमकराके उन की बुधीभ्रष्टकरके;आपुसमे लडाकरके:मरादेतेहें या ओर कोईबीगनकरके ओर जब-राजा बादशाहोंकी बुधी भ्रष्टकरदेतेहें तोवोह—फकीरोंसे करामातें पुछने; लगतेहें ओर यह न्हीसमझते?किकरामात क्काचीजहोतीहे क्युंकिउनकी—बुधीतो जादुसे-भ्रष्टकरदेतेहें ईससेवोह करामात—पुछने लगजातेहें:ओर जोफकीर साधु बददुआ न्हीदेवेंतोभी यहबनीये महाजन जादुसेगारत करदेतेहें परंन्तु फकीरों की बददुआकातो ऐकरावणके—मुवाफीक-बहांना चलायाहे जेसेरावणने?जादुसे फकीरोंकी करामात चलाईथी ओर केईफकीरोंके मुहसे कहवाकर जादुसेकेई; राजा!बादशाहोंको—डबोदीयेथे? ओर,रांमचंन्द्रजी महाराजके उपरभी:जादुसे;ग्रह-करके रावणने बनबाश दीलादीयाथा उसीतरहसेअब ईनबनीयोंने फकीरोंकी; करामातका जाल—जादुसे?चलायाहे चाहेफकीर कुछभीन्हीकहें;सोयहबातें:कोई२ पोथीयों वगेरामेलीखीहें सोतुमसंसारके कीसी२लोगोंने देखाहीहोगा न्हीतोपो थीयों तलाशकरके देखलो कियह लीखाहोगा किफलांने राजाका—राज!ईतने बरसरहेगा ओर फलांने बादशाहका राज ईतनीमुदत्त—तकरहेगा ओर अंग्रे जोंकाभी कहतेहें—किईतने—बरसरहेगा?सोयहपोथीयों कोई२हिन्दु मुसलमांनोंके-घरोंमे प्रघटभीहें ओर कीसी२ने देखीभीहोंगी ओर हिन्दुओंकी; पोथीयोंमेतो हिन्दुओंके फकीरोंके नांमहें ओर-मुसलमांनोंकी कीतावोंमे मुसलमांनोंके फकी रोंका नांम लीखदीयाहे ओर बनाके?ईनबनीये बेईमांनोंने चलाइहें-ओर आप प्रघट-नाहोनेकेवास्ते अपनानांम पोथीयोंमे न्हीलीखाहे क्युंकिकोई?परवलायतके जब यहांआवेंगे तोहिन्दु मुसलमांनोंके बच्चे-मारेजावेंगे?ओर हमकोकोई;न्हीपुछे गा;तोयहबनीये;खुदबचजावेंगे? अपने? बचनेकेवास्ते ऐसाकांम;कीयाहे-किपोथीयोंमे दुसरोंके नांमलीखदीयेहें ओर दुसरी वलायतके—आनेवालोंकीभी—बुधीभ्रष्टकर देतेहें-किवोहफीर:दरीयाफत न्हीकरते—कि? कीतावोंमे लीखाहोनेसे;संसारकाबुरा

थोडाहीहोताहे टीपने पोथीयोंके बांचनेसे संसारका कुछबुरा न्हीहोताहे;यहतो जब होमकराके?चोरासीलाख कुंन्डीयोंपर—जोअलोप?बनाइहें;उनपर पापकरातेहें जबसंसारका:बुराहोताहे ओर-पोथीयां ओर;टीपनेभी सचेहोजातेहें ओर:दुसरी वलायतके आनेवालोंकी—ऐसीबुधी भ्रष्टकरदेतेहें किउनकोयह न्हीमालुम होता किजोचोर?जालचलातेहें जबतकउनका बंन्दोबस्त न्हीहोगा:ओर वोहचोर न्ही पकडेजावेंगे तोहमकोभी—ओर दुसरी?वलायतोंकोभी गारतकरदेंगे ऐसेउनको-यहबनीये सोचने न्हीदेतेहें ओर:अच्छेभले आदमी स्तीबनके मीलजातेहें ओर वोह-यहन्हीसोचें—कियही?हमारे ओर कुलसंसारके:बच्चोंका बेईमांन बनीये का लहें ओर वोहदुसरी वलायतवाले यहन्ही सोचतेहें किईनबनीयेही बेईमांनोंने; दुनीयांमे—बुराहोनेकी?पोथीयां ओर-टीपनेवगेरा चलायेहें स्तजगमे जोधरमका बेदथा वोहतो ईनबनीयोंने अपनेकाबुमे करलीयाहे ओर?जालका—चलादीयाहे जेसेकि-रावणने असली!कीतावें बेदकी?दबालीथी—ओर राक्षसीबेदकी चलादी थी उसीतरह ईनबनीयोंनेभी अपनाजाल रावणवगेराके—मुवाफीक चलायाहे—ओर पहलेसे-संसारका बुराहोनेकेवास्ते ईनमहाजनांनने ऐसी२बातेंचलाईहें?सो कहनेसेतो कुछन्हीहोताहे परंन्तु पहले जेसाकहतेहें फीरवेसाही पाप चोरासी-लाख कुंन्डीयोंपर कराते?जातेहें?तोफीरवेसाही होताजाताहे ओर दुनीयांमे ईन महाजनांननेही ऐसी२बातेंचलाइहें? किसुरज:सेसकीरनसे तपेगा जीसकीगरमीसे जमीनमाता सुरख तांबेकेरंग होजावेगी ओर जोकि;जमीनकेउपर पांनीहे वोह ईसतरहसे-गरमहोगा किजीसतरहसे कडाईके—अंन्दर! तेलऊनटताहे—ईसतरहसेपां नी ऊनटेगा सोदेखोभाई दुनीयांके-भुलानेकेवास्ते यहकेसीबात पहलेसेचलाके; जाहीरकीहे किसुरजतपेगा—सोयहबात बीलकुल खीलाफहे ओर हमतुम लोगों को भुलबताइहे क्युंकिजब तमांम जहांनकेलोग-ईसजालमे:पडेहोंगे तोहमारेपाप की:पहचांन न्हीकरसकेंगे!ईससबबसे ऐसी२बातें तरह२कीपहलेसे जाहीरकरदी हें;किजीन;बातोंका हमतुम अपनी जबांनसे बीखांन कररहेहें सोयहबात ईसत रहसेन्हीहे यहतो ईसतरहसेहे किजेसेअपने सरीरके अंन्दर बीमारीके सबबसे: बीसकांटावगेरा नीकलताहे तोजहर नीकलनेकेवक्त—कीसकदर दरदहोताहे कि जीसकीगरमी'कीवजेसे कुलसरीरमे तरह२कीतकलीफें पेदाहोजातीहें,ओर,मगज भी जलनेलगताहे जबउसका ईलाज कीयाजाताहे ओर कोईदवा ईत्तफाकसे-

मुवाफीक आजातीहे तोफोरन?तबीयतको?आरांम होजाताहे मगर बलराजाके बादसे ईनसोदागर?महाजनांनने ईन्द्रजालके?पापसे जमीनको!बीमारकरके-ऐसा कमजोरःकरदीयाहे किचरबीतक—गलगइहे सोऐसे२रोग तोजमीन?माताको जा हीरहीहें किंजीनहोंको सबजहांनके लोगअपनी२आंखोंसे?देखरहेहें किजहांपर;ज वालामुखी पहाडहे उसपरबतमे आगलगीहुई रहतीहेःओरःजोकिदुसरे पहाडहें वोहजमीन माताके-सरीरके हाडहेंःसोईसीतरहसे जवालामुखी पहाडभी जमीन माताके सरीरकाहाडहे,ओर,जोकि जवालामुखी पहाडमे आगलगीहुइ रहतीहे वोहजादुचालेका रोगहेःजीसकोहिन्दु मुसलमांन-अंग्रेजवगेरा देखरहेहें?ओर;सुन तेभीहें सोयहबात-ईसतरहपरहे किजब;कीसीकेपेरमे कीडीनगराःहोजाताहे ओर कीडीनगरेके सबबसे उसकेसरीरका हाड मांसवगेरा गलकेगीरने लगजाताहे; तोउसकेसरीरमे गरमीकेसबबसे केसी२जलन पडनेलगतीहे तोईसीतरहसे जमी न माताके सरीरमे जादुचालेका रोगहे जीससेजमीन माताबहोत दुखपारहीहे क्युंकि जमीनमाताभी जीवता जीवहेःओरःफीरकहिं२पर-तपतकुन्ड बनायेहें सो वोहभी—जादुचालेका'रोगहे सोजीसतरहसेकि लहुका राधबनताहे—तोफीरउस राधसे केसाभारीदुख ओर दरद ओर जलनहोजातीहे ओर ईसतरहसे ईनसो दागर-महाजनांनने केइ२तरहके रोग राक्षसबीद्याके पापसे—जमीनमाताको बल राजाके बादसे सरद-गरमका रोगकरतेहें;परंन्तु;संसारकेलोग अभीतक परचोंके भरोसे—भुलेहुयेहें हालांकि ऐसे२भारीरोगहें किजीसकाकुछ-हीसाबभी—न्हीहो— सकताहे बलके रतनागरसागरकोभी देखीये किउसको केसाभारी रोगकीयाहे किजोतमांम जल समुंन्द्रका खाराजहर करदीयाहे ओर दुनीयांके—भुलानेकेवा स्ते यहकेसा-जाल-चलायाहे?किसमुंन्द्रमे*जोजलखारा होगयाहे वोह रामचंन्द्रः जी—महाराजके सरापसेहुवाहे सोदेखोभाई कीयातोईनःसोदागर—महाजनांननेहे ओर नांम रांमचंन्द्रजी महाराजका बदनांमकरतेहें किउनहोंने कीयाहे यहबात बीलकुल खीलाफहे क्युंकि जलतोबडाहे ओर तीरनतारनहे-ओर रांमचंन्द्रजी कीपेदायशतो ईसीतरहसेहेःकिजीसतरहसे.हम.ओर तुम ओर सबजहांनके;लोग पेदाहुयेहें ईसीतरहसे जलकीपेदायश रांमचन्द्रजीभीहें ओर जलतोःदीनदीयाल हें ओर जगतका तारनेवालाहे ओर-कुल जलकीही,मायाहे,क्युंकिजलको सराप न्हीलगताहे परंन्तु जलके खारीहोनेकाःयहसबबहे कियह सोदागर महाजनांन

जमीनमाताके?नांमका?राक्षसी पापकरातेहें जीससेजमीन-माताके-सरीरका!हाजमा बीगडगयाहे ईससेजल खारीहोगयाहे ओर जीसकोकितुम तमांमजहांनकेलोगः रतनागरसागर ओर समुंन्द्र२कहतेहो—वोहजमीन माताकी?ओझडीहे ओरःजीन होंकोकि नदीयांबोलतेहें वोहजमीन माताके सरीरकी अतडीयांहें ओर जोकि छोटेबडे-नाले दीखाइदेतेहें वोहजमीन माताके सरीरकी नाडेंहें जीसतरहसे;अ पने सरीरमे—जीसकदर चीजें याने नाडेंवगेराहें ईसीतरहसे जमीनमाताके स रीरमेभी कुलचीजें नाडेंवगेराहें ओर जबकिहम तुमलोग पांनीपीतेहें तोआंतों ओर नाडोंके अंन्दरहोकर ओझडीमे—पहूंचताहेःईसीतरहसेःईसबातकोभी समझ नाचाहीये किजबमेह बरसताहे जब जमीनमाता पांनीपीतीहे जबवोह बरसात का पांनी-नदीयोंके रस्तेहोकर—रतनागरसागरमे!पहूंचताहे सोसब दुनीयांदेख तीहे किरतनागरसागरका जल खाराकीयाहे ओर बलराजाके बादसेही ईन-बनीयोंने ईन्द्रजालका पाप.चलायाहे जीससे—रतनागरसागरका—जल खराजह र होगयाहें जीसकीखास वजेयहहे किजबहम तुमखाना खातेहें ओर!हजमन्ही होताहे ओर पेटमे दरदहोजाताहे तोउसवकतमे केसीसखती उठानी पडतीहे— ओर मारेतकलीफके कुछन्ही सुहाताहे तोउसीतरहसे जमीनकाभी हाजमा बी गडगयाहे जीससे रतनागरसागरका जलखारा होगयाहे ओर सीवाये ईसके ओर कीसी२केसरीरमे बीमारीकेसबबसे ऐसाभीहोजाताहे-किजोखाना बीलकुः ल हजमन्हीहोताहे बलकेखाना पेटमे फुलजाताहे तोफीरउसके- पेटमेकीसबला का?दरदहोताहे किजोबीयांन न्हीकीयाजाताहे सोवोहभी ईन्द्रजालके पापसे हो ताहे ओर यहसोदागर महाजन ईन्द्रजालके पापसे सरद व गरमकाभी रोग करदेतेहें जब रतनागरसागर दीनभर ओर-रातभरमे-दो तीनमरतबा चढाईकर; ताहे तोभीदुनीयांके लोगन्ही—समझतेहें:कियह-जमीन-माताको आफरेकी बीमा रीका रोगकीयाहे ओर पहलेजमांनेके आदमी देवता सरुपीथे किजीनकी अ; कलको रावणने राक्षसबीद्याके पापसे-केदकरदीथी ईससेदुनीयां स्वर्गको भुल गईथी ओर रावणनेतो स्वर्गका राजही लेलीयाथा क्युंकि रावण; स्वर्गमेही-रहताथा सोसबुत बेद.व.परांनोंमे-लीखाहे किरावणने स्वर्गका राजलेलीयाथा परंन्तु स्वर्ग ओर.नर्कतो यहजमीन माताहीहे किजोकुल जहांनके लोगोंको— पालनेवालीहे मगर रावणनेतो जमीन माताकी पहचांनःअपने राक्षसी पापसे

दुनीयांको भुलाईथी क्योंकि रावण?जमीन?माताको हरतरहकारोग कराताथाः ओर दुनीयांको न्हीमालुम-होनेदेताथा ओर रावणके राक्षसी पापकोही दुनीयां स्वर्गजांनतीथी ओर जमीनकी पहचांन-बीलकुल!भुलादीथी-क्युंकिरावणने; चोरासीलाख कुंन्डीयां—रादःलहुकी बनाईथी उसकोस्वर्ग जांनतेथे!ओर!जमीनकी पहचांन-बीलकुल भुलादीथी किजोरावण जमीनमाताको राक्षसबीद्याके; जुलमसे-फाडभी देताथा तोदुनीयां यहन्ही जांनतीथी किजमीनमाता रावणके राक्षसी पापसे फटतीहे बलकेयह जांनतेथे किंपरमेश्वरकी कुदरतहे ओर यहखीयालन्ही करतेथे कियहजमीन-जोफटतीहे यह;राक्षसी-पापके जादुसेफटतीहे ईससेजमीन-माता!कांपतीहे ओर ईसीवजे जमीन माताके सरीरमे दरदहोताहे लेकीन जमीनके सरीरकी-पहचांनतो दुनीयांके लोगोंको?ईसगरजसे;भुलादीथी किजोजमीन माताको तरह२कारोगकरूंगा तोजहांनके लोगोंको मेरा + राक्षसी पापका-करना.मालुम.न्हीहोगा तोसब जहांनको गारतकरके अपनाराज करूंगा ओर जोमें दुनीयांके नांमका?पाप नकरूंगा तोदुनीयांको मेरेराक्षसी पापकी-खबरःपडजावेगी तोमेरी ओलादकोही मारदेंगे ईससे रावणने राक्षसबीद्याकाः पाप चलाकरके संसारके लोगोंकी अकलको पहलेसे खराब करदीथी ईससे जमीनकी पहचांन संसारके लोगोंको बीलकुलन्हीथी-सीरफ-जमीनकी;पहचांन रावणकीही? ओलाद? जांनतीथी सोअगले जमांनेकेलोग बेदकी कीतावोंमे ओर परांनोंमे ईनबातोंको लीखगयेहें क्युंकिजमीन माताकी-पहचांन!तमांम दुनीयांको रावणने भुलादीथी सोजमीनकोतो जीसतरहसे-हम-ओर-तुमजांनतेहें उसी तरहसे वोहभी जांनतेथे-परंन्तु राक्षसबीद्याके पापसे जमीनमाताको रोगकरा. ताथा-जीसकी?मालुमतक न्हीपडीथी अगरचे?दुनीयांकोःखबर पडजाती तोदुनीयां रावणकी ओलादकी-ओधकोही—नीकालदेती क्युंकिजमीनके सहारेतो;कुल जहांन पलताहे क्युंकिजमीन माताका सरीरतो ऐकहे सोभाईमेरेहो जबकि जमीनके-सरीरमे दरदहोगा तोउसवक्त? तमांम सृष्टी कहांरहेगी ऐसाखीयालकरके संसारने-ऐकदीलहोके-रावणकी ओलादकोही मारदीया उसहालतमे राक्षसबीद्याका पाप संसारसे मीटाथा-क्युंकि जीसकदर पापहोताथा बीलकुल-तजादीया-हालांकि पहलेजमांनेके राजा बादशाहोंको? सनीश्वरजी—महाराजने; राक्षसी पापसे वाकीफ करकेकहा-कियहजो जमीनमाताको तरह२कीतकलीफें

होतीहें जीसकेहालसे?मेतुम सबलोगोंको-वाकीफ करताहूं?क्युंकि रावण राक्षस बीद्याके—पापसे मुझकोभी!दुखदेताहे ओर जमीनमाताकेभी नांमकाः पापकराता हे ईससेमे आपको वाकीफ करताहूं?किरावणने संसारके-लोगोंको स्वर्गही भु लादीयाथा—ओर रावण जमीनको हरकीसमका? रोगकराताथा ओर हवावगेरा बहोत चलाताथा-परंन्तु-दुनीयां बीलकुल नहींसमझतीथी कियह राक्षसी पाप हे क्युंकिजब कीसी आदमीको-दमका रोगहोताहे तोफीरउसके—सरीरमे? बील; कुल हवा नहींसमाती जीसतरहसेकि आदमीके पेटमे दमकी बीमारीसे सांस-नहीसमाताहे क्युंकिहवाहे वोहतो दमहे?किजब—आदमीको दमकी बीमारीहोजा तीहे तोबीमारीके सबबसे.आदमी.कीसकदर दुखपाताहे—किजो-मरनेके लायक होजाताहे तोऐसे२रोग रावण राक्षसबीद्यासे कराताथा!जीससेअगले जमांनेके सतीलोगोंकोभी मालुमनही होनेदेताथा क्युंकिःजीयादाहवा जोचलतीहे वोह—जमीनमाताको दमकारोगहे—परंन्तु दुनीयांतोभी-नहीसमझतीथी.किजमीनमाताको दमकाःरोग-होगयाहे क्युंकि दुनीयांको भुलारक्खाथा जीससे दुनीयां यह?नहीं समझतीथी किजमीनमाता—बीमारहे या अच्छीहे ओर हवावगेरा जोजीयादा—चलतीथी तोझाड दरखत वगेराभी टुटजातेथे ओर फल फुल गीरनेलगतेथे तोभीनही-समझतेथे.किजमीनमाताकोजादुसे रोग करदीयाहे—क्युंकि दुनीयांकी; बुधीखुद जादुकेपापमे फीरीहुईथी यहतो-समझतेथे किजमीनके पेटमे हम सब संसार बसतेहें परंन्तु?जमीनमाताके.दुख बीमारीसे-कोई वाकीफनहीथा क्युंकि रावण—जादुसे-तरह२केरोगकराके धांन घासवगेराका नुकसांन कराताथा तो; यह समझतेकि नहीमालुमकि जमीनको,क्याहुवाहे!ओर!जबदुनीयां जमीनमाता के.बीमारीयोंको?नहीसमझतीथी तोइससे कहाजाताथा किदुनीयां—स्वर्ग भुलः गईथी ओर स्वर्ग नांम सुख व आरांमकाहे ओर जमीनकेःसीवाये दुसरास्वर्ग कोईनहीहे ईसीतरहसे रावण जमीनमाताको दमका-रोगकराताथा जीसकाहाल अगले जमांनेके सतीलोग बेद ओर शास्त्रमे.लीखगयेहें किहमको!यहखबरनही थी किहमारी बुधी जादुसेकेदहे—यानही सोउसीतरहसे-ईसवकतमे ऐसीजीयादा ओर जोरकी-हवाचलतीहे वोह जमीनमाताको दमका रोगहे लेकीन जबकि—थोडी२हवाचलतीहे जब यहजांनना किआदमीयोंको ओर जांनवरोंको सुखप्रा प्तहुवाहे जब यहजांनना-किजमीनमाता सीधा सांसलेतीहे—ओर दुनीयां यह

जोकहतीहे किरावण सुरज चंन्द्रमाको ग्रहनकराताथा सोदुनीयां ग्रहन२करती थी परंन्तु?यह नहीसमझतेथे—कियह जमीनमाताको दरदहोताहे सोऐसे२जालः राक्षसबीद्याके.चलानेवाले अगले सतीलोगोंकोभी-मालुम नहीहोनेदेतेथे सोईस का सबुत बेदःओरःपरांनोंमे लीखाहे किअगले जमांनेकेलोग ऐसेभगतथे कि परमेंश्वकाही भजनकरतेथे ओर बुरेकांमोंसे बचतेथे यांने उनके पासहोकरकेः नहीनीकलतेथे ओर अपनी चीजको अपनी?जांनतेथे?ओर पराईचीजको परा इ-जांनतेथे ओर दया धरममेहीरहतेथे सोऐसे२सतीलोगोंको जमीनके?सरीरकी पहचांन भुलादीथी सोईसजमांनेमे ईनसोदागर महाजनांनने—अपने!ईन्द्रजालके पापसे.सबकी.अकलको खराबकरदीहे जीससेभाई२मेऐकानहीहे बलके नाईत्त. फाकीका होसला बढगयाहे सोयह-सोदागरांनका जालहे सोजीसतरहसे किदु नीयां रावणके राक्षसीपापको स्वर्गजांनतीथी उसीतरहसे—अब बनीयोंके राक्ष सीपापको दुनीयां स्वर्गजांनतीहे किजोबनीयोंने रावणकीतरहसे—चोरासीलाख कुंन्डीयां-राध लहुकी कीसीसमुन्द्रके दरमयांनमे—पापकरके संसारके गारतकर नेकेलीये बनाइहें सोजीसतरहसेकि—तमांमदुनीयां रावणके;जालकी.माला फे रतीथी उसीतरहपर अब ईनबनीयोंके स्वर्गकी माला तमांमदुनीयां फेररहीहे-सोजीसतरहसेकि रावणका.राक्षसीजालथा उसीतरहपर—ईनसोदागरांनका राक्ष सीजालहे मगर?रावणके जमांनेमेतो रावणके राक्षसीपापको सनीश्वजी महारा जने सारेजहांनमे प्रवटकीयाथा ओर-वोह-जातके तेलीथे जीसकोगरीब-गरूस देखकर राक्षसबीद्याके पापमे केदकरदीयाथा ओर रावण—अपनेपापकी खबर नहीपडनेदेताथा मगर?जबके?रावणके गुपतीपापकी—खबरपडी जब सनीश्वजी महाराजने तमांम-राजा-बादशाहोंको.ओर रईयतवगेराको वाकीफकीया तोउन लोगोंने ऐकदीलहोकर रावणके राक्षसीपापको छोडाया—लेकीन अगलेजमांने-के लोग ऐसेनेक व सतीथे किउनहोंने उसबातको फोरन कबुल करलीया—ओरःदीलमे बीचारकरके?यह?कहनेलगे—किअगर.हम.संसारके लोगोंने:ऐकदील होकरके ईस राक्षसीपापको नातजाया तोरावण कुल जहांनको जरुर गारत; करदेगा—जबकुल.जहांनने ईसबातका—खयालकरके ओर सनीश्वजीके—कहनेको कबुलकरके रावणके राक्षसीपापको मीटादीया ओर सनीचरकी मनशायेदीली को अपनेसर—व-आंखोंपेरक्खा ओर—यहबात अरजकीया किहमलोगोंको राव

णने अपने राक्षसीपापसे-अंन्धोंकी-तरहसे करदीयाथा? किजोजमीनके–सरीरकी पहचांनतक–भुलादीथी परंन्तु.रावणने सनीश्चको अपने राक्षसीपापसे? दुखीकी याथा जब रावणके?राक्षसीपापकी खबरपडी अगरचे–रावणने अपने राक्षसी पापसे.सनीश्चको नहीकलपायाहोता–तोहरगीज? रावणका राक्षसीपाप.मालुमनही होता मगर सनीचरको कलपाया:जब:रावणकी चोरी–संसारमे प्रघटहुई जब: तो.प्रघटहोतेही संसारने—रावणके राक्षसीपापको छोडाया गरजकि रावणकी तरहसे ईनसोदागर महाजनांनकाभी राक्षसीपाप होरहाहे जीससे तमांमजहांन के-लोगोंकी अकल–फीरीहुइहे किअपनी चीजको?अपनी?ओर पराई चीजको पराई नहीजांनतेहें परंन्तु ईन–सोदागरांनने रावणकी तरहसे--मुझ : गरीब— [अनोंपदासको]अपने राक्षसीपापसे कलपायाहे ईससेईन सोदागरांनका राक्ष सीपाप मालुमहुवाहे क्युंकियह महाजन रावणकी–तरहसे.राक्षसीपाप कररहेहें: ओर?जीसतरहसे सनीश्चि जातका तेलीथा उसीतरहसे मेजातका चाकरहूं सो मुझ गरीबको ईन सोदागर महाजनांनने–अपने.राक्षसीपापसे कलपायाहे-ओर अमीर लोगोंकोतो? मारेडरके? समामुख नहीकलपातेहें लेकीन–यह बनीये अपने राक्षसीपापसे गारततो सबकोकररहेहें:परंन्तु:अपने राक्षसीपापसे दुखीतो बगेर जबांनवालोंको?ओर गरीब आदमीयोंकोही करतेहें–ईसलीये मेगरीब साधु त मांम जहांनके लोगोंको ईनबनीयोंके राक्षसीपापसे बाकीफकराहूं किईन.बनी योंके?अनेकतरहके छलहें:ओर:फरेबहें किजेसे रावणके अनेकतरहके छल;ओर फरेबथे उसीतरहसे–ईन सोदागरांनकेभीहें सोजीसतरहसेकि रावणके वकतमे-सनीचरके कहनेसे तमांमजहांनने ऐकदीलहोकर रावणके राक्षसीपापको?छोडा याथा.उसीतरह अब ईन सोदागरांनके राक्षसीपापकोभी तमांम जहांनके लोग ऐक-दीलहोकर–मुझसाधुके–कहनेसे छोडाओ तोईन बनीयोंके जालसे सबको-सुखप्राप्तहोवे क्युंकिईन सोदागरांनके जालसे तमांमजहांनके चोपाये व पंखेरु; ओर-से-आदमीयोंके तकलीफ पातेहें.ईसीतरहसे जमीनमाताभी ईन्द्रजालकेपाप से,बीमारीयां पारहीहे किजीसतरहसे आदमीको:बीमारीहोतीहे–ओर वोह;बीमा रीके सबबसे.दुबलाहोजाताहे ओर चरबी गलजातीहे ओर खुन सुखजाताहे, उसीतरहसे जमीनमाताभी राक्षसबीद्याके–पापसे बीमारीके सबबसे?दुबलीहोग इहे क्युंकिगोशत ओर चरबीवगेरा गलगइहे जीसकीवजे–यहहे किजमीनमाता

सीरफ जलकाही?अहारकरतीहे सोअब जमीनमाताके पेटभरनेके?काबील जल नहीबरसताहे ईससेदुखीहे क्युंकिजेसा—मेह बरसताहे.जब.जमीनमाता जलको-पीतीहे जबःमेवा मीसटांन—रीजक बनासपती वगेरा अच्छीतरहसेहोतीहे जब. सब जीवाजुन पलतीहे ईसीतरहसे—आदमीभी ? रीजकवगेरा खा पीकर पलतेहें मगर?जमीनमाता कोनसा पापकरतीहे जीससेअब पहलेकासा!रीजकवगेरानही होताहे क्युंकि जमीनमातातो ऐसीसतीहे किसीरफःजलकाही अहारकरतीहेःकि जमीनमाता जलका अहार जबकरतीहे किजब जलबरसताहे सोसब जहांनके लोग अपनी२आंखोंसे देखतेहीहें कुछ-मेरेकहनेकी जरुरतहीनहीहे ओर यह;ब नीये—जबकि जमीनमाताके नांमका पापकरातेहें जब जमीनमाता बीमारहोजा तीहे सोजीसतरहसेकि आदमी बीमारीकेसबबसे?खाने पीनेका अहारवगेरा क मकरताहे सोजबकि कमबरसताहे जबदुनीयां अपनेमुहसे काल२कहतीहे परंन्तु यहबनीये.जमीनमाताके नांमका पापकरातेहें-जीससे जमीनमाता बीमारहोजा. तीहे ओर जीसतरहसेकि मालीकने आदमीके सरीरमे गोस्त हड्डी चरबीवगेः रा—बनाइहें उसीतरहसे-जमीनमाताके सरीरमेःगोस्त—चरबी?हड्डी वगेराबनाइहें लेकीन यह जोपहाडहें तोयह जमीनमाताके सरीरकेहाडहें ओर जोकिमीट्टीहेः वोह जमीनमाताके सरीरका गोस्तहे ओर जोकिचांदी सोनेकीखांनेहें वोह;ज मीनके सरीरकी चरबीहे परंन्तु ईनसोदागर महाजनांनने बलराजाके—बादसे; राक्षसीपाप चलायाहेःओरःबलराजाके बादसेही कालपडानेलगेहें ओर जबका ल पडताहे-जब जमीनमाता बीमारहोतीहे जोबीमारीके सबबसे-दुबलीहोगइहेः जीससे जमीनमाताके सरीरकी चरबीगलगइहे जीससे—जमीनमाता बीलकुलदु बली होगइहे ओर जीसतरहसेकि आदमी बीमारहोताहे ओर उसकेसरीरकी-हड्डी—गोस्त.ओर.चरबीवगेरा बीमारीकेसबबसे गलजातीहे-तोबीमारीकी वजेसे नाताकतीभी होजातीहे तोईसीतरहसेःअबःजमीनमाताभी बीमारीके सबबसे ना ताकतहोगइहे—ओर चरबीवगेरा गलगइहे ओर जोकि-नोहीधातुकी खांनेंसुनी जातीथीं वोह जमीनमाताके सरीरकी चरबीथी जीसकोचांदी सोनेकी खांनेंः बोलतेहें!वोह!नातो अंग्रेजोंकी वलायतमे मोजुदहें—ओर नादुसरी वलायतोंमेहें-ईसीतरहपर अब ईन बनीयोंके?जालकीवजेसे सातों आठों वलायतोंके अंन्दर चांदी सोनेकी खांनेंनहीहें ओर जोकहींपरहेंभी तोपहले जमांनेके बराबर धन

नहींनीकलताहे.बलके जीयादा? लागतकेसबबसे नुकसांन-उठानापडताहे : क्युंकि पहलेजमांनेमे—ऐकरुपीया खरचकीयाजाता तोकेईरुपीयोंका माल नीकलताथा-ओर अबऐक रुपीया खरचकीयाजाताहे?तोलागतके दांमभी वसुल—नहीहोतेहें: सोयहवजे 'ईन्द्रजालकीहे जीससेचांदी सोनेकी खांनेंनहीहें ओर अलोपहोगइहें ओर यहसातों आठोंवलायतें.ईस जमीनमाताके पेटमे आबादहैं.परंन्तु.जमीनके नाताकतहोनेकाभी सबबहे किईन—सोदागर महाजनांनका राक्षसीपाप चलरहा हे:जीससेचांदी सोनेकीखांनें-आकास-पातालमेभी नहीरहीहें क्युंकिजब आदमी बीमारहोताहे—ओर बीमारीकेसबबसे उसकाकुल—सरीर दुबलाहोजाताहे:परंन्तु-जीसको बीमारीहोतीहे उसकेसरीरकी!चरबीगलजातीहे!तोफीर उसकेसरीरमे ता कत कहांसेरहतीहे बलके:ईस:काबीलहोजाताहे किदुसरेशख्सकीभी आसरखता हे-सोअब ईसीतरहसे जमीनमाताभी राक्षसबीद्याके पापसे दुबलीहोगइहे परंन्तु ईनसोदागर महाजनांनने बलराजाकेबादसे राक्षसबीद्याका—पापचलायाहे.जबसे जमीनमाताके नांमका पापकरातेहें सोजबकि जमीनमाताके नांमका पापजीया दा:करातेहें तोकालभी?पडजाताहे?ओर;ग्रहनभी पडजाताहे—क्युंकिपापसे जमीन माता दुखपातीहे ईससे जमीनकेउपर धांनवगेरा नहीहोताहे जबदुनीयां भुखे; मरनेलगतीहे ओर पहलेजमांनेमे जमीनमाता दुख नहीपातीथी तोमेवा:मीसटां न रीजक बनासपतीवगेरा बहोतहोतीथी किजीसकीवजेसे गरीब गुरबा जग करलेतेथे—परंन्तु पहलेजमांनेकासा धांन अबनहीहोताहे ओर नाअब:पहलेजमां नेकासा——बीकताहे जीसकीखासवजे यहहे. किजमीनमाता-बीमारीकेसबबसे—पांनी कमपीतीहे जीससेमेवा मीसटांनवगेरा.कमहोताहे:ओर:जेसेकिझाड;दरखत पहलेजमांनेमे होतेथे वेसेअब-नहीहोतेहें क्युंकि जमीनमाता अच्छीतरहसे पांनी नहीपीतीहे ईससेअब.दरखतभी लंम्बे.ओर चोडेनहीहोतेहें—मगर अपनेबुजरगों के देखनेमेतो रीजक ओर बनासपतीवगेरा ईसकदरहोतीथी.ओर.अलावाईसके बलराजाके जमांनेमेतो बगेरखेतीकीये-ओर-बगेरबोये ईसकदर!धांनहोताथा:कि जीसकाकुछ अंन्दाज नहीहोसकताथा तोपहलेजमांनेके-गरीब.लोगवगेराभी;जग करदेतेथे तोभीकरजदार नहीहोतेथे!सोईसकासबुत.बेद.ओर पुरांनोंमे साबीतहे परंन्तु ईसजमांनेकेतो राजा बादशाह ऐकरजवाडेकी रैईयतकोभी खाना नही खीलासकतेहें सोयहहाल सबतुम?अपनी२आंखोंसे देखरहेहो. किअब ऐसाजमां

ना आगयाहे किसीवाये खार—अैंखारके ओरकुछनही सुझताहे क्युंकिःपहलेज मांनेमे ईसकदर रीजकहोताथा तोपहलेजमांनेमे हरऐकजातका?आदमी जगकर लेताथा तोउसजमांनेके राजा बादशाहभी जगकरलेतेथे तोकोनसी अचरजकी बातथी—परंन्तु बलराजाकेबादसे ईनबनीयोंने ईन्द्रजालका पापचलायाहे जीसः से जमीनमाता?दुखपारहीहे ओर जबकि जमीनमाता पेटभरके पांनी पीतीथी तोरीजकभी बहोतहोताथा?सोईनबातोंका?सबुत.बेद ओर परांनोंमेलीखाहे मगर हम तुमलोग ईन्द्रजालके पापसे अंन्धोंके मुवाफीकहें?ओर?अपनेपेटमे जोकीडे हैं-सोवोह अपनेपेटमे कोनसी खेतीकरतेहें.परंन्तु जबहम तुमलोगःखानाखातेहें जबवोहभी—अपना पेटभरलेतेहें?ईसीतरहसे हम.तुम.ओर-तमांम जीवाजुन जमी नमाताके पेटमे कीडोंकीतरहसेहें लेकीनःजमीनमाता ईसकदरबडीहे!कीजीसका कुछअंन्दाज नहीहोसकताहे फीरईसकेपेटमे कीसबातका टोटाथा मगर बलराः जाकेबादसे.ईनसोदागर महाजनांनने ईन्द्रजालका पापकरना शरुकीयाहे जीस से-दुनीयांका बुराहोताहे?लेकीन रावणके पहले ईन्द्रजालका—पाप नहीहोताथा ओर नाकोईपहले राक्षसीपापको—समझताथा परंन्तु राक्षसीपाप रावणके वक्त सेही शरुहुवाहे क्युंकिरावणने दो चारमरतबा ग्रहनडालके अंन्दाजदेखाथा— परंन्तु यह बनीयेलोग अपने?राक्षसीपापसे साल बसाल ग्रहनडालतेहें किजो टीपनोंकेअंन्दर हमेशा—ग्रहनपडनेका हाल लीखाहुवाआताहे सोयहटीपने बनी योंके चलायेहुयेहें किजीसतरहसे.रावणने.चलायेथे सोयहहाल सबसंसारकेलो-ग अपनी२आंखोंसे देखरहेहें परंन्तु ग्रहनपडनेसे जमीनमाता?नीहायतदरजेका दुखपातीहे ईससेकोईचीज जमीन माताकेउपर उमदातोरपर नहीहोतीहे क्युंकि पहलेजमांनेमे आदमी खेती बाडीवगेरा नहीकरतेथे तोवगेरखेती कीयेहुयेकेही धांनवगेरा पेदाहोताथा परंन्तु खेती बाडीका पापभी बलराजाकेःबादसेहीहुवा हे किजीसदीनसे ईनहोंने कालपडाना शरुकीयाहे अगरचे जमीनमाता.पेटभर केःपांनीपीलेवे ओर सोदागर महाजनांनको खबरपडजावे—तोयह बनीये-जमी नमाताको बदहजमीका रोग जादुसेकरके फल फुलवगेरा गलादेतेहें जीसकीः बजेसे फीर चीजेंवगेरा-होवेंहीनही क्युंकिकुल जहांनकी अकल ईनसोदागरःम हाजनांनने—अपने राक्षसीपापसे खराबकरदीहे?चाहे बारीश अच्छीतरहसे नही हुईहोवे तोभीदुनीयांके लोग यह कहनेलगतेहें किबारीश बहोतहुइहेःईससेफल

फुलवगेरा गलगयेहैं?ओर? ईन्द्रजालके पापसे जांनवरोंकोभी—यहबनीयेःजीयादा सजादेतेहैं—ओर चोरासीलाख जीवाजुनको.हदसेजीयादा सजादेतेहैं;जीससेबुरा होताहे क्युंकि यहबनीये जादुसे चोरासीलाख जीवाजुनको मारतेहैं जीसका; पाप बहोतहोताहे ओर खेती बाडीमेतो जीवडोंको थोडाकलपातेहैं?ओर ईन्द्र जालके पापमे जीवडोंको जीयादा दुखदेतेहैं ईससेजीयादा पापका नांम;जादु कहतेहैं!ईससेईन!बनीयोंकानांम जादुखोरा रखदीयाहे क्युंकि—यहःजादुखोराःज मीनके नांमका पापकराके जमीनमे आगभी लगादेतेहैं जीससे कीरोडों जीव जलजातेहैं जीससेबुराभी.जलदीहोताहे ओर? यह जादुखोरालोग—संसारके—लो; गोंको बहकाकरके ऐसासुझातेहैं कितुम उल्लु जांनवरको मारके ओर उसकी दवावनाकर जीसकीआंखमे डालोगे यादुसरेकी ओरतके-कपडेमे-लगादोगे तो वोह तुमहारेकहनेमे होजावेगी सोभाइमेरेहो;जादु;कोईचीजनहीहे यहतो राक्षसी बीद्याका पाप चलायाहुवाहे जीसकाकुछ अंन्दाज नहीहोसकताहे अगरचे दु; नीयां ईसपापका हीसाबकरेतो ईसकीगीनतीभी नहीहोसक्तीहे क्युंकि?राक्षसी-पाप—बहोतहोरहाहे सोईसबातको जरुरही समझनाचाहीये किईनबनीयोंने!कीस तरहके पापचलायेहैं किजोकोईभी साहब खयाल नहीकरते किईनबनीयोंने;रा क्षसीपापसे सबकीअकल खराबकरदीहे जीससेदया धरमही-नहीजांनतेहैं-बलके संसारकेही—हाथोंसेबहोत.पापकरारहेहैं ओर जोकि—देवताहुयेहैं सोउनहोंने मा-लीककी भगतीकीहे ईससेउनकी समाजीका?पुजनातो दुरस्तहे.परन्तु समाजीः कोतो नहीपुजतेहैं ओर उनकी?समाजीयोंके उपर उनकेनांमसे—अपनेहाथोंसे जांनवरोंको मारतेहैं सोधरमकी पुजनतो नहीकरतेहैं ओर जीवडोंकोःमारनेल गतेहैं सोसंसारकोतो,कुछ दोशनहीहे क्युंकिउनकी बुधीतो-जादुसे केदहे ईससे दया—धरम भुलगयेहैं सोजीन२रजवाडोंमे देवतोंकेउपर जीव मराने शरुकीयेहैं ओर जबसंसारमे भुलपडजावेगी जबतो सबदुनीयांको जादुसे बीमारकरके;व देवतोंका सुजा२के जीतने संसारमे'हिन्दु'मुसलमांन ओर—अंग्रेजवगेराके कुळमे भगत लोगहुयेहैं सोदेवतासरुपी लोग भगतहीहोतेहैं चुनाचे सबकीसमाजीयोंः पर जीवमराना?शरुकरादेंगे ईसीतरहसे जैसेकिअब जीन२रजवाडोंमे देवतोंपर जीवमरातेहैं ओर संसारको.जादुसे खबरभी नहीपडनेदेंगे.सोयह बनीये पहले तो अपने राक्षसीपापसे संसारकेलोगोंको बीमार करदेतेहैं ओर फीरऐसा सु

झादेतेहें किदेवताने बीमारकीयाहे–सोदेवता–जांनवरको चाहताहे सोदेवताकेनां मका देवताकेउपर?बकराचढाओ जबतुमको आरांमहोगा:सोवोह:बीमारआदमी: अपनी बीमारीके सबबसे.ओर.डरकीवजेसे–अपनी जिन्दगीके खातीर चढादे-तेहें सोवोहतो बनीयोंके राक्षसीपापसे भुलेहुयेहें जीससेजेसाकि सुझातेहें;वेसा हीकरनेको लगजातेहें?सोबीमार आदमीके नांमका पापकरना छोडदेतेहें जब-वोह अच्छा?होजाताहे सोईनलोगोंकी बुधी–ईनबनीयोंने अपने––राक्षसीपापसे ऐसीखराब:करदीहे जीससेऐसाही सुझताहे किजोभगत:होताहे उसकोभीऐसाही राक्षसीपापसे करतेहें-किजीससे उनकोभी खबर नहीहोनेदेतेहें–किपापका करा नाबुराहे याभलाहे सोऐ संसारके लोगो–पापका करानातो बुराहीहे:सोकीसी जांनवरको यादुसरी जीवाजुनको?मतसताओ बलके दुसरेशखसको मारतेहुये; देखो तोमतमारनेदो–जीसतरहसेकि जांनवरोंकी!ओर!दुसरी जीवाजुनकी!जांन हे उसीतरहसे सबके सरीरमेभी जांनहे सोजीवाजुनकी जांन तुमहारे,कोशीस करनेसे बचसकेतो बचाओ क्युंकि नेकीका दरजाहे वोहअच्छाहीहे मगर यह: बनीये?अपने राक्षसीपापसे–साधु फकीरोंकोभी ऐसाही सुझादेतेहें.किसमाजीके उपर बकराचढाना दुरस्तबातहे अगरचे:वोह:दयाभीकरेतो राक्षसीपापके जादु से उसकोदयाभी नहीकरनेदेतेहें–तोउसको दयाभी नहीआवे ओर;वेसाहीकहने को?लगजावे ओर जबयह बनीये राक्षसीपापसे;साधु;फकीरको बीमारकरदेतेहें ओर उनकेघटमे देवतोंका–छल सुझादेतेहें तोवोहभी जांनवरोंको अपनेहाथसे; मारनेको लगजातेहें,ओर,जबअच्छे होजातेहें तोफीर!परचोंके भरोसेसे.यहकहने लगजातेहें किदेबी देवतासच्चाहे ओर मैंझुठाहूं ओर यह नहींसमझतेहें कियह-रावणके–मुवाफीक–राक्षसीपापका;करतबहे ओर यह,महाजनलोग,पहलेतोउसके नांमका पाप चोरासीलाख कुंन्डीयोंपर कराके–उसकोबीमार करदेतेहें––ओर-उसके घरवालोंको!याखुद उसबीमारको?जादुसेऐसा सुझादेतेहें;किदेवताने:बीमा रकरदीयाहे सोदेवता जीवमांगताहे जादुसे ऐसीबुधी फेरदेतेहें ओर जब यह समझतेहें किअबतो बीमारके घरजीव यानेबकरा पाडावगेरा–देवताके नांमसे-मारदीयागयाहे जबउस:बीमारकेनांमका? पापकराना? उन चोरासीलाख-कुंन्डीयों परसे छोडदेतेहें.तोफीर.वोहबीमार अच्छहोजाताहे ईससे–देवतोंके परचोंको––सच्चा?जांनतेहें मगर:उनकोयह खबरनहीहे-किरावणकी तरहसे!ईन बनीयोंमेभी

राक्षसबीद्याका पापचलायाहे? अगरचे? ईनबनीयोंके राक्षसीपापकी खबरःदुनीयां को पडजाती—तोदुनीयां फोरनःईनके जालको;छोडादेती परंन्तु!संसारको. अब तक.ईनके जालकी खबरनहीहे ईससे?दुनीयांके लोग अपने हाथोंसे कीरोडों जांनवरोंको देवतोंकेउपर मारतेहें ओर अलावाईसके—संसारके अंन्दर हेजाकी बीमारीमे कीरोडों शखसोंको मारदेतेहें.ओर राजा बादशाहोंके हाथोंसे कीरोडों जांनवरोंको मरवादेतेहें जब कीरोडों पाडा बकरोंके चमडोंकी चीरेंकर—वा२के दरखतोंकी मुलांयम डालीयोंमे बांध२के लटकादेतेहें.ओर जोसंसार उनके चमडोंकी चीरें नाकरेंतो बीचारेसंसारको—जादुसे बीमारकरके ऐसासुझा देतेहें:कितुम खालोंको चीरकर झाडों.ओर.दरखतोंकेउपर खालकी चीरेंबांधो जबबांधतेहें-ओर जोनहीबांधेंतो?उनको यहसुझातेहें किदेवताने बकराःपाडानही मांना ईससेउसको जादुसे बीमारहीरखतेहें सोजबकि वोह चमडेकीचीरें सुख जातीहें जबदरखतोंको तकलीफहोतीहे क्युंकिजीसतरहसे अपनेसरीरमे जांनहेः ईसीतरहसे ईनदरखतोंके अंन्दरभी जांनहे जीससेदरखत—सरसबज रहतेहें:सोः यह-दरखततो ऐसेसतीहें—किअपनेको फल?फुलखीलातेहें ओर आप-धुपमेखडे रहतेहें ओर दुसरेपर सायाकरतेहें ओर उनकी लकडीयोंको अपनलोग;जलानेके कांममेलातेहें ओर जोकि बनासपतीहे वोह-तमांम जहांनकेलीये रीजकहे; क्युंकितमांम ईससे.परवरशपातेहें सोसबकोही मालुमहोताहे ओर मे'जोआपलोगोंको बार२लीखकरके दरसाताहूं सोसीरफ—ईसगरजसे दरसाताहूं कितुम संसारके?लोगोंकी बुधी-ईनबनीयोंके?राक्षसीपापसे भ्रष्टहोरहीहे ईससेदुसरे जीवों की पहचांनतोक्या तुमको अपने सरीरकीही पहचांन नहीरहीहे क्युंकिःईनबःनीयोंने अपने राक्षसीपापसे बनासपतीसी चीजोंकोही.भुत पलीत बनारक्खाहे ओर दुनीयांके हाथोंसे उनदरखतोंके—अंन्दर कीलोंतक!गडवादेतेहें सोयह-दुनीयांकी भुलहे क्युंकि दरखतोंके अंन्दर नातोभुतहे ओर नापलीत खबीस वगेराहे यहतो सीरफ सोदागर महाजनांनकी जालसाजीहे—क्युंकिअपन;लोगोंकी बुधी भ्रष्टकरदीहे.ईससेऐसाही सुझताहे बलके यहांतकतो ईनकाजालहे-किनीदकेअंन्दर सुपना वगेराहोताहे जेसेकि नीदमे मरेहुयेका सुपना सुजजाताहे उसीतरह जादुसे मरेहुयेका?जागता सुपना;कीसी२को करदेतेहें ओर;फीरउसीके घटमे.ऐसा.सुझादेतेहें किमेरेको-भुतमीलाहे ओर देखाहे ओर;जीसकोसुपना

करातेहें?फीरउसको जादुसे बीमारकरदेतेहें ओर बीमारकरके उसकोःयहसुझा-
देतेहें किमेरेको फलांने दरखतकेनीचे या.ओर.कीसीजगह भुत लगगयाहे जी
ससे.मै.बीमार—होगयाहूं-ओर साधु?फकीर संसारमेसेभी कीसीको ऐसाहीसुझा
देतेहें किईसको भुतलगगयाहे.सो,मै,ईसभुतको झाडादेकरःनीकालसकताहूं-ओर
वोह—झाडा देनेवाला बकरा वगेरामंगावे ओर यहकहे किभुत खबीस बकरा
मांगताहे नहीतोभुत?ऐसा जबरदसतहे किईस.बीमारका.जीव लेजावेगा?ईसबी
मारकेउपर बकरा फेरकेमारो सोईसबकरेका जीवतो भुतलेजावेगा ओर यहः
बीमार बचजावेगा-तोफीर उसबकरेको मारदेतेहें ओर वोह झाडादेनेवाला!क
हताहे—किमैभुतको झाडमे.कीलदूंगा तोभुत फीरईसको?नहीलगेगा जबउस झा
डादेनेवालेको जादुसे ऐसासुझादेतेहें!किवोह!यहकहताहे किमैनेभुतको पकडली
याहे ओर झाडमे कीलदूंगा ओर जीन२रजवाडोंमे यहभुत पलीतकाःपापचला
याहे—वहांहजारों दरखतोंमे?लोहेकीकीलें गडवादेतेहें!ओर नाकोईभुतहेःओर ना
पलीत खबीस डाकनवगेराहें फकत यहतो बनीयोंका राक्षसीपापहे ओर—दर
खतोंमे-जोकीलें-गडवातेहें सोयह दरखततो,बेचारे बडेसतीहें मगर कीलेंगाड२
कर नाहक तकलीफेंदेतेहें-ओर-बकरेवगेरा जोदेवतों ओर भुतोंका बहांना क
रके.हजारों.जीवडोंको मारतेहें तोनाहक बेचारोंको?संसारकेःहाथोंसे जीवःमरा
करके तकलीफेंदेतेहें ओर जादुसे संसारको बीमार कर२के भुतोंका ओर दे
वतोंका सुझा२के कीरोडो-जीवडोंको देवतोंःओर भुतों ओर पलीतोंके.नांमसे
मरादेतेहें,सोतुम!संसारके लोगो तलाशकरके.देखलो किजीन२रजवाडोंमे ऐसा
पाप चलाहे सोसंसारकोतो कुछ दोशनहीहे क्युंकि—उन बेचारोंकोतो जादुसे-
बीमारकरके?भुत पलीत ओर देवतोंका सुझादेतेहें तोलोग डरके ऐसेकांम'कर
ने लगजातेहें सोसंसारकोतोःमालुम नहीहे कियह.जादुहे.वोहतो.भुत पलीतही
समझतेहें क्युंकिभुतों ओर देवतोंके भरोसेभुलेहें ओर जीसको जादुसे.मारना
चाहेंतो-फीर-वोह चाहेकीतनेही जीवमारें उसको.कच्चीउमरमे मारहीदेतेहें भुत-
पलीत ओर देवतोंका बहांनाकरके जोतुम संसारकेलोगो तलाशकरो तोयह.
पापतो!ईन,महाजनांनका प्रघटहे ओर संसारके हाथोंसे बुधीफेरके:पापकरातेहें
सोईनहोंने संसारमे बुराहोनेकेवासते—अनबोलोंकेउपर ऐसाजुलम चलायाहे,सो
ऐसे२पांप-देखतेजाओ ओर छोडातेजाओ ओर ईनका गुपतीपाप छोडाओगेः

जब ऐसेफेल दुनीयांमे नहीहोंगे देखतेपापको जोभुत पलीत!ओर!देवतोंवगेरा के,नांमसे जीवमारतेहैं–उसकोतो–हरकोई छोडादेगा परंन्तु ईनका गुपतीपाप–छुटनाचाहीये जबदुनीयांसे यह'फेलछुटेंगे,जबतक गुपतीपाप;नहीछुटेगा;तबतक; संसारको भुत पलीतका बहांनाकरके जादुसे बीमार करतेरहेंगे ओर संसार: भुलकरके–डरकीवजेसे देवतों ओर भुतों ओर पलीतोंके नांमसे–अनबोलोंको मारतेरहेंगे ओर भाईमेरेहो गुपतीपाप वोहहे किजहां ईनमहाजनांनने चोरासी लाख कुंन्डीयां राध ओर लहुकीबनाईहैं ओर तुमसब संसारकहतेहो किवहां पर.स्वर्ग ओर?नरकहे ओर नारगीडालतेहैं सोवहांपर–तमांमपाप बनीयोंके-कुळके हाथोंसेहोताहे सोवोहतो?ऐसापापहे किजेसा रावणने दरीयावोंपार;अलो; प.पाप-चलायाथा!उसीतरहसे ईनमहाजनांनने गुपती पाप?चलायाहे सोवोहतो महाजनांनकी जातकोही मालुमहे ओर वहांपर ईनकीजातके सेठ महाजनही–जातेहैं ओर?उसी गुपतीपापसे देवतोंःओरःभुत.ओर.पलीतोंका दुनीयांमे फेल चलायाहे ओर उसीफेलसे देवतों ओर'भुतोंःवःपलीतोंका बहांनाकर२के.कीरो डों जीवमरातेहैं.उसकासारा.मतलबयहहे कि नातोभुतहे ओर नाकोई?पलीतहे यहतो फकत ईनमहाजनांनका राक्षसीपापहे.ओर.राक्षसीपापसेही नींदकेअंन्दर; ओर-जागतेमे-सुपने करादेतेहैं–ओर कुछका'कुछ'सुझातेहैं सोयह सुपने राक्षसी पापसेहीहोतेहैं ओर.ईसीतरहसे रात-दीनमे!जागते;सुपने?करादेतेहैं सोजीसतरह से'कि'रावण–राक्षसबीद्याके पापसे केई२कीसमके सुपने सुझाताथा;उसीतरहसे; अब.यह.बनीयेभी केई-कीसमके सुपने सुझादेतेहैं–किजो?मरेहुये मुरदे सुपनेमे-नजरआतेहैं सोभाइमेरेहो मरेहुयेतो नहीआतेहैं यहतो राक्षसीपापसे ऐसासुझा देतेहैं किजीसतरहसे.बाजीगरलोग–टीकरीका?रुपीयाःपेसाकरके दीखादेतेहैं!ऐसे यह-बनीयेभी राक्षसीपापसे;भुत;पलीतवगेरा सुझादेतेहैं परंन्तु.भुत पलीतवगेरा जोसुझातेहैं वोह,सब,जालहे ओर कुछभीनहीहे क्युंकि पापको ताकतहे किजो चाहे सोहीकरसकताहे ओर–ऐसाबुरा गुपतीपापकरातेहैं किजीसकेनांमका गुपतीपापकरावें तोउसीका?बुराहोजावे ओर सबबलायतोंके–नांमका पापकरावें;तो सबबलायतोंका बुराहोजावे सोपाप.जोसंसारके नांमकाकरातेहैं सोपापतो लग जाताहे मगर करनेवाले बेईमांन काफीरहैं क्युंकि!बेचारों अनबोलोंको-कलपातेहैं:ओर:दुनीयांमे जादु२जोकरतेहैं!ओर–ईन्द्रजाल जोकहतेहैं ओर राक्षसबीद्या

ओर काफीरबीद्या कहतेहें सोपापतो ऐककाऐकहे परंन्तु दुनीयांके नासमझने केवासते नांम अलग२लीखदीयेहें सोयह चतराई—दुनीयांके नासमझनेकेवासते कीहे मगर दुनीयां-यह-खयाल नहीकरतीहे किपहले रावण?हरनाकुश कंन्स—कारूंनवगेराने राक्षसबीद्याकापाप चलायाथा?जब वोहमी.ईन बनीयोंकीतरहसे कुछकाकुछ सुझातेथे सोयहबातःदुनीयांमें प्रघटहे?कियहबातें!राक्षसबीद्यासे!सुझातेथे लेकीन यहबनीयेतो रावण वगेरासेभी जीयादा कुछकाकुछ सुझातेहें सो ईसबातका खयाल कीसीकोभी नहीहोनेदेतेहें पेशतर-मैंभी-संसारकीतरहसे भु; लाहुवाथा—क्युंकि?मुझको राक्षसीपापसे जबतक.कि.ईनबनीयोंने दुखीनहीकीया था जबतक मेरकोकुछ खबरनहीथी ओर अबतोजोकुछ मेरेउपरहोचुकीहे वोह बीतीहुईलीखताहूं ओर—मुझकोतोःईनसोदागरांनने तरह२की;जालसाजीयां,दीख लेाइहें ईससे;में;बार२लीखकर तुमभुलेहुये शखसोंको खबरदारकरताहूं क्युंकि; ईनबनीयोंने फकत दुनीयांकेनांमका,पापहीचलायाहे ओर पापसेही:बुराकरतेहें; सोमुझको ईनकापाप?मालुमहोगयाहे—जीससे में आपलोगोंको वाकीफकरताहूं—ओर लीखताहूं ओर तुमसब संसारअपनी२आंखोंसे देखरहेहो किकेसा;जुलम चलायाहे सोजीन२रजवाडोंमे ऐसापापचलायाहे सोसबसंसार दरीयाफतकरके देखलो-किईन बनीयोंने बुद्धे;आदमीयों?ओर?ओरतोंपर केसाजुलम कीयाहे;कि उनहोंको डाकी-डाकनबनायेहें जीसकाहाल तुमसंसारके लोगोजरा—दीललगा. कर,सुनो,किजोछोटा गांवहे उसमेःसोःपचास डाकनीयां-बनाइहें ओरःजोकेउस सेःबडाशहरहे वहांपरबहोतसी डाकनीयांबनाइहें परंन्तु जोकिबुद्धे मरद-ओरतहें तोवोह तीरथसमांनहें सोबेद.ओर.परांनोंमेभी—लीखाहे ओर दुनीयांमेभी जांन तेहें!किजो बुजरगहोताहे;वोह तीरथके-मांनींन्दहे मगर ईनके,सर,बदनांमीददीहे परंन्तु यह.बनीयेऐसेहें.कितीरथसरुपी आदमीयोंको—संसारकेहाथोंसे मरवादेतेहें ओर तरह२की बीमारीयांभी राक्षसबीद्याके पापसेकरतेहें ओर संसारकेदीलमे डाकी—डाकनीयोंका सुझातेहें;ओर;जोकि डाकी?डाकनीयांबनाइहें-उनकेदीलमेभी ऐसासुझादेतेहें जीससेवोहभी ऐसाकहनेको लगजातेहें किहम डाकन;डाकीहीहें; सोईसबजेसे—ऐसी२बातेंकहनेको लगजातेहें.किउनकीअकल ईनबनीयोंने अपने-राक्षसीपापसे ऐसीखराबकरदीहे?मगर यहबातःकाबील खयालकरनेकेहे.किऐक शखस बहोतंफासलेपर याकुछ नजदीकबेठाहे तोउसकादील वोह?कीसतरहसेः

खासकताहे?क्युंकि जबखाना सांमनेरक्खाहुवाहे तोबगेरहाथ उठायेहुयेके-कीस तरहसे खासकताहे–परंन्तु खानातो उसीहालतमे?खायाजावेगा किजबहाथउठा कर.मुहमे.लुकमादेगा मगर दीलकेचलानेसे खाना नहीखासकताहे सोयह;बनी येतो पापकराना समझतेहें–किजोगरीब आदमीयोंको?दुखकरेंगे:तोआपुसमे'लड कर-खुदहीमरजावेंगे सोईनबनीयोंने ऐसा.राक्षसीपाप चलायाहे:सोयह पाप?री जक खोनेकेवासते-चलायाहे किईस-राक्षसीपापसे कुलसंसारका!धनअपनेकाबुमे करलेवेंगे ईसखयालसे ईन्द्रजालका पापचलायाहे सोईनबनीयोंने धन,कुलजहां नका काबुमेकरलीयाहे.सोसंसारके लोगोंको यहबनीयेअपने राक्षसीपापसे-बी– मारकरदेतेहें ओर फीर उनकेमुहसे यहकहलातेहें किमुझको-डाकनलगगइहे सो जबकि उसबीमारीसे;मरजावे.तोफीर.कहनेकोलगतेहें,कि,डाकनीयोंने खालीयाहे ओर–अबतो जीसदीनसे.अंग्रेज.हिन्दुस्तांनमेआयेहें जबसे डाकनीयोंके बहांनेसे जराकममारतेहें ओर डाकनीयोंका जलाना मारनाभी थोडा?बंन्दकीयाहे:मगर डाकनीयोंके बहांनेसे-नहीमारेंतो ओरही?संसारकेनांमका जादुसे तरह२का;पाप कराके ओर?बीमारकर२के?कचीउमरमे मारतेहें-ओर-कीसी२को–चोरी––छांने-जादुसे बीमारकरके;अबभीडाकनीयोंका सुझातेहें तोअब,अंग्रेजोंसे,डरतेहुये गरी ब;आदमी चोरीछांने:अबभीडाकनीयोंकी बातेंकरतेहें–ओर चोरीछांने!ईसवासते करतेहें किहमाराजाल मालुमहोजावेगा–ओर अंग्रेज हमाराजाल समझजावेंगे– तोहमारा जालछोडादेंगे?जीससे डाकनीयोंका-जलाना-मारना अब बंन्दकीयाहे ओर रावणने दुनीयांकेपीछे केईग्रहलगायेथे किजीससे केईगरीबोंको संसारके; हाथोंसे संसारमें बुराहोनेकेवासते दुखदीलाताथा उसीतरहसे यहमहाजनभी:बे चारे,गरीबबुड्ढे आदमीयोंको ओर–बुड्ढीओरतोंको?संसारमे बुराहोनेकेवासते डा कन डाकीबनाकर मरातेहें–उसीतरहसेयहभी वेसेहीगरीबहें सोसंसारकेलोग;अ; च्छीतरहसे ईसबातकोसोचो कि?रावण जोराक्षसीपापसे बीमारकरदेताथा ओर कीसी२को-मारभीदेताथा सोजबकि!दुनीयांको खबरपडी:जबदुनीयांने.रावणको मअे उसकेकुळके मारदीया सोभाई जबकि राक्षसबीद्यासे:मेह:ओर मोतको स हारेकरलेतेहें तोफीर राक्षसीपापके-चलानेवाले-जोचाहें वहीकरसकतेहें–सोजब-कि:संसार–ईसकेतजानेका बंन्दोबस्तनाकरें जबतोजीनेकाभी धरमनहीहे क्युंकि मालीकनेतो सबहीको:पुरीउमरदीहे सोकदीम ओर ठेटसे;बुजरग;यानेबुड्ढे:जईफ

होकर मरतेहैं;परंन्तु;ईनबनीयोंने रावणकी तरहसे.संसारकेलोगोंकी मोतको:का बुमे करलीयाहे लेकीन पहलेजमांनेमे बापसेपहले बेटानहीमरताथा--ओर अब-बापसेपहले बेटामरजाताहे सोअब.ओर.पहले क्यामालीक ओरथा.जोअबऐसा होजाताहे!ओर पहलेऐसा--नहीहोताथा परंन्तु.मालीकतो.बोहकावहीहे सोऐसे२ पापतो ईनबनीयोंने जाहीर चलायेहैं-जीसकोतमांम जहांनकेलोग अपनीआंखों से देखरहेहैं ओर अगलेजमांनेके लोगतो ऐसेसतीहुयेहैं कियोह--सीवायेनेकीके दुसरीबातहीं नहीजांनतेथे जीनकी तारीफेंयहहैं कियोह जनमसेही.मालीककी-भगतीकरतेथे!जीससेवोह--शखस देवतासरुपी कहलायेहैं.परंन्तु ईसजमांनेकेलोग उनदेवता सरुपीयोंके नांमसे उनकी समाजीयोंपर बकरा पाडावगेरा-चढातेहैं; ऐसे२पापसे अगले२लोगोंका-नांमभी-डबोतेहैं सोयह!पापनही करनाचाहीये अ गरचे उनहोंकी समाजीयोंको मांनोतो धरमहे सोधरम पुन्यकरो याउनकेनांम से.मीठेभोजनकरके खीलाओ! याअपने--बाल. बच्चोंकोखीलाओ ईसीतरह. अगर तुमहारेकुळमे कोईभगत हुवाहोवे तोतुमलोग उनकेनांमसे धरम पुन्यकरो या. ब्राहमन साधुवगेराको,खीलाओ,याअपनेघरके-बच्चोंको भगतलोगोंके नांमसे-खी लाओ ओर जांनवरोंको मतसताओ क्युंकि ईन बनीयोंने तुमहारी अकलको अपने-राक्षसीपापसे खराबकरदीहे. ईससे. तुमलोग-पापकरतेहो किजोभगतोंके; नां मसे जांनवरोंको मारतेहो जीससेदुनीयांकी अकल दीन'रात'खराब होतीजा. तीहे-मगर ईनबनीयोंनेतो--अपना मतलब समझकर--यह राक्षसीपाप चलायाहे ओर ईससेही संसारके लोगोंकी?अकल-भ्रष्टकरदीहे जीससेतुम लोगोंको पाप करनाहीं धरमसुझताहे:अगर:कोईशखस जांनवरके मारनेसे मनेकरेतो मरने व मारनेको--तयारहोजातेहैं ओर जोनेकीकीबात बतावेंतो उसकोनहीकरतेहैं कि-- जीससेभलाहोवे ओर परमेश्वभी खुशहोवे सोऐसे२कांमकरनेकोतो जीवनहीचा: हताहे ओर पापकी बातोंकेलीये जीवचाहताहे जीसकीवजे यहहे कियनीयोंने: अपने.राक्षसीपापसे-सभोंकी अकल खराबकरदीहे जीससेनेकी ओर बदीको:न हीसमझतेहैं ओर ईसी.पापकीवजेसेही.गरीब अमीर--बेओलाद रहजातेहैं!सोजो बेओलाद?रहजातेहैं वोह राक्षसबीद्याके पापसे बेओलाद रहजातेहैं क्युंकि मा लीकनेतो सभोंको:ओलाददीहे:क्युंकि-सतजगमे!कोईबेओलाद नहीरहताथा;ओर सबके ओलादहोतीथी ओर अबजो बेओलाद रहजातेहैं ओर उनके ओलाद:

नहीहोतीहे सोयह!बनीयोंका राक्षसीपापहे किजीस:मरद:ओरतके नांमका?पाप करातेहें ओर जीसके बचानहीहोताहे ओर कीसी२को-ऐसाभी सुझातेहें—कि भेरूके—नांमका.यादेवीके नांमका बकरा!ओर!भैंसा वगेराचढाओगे जबतुमहारे बेटाहोगा सोजबकि उनकेनांमका-बकरा;या;भैंसावगेरा मारदेवें तोफीर उनके-बेटाहोजाताहे सोजब?बनीये उनकेनांमका पापकरना—छोडदेतेहें?जब बेटाहोजाताहे.ओर जोपापकरना नहीछोडेंतो नहीहोताहे अगरचे होजावे-जबतो-संसार केलोग ऐसाकहनेको लगजातेहें किहमने देवीवगेराके नांमका बकरावगेरा च ढायाथा—सोदेवीवगेराने बेटादीयाहे ओर.जोबकरा चढानेसेभी!नहीहोवे तोयह कहनेको लगजातेहें किपरमेश्वेने मेरीकीसमतमे ओलाद नहीदीहे ईससे-नहीहो तीहे सोयह संसारकीभुलहे क्युंकि:परमेश्वेनेतो:सबको ओलाददीहे—मगर बनी-योंके?राक्षसीपापसे नहीहोतीहे;ओर;जीसकेनांमका पापनहीकरातेहें उसकेओला द होजातीहे परंन्तु संसारके लोगोंकी अकलतो—ऐसीफेरदीहे किजो समझाने सेभी-नहीसमझतेहें-क्युंकि पापकरनेसेतो—ओलाद मरजातीहे सोतुम;पापकरतेहो ओर पापकोही?धरम समझतेहो:सोभाई मेरेहो-देवतोंके-उपरतो बकरा चढानेसे नुकसांन पहूंचताहे क्युंकिवोहतो भगतहुयेहें जीनकेउपर तुमबकरा चढादेतेहो; सोउनकेउपरतो?पापकरना बुराहे-क्युंकिउनके-नांमका धरम पुन्य.करनाचाहीये वोह अच्छीबातहे ओर जीसतरहसे रावणने राक्षसबीद्याके:ग्रह:चला२के लगा-दीयेथे!ओर!देवतोंकेउपर हाडवगेरा-गीरवादेताथा परंन्तु दुनीयांको अपने,राक्ष सीपापसे ऐसा सुझादेताथा किदेवताने रोगवगेराकीयाहे—सोऐसा बहांनाकरके रावण दुनीयांके,हाथसे,हाडवगेरा गीरवाताथा:सो:रावणनेतो थोडाही पाप—च लायाथा ओर ईनबनीयोंनेतो.ईतना.पापकराना शरुकीयाहे-किजहांनके;हाथोंसे देवतोंकेउपर जांनवरोंको मरवादेतेहें ओर हाडोंको डालदेतेहें सोहम-तुम सब ही जांनतेहें किअपने'हाथोंसे'हम ओर तुम देवतोंकेउपर-हाड-ओर खुन डाल देतेहें!सोईस२तरहके;पापतो;जाहीरा संसारके!हाथोंसे!करवातेहें ओर-गुपतीपाप: यहबनीये दरीयावोंके उपरकरातेहे:ओर:उसीगुपतीपापसे दुनीयांकी बुधीभ्रष्ट—हुइहे.किजीससे लोग.देवतोंकेउपर जीवमार२के हाडडालतेहें ओर—उसीपापसे: देवतोंके बहांनेसे भुतोंको नचातेहें-ओर-सुझातेहें.देवतोंका!ओर!उसीपापसे;दुनी यांमे:यह:बीगन-तरह२केचलेहें जीसकी गीनतीभी;नहीहोसकतीहे जबतक संसा

रमेसे-यहबीगन-दुरनहीहूंगे ओर वोह गुपतीपाप जहांपरहोताहे!वहांपर!सीवाये बनीयोंके ओरकोईभी नहीजासकताहे?ईससेईनका?जाल मालुम नहीहोसकताहे; सोसंसारके-लोग ऐकदीलहोकर ईनके राक्षसीपापको.छोडाओ.जबसंसारका!भ लाहोगा ओर सबसंसारकीःओलादःउभरेगी क्युंकिपहले जमांनेमे चांदी सोने का,ठाट,ओर—पाटथा ओर अबनहीहे सोवोह'पेसा'कहांगया क्युंकि जमीनतो; वोहकी वहीहे क्युंकिपेसा?नातो?गलायाजाताहे ओर नाखायाजाताहे वोहतो— सीरफःखरचकरनेके कांममे लीयाजाताहे सोतुम सबहीजांनतेहो कि?पहलेजमां नेमे धनबहोतथा ओर.सोने.चांदीकी खांनेंथीं सोईन!सोदागर!महाजनांनने?रा क्षसीपापसे खांनोंको.गुमकरदीहें ओर;यह;खांनेंजोहें वोह जमीनमाताके सरीर कीःचरबीहेःपरंन्तु यहबनीये जमीनमाताके नांमका—पापकरातेहें जीससे?चरबी गलगइहें सोईसबातका तुमलोगोंको जरुर-खयाल-करनाचाहीयेःकिहरऐक मुल कमे;चांदी;सोनेकी खांनेंथीं वोह'कहांगई'बलके सब,चीजोंकी तेजीहोगइहेःओर जीनको कि-हीरा-ओर पन्नाकी खांनेंकहतेहें वोह पत्थरहें!मगर!हरापत्थरथा— तोवोह.हराहीराथा ओर?नीला?पत्थरथा-वोह-नीलाहीराथा ओर सुफेद पत्थर था'वोह'सुफेदहीराथा ओर लाल;पत्थरथा;वोह लालहीराथा ओरःपीलाःपत्थर था तोपीलाहीराथा.क्युंकि.यहपत्थरहें जोजमीनमाताके हाडहें तोअगले जमांने मे जबकाल नहीपडतेथे जब जमीनमाताका-सरीर-नीरोगाथाःतोहाडोंमे—रोशः नीथी परंन्तु-यह-बनीयेलोग जीसदीनसे काल पडानेलगेहें ओर तरह२केरोग जमीनमाताको करदीयेहें सो-बीमारीके-सबबसे.सब.चीजोंकी शीकल बीगडग इहे जीसतरहसेकि!आदमी!बहोत बीमारहोताहे ओर बीमारीसे उसके-सरीरका खुन सुखजाताहे ओर गोस्त गलजाताहे ओर हाडभी बदशीकल होजातेहें— ओर-बीमारीके सबबसे?आदमीका रुपभी.तमांम.जातारहताहे उसीतरहसे जमी नमाताको जादुसे रोगकराके बीमारीसे ईनमहाजनांनने.रुप.गुमादीयाहे ईससे- पत्थरोंकी-खांनोंका-याने पहाडोंका रुप?जातारहाहे?सोहीरा पन्नोंकीभी;रोशनी चलीगइहे सोईसीतरह जबकि आदमी बीमारीके सबबसे कमजोर होजाताहे- तोउसकेभी—सरीरकी—रोशनी नीकलजातीहे ईसीतरहसे जमीनमाताके सरीरमे भी 'बीमारीके सबबसे रोशनी?नहीरहीहे ओर यह.चांदी.सोनेकी?खांनेंजोथीं- वोहअब;जमीन;आसमांनपरभी नहीरहीहें-मलके-कीसीचीजमे रोशनी नहीरहीहे

ईसकासबब यहहे कियह बनीयेलोग जमीनमाताके नांमका पापकरातेहें ईससे जमीनके सरीरमे-बारोमास-तकलीफरहतीहे ओर जीसतरहसेकि.रावणने.सनीः श्वेको राक्षसबीद्याके पापमे दुखीकीयाथा ईसीतरहसे ईनबनीयोंनेभी मुझगरीब को-अपने राक्षसीपापसे दुखीकीयाहे ओर ईस पापसेही तमांमजहांनके लोगों की बुधी!भ्रष्टकरदीहे,सो,में-तमांमजहांनके? बच्चे ? बचनेकेलीये ईन सोदागरांनकेः जालसे वाकीफकरताहूं क्युंकि जीसतरहसे रावणने ओर हरनाकुसने तीनलो ककी बुधी भ्रष्टकरदीथी उसीतरहसे सोदागर महाजनांनने तीनलोककी-बुधी भ्रष्टकरदीहे-किजो भाई२केसंम्पनहीहेःसोदुनीयांकी बुधी राक्षसीपापसे केसीभ्र ष्ट करदीहे किजेसे!जांनवरहोतेहें ओर वोह बेसमझहोतेहें'ईसीतरहसे संसारके-लोगहोगयेहेंःक्युंकि;आदमीके सरीरमे जांनतोहे.परंन्तु अकलनहीहे सोयहःबनी ये;बडेहरांमीहें किजोईनहोंने;ईन्द्रजालका पापचलायाहे—किजीसका-कुछ हीसाब नहीहे किअक्वलतो खुदहीतुम अपनी;अकलसेदेखो,किपहलेतो ईनसोदागर म, हाजनांनने जमीनमाताके नांमका पापकराके जमीनमाताको बीमार करदीयाहे ओर जमीनके चरबीको.गलादीहे.सोईसबातकी खबरअबतक.कीसीकोभीनहीहे किवोह खांनेंकहांगईं सोयह अकलसेभी सोचनाचाहीये किखांनें कोनसा आ दमीथा.किजो उठकरचलागया यापंखेरु-जांनवरथा किजो उडकरके चलागया जीसकापता नहीलगता क्युंकि,यह,चीजतोऐसीहे किजो छुपायेसे नहीछुपतीहे; यहतोईन सोदागर?महाजनांनने ईन्द्रजालके पापसे जमीनमाताको-बीमारकरदी याहे-जीससे जमीनमाता-दुबलीहोगइहेःजीससे;चांदी;सोनेकी खांनेंगलगइहें'ओर संसारको अंन्धोंके मुवाफीक करदीयाहे किबीलकुल नहीसमझनेदेतेहें ओर ब नीयेतो ईसबातसे?वाकीफहें?ओर पहलेजमांनेमे चांदीःसोनेकीःखांनेंथीं?जीसकी बजे.यहहे.किपहलेजमांनेमे जमीनमाता ताजाथी-ईससे खांनेंभी मोजुदथीं ओर अबपापके सबबसे खांनेंगलगइहें ओर.अब.जमीनमाता जादुकेपापसे दुबलीहो गइहे सोईसका हीसाब ईनमहाजनांनको अच्छीतरहसे-मालुमहे किपहलेजमांनेमे जमीनमाता ताजाथी ओर अबईतनी!दुबलीहोगइहे सोईन महाजनांनको जमी न;माताके दुबलीहोनेका सब हीसाबमालुमहे क्युंकि दुनीयांकी अकलतो—ईनः बनीयोंने!राक्षसीपापसे!खराबकरदीहे जेसे रावणने;दुनीयांकी;बुधी;भ्रष्टकरदीथी जीससे संसारको जमीनमाताकी पहचांन?नहीरहीथी परंन्तु अबईन बनीयोंके

कुळकोतो जमीनमाताका सब!हीसाबमालुमहे!कि जमीनमाता ईतने वीसवा दु खीहे ओर दुबलीहुइहे-जेसे-रावणके कुळको जमीनमाताका:सबहाल:मालुमथा; सोईनबातोंका हीसाब बनीयोंके.घरोंमे.सभोंकोमालुमहे ओर जोकि राक्षसीबेद ओर राक्षसीबेदकी कीताबें!ओर!टीपनावगेराहें वोह सब-बनीयोंके-घरकेचला: ये'हुयेहें'सोईस?बेदको ओर कीताबोंको कांममेलाकर-सबदुनीयां भुलगइहे सो यह सबबातें:मैं:गरीब-अनोपदास अपनी—बीतीहुई लीखताहूं ओर सारीदुनी-यांभी जांनतीहे किबेदवगेरा मालीकके बनायेहुये ओर उसकेही चलायेहुयेहें; क्युंकि मालीककीतो कुदरतही ओर हे क्युंकि मालीकतो.कोई.कीताब पोथी: नहीलीखताहे यहतो!आदमीयोंकीही-बनाईहुइहें-मालीककीतो फकत!सबमे रोश नीहे परंन्तु'ईन'बनीयोंने अपने राक्षसीपापसे संसारके लोगोंकी बुधी भ्रष्टक रदीहे जीससे ऐक दुसरेसे महोबतनहीहे बलके नाईत्तफाकीसे:देखरहेहें:ईससे; जींन्दा रहनेकाही धरमनहीहे ओर परांनोंमे.ओर.कीताबोंमे ऐसालीखाहे-कि-कलजगआवेगा जब अनाजकेदांने?गीनतीसेबीकेंगे सोपहलेसें यहबातें?संसारमे चलादीहें कि—पांनीभी—तुलकर बीकेगा ओर दरखत ऐक हाथकाहोगा ओर आदमी चार बालीस्तकाहोगा:ओर:जीसकेघरमे ऐक.सेर.कांसी या;लोहाहोगा वोह दुनीयांमे-दोलतमंन्द कहलावेगा सोयह दुनीयांमे केसी भुलबताइहे ओर ईस.जमांनेके लोग गीताको बहोतमांनतेहें!किजीसमे!यह लीखाहे किउरजनको ?श्रीकृष्णजी ?महाराजने मुह'के'अंन्दर तीनलोक दीखायेथे सोयह:बातभी दु; नीयांके भुलानेकेवासते-झुठीचलाइहें-ओर कीताबेंभी दुनीयांमे झुठकी;चलादीहें कि-जमीनमाता श्रीकृष्ण महाराजके:पास:गायेका रुपबनाकर.आईथी ओर क हतीथी किमेंपुरीदुखीहूं-सोदेखोभाई-खयालकरनेकी बातहे किसुरत;कीसीकीभी नही बदलतीथी क्युंकिजो जांनवरहे वोह जांनवर—रहताहे—ओर जोआदमीहे: वोह आदमीरहताहे क्युंकि जसिका सरीर मालीकने जेसा२बनायाहे वेसाही; रहताहे जीवे:या:मरे सुरत-कीसीकी-नहीबदलतीहे फीर जमीनमाताने गायेका सरुप कीसतरहसे कीयाहोगा सीर्फ यहतो दुनीयांके भुलानेकेवास्ते—झुठीबात चलाइहे क्युंकि कृष्णजी महाराज अपनीतरहसे जमीनके पेटमे ऐककीसमका; जीवहोकर गुजराहे किजीसतरहसे-अब-हम ओर;तुम जमीनके:पेटमे:कीडे बस तेहें परंन्तु.ऊनहोंने.भगतीकीहे ओर दुनीयांकेसाथ—नेकीकीहे जीससे!देवता!स

रुपी कहलायेहैं ओर पहलेजमानेमेःगोतमःऋषि हुयेथे सोवोह परमेश्वके-भगत थे ओर दुनीयां,यह,कहतीहे किजीसवकत मुरगा आवाज देताथा उसवकत— गोतम ऋषिजी गंगापर अशनांनके वास्तेजातेथे ओर गोतम ऋषिकी ओरत अहलीया बहोत खुबसुरतथी सोईन्द्र महाराज?अहलीयाके?साथ हरांमकरनेका खयालरखतेथे जब ऐकरोज.गोतम.ऋषिजी मुरगेकी आवाजसुनकर गंगापर; अशनांनके वास्तेगये परंन्तु उसदीन!ईन्द्र!महाराजने मुरगेको यह कहदीयाथा किःआजःतु आधीरातको बोलना तोजब मुरगा आधीरातको बोला?तोगोतम ऋषिजी गंगापर अशनांनके वास्तेचलेगये.ओर.उनके जानेकेबाद ईन्द्रमहाराज उनकी'ओरत'अहलीयासे हरांम करनेकोआये ओर चंन्द्रमाको पहरेपर खडा-कीयाथा जब गोतम ऋषिजी-गंगापरपहूंचे-तोगंगाने गोतम ऋषिजीसेःयहकहा कितुम ईसीवक्त अपनेघरको वापीस चलेजाओ क्युंकि तुम्हारेःघरमेःकोईछलहे जब गंगाके कहनेसे उसीवक्त गोतम ऋषि बगेर अशनांनकीये अपने घरको चलेआये ओर आकर देखातो—घरमे—छलहीथा ओर ईन्दरमहाराज मोजुदहैं; ओर चंन्द्रमा पहरेपरखडाहे जबकहतेहें किगोतम ऋषिने बहोत गुस्साकीयाः ओर चंन्द्रमाको सरापदीया ओर अपनी धोतीके फटकारेसे छांटेदीये?किउन छांटोंसे'चंन्द्रमामे कालेदाग-पडगये-ओर;अपनी;ओरत अहलीयाको यह सराप दीया कितु पत्थरकीहोकर गंगापर.जापडना सोसंसारमे कहतेहें'किवोह'ओरत सरापदेतेही ! पत्थरकीहोके ! गंगाकीतीरपर जापडी बहोत?दीनोंतक वहींपडीरही-ओर जीसवक्त!रांमचंन्द्रजी!महाराज जनक राजाकेयहांःजगमेःआये तोउनहोंने उसीपत्थरके उपर जोपत्थरकी अहलीया.होगईथी.अपनी जोडी जुतेकीझाडीः तोवोह फीरअपनी-असलीसुरतपर ओरतबनगई भला गोरकरनेकी.जगहहे कि आदमी'पत्थर'क्युंकर होसक्ताहे ओर.फीर.पत्थरसे आदमी केसेहोसक्ताहे-तुम-संसारकेलोग ईसबातकोःदीलसेःखयालकरो किईसझुठका कहांठीकांनाहेःमें;कहां तक.ईसझुठका.हाललीखूं झुठतो दुनीयांमे-बहोतहे-ओर लीखनेवाला'में'ऐककहां तक लीखसकताहूं मेंतो-कोई२बात तुमसंसारके लोगोंको आंखें तुम्हारी-खोल नेकेवास्ते लीखताहूं सोतुम,सब,संसारकेलोग ईन्साफकी!आंखोंसेदेखोःकिजो,में लीखताहूं;यहःसच;मालुमहोताहे यायह अगलीबातें'जेसे'गोतम ऋषिजीकी-ओर ईन्द्रमहाराजकीहे यह सच.मालुमहोतीहे.अब जरा ईसबातको सुनोतोसही कि

गोतम;ऋषिने ईन्द्रमहाराजको!सरापदीया!सोवोह,कोढीहोगये ओर उनकेबदनमे सुराख-ओर-बंगहोगये ओर कहतेहें किगोतम ऋषिने चंन्द्रमाको सरापदीया-ओर उनकी धोतीकेछांटोंसे,चंन्द्रमामे,काले दागपडगये.ओर.रांमचंन्द्रजीकेःजुते झाडनेसे पत्थरसे-फीर-ओरतहोगई ओर गंगाजी गोतम ऋषिको मुहसे बोले कितुम अपनेघर वापीसचलेजाओ?तोगोरकरोःकिआदमीको मालीकने अकल-समझनेके वास्तेहीदीहे सोतुम;सब;संसारकेलोग अपनीअकलसे समझो-कि-गंगा जोहे.वोहतो.जलहे जल मुहसेकब बोलसक्ताहे ओर चंन्द्रमाजोहे जोतीसरुपहे; वोह-ऐसेखोटे कांमोंकेउपर पहराक्युंदेते ओर!गंगाकामांन!ओर बुजरगी?ईसवा स्तेहेःकिवहांपर साधु फकीर;ओर;अच्छेलोग तपेहें जीससेईस-नदीकानांम-प्रघट हे नहींतोजेसे'ओर'नदीहें वेसेगंगाभी ऐकनदीहे ओर जोकोई यह खयालकरें किं,गंगाकापांनी नहीबीगडताहे,ओर,कीडेवगेरा नहीपडतेहें;ओर;दुसरी नदीयों का पांनी खराबहोजाताहे ओर कीडेवगेरा पडजातेहें ईससेःगंगामेःयह बात; जीयादाहे?सोभाई मेरेहो ईसकासबब.यहहे.किईन महाजनांनने गंगाके नांमका पापकरके अभीतक;रोगनहीकीयाहे;जीससे यहपांनी नहीबीगडताहे-ओर?दुसरी तमांम नदीयोंके नांमका पापकरके रोगकरदीयेहें जीससेउन नदीयोंके पांनीमे कीडे?पडजातेहें?ओर पांनी खराबहोजाताहे सोजीसदीनःगंगाकेनांमकाःपापकर के गंगाको रोगकराया?उसदीन ईसकापांनीभी खराबहोजावेगा,ईसीतरहसे,यह बात-पेशतरसेही-प्रघटकरदीहे किगंगाजी अलोप-होजावेगीःओरःईसका महातम कम पडजावेगा सोभाईमेरेहो.अलोपहोजाना ओर महातम'ओर'मांनकम होजा ना'गंगाका'यहहीहे कियह;बनीये;महाजनलोग गंगाकेनांमका पपकराना?शरुकर के ईसकोरोग!करादेंगे!तोउस पापकेहोनेसे-गंगाकेपांनीमे यहबात जोअबहेःनही रहेगी;ओर;ईसकेपांनीमे कीडेवगेरा-पडनेको लगजावेंगे.तोफीर.संसारकेलोगोंके दीलमे गंगाकामांन?ओर?महातम कमहोजावेगा.ओर.दुनीयांखुदही;कहनेलगेगी किअब-गंगा-अलोपहोगई ओर ईसकामहातम कमहोगयाहे जीससेपांनी खराब होकर कीडेवगेरा?पडनेलगेहें?ओर?खयालकरो किजलतो,सदा'नीरमलाहे;परंन्तु ईन;बनीये बेईमांनोंने जगह२जादुसे रोगकरके-जमीनमाताको बीमार करदीहे-ओर.जोकि.मेह बरसताहे उसकोदुनीयां ईन्द्रकहतीहे;सो;ईन्द्रमहाराजतो तीरनः तारन ओर दीनदीयालहें?परंन्तु?ईन बनीयोंने यह.केसाझुठका.जाल चलायाहे

किजल कोई आदमीनहीहे किजोअहलीयासे;हरांमकरनेको आयाहोगा क्युंकि जलतो ? दीनदयालहे ? ओर-जमीन आसमांन सब जलकीही—मायाहे—ओर सब; जीवाजुन जलहीकी मायाहे!क्युंकि!परमेश्वभी जलहीहे ओर हमःतुमःसब?दुनीयां जलकीही मायाहे ओर जलकीही पेदायशहें सोजल,कोई,आदमीथोडाहीहे जलतो बरसताहे सोहमःओर.तुम.सबहीदेखतेहें-सोजबकि-जल जमीनमाता पीतीहे जबजल बरसताहे सोसबही देखतेहें'ओर'जोकिसंसारने—गोतम ऋषिकीः ओरतको;पाप;लगायाहे वोह बनीयोंका जालहे जीससे संसारकेलोगःऐसाकल मा कहतेहें क्युंकिजलःकोईआदमी थोडाहीहे-जोगोतम-ऋषिकी ओरतसे हरांम करता यह,बनीयोंका,गुपतीपापहे-सोसबतुम हिन्दु मुसलमांन ओर अंग्रेज?समझो.ओर खयालकरो किपहले रावणने राक्षसीपाप;चलाकरके;राक्षसीबेद ओर राक्षसीबेदकी कीतावें-ओर-टीपनावगेरा.संसारके भुलानेकेवास्ते चलादीयेथे उसीतरहसे ईन-बनीयोंने-चलादीयेहें ओर जोकिःदुनीयांःभुलीहुइहे सोईसतरहसे तो नहीभुलीहुइहे परंन्तु चोरासीलाख कुंन्डीयोंकेउपर नारगीबनाइहे वहांपर-पापकरातेहें जबदुनीयांकी बुधी भ्रष्टहोजातीहे ओर दुनीयां यहजो;कहतीहेकि चंन्द्रमा गोतम ऋषिके.घर.ईन्द्रमहाराजके पहरेपर खडाहुवा सोयह बात खीलाफ-अकलकेहे-क्योंकि चंन्द्रमा बुरेकांमके पहरेपर नहीखडाहोसक्ता ओर सुरज चंन्द्रमा कोईआदमी,थोडाहीहें,जोपहरेपर खडेरहें क्युंकि!सुरज!चंन्द्रमातो-मालीकने.जमीनमाताके सरीरमे जोतबनाइहेःसोयहःजमीनमाताके सरीरमे-रोशनीहे,किजीसतरहसे आदमीके;सरीरमे;रोशनीहे उसीतरह जमीनमाताके सरीरमे सुरज चंन्द्रमाकी रोशनीहे ओर संसारकेलोग-यहजोकहतेहें;किअहलीया अपने खांवींन्दकी बददुआसे पत्थरकीबनके गंगाकी तीरउपर जापडीथी?ओर?फीर; पत्थरसे ओरतहोकर-आसमांनपर चलीगईथी;सोयहबातें;बीलकुलझुठहें ओर-खयालकरनेके लायकहे किओरत पत्थर नहीबनसक्ती ओर;न;आसमांनपर जासक्तीहे यहतो बनीयोंने दुनीयांके भुलानेकेवास्ते राक्षसीपाप चलायाहे-ओर-जोयह,गोतम,ऋषि ओर;ईन्द्रमहाराज वगेराकाहाल ओर,भी,अनेकतरहकी;झुठी बातें दुनीयांमे.प्रघटकीहें.सोयह बातेंतमांम तुलसीकीरत रांमायणमे किजो;तुलसीदासने बनाइहे.ओर.भागवतमे लीखाहुवाहे.ओर.ओतार चरीत्रमेभी-लीखा. हुवाहे सोतुमसब संसारकेलोगोने—ईनकीतावोंमे—यहबातें लीखीहुई देखीहोंगी-

ओर:अगर:नहीदेखीहूंतो देखलो?किऐसे२अनेकतरहके कीस्सा;ऐकईन;कीताबोंमे क्या ओर सेंकडों.कीताबोंमे.लीखेहुयेहूंगे सोतुम संसारकेलोग देखलो किईस झुठका,कुछपारनहीहे.हजारों बातेंझुठी राक्षसीबेदकी-कीताबोंमे-लीखदीहें?ओर—दुनीयांअंन्धी उनकीताबोंमे-लीखीहुई-बातोंको सचीजांन२कर मांनतीहे क्युंकि; दुनीयांकी बुधीतो राक्षसीपापसे केदहे सोझुठही सचमालुमहोताहे ओर-ईसबा तको.खयाल.नहीकरते कियहबातें जोउन कीताबोंमे लीखीहुइहें:यह:समझमेभी आतीहें.यानहीआतीहें.ओर,झुठहे,यासचहे ओर ऐसे२झुठेकीस्से'ईन'महाजनांनने कीताबोंमे लीख२कर-अगले-सतीलोग! जोहुयेहें! उनकेनांमसे यहकीताबें राक्षसी बेदकी दुनीयांका बुराहोनेकेवासते चलादीहें किजीससे हमाराजाल दुनीयांमे; प्रघटनहीहोवे!ओर!दुनीयां उन कीताबोंको अगले सतीलोगोंका नांम लीखा; होनेसे,मांनते,चलेजातेहें.ओर.दुनीयां.यह नहीदेखती कियहबातें;जोईन;कीताबों मे!लीखीहें यहसचहें याझुठहें,ओर,यह;बातेंहुइहें यानहीहुइहें ओर,ईन,बनीयोंने असली धर्मके,बेदकी,कीताबेंतो सबछुपादीहें किजीनमे धर्म.पुन्यकी.बातें ओर कुलकांम : धर्मचलनेके,लीखेथे;ओर;राक्षसीबेदकी कीताबें,झुठीचलादीहें.सोराक्षसी बेदकी कीताबोंमेही ईनमहाजनांनने;यह;चालाकीकीहे किउन कीताबोंमे:अव्वल नांम परमश्वका-ओर-कोई२बातसची लीखदीहे किजीससे.दुनीयां'उन कीताबों को!राक्षसीबेदकी ओर झुठी'नासमझें'यह:चतुराईकीहे ओर बाकीतो!तमांमझुठी बातें ओर राक्षसीजालकी दुनीयांको डबोनेकेवासते;ईन;कीताबोंमे लीखीहुइहें; सोदुनीयां:असली:धर्मकेबेदकी कीताबोंकोतो तलाश नहीकरतीहे.ओर.ईन,राक्ष सीजालकी कीताबोंको पढ२कर डुबते चलेजातेहें.सोकीताबोंके.पढनेसेतो कुछ नहीहोताहे-परंन्तु?ईन कीताबोंमे?ओर?टीपनोंमे संसारकाबुरा होनेकाहाल—ली. खाहे सोजेसे:यह:महाजनलोग-उन-कीताबोंके.लीखेमोजीब.होम पाप संसारका बुराहोनेकेवास्ते करातेहें वेसेही!डुबतेजातेहें!सोमें गरीबसाधु कुल.संसारका—भ लाहोनेके वासतेलीखताहूं-किअसली धर्मकेबेदकी;कीताबोंको;देखो किउनमेक्या लीखाहे!ओर!धर्मपेचलो ओर राक्षसीजालको मीटाओ ओर.राक्षसबीचाके,जा लसे नीकलो जोतुम्हारे-सब-संसारकी ओलादउभरे ओर:यह:राक्षसीजालकी—कीताबें ऐसीहें.जेसेकि.रावणने संसारका बुराहोनेके-वासतेचलाईथी-ओर राव णनेभी:कीताबोंमे:अगले सतीलोगोंका ओर रषेश्वरोंके;नांम किजो;रावणसे;पेश

तर'हुयेथे'उनकेनांम उन कीतावोंमे-लीखदीयेथे किजीससे रावणकाःनांमःचोडे नहोवे ओर संसारमे.लोग.अबतक ईसबातको-कहतेहें!ओर! खुदजांनतेहें कि?रा वण!कोईबात!अपनेसर नहीलेताथा.उसीतरहसे ईनसोदागर महाजनांननेभीःईन राक्षसीजालकी कीतावोंमे अपनानांम नहीलीखाहे किजीससेःईनकानांम संसर मे?चोडेनआवे?ईसवासते अगले सतीलोगोंका नांम ईन बनीयोंने लीखदीयेहेंः ओर रावणने असलीधर्म-पुन्यके-बेदकी कीतावेंछुपाईथीं.सो रावणके वक्तमेतो रांमचंन्द्रजीसरीखे ओर कंसकेःजमांनेमेःश्रीकृष्णजी सरीखेलोगोंने ईस राक्षसी जालकी-कीतावोंको-ओर टीपनोंको पांनीमेडुबादीये.ओर.गलादीये ओर दुनी; यांमेसे ईनकीतावोंका नांममीटादीया ओर असलीधर्म पुन्यके—बेदकी—कीतावेंः दुनीयांमे चलाइहें.जब.दुनीयांसमझी—ओर-दुनीयांकी आंखोंखुली जब;संसारकी ओलाद!उनके!राक्षसीपापसे बचीथी सोअबभी ऐसाही राक्षसीजाल.ओर.राक्ष सीजालकी कीतावें ईनसोदागर महाजनांननेभी;रावणकी;तरहसे दुनीयांकाबुरा होनेकेवास्ते?दुनीयामे?चलाइहें सोईसवास्ते मेंगरीबसाधु ईस—जालसे संसारको वाकीफ'करताहूं'किअसली धर्मकेबेदकी कीतावोंपरचलो ओर;देखो;ओर ऐसे२ जाल भागवतके [१०]दसवें? हीस्सेमेंलीखेहें? किश्रीकृष्ण महाराजके जमांनेमे-नोनंन्द.ओर.नोउपनंन्द रहतेथे सोऐक नोनंन्दके घरमेःनोलाखःगायेंथीं ओर; ऐक नोउपनंन्दके!घरमें!सवाकीरोड गायेंथीं तोवोहगायें हमेशां गोवरधन पर बतपरःचरनेकेवास्ते जायाकरतीथींःसोकुल ऐककीरोड? चोतीसलाखहुई सोभाई मेरेहो जरादीलसे;खयालकरो किईसकदर;गायें;गोवरधन परबतपर कीसतरहसे रहीहोंगी क्युंकि गोवरधन-परबत-कुछजमीन थोडाहीहे'वोहतोःपहाडकेःमोजीब पहाडहे!ओर!अलावाईसके यहजो संसारकेलोग कहतेहें किबृजके.लोगोंसे.ईन्द्र महाराजने तकरारकीथीःजबःईन्द्रमहाराजने गुस्साहोकर—बारह मेघमालसे;चढा ईकी,ओर,कहाकि अब-में-बृजको जलसे-डबोदूंगा सोईसःहालकीखबरःश्रीकृष्ण महाराजकोपडी जब श्रीकृष्ण महाराजने अपनेहाथके नाखुनपर;पहाडको;उठा करके बृजकेउपर सायाकीयाःओर-बृजको नहीडुबनेदीया सोयहबातभी झुठीहे ओर? खयालकरनेके? काबीलहे क्युंकि पहाडकीसीसे,नहीउठसक्ताहे;क्युंकी;पहाड क्याऐकसेर दोसेरका यामण-दोमणकाथा-जोउठा? लीयाहोगा यहबातें ईनसोदा गर महाजनांनके राक्षसीपापकीहें सोअबतुम सबसंसारके लोगो—ईनबातोंका;

खयालकरके होशीयारहोके ओर ईन बनीयोंके पापको छोडाओगे जबतुमको ओर तुम्हारेबाल बच्चोंको;सुखप्राप्तहोगा नहीतो;यहबनीये सबको अपने राक्षसीपापसे बीनामोत मारदेंगे ओर संसारकेलोग यहजो कहतेहें—किरांमचंन्द्रजी महाराज;लंकामेगये;ओर रावणसेलडे जब लक्ष्मणजीके.बांणलगा तोबांणके लगतेही लक्ष्मणजी बेहोशहोगये ओर'मरगये'जब हनुमांनजीको सजीवन बुटी—लेनेकोभेजा;तोहनुमांनजीको सजीवन बुंटी कहींनहींमीली जब;पहाडकोही;उठा कर लारहेथे परंन्तु रसतेकेअंन्दर रांमचंन्द्रजीके भाईभरतजी खडेहुयेथे—सो ऊनहोंने अपनेदीलमे-यह-बीचारकीया किकोईदुशमन मेरेभायोंकेउपर.डालनेको पहाडउठाकर,लीयेजाताहे ओर मेरेभायोंपर ओर मेरेभायोंकी फोजपरडालेगा तोमेरेभायोंकी तमांमफोज!ओर!मेरेभाईदबके-मरजावेंगे ईसबातका खयालकरके भरतजीने हनुमांनके-बांणमारा तोउसबांणके लगतेही-हनुमांन नीचेआपडा;जब हनुमांनको:भरतजीने पहचांना:ओर पहचांनकर बहोत फीकरकीया किमेनेतो; अपनेघरकेही आदमीके तीरमारदीया?जब?हनुमांनको भरतजीने अपने बांणके उपर पहाडसमेत बेठाकर अपनेभाई रांमचंन्द्रजीके पास पहूंचादीया सोभाई. मेरेहो बांणकोई घोडाथा यागाडीथी जोउसकेउपर लादकर पहूंचादीया ओर पहाडक्या ऐकसेर दोसर!यामण!दोमणकाया जोबांणकेउपर लादकर पहूंचादी या सोभाइमेरे अन्वल ऐसीबातका खयालकरो किजोबांणकेउपर : कीलहोतीहे तोउसमेभी पेसाभर बोझहोताहे सोजबकि वोहपेसेभर बोझ नहीजासक्ताहे तो पहाडवगेरा:कीसतरहसे:जासकताहे सोऐसी२बातें कुलझुठीहें;ओर;दुनीयां,अंन्धों के?मुवाफीकहे किजोकोई शख्स:फरबेकी:बातेंकहताहे उसकोभी सच्चाजांनलेतेहें क्युंकि दुनीयांकी बुध्धीभ्रष्ट होरहीहे ईससे बीलकुल?खयाल?नहीकरते ओर: यह-तमांमकीस्सा-रांमायणमे लीखेहुये मोजुदहें सोदेखलो बलके झुठकीकीताबें हिंन्दु;मुसलमांनोंके घरोंमेहें-वोहसब!बनीयोंके घरकी चलाईहुइहें परंन्तु;जीतनी कीताबें किबनीयोंने चलाइहें उसकाकुछ अंन्दाजभीनहीहे ओर—अपन हिंन्दु—मुसलमानोंके हाथोंमे:पकडादीहें:ओर आप अलाहदाके अलाहदा रहगयेहें कि जबकोई झुठकी कीताबोंका हाल दरीयाफतकरेगा तोहम बनीयोंसे—तोकोईभी दरीयाफत नहीकरेगा तोईसवजेसे? हिंन्दुओंके?ओर-मुसलमांनोंके ओर:अंग्रेजोंके बच्चे!ओर!ओलाद मारीजावेगी!ओर!हमतो बचेके बचेरहेंगे परंन्तु अपने,हिंन्दु

मुसलमांन ओर अंग्रेजवगेराके;बुजरगतो;भगत होगुजरेहें ओर मालीककी?भग तीकरतेथे-ईससे-भगतलोग अबतक मशहुरहें ओर जोकीताबें.किझुठकीहें वोह; बनीयोंकी चलाईहुइहें ओर ईन बनीयोंनेही-हमसब--हिंन्दु मुसलमांनोंके;घरोंमे ओर-अंग्रेजोंके घरोंमे,छलकरके,देदीहें;सोईससे तीनलोकके'बच्चेमारेजावेंगे'क्युंकि ईसहालको बनीयोंसे कोईभीदरीयाफत;नहीकरेगा;देखोईन बनीयोंने कुलजहांन का पेसालेलीयाहे ओर जोथोडा बहोतरहाहे,वोह,अब जादुकेजोरसे लेलेवेंगे, जबकुल बनीये समुंन्द्रपार चलेजावेंगे सोईसबातका बंन्दोबसत बहोतजलदी-करनाचाहीये जीससे तमांमजहांनको;आरांममीले--ईससे मुझगरीबके लीखनेपर गोरफरमाकर.जलद.बंन्दोबस्तकरो जीससे तुम्हारी-कुळ-ईस ईंद्रजालसेबचे तो सुखप्राप्तहोवे क्युंकिईन बनीयोंने.अपने.राक्षसीपापसे धन दुनीयांका;काबुमेकर लीयाहे किईन बनीयोंको?धनका?लोभबहोतहे किकुल जहांनकाधन हमारेपास होजावेतो फीरहम अपना राजकरें-सोयह बनीये अपने राक्षसीपापसे भुलही भुलमे,बुध्धी,भ्रष्टकरके;सातों आठों वलायतोंके बच्चोंको'गारतकरदेंगे'जबसंसार की-ओलादको नीहायत दुखदेंगे ओर;पताभी;नहीलगनेदेंगे बलके यह--बनीये अपने राक्षसीपापसे ऐसासुझादेंगे-किजो-आपुसमेही लडकर मरनेलगेंगे ओर; जबहिंन्दुतोःयहजांनेंगे किहमको मुसलमांनोंने गारतकीयाहे-ओर-मुसलमांन;यह जानेंगे किहमको हिंन्दुओंने गारतकीयाहे ओर दुसरीःबादशाहतके?लोग अंग्रे जोंको!गारतकरेंगे!जबअंग्रेज--यहजांनेंगे किहमको--दुसरी बादशाहतके लोगोनेः गारतकीयाहे सोऐ संसारकेलोगो.ईस.राक्षसबीद्याके पापको बहोतजलदःछोडा ओगे तोसंसारकी.ओलादको.सुखमीलेगा नहीतोयह--बनीये--राक्षसीपापसे सब की?अकलको खराबकरके ओर आपुसमे'लडाकरके'दगासे मारदेंगे ओर?खुद अलाहदाके अलाहदा रहजावेंगे?क्युंकियह?सबसे हीले मीलेरहतेहें ईससे;ईनहों काःदगाकरना;मालुम;नहीहोताहे ओर ईनहोंको'सीर्फ'पेसेकालालचहे क्यंकिजब बडे२लोग गारतहोजावेंगे ओर--थोडेसे--रहजावेंगे तोवोह लोग पेसेकीवजेसे-- हमारीही?खुशांमदरखोंगे?ओर फीर हमारेही नोकररहेंगे फीर जोकोई यहचाहे किहम दोलतमंन्द होजावेंगे!तोफीरकभी?हरगीज२हमबनीयोंसे--जीयादा--दोलत मंन्द,नहीहोगा चाहे जमीनकेउपरही सर मार२कर क्युंनमरजावें परंन्तु सोदा गर महाजनांनकी!बराबरी!हरगीज नकरसकेंगे क्युंकि हमारेपास,जब,कुलजहां

नका;असलीःपेसाहेःयाहोगा ओर हिंन्दु मुसलमांनके पासनहीहे!ओर नअंग्रेजों केपासहे ओर नहोगा तोफीरहिंन्दु-ओर—मुसलमांन ओर अंग्रेज ओर सातो; आठो वलायतोंकी रैईयत हमारीबराबरी नहीकरसकेगी!परंन्तु?यहबनीये तीन हीस्सेसे जीयादा अपने राक्षसीपापसे कुलजहांनके बच्चे गारतकरदेंगे जबऐक हीस्सेसे.कम.आदमीयोंको देखकेजीयादा अपनाजोर?शोर?दीखावेंगे ओर जब तक किहिंन्दु मुसलमांन-ओर-अंग्रेज ओर सातो आठो,वलायतोंके,लोगगारत; नहोजावेंगे,जबतकतो,यहबनीये राक्षसीपापके करनेवाले'गरीब'होकररहेंगे ओर जबकुल दुनीयां गारतहोजावेगीःजबयहःबनीये अपने राक्षसीपापसे तमांमजहां नकी;अकलफेरकर;ईसकदर जोर शोर फेलावेंगे किजीसतरहसे!राजा!रावणनेः राक्षसबीद्याका पाप चलायाथा ओर-यह-समझाथा किमें अपनी ओलादसमेत जबरदस्तरहूंगा.तोफीर हमाराही राजपाट होजावेगा सोईन बनीयोंनेही ऐसा खयालकरके रांक्षसबीद्याका पापचलायाहे?किजीसतरहसे रावणने राक्षसबीद्या काःगुपतीपाप चलायाथा-ईसवजे-कुलजहांनने ऐकाकरके,रावणकी.ओलादसमेत रावणको मारदीया सोईसबातका खयालतो-बनीयोंने बीलकुल नहीकीया कि जोकोई.शख्स.राक्षसीपाप चलाताहे ओर उसके'पाप'चलानेकी खबर संसार; को;पडजातीहे तोसंसारके लोग राक्षसीपाप चलानेवालेको मअे-कुळ,ओर,ओ लादके गारतकरदेतेहें किजेसे!रावणके!राक्षसीपापको संसारने रावणको गारत करकेःछोडायाहेःसोअगर हम सोदागरांनके जालकी-खबर-संसारको पडगईतो रावण कीतरहसे,हम,सोदागरांनकोभी जांन;रावण कीतरहसे कुलजहांनके;लोग ऐकाकरके नीकालडालेंगे सोईसबातकोतो ईनबनीयोंने बीलकुल नहीसोचा—बलके पेसेका लालचकरके राक्षसीपापको चलादीयाहे.ओर.सबकी अकलोंको जालही जालमे केदकरदीयाहे ओर जबके रावणने राक्षसीपाप!चलायाथातो; जहांनके लोगोंने रावणके कुळको मारकरके राक्षसीपापको छोडाया किजीस कदर रावणने चलायाथा?परंन्तु?भवीक्षनने अपनी ओलादके.हाथसे.राक्षसीपा पःनहीहोनेदीयाःओर रावणका पाप सबसृष्टीमे भवीक्षणने जाहीर करदीया.इ ससे भवीक्षणकी ओलाद सलांमतरही'क्युंकि'भवीक्षण परमेश्वका भगतथा?ईस सेःभवीक्षण अपनेदीलमे-भगतीके सबबसेडरा ओरःअलावा ईसके-संसारके-लो गोंका खयालकरके अपनेदीलमे'बीचारकीया'किजोमे रावणकेःसाथःराक्षसीपाप

करूंगातो अव्वलतो,मेरी,भगतीमे? बट्टालगजावेगा:ओर:मुझकोभी रावणके साथ ही;गारतकरदेंगे ईसवजेसे भवीक्षण नेकीमे चलतारहा ओर नेकीकी-वजेसे,अ पनानांम:ईसजहांनमे:सलांमत रखगया किजोकदीमसे भवीक्षणका!नांम:भगतीके सबबसे ओर नेकीकीवजेसे-पीढी-दरपीढी सुननेमे चलाआताहे ओर ऐसाभी; सुननेमे,आताहे.ओर कीताबोंमेभी लीखाहुवाहे किपहलेभी:रावण:कीतरहसे;ईन बनीयोंने राक्षसीपाप चलायाथा-सोजबकि ईनकेजालकी खबरपडी.जब.राजा बादशाहोंने ईनबनीयोंसे दरीयाफतकीया तोनहीबताया जब;राजा बादशाहोंने ईनबनीयोंको सखतीदी-ओर-जीतनेकि मंन्दीर जेनधर्मकेथे.उनकोऐक.दोमरतबे गीरवायेथे ओर जोकी मंन्दीरकेअंन्दर-पुतलीयांथी-उनकीनाकें कटवाई सोयह बातें दुनीयामे मशहुरहें--सोजीसवक्त किईन बनीयोंने जाल चलायाथा--ओरः राजा,बादशाहोंको.ईनके जालोंकी खबरपडीथी उसवक्ततो!बादशाह!ईनबनीयों को--बनीयोंकी ओलादसमेत रावण-कीतरहस-गारत कीयाचाहतेथे परंन्तु ईन; बनीयोंने ऐसी--अकलमंन्दीकी-किकुल बनीये बादशाहकेसांमने यह अर्जकरने; लगे.किबेशक?हमसे कसुरहुवा सोहाथों-पांवपडके ओर तरह२की.कसमेंखाकर भवीक्षण कीतरहसे अपनीओलादको बचालीया ओर कुछदीनोंतक फीर'राक्ष सीपाप-नहीकराया-सोभाइमेरेहो भवीक्षणतो सच्चाभगतथा ईससे भवीक्षणने?अ पनेकुळमे राक्षसीपाप:नहीचलनेदीया परंन्तु-ईनबनीयोंनेतो.फीरचलादीया ओर पहलेईन,बनीयोंको,बादशाहने ईसगरजसे नहीमाराथा किईनहोंने हाथोंपांवपड के:माफीचाहीथी ओर'यह वाअदा करलीयाथा किकभी राक्षसीपाप नहीकरा वेंगे सोबादशाहने.ईनबनीयोंका अेतबारकरके छोडदीयाथा!जीसकीवजह? यहहे; किसंसरके,आधेलोगोंनेतो,यहकहा किईन काफरोंको मारदो!ओर!संसारके आ धेलोगोंने यहकहा किमतमारो:कियह:बनीये अपनेकसुरकी माफीचाहतेहें ओर आयंन्दा;नहीकरेंगे;जबकि बादशाहने संसारकादील ऐसादेखा;किईन;बनीयोंको मतमारो ओर कसुरको?माफकरदो चुनाचें बादशाहने.दीलमेऐसा.खयालकरके समझाकि;यहअब;राक्षसीपाप नहीकरेंगे क्युंकि अव्वलतो अपने,कसुरकी,माफी मांगतेहें ओर आयंन्दा नहीकरावेंगे?क्युंकि!गाये ओर सुव्वरकी कसमेंखातेहें-सोअब:ईमांनको:नहीहारेंगे ऐसा बीचारकरके बादशाहने आधे!संसारकी राये मांनकर छोडदीया परंन्तु-बादशाह यह नहीजांनतेथे-कियह बनीये ईमांनहार;

कर!ओर!परमेश्वरको भुलकर यहफीर अपना राक्षसीपाप चलावेंगे? अगर? ऐसा मालुमहोता कियह;बेईमांनजातहे ओरःधर्मपरःकायमनहीहैं,तोईन बनीयोंको हर गीज२जींन्दा नहीरहनेदेते ओर-संसारमेसे-ईनबनीयोंका नांमही.नीकालदेते.सो यहबातें-जालकी-कुलजहांनमे मशहुरहें बलके बेदकी कीतावों'ओर'परांनोंमे;ली खीहुइहें किजबतक हमारे.ओर तुम्हारे बच्चे?जींन्दारहेंगे जबतकहम तुम्हारी-रैईयतःहोकररहेंगेःसोईसतरहके जाल ओर फरेबकरके बचेथे,परंन्तु;राजा बाद शाहने ऐसाखयाल नहीकीया किजोशख्स खेती बाडीकरतेहें वोहःसब;हमारी रैयतहे-परंन्तु-यह बनीयेलोग हमारी रैयत!क्युंकरहोगये क्युंकिईनकेतो अनेक तरहके जालहें क्युंकि जबहम,काफरोंको, छोडदेंगे तोयह-बनीये हमारेगुज़रनेके बाद फीर,काफरीपाप,चलाकरके हमारे बाल बच्चोंको ओर-रैयतके-बाल.बच्चों कोःगारतकरदेंगे सोतो राजाःबादशाहोंने बीलकुल नहीसोचा-सोदेखोभाई यह नहीसोचनेकाही--सबबहे-किसीवायेईन बनीयोंके ओर कीसीजातके घरमे? पेसा नहीहे ओर ईनबनीयोंने कुलजहांनका.धन.राक्षसीपापसे दरीयावोंके कीनारे-खेंचलीयाहेःओरःज़ोकिजाहरी धनहे वोह बेईमांनीसे ओर!कपटसे!संसारकाली याहे!वोहछुपारक्खाहे!ओर यहबनीये संसारके देखनेकेवास्ते-गरीबहोकर;रहतेहें ओर दुनीयांसे डरतेभीहें-किजोदुनीयांको-हमारेजालकी खबरपडगई तोहमारा; धन,छीनकर,ओर बांटके सभोंकेघरोंमे पहलेकासा धनकरदेंगे तोफीर'सतजग होजावेगा परंन्तु.सतजग.ईसकोकहतेहें--किजीसकीसीके घरमे रुपीयाःपेसाःओर अनाज;वगेराका सुखहोवे ओर कीसीचीजकी भुखनहोवे परंन्तु-ईन-बेईमांनोंके दीलमेऐसा ईरादारहताहेःकिसभोंके घरकापेसा;रुपीया!हमलेलेंवे सोहिंन्दुस्तान-का;पेसातो;लेलीयाहे सोधनलेनेकीही गरजसे ईनबनीयोंकी दुकांनें!दुसरी!बाद शाहतोंमेभी पहूंचगइहें सोउनको हिंन्दुस्तांनके--राजकरानेका--लोभदेकर ओर--रुपीयावगेराकी मददेकरके लानाचाहतेहेंःओरःहिंन्दु मुसलमांनके बच्चोंको मर वानाचाहतेहें;ओर! रहेसहे!धनको-लेनाचाहतेहें'सोदुसरे.मुलककेःराजाःबादशाहको राजकरानेको लातेहें सोउनको,यहतो.खबरनहीहे किजीसतरहसे हिंन्दुस्तांनका पेसा लेलीयाहे उसीतरहसे हमारेमुलककाभी लीयाचाहतेहें ईसवास्ते हमकोभी हिंन्दुस्तांनमे लीयेजातेहें अगर वलायतके लोगोंको ऐसामालुमहोवेःकिजेसे? हिं न्दुस्तांनकोःतबाहकीयाहे? उसीतरहसे हमारेमुलकको!तबाह कीयाचाहतेहें सोईस

बातकाहाल वलायतके लोगोंको मालुमहोजावेतो रावण कीतरहसे!ईन!सोदाग रांनकोभी गारतकरदेवें-परंन्तु ? ईनकेजालकी खबरनहीपडी ओर में ईसगरजसे आपलोगोंकी खीदमतमे लीखकरके अर्जकरताहूं किआप.सबसाहब.हिन्दु मुस लमांन ओर;अंग्रेजवगेरा;ओर सातों आठोंवलायत ऐकदीलहोकर ईन काफरों की!काफरबीद्याको!संसारमे जाहीरकरो ओर छोडाओ तोतुम्हारे:बाल:बच्चोंको हरतरहसे आरांममीले नहीतो—यह काफर'लोगऐसेहें'किसभोंको भुलही भुलमे गारतकरदेंगे किजोफीर तुमको ईनकेजालोंका पत्ताभी नहीलगेगा : सोतुमको-अगर तुम्हारेबच्चे प्यारेमालुमहोतेहें तोअपनेबच्चे बचनेकेखातीर ईन बनीयोंके: काफरीजालका बंन्दोबस्तकरो ओर-ईन-बनीयोंके?जालकी खबर सातों आठों वलायतोंकोदो:ताकिअपना:भलाहोवे नहीतोयह बनीये,तमांमजहांनको,गारतकर देवेंगे किजीसतरहसे हरनाकुश राजाने?ओर?रावणने ओर कारून बादशाहने राक्षसीपाप चलाकरके तीनलोककी बुध्धी भ्रष्टकरदीथी सोतीनलोक सातों— आठों वलायतके.हिन्दु.मुसलमांन ओर अंग्रेजोंको ओर!जीसकदर!जमीनके—प डदेपर'आदमीहें'उनकोकहतेहें सोजबकि?रावणने ओर हरनाकुश राजाने राक्ष सीपाप चलायाथा तोसातों.आठों.बादशाहतोंके लोगोंनें रावणके राक्षसीपाप: को?मीटादीया जबकुल संसारकी ओलाद सलांमतरही,उसीतरहसे,अबभीसातों आठों वलायतोंकेलोग ऐकाकरके'ईन'बनीयोंके जालको छोडाओ,जब,फीर सं सारकी-ओलादको-सुखप्राप्तहोगा नहीतोयह सातों आठों वलायतोंके लोगोंको जीसतरहसे अपने दीलकेअंन्दर.मुनासीबसमझेंगे.रखेंगे ऐसा खयालकरके ईन बनीयोंने राक्षसबीद्याका पाप चलायाहे ईसकोदेखो कि ईसवक्तमेतो दुनीयां; जीयादाहे,ओर दुनीयांसे,बनीयोंकी जातथोडीहे सोईन;बनीयोंने यह'सोच र, क्खाहे किजब-संसारकेअंन्दर राजा?बादशाह मअे रैयतकेथोडे—रहजावेंगे जब यह बनीये अपना राजकरेंगे सोजबकि;राजा;बादशाह ओर रैयत संसारकी-ईनबनीयोंसे'जीयादाहें'जबतकतो यहबनीये अपनेदीलमे—दहशतरखतेहें—ओर?ज बकि संसार कमहोगया तोफीर.यह.बनीये फोरनही अपनाराज,करलेवेंगे,ईस गर्जसे-ईनहूंने-राक्षसीपाप—चलायाहे जीससे,हजारों;आदमीयोंको केईबीमारीयां. करके मारदेतेहें ओर सारेजहांनमे?यहबात पहलेसे प्रघटकरदेतेहें?किहेजावगेरा की,बीमारी जगह२होवेगी;ओर;हजारों आदमीयोंको'कालका बहांनाकरके'ओर

कालडालके मारदेतेहैं गरजके?जीसतरहसे!यहबनीये संसारको मरवानाचाहतेहैं तोराक्षसीपापसे पहले-बुध्धीभ्रष्ट-करदेतेहैं ओर,फीर,आपुसमे लडाकरके मार; देतेहैं ओर जोकि:हिंन्दुस्तांनमे:हिंन्दु मुसलमांनकी ओलादहे!उनहोंको!यह;बनी ये:दुसरी बादशाहतकोलाके अपने राक्षसीपापसे अकल खराबकरके मरवादेंगे सोईसबातको कुलजहांनके:लोगजांनतेहैं बलके दीन २ अपनीआंखोंसे-देखतेहीजा तेहैं तोभीखयाल नहीकरतेहैं किअबईससेभी जीयादाखराब ओर नाजुकवक्त: आवेगा जोसोकोस जमीनकेउपर;जाकरके;ऐकगांव बसाहुवामीलेगा परंन्तु-ईस जमांनेमेतो कोस दोकोसपरही गांवआजाताहे परंन्तु खराब जमांनाआनेपरतो सोकोसकेउपर बसाहुवा गांवआवेगा'ओर'ईसीतरहपर शहरोंका ओर गांवोंका बुरा हालकरेंगे:सोयहबाततो:पहलेसे बनीयोंने चलादीहैं!ओर नांम फकीरोंका ओर-साधुलोगोंका जाहीरकरतेहैं किफलांने साधुने ओर फकीरने--यह बचन कहाहे सोसच्चाहे सोजीसतरहसे!किदुनीयांको!सुपनाहोताहे-उसीतरह फकीरोंको भी सुपनाहोताहे-ओर कुछकाकुछ दीखाईदेताहे ओर फकीर उससुपनेको पर मेश्वेकी कुदरतजांनतेहैं.किजेसा सुपनादेखतेहैं वेसाहीहोजाताहे.परंन्तु यह-खया ल--दुनीयामे कोईभीसाहब नहीकरतेहैं किबनीयोंके घरका राक्षसीपापहे जीस सेहमको जागतेमे;ओर;सोतेमे ऐसे२सुपने नजरआतेहैं'ओर'यह परमेश्वेकी?कुदर त-नहीहे--सोईसबातका खयाल फकीर अतीतभी नहीकरते किजेसा रावणने, रषेश्वरोंको दुनीयामे बुराहोनेका सुझायाथा.जब.रषेश्वेलोगभी यहजांनतेथे कि बुराहोनेका?हाल?हमको मालीकने--सुझायाहे परंन्तु रावणके पापकी उनकोभी खबरनहीथी सोखबर:नहोनेकी यहवजेहे किपहले!राक्षसीपापसे अकल खराब करदेतेहैं जीससेफीर कुछनही.समझनेदेतेहैं.परंन्तु राक्षसबीद्याके?चलानेवाले;दु- नीयांके--दीखानेकेलीये ओर फकीरोंवगेराके दीखानेकेलीये भगतीकरतेहैं सो; रषेश्वरोंके:दीखानेकेवास्ते रावणभी भगतीकरताथा सोरषेश्वेलोग?ओर शीवजी सरीखे भुलगयेथे परंन्तु-राक्षसीपाप-अपने भाई बेटोंसेकराताथा लेकीन दुनी यांकेलोगोंसे छांनेकराताथा किजहांपर कोईपंखेरुतक नहीजासक्ताथा तोआद: मीकीतो क्याताकतथी किजोवहांपर जासक्ता क्यंकि;जबकुछ हाल मालुमनही था?तोफीर कहांपरजावें अगरचे मालुमहोवेतो यहभी यकीनकीयाजावे?किदरी याफत करतेहुये चलेजावेंगे परंन्तु?मालुमनही!यहतो जब सनीश्वेजी महाराज

को रावणने समामुख होकरदुखीकीया?ओर?कलपाया जब सनीश्वजीने दुनी यांमे-रावणके-राक्षसीपापको जाहीरकीया किरावण गुपतीपाप कराताहे;उसकी तलाश करनीचाहीये अलावाईसकेःरावणनेःराक्षसीबेद ओर राक्षसीबेदकी की तावें.ओर.टीपनावगेरा चलादीयेथे ओर टीपनोंको रषेश्वलोग संसारमे!बांचते फीरतेथे!सोउनकी तलाशकरो अगर तलाशनकरोगे तोयह,सब,जहांनको गार तकरदेंगे परंन्तुःरावणकेःजालकी खबर राजा बादशाहोंकोहुई तोउनहोंनेःउसी वक्त अपनी रैयतसे सलाहकरके बडीभारीफोज तैयारकी ओर अपनी?फोजके वसीलेसे ओर जोरसे'रावणको'रावणके भाई बेटोंसमेत,ओर;मअे?फोजवगेराके गीरफतार-करलीया जब रावणके भाई!भवीक्षणको वडीभारी शरमींन्दगीहुई-किजो नीहायत दरजेकी शरम ओरःआबरुरखताथा ईससे भवीक्षणने अपनेः बडेभाईका जालु!कुलजहांनके!लोगोंपर जाहीरकरदीया.किजो रावणने?राक्षसी बीद्याका पाप चलायाथा मगर पेशतर?लंका?जाहीरनहीथी पोशीदाथी परंन्तु भवीक्षणके;बतानेसे ओर सनीश्वके कहनेसे संसारमे जाहीरहुइहे जीसकाहालः साफतोरपर कीताबोंसे साबीतहोताहे परंन्तु जबतक,कोईभी.लंकाका नांमनही जांनतेथे लेकीन रावणके भाई बेटेःओरःउनकीओलाद जांनतीथी ओर.कीसी कोभी खबरनहीथी क्युंकि!रावण!राक्षसबीद्याका पाप लंकामे कराताथा ओर मअे कबीलेके'ओर'मअे भाई बेटोंअपनेके लंकामेरहताथा ईससेउनकी ओलाद भी!अपने बुजरगोंके मुवाफीकही कांमकरतेथे क्युंकिजेसा—राक्षसीपाप?चलाया था उसीतरहसे उनकेभाई बेटेभीकरातेथे परंन्तु जबकिउनके पापको संसारने; ऐकदीलहोकर—छोडादीपा—तोकुछदीन गुजरनेकेबाद हरनाकुशवगेरानेभी—तरह-तरहसे राक्षसीपाप चलायाथा जीसकाहाल साफतोरसे उपरलीखागया : उसी तरह!अबईन!बनीयोंनेभी बलराजाकेबादसे राक्षसीपाप चलायाहे ओर सबकी अकलोंको राक्षसीपापसे खराबकरदीयाहे ओर ईनबनीयोंका गीरोह-हिंन्दुस्तां नमेसे रावण कीतरहसेःपापकरानेको नीकलाहेःजबसेबराबर दुनीयांके नांमका पापकरारहेहें.जीसकीखबर दुनीयांको!बीलकुलनहीहे परंन्तु ईसकदर : अलबत्ता मालुमहे किईन बनीयोंने?राक्षसीपाप चलायाथा उसजमांनेमे बादशाहने जेन; धर्मके'मंन्दीर'गीरवायेथे जीसका अबतक;सबुत मोजुदहे बलके,ईसकाहाल,तवा रीखोंसे जाहीरहोताहे?किजीसकदर मंन्दीरके अंन्दर?पुतलीयांथीं उनकी नाकें

तक काटलीथीं ईससेउनकी सुरतें बीलकुल बदलगईथीं सोसब : संसारकेलोग जांनतेहें परंन्तु;मंन्दीरोंका-गीरवाना ओर पुतलीयोंकी:नाकोंकाकाटना:ईसवजह से हुवाथा किईन सोदागर महाजनांनने—राक्षसबीद्याका पाप चलायाथा ईस से!मंन्दीरोंको ओर मंन्दीरोंकी पुतलीयोंको बादशाहने तुडवायाथा परंन्तु:सो दागर महाजनांन अपने:फरेबी.हीलेसे'कब बाजआतेहें बलके यहतो उसीतर. हसे;राक्षसीपाप चलारहेहें जबसे अबतक कीसीकोभी;ईनके राक्षसीपापकी ख बरनहीहे परंन्तु अबमुझको राक्षसीपापमे ईनबनीयोंने दुखीकीयाहे जब;मुझको ईनके!राक्षसीपापकी खबरपडीहे जीससे!में!ईनबनीयोंके राक्षसीपापके दफेकरा नेकेलीये,कोशीश;कररहाहूं सोतुमसब संसारके आदमीयो ओर'राजा'बादशाहो ऐकदीलहोकर ईस काफीरबीद्याको छोडाओ जबतुम्हारी!ओलादबचेगी ओर; पहलेईन बनीयोंने:राक्षसीपाप चलायाथा सोजब बादशाहको खबरपडीथी:तो बादशाहने ईनबनीयोंको सजाऐंदीथीं जब:सच्चबोलकर अपनापाप बतादीया ओर पापको छोडदीया!ओर आयंन्दा केवास्ते यह!ईकरार हाथजोडके ओर कसमेंखाकर!कीयाथा किऐ बादशाह अबहम सोदागरांनसे दुनीयांके—नांमका; पाप!नहीहोगा!ओर अबके कसुरको अपना बाल बच्चाजांनके माफकरो ओर छोडदो ईसीतरहसे!बादशाहने सोदागरांनकी कसमका भरोसाकरके सोदागरां नको:छोडदीया:परंन्तु ईन सोदागरांनने;कसमका डरकरके दो;तीन;पीढीतकतो राक्षसीपापका करना!बंन्धकरदीया परंन्तु ईनबनीयोंने अपनेदीलमे ऐसाखया लकरके!किअबहम!अपना राक्षसीपाप करेंगेतो अबहमारे जालकी-खबर-कीसी कोभी नहीहोगी ईससेईन-बनीयोंने फीरअपने-राक्षसीपापका करनाशरु करदी याहे!ओर जबसेकि राक्षसीपापका:करनाशरुकीयाहे जबसे संसारके लोगोंको; गारतकररहेहें सोमें;आपलोगोंको समझानेकेवास्ते;राक्षसीपापका हाललीखरहाहूं कियह बनीये बडेजाली ओर:बदकारहें:किबादशाहसे कसम धर्मखाकेभी,बाज नहीरहेहें!तोअब कीसतरहसे रहसक्तेहें सोअबतुम राजा बादशाह:ईनबनीयोंका भरोसा नकरके ईनकेपापको फोरनछोडाओ ओर पहले बादशाहों : कीतरहसे ईनबनीयोंसे कसमधर्म नलोगे ओर नअबईनके धोकेमेआओगे क्युंकि ईनकी: कसमकाकुछ-भरोसानही! अगर बादशाहको ऐसामालुमहोता किबनीये—अपनी. कसमपर नरहेंगे ओर हमसेही!बगावतकरेंगे!अगरचे बादशाहको ऐसा;मालुम

होतातो ईनबनीयोंको हरगीज२जींन्दा नरहनेदेता ओर नकसमका भरोसाकर तेःपरंन्तुःऐसाबनीयोंको नहीजांनतेथे किजेसायह—बनीये—कररहेहें यह?सबहाल कुलजहांनमे प्रघटहे कोईमेरे लीखनेकीभी जरुरतनहीहे क्युंकि ईनहोंने अपनेः राक्षसीपापसे तमांमजहांनके'लोगोंकी'अकल ऐसीखराबःकरदीहे कितुमलोगोंको अपनाजाल नहीसमझनेदेतेहें सोअबतुम संसारकेलोग अपनी अकलको दुरस्त रखके-ईन-सोदागरांनके पापको छोडाओगे तोतुम्हारे.बाल.बच्चोंको आरांममी-लेगा क्युंकिईन बनीयोंनेभी रावण कीतरहसे राक्षसीपाप चलायाहेःओरःराव णने-ऐक-टापुकेअंन्दर ऐकशहर अपनी ओलाद रहनेकेवास्ते ओर'संसारके'नां मका पाप करानेकेवास्ते आबाद कीयाथा ओर-उस-आबाद कीयेहुये शहरमे दुनीयांके नांमका पाप कराताथा,ओर,उसीटापुमे अपनी ओलादको-ईसगर्जसे रखताथा,किजो,मेरीओलाद मुझको पाप करतेहुयेदेखेगीःतोफीर;मेरीओलादभी मेरेमरनेके.बाद दुनीयांके नांमका'पाप'करतीरहगी सोबराबर दुनीयांकेःनांमका पाप करतेरहे-परंन्तु-जबसेकि सनीश्वने भवीक्षणसे राक्षसीपापका पतालगाकर संसारमे जाहीरकीया तोसंसाके लोगोंने सनीचरके?कहनेको!सच्चाजांनकर : रा वणके राक्षसीपापको दफेकरानेकेवास्ते बंन्दोबस्तकीया परंन्तु बलराजाकेःबाद से!ईन!बनीयोंनेभी राक्षसीपापका स्वर्ग बनायाहे सो.रावण.कीतरहसे कीसी. टापुकेउपर स्वर्ग बनायाहे वहांपर?दुनीयांके-नांमका पाप करातेरहतेहें—जीसके हालसे.मैं.तुम राजा बादशाहोंके वाकीफ होनेकेवास्ते लीखाकरताहूं किजीसः तरहसे अगलेजमांनेके राजा बादशाहने-ईन?सोदागरांनके जालको दफेकरनेके लीये गीरफतार कीयाथा ओर उनसे पापकाकरना छोडादीयाथा;उसीतरहसे अबतुम राजा बादशाह ईन!सोदागरांनके!राक्षसीपापको पकडकर ओर सजा अेंदेकर?ईन?बनीयोंके पापको छोडाओ अगरचे ईनके पापको छोडानेमे—तुमः राजा बादशाहोंने गफलतकी तोयह बनीये अपने राक्षसीपापसे सातों आठों वलायतोंके लोगोंको गारतकरदेंगे क्युंकियह—सोदागर महाजनांन-मेअ अपनी ओलादके.दल्ली.मंन्डलसेउठकर दुनीयांके नांमका पाप?करानेकेवास्ते?नीकले हें जबसे अबतक बराबर दुनीयांके!नांमका!पापकरारहेहें परंन्तु पाप करनेवाले. बनीयेःहिंन्दुस्तांनकेःबनीयोंसे मीलेहुयेहें'किजहांपर दुनीयांके;नांमका;पापकरातेहें वहांपर हिंन्दुस्तांनके बनीये'उनकेवास्ते'हमेशा खरचभेजतेहें परंन्तु;बांनी;मुबांनी

यह हिन्दुस्तांनके बनीयेहें क्युंकियह;जीसकदर पाप करनेकेलीये हुकम लीख कर;भेजतेहें वोह-उसीकदर बमोजीब हुकमकेःतामीलकरतेहें क्युंकि वोह;पापके करनेवालेःबनीयेःईन हिन्दुस्तांनी.बनीयोंके नोकरहें सोजेसाकि'हुकम'यहबनीये देतेहें वेसाही वोहकरतेहें ओर वोह पापकरनेवाले.वहींपररहतेहें ओर रात.दी नःदुनीयांकेःनांमका पापकरतेहें सोहिन्दुस्तांनके बनीयोंको पापकरनेकी : जगह मालुमहे सोईन बनीयोंको सजा वगेरादीजावे?ओर दरीयाफत कीयाजावे तो यह बनीये सखतीके सबबसे पाप करनेकी जगहको बतलादेवेंगे ओर ? बाद मालुमहोने;पापकीजगहके उसजगहका नीशांनही मीटादेनाचाहीये;ओर पापको ईनबनीयोंसे छोडादेनाचाहीये तोफीरवही जमांनाहोजावे किंजेसा पहलेथाःकि जोगरीब शख्स जगकरलेताथा उसीतरहसे ईनबनीयोंकाःपाप छोडादीयाजावे तोईस जमांनेके!गरीब गुरबाभी पहले जमांनेकीतरहसे?जग करलीयाकरेंगे— क्युंकिपहले मुझकोंभी!ईनके जालकी खबरनहीथी परंन्तु जबसेमुझको ईनबनी योंने अपने.राक्षसीपापसे कलपायाहे ईससेमुझको ईनबनीयोंके राक्षसीपापकी; खबरपडीहे कियह तमांमजहांनके बच्चे गारत करनेकेलीये यह?राक्षसीपाप?च लायाहे ईससेमैंने तमांमजहांनके!बच्चे!बचनेकेलीये यहकांम अपनेउपर उठायाहे कियह.सोदागर.महाजनांन तमांमजहांनके बच्चे मारनेकीःगर्जसे-राक्षसीपाप-कर रहेहें ओर कच्चीउमरमे मारदेतेहें;ईससेमैंने;तमांमजहांनके ओलादको बचानेकेवा स्तेःयहकांमःअपने सरपरउठायाहे ओर दीन२तुमलोगोंको ईनके,जालोंसे,वाकी फकरता फीराहूं;ओर जोकोईबात कीताबके पढनेसे तुम्हारे समझमें नाआवे यामेरे मुलाजीम यामुन्शीके समझानेसे समझमेनआवे!किजो—में—शहर२मे मुला जीम,करकेभेजूंगा,तोउसकी दलील तुम संसारकेलोगों ओर राजा बादशाहो- मुझको बुलवाकरकहो याने पुछो!ओरःसमझो यामुझको अपनेपास बुलालोतो मेंःतुमलोगोंको ईन सोदागरांनके जालसे वाकीफकरके अच्छीतरहसे समझादूं- कि-जीसतरहसे! ईन्द्रजालका जाल?चलायाहे ओर ईसीजालसे बुध्धी भ्रष्टकीहे परंन्तु अव्वलतो राक्षसीपाप राजा रावणने ओर हरनाकुश—ओरःकारूंन बा दयाहने चलायाथा परंन्तु जबकि!रावणके!भाई भवीक्षणको रावणके राक्षसी; पापकी.खबरहुई.तोभवीक्षणने ईसबातका खयालकरके कसमखाई किजो दुनी यांके'नांमका'पापहोरहाहे-वोहःमेंःनहीहोनेदूंगा चुनाचे;भवीक्षणने;कसमखाईहुईका

लीहाजकरके अपनेभाई रावणको:दुनीयांके:नांमका पापकरनेसे रोकदीया!ओर कसमको भवीक्षणने कायमरक्खा ओर अपनी जींन्दगीमे भवीक्षणने अपनी-ओलादकी जींन्दगीमे रावणका राक्षसीपाप नहीचलनेदीया ओर कसमखाईहुईका असर भवीक्षणने कुलजहांनमे जाहीरकरदीया किजोहम ओर तुम-ओर सब!संसारकेलोग-भवीक्षणका हाल अच्छीतरहसे जांनतेहें,किअसीलमे,रावणका राक्षसीपाप भवीक्षणके बंन्दकरानेसेही;बंन्दहुवाहे;ओर जबसे रावणका राक्षसी पाप-फीर-नहीचलाहे परंन्तु बलराजाके!बादसे ईन सोदागर:महाजनांनने:ऐसा ईन्द्रजालका जालचलायाहे?हालांकि यहबनीये!जादुकरनेके सबबसे:केईपकडेभी गयेहें ओर सजाभीपाइहें ओर कीतनेही दफे धर्म ईमांनकीकसम ओर : गाये सुव्वरकी;कसमेंखाइहें सोउसवक्ततो;मारेडरके;ईन सोदागरांनने!अगलेबादशाहोंके सांमने ईस-ईन्द्रजालके जालकी किजोदुनीयांके नांमका किजहां.चोरासीलाख कुंन्डीयां नारगीकी बनाईहुइहें सोउन कुंन्डीयूंकेउपर दुनीयांके नांमका पाप-करातेहें:सोजबकि:ईन?सोदागरांनके जालको बादशाहने?पकडा'ओर'महाजनांनको!तकलीफदी तोउनहोंने उन कुंन्डीयोंकेउपर किजहां.दुनीयांके.नांमका पाप करातेथे बंन्दकरदीया परंन्तु यह सोदागर महाजनांन ऐसे बदमाशहें?किजहां पीढी दोपीढीगुजरी ओर ईनहोंने:अपना:ईन्द्रजाली जालकरना शरुकीया चुनाचे.यह.सोदागर महाजन दुनीयांके नांमका पाप-बराबर-करारहेहें परंन्तु,राजा!बादशाहको ओर संसारके लोगोंको;ईन;सोदागरांनके जालकी बीलकुलखबरनहीहे किदुनीयांमे?क्याहोरहाहे ओर क्यानहीहोरहाहे?परंन्तु मुझकोतो ईन. बनायोंके,जालकी,अब खबरपडीहे ईससे में तुमको ओर सब-संसारको-ईन; बनीयोंके जालसे वाकीफकरताहूं.किजोतुम.सब संसारकेलोग ईन सोदागरांनको-तकलीफ नादोगे ओर सजादेकर दरीयाफत हाल नाकरोगे जबतक यह बनीये अपने राक्षसीपापको;हरगीज;नहीछोडेंगे सोईनके पापको:छोडानेमें:पुरे:तोरसे-कोशीसकरके-छोडाओ जबकि पापकरना,छुटजावेगा.जबतुमको ओर-तुम्हारी ओलादको आरांममीलेगा ओर कुल जहांनमे अमन अमांन?होजावेगा ओर:ईन:बनीयोंसे यहभी दरीयाफतकरो किजो तीनलोककी-जातोंको-यह-हिन्दुस्तांनी बनीये.स्वर्ग.ओर नर्ककी कुंन्डीयां कहाकरतेहें किवहांपर चोरासी-लाख कुंन्डीयांहें ओर जमराज चोरासीलाख जीवाजुनको सजादेतेहें;सोभाई

मेरेहो स्वर्ग:ओर नर्कतो;यह;जमीनमाताहीहे वहांपर कुछभीनहीहे ओर जोकि यह-बनीये बतातहें वोह बनीयोंके घरका!राक्षसीपापहे!ओर हम संसारके.लो गोंको ईन,बनीयोंने,भुलारक्खाहे ओर जहांपर कियह स्वर्ग'ओर'नर्क बहका: करके—बतातेहें—उसजगहको ईन बनीयोंसे दरीयाफतकरो क्युंकि जहांपर ; यह बनीये दोजख ओर बहीस्त;बतातेहें;वहींईनके घरकाजालहे ओर?यहजोकहतेहें किफलांनी'जगहपर'राघ लहुकी कुंन्डीयांहें!ओर लोहेके थंम्बहें;सोवोह:हरवक्त गरमरहतेहें:ओर:जबकोई बुरेकर्म करतेहें तोउनको नर्क नसीबहोताहे ओर-जो थंम्बोंसे बांधाजाताहे सोयहतो'ईन'सोदागरांनका जालहे ओर;स्वर्ग;नर्कतो.यह जमीनमाताहीहे ओर-जहां-यह बनीये ओर दुनीयां बतातीहे सोदुनीयांकोतो: कुछदोशनही क्युंकि दुनीयांतो!सुनकर!कहतीहे वोह.बनीयोंके.पापकरनेकी—ज- गहहे सोईन—सोदागरांनसे साथ कोशीसके तकलीफदेकर दरीयाफतकरो, कि जहांपरतुम स्वर्ग नर्क'बतातेहो!वोह!हमसब;राजा बादशाहोंको दीखाओ,क्युंकि तुम;बनीयोंने हमको अपने राक्षसीपापसे भुलारक्खाहे ईससेहम संसारकेलोग तुम बनीयोंके.जालसे.बहकेरओर भुलेरफीरतेहें सोयह-तुम-बनीयोंका राक्षसी पापहे किजीसतरहसे रावणने.संसारको;भुलायाथा ओर पापकरनेकी जगहको स्वर्ग,ओर,नर्क दुनीयांको भुलानेकेलीये कहाकरताथा ओर सबकी.अकलको; राक्षसीपापसे केदकरदीयाथा उसीतरहसे?तुम?बनीयोंनेभी अपने ; राक्षसीपापसे सबकी अकलोंको खराबकरदीयाहे,ईससेहम संसारकेलोग तुम्हारे पापकरनेकी जगहको-स्वर्गही-जांनतेहें मगर दोजख ओर बहीस्त,यह,जमीनमाताहीहे ओर जोकि हिंन्दु मुसलमांन,कीताबोंको,पढतेहें सोयह कीताबें सब'बनीयोंके'घरकी चलाईहुइहें सोईनके जालकी.खबर.हमकोतो अबतकनहीथी परंन्तु अबहमको, साध?अनोपदासने?हमारे बाल बच्चोंकी जींन्दगीकेवास्ते'तुम्हारे'जालसे,वाकीफ कीयाहे जीससे तुम्हारा जाल हमको मालुमहुवाहे नहीतो अबतक हम?सब- जहांनकेलोग तुम्हारे जालोंसे-बेखबरथे-परंन्तु बाबा हमारे?बच्चे बचनेकींगर्जसे ओर सतजग;होनेकीवजहसे;तुम्हारे पापको प्रघटकीयाहे किजोतुम बनीये.रात दीन,दुनीयांके नांमका पाप कीसीटापुके उपर करातेरहतेहो उसको दीखाओ अगर नहीदीखाओगे-तोहम-तुमको ओर तुम्हारे बाल बच्चोंको,जांनसे,मारदेंगे जबकि?ईन सोदागरांनको ऐसेरडरदीयेजातेहें जब कीसीकदर पाप करनेकी.

जगहको बतातेहैं परंन्तु कुल नहीबतातेहें क्युंकियह सोदागर महाजनांन बडे जाली?ओर?फरेबीहें सोजबतककि ईन सोदागर महाजनांनको-अच्छीतरहसे संसारकेलोग तकलीफ नहीदेंगे जबतक,यह;सोदागर महाजनांन हरगीज अपने फरेबीहीलेसेःबाजःनहीआवेंगे क्युंकि हिंन्दुस्तांनके बनीये उनसे'मीलेहुयेहें'ओर यह जालभी फेलायाहुवा ईन-सोदागर-महाजनांनकाहीहे सोईसके छोडानेकाः बंन्दोबस्त,तुम,संसारकेलोगो जलदीसेकरो ताकि तुम्हारे!बाल?बच्चोंको आरांम मीले क्युंकि जोसोदागर महाजनांन.दहलीःमंन्डलसे उठकर पापकरनेको रावणकी-तरहसे-कीसीटापुके उपरगयेहुयेहें सोवोह वहांपर दुनीयांके नांमका?रात दीन पाप करातेरहतेहें'परंन्तु;पापकरनेवाले;बनीयोंको पाप करनेकीजगह मालुमहे—किजो—चलराजाके बादसे अपने कबीलेसमेत पाप करनेकेवास्ते नीकलेहें परंन्तु यह सोदागरभी,उसीतरहसे,चलरहेहें किजीसतरहसे रावण.लंकामेगुपती पापकराताथा उसीतरहसे यह बनीयेभी गुपतीपाप करारहेहें परंन्तु?ईन-सोदागरांनके गुपतीपाप करनेकीजगह;कीसी;राजा बादशाहको ओर'साधु'फकीरको ओर,सातों,आठों वलायतके लोगोंको मालुमनहीहे नअंग्रेजोंको-ईनके-जालकीः खबरहे;ओर;जहां२कि ईनकी दुकांनें पहूंचगइहें वहांपर ईनहोंने'अपनी'हीकमत से!जालकरके खोलदीहें परंन्तु-जहांपरकि-यह बनीयेजातेहें तोअपना,सरुप,बदलकरजातेहें सोयह.यातो.फकीरीकेभेसमे या!गरीबीके!होकरजातेहें या अमीर-बनकेजातेहैंःओरःशहरों फीरतेहें किजीसतरहसे रावण अपना-सरुप-बदल२के. मुलकों२मे फीरताथा ओर अपना.राक्षसीजाल.फेलाता फीरताथा उसीतरहसे यह;सोदागर;महाजनांन तरह२के भेसबदलकर मुलकोंमेजातेहें?ओर?अपनाजाल रावण.कीतरहसे.फेलातेफीरतेहें सोकीसीको यह बनीये अपने राक्षसीपापकी-खबर नहीपडनेदेतेहें किजीसकी तुमको खबरपडतीःकिजोईनःसोदागरांनने?राक्षसीपाप;चलायाहे;मगर यह अच्छीतरहसे समझनाचाहीये किईन'बनीयोंने'रावणकीतरहसे संसारके बच्चे गारत-करनेकेलीये-यह राक्षसीपाप चलायाहे ओरः जालकी;खबर;नहोनेका यह सबबहे किईनहोंने अपने राक्षसीपापसे पहलेहीस बकी अकल खराबकरदीहे,सोईसवजहसे,खराबकीहे किकोईभी हमारे जालको ओर'फरेबको'नपहचांनसकें ओर जोकिईन बनीयोंने;गुपतीपापका;स्वर्गबनायाहे उसकोअपने कबजेमेरखतेहें?ओर?अपनी न्यात वीरादरीके हाथोंसे—दुनीयांके

नांमका पापकरातेहें किजीसतरहसे रावण अपने कुळकेहाथोंसे पापकराताथा-उसीतरहसेःबलराजाके बादसे ईनःसोदागरःमहाजनांनने दुनीयांके नांमका;पाप कराना'शरुकीयाहे'ओर जोकि पापकरारहेहें वोह वहींपररहतेहें:ओरःउसीजगह उनकेबाल बच्चेरहतेहें क्युंकिवोह.मेअ.कबीलेके हिंन्दुस्तांनसे उठकरगयेहें: ओर जीसतरहसेकि'हिंन्दुस्तांन'ओर दुसरी वलायतकेलोग खेती;बाडीका;कांमकरतेहें उसीतरहसे उनकेबाल बच्चेभी,सीख२के,खेती बाडीका कांमकरतेहें:ओरःकमाई करके,खातेहें,ओर जोकांमकरना नहीजांनतेहें वोहउसको सीखतेहें:उसीतरहसे; पापकरनेवालोंके बच्चे अपने माःबापोंसे!दुनीयांके नांमका पापकरना सीखतेहें सोईन.बनीयोंके.घरांनेमे गुपतीपापकी बीद्या पीढी;दरपीढीःसीखतेचलेआतेहें!इ सवजहसे यह महाजनांन अपने,कबीलेसमेत,ओर ओलादसमेत दुनीयांके नांः मका-पापकरनेके-वास्तेगयेहें ओर कबीले ओर.ओलादको?ईसगर्जसे?साथलेग येहें किजोहमारी ओलाद!हमको!पाप करतेहुयेदेखेगी तोहमारी ओलाद.हमारे घरकेकांमको.सीखकर.बादहमारे गुजरनेके बराबर कांमकरतेरहेंगे-ओर-अपने-खांनदांनमे यहकांम हमेशा;रहताआवेगा'क्युंकि'यहऐक कीसमका पापथोडाहीहे यहतो तरह२काहे ईससे,ईन,हिंन्दुन्तांनी बनीयोंने उन पाप करनेवालों बनीः योंको'कबीलेसमेत'दील्ली मंन्डलसे खरच देकरभेजाहे सोखरचःअभीतकःभेज; तेहें किजीसतरहसे अपने!भाई!बेटोंको रावणने कबीलेसमेत भेजाथा.ओर?यह कहदियाथा किलंकामे दुनीयांके नांमका पाप अलोपकराना सोवोह : रावणके कहनेमोजीब दुनीयांके नांमका लंकामे पापकरातेथे जीससे दुनीयांकी अकल ओर-राजा-बादशाहोंकी अकल खराबहोगईथी सोऐसा खयालकरके,ईन,बनी-योंनेभी राक्षसबीद्याका;पाप;चलानेकेलीये अपनी ओलादको.बलराजाके,बादसे कीसीटापुपर भेजदीयाहे सोवोह दुनीयांके-नांमका-पाप कररहेहें ओर जबकि; रावणने राक्षसीपाप चलायाथा तोरावणने सनीश्वको गरीबदेखकर; अपने?रा क्षसीपापसे दुखीकीयाथा जब?सनीश्वने दीलमे खयालकरकेदेखा किजो—पर मेश्वकी भगतीकरताहे उसको सेंस (१०००)बुधआतीहें ओर में भगतीकर ताहूं-सोजालही जालदेखताहूं—सोईसकी तलाश करनीचाहीये क्युंकियह जरुर कहीं;ना;कहींपर-राक्षसीपाप होरहाहे ओरःजबःराक्षसीपाप होताहे जबही;कच्ची उमरमे;लोगमरतेहें;वरना हरगीज नामरें ऐसा खयालकरके;सनीश्वने;भवीक्षणसे

रावणके राक्षसीपापका पतालगायाःओरःपतालगाकरके रावणके राक्षसीपापसे कुल,संसारको.वाकीफकीया जबकुल संसारने ऐक दीलहोकर-रावणके-राक्षसी पापको मीटाया ओर छोडाया!परंन्तु!जोकि रावणने राक्षसीपापका;स्वर्ग;ओर गुपतीपापका'स्वर्ग'बनायाथा ओर भवीक्षणने कुल संसारको,बतादीयाथाःओर हाथजोडकर यह कहनेलगे किमेंतो; अपनेकुळमे;राक्षसबीद्याके पापको हरगीज-नहीचलनेदूंगा.सोमें.ईसबारेमे अपने धर्मकी कसमखाताहूं सोभवीक्षणने; अपने कुळमे राक्षसबीद्याका पाप,नहीचलनेदीया,ईससे भवीक्षणने मअे अपनी'ओला दके ईसजहांनमे-नांम-सलांमतरक्खा किईस जहांनमे?हरशखसकी,जबांनसे,भवी क्षणका नांम नेकीकेसाथ जाहीरहोताहे,क्युंकि.भवीक्षणने रावणका पाप संसा रके-बचनेकी-गर्जसे कुल--सनीश्वको बतादीया परंन्तु रावण दुनीयांके.नांमका पाप कराताथा सोवोह संसारको दीखाकर थोडाहीकराताथा परंन्तु जबकि, रावणने सनीश्वको राक्षसबीद्याके!पापसे!दुखीकीयाथा जीससे सनीश्वको राव णके,जालकी,खबरपडीथी परंन्तु रावण दुनीयांके नांमका-पाप--चोरासीलाख, कुंन्डीयोंके उपरकराताथा--सोजबतक रावणने सनीश्वको अपने राक्षसीपापसे-दुखी नहीकीयाथा!जबतक!सनीश्वकोभी खबरनहीथी किपापक्या.चीजहे.परंन्तु जबकि-रावणने-सनीश्वके नांमका पापकराया ओर;सनीश्वकाःदीलदुखायाःओर नारगीकी कुंन्डीयांसुझाई;जब;सनीश्वको रावणके जालकी?खबरपडीःओरःअला वा-ईसके-रावणने राक्षसीबेदकी कीतावें,ओर,टीपनावगेरा'दुनीयांमे चलादीयेथे उनकीतावोंके अंन्दर नारगीका-ओर-सजादेनेका ओर चोरासीलाख!कुंन्डीयों; का!लीखाहुवाहे!सोईस;जालको सनीश्वने अच्छीतरह'समझा'किजो रावण सनी श्वको राक्षसीपापसे सुपनावगेरा?कराताथा?सोसनीश्व उसजालसेभी वाकीफहो गया.ओर.वाकीफहोकर;यह;कहनेलगा किअबतो मुझकोःरावणकेःराक्षसीपापकी अच्छीतरहसे खबरपडीहे किजीसकदर दुनीयांके नांमका पाप रावणःओर;मेरे नांमका पापकराताहे तोयह;सबब;जादुकाहे क्युंकियह जीसजगहपरःपापकरातेहें उसजगहको-जादुकेजोरसे-मालुम नहीहोनेदेतेहें ओर,दुसरीजगह,सुझादेतेहें कि-फलांनी जगहपर राक्षसबीद्याका'पाप होरहाहे'ओर खासजगह पापकीःजाहीर नहीहोनेदेतेहेंःसोयहःपाप करनेकीवजहहे किकुछका-कुछ-सुझादेतेहें क्युंकिईसःरा क्षसबीद्याका हाल ·अगलेजमांनेके;सतीलोगभी;नहीजांनतेथे क्युंकिउनकी अकल

राक्षसीपापसे खराबकरदीथी जब'संसारके'लोगोने ऐकाकरके रावणके;उपरःच ढाईकी.ओर.चढाईकरके रावणको मारा तोरावणका भाई—भवीक्षण—संसारकी; चढाईको देखकरके ओर रावणके?मारेजानेका?हालसुनके ओर संसारका:डर करके,रावणके,राक्षसीपापको छोडकर बाहरनीकला जब'सनीश्चने'रावणसे,दरी याफतकीया कितुम चोरासीलाख!जीवाजुन!दुनीयांके नांमसे कलपातेहो ओर तकलीफदेतेहो-सो-रावण छलकरके मनेकरनेलगा तोसनीश्चने रावणसे!यहकहा किमनेकरनेसे कुछभीनहीहोताहे तुसच्च२मुझको अपनेजालसे वाकीफकरदे ओर बतादे,नहीतो,में,तुझको ओर तेरी;ओलादको;संसारके हाथोंसे मरवादूंगा,तोभी रावणने अपना राक्षसीपापका जाल नहीबताया.जब.सनीश्चजी महाराजने-रां मचंन्द्रजी:महाराजसेकहा किरावण दुनीयांकेनांमका ओर राजा!बादशाहोंके!नां मका पाप चौंरासीलाख-कुंन्डीयोंकेउपर-कराताहे जीसकोतमांम दुनीयां स्वर्गः बोलतीहेःसोमहाराजःयह स्वर्गनहीहे ओर जोचोरासीलाख कुंन्डीयांहें!वोह!रा; वणके राक्षसीपाप करनेकीजगहहे;सोरावणसे;दरीयाफतकरोतो पाप छोडानेकी तजवीज.कीजावे.क्युंकि अपनलोगोंकी बुधी रावणके राक्षसीपापमे!केदहोरहीहे जीससे रावणकी चलाईहुई कीताबोंको ओर टीपनोंको सच्चासमझरहेहें ओर; जीनकीताबोंमे चोरासीलाख-कुंन्डीयां-राध लहुकी लीखीहुइहें,वहांपर,चोरासी लाख जीवाजुनको दुखदेतेहें जब;वोह!पाप!दुनीयांको लगताहे सोयह कीताबें रावणके.जालकी.चलाईहुइहें ओर रावण जोकि गुपतीपाप-कराताथा-उसका— अबतक संसारकेलोग बीखांन!कररहेहें!किजमदेवता सजादेतेहें सोईन बातोंकी कीताबें,तुम,राजा बादशाह ओर;रईयतवगेरा पढहीरहहो जीससे?रावणके?राक्ष सीपापका हाल तुमलोगोंको मालुमहीहे.परंन्तु.सनीश्चके कहनेसे सब संसारने राक्षसीबेदकी,कीताबोंको,ओर टीपनोंको देखातो चोरासीलाखःकुंन्डीयांःराघ— लहुकी,साबीतहुई,जबयह कहनेलगे कियह राक्षसीबेदकी कीताबेंतोःहमःकभीसे पढतेथे ओर रावणके;राक्षसीपापको;दरगाह;जांनतेथे;ओर मालीककी कुदरतको ओर,उसकी.रचनाको भुलगयेथे परंन्तु रावणके जालकातो हाल.हमको.अब. मालुमहुवाहे कियह मालीककी,कुदरतनहीहे,यहतो.रावणके घरका जालहे जब रामचंन्द्रजीने-रावणके;जालका हालदेखकर अपनेदीलमे बहोत रंजकीया—ओर फीकरसे यहकहनेलगे किहमतो?अबतक?रावणके बृमजालमे केदहोरहेथे,ईससे

रावणकाःजालःमालुम नहीहोताथा-सोबेदकी-कीताबोंमे लीखाहेःसोसब;संसारके लोगभी कहतेहें,किरावणने जालसे हमसब संसारके,लोगोंको मालीकही भुला दीयाथा-सोकीताबोंसे-साबीतहे जब रांमचंन्द्रजी महाराजने अपने,दीलमे.खया ल करकेदेखा किदुनीयांतो रावणके;जालसे;अंन्धीहोरहीहे किईसकदर पापहोर हाहे'तोभीनही'समझतेहें जब रांमचंन्द्रजी महाराजने सोचकर.तमांम.दुनीयांको; ओर राजा बादशाहोंको रावणके-राक्षसीपापसे-बाकीफकीया जब राजा बाद शाहोंने मअे रईयतके ऐकदीलहोकर बडीभारी फोजबनाई ओर रावणकेउपर चढाईकरके;रावणके;राक्षसबीद्याको छोडाया जब;दुनीयांकी;ओलाद;सलांमतरही क्युंकि राजा रावणके बुजर्ग-राक्षसीपापको-पीढी दरपीढी करतेथे ईसस राव णनेभी'राक्षसीपापको'अपने बुजर्गोंसेसीखा ओर.सीखकरके.राक्षसबीद्या अपने बुजर्गोंसे जीयादा चलाई;ईसवजहसे;पकडेगये जब संसारके लोगोंने हेतकरके रावणके.राक्षसीपापको छोडाया सोसचजांनना ओर खीलाफ,नासमझना,ओर हरनाकुश राजाने ओर कंन्स-राजाने?ओर कारून बादशाहने जोराक्षसबीद्या रावण,कीतरहसे,चलाईथी तोउनहोंने ऐक मरतबाही चलाईथी;परंन्तु,जब,संसा रके लोगोंको खबरपडी जब उनहोंने ऐक दीलहोकर उनके राक्षसबीद्याको: छोडाई-परंन्तु-उनहोंके खांनदांनमे ऐक;दो;भगतथा सोउनहोंने बाद!होजानेदफे राक्षसबीद्याके फीर नहीहोनेदी क्युंकि जोफीर राक्षसबीद्या?करेंगे—ओर संसा रको खबरपडेगी तोमअे ओलादके मेरीभी जांननीकालदेंगे ईसवजहसे—भगत लोगोंनेःसंसारकेःलोगोंका डरकरके अपने खांनदांनमे राक्षसबीद्याका;पाप;नही होनेदीया ओर ऐसे२भगतलोग-रावण-वगेराके खांनदांनमे होगुजरेहें किजो;उ नहोंने'अपनी'भगतीका डरकरके ओर संसारके लोगोंका!डरकरके!अपने जमां नेमे पापको नहीहोनेदीया परंन्तुःबल;राजाके बादसे ईनबनीयोंने राक्षसबीद्या का!पाप!फेलाकरके सबकी अकलको फेरकरके खराबकरदीयाहे-जीससे—ईनके जालकी खबर कीसीके कांनमे,नहीपडीहे,ओर नामालुमहुइहे अलबत्ता ऐक— मरतबेःपहलेजमांनेकेःबादशाहने अपनी अकलमंन्दीसे ईन'बनीयोंका'राक्षसीपाप पकडाथा जबउन बनीयोंसे दरीयाफत!कीयागया!तोउनहोंने बीलकुल : अपना पापकरना-नहीबताया-जब बादशाहने ईन बनीयोंको सजादी;ओर;ईनबनीयोंके मंन्दीरोंको गीरवाया ओर?पुतलीयोंकी?नाक ओर कांनकटवाया जबयह महा

जन अपने दीलमे यह खयालकरकेआये किबादशाहको हमःअपनाःपापकरना नहीबतावेंगे.तोयह.हमको जरुर जीयादा सजादेंगे क्युंकि,अभीतो,ईनहोंने;हमारे धर्मके मंन्दीरोंपर हमलाकीयाहे!ईससे!कीसीकदरःबतादेनाचाहीये ओर कसुरकी माफीःमांगलेनीचाहीयेःतोअपनी ओलादको कीसीतरहका दुखनहोवे-ओर-जब; यह बातदबजावेगी तोफीर चलादेंगे!ओर!अबके-बीलकुल खबर नहीपडनेदेंगे सोऐसा,खयालकरके,ईन बनीयोंने राजा बादशाहके आगेआकर'कसम—खाई— किहमको छोडदो अबहम दुनीयांके-नांमका-पाप नहीकरेंगे जब राजा-बादशा होंनेःमअेःरईयतके ईनबनीयोंकी कसमका अेतबारकरके ईन-बनीयोंको-छोडदी या;परंन्तु ईन सोदागर?महाजनांनने,छुटतेही,कुच्छअरसा गुजरनेकेबाद फीर;रा क्षसबीद्याका.पाप.चलादीया सोईन बदकारोंका कभी भरोसा'नाकरना'चाहीये क्युंकियह ऐसे बेईमांनशखसहे किजब!ईनहोंको!सजामीलतीहे जबतो यहःकी सीकदर-पापको-छोडदेतेहें परंन्तु कुल नहीछोडतेहें ओर जब.पीढी.दो पीढी- गुजरजातीहें जबफीर दुनीयांके'नांमका'पापकरना-शरुकरदेतेहें सोईस राक्षसीः पापसे;जमीनमाता;दुखपातीहे सोबेद परांनोंमेभी लीखाहे ओर,सब,संसारकेलो गभी कहतेहें किजमीनमाताके नांमका राक्षसबीद्याका पापकरातेहें;जीससे;जमी नमाता-दुखपातीहे-ओर पापकीवजेसे रीजकवगेराभी पुरानहीहोताहे ओर.ना, पुरीरबनासपती होतीहेःईससे तमांम,दुनीयां,दुखपातीहे बलके जमीनमाताभी ईस,राक्षसबीद्याके,पापसे दुबलीहोगइहे ओर उसके,सरीरकी-चरबीभी-गलगइहे सोचरबी जमीनके सरीरमे;ईनचीजोंको;कहतेहें:किजीसको फीजमांना चांदी'सो नेकी,खांनबोलतेहें,वोह जमीनमाताके सरीरकी चरबीहे परंन्तु.राक्षसबीद्याका. पापचलायाहे उसपापसे जमीनमाताके-सरीरकी-चरबी गलगइहे ओर पहले;रा जा!रावणने!राक्षसबीद्याका;पाप चलायाथा तोकीसीने-ऐक.पीढीतक.चलायाथा ओर कीसीनेःदोःपीढीतक चलायाथा परंन्तु जबकि राक्षसबीद्याकी'खबर'दुनी यांकोपडी जब दुनीयांने-उनहोंकों-सजादी-ओर सजादेकर उनकी;राक्षसबीद्या को!छोडादीया!जबसे जमीनमाता दुबली नहीहुई.ओर.रावणके जमांनेतक-चां दी सोनेकी खांनें मोजुदथीं सो?रावणनेतो?संसारके लोगोंकी अकल थोडी— भ्रष्टकीथी,सोजब.पापकरातोथा जब दुनीयांके लोग फोरन—समझजातेथे—ओर जबकि दुनीयांके नांमका पापःकरातोथाःओरःदुनीयांकी अकल थोडी खराब

होजातीथी तोदुनीयांके लोग!उसीवक्त?समझलेतेथे किकहीं राक्षसीपाप हमलो गोंके-नांमकाहोरहाहे-जीससे हमारी अकल फीरीहुइहे तोसंसारके.लोगोंने.अप नी;अकलको खराब देखकर ओरःऐकःदीलहोकर फोरन राक्षसीपापको'छोडा दीया,परंन्तु,ईन सोदागरांननेभी बलराजाके बादसे राक्षसबीद्याका पाप—चला याहे सोयह महाजन लोगतो अपने-पापको-समझतेहें किराक्षसीपापसे बुध्धी— भ्रष्टहोजातीहे'सोऐसा'समझकरके ईन सोदागर महाजजांनने रावण—हरनाकुश; वगेरासेभी:बढकरःराक्षसबीद्याका.पाप,चलायाहे;ओर;साफबुधी-भ्रष्टकरदीहे-ओर जमीनके,उपर,जोखांनेंथीं वोह जमीनके सरीरकी चरबीथी परंन्तु.अब.जमीन माता बीलकुल दुबलीहोगइहे ओर!बलराजाके?बादसे राक्षसबीद्या चलरहीहे— ओर-बलराजाको-मरेहुयेका हाल नामालुमकि कीसकदर अरसाहुवा?जबसेयह बनीये पाप करारहेहें ओर.रावण.हरनाकुश वगेरातो पापकरनेसे डरतेथे;कि- जोहम'जीयादा'पाप करावेंगेतो हमारी ओलादकोलगेगा ईससे;उनहोंने;थोडी२ बुधी भ्रष्टकरीथी ओर?ईनके,जमांनेमेतो,ऐसीबुधी भ्रष्टकरदीहे किजमीनमाताके सरीरकीभी पहचांन नहीरहीहे;ईससेःमेंःबार२लीखताहूं किईस;जमांनेकेलोगोंकी ऐसी बुधी भ्रष्टकरदीहे किजो आपलोग समझानेसेभी नहीसमझतेहो;सोईसबा तका.खयाल.करनाचाहीये किजब राक्षसबीद्याका पाप छुटजावेगा-जब-जमीन माता फीर ताजाहोजावेगी ओर,जोकि,चांदी सोनेकीखांनें गलगइहें;वोह;पीछे प्रघटहोजावेंगीःओरःजीसतरहसेकि आदमी बीमारहोताहे ओर फीर.उसको,आ रांम होजाताहे जब वोह शखस!खाना!पीना अच्छीतरहसे खाता पीताहे:तो फीरःमोटाःताजा होजाताहे सोजबकि यह महाजनलोग जमीनमाताके?नांमका पाप नहीकरावेंगे तोजमीनमाताकी?बीमारी?हटजावेगी ओर होले२जमीनमाता ताजाःहोजावेगीःजब धांनवगेराभी बगेर बोयेहुयेके पेदाहोनेलगेगा.ओर.चांदी सोनेकी खांनेंभी संसारकेःलोगोंकोःदीखनेलगेंगी ओर जब दुनीयांके नांमका पापकरना,छोडदेंगे,जब राजा बादशाहको रईयतदेखकर खुशहोगी'ओर,रैयत. कोदेखके राजा बादशाह खुसहूंगे-ओर-सब संसारकेलोग महोबत्तसेरहेंगे?ओर कच्ची-उमरमे-नहीमरेंगे ओर पुरीउमर पाकेमरेंगे ओर जबतककि जींन्दारहेंगेः कीसी कीसमकी बीमारी नहीपावेंगेःसोसबःहिंन्दु मुसलमांन अंग्रेज;ओर;सातों आठों,वलायतोंके,बादशाहोंको ईसबातका खयाल करनाचाहीये-किईसतरहका

हाल दुनीयांमे बरतेगा जब यह जांननाचाहीये किमहाजनांनने राक्षसबीद्या-छोडदीहे?ओर?पहलेके जमांनेमे राक्षसबीद्या नहीथी जब दुनीयांमे–सतजगथा जब दुनीयांमे सिंघ-ओर-बकरी शांमीलचरतीथीं ऐसा.संम्पथा.सोजबक्या–मालीकःदुसराथाःओर अबक्या मालीक-ओरहीहे परंन्तु मालीकतो!वोहका!वहीहे ओर मालीक ऐसानहीहे किजो,गरीबोंकी,अकल खराबकरदेवे लेकीन माली; कतो?सबका?परवरश करनेवालाहे ओर कीसीकी बुधी भ्रष्टनहीकरताहे–ओर मालकितो ऐकहीहे दो;या;तीननहीहें यहतो जालसेःबहकारक्खाहेःकिईसतरहसे हमजालकरेंगे तोकीसीको हमारा राक्षसीपाप मालुमनहीहोगा ईससे राक्षसबी द्याका पापचलायाहे ओर-जबकि-राक्षसबीद्याका-पापचलातेहें-जब!पहले?सबकी अकलोंको.पापसे.खराब करदेतेहें परंन्तु मालीकके घरमेतो शेरःओरःबकरीशां मीलचरती ऐसाहेत ईरादाहे परंन्तु!रावणने!दुनीयांके नांमका पाप चलायाथा उसकानांम;ईन्द्रजाल;रक्खाथा परंन्तु दीन२दुनीयांकी;अकल,उनके,राक्षसीपापसे भ्रष्टहोतीजातीथी जब दुनीयांके लोगःयहःकहतेथे किईन्द्रजालसे बुधी भ्रष्टहो जातीहे-ओर-जबकि सनीश्चको कलपाया जब सनीश्च अपने'दीलमे'समझा.कि चलायातो.पापहे.ओर नांम ईन्द्रजाल बोलतेहें परंन्तु ईसतरह.हरनाकुश.राजा नेभी दुनीयांके नांमका पापकरायाथा,ओर,दुनीयां नासमझनेकी वजहसे उस; पापका.नांम.राक्षसबीद्या रक्खाथा किईस राक्षसबीद्याके नांमसेही-हमारा?पाप दुनीयांमे जाहीर नहीहोगा क्युंकि,जीसतरहसे,रावणने दुनीयांके नांमका.ओर जमीनमाताके नांमका पापचलायाथा ओर नांम ईन्द्रजाल रक्खाथा किकीसी पर,मेरे,राक्षसीपापका;नांम जाहीर नहीहोगा उसीतरह हरनाकुश-राजाने-ओर कंन्स राजाने ओर कारून!बादशाह?वगेरानेभी राक्षसबीद्याका पापचलायाथा ओर,नांम,बदलकरके रक्खाथा किजो में नांम बदलकर रखूंगातो:मेरानांम–कीसीपर जाहीर नहीहोगा ईससे उनलोगोंने राक्षसबीद्याका पाप चलायाथा ओर.दुनीयांके.नांमसेकारातेथे किजीसतरहसे रावण दुनीयांके-नांमका-ओर-जमीनमाताके नांमका पापकराताथा;ईसीतरहसे;हरनाकुशनेभी राक्षसबीद्याका पापचलायाथा,तोहरनाकुशने,ईन्द्राजालका नांम बदलकर-राक्षसबीद्याका-नांमरखा ओर दीलमे यह सोचा कि.मैं.ईन्द्रजालके!नांमसे दुनीयांके नांमका या;राजा बादशाहके,नांमका,पाप कराऊंगा तोदुनीयां फोरन समझजावेगी;ओर;ऐकदील

होकरःमुझकोःओर मेरी ओलादको तमांम दुनीयां जांनसे मारदेगी-ईससे—हर नाकुशने रावणके चलायेहुये ईन्द्रजालका;नांम;बदलकररक्खाथा परंन्तु पापतो वहीथा.किजो.रावण कराताथा मगर नांम ईसवजहसे बदलकर!रक्खाथा!किई ससे दुनीयांकेलोग मेरेःराक्षसीपापकोःनहीसमझेंगे किराक्षसबीद्या क्याचीजहे-इ ससे;हरनाकुशनेभी;राक्षसबीद्याका पाप दुनीयांके नांमसे-करानाशरुकीया-परंन्तु पाप वोहका वहीरक्खा'ईसीतरहसे'कंसःराजानेःओर कारूंन बादशाहनेभी;नांम बदल२कर दुनीयांके नांमसे पापकराना,शरुकीयाथा,परंन्तु पाप वोहका वही; रक्खा.ओर.उसीतरहसे कारून बादशाहनेभी दुनीयांके नांमका!पापकराना!श रुकीया ओर जोकि दुनीयांकेःनांमकाःपापःकराताथा उसकानांम काफीरबीद्या रक्खा-परंन्तु-नांम ईसवजहसे बदलकररखा किदुनीयां हमारे.पापको.नहीसम-झेगी ईससे नांमबदलकररखा!ओर!दुनीयांके!नांमका पापकराताथा सोउसवक्त दुनीयां,गुरुनांनकके,समझानेसे पापको समझगई ओरःदीन२वाकीफ;होतेगये;सो जीसकदरकि दुनीयां वाकीफहोतीगई,उसीतरह,पाप करनेवालोंको सजामीलती गईःईससेःपापको छोडतेगये ओर अब उसीतरहसे बलराजाके बादसे!ईन!सो दागर महाजनांननेभी दुनीयांके नांमसेःजीवडोंकोःमारना शरुकीयाहे ओर—ज हांपर'राक्षसबीद्याका'स्वर्गबनायाहे कितमांम जहांनकेलोग,चोरासीलाख.कुंन्डी— यांबोलतेहें वहांपर चोरासीलाख—जीवाजुनको—दुखदेके मारतेहें परंन्तु : पापतो वोहका'वहीहे'लेकीन ईनबनीयोंने पापका नांम कलुकाल रखदीयाहे-ओर—यह सोदागर दुनीयांके नांमका पाप,दीन२जीयादा,करातेजातेहें वेसेही दुनीयांकी; बुधी,खराब,होतीजातीहे जीसको दुनीयांकेलोग कलजग;कहतेहें;ओर;दीलमेयह खयाल नहीकरतेहें किकलजग कोई!चीजथोडाहीहे!किईन बनीयोंकीतरहसे ; प हले,जमांनेमे,राक्षसबीद्याका पाप चलचुकाहे परंन्तु;जीन२शखसोंने;राक्षसबीद्या का पाप चलायाथा सोउनहोंने-संसारके-नासमझनेकी वजहसे नांन बदल२के रक्खाथा!किजोहम!कलजग नांमरखकर दुनीयांमे जाहीरकरेंगे.तोहमारे.पापको कोईभी नहीसमझेगा ईससेःदुनीयांःकलजग२बोलतीहे परंन्तु यह कोईभी नही कहताहे'कियह'रावणकी तरहसे ईनबनीयोंने पापका नांम,बदलकरके,चलायाहे सोनहीसमझते कियह कलुकाल-बनीयोंके-घरका-पापहे ओर ईसीपापसे ; लोगों की;अकल;केदहोरहीहे किजो नातोपंन्डीत!ओर!नासाधु फकीर ओर नाराजाः

बादशाह ओर नारईयत ईस,पापहोनेकेउपर,गोरकरतेहें कियह कलुकाल-ऐक कीसमका;पापहे;किजीसको बनीयोंने सातों आठों वलायतोंका'धनलेनेकेवास्ते; चलायाहे ओर सबकी अकलोंको,अपने,राक्षसीपापसे भ्रष्टकरदीहे ईससे जरा भी.खयाल.नहीकरते हालांकि कच्ची उमरमेही लाखोंमरद ओरतःओर;बाल-ब च्चसमेत साल बसाल मरतेजातेहें,तोसंसारकेलोग,यह खयालनहीकरते कियहः क्यासबबहे;क्युंकिपहले;जोकोई मरताथा तोपुरीउमरपाके मरताथा!ओर!अबतो; कमउमरमेही मरजातेहें सोदुनीयांमे-कीसीने-राक्षसीपापतो नहीचलायाहे जीस; की-तलाशकरें-ओर तलाशकरके पापकोदेखें ओर पापको!छोडावें—सोतोकीसी को नहीसुझताहे कियह कलुकाल,बनीयोंके,घरकापापहे ओर यह मालीककी, कुदरतनहीहे-क्युंकि-मालीक कच्चीउमरमे कीसीको नहीमारताहे!जीसका!सबुत— बेदकी कीतावोंसेहे ओर दुनीयांमेभी;कहतेहें;किरावण हरनाकुश ओर,कंस;वगे राने.अपने.राक्षसीपापसे मेहको ओर मोतको अपनेबसमे-करलीयाथा—ईसीतर हसे ईनबनीयोंनेभी राक्षसबीद्याके पापसे?मेहको?ओर मोतको अपनेबसमे करं लीयाहे,परंन्तु,मोतको बसमेकरलेना कीसकोबोलतेहें वोह यहहे;किजोकोई,कच्ची उमरमेमरे जबयह जांनना किमोतको बसमेकरलीयाहे सोईसबातको; अच्छीतर हसे-तुम-संसारकेलोगोंको समझनाचाहीये किकीसीने राक्षसबीद्याका.पाप,चला याहे क्युंकिआगे रावणने ओर,हरनाकुशने,राक्षसबीद्याका पाप चलायाथा तो अगले,जमांनेके,सतीलोगोंने राक्षसीपापसे दुखपाकरके राक्षसीपापको-छोडादी; याथा जब दुनीयांबचीथी—नहीतो,दुनीयां.कभीनहीबचती क्युंकि पापकेकरनेसे दुनीयांका'बुराहोजाताहे'ईसवजहसे संसारके लोगोंने तमांमजहांनमे'ऐकाकरके— राक्षसीपापके करनेवालोंको सजाऐंदेकर.उस.राक्षसीपापका करना छोडादीया परंन्तु,तुम,संसारकेलोग कलजग२करतेहो सोईन सोदागरांनके-घरका—राक्षसी; पापहे सोयह पापकरनेवाले बनीयेहीहें,सोअब,ईनकेघरकी तारीफसुनो किदुनी यांमेःईनबनीयोंकाःबीखांन सबकरतेहें सोसबतुम राजा बादशाह!ओर!पंन्डीत- फकीर ओर साधु संन्तःओरःगरीब!गुरबा!ओर संसार ईनबनीयोंके जालको खयाल.करकेदेखो.किईन बनीयोंने झुठकाजाल कीसतरहसे चलायाहे; किजो- बयांन नहीकीयाजाता सोआप'सब'साहब महरबांनी फरमाकर.ओर.जराकांन लगाकरकेःईनबनीयोंकेःजालका हालसुनो किजो दुनीयांमे भजन-गातेहें—उसमे

कीसकदर झुठकाजाल चलायाहे?किपहले?जमानेमे जोसतीलोग हुयेहें उनहोंने मालीककी-भगतीकीहे-ईससेउनका नांम दुनीयांमे अमररहाहे क्युंकि!मरेहुये!पी छेनहीआतेहें सोऐसी२बातेंकहतेहें यह,मीसालसुनो,किजोबनगया नाचावडे;ओर मरा;ना;जीवेकोये सोयहबात सबकोही सुझतीहे किमरेहुये!पीछेनहीआतेहें!ओर आगे राजा रावणने राक्षसबीद्याःचलाईथीःओर जबकि भजनगातेहें?ओर?यह कहतेहेंकि-रावणके-वक्तका रोनारोतेहें ओर अबजो भजनगातेहें!सोअब!ईनबनी योंका रोनारोतेहें किपांच [५००००००] कीरोडसे पहलाद जागेगा ओर सात [७००००००] कीरोडसे हरचंन्द्र ओर नो [९००००००] कीरो डसे-पांडो-राजा;जेष्टल;राजासमेत जागेगा सोयहबात दुनीयांमे!कहतेहें!ओरःअ लावा बाराह [१२००००००] कीरोडसे बलराजा जागेगा;सोभी;दुनीयांमे कहतेहें.ओर.जोकि राजपुतोंमे रांमदेवजी भगतहोगुजरेहें ओर-वोह-जातकेःतुंव रथे उनके बारेमेभी तमांम?जहांनके?लोगकहतेहें किरांमापीर नकलंग जागेगा जब,मरेहुये,मुरदेभी जागेंगे किमसांनोंमे गाडेहुयेहें सोऐसे२हालात–दुनीयांके– लोग भजनोंके अंन्दरगातेहें ओरःबांचतेहेंःसोयहतो दुनीयांके भुलानेकेःवास्ते ओर बहकानेको झुठका जाल.चलादीयाहे,ओर दुनीयांकी बुधी भ्रष्टकरदीहे-सोदुनीयां'झुठकोही'सच्चाजांनरहीहे ओर यहकहतेहें किकलजगकेःदफेकरनेके;वा स्ते अगलेजमांनेके सतीलोग किजो-मरगयेहें-वोह-पीछे जींन्दाहोकर कुलंकीसे लडाईकरेंगे!सोयह!बात दुनीयांमे कहतेहें परंन्तु जीसवक्त.लडाईकेवास्ते.चढाई करेंगे उसवक्त रांमापीर नकलंग;जागेगा.ओर नीलाघोडा उनकेसवारीमेहोगा ओर,सुरज,चंन्द्रमाउनके रकाबकोपकडेंगे सोयहभी दुनीयां-अपने-मुहसे;कहतीहे सोतुम सब संसारकेलोगो ओर-राजा-बादशाह कांनलगाके समझो, क्युंकियह बनीयोंका-जालहे-क्युंकि सुरज चंन्द्रमातो जमीनमाताके सरीरमे?जोतहे–किजी सतरहसे अपने सरीरमे ताकतकी-वजहसे-रोशनीहे उसीतरहसे जमीनके; सरी रमेःचांदःओर सुरज जोतहें-ओर-तमांम जहांनकेवास्ते दीनदयालहें?ओर?बंन्दा तो!गंन्दाहे!क्युंकि बंन्दाजेसी भगतीकरताहे वेसाहीउसको फलःमीलताहेःकिजो भलाईकरताहे उसको भलाईमीलतीहे;ओर,जोबुराईकरताहे उसको बुराईमीलती हे-ओर-बुरेकांम करनेवालोंकी उमरकमहे ओर भलेकांमःकरनेवालोंकीःउमरजी यादाहे क्युंकिजो बदकांमकरताहे!उसकानांम!तमांमजहांनमे बदीकेसबबसे कोई;

नहीलेताहे ईससे बदकांमकी जडनहीःओरःजोअच्छा कांमकरताहे ओर नेकीमे रहताहे'उसकानांम'नेकीकेसबबसे तमांमजहांनमे अमररहताहे ईसीतरहसे;जीन;श खसोंने भगतीकीहे उनकानांम-अबतक-दुनीयांमे प्रघटहे ईससेअमरहें,परंन्तु,ईन बनीयोंने;झुठका;जाल केसाचलायाहे किजो यह कहतेहें?किमरेहुये?जींन्दाहोजा वेंगे सोयह सोदागर'बनीयोंके'घरका जालहे मराहुवा,शखस,जींन्दानहीहोसक्त हेःओरःसुरज चंन्द्रमासी चीजको रकाब पकडनेकेवास्ते-मुकरीरकीयाहे-सोयहः बातभी बडेअफसोसके लायकहे किसुरजःचंन्द्रमासीःचीजको ईनबनीयोंने अप ने?जालसे?रांमापीरके घोडेकी रकाब पकडनेकेवास्ते साईस,मुकरीरकीयाहे,सो यहसब ईनबनीये बेईमांनोंके घरका-जालहे-यह मालीककी कुदरतनही सोअब तुम.सब.हिंन्दु मुसलमांन ओरःअंग्रेजःओर सब परमेश्वकी-रचना-खयालकरो-किईन बनीयोंने तमांमजहांनकेःलोगोंकीःअकलको खराबकरदीयाहे ओर यहः जाल;अकल;खराब करनेहीकेलीये चलायाहे किझुठकी बातको-यकीनसे;सच्चा समझादीयाहे सोईसबातका झुठ?सच?देखनाचाहो तोदेखो किजो भजनगातेहेंः उनहोंको;बुलाओ;ओर उनसे भजन गवा२केसुनो जीसके सुननेसे.तुमको.कुल हाल;मालुमहोजावेगा;किजोअब ईन बनीयोंका जाल छारहाहेःसोयह-जाल-ईन बनीयोंकाहे ईससे गानेवालोंको.गानेकीवजहसे.कुछदोश कीसी कीसमकानहीहे क्युंकि,भजनवगेरा,बनायेतो सोदागर लोगोंकी ओलादकेहें ओर-उनपर-छाप-दुसरेलोगोंके नांमकी लगादेतेहें.किईसतरहसे.जोहम भजनोंको चलावेंगे तोह. मारा,नांम;नहीहोगा सोऐसे२कीस्से ओर भजन तरह२के,ईनबनीयोंने.चलायेहें किजीनका जीकर अबहोरहाहे-सोसब-संसारकेलोग ओर राजा?बादशाहवगेरा सातों,आठों,वलायतोंके लोग ईनके जालको;सुनतेहें;सोईस जालको छोडानेके वास्ते कुल जहांनकेलोग'कोशीसकरें'तोउम्मेदहे किईन बनीयोंका राक्षसीपाप. छुटजावे,ओर,तुम्हारे-बाल बच्चोंको ईनके जाल मीटनेसेःआरांममीले;तोबहतरहे ईससेयह बात खयालकरनेके काबीलहे,क्युंकियह,सोदागर ऐसे जालीम ओर बदकारहें.किजो.चांद ओर सुरजके नांमका पापकरें तोजादुके जोरसे,चांद,सु रजकोभी जमीनपर उतारलेवें परंन्तु-चांद-ओर सुरजको ओर-कोई-नहीउतार सक्ताहे!हां!यह बात बेशकहोसक्तीहे किजो बनीये,जादुके,जोरसे,जमीनपर;उता रनाचाहें तोउतारलेवें क्युंकि यह!राक्षसीपाप!करतेहें ओर राक्षसीपापको;यह

ताकतहे किजोचाहे वहीकरे चुनाचेःयहःबनीये ईसीतरहसे चांद ओर;सुरजको उतारसक्तेहैं-सोअजबनही-किजबईनके दीलमे उतारनेकी आवेगी,तोउतारदेंगे,लेकीन यह सुरज चंन्द्रमा जमींनमाताके-देहीमे-जोतहें किजीसतरहसे अपने-सरीरमे!जोतहे!परंन्तु ईससे पहले जोकीस्साका जीकर कीयागयाहे;वोह;कुल;जालहे क्युंकि ईनहोंने कीसमरके-जाल-बेअंन्दाज चलादीयेहें किजीसका कुछभी शुमारनही;बलके,सेंकडों कीसमके कीस्से चलादीयेहें जीसके-पढनेसे-कुल?हाल ईनःबनीयोंकेःजालका मालुमहोताहे सोयह ऐसेरकीस्से ईन?बनीयोंने?ईसवास्ते चलादीयेहें किजो यह आयंन्दाको-जाल-चलावेंगे तोसंसारकेलोग यह जांनेंगे किअगले-लोग-करामाती कीतावोंमे लीखगयेहें ओर भजनोंवगेरामे!ओर!मुहजबांनी कीस्सा कहगयेहें:तोजोकुछःजाल दुनीयांमे बुराहोनेकेवास्ते;चलावेंगे;तो दुनीयां.हमारे.जालको नहीसमझेगी ओर यह बनीये चांद,ओर,सुरजको,तारों समेत अपने जादुसे जमीनपर-उतारेंगे-सोजबकि सुरज चंन्द्रमाको उतारेंगे-जब-दुनीयांकेलोग-यह जांनेंगे कियह करामातहे परंन्तु ईसबातको-खबर—कीसी साधु फकीर या पंन्डीत-जोगीको!बीलकुलनहीहे!जीसकीवजह यहहे किईनबनीयोंने अपने राक्षसीपापसे सबकी!अकलोंको!पहलेसे खराब करदीयाहेःजीससे,कीसीको,कुछ खबर नहीपडतीहे बलके ऐसा सुझताहे.किहम.करामातीहो गयेहें ओर दुनीयांभी-जांनतीहे-किकरामातीहें-परंन्तु ईतना खयालनहीकरते—किसुरज;चंन्द्रमाको;तारोंसमेत जमीनपर उतारतेहें तोवोह जबःउतरतेहें:किजबः जमीनमाताके नांमका पाप.चोरासीलाख.कुंन्डीयोंके उपरकरातेहें जब जमीनमाताका,दमघुटताहे,जीसतरहसे आदमीका दम बीमारीके सबबसे-घबराताहे-वघुटताहे परंन्तु जमीनमाताकाःदमःचांदःसुरज उतरनेकेसबबसे घबराताहे;क्युंकि यह;बनीये;जमीनमाताके नांमका पाप चोरासीलाख कुंन्डीयोंके,उपरकरावेंगे,जब!सुरज चंन्द्रमाको जादुकेजोरसे,जमीनपर,उतारेंगे जीससे जमीनमाताका?दम घबरावेगा-सोईन-बनीयोंने अपने जालकी नीगाह नापडनेकी;गर्जसे;तरहरके—कीस्से ओर ऊनकीतावोंमेःयहःलीखदीयाहे;किहनुमांनजीने;अपने मुहके अंन्दर सुर्जको'लेलीयाथा'सोकीतावोंमे लीखाहे परंन्तु यहबात-खयालकरनेके-लायकहे किसुरजजेसी चीजको आदमीनेःकीसतरहसेःमुहमे लेलीयाहोगा क्युंकि ? मुखके अंन्दर-सुरज-कीसतरहसे आयाहोगा मेरीदांनीस्तमे यहबातःबीलकुलःखीलाफहे

किजोबातें ईन बनीयोंने कीतावोंके:अंन्दर:लीखकर दुनीयांमे जाहीरकीहें-वोह ईन,सोदागरांनका,जालहे किजीनको तमांम जहांनकेलोग पढतेहें!ओर!उनहीं-कीतावोंमे ऐसा लीखाहुवाहे-किजोईन-कीतावोंको-नहीबांचोगे तोहिंन्दु धर्म्ममे; हिंन्दुओंको.गाये.मारनेकेबराबर पापहे सोऐसे२हालात कीतावोंमे-लीखतेहें-कि जोईन कीतावोंको नहीमांनोगेतो:तुम्हारेवास्ते:अच्छानहीहे ओर अलावा ईसके मुसलमांनोंके,नीसबत,ऐसालीखाहे किजोतुम ईन कीतावोंको-नहीमांनोगेतो-तुम काफरोंमे समझेजाओगे सोऐसी२जालकी;बातें;हजारों ईन सोदागरांनने : चला इहें.ओर.हजारों'कीतावें'चलाइहें सोदेखोभाई यह सोदागरतो'खुद'काफीर'ओर कुलंकीहें क्युंकि ईनहोंने!अपनी!कीतावोंमे!हिंन्दु!मुसलमांनोंके नांम लीखदीयेहें ओर.कहतेहें.कियह कीतावें तुम्हारे बुजरगोंकी बनाईहुइहें सोतुम-ईनके-मुवा-फीक पढ२कर कांमकरो;सोऐसे२जाल!ईन!सोदागरांनकेहें सोतुम संसारकेलोग ईनके.जालसे.परहेजकरके ईन सोदागर महाजनांनको;गीरफतारकरो;ओर;सजा देदो ताकियह सोदागरलोग अपने-राक्षसीपाप-करनेकी जगहकोबतादेवें ओर पापको-छोडदेवें-क्युंकिईन सोदागरांनने अपनी अकलसे अपने?बच्चोंको?बचाने केवास्ते ओर हिंन्दु मुसलमांनके,ओर,अंग्रेजोंके बच्चोंको मरानेकेवास्ते-ऐसी२ कीतावें-चलाइहें-किजीसतरहसे रावणने काफीरवीद्याकी कीतावें!चलाईथीं!ईसी तरहसे ईन बनीयोंनेभी:हिंन्दु;मुसलमांनके;बच्चे मरानेकेवास्ते राक्षसवीद्याकी:की तावें-चलाइहें-क्युंकिईन बनीयोंने हिंन्दु मुसलमांन ओर अंग्रेजोंके'बच्चे'मरानेके वास्ते ईनके बुजर्गोंके नांम-लीखदीयेहें-सोईस-गर्जसे लीखदीयेहें किजब कोई राजा,बादशाह,ईन कीतावोंका हाल दरीयाफत करेगा कियह'कीतावें'कीसनेब नाइहें जब हिंन्दु;मुसलमांन;यह कहेंगे किहमारे'बुजर्गोंकी'बनाईहुइहें सो?राजा बादशाह-ईनकोही-तकलीफदेंगे ओर हमतो अलाहदाके; अलाहदाहीरहेंगे-ईससे यह अकलमंन्दीकीहे किजो ईनहोंकेघरमे.झुठी.ओर जालकी कीतावें:नीकलेंगी तोहिंन्दु:मुसलमांनोंके:बच्चे ओर अंग्रेजोंके बच्चे मारेजावेंगे जब.दुसरी,बादशाह तके लोग यह;जांनेंगे;किकुलंकी यहहीहें ईससे'अंग्रेजवगेराके'घरमे ओर हिंन्दु मुसलमांनोंके घरमे झुठकी कीतावेंहें!ओर!ईनकीही चलाईहुइहें जीसमे सुरज-उतरनेके-अलावा-ओरभी सेंकडों कीसमकी बातें जालकी.लीखीहुइहें.परंन्तु. यहतो बनीयोंने अकलमंन्दीकीहे!किहिंन्दु!मुसलमांनोंको जालकी कीतावें : पक

ङादीहें ओर नांम उनकेःबुजरगोंकेःलीखदीयेहें ईससे अपनीजांनतेहें.परंन्तु.अ सलमे!ईन!महाजन लोगोंकी बनाईहुइहें?ओर ईन बनीयोंकी'चलाईहुइहें'जीसमे बनीयोंने चालाकीकरके हिंन्दु-मुसलमांनोंके-बुजरगोंके नांम कीताबोंके अंन्दर लीखकरके;जाहीरकीयेहें;सोईसगर्जसे जाहीरकीयेहें किजब ऐसी?ज़ालकी?कीता बें-देखेंगे तोयह जांनेंगे किदुनीयांकेःनांमकाःपाप हिंन्दु मुसलमांनही करातेहें-जीससे,ईनहोंकेघरमे,ऐसी२कीताबेहें किजीसमे यह हालात'लीखीहुइहें'किजमीन को'डाढकेअंन्दर'लेलीयाथा ओर सुरजको मुहमे लेलीयाथा;सोकीताबोंमे,लीखा हेःपरंन्तु यह हाल उसीकीताबके-अंन्दर-लीखाहुवाहे किजीस कीताबमे चोरा सीलाख,कुंन्डीयोंका,हाल लीखाहुवाहे परंन्तु यह;कीताबें;राक्षसीबेदकीहें;जीनमे ईन बनीयोंने हिंन्दु मुसलमांनोंके,बुजरगोंका,नांम लीखदीयाहे किजो पहलेज मांनेमे;सती;होगुजरेहें अलावाईसके ईसीतरहसे अंग्रेजोंके घरमेभी'ईन'बनीयोंकी दीहुई ओर चलाईहुई कीताबेहें,जीसमे.ईसामसीहका हाल लीखाहुवाहे ओर. यहःकहतेहें:कियहःकीताबें आसमांनसे उतरीहें:जीसमे!यह-लीखाहे-किईसामसीह आसमांनसे, उतराहे, में. बडेअफसोसकेःसाथःआपलोगोंकी-खीदमतमे-अरजकरताहूं किआपलोग ऐसे समझदारहें किजीसका.बयांन.नहीहोसक्ता ओर उडते जांन वरकोःपहचांनजातेहोःपरंन्तु ईन बनीयोंके जालकी पहचांन,तुमलोग,मेरे;बताने सेभी नहीकरतेहो सोयह-राक्षसीपापका-सबबहे क्युंकि तुम्हारे नासमझनेके'बा रेमे'पाप'करातेहें ईससे तुमलोग नहीसमझतेहो सोखयाल करनेकी.बातहे.किम रेहुये शखस पीछे कीसतरहसे--जींन्दाहोसक्तेहें--यहतो ईन बनीयोंका जालहे; ओर,मुरदे,जींन्दा नहीहोसक्तेहें यहतो सीर्फ संसारके लोगोंको?भुल?ईसगर्जसे बताइहे कियह ऐसे२खयालकरकेःखुदःसंसारकेलोग खांमोशहुये बेठेरहेंगे;क्युंकि कलजग--उस--हालीतमे दफेहोगा जब मरेहुये मुरदे जींन्दाहोंगे-ओर-नकलंगः ओतारहोगा जब सतजगहोगा-सोऐसे२हालाततो-जालके सीर्फ संसारके भुला नेकेवास्ते,चलादीयेहें,किजोहमारे जालके उपरचलेंगे तोफीर हमारा?जाल?मा-लुम;नहीहोगा चुनाचे सब संसारके.लोग.ईनबनीयोंके जालके उपरहीचलरहेहें सोसब,साहब.गोरफरमाकर ओर ईनबातोंको कांममेलाकर ईन-बनीयोंके--राक्ष सीपापको छोडाओ ओर;ईनबातोंको-दीलसे;भुलजाओ किओतारहोगा सोभाई मेरेहो,हमेशा,सतजगहीहे कलजगनहीहे यहतो ईन बनीयोंके पापका-नांमहे-कि

जीसतरहसे रावणके पापका—नांम! ईन्द्रजालथा!ईसीतरहसे बनीयोंके पापका; नांम-कलुकालहे-क्युंकि ना मुरदे आसमांनसे उतरतेहें ना?आसमांनपर?चढतेहें यहतो बनीयोंके राक्षसीपापका,फीतुरहे,किजो;फीजुलबातें तमांम जहांनकेलोग मांनतेहें.सोयह.बातें तुम सब-साहबोंको-पापकी वजहसे सच्ची!ओर!सही मालु महोतीहें,सोयह,झुठ सोदागर महाजनोंकाहे सोजबकि तुम.संसारकेलोग.ओर राजा बादशाह दीलसे ऐकाकरके-बनीयोंसे-दरीयाफतकरोगे ओर बनीयोंको-सजाऐंदोगे जब यह बनीये मारेःदहशतकेःआपसे आप पाप करनेकी-जगह को बताऐंगे अगरचे अब रासतीसे दरीयाफत कीया चाहतेहो तोकभी;हर गीज नहीबतावेंगे—क्युंकि—यह काफीर जातहे—क्युंकि बनीये लोगोंने? पहले भी काफरी जाल चलायाथा—जीसको बादशाहने ईन बनीथोंको सजा देः करके छोडायाथा—जीसका जीकर उपर—लीख चुकाहूं ओर कुलंकी यह—बनीयेहीहें ओर बनीयोंहीने सबके उपर कुलंक—लगादीयाहे ओर जोकि स, भोंके घरमे—जालकी कीतावेंहें वोहभी बनीयोंहीके घरकीहें—क्युंकि;बनीये लोगोंहीने तमांम जहांनके बच्चे—मरानेकेलीये तमांम जहांनके उपर कुलंकः ध रदीयाहे क्युंकि पहले राजा रावणने राक्षसबीद्याका पाप चलायाथा;जबभी दुनीयांमे—बहोतसे राजा बादशाह भगत हुयेहें सोउनके—नांम कीतावोंमे—लीखदीयेथे किजो कोई कीतावोंको—देखेगा तोमेरी बदनांमी नहीहोगी. ओर दुनीयां यह—समझेगी कि यह कीतावें ऋषिश्वरोंने ओर राजा बादशाहोंने, चलाइहें सो ऐसी कपट करके रावणने—अपना राक्षसीपाप चलायाथा कि ईस चालसे मुझको ओर मेरी—ओलादको बीलकुल नुकसांन—नहीहे? उसीतर हसे—बनीयोंनेभी राक्षसबीद्याका जाल चलायाहे ओर तरह२के जाल करर हेहें किजो दुसरोंके नांम कीतावोंमे—लीखदीयेहें सोसीर्फ दुसरोंके बच्चेःमरा नेकेवास्ते जालसे कीतावोंमे नांम रखदीयेहें:सोईस गर्जसे रखदीयेहें कि—हमारी ओलादको—कोईभी—नही मारेगा तोसातों आठों—बादशाहतोंके लोगों को ओर राजा बादशाहोंको ओर रैयतको गारत करदेंगे किजीसका कुछ—पता नहीलगेगा—क्युंकि आगे राजा रावणने राक्षसबीद्याका पाप;चलायाथा सोउसने तीन लोकमे दुनीयांके नांमका पाप—चलायाथा परंन्तु जब उसका-जाल पकडा तो;रावणको;सजामीली;परंन्तु दुसरोंकोनही जीसकी वजह,यहहे

किवोहःथुलेहुयेथेःपरन्तु यह बनीये'बलराजाके बादसे राजा;बादशाहोंके;नांमसे ओर रैयतके नांमसे रातःदीनःगुपतीपापःकरातेहैं किजीसतरहसे रावण गुपती पाप!दुनीयांके!नांमसे कराताथा उसीतरहसे यह बनीये करारहेहैं?सोईनके?जा लको छोडानाचाहीये अगर-ईन-बनीयोंका-जाल-नहीछुटेगा तोयह बनीये सब संसारको.गारतकरदेंगे.ओर ईन बनीयोंने गुपतीपापका स्वर्ग?बनायाहे?सोउस को अपने कबजेमे रखतेहैं-ओर?अपनी-न्यात बीरादरीके हाथसे पापकरातेहैं-किजीसतरहसे-रावण-अपने कुळके हाथोंसे पापकराताथा उसीतरहसेःईन;बनी, योंनेभी बलराजाके बादसे अपनीःन्यातःबीरादरीके हाथसे पापकराना-शरुकी याहे!ओर!बलराजाके बादसे ईन बनीयोंने पाप करानेकेलीये.अपने.कुळमेसे-छांटरकर भेजदीयेहैं सोवोहःकीसीटापुके; उपररहतेहैंःओर उनके बाल बच्चेभी उसीजगहपर'पेदाहोतेहैं'ओर जीसतरहसेकि अपने बाल बच्चे.खेती.बाडीकरतेहैं ओर खेती बाडीका कांम-सीखतेहैं-उसीतरहसे ईन पापकरनेवालोंके बच्चे:रा क्षसबीद्याका!पापकरना!सीखतेहैं ओर पापकरतेहैं सोईनकी,ओलादमे.पापकरने की बीचा पीढीःदरपीढी-चलीआतीहे-सोयह-सोदागरलोग कबीलेसमेत दरीया वोंके,उपर,पापकरनेको चलेगयेहैं किहमारे बाल बच्चे हमको-गुपतीपापःकरतेहु येःदेखेंगे तोयहभी गुपतीपाप करना!सीखलेवेंगे!तोहमारे कुळमे गुपतीपाप पी ढी.दरपीढी,होतारहेगा क्युंकि गुप्तीपापका कांम ऐक दो'दीनमे,हासील-नही होताहे क्युंकिपाप सेकडोंःकीसमकेहैंःकुछःऐक कीसमकेनहीहैं किजोऐक दीनमे पापके-सीखनेवाले-हासील करलेवें ईस?गर्जसे यह बनीयेलोगःमअेःकबीलेकेःग येहुयेहैं किजीसतरहसे राजा रावणने!अपने!भाई बेटोंको पाप करनेकेलीये.भे जदीयाथा,उसीतरहसे,ईन बनीयोंनेभी अपने भाई बेटोंको-पापकरनेको-भेजदी याहे ओर राजा,रावणने,राक्षसबीद्याका पाप चलायाथा-जब-सनीश्चको राक्षः सबीद्याके पापसे कलपाया-ओर-दुखीकीया-जब सनीश्चको राक्षसीपापकी.मा-लुमहुई,जब,सनीश्चने राजा बादशाहोंको वाकीफकीया जबःराजाःबादशाहोंने-ओर कुल संसारने-रावणके-कुळको सजा देनीकी.जब.भवीक्षणने दीलमेसोचा किसबःसंसारकेलोगःऐकदील होकर मेरेकुळकोभी रावणके-हीमराह-मारदेंगे;ऐ-सा डरकरके भवीक्षण-रावणके-जालसे अलाहदाहुवा ओर;जोकि;रावणने-राक्ष सीपापका;स्वर्ग;बनायाथा वोह भवीक्षणने,सारी,दुनीयांको बतादीया!ओर!हाथ

जोडके यह कहनेलगाःकिमेरेःकुळमे राक्षसबीद्याका पाप-अब-कभी नहीचलेगा जीसकी,में,कसम खाताहूं ईसीतरहसे!भवीक्षणने!अपने धर्म्म ईमांनकी;कसमखाई ईसवजहसे.भवीक्षण.अपनी ओलादसमेत तीरगया ओर जबकि—ईन—बनीयोंके राक्षसीपापका हाल दुनीयांमे जाहीरहुवा;जब;बादशाहने मअे दुनीयांके-ऐका करके.बनीयोंको.सजादी तोईन बनीयोंने राक्षसबीद्याका-पाप—छोडदीया ओर यह कहनेलगे किअब हम अपने;कुळमे;राक्षसबीद्याका पाप नहीचलनेदेंगे ईस बारेमे ईनबनीयोंने तरह२की,कसमेंखाई,जब;संसारने ईनके कसमोंका अेतबार करके-ईनको-छोडदीया हालांकि ऐक,दो,दफे सजाभीदी जीसका.सबुत;यहहे—किबनीयोंके जीसकदर मंन्दीरथे-उनको-तोडदीया-ओर;जोकि मंन्दीरमे पुतली यांथीं,उनके,नाक व कांनकटवाये सोईस बातको बनीयेलोग-छुपातहें;ओर;यह कहतेहें किबादशाह हमारेउपर,बहोत,नाराजहुवाथा ईससे हमारे मंन्दीरोंको,गी रवादीयेथे-ओर-पुतलीयोंके नाक व कांन कटवादीयेथे!सोऐसी२बातेंतो!दुनीयां के;लोगोंको जाहीर नहीहोनेदेतेहें-ओर-झुठकीबातें दुनीयांको कीसम२की सुझा देतेहें!सोदुनीयांकी!बुध्धी केदकरदीहे इससे दुनीयांको. खबर-नहीहोतीहे-ओर. जोकोईःझुठीःबातकहताहे तोदुनीयां उसको सचजांनलेतीहे परंन्तु,बनीये,बडे,बे ईमांनहें कितरह२के छलकरके'दुनीयांको'भुलादेतेहें?हालांकि ईनबनीयोंने पहले केइ२कीसमकी-कसमेंखाईथीं-ओर बहोतसी लाचारीयां पहले;बादशाहोंके;सांमने कीथीं जब बनीयोंको बादशाहने;छोडाथा;किअब यह बनीये अपनीःकसमके-उपररहेंगे!ओर!पाप नहीकरावेंगे अगरचे'यह'मालुमहोता कियह बनीये,दुनीयां के नांमका पाप-फीरकरना-शरुकरदेंगे ओर हमारेबालःबच्चोंको.अपने पापसे—गारतकरदेंगे,ओर,धनको अपने काबुमेकरलेंगे!ओर!हमारी अकलको मअे—ओ लादके?केदकरके फीरअपनाःराक्षसीपापःचलादेंगे ओर;दुसरे;बादशाहोंसे;मीलके हमारा,राजलेलेवेंगे,ओर हमारेबच्चोंको मरवादेंगे ओर अव्वलमे.यह.राक्षसीजा ल राजा रावणके,वक्तसेचलाहे,सोजबसे नो दसबार;यह;जाल पकडागयाहे;कि अव्वलतो-राजा-रावणके वक्तमे यह,जाल,प्रघटहुवा बादउसके,हरनाकुशके,वक्त मे?जाहीरहुवा बादउसके कंस-राजाकेवक्तमे-यह जाल पकडागया.फीर,कारून बादशाहके;जमांनेमे;यह राक्षसीजाल चोडेहुवा!ओर!फीर हिंन्दुस्तांनके बादशा हके वक्तमे ऐकबार-मालुमहुवाथा-ओर यह राक्षसीजाल;कदीमसे;ईन?बनीयोंके

घरांनेमे चलाआताहे ओर राजा:रावण:हरनाकुश वगेराकोभी ईन बनीयोंहीने थोडासा-पाप-अपने पापमेसे सीखादीयाथा,ओर,कदीमी असली राक्षसीजाल: यह बनीये अपने;काबुमेरखतेहें;ओर उनको पाप,सीखाकरके,यह,बहकादीयाथा कितुम:राक्षसीपापसे:चारकुंटमे राजकरोगे जब-रावण-हरनाकुसवगेराने वोह?पा पकरना शरुकीया ओर;संसारको;उसपापकी खबर पडतीगई?तोसंसारके?लोग उसपापको-छोडातेगये-सोरावण हरनाकुश कंस,कारूनवगेरा,ओर केईराजा वा दशाह ईन बेईमांनों,बनीयोंके,राक्षसीपापके सबबसे भुलही-भुलमे-मअे ओलाद के-जांनसेमारेगये-जोयह महाजनलोग उनको;पापकाकरना;नहीसीखाते-तोवोह बेचारे संसारके हाथसे,क्युंमारेजाते,ओर ईन बेईमांनोंके'पापको'बंन्दकरानेका— आजतक,कीसीसे,पुरेतोरसे बंन्दोबस्त नहीहुवाहे;किजो;आयंन्दा फीर;कमीनही होता ओर यह,बात,संसारमेकहतेहें कियह बनीये-बेईमांन-लंकाके ढेडहें'क्युंकि यह.पाप.बनीयोंसेही नीकलाहे ओर,पहले,रावणके वक्तमे यह-पाप-लंकाहीमे— प्रघटहुवाथा ईसवास्ते लंकाकेढेड-ईनकोकहतेहें-ओर अगले जमांनेमे ईसपापको छोडानेका,बंन्दोबस्त,कीयागया ओर पाप-करनेवालोंको-पुरी२सजाअेंदी-किआ यंन्दाको डरकरके कोई.पापनहीकरें.परंन्तु यह पाप,बीलकुल,नहीमीटा, क्युंकि पुरा२यह-राक्षसीपापतो-कदीमसे ईन बनीयोंके?काबुमेहे?ओर ईनहींनेजो राजा रावण ओर हरनाकुश,वगेराको.सीखाकरके उनकेहाथसे करायाथा-वोह-थोडा सा.पाप.संसारने ऐकदीलहोकर छोडादीया-ओर-ईन महाजन,लोगोंका,हालतो उसवक्त संसारको थोडाही,मालुमथा,किईस राक्षसीपापके उसताद.यह,बनीये. बेईमांनहीहें:ओर:यह बनीयेही दुसरोंको;सीखा२कर;पाप;करातेहें सोसंसरकोतो उसवक्त ईनकी खबरपडजाती'तोसंसारकेलोग'ईनसेभी पापको छोडादेते—जेसे; रावण,वगेराका, छोडायाथा ओर पहले;जमांनेमेतो;ईन-पापकरनेवालोंको ऐसी२ बुरी सजाअेंदेकर संसारने:माराहे:परंन्तु संसारको आजतक'यहबात'मालुमनही हे-कियह-जाल कदीमी ईन;बनीये;महाजनांनकाहे ओर आजतक?ईस?हिंन्दुस्तां नमे जीसकदर राजा,बादशाहहुयेहें,सबका:पेसा:ओर धन ईन-बेईमांनोंने-पाप. करा२के:अपने:काबुमे करलीयाहे ओर-सबको-नीरधन ओर भुखा:करदीयाहे ओर जाल डाल२के-आपुसमे-लडा२कर सबको मरादीयेहें!ईसवास्ते!सातों आ ठों;वलायतोंके;लोगो ओर राजा,बादशाहोंसे,मुझ गरीब साधुकी;हाथ:जोडकर

अर्जहे किजो हमने.ईन.बनीयोंके शांमील हिंन्दुस्तांनमें?जनम?पायाहे जब हम कोही:ईनके:जालोंकी खबर नहीपडी:तोआपलोगोंको कीसतरहसे मालुम–हो–सक्ताहे ओर ईन,बेईमांनोंने,हिंन्दुस्तांनका लोभ दे२कर;दुसरी;वलायतवालोंको आपुसमे.लडा२कर.मरादेंगे जबभी ईनके-जालकी-खबर कीसीको नहीपडेगी; ओर यह बनीयेलोग-आपलोगोंको-नावाकीफ ओर भुलाहुवा?जांनकर?ओर–अपने,कुलमेसे,कीसीआदमीको फकीरी वगेराके;भेसमे,आपलोगोंके पास भेजके रावण वगेराकीतरहसे थोडासा'पाप'अपने पापमेसे सीखाकरके–आपलोगोंके. हाथसे-पापकरावेंगे-ओर आपलोगोंको ऐसा२लोभदेवेंगे;कि;राक्षसीपापकेसबबसे आप लोगोंकी बादशाहत-हिंन्दुस्तांन-ओर सातों आठों वलायतोंमे–होजावेगी जीसतरहसे.रावण.वगेराको सातों आठों:वलायतोंका:लोभदेकर उसके हाथसे-पाप करायाथा ओर,फीर,ईन महाजनांनने आपही-दुसरी-वलायतोंमे यह बा तें,मशहुरकीथीं,कि रावण बडा-कुलंकीहे-आखीर रावण उस,पापकेकरनेके,सः बबसे संसारके हाथसे,मारागया.सोयह सोदागर महाजनांन–रावणकीतरहसे–आपलोगोंकोभी!सातों!आठों वलायतोंका लोभदेकर:ओर:आपलोगोंके हाथसे. पापकराके रावणकीतरहसे आपलोगोंके–बच्चोंको–मरादेंगे ओर जेसे–रावणको कुलंकी–मशहुरकीयाथा–उसीतरह आपलोगोंको दुसरी-वलायतोंमे–कुलंकीकहेंगे ओर दुसरी वलायतवालोंके;हाथसे;आपलोगोंके बच्चोंको मरवादेंगे?ओर?यह;म हाजन.आप.अलाहदाके अलाहदा रहजावेंगे!ओर!अपना नांम कभी-जाहीर-न होहोनेदेंगे क्युंकिईन बेईमांनोंने!हिंन्दुस्तांनके!लोगोंकोभी-अपने जालकी खबर नहीपडनेदी,सोआपतो,परवलायतके ओर परमुलककेहो–सोआपलोगोंकोभी–ब; नीये सीखावेंगे रावण!वगेराकीतरहसे!किआप चारकूंटमे राक्षसीपापके,सबबसे राजकरोगे-जब-आपलोग भुलजावोगे ओर.यह.बनीये दुसरीवलायतोंमे आप, लोगोंको प्रघटकरदेंगे किफलांना?बादशाह?कुलंकीहे ओर आपलोगोंको–नाभी सीखावेंगे?तोभी?कहनेकोलगजावेंहें ओर दुनीयांमे.बातें.चलादेतेहें किफलांना–बादशाह कुलंकीहे सोईनका;मतलब;यहहे किसब सातों–आठों–वलायतोंको रा क्षसीजालसे!आपुसमे!लडा२कर मरादेंगे ओर जब,संसार,थोडा रहजावेगा;तो फीर हम अपना,राज-चारकूंटमे करलेवेंगे ओर.फीर.हमसे कोई नहीजीतसके गा'ओर'हमारी'ओलादका राज-नही-छीनसकेंगे ओर जहांतक,संसारमे,आदमी

जीयादाहे जहांतकतो यहःबनीयेःलोगादीखाउ ऐसेगरीब ओरःसतीःलोगहोकर रहतेहें किईन जेसा,गरीब,दुसरानहीहे सोसातों आठोंवलायतोंके!लोग ओर-राजा-बादशाह-आपुसमे मीलके ईस;पापको;छोडाओ जोसब संसारका!भलाहो वे;ओर,सबकी ओलादउभरे नहीतो'लोभही'लोभमे कुछकीसीके हाथ?नहीआवे गा-ओर अपनी ओलादको मरवादोगेःओरःहिंन्दुस्तांनकोतो ईन महाजनांननेः आपुसमे-लडा२के-ओर बुधी भ्रष्टकरदीहे.सोगारतकरदेंगे.ओर कुछ रहीसहीहे उसको अब आपलोगोंको,हिंन्दुस्तांनमे,लाकर हिंन्दु मुसलमांनोंके?बच्चोंको?आ प'लोगोंके'हाथासे गारतकरादेंगे ओर-जीसतरहसेकि-यह बनीये हमारे;साथम; पेशआयेहें उसीतरहसे आपलोगोंके-साथ-पेशआवेंगे अगर ऐसाहाल,पेशतरहसे-जाहीरहोता-तोईन-बनीयोंके ओलादतक बादशाह.बाकी.नहीरखता ओर हला ल-करडालता ओर ईसबातकीभी'बादशाहको'खबरहोती कियह बनीये दुसरे-बादशाहकोलाकर;हमारी;ओलादसे,राज छुडवादेंगे!ओर!उनसे;राजकरावेंगे;ओर हमको गारतकरादेंगे-ओर-सब धन हमारालेलेवेंगे.तोबादशाह.ईन बनीयोंकीज ड-ओर-ओलाद अपने राज.धांनीमे.नहीरहनेदेता ओर गारतकरादेताःपरंन्तु-क्याकीजीये किपहले ईन;बनीयोंके;जालकी खबरनहीपडी ईससेयह-बनीये-स-लांमतरहगये,ईसवजहसे,ईनबनीयोंने फीरअपना राक्षसीपाप!चलादीया!जोआज दुनीयामे चलरहाहे किजीस;पापसे;कीरोडो;आदमीयोंको हेजावगेराकी बीमारी लगाकरके-मारदेतेहें-ओर साल बसाल?मारतेजातेहें?क्युंकिजीसकदर पहले आ दमीथे उसकदर अबकहांहें,बलके,दीन२ओर साल२कमहोतेजातेहें जीसकीवजह यहहे,किईस.जमांनेमेभी राक्षसीपापसे आदमी;कम;पेदाहोतेहें ओर उमरभी,कम पातेहें ओर पहले-अच्छीतरहसे-फलते फुलतेथे ओरःउमरभी.बहोतपातेथे ओर कोईओरतःबांझ नहीरहतीथी ईससेकोईभी!बेओलाद!नहीरहताथा ओर सबके-ओलादहोतीथी ईससे जीयादतीथीःओरःअबतो बेओलाद बहोतसेहें-किजो-ओ लादकेवास्ते,तरसतेहें,जीसकीवजह यहहे किजोबनीये-ओलाद-नाहोनेकेवारेमे'पा पकरातेहें जब ओरतके'ओलाद'नहीहोतीहे तोवोह ओरत!बांझ!रहजातीहे ओर जीसकेनांमका?पापछोडदेतेहें?तोउसके ओलादहोजातीहे तोफीरवोह-ओरत-बांझ नहीकहलातीहे सोऐसेजाल ओर,फरेब,सबईन बनीयोंकेही हाथमेहे!ईससेजोचा हें-वहीकरसक्तेहें-ईससेमें आपलोगोंको जलदी?वाकीफकरताहूं?किईनके पापको:

छोडानेका बंन्दोबस्त जलदकरो-ताकिफीर-सतजगहोजावे ओर फीरकोई?बेओ लादनहीरहवे.क्युकिउस.परमेश्वनेतो सबको ओलांददीहे;ओर;सबको खानेकोदी याहे वोह कीसीको,कीसीकीसमकी,तकलीफ नहीदेताहे यहतोःसोदागरांनके;पा पसेःसबःसंसारकेलोग तरह२की तकलीफें-उठारहेहें-ओर आज सबसाहब;हिंन्दु मुसलमांन अंग्रेजवगेरा ऐकदीलहोकर-बनीयोंके-राक्षसीपापको?छोडावें तोछुटस क्ताहेःओरःपापकेछुटनेसे सबकाभलाहोसक्ताहे सोसबसाहब?ऐकाकरके?बनीयोंके जालको दफेकरो-ताकिफीर-अमन-अमांनहोजावे-ओर अपनेःबच्चेसुखपावें;क्युंकि बनीयोंकी दीलीमनशाये यहहे,किजब,संसारकेलोग थोडेरहजावेंगे जब—अपना राजहोगा-ईसर्गजसे-बनीयोंने राक्षसीपापचलायाहे किचारकूंट.ओर चोदाभांनमे राजकरनेकेलीयेःराक्षसबीद्याका पापचलायाहे किचारकूंट ओर चोदाभांनमे रा ज-अपनाकरेंगे किजीसतरहसेःरावणने चारकूंटःचोदाभांनमे राजकरनेकेलीये,रा क्षसबीद्याका.पापचलायाथा उसीतरहसे.बनीयोंने सलाहकरके;राक्षसबीद्याका;पा पचलायाहे ओर यह,बीचारकीयाहे,किईसपापसे सब राजा-बादशाह-गारतहो-जावेंगेःसोक्यातोःहिंन्दुस्तांनके ओर क्यासातों-आठोंवलायतोंके-राजा बादशाह ओर क्याअंग्रेजवगेरा सबही.गारतहोजावेंगे.ओर गारतहोते२जबकि थोडेसेआ दमी-रहजावेंगे जबहमःबनीये अपना,राजकरेंगे ईससे'राक्षसबीद्याका?पापचला, याहे ओरःसंसारका धनलेनेके,वास्ते ओर,राजकरनेकेवास्ते!चलायाहे किजीस तरहसे राजा रावणने,राक्षसबीद्याका.पापचलायाथा ओर हरनाकुश.राजाने.व कंस-राजाने-ओर कारूंन बादशाहनेःराक्षसबीद्याकाःपापचलायाथा ओर सनी; श्वनें उनकेपापको प्रघटकीयाथा;जबःसंसारने;उनहोंकेपापको छोडादीया सोजब कि-उनकी-चालाकी मालुमहुई जबःतमांमःदुनीयाने उनहोंकानांमतकही-मीटादी या.क्युंकिवोह बेईमांन संसारके-बच्चे-गारतकरके राजकरना चाहतेथे;सोईस;लो भकीवजहसे उनहोंने अपनीओलादकोभी संसारकेहाथोंसे मरवादी सोराजका; करनातो'ऐकतरफकोगया'क्युंकि राज तेजतो,धर्म्म,पुन्य ओर नेकीकाहे;सोयह बात सबसंसारको 'झुठ-नहीसमझनाचाहीये-क्युंकिमेंतो तुम्हारे बाल,बच्चे,ओर— सबसंसारके आरांमकेवास्ते ईन,चारोंकी'चोरीको लीखकरके;जाहीरकरताहूं;कि ईन बनीयोंने-चारकूंट-ओर चोदाभांनमे राजकरनेकेवास्ते.राक्षसीपाप.चलायाहे परंन्तु मुझको राक्षसबीद्याके.पापसेदुखीकीयाहे.ओर रोज२राक्षसीपापसे दुखदे

तेहें सोमे अपनेउपर,बीतीहुई,ओर नजरोंसे देखीहुईःलीखताहूंःअगरतुमःसंसार केलोगो-ओर-राजा बादशाह ऐकदीलहोकरकेःनहीछोडाओगे;तोयह बनीयेःकुल संसारको गारतकरदेंगे क्युंकिअगले,जमांनेके.लोगोंने दुखपा२कर पापकोछोडा या,जब,अरांममीलाहे ईसीतरहसे संसारकेलोगो!ईनकेजालोंको!छोडाओगे जब, तुम्हारे बाल बच्चेबचेंगे-ओर-आरांममीलेगा क्युंकि राज.ओर.तेज धर्म्म ओर नेकीकाहे?परंन्तु?ईन बनीयोंने राक्षसबीद्याका!पापःगारतकरनेकेवास्ते चलायाहे सोयह बात काबीलःगोरकरनेकेहेःकियह सोदागरलोग ईसीतरहसे;जुलमकरेंगेः तोहम!तुमसब!संसारकेलोग हिन्दु मुसलमांनके'बच्चे'ओर अंग्रेजोंकेबच्चे मारेजावें गे-बलके ईन बनीयोंने,तमांम,संसारका बच्चा गारत?करनेकेवास्ते?जालकी की ताबेंःहमारेःतुम्हारे घरोंमे हमारे;तुम्हारे;बुजरगोंके नांमसेलीखकरके धरदीहें'कि तीनलोकके बच्चे ईनकोपढेंगेःतोयहजांनेंगेःकियह कीताबें हमारेबुजगोंकी-चलाई हुइहें,सोतुम,सब संसारकेलोगो ओर,राजा,बादशाह तीनलोकके किजो;कीताबें ईन बनीयोंकी तुम्हारे!घरोंमेधरीहुइहें!जीनकोबेदकी कीताबेंजांनतेहो सोयह.रा क्षसीबेदकी,कीताबें,ईन बनीयोंकी चलाईहुइहें?ओर?जोमें बार२ईनकेबेदकी की ताबोंके बारेमेलीखताहूं सोयह,हाल.सीर्फ तुम्हारेबच्चे बचनेकेवास्तेही;लीखताहूं सोमेरे-लीखनेपर-गोरफरमाकर ईस राक्षसबीद्याके,पापको,छोडाओ जब,तुम्हारे बाल बच्चेबचेंगे अलावाईसके-राक्षसीबेदकी-कीताबोंमेलीखाहे किसीकोसके उप र?ऐकगांवबसेगा?परंन्तु ईसके दरमीयांनमे.जोगांवहोंगे.वोह उजडेहुयेमीलेंगे;सो ईसीतरहसे सो२कोसकेउपर बसेहुये'गांवमीलेंगे'सोयहबात संसारमेकहतेहें ओर कीसी२कीताबमे ऐसे२हालातभी लीखेहुयेहें किजबकोई.राजा,बादशाह अपनी ओलाद रहनेकेवास्ते उनकीताबोंको-तलाशकरेंगे-तोमीलजावेंगी ओर जीनलो; गोंके!घरोंमेसे!यह कीताबेंनीकलेंगी वोह,सबमारेजावेंगे,ओर बनीये अलाहदाके अलाहदारहजावेंगे ईसीवास्ते यह;कीताबें;दुसरोंकेघरोंमे फेलाइहें ओर-दुनीयामे ऐसाभीकहतेहें,किकलजग.आवेगा ओर सो२कोसकेउपर?ऐकगांव?बसाहुवामीले गा-सोईन-बनीयोंने ऐसाजुलमका जाल,पहलेसेचलादीयाहे,किजोजालही जाल; चलरहाहे परंन्तु यह.बात.जरुरहे.किपहलेसेतो जालचलानेसे कुछनहीहोता'ले; कीन-यह-पाप दुनीयांके नांमकाकरातेहें!सोदुनीयां!यहजांनतीहे!किअगलेलोगोंने आगमभाकीहे?ओर?बेदकीकीताबोंमे आगमभाकीहुईका हाललीखाहे किकलजग

होगा ओर खराब-वक्तआवेगा-सोवोह बात सचहोजातीहे.सोसंसारको.दीखता हीहे,क्युंकि,यह बनीयेअपने राक्षसीपापसे!तमांम!जहांनको रावणकी;तरहसे गा रतकरातेजातेहैं-सोसंसारको-अगर ईनकेपापकी खबरहोती:जबतो:संसार ईनके, ओलादको मरवादेता क्युंकि:मालीकनेतो:संसारको अमररहनेकेबास्ते पेदाकीया हे-ओर-अमररहनेकेलीये मालीकने संसारको;ओलाददीहे;सोसबकोही दीखताहे ओर यहजो ईनहोंने-आगम-बातेंलीखदीहैं किशहरसे आगेचलकर;सोकोसकेउ' पर ऐकगांव बसाहुवामीलेगा-ईसीतरहसे-सो२कोसकेउपर गांवसे आगे.गांवभी लेगा.सोसचहे.परन्तु तुमको जतानेकेवास्ते:लीखताहूं:किजीससे तुम्हारीओलाद बचेगी क्युंकिईन बनीयोंने,ऐसा,राक्षसीपाप फेलारक्खाहे किजो;पापकीवजहसे तुमलोगोंको'यह!अपने राक्षसीपापकी खबर;नहीपडनेदेंगे;ओर ना पडनेदेतेहैं-ओर ईसजमानेमेतो आध-कोस-पौन-कोसकेउपर बसेहुये गांवमीलतेहैं!सोसंसा रके:लोग:अपनी२आंखसेही देखरहेहैं किजोआबादहैं,कुछमेरे,लीखनेकीभी जरूर त,नहीहे,सीवायेईसके बेदकी कीतावोंमेभी!लीखाहे!किअनाजके दाने गीनतीसे बीकेंगे सोयह बातें:भजनोंमेगातेहैं;सोयह कीतावें ईन.सोदागरलोगोंकी.चलाई: हुइहैं जीसमे;ऐसे२हालात:तरह२के:लीखेहुयेहैं ओर यहभीलीखाहे;कि;टांके:नीर तुलेगा,ओर,तुलकर पांनी बीकेगा-जब-कलजगआवेगा ओर महापरलोभीहोगी सोईसतरहकी जोकीतावेंहैं:वोह ईन!बनीयोंकी चलाईहुइहैं,सोउन कीतावोंके!उ पर.नांम.ईन बनीयोंने हम;हिन्दु:मुसलमांनके बुजर्गोंके लीखदीयेहैं,किजो,हिन्दु मुसलमांन-ओर-अंग्रेजोंमे बुजर्ग होगुजरेहैं:सोयह.बनीयोंकी जालसाजी ओर-चालाकीहे सोईसको तुम,अपनेदीलमे,ओर मेरेलीखनेपर;गोर;फरमाकरदेखो'कि जेसाजाल!ईन!सोदागर महाजनांनका रावणके,तरीकेसे,चलरहाहे परंन्तु ईन;सो दागर महाजनांनने तमांम.जहांनके.लोगोंकी अकल ऐसीखराब,करदीहे.किजो बीलकुल,नहीसमझतेहैं सोयह,राक्षसीपापका,सबबहे सोयह बनीये;अकलको;ईस गर्जसे खराबकरदेतेहैं किजोकोई!जालसे!वाकीफकरेगा तोकोई जालको'सच'न हीजांनेगा ओर-खीलाफ जांनेंगे,ईसवजहसे,समझानेवालेको अहमकजांनेंगे तोह मारा.जाल.जोचलरहाहे वोह कीसीपर,जाहीर.नहीहोगा तोबदसतुर चलतारहे गा-किईससे-तमांम जहांनकेनांमका पापकरके;अकल;खराबकरदीहे ओर ईन!ब नीयोंने पहलेसे,सब,लोगोंकी,अकल;खराबकरके पहलेभी'राक्षसीपाप'चलायाथा

परन्तु अगलेबादशाहन ईनके राक्षसीपापको–पहचांनकरके ईनके राक्षसीबेदकी कीताबेंवगेराभीःगारतकरदीथीःपरन्तु ईन बनीयोंने!पहलेभी–रावणकी तरहसे–ओर हरनाकुश ओर'कंस'ओर;कारूंनकीतरहसे राक्षसबीधाःकीताबों;समेतचला ईथीं-सोखबरपडतही-बादशाहने छोडादी ओर,रावण,वगेरानेतो थोडीसीही;जा लकी कीताबेंःतयारकरकेःचलाईथीःसोयह!बनीये राक्षसीपाप,करातेहें,वोह.हिंन्दु स्तांनसेही,पापकरारहेहें,सोईन बातोंकी खबर'हिंन्दुस्तांनके'बनीयोंकोहीहे,क्युंकि यह पापकरनेवालोंको जोपाप-बनीयेकरातेहें-उनको खरच मुकरर।भेजतेहें,ओर जोकिईन,बनीयोंने,आराम भाकीहे वोहःसचहेःक्युंकिःअवलतो यह बातें;टीपनोंमे लीखकरके तमांमजहांनमे जाहीरकरतेहें-किफलांनीमीती-ओर फलांनेदीन ओर महीनेमे-यह-बातहोगी किकाल ओर,हेजावगेराआवेगा,सोपहलेतो संसारमे,ऐसे ऐसे हालात जाहीरकरदेतेहें,जब,वोह मीतीआतीहे जब-यह,बनीये चोरासीला ख-कुंन्डीयांके-उपर पापकरातेहें जबवोह,बात,सचीहोजातीहें किजीसबातको–त मांमजहांनके लोग;अपनेमुहसे,बनीयोंके,पापकीतारीफ ईश्वके नांमसेःकरतेहें;ओर कहतेहें-किमालीककी-कुदरतहे ओर यह;नहीकहतेहें;कियह मालीकको कुदरत;न हीहे यहतो रावणकी,तरहसे,ईन बनीयोंका पापहेःसोयहःबुधीका प्रमांणहे कि, जोईनके,जाल,नहीसमझतेहें ओरःफीरःपीछतातेहेंःओर जबकि पापको!समझतेहें तोछोडातेहें क्युंकि रावणकेवक्तमेभी-पहलेलोग-रावणके पापको सनीश्वकेःकहने से-समझे-जब रावणके पापकोछोडायाःओरःफीर उसपापकेबारेमे'तमांमजहांनके लोगोंने,बहोत,फीकरकीया किजोहम पहलेसेसमझते.तोईसकदर.खराब नाहोते. ओर आरांमभुगतते क्युंकिमालीकने-दुखकीसीको-नहीदीयाहे बलके!सुखदीयाहे ओर,यह,जोहमने दुखउठायाहे यह-रावणके-राक्षसीपापसे उठायाहे क्युंकिःराव णने अपने राक्षसीपापसे.तमांमजहांनकी.अकल ऐसीफेरदीथी किजोकोई'रावण के-जालकी-बातकोकहताथा उसकोमालीककी कुदरतजांनतेथे'ओर'यहःजालनही समझतेथे परन्तु सनीश्वकेःसमझानेसेःतमांमजहांनने समझके रावणके!जालको–अजमायाःतोबरोबरःरावणका जालनीकला ओर-परमेश्वकी-कुदरत नहीनीकली जब संसारने अपनेदीलमे,बडाअफसोसकीया,किहम रावणका जालःनहीजांनत थे-ओर-मालीककी कुदरतजांनतेथे खेरःईसीतरहसेःहरनाकुश राजानेभी राक्षस बीधाका ! पापचलायाथा;जबभी-तमांमजहांन–मालीककी ! कुदरतजांनतेथेःओर!जब

कि-ईनके-जालकी खबरपडी ओरःपापकोछोडाया;जब तमांमजहांनने ? रावणके जालकीतरहसेःहरनाकुशवगेराकेःजालका बडाअफसोसकीया ओर'कहनेलगे'कि हमतो मालीककी कुदरतजांनतेथे.ओर,ईनका जाल नहीजांनतेथे!परंन्तु!यहतो. रावणकीतरहसेःहरनाकुशवगेराकाःजालनीकला खेर ईसीतरहसे?अब?ईन सोदा गर महाजनांनका पाप;बलराजाके;बादसेचलरहाहे ओर ईन,बनीयोंनेभी,रावण कीतरहसे-तमांमजहांनकी-अकल फेरदीहे जीससे;मालीककी,कुदरतजांनतेहें ओर ईनके जालकी पहचांननहीकरतेहें-किईन-बनीयोंकेभी रावणकीतरहसे छलहें;ईस से,में,आपलोगोंको सनीश्वकीतरहसे वाकीफकरताहूं!किआपलोग!जलदीवाकीफ होकर ओर समझकरःईनकेःपापकोछोडाओ ताकि तुमको;आरांममीलेगा;ओर;ज बकि-यह-पापदफेहोगा जब संसारकेलोगःरावणके.जमांनेकीतरहसे ईन बनीयों केःजालकाःअफसोसकरोगे ईससे में,आपलोगोंको,ईन बनीयोंकेजालसे वाकीफ करताहूं सोतुमलोग वाकीफहोकर-ईन-बनीयोंके जालकोछोडाओ ताकि.तुमको आरांममीलेःक्युंकिऐसे२जालहें ईससे राक्षसीपाप!कररहेहें!किजब तमांमजहांन-गारतहोजावेंग तोफीर हमअपना?राजकरेंगे?क्युंकिजब सो२कोसकेउपरजाके?ऐ क'गांवमीलेगा'सोजबकि ऐसाहोगा;जबतो;बनीयोंकी;ओलाद जीयादाहोगी.ओर छत्तीसों जातकी ओलादकमहोगी,सोक्याहिंन्दुस्तांनमे,ओर क्याअंग्रेजोंकी वला यतोंमेःक्यासातोंःआठोंवलायतोंमे सो२कोसकेउपरजाके ऐकगांवमीलेगा?सोखया लकरनेकी बातहे किहिंन्दुस्तांनका-राज?बहोतबडा सेंकडोंकोसमेहे सोहिंन्दुस्तां नमे-ईस-हीसाबसे थोडेही गांवरहेंगेःओर.जोईससेबडी वलायतेहें उसमेभीथोडे गांवरहेंगे जब यह,बनीये,अपना राजकरेंगे क्युंकिःसातों;आठोंवलायतोंको ; गा रतकरदेंगे!जबथोडेसे!गांवरहजावेंगे तोबनीयोंका जाल!कोनमीटावेगा!क्युंकियह बनीयेतो जीयादारहजावेंगे ओर!राजा!बादशाह ओर रैयतवगेरा;कमरहजावेगी जबईन बनीयोंका जाल,कीसीसुरतसे,नहीमीटेगा परंन्तु ईसवक्तमे परमेश्वकी-र चना,जीयादाहे,सोईनके जालको सारीखलकत;ऐकदीलहोकर;मीटासक्तीहे,परंन्तु ईनके जालकीतो खबर.मुझकोपडीहे.जीससे!में!तमांमजहांनके-राजा-बादशाहको ओर,रैयतको,वाकीफकरताहूं,सोसब संसारकेलोगो'ईनके'जालकोछोडाओ;क्युंकि जबतक संसारकेलोग जीयादाहें-जबतक-यह बनीये गरीब!होकररहतेहें!परंन्तु, राजा.बादशाहको.अपने जालसे लडादेतेहें;जीससे;हजारोंआदमी लडकरमरजा

तेहैं-सोयह-राक्षसबीद्याके पापसे बुधीफेरके,कुत्ते,बील्लीका बीरगकराके ओर-बीरगे बेरका पापकराके;लडादेतेहैं;ओर दीलमे ऐसासुझादेतेहैं-किमें-राजासेलड कर-ईसकाराज-छीनलूं ओर दुसरेराजा.बादशाह,यहकहतेहैं किमें ईससेलडकर ईसकाराजछीनलूं सोयह बनीये!कुछ!आपुसमे लडाकरके गारतकरादेतेहैं—ओर कुछ कालवगेराडालके गारतकरदेतेहैं,ओर,कुछ मरीडालके संसारको:गारतकर देतेहैं-सोईसीतरहसे-यह बनीयेमहाजन साल;बसाल;संसारके नांमका पापकरा; तेहैं-जीससेआदमी-संसारके साल बसाल;कमहोतेजातेहैं;क्युंकि कचीउमरमे मार देतेहैं जीससेऐसी२आगमभाकीहे!किऐसा कलजगआवेगा-किसोकोसपर , ऐकगां व-बसाहुवामीलेगा सोईससुरतसे संसारकेआदमी!थोडेरहजावेंगे?ओर सोकोस. पर!गांवबसेगा!जबईन बनीयोंकी जातजीयादा;रहजावेगी;तोकुल संसारमे'ईनका राजहोजावेगा "सोईन,बनीयोंने,अपनेदीलमे ऐसासमझलीयाहे किपापकरा२के;सं सारके-आदमीयोंको,मारदेना जब मरते२संसारमे;आदमीथोडे;रहजावेंगे जब;आ पही हमारा राजहोजावेगा,नहीतो,बादशाहोंसे लडाईकरके राजलेनातो;ईनके;ब सका-कांमनहीहे-ईसीतरहसे संसारमे हरऐकतरहका,बीगनकरके,संसारको कम. करतेजातेहैं सोऐसे२जाल तरहे२के,चलाकरके,यह बनीये संसारको-गारतकरदे तेहैं-ओर-ईसीतरहसे पहले रावण.हरनाकुशने.ओर कंस राजाने.ओर;कारून—बादशाहने चारोंकूंटमे राजकरनेकी;गर्जसे;राक्षसीपाप चलायाथा ओर-जबकि. ईनकी-चोरीपकडीगई-जब तमांमजहांनने ऐकदीलहोकर;ओर;रावणवगेराको?मा रके राक्षसबीद्याका पापछोडाया,जबसे,रावणवगेराका जाल बंन्दहुवाहे.जब.सं सारकी, ओलादबचीहे. ओर जब हरनाकुशवगेराने-जालचलायाथा-जब उनहोंने भी'संसारकेलोगोंको गारतकरानेकेवास्ते राक्षसबीद्याका पापचलायाथा.सोबहो तसे लोगोंकोतो बीरगेबेर,लडाकरके,मारदेताथा ओर बहोतसेलोगोंको?काल. डालके मारदेताथा परंन्तु;जबकि;ईनकेजालकी खबर संसारकोहुई:जब:तमांमसं सारने,ऐकदीलहोकर.हरनाकुशके पापकोदफेकीया जबसंसारकी.ओलाद.सलांम तरही नहीतोउम्मेदनहीथी किजो;रावणके;पापसे,दुनीयांबचती क्युंकि रावणकी ओलाद-जीयादारहजाती-ओर संसारकीओलाद कमरहजाती-तोबेशक,संसारकी ओलाद कमहोनेकीवजहसे रावण:राजकरलेता:ओर जोदीलमेआता वोह, अपने राजमेकरता.ओर.संसारकेलोगोंको दुखदेता तोफीर!संसार!कीसकेआगेजाके?दु

खरोता किहमको रावणवगेराः दुखदेताहेः सोहमको मददेके छोडाओ, क्युंकि, राव णने-चारकुंट-ओर चोदाभांनमे राजकरनेकेसबबसे?राक्षसबीद्याका?पापचलायाहे ओर सब राजा!बादशाहोंको!ओर रैयतको अपनेःराक्षसीपापस;गारतकरदेता— जब.तमांमजहांनकेलोग.कमरहजावेंगे ओर हमजीयादाहोंगे-जबहम-अपनेदीलमे. जाचीचारेंगे ! वहीकरेंगे'सो, रावणवगेरा, ईसतरहका?खयालकरकेःदीलमेलातेथेःओर दीलमेक्याचाहतेथे परंन्तु सनीश्वजीमहाराजने—सबसंसारको रावणके जालसे;वा कीफकरदीया ईससेबुल जहांनबचगया,ओर,बचनेकेसबबसे तमांमजहांनने अप नी-जबांनसे-यह शुकरीयाअदाकीया किसनीश्वजीःमहाराजका—जुग२ओर—भो२ भलाहुजीयो किहमको रावणके,जालसेबचाया,जीसकीवजह यहहे किसनीश्वने, रावणके-जालसे-कुलजहांनको वाकीफकीयाथा जबःदुनीयांजीयादाथीःओर राः वणकी औलादकमथी ईससे,संसारने,ऐकदीलहोकर रावणके राक्षसीपापको'छो डाया.ओर.जोरावण संसारकेनांमका पापकराके-गारतकरदेता-जबतो संसारमे-चोरीप्रघटनहीहोती तोरावण चारकूंटमे!अपना!राजकरता तोफीरसंसार.रावण. के-नीचेसे-हरगीज२नहीनीकलता बलके डुबाहुवारहताःचाहेःफीर वोह अमल-फांसी खाकरकेहीमरते तोभीनहीमरनेदेता!क्युंकि—रावणकी कुळतो जीयादारह जाती'ओर'संसारकोकुळ कमरहजाती तोफीरसंसारको,बडाभारीदुख.हमेशाकेवा स्तेरहजाता ओर संसारकाकुळ-कमरहजाता-जबऐसा रावणकरता सोयहतो—सं सारके,बडेभाग,किजोरावणकी चोरीमालुमहोगई तोसातोंःआठोंःबलायतोंकेलोग ऐकदीलहोकरके ओर समझके!रावणकी!ओधतककोमारदीया किजो रावणकेध रमे.चीरागकरनेवालाहीनही?ईससेफीर संसारकेनांमका पापकरनेवालाभीकोई,न हीरहा क्युंकिसंसारतो रचनाहे-ईससेजीन२ने-कि-राक्षसबीद्याका पाप,संसारको गारतकरनेके,वास्तेचलायाथा,सोउनहोंकी ओलादतककोही नहीरक्खाहे;ओर;रा वणने जोराक्षसबीद्याका पापचलायाथा;वोह;संसारको जाहीरकरके थोडाहीःच लायाथा,क्युंकिजो-जाहीरकराता तोकरनेकोनदेता सोसच्चबातहे'किजांनके'अपने बच्चोंको कोन गारतहोनेदेता.परंन्तु.खबरनहीथी ईससेजहांनको गारतकीया—व रावणका'सनीश्वको'राक्षसीपापकरना थोडाहीमालुमथा बलके,सनीश्वको,खुदही; ग्रेहचालेकेपापसे;बांधरक्खाथा;सोसनीश्वकेनांमका पाप,रावण,चोरासीलाखकुंन्डी योंके उपरकराताथा ओर-सनीश्वको-ऐसासुझाया-किमुझको नारगीमेडालाहे;ओर

ग्रेहदेवता सजादेरहेहें ओर,जोकि,अगलेजमानेके भगत लोगहोकरःमरगयेहें:उन का!सुपना!सनीश्वकोकराके सुझादेताथा जब-सनीश्वने-दीलमेसोचा:किजीताहुवा शखस कोईमुझको मारनेकोआवे'तोमेंदेखूं'किमरेहुयेके सुपने मुझको?कीसतरहसे आतेहें-क्युंकिजो-मरगयेहें उनकेतो नांमअमररहेहें,सोयह,खयालकरनेकी बातहे. किजो मरगयेहें वोह;कीसतरहसे;चोरासीलाख कुंन्डीयोंपर'जीवोंकोमारतेहें'ओर कीसतरहसेःपापकरातेहें:क्योंकि मरेहुयेसेतो कुछभी.नहीहोताहे.हां जींन्दातो,पा पसे-अलबत्ताकरसक्तेहें-सोवोह पापकरेंतो उनकीचलजातीहे,परंन्तु,मरेहुये पाप; कीसतरहसे करासक्तेहें जब,दीलमेबीचारकीया,किजोमरेहुयेसुझातेहें ओर--ग्रेहक रातेहें,सोयहतो,अपनेको भुलबताइहे किईसतरहसे-हमाराजाल-मालुमनहीहोगा;प रंन्तु यह पाप;रावणकीतरहसे;चलायाहुवाहे जबसे दुनीयामे?टीपनावगेरा?ओर नाईत्तफाकी वग्रेराहोना शरुहुवाहे,ओर,रावणने राक्षसबीद्याके बेद-ओर-कीता बेंबनाकरके.चलाईथीं.उनकीपहचांन सनीश्वनेकी किबेद.असलीनहीहे.ओर जा लकीहें क्योंकिउनको दुनीयांबांचतीथी.ओर.कांनोंसेसुनतीथी क्योंकि टीपनोंव गेराकों,ऋषिश्वलोग,तमांमजहांनमे बांचतेफीरतेथे परंन्तु;जबतककि;सनीश्वको'रा क्षसीपापसे नहीकलपायाथा जबतकःयहजांनताथाःकिअगलाबेदहे ओर जबकि सनीश्वको-कलपाया-ओर चोरासीलाख कुंन्डीयोंकेउपर!बाबतमरीपडनेके!ओर. ग्रेहचालाके ओर रोगचालाके,ओर.बीरगेबेरकरानेके पापकरा२के सुझाताथा'ज ब-सनीश्वने-दीलमेक्या खयालकीया किजोकोई;परमेश्वकी;भगतीकरताहे उसको बत्तीस लक्षणआतेहें ओर-में-भगतीकरताहूं सोरात दीनमे;जालही,जालमेगीरफ ताररहताहूं;सोयह;ऐककीसमका पापहे ओर-रावण-करारहाहे ओर जाहीरदारी मे-हमसेमीलाहुवाहे-किहमारा पापमालुमनहीहोवे परंन्तु,यह,पाप रावणका;चला याहुवाहे सोयह खयालकरके!रावणके?पापकोसमझके कुलसंसारको वाकीफकी या-कितुम-तमांमजहांनकेलोग बेद शास्त्र,बांचरहेहो,उनमे चोरासीलाख.कुंन्डीयों लीखीहुइहें सो रावण.कीसीजगह.दुनीयांके नांमका पापकरारहाहे-जीसका,बी खांन;तुम,तमांमजहांनकेलोग अपने मुहसेकररहेहो.ओर.जोकि ग्रेहचालाकेबारेमे ओर मीरगीहोनेकेबारेमे ओर-रोगचालेकेबारेमे-ओर ग्रहनपडनेकेबारेमे ओर;त लवार!चलनेकेबारेमे!टीपनोंकेअंन्दर लीखाहुवाहे सोवोह.टीपने,ऋषिश्वलोग--बां चतेफीरतेहें सोवोह राक्षसीपाप!रावणके!घरकाहे क्युंकि मालीककेघरमेतो;सेर-

ओर बकरी शांमीलचरतीहें-ऐसासंपहे-ओर यहतो रावण!कीसीजगहपर!गुपती पापकराताहे,बलके.मेरेनांमसेभी जीवडोंको कलपारहेहें-ईससे-में बृमजालमेपडा हुवाहूं जब सनीश्वने?रांमचंन्द्रजीमहाराजको?ओर ऋषिश्वरोंको वाकीफकीया-ओर-रावणके-राक्षसीबेदकी कीतावें रांमचंद्रजीमहाराजने'ओर'राजा बादशाहने ऐक दीलहोकरदेखा ओर-रावणके-जालकीपहचांनकी ओर उनकेजालसे!वाकी फहुये,ओर,वाकीफहोकर यहकहनेलगे किआदमीयोंसेतो-धर्म-पुन्य ओर नेकी; वगेराहोसक्तीहे ओर जोपापकरे,ओर,जुलमकरे तोउसकी कुलडुबजावे;ओर;जो नेकीकरे,उसकीकुल.तीरजावे जब रावणके-राक्षसीपापकी-तलाश सब राजा;बा दशाहने ऐकदीलहोकरकीया-किजो-रावणने चलायाथा परंन्तु?उसनेतलाशःईस तरहसेकीःकिजोःरावणके बेदको तमांमजहांनकेलोग'ओर'राजा बादशाहपढतेथे; उसकेजालसे सनीश्वने सबहोंकोवाकीफकीया?जब?सच ओर झुठकीतलाशकरी ओर,पापकीतलाशकरके,अपनेदीलमे बडाभारी फीकरकीयाःओरःयह कहनेलगे कि ईन्द्रजालकेपापसे केसीबुधी भ्रष्टकरदीहेःक्युंकिःरावण राक्षसबीद्याका पापक राताथाःसोसंसारकेलोग उसकीहीसोभा-ओर-बीखांनकरतेथे सोरावणनेःदुनीयां के-नांमसे-बेदवगेराकी!कीतावेंचलाईथी उनकीतलाशकीःओरःचोरासीलाखकुंन्डी यां!ओर,डाढमे जमीनरखनेका ओर,सुरज,चंन्द्रमाको मुहमेलेलेनेकी ओर'ऋषि श्वरोंके परचोंकीतलाशकी ओर,अलावाईसके,शराबकेदुधहोनेकी ओर;गोशतका गुडहोनेके!ओर!मरेहुयेके जींन्दाहोनेकी अनेकतरहकी-कीतावें-ओर परचाहोने. की-राजा बादशाहोंने-तलाशकी परंन्तु!यह सलाहःराजा बादशाहोंको,सनीश्वने बताईःकिजोःकच्चीउमरमे कीसीकोमारदेवें तोअतीत-फकीर-कीसी मरेहुयेकेउपर हाथफेरें ओर वोह;जींन्दाहोजावे;तोफीर?अतीत फकीरके!परचे२पुकारतेहें!ओर करामात-सोयहतो-आदमीयोंकीभुलहे नाकि यहतो-कुछभीनहीकरते ओर?करने वालेतो दुसरेहें क्युंकिजब,चोरासीलाख,कुंन्डीयोंकेउपर'पाप जीसकेनांमकाकरा तेहें-वोह-बीमारहोजाताहे ओर जीयादापापकरातेहें,तोकच्चीउमरमे,मरजातेहें'ओर जोपापको छोडादेतेहें तोफीरःजींन्दाहोजाताहेःओर जोउनकेनांमका!पापनहीछो डतेःतोफकीरचाहेःफीरलाखोंहीदफे उसबीमारकेउपर हाथफेरें!तोकभी;हरगीज-जींन्दानहीहोता जबआदमी पुरीउमरपाके,मरताहे,वोह परमेश्वकी कुदरतहेःओर जबकि-राक्षसीपापसे-बीमारहोताहे तोनहीअच्छाहोताहे चाहेफकीर-साधु-कीतना

हीहाथ उसकेउपर क्युंनाफेरें,सोयह,बात दुनीयांमेभीकहतेहें:किमराहुवा;कीसीसे भी-जींन्दा-नहीहोताहे सोयहतो जबसे!बेईमांनलोग!राक्षसबीद्याका पापचलातेहें जब कच्चीउमरमेमरतेहें.ओर.जोऐकदीनभी कमहोवे आर-बुढाहोवे-तोउसको?दुनीयांभुलानेकेवास्ते उसकेनांमका पापछोडदेवें!जबयह--कहनेलगतेहें किऐकदीन मालीककेघरका कमतीहे ईससेनहीमरा-ओर-जोजवांनोंको याकच्चीउमरके लोग बच्चोंकोमारदेवें:ओर:फीरउनकेउपर कोईसाधु फकीरहाथफेरें?तोजीसके?नांमका, पापछोडदेवें तोवोह जींन्दाहोजावे,ओर,जीसकेनांमका पापनहीछोडें;वोह;जींन्दा नहीहोवे:तोसाधुको:करामातीजांनतेहें ओर फीर?उसकी?तारीफकरतेहें किफलां नासाधुके हाथफेरनेसे जींन्दाहोगया-ओर-यह खयालनहीकरतेहें कियहपापहे--क्युंकिजोपापको;छोडदेवेंहें:जबतो जींन्दाहोजातेहें ओर'पापकोनहीछोडे'तोजींन्दा नहीहोवे चाहेसाधु कीतनाही.हाथक्युंनाफेरें.हरगीज जींन्दानहीहोवे जब--साधु फकीर,यह,कहनेकोलगजातेहें किहमने भगती-अच्छीतरहसेनहीकी-ईससे;हमारेहाथके फेरनेसे यह'शखस'जींन्दानहीहुवाहे अगरचे अच्छीतरहसे:भगतीकीहोती--तोहमारेहाथफेरनेसे जरुरजीन्दाहोजाते क्युंकिजीसने भगतीकीथी उनकेहाथफेरनेस'केसाजीन्दाहोगया सोजीसके:हाथफेरनेसे:वोह बीमारअच्छाहोजाताहे'तोवोह हाथफेरनेवाले यहजांनतेहें किमेरेबराबर!कोईजोगीनही!क्युंकिमेरेकहनेसे मरेहुये जीन्दाहोजातेहें!ओर!यह खयालनहीकरतेहें कियहपापहे;किकच्चीउमरमे;मरजातेहें ओर जोकिपुरी उमरपाकेमरताहे,तोवोह,जीन्दानहीहोताहे ओर जोकच्चीउमरमेमरताहे!वोह!जीन्दाहोजाताहे ओर जोकच्चीउमरमेमराहे-कीसीने-राक्षसबीद्याकेपापसे मारके ओर,हमारी,सीधाईबढाके हमारेमरानेकेवास्ते तोकीसीने;राक्षसीपा;प-नहीचलायाहे-क्युंकि मालीकनेतो सबको:उमरपुरीदीहे:सोऐसा नहीसोचनेदे:तेहें क्युंकिजब दुनीयांकेनांमका!पापकरातेहें!तोदुनीयांकी नजरबंन्दहोजातीहे--व अकलभी खराबहोजातीहे;किजोशराबका:दुधसुझताहे:ओर गोशतका गुडसुझताहे-ओर-पांनीका घीसुझताहे ओर?ऐसाभीकरके!दीखलादेतेहें किजोपांनीहोवे;तो उसको घीकरकेदीखलादेवें ओर?मीसरीका?नीमककरके दीखलादेतेहें ईसीतरहेसे-अनेकपरचे-दुनीयांकोकरके दीखलादेतेहें ओर!उसीतरहे?साधुओंकोभी दीखलादेतेहें जीससे मालीककोही,भुलजातेहें,ओर सनीश्वने ऐसे२परचेवगेरासे:सब राजा,बादशाहोंको,वाकीफकीया किऋषिश्वरोंको ओर:साधु:फकीरोंकोतो कुछ-

दोशनही क्युंकिसब संसारकी-बुधी-केदकीहुइहे ईसीतरहसे ऋषिश्वरोंकी;बुधीके दकीहुइहे-सोऐसा-हालदेखकरके राजा बादशाहःओरःसाधु फकीरवगेरा अपने अपनेदीलमे बहोतघबराये ओर,दीलमेडरे,ओर जीसकेघरमे राक्षसबीद्याकीःकी तावेंथी,वोहभी,बहोतडरे ओर कहनेलगेःकिरावणने—बडाजुलमकीयाहे किऐसे२ जुलमकी कीतावें हमारेबच्चे;मरानेकेवास्ते;हमारी बुधीफेरके,ओर,भ्रष्टकरकेदेदीहें सोईसबातकी'तलाश'अगर दुसरीवलायतके राजा,बादशाहकरते;ओरःहमारेघरमे ऐसी२कीतावेंदेखते तोयहकहते कियह,राक्षसबीद्याका,पाप हिंन्दुस्तांनके राजा-बादशाहःओरःरैयतवगेरा करातेहें जबईनके-घरमे?ऐसी२कीतावें राक्षसीबेदकीहें जब संसारने ओर,राजा,बादशाहोंने दुसरीवलायतके राजाःबादवाहोंको?खबर दी-किरावणने-सब संसारके गारतकरनेकेलीये.यह.राक्षसीपापचलायाहे सोसब राजा बादशाहोंने,शांमीलहोकर,रावणके राक्षसीपापको फोरनछोडाया———— जब-दुनीयांकी-ओलादबचीहे ओर ईसीडरकीवजहसे'राक्षसीबेदकी'कीतावेंवगेरा पांनीमेगलादीथी क्युंकियह राक्षसीजाल,चलायाहुवातो,रावण वगेराकाथा,ओर हमारेघरोंमे,यहकीतावें,हमारे बच्चेमरानेकेवास्तेदेदीहे ओर-आपअलाहदाके—अला हदारहा ईससबबसे उनकीतावोंका,गलादेना,ओर पांनीमेडबोदेना दुनीयामेकह तेहें-किरांमचंन्द्रजी-वगेरा ओर तमांमसंसारने.राक्षसबीद्याका.बेदडबोदीयाथा?उ सीतरहसे ईनबनीयोंने,राक्षसबीद्याका पापचलायाहे सोमीटाओगे,जबदुनीयांकी ओलादबचेगी!क्युंकिईन?बनीयोंने रावणसे जीयादा-पापचलायाहे-जीससेसंसार कीःबुधी भ्रष्टकरदीहे ओर-रावणनेतोःथोडासाही राक्षसबीद्याका;पापचलायाथा जीससेसंसारकी;थोडीबुधी;भ्रष्टहुईथी परंन्तु ईसहालसे-सनीश्चने-सबकोवाकीफ, कीया जब सबलोग.फोरनसमझगये,परंन्तु,ईनमहाजन बेईमांनोंने ऐसापापचला याहे-किजेसेकोई?शखस शराबकोपीकरके मस्तहोजाताहे?किअच्छी?बुरीबातको— बेहोशीसे नहीसमझताहे-ईसीतरहसे-संसारकेलोग-मेरेसमझानेसे नहीसमझतेहें;क्युं किईन,बनीयोंने.सबकीअकलको अपने राक्षीपापसे-ऐसीखराबकरदीहे-किसमझा येसेभी नहीसमझतेहें परंन्तु;यहकांम;मेनेतोसब राजा बादशाह'ओर'साधु—फकी रके-बच्चेबचनेकेसबबसे-अपनेउपर तकलीफउठाके ईनकेपापोंको?जाहीरकरना.श रुकीयाहे ओर कीसीकी,बुधीतो,ऐसीकरदीहे ओर वोह-यहकहताहे,किहमतोजा दुको-समझतेहीनहीहे-सोयह बात ईसवास्तेकहतेहें,किईन;बनीयोंने बुधीलोगोंकी

पापसे खराबकरदीहे; ओर,में,बहोतकुछ समझाताहूं किराक्षसबीद्या-ओर-काफीर बीद्याःओरःजादुचाला ओर कलुकाल.यहतो.ईनबनीयोंने नांमरखदीयेहें असल मेतो यहसंसारके नांमका!पापकरातेहें!जबपाप जमीनको ओर;सुरजको,ओरःचं न्द्रमाको.ओर.महको लगजाताहे तोआदमीकीतो-कोनचलाइहे-ओर में बहोतसम झाताहूं कियह पापकरातेहें!परंन्तु!फीरभी कोईनहीसमझताहे सोतो!आयेबरस— काल!ओर!ग्रहनपडनेका ओर रोगचालाःओरःमरीपडनेका;टीपनोंमेसुनातेहें;जब रावण हरनाकुशके'वक्तमेतोःससंारकेःलोगकहतेहें;किपापलगजाताथा ओर;मेहको ओर-मोतको-सहारेकीथी तोउसीतरहपर खयालकरो,किअबभी,पापलगजाताहे— ओर रावणवगेराका पापतो,ईसकदरनहीथा,किजेसाईन बनीयोंका;पापहे;जब'रा वणवगेराका!पापकरायाहुवा!लगजाताथा तोईसीतरहपर ईन'बनीयोंका'पापक्युं, नहीलगेगा ओर,में,ईसजालमेकेदहूं-जीससेईस-जालकाहाल मेरीआंखोंसे मुझको सब,नजरआताहे,कियह बनीये जीसकेनांमका;पापकरातेहें;उसीकोलगजाताहे,सो में-अपनेप्रीतीहुई बात सारीईसकीताबमे'लीखताहूं'ओर में सबसंसारकी ओलाद उभरनेकेवास्ते,हजारों,रुपीया खरचकरताहूं ओर-दुखपाके-संसारको,बाकीफकर ताहूं,जबभी,संसार नहीसमझताहे किजोऐकदीलहोकर'ईनहोंके'पापकोछोडावें तो सबकेबच्चोंको आरांममीले परंन्तु-ईन?बनीयोंनेतो सबकीअकल खराबकरदीहे— किजबकोई,शखस,हमारेजालको जहांनकेलोगोंको समझावेगा;तोसंसारकेलोग,न हीसमझेंगे तोहमाराजाल बदस्तुर?चलतारहेगा?किजेसाअब चलरहाहे ईसीतरह से-चलतारहेगा-क्युंकिपापको समझानेवाला समझाते२ही;मरजावेगा;तोफीर'हमा रापाप अच्छीतरहसेचलेगा परंन्तु,मुझकोऐसी,चाहनालगीहुइहे किजीसतरहसे;मैं नेईन.बनीयोंके.राक्षसीपापको पकडाहे उसीतरहसे-ईनकापापछुटजावे?तोसब?सं सारकी ओलादबचजावे ओर;यह;राक्षसीपाप बनीयोंका चलायाहुवाहे-सोमेरे. जीतेजी छुटगया जबतोछुटजावेगाःक्युंकिईनःबनीयोंका गीरोह बहोतहे;ओर;दी न२जीयादाःहोताजाताहेःसोफीरवोह कीसीसे पकडेनहीजावेंगे-ओर-नाफीर.तुम को'ईनकी खबरलगेगी तोफीर;कीसतरहसे;ईनके पापकोछोडाओगे;ईससेमेरे;ली खनेपर.सब.संसारकेलोगःभरोसाकरके ओरःअतबारकरकेःईनबनीयोंके जालको छोडाओ तोअच्छाहे ओर;जोकिईनका;जालचलरहाहे उसकोदुरस्त ओर;सच्चजां नना-ओर-ईसकेछोडानेमें कोशीस कीसीराजा,बादशाह;ओर संसारकेलोगोंनेना

की!ओर भुलरक्खी तोफीरईनका'जाल'छुटनामुशकीलहे क्युंकिफीर तुमजोजा, लको-छोडानाचाहोगे-तोफीरतुमसे हरगीज२नहीछुटेगा ईससेतुम.सब.संसारके-लोग ऐकदीलहोकर ईनबनीयोंके-जालको-मेरीजींन्दुगीही जींन्दगीमेछोडाओगे जबईनका;जालछुटेगा;ओर मुझको ईनकेजालकी'ईसतरहसेखबरपडीहे'किईनबनी योंने मुझकोअपने राक्षसीपापसे!तकलीफदीहे!किजोमुझको ईनकेजालसे जींन्दा रहनेकीभी-उम्मेदनहीथी-परंन्तु मेंनेअपने उपरगीरतेही:जालके:ईनबनीयोंका.जा ल-संसारमे-जाहीरकरना शरुकीया ओर,यहकहा,किईनबनीयोंने मुझको अपने; राक्षसीपापसे कलपायाहे ओर'कलपातेहें'जीससे साबीतहोताहे;कियहबनीये;मुझ को-अपने-राक्षसीपापसे मारदेंगे परंन्तु,ईनबनीयोंने;अपने राक्षसीपापसे मुझको मारातो ईससेनहीहे किहमने:राक्षसीपापसे:मारदीया तोसंसार'यहजांनेगा'कियह बनीये,जादुकेजोरसे;हमकोभीमारदेंगे तोहमाराजाल मालुमहोजावेगा;ईससेमुझको नहीमारा परंन्तु ईनबनीयोंका;पाप;संसारके गारतकरनेकेलीये हदसेजीयादा:च लरहाहे!ईससेमेंने!संसारको बनीयोंकेजालसे वाकीफकरना.वाजीबसमझा,किजब में:संसारको वाकीफकरूंगा तोसंसारकेलोग-ईनबनीयोंके-जालसे वाकीफहोकर, जरुर;ईन,बनीयोंकेपापको अपनी ओलाद,सलांमतरहनेकी,खातीरछोडावेंगे'चुना चे,वाकीफकरनेके सबबसे:ईनबनीयोंने मुझको!अपनेपापसे दुखीकरकेछोडदीया ओर मारानही परंन्तु:यहबनीये,संसारकेनांमसे कीसीटापुकेउपर गुपतीपापकरा रहेहें!सोईनबनीयोंने!ईस राक्षसबीद्याके पापसे;ऐसादुखदेरक्खाहे;किजबांनसेभी. अदानहीकीयाजाता वोहबनीयोंके घरकाचलायाहुवाहे किजीसतरहसे रावणने, राक्षसबीद्याका पापचलायाथा उसीतरहसे-बनीयोंनेभी;राक्षसबीद्याका पापचला याहे-जीससेसबकी:अकल भ्रष्टहोरहीहे किसमझानेसेभी;नहीसमझतेहें;क्युंकिमाली कनेतो सबकोउमर पुरीदीहे,परंन्तु,यहजोकच्ची उमरमेमरतेहें सोयह;गुपतीपापसे मरजातेहें सोईसकच्ची उमरकेमोतका:खयालकरके.संसारकेलोगोंको बनीयोंकेजा लसे!वाकीफकरना!जरुरबातसमझा किजोमेरेजीतेजी ईनसोदागरांनका;जालछुट; गया जबतोछुटजावेगा जबसंसारकेबच्चे,बचजावेंगे,नहीतो बनीयोंकीचोरी;कीसी पर;जाहीरनहीहोगी;क्युंकियह सोदागरलोग सबसेमीलजातेहें'ओर'मीलकेसबकी अकलको भ्रष्टकरदेतेहें जीससेफीर—संसारकेलोगोंको-ऐसासुझताहे किजोबनीये: कहतेहें!वोह!सचसमझतेहें अबमेरालीखनाहे किजीसतरहसे:सनीश्चने:रावणके;जा

लसे संसारको ओर:राजा:बादशाहको वाकीफकीया जब,राजा;बादशाहने'ऐक दीलहोकर,रावणके,राक्षसीपापको छोडाया उसीतरहसेअब,में,संसारके राजा;बादशाह ओर रैयतको-बनीयोंकेजालसे?वाकीफकरताहूं ओर ईनबनीयोंका?जाल पकडकर;सलाहबताताहूं,सोसब संसारके लोगमीलके.ईन.सोदागरांनके-जालको छोडाओ ताकितुम्हारेबच्चे ईनबनीयोंके-राक्षसीपापसे-बचजावें ओर संसारमे'पीछा-सतजगहोजावे-ओर कुलचीजें संसारमे,सतजगकीतरहसे,होनेलगें किजेसे;पहलेजमांनेमेहोतीथी उसीतरहसे अबभीहोनेलगे.सोजबकि?सतजगहोगा तोचांदी सोनेकीखांनेभी.प्रघटहोजावेंगी,ओर जबकिआदमी बीमारहोताहे-ओर-दुबलाहोजाताहे तोउसकासरीर कमजोरीकेसबबसे दुबलाहोजाताहे ओर चरबीनहीरह;तीहे,क्युंकि.दुखकीवजहसे गलजातीहे परंन्तु-जबवोह-बीमारआदमी अच्छाहोजाताहे तोफीरवोह अच्छाहोनेकीवजहसे;दीन२ताजा;होताजाताहे ओर जीसतरहसे कि-उसकेसरीरमे-ताकतआजातीहे उसीतरहसे चरबीभी.बढतीजातीहे.ईससे-यह बात समझनेकेलायकहे क्युंकि,जीसतरहसे,अपनेसरीरमे कुलचीजेंहें ओर;वोह;बढतीजातीहें-उसीतरहसे-जमीनमाताके सरीरमेभी गोस्त.खुन.हड्डी.ओर चरबीवगेराहें जीसकीपहचांन ईसतरहसेहे:किजोपहाडहें:वोह जमीनमाताके सरीरके'हाडहें!ओर!जोकि मीट्टीहे वोह,जमीनमाताके,सरीरकागोस्तहे ओर जोकि-चांदी. सोनेकीखांनेंहें-वोह-जमीनमाताके सरीरकीचरबीहे ओर'जोकि'हरा पन्नाहे वोह पहाडोंकारुपहे परंन्तु यह;बनीये;राक्षसीपापसे कालपडारहेहें जबसे'जमीनमाता दुखपारहीहे:जीससे:जमीनमाताके सरीरकी चरबीगलगइहे?ओर?ईसकेसरीरकी, रोशनीभी जातीरहीहे सोदेखोभाई-किजीसतरहसे-आदमीकासरीर बीमारीकेसबबसे,कमजोरहोजाताहे,ओर बदसुरत लगनेलगताहे:ईसीतरहसे:जमीनमाताकाभी रंगबदलगयाहे किजोकोईभी नहीपहचांनसक्ताहे ओर जमीनमाताका सरीरतो, मालीकने अपनीकुदरतसे ओर.हीकीसमका.ओर आदमी ओर!जीवाजुनका!सरुप'ओर'तरहकाही बनायाहे ओर:अलावा:ईसके झाड बनासपतीका;सरुप,ओर हीतरहका बनायाहे सोभाइमेरेहो!परमेश्वरने?अपनीकुदरतसे सबके सरुप?न्यारे२ बनायेहें,किजो,जमीनकेउपर मोजुदहें सोतुम;तमांम-जहांनकेलोग ईसबातका-खयाल दीलसेरखना किजीसदीन.तुम.तमांम जहांनकेलोग ऐकदीलहोकर;ईन-बनीयोंके-जालको'छोडाओगे जब जमीनमाताका:सरीर:तेयारहोजावेगा;ओर;पहा

डका जोसरुपहे वोहभी-हीरा-पन्नाकीतरहसे चमकनेलगेगा ओरःहीराःपन्ना'यह पहाडहैं;परंन्तुःजब जमीनमाताकी बीमारीजातीरहेगी,जब,कुलचीजें मेवा'मीष्टांन वगेरा ओर चरबीवगेरा-सतजगकीतरहसे-होनेलगेगी जबयह जांनना,किबनी. योंने!राक्षसीपापछोडाहे नहीतोयह बनीये!अपने!राक्षसीपापसे कुछका कुछसुझा के—भुलादेंगे क्युंकियह,बनीये.कुलपापको नहीछोडेंगे ओरःतुमकोथोडाःराक्षसी पापछोडके,यहसुझादेंगे-किहमने राक्षसीपाप छोडदीयाहे!सोयहबात!तुम'अच्छीत रहसे खयालकरना किजबयह!बनीये!पापकोछोडदेवेंगे जबतोकोईभी कच्चीउमर मे-नहीमरेगा-ओर तुम तमांम'दुनीयांकेलोगोंकी'ऐसी बुधीहोजावेगी किऐक२-कोःचाहनेलगेगाःओर शेर बकरी,शांमीलचरेगी,अंनबोलोंमेभी ऐसा!संमपहोगा ओर कुलचीजें सतजगकीतरहसे!पेदाहोंगी!जब यहजांनना किईन?बनीयोंने—दु नीयांकेनांमका-पापछोडाहे-ओर जोकियह पापकरातेहैं.वोह!अलोपकरातेहैं अग रचे.जाहीरदारीमेकरें जबतो हरकोई,ईनके,पापकोछोडादेवें परंन्तु गुपतीपापकी वजहसे कीसीपर ईनकापापःसाफ२जाहीरःनहीहोताहे किकीसकदर पापकरातेहैं ओर,कहांपरकरातेहैं.ईससेकीसीसेभी ईनकापापकराना नहीछोडायाजाता—परंन्तु ईनबनीयोंनेतो मुझको अपने.राक्षसीपापसेःरुबरुकलपायाहे ईससेईनकी चोरीमा लुमहुई'ओर'जीसकदरपापसे नुकसांनहोरहाहे वोहःमेंःअपनी नजरोंसेदेखरहाहूं, ईससे आपलोगोंको ईसलीखेहुयेपर—गोरफरमाना,मुनासीबहे किमालीककेघरसे तोसबकी-उमर-पुरीदीहुइहे ओर ईसजमांनेमेतो?आदमीकीउमरः[१२५]ःबरस. कीहे सोऐकसो पचीसबरसकी,उमर,मेरीभीहे ओर मेराजनम-चेतःसुदी [१४] संमत;[१९०५];काहे सोईसमीती ओर,संमतसे,लगाकर संमत-[२०३०]-तक मेरी उमरहोनीचाहीये क्युंकियह,कुछ,आदमीकी दीहुईथोडीहीहे यहतो—परमेश्वर की-दीहुइहे-ओर ईसीतरहसे कुल,जहांनकेलोगोंकी,उमर [१२५] बरसकीहे— परंन्तु यहकीसीकोभी पुरीउमर-नहीपानेदेतेहैं,ओर कच्ची उमरमेमारदेतेहैं,सोईस पापकीवजहसे.लाखोंमे.ऐक दोकीही पुरीउमरहोतीहे!सोमुझकोतो—ईसबातका—ग मनहीहे परंन्तु यहबनीये,मुझकोअपने,राक्षसीपापसे कच्चीउमरमे-मारदेंगे-ईसबात पर,अलबत्तागमहे,किजब मुझकोमारदेंगे तोफीर-बनीयोंकी-चोरीको कोन,जाही रकरेगा क्युंकि बनीयोंकेतो,दीलमेयहहे,किईसने हमारा जालपकडाहे;सोईसको मारदेवेंगे-तोहमारे-वास्तेअच्छाहे,क्युंकि हमाराजाल!फीरअच्छीतरह!चलनीकलेगा

ईससेयह बनीये मुझको'अपने'राक्षसीपापसे मारनाचाहतेहैं किहम,बनीयोंका;जी सकदर-जालहे--वोहसब सनीश्चंकीतरहसे ईसकोमालुमहे:अगरचे;ईसकोनहीमारेंगे तोहमाराजाल कीसतरहसेचलेगा क्युंकि;सनीश्चंकीतरहसे यह तमांमजहांनको;ह मारेजालसे,वाकीफकरदेगा,जब संसारकेलोग फोरन-हमारेजालको-छोडादेंगे,तो फीरहम दुनीयांको कीसतरहसे,गारतकरेंगे,ओर क्युंकर उनकाधनःअपनेकाबुमे आवेगा.सोईन,बनीयोंके दीलमेतो राक्षसीपाप-करानेकीरहतीहे-ईससेऐसाही;सुझ ताहे ओर रावणके'वक्तमेतो'रावणने सनीश्चंको कलपायाथा;जब;सनीश्चंनेःभवी क्षणसेकहा-किजोतु-मेरेजीतेजी पापकोछोडादेगा जबतो;तुभी;सलांमतरहजावेगा; ओर मुझकोजादुसे तुमनेमारदीया-तोसंसार-तुम्हारीजांनभी नीकालदेगा तो.रा वणके,साथ,तुमभीमारेजावोगे क्युंकि रावणने!सनीश्चंको!कलपायाथा जब सनी श्चंने भवीक्षणसेकहा किजोमेरे-जीतेजी-तुम ओर तुम्हारा,भाईरावण,पापकोछो-डदेगा-जबतो-तुभीबचजावेगा ओर जोकिमुझको:जादुसेमारदीयाःतोसंसार तेरी भी!रावणकेसाथ जांननीकालदेगा?क्युंकिसंसारको तुम्हारे.राक्षसीपापकी–खबर नहीहे,परंन्तु,मेंने तुम्हाराजाल पहचांनलीयाहे;ओर-पहचांनकरके तुम्हारेजालसे वाकीफकीया सोतुम मेरेसांमने,अपना,राक्षसीपापछोडदो किजीसकदर तुमने,च लायाहेःक्युंकितुमकोःतुम्हारा कुल जालमालुमहे-अगरचे-तुम मेरेसांमने;अपने;पा पको नहीछोडोगे तोदुनीयांको:तुमःआधापापछोडके बतादोगे ओर.बगेरछोडे– यहबात,प्रघटकरदोगे.किहमनेछोडदीया सोतुम्हारेजालको संसारकेलोग-कीसतर हसेजांनेंगे किपापकोछोडाहे किनहींछोडाहे,क्युंकिवोह.तुम्हारे राक्षसीपापको–प हचांनतेनहीं;सोतुम,ईसजालको मेरेसांमनेछोडदो सोसनीश्चंके'कहनेको'समझकरके भवीक्षणनेकहा किमें तुम्हारीजबांनसे,तीरनाचाहताहूं,सोमें अपनेकुळमे राक्षसी; पाप!नहीचलनेदुंगा!क्युंकि भवीक्षणकोतो पापकाछोडनाही मनजुरथा?ईससे–स नीश्चंकेकहनेको मनजुरकरलीया ओर,छोडनेको;तयारहोगया परंन्तु जबकि;ईस हालको,भवीक्षणने.रावणसेकहा तोरावणने सनीश्चंकेसांमने-राक्षसबीद्याके-छोडने मेःईनकारकीया जब सनीश्चंने!तंगकीया!जब रावणने अपने;राक्षसीपापको;बता दीया परंन्तु कुछबताया,ओर,कुछ नहीबताया जब-सनीश्चंने-यहदेखा कियह;पु रापाप,नहीबताताहे.किजीसकदर ईसकापापहे हालांकि'मुझको'रावणका राक्षसी पाप कुलमालुमहे किजीसकदर!यहकरताहे!परंन्तु रावण अपनेपापको,मेरेसे;अ-

लोप रखताहे जीसकीवजहयहहे;किजोकीसीकदर;मेरापाप छांनेरहजावेगा तोमें पीढी,दोपीढीकेबाद;फीरअपना राक्षसीपापचलादुंगा परन्तु-सनीश्चं–बडाअकलमंन्द-ओर समझदारथा किजो,रावणकी;चोरीकोपकडलीयाथा लेकीन रावण'तर हरके;जालकरके;अपनेपापको छुपाताथा मगर-सनीश्चं;रावणकी फरेबी,बातोंको बीलकुल नहीमांनताथा ओर'रावणको'तंगकरताथा चुनाचे रावणने!अपना!राक्षसीपाप,कुलनहीबताया.जब सनीश्चंने भवीक्षणसे-रावणके-पापको दरीयाफत. कीया तोभवीक्षणने रावणका:राक्षसीपाप:कुलबतादीया किजीसकदर रावण!गुपतीपाप:कराताथा:ईससे सनीश्चंकेदीलमे रावणकीतरफसे:शक;पडगया:ईसवजहसे-सनीश्चंने रावणके राक्षसीपापसे!तमांमजहांनको!वाकीफकरदीया किरावणका मुझको,भरोसानहीहे,क्युंकिईसने राक्षसीपाप बीलकुल;नहीबतायाहे;सोअचरज,नही-किऐक दोपीढीकेबाद फीरअपना:राक्षसीपाप:चलादेवे क्युंकियह मेरेसांमने,भी!झुठबोलताहे!तोतुमलोगोंके सांमनेतो कीसतरहसे-सचबोलेगा-ईससे में तमांम जहांनके राजा बादशाह,ओर,रैयतको ईस रावणके;राक्षसीपापसे;वाकीफकरताहूं किजोतुम्हारे:मरजीमेआवे:वोह रावणके जालका-बंन्दोबस्तकरना-ईसबातसे सब जहांनने यह बीचारकीया,किरावणका,राक्षसीपाप सनीश्चंको मालुमहे;सोरावणने-अपना-राक्षसीपाप सनीश्चंकोही नहीबताया!तोहमकोतो!क्युंकर सचरअपना जालबतावेगा ऐसा खयालकरके:तमांमजहांनने:सनीश्चंके कहनेपर यकीनलाकर दीलमे:खयालकीया:किजोअबहम रावणको मअे;ओलादके;नहीमारेंगे जबतक!इसका राक्षसीपाप दफेनहीहोगा,बलके,रावण अपने राक्षसीपापसे'हमारीओलादकोभी-गारतकरदेगा-ईसवजहसे तमांमजहांनने ऐकदीलहोकर!रावणको!मअे–ओलादके जांनसे मारदीया,किरावणके,घरमे चीरागकरनेवालाभी;नहीरहा;यहबात दुनीयांमे:अच्छीतरहसे:मशहुरहे परन्तु अब!सनीश्चंकीतरहसे!ईनबनीयोंने अपने;राक्षसीपापसे कलपायाहे परन्तु,पापतो,वोहकावहीहे किजेसा रावणकराताथा;उसीतरहसे-ईनबनीयोंकाभी-राक्षसीपाप चलरहाहे किजो:दुनीयांकेनांमसे.ओर!जमीनमाताके नांमसेकरारहेहें सोयह;बनीयेअपने;राक्षसीपापसे मुझको ईसतरहसे;सुझातेहें,किहम,तुमको अपने राक्षसीपापसे'मारदेंगे'ईससे मेंभी सनीश्चंकीतरहसे बनीयोंको समझाताहूं किजहांपर-बनीयोंका-मेळाहोताहे ओर सब,पंच,सोदागर लोग:जमेहोतेहें:वहांपर-जा२के समझाताहूं कितुम अपने!राक्षसीपापको!छोडदो;

सोकोईतो सोदागर लोगोंमेसे!यहकहताहे!किजीसनेचलायाहे उसकोमारो ओर कोई.यहकहताहे.किहमकोखबरनही ओर कोई'यहकहताहे'किअभीतो हमारा?रा क्षसीपाप रावणकीतरहसे खुबचलेगाःओरःबंन्दनहीहोगा जीसपर मेंने;बनीयोंसे यहकहा,कितुमलोग;ऐकाकरके रावणकीतरह करतेहो-सोछोडदो-तोभवीक्षणकी-तरहसे तुम महाजनलोगभीःतीरजाओःक्युंकिजाल तुम्हाराहे ऐकशखसे-नहीच लसक्ताहे!यहतो!सब मीलकरचलातेहें जबही.चलताहे.सोतुमछोडदो क्युंकिजी-सकदर तुम्हाराजाल चलरहाहे-वोह-मेंने पकडलीयाहे सोतुमहारेःछुपानेसेःनही छुपताहेःओरःजोकिअब मेरेसांमनेही ईनकारकरतेहो!तोसंसारके!लोगोंको कीस, बास्ते,अपने पापकोबताओगे,क्युंकिजो,मेरेसांमनेही ईनकारकरतेहो किजोमुझको तुमहारा-राक्षसीपाप-कुलमालुमहे परंन्तु ईनहोंकोतोःमालुमनहीहेःसोफीर ईनहों-को?कीसवास्ते बताओगे ओरःतमांमजहांनकोःगारतकरदोगे ओर सबसंसारका धनअपने;कबजेमेकरलोगे;जबमेंने ईनहोंसेकहा किरावणकीभी'नहीचलीथी'तोतुम सोदागरांनकी कबचलेगी ईसवास्ते-तुमअपनी-औलाद बचनेकेवास्ते राक्षसबी; द्याका.पापछोडदो-क्युंकिजीसतरहसे रावणका जाल!सनीर्स्वनेदेखाथा!ओर-रा वणस राक्षसीपाप सनीर्स्वने.अपनी.जींन्दगीमेही छोडायाथा उसीतरहसे;अबतु म-सोदागरलोग?मेरेजीतेजीछोडदो नहीतो रावणकीतरहसे?तुमहारीजांनभी?कुल जहांनकेलोग ऐकदीलहोकर नीकालदेंगे,किजोमेरे,सांमने नहीछोडोगे क्युंकि;रा वणने.सनीर्स्वसे.अपनेपापको छुपायाथा ओरःकुछबतायाथाःओर कुछनहीबताः याथा ईससे सनीर्स्वने,रावणके,पापको,तमांमजहांनमे जाहीरकरदीया किरावण नेःकुलपाप!नहीबतायाहे सोजीसतरहसे तुम्हारे.दीलमेआवे.उसीतरहसे रावणके राक्षसीपापको छोडाना चुनाचे-तमांमजहांनने-सनीर्स्वके कहनेपर यकीनकरके, रावणकी!जांनहीनीकालदी!उसीतरहसेअब मेंभी तुम?सोदागरांनके?पापकोछोडा ना,चाहताहूं क्युंकितुम सोदागरलोग-बडे-बेईमांनहो कितुमःराजाःबादशाहकेसां मने-कसमखा२के-बचजातेहो ओर उनसे,यहकहदेतेहो,किहमने पापकाकरना;छो डदीया ईससेकुछ सखत,सजावगेरा,नहीदेतेहें परंन्तु जहांपीढी;दोपीढीगुजरीं;ओर अपना!पापकरना!शरुकरदीया गर्जकि ईसीतरहसे,चलातेरहतेहो,परंन्तु अब जब तककि कुलपापको नहीछोडोगे-हरगीज२जीता-नहीछोडनेदुंगा ओर संसारके-हाथोंसे,तुम,सोदागरांनको मरवादुंगा क्युंकितुम;ऐसेबदमाशहो;किअपने'पापसे'त

मांमजहांनको गारतकरदेतेहो,ओर,दयानहीकरतेहो,बलकि तुमनेअपने राक्षसीपा पसे.सबकी.बुधी भ्रष्टकरदीहे किजोमें-राजा-बादशाहोंकेपास मीलनेकोजाताहूं— ओर पापसे वाकीफकरताहूं:तोतुमःसोदागरलोग अपने राक्षसीपापसे.राजा.बा दशाहोंके,दीलमे,मुझगरीबको अहमक,सुझातेहो ओर!राजा!बादशाहोंको;समझाने नहीदेतेहो बलके तमांमजहांनकेलोगोंसे-मुझको-गालीयांदीलातेहो ओर रात,दी न-पाप-करातेरहतेहो ओर छोडना;नहीचाहतेहो;ओर जोमें उनसे’नसमझनेकेसब बसे’लडनेको’लगजाऊं ओर नाराजहोकर;समझाऊं;जबवोह समझनेवाले,मुझको मारनेलगजावें सोयह-फीतुर-तुम सोदागरांनके राक्षसीपापकाहीहे;क्युंकितुम—सं सारको,समझनेनहीदेतेहो,ओर सबकीअकल खराबकररहेहो-किजोतुम-सोदागर- लोग हमको अपनेपापसे.बुधीफेरके.लोगोंकेहाथोंसे धक्केदीलवातेहो सोयह—तुम सोदागरांनकी,जालसाजीहे,किसभोंकी अकलको;अपने;राक्षसीपापसे;भ्रष्टकरदीहे ईससे संसारकेलोगोंको ऐसाहीसुझताहे?सोऐ!संसारकेलोगो तुमअपने दीलसे;इ नके-राक्षसीपापको-समझो किकीसकदर जाल,ईन;बनीयोंका चलरहाहे’किजीस जालसे तुमकोअच्छे बुरेहालकीःखबरनहीपडतीहे:किजोबुरा कांमकरतेहो उसको ही-अच्छासमझतेहो-ओर अच्छेकांमको बुरासमझतेहो,सोयह,राक्षसीपाप बनीयों; का,चलायाहुवाहे’सोजबतककि तुम;ईन;बनीयोंके-जालको नहीसमझोगे;ओर;नही छोडाओगे-जबतक-यहबनीये ईसीतरहसे चलायेजावेंगे.किजीसजगह,मेंने लोगों को.समझाया तोवहींपर ईनबनीयोंने,उनकी,बुधीफेरके मेरेको धक्केलगवाये-ले कीन-जबतककि-वोहलोग पापकीवजहसे भुलेहुयेथे.ओर.समझतेनहीथे बलके;उ नहोंको धक्केदेनेकाही सुझातेथे,ईससेमुझको,धक्केदीये परंन्तु जबवोहलोग;ईनबनी योंके’पापकोसमझे’तोवोहलोगही मुझको अपनागरु-समझनेलगे-सोऐ संसारकेलो गो-मेंतो कीसीकागरुहूं नाचेलाहूं,ओर.नाकीसीको अपना चेलाकरताहूं—किजो ईन-बनीयोंने-रावणकीतरहसे सबकीअकल खराबकरदीहे,किजोअपनी,चोरीको; संसारपर जाहीर नहीहोनेदेतेहें?सोसंसारमे?ईनकीचोरी बगेरबतायेके कीसतरह मालुमहोसक्तीहे-क्युंकियह-बनीये गुपतीपापकरारहेहें कुछजाहीर,थोडाहीकरातेहें किजोदुनीयांको मालुमहोजावेगा-क्युंकिजीसने-राक्षसबीद्याकी चोरीपकडीहे?ओर संसारमे,जाहीरकीहे;वोह जीवदांन देनेवालेकेबराबरहे-सोईसबाको-बेद शास्त्रमेभी कहतहें ओर लीखतेभीहें-परंन्तु-मेंतो दुनीयांकेबच्चे मरतेहुयेदेखताहूं—ईससेउनके

जींन्दारहनेकेवास्ते बनीयोंकेपापको?परमेश्वकेलेखे?जाहीरकरताहूं किदुनीयां–इस जालसे-वाकीफहोकर-ईनबनीयोंके पापको अपनेबच्चेःजींन्दा.रहनेकीगर्जसे ओर कमउमरमे नामरनेकीवजहसे तमांम,जहांनकेलोगोंको,वाकीफकरताहूं परंन्तु.नही समझतेहैं'सोयहबात'खयालकरनेके काबीलहे कितमांमजहांनके.बच्चेबचनेकेसबबसे ईनबनीयोंके जालसे वाकीफकरताहूं;हालांकि;मेरेबदनमे ईसकदरताकतनहीहे;कि समझाऊं;ओर;धकेखाऊं'परंन्तु तमांमजहांनके बच्चेबचनेकेगर्जसे;धकेखाताहूं-ओर समझाताफीरताहूं .मगर बाजेशखस,ऐसेमीलजातेहैं,किधकेदेतेहैं ओर,समझतेनही हैं-सोयह-बुधीभ्रष्ट होनेकासबबहे लेकीन,जीसवक्तमेरेपर,ऐसानाजुक वक्त गुजर ताहे उसवक्त गमखाजाताहूं!हालांकि!बनीयोंकेजालको लीखानेमें बदनकेअंन्दर कांपनीछुटजातीहे-किजोमारे कमजोरीके बदनसे;पसीनानीकलताहे;परंन्तु संसार के.बच्चे;तीरनेकेवास्ते अपनेउपर ऐसीतकलीफःवाजबीजांनकरःईनबनीयोंके पाप को-तमांमखलकतमे-समझाताफीरताहूं किसब संसारमीलके!ओर!ऐकदीलहोकरः बनीयोंके जालकोछोडाओ जबईनका?जालदफेहोगा?ओर जीसकदर किईन–ब नीयोंने,मुझको,अपने राक्षसीपापसे दुखीकीयाहेःसोईतनातोःसनीर्स्वकोभी,रावण ने-दुखीनहीकीयाथा क्युंकि सनीर्श्वने,रावणके,राक्षसीपापको पकडाथा ओर.प कडकर;सनीर्श्वने;रावणके राक्षसीपापसे तमांमजहांनकोःवाकीफकीयाःओर सनी र्श्वने रावणके भाई,भवीक्षणको,राक्षसीपापके बारेमेकहा कितेरेभाई!रावणने!दुनी यांकेनांमसे-ओर-जमीनकेनांमसे राक्षसीपापकरायाहे जीसकीमुझकोःअच्छीतरहसे खबरहे ओर मैंने-रावणकी-चोरीपकडीहे सोसंसारकेबचे बचनेकेलीये?संसारके हाथोंसेही!रावणके!राक्षसीपापको छोडाऊंगा चुनाचे-ईसबातकेसुननेसे–भवीक्षण अपनेदीलमे नीहायत दरजेडराःओर;अपनाःकुळ बचनेकेवास्ते अपनेभाई'रावण का.राक्षसीपापकोबताया.किरावणने जीसकदर पाप?दुनीयांकेनांमसे?चलायाथा क्युंकि सनीर्श्वको भगतीकेसबबसे-रावणका-कुल जालमालुमहोगया ईससे,सनी र्श्वने-ईसके-बचानेकेबारेमे नीहायतकोशीसकी ओर,कोशीसकरके,छोडादीयाःमग र?ईनबनीयोंने अबफीर राक्षसीपाप,चलादीया,सोईनका पापचलरहाहे जीसकी खबरअबतकःसंसारकोःबीलकुलनहीहे परंन्तु बनीयोंने!अबमुझको!अपने राक्षसी पापसे दुखीकीयाहे किजीसतरहसेःरावणनेःअपने राक्षसीपापसे सनीर्श्वको;कल पायाथा-उसीतरहसेईन,बनीयोंने मुझकोदुखीकीयाहे परंन्तु!जीसतरहसे!सनीर्श्वने

भवीक्षणसे रावणका राक्षसीपाप-दरीयाफतकीयाथा-ओर भवीक्षणसे;यहकहाथा किजो,रावणका.राक्षसीपाप तु मुझकोबतादेगाःतोतेरीःओलादभी सलांमतरहजा वेगी चुनाचे भवीक्षणने!अपनीओलाद!सलांमतरहनेकेसबबसे रावणका राक्षसी पाप-बतादीया-गर्जकि ईसीतरहसे मेंभी,ईनबनीयोंसे दरीयाफतकरताहूं;ओर;यह कहरहाहूं किसनीश्वकीतरहसे मुझको-तुमबनीयोंका-राक्षसीपाप मालुमहे सोतुम, सोदागरलोग!मुझको!अपना राक्षसीपापबतादो तोतुमभी-भवीक्षणकीतरहसे!तीर जाओगे ओर अपनीओलादकोःसलांमतरक्खोगेःपरंन्तु यहबनीये बडेजालसाज ओर,बदमाशहें,ईससेअपनी चोरीको जारीरनहीहोनेदेतेहें:ओरःरात दीन पापक रारहेहें जीसकाहाल चंन्दजगह!कीताबोंमे!लीखाहुवाहे ओर मेंभी,ईनबनीयोंके, जालको-ईस-कीताबमे जगह२वास्ते वकफीयत!आंम!लोगोंकेलीखचुकाहूं किज; हांपर गुपतीपाप दुनीयांकेनांमका?करारहेहें-ईससेअब मेरीअर्ज यहहे?किअबतुम संसारकेलोग,ऐकदीलहोकर,ईनबनीयोंके राक्षसीपापको छोडाओ—जीससे-संसर की ओलादबचे सोईनकाजालःमेरेःजीतेजीछोडाओगे जबतो छुटजावेगा—वरना फीर-नहीछुटेगा-क्युंकियह रावणकीतरहसे राक्षसीपाप,अलोपकरारहेहें,ओरःदरी याफतकरतेहें तोनहीबतातेहें परंन्तु,ईनबनीयोंकाजाल,जबहीदफेहोगा किजीसत; रहसे-तमांमजहांनने-ऐकदीलहोकर रावणका राक्षसीपाप!छोडायाथा!उसीतरहसे बनीयोंकापापभी सब जहांनकेलोग'ऐकदीलहोके'छोडावेंगे तोछुटजावेगा-क्युंकि ईनबनीयोंनेःसबकीबुधी;ऐसीखराबकरदीहे किजोमें समझाताहूं?तोनहीसमझतेहें— ओर हंसनेलगतेहें सोयह-नासमझनेकासबबहे-ओर जबसमझेंगे फीरकभी;नहीहं सेंगे!ओर!नामेरी कहीहुईबातको मशखरीःमजाखसमझेंगेःसोयहबात काबील-ख यालकरनेकेहे.किजोमें.समझताहूं लेकीन तमांमजहांनकेलोग.अकल,फीरनेकेसब बसे ऐसाकहनेलगतेहें किःबाबाःगेलाहोगयाहे ओर कोईयह;कहताहेःकिवहम;हो गयाहे ईससेईधर उधर.बकताफीरताहे,ओर कोईयह कहताहे'किबाबाका'माल. असबाबःओर.जमीन जायदादको कीसी-बनीयेनेलेलीहे,जीससेईनहोंको बदनांम करताहे सोभाईमेरे मेरातोःकीसीबनीयेनेःमाल असबाबवगेरा नहीलीयाहे;परंन्तु तुम्हारीअकल,ईनबनीयोंने,अपने राक्षसीपापसे नासमझनेकेलीये-फेरदीहे,जीससे तुमलोग अपनेसुहसे मुझगरीबकोःऐसी२सखतःबातेंकहतेहो लेकीन जोकि'राक्ष, सीपापको,जहांनमे,प्रघटकरताहे वोह अच्छासमझाजाताहे-ओर-पहले जीन सख

सोंने राक्षसीपापको संसारमे.जाहीरकीयाहे.ओर.दफेकरायाहे वोहभी अच्छेसम झेगयेहैं,सोभाईमेरेहो;परमेश्वकी जोरचनाहे सोसब;संसारकेलोग;ओतारहीहें'मगर अपनी२भगतीकाफल अलाहदा२हे क्युंकिजो भगतीकरताहे उसकीभलाई दुनी यांमेरहतीहे'ओर'जोबुराईकरताहे उसकीबुराईरहतीहे सोमेंतो;संसारमे;कोईबुराकां म-नहीकरताहूं बलके तमांमजहांनके,बच्चेवचनेकेलीये.अपनेसरपे बोझउठाकर—भ लाईकरताहूं-ताकेसब-संसारको सुखप्राप्तहोवे तोउमदाहे.ईससे.में बनीयोंकी चो; रीको जोगुपतीपाप दुनीयांके.नांमकाकरारहेहें.उसको आपलोगोंकेदीलमे प्रघट-करहाहूं,किईन,बनीयोंकाजाल दफेहोजावे तोकेसीउमदाबातहे;परंन्तु;जेसी२बात तमांमजहांनकेलोग मुझसेकहतेहें वोह,मेंहीजांनताहूं,बलके;ईसही वरककेउपर'लीख चुकाहूं'सोबनीये'राक्षसीपापसे ऐसी२बातें सखतकहलातेहें;तोउसकेसुननेसे;मेरेदी लमे केसीबुरीआतीहे परंन्तु,कुछभीकीसीसे,नहीकहताहूं बलके खुशआंमदकरके; ओर-बनीयोंकेजालको-देख२के समझाताहूं तोभीतमांम'दुनीयां'खयालनहीकरती हे?सोऐभाईयो यह खयालकरनेकी-बातहे-ईससेतुमको बार२समझाके हीदायत. करताहूं,किमहरबांनीकरके,ओर मेरीआजजीपर खयालफरमाके'ईसकांमकोभीसम झो-ओर-खयालकरो क्युंकि में,सर्फ;तुम्हारेबच्चे बचनेकेवास्ते ईनबनीयोंके;जाल कोःसमझाताहूं ओर,तुमलोग,पागल ओर सीरडीकहतेहो!सोमेरेदीलमे!केसीबुरी आतीहे किसरफोडके मरजाऊं,परंन्तु,ईसखयालसे ऐसानहीकीयाजाता किजो, मेंही-ईनबनीयोंके-जालसे वाकीफनहीकरूंगा तोफीर.कोनकरेगा.क्युंकिईन बनी योंने मुझको अपनेजालसेःकलपायाहेःईससे में बनीयोंकी चोरी जाहीरकरताहूं, ओर!ईसीवजहसे,में अपनेउपर यहकांमउठाकेःईनबनीयोंकेःजालसे वाकीफकरता हूं'ओर कीसीकेबुरे भलेकहनेको!खयालमे!नहीलाताहुं ओर जगह२जाके;समझा ता-फीरताहुं-सोसच२जांनना ओर सब.संसारकेलोग.ईनसोदागरांनके पापको. छोडानेकी कोशीसकरो क्युंकि;रावण,ओर हरनकुश ओर;कंस;कारूनवगेराने— पहलेभीःराक्षसबीद्याकाःपापचलायाःथा ओर अपनेदीलमे!यहबीचारकीयाथा!कि चारोंकूंटमे अपना राजकरूं,जबमेरी,मरदांनगीहे परंन्तु उनके,राक्षसीपापकी;चो री-सबःसंसारमे-प्रघटहोगई ईससेकुल संसारने!उनकेपापका!बंन्दोबस्तकरके छो डादीयाथा परंन्तु रावणकीतरहसे-ईन-बनीयोंनेभी राक्षसबीद्याका पापचलायाहे सोचारकूंटमेःराजकरनेकेवास्तेःओर दीलमे यहभी,बीचाराहे,किहमबनीये तमांम;

जहांनमेःअपनाःराजकरें ईससे में आपक्रोबार२ईन बनीयोंकेजालसे वाकीफकर ताहुं कियहबनीये लोभही-लोभमें-तमांमजहांनको गारतकरदेंगे परंन्तु,यह,महा, जनलोग.अलाहदाके.अलाहदा रहजावेंगे सोसबःसंसारकोःआपुसमेलडाके मार देवेंगे ईससेतमांम जहांनकेलोग!जलदी!ऐकदीलहोजाओ जीसमे तमांमजहांनके, लीये'बहतरहे'नहीतो तमांमजहांनकी ओलादःरहनेकीनहीहे;ओर अपने;हिंन्दुस्तां नमेतो सरपंच तुमअंग्रेजहीहो-ईससे-में साथ [अनोपदास] हाथजोडके-अर्जकर, ताहुंःकिईन;सोदागर महाजनांनकेजालकी पहचांनकरो;ओर;ईनकेजालको छोडा नेका चंन्दोबस्त जलदकरो-ओर-यहभी समझनेकीबातहे किईनःबनीयोंकेजालकी कीसीजातमे;खबरनहीहे;कियह बनीये हमकोजालसे-मारतेहें-तोभीहिंन्दु मुसलमां न;ईनबनीयोंका कीसकदर दीलरखतेहेंःकिजेसेबच्चेःअपने मा बापका;दीलरखतेहें ओर मा बाप,बच्चोंका,दीलरखतेहें उसीतरहसे हिंन्दु-मुसलमांन-ईनबनीयोंका.दी लरखतेहें सोदुनीयांमे सबहीजांनतेहें'ओर'कहतेहें'किबनीये माई बापहें--क्युंकि. बादशाहोंने-ईन-सोदागरांनको ऐसीपदवींदीहे किपहले?साह?ओर पीछेबादशाह सोयहबात काबील खयालकरनेकेहे,कियह;सोदागर महाजनांन कीरोडहातरहके जाल जाहीरकरतेहें तोभीराजा,बादशाह,ओर रैयत ईन.सोदागरांनकोही.सच्चा जांनतेहें'किजीससे'साहकी पदवीं ईन-सोदागरांनको-बक्षरक्खीहे किजोआगे,बा पका नांमआताहे;ओर;बादमे;बेटेका परंन्तु ईसकी'असलीवजह'यहहे किबादशा-होंको-ईसबातकी-बीलकुल खबरनहीहे कियह,महाजनलोग,मीलकेदगाकरतेहें--व लके वोहतो ऐसाजांनतेहें-कियह-बनीये-बडेसतीहें ओर नेकहें,जीससेईन,महाज नांनको;साहकी,पदवींदेरक्खीहे किजोपहलेईन सोदागरांनका-नांमआताहे-ओर-उसकेबाद बादशाहका नांमआताहे,सोयहबात.काबीलगोरकरनेकेहे किराजा?बा दशाह'ईन'सोदागरांनका ईसतरहसेतो लाडरखतेहें ओर कहतेहें;किजहां;सोदागर महाजनांननही वहांराजनही सोऐ,तमांमजहांनके;राजा बादशाह ओर;रैयत;अप ने२दीलमे,साथगोरके,खयालकरकेदेखो किईन महाजनांनके,ऐसे२तोभरोसे,ओर ऐतबारकरतेहें तोभीसोदागर महाजनांन-अपनेफरेब?ओर बदमाशीसे बाजनही आतेहें.ओर,रावणकीतरहसे दरीयावेंकेपार कीसीटापुकेउपर,यह,सोदागरमहाज नांन गुपतीपापकररहेहें जीससे-संसारमे,बीमारीयां;साल बसालहोनी,शरुहोजा तीहें.ओर ईन.नाकीस बीमारीयोंसे कीरोडहा-आदमीयोंको--मारदेतेहें जीसकी

तारीफ तमांमजहांनकेलोग अपनी२जबांनसे अदाकरतेहें कियह,परमेश्वकी,कुदर तहे-ओर-सीवायेपरमातमाके कोनऐसा करसक्ताहे.सोभाइमेरे.हिंन्दु मुसलमांन-अंग्रेजवगेरा यहबात काबीलसोचने.ओर.खयालकरनेकेहे किजीसतरहसे राजा रावणने,ओर,हरनाकुश राजाने ओर-कंस-राजावगेराने मेहको ओर;मोतको;अ पने वसमेकररक्खाथा उसीतरह,ईनसोदागर,महाजनांननेभी मेहको;ओर;मोतको अपने-वसमेकररक्खाहे-जीससेकाल वगेरापडजातेहें ओर,हजारोंतरहकी,बीमारी यांहोजातीहें यहसब सोदागरमहाजनांनके.घरका.राक्षसीपापहे क्युंकि परमेश्वने सबजीवाजुनको,तरह२के,आरांमदीयेहें ओर कोईबात-दुनीयांके!अरांमदेनेकेलीये बाकीनहीरक्खी सोभाइमेरेहो किजोशखसःजोचीजःअपनीकुदरतसे बनाताहे वोह हरगीज२अपनेहाथसे-नहीबीगाडताहे-ओर वोहचीज उसीहालतमेःखराब,होतीहे किजबउसकी उमर पुरीहोजातीहे,परंन्तु,अबकोई ईसबातको गोरकरो-किजबदी न-बहारकेआतेहें-तोझाड बनासपतीवगेरा उसजंगल'बयाबांनमे'जहांबनासपतीके सीवाये दुसरीचीजोंका नांमनहीहोता;तोवोहकेसे;सुहावने ओर अच्छेदीखलाइदे तेहें'ओर'जबदीन पतझडकेआतेहें तोदरखतवगेरा;उस;बयाबांनमे किंजहांसीवाये दरखतोंके दुसरीचीजोंका नांमनहीहोता-केसेबुरे!मालुमहोतेहें ओर पतझडहोकर सुखेदरखतोंके;मांनींन्दहोजातेहें;परंन्तु पत्ते पीलेजरदहोकर'ओर'उमरपाकेगीरतेहें ओर वगेरउमर पुरीहोनेके-ऐकपत्ताभी!दरखतकीडालीयोंमेसे हरगीज२नहीगीर सक्ताहे;हांऐसा;अलबत्ताहोसक्ताहे किअगर कोईआदमी;हाथसेपत्तोंको;याडालीयों कोतोडे तोबेशक कच्चीउमरमे.तोडसक्ताहे.याराक्षसीपापसे तोडसक्ताहे किजब-दरखतोंवगेराके-नांमका-राक्षसीपापकरातेहें तोजीयादाहवा ओर;आंधीवगेराचल करके कीरोडहा दरखतजडसमेतःउखडकरकेःगीरजातेहें तोपत्तोंकागीरना;क्यामु शकीलहे,परंन्तु,यह राक्षसीपापसे होसक्ताहे;ओर;राक्षसीपापके चलायेबगेर'ओर कोईभीऐसा नहीकरसक्ताहे फीर,आदमीकीभीउमर.ईसीतरहसेहे क्युंकिबगेरपुरी उमरकेःहरगीज२नहीमरसक्ताहेःओर नादरम्यांनमे वगेरपुरीउमरके;ईश्वमारताहे-ओर अबजोसाल बसाल,कीरोडोंआदमी,कच्चीउमरमेही मरजातेहें ओरःयहखया लकरनेकी-बातहे-किपहलेसतजगमे क्याकोई ओर!दुसरामालीकथा!किजोपुरीउः मर पाकेमरतेथे ओर;ईसजमांनेमे;क्यामालीकदुसराहे जोपहलेकेसी उमरेंनहीहोतीं सोखुब,सोचलो,किईन बनीयोंका यहमतलबहेःकिपापकरा२के-संसारकोमारदेवेंः

ओर.जबसंसार.थोडारहजावे जब सब वलायतोंमे-हमअपना-राजकरलेवें?ईसबा तकीतलाश अंग्रेजवगेराभी नहीकरतेहैं;लेकीन;उनकोभी असलीभेदनहीमीला—म गर;कच्चीउमरमेमरनेका;असलीभेदयहहे किआदमी बगेरजादुकेःकच्चीउमरमेःनहीम रताहे ओर नायह,ईश्वकाहुकमहे,हांजादुकेजुलमसे कच्चीउमरमेमरसक्ताहे जीसकी खासवजह-यहहे-किजीसकेनांमका जादु यहसोदागर'महाजनांनकरातेहें'तोवोही-मरजातेहैं ओर जीसकेनांमसे!जादु-नहीकरातेहैं!वोह नहीमरतेहैं सोयह.जादुका कांम दरीयावोंके कीसीटापुके,उपरकरारहेहैं,किजहांसीवाये सोदागरमहाजनांनके ओर-कोईनहीजासक्ताहे-परंन्तु यहसोदागरमहाजनांन ऐसेबदमाश,ओर,बेईमांनहें किजाहीरदारीमेतो बहुतही गरीबहोकेरहतेहैं;ओर;लोगोंको दीखानेकेलीये ईसक दरःभगतीमेचलतेहैंःकिबनीयोंके बराबर कोईभगतनहीहे,सोयह;बनीयेबेईमांन;लो गोंकोदीखानेकेवास्ते भगतीकरतेहे किहमाराजाल!कीसीपर!जाहीरनहीहोगा—अ; गर कीसीको मालुमभीहुवाःतोहमारेःपुन्यकोदेखके लोगहमारेजालपर यकीननही लावेंगे,ईससेतमांम,जहांनके बनीयोंकोदेखलो किबनीयेलोग!जाहीरदारीमे!कीस; कदर पुन्यवगेराकरतेहैं ओरःछांनेमेकपटहीकपटःओर दगाहीदगाकररहेहैं किजेसे रावणकरताथा उसीतरहसेयह बनीयेभीकररहेहैं,ओर,जीसतरहसे रावण संसार केहाथोंसे'देवतोंकेउपर'हाड मांसडलवाताथा उसीतरहयह!बनीयेभी!अबदेवतोंपर हाड मांसको संसारकेहाथोंसेःडलवारहेहैंःसोसंसारकोतो कुछदोशनहीहे क्युंकिउ नको-जादुसे-बीमारकरके देवतोंकासुझादेतेहैं किदेवतोंने,बीमारडालाहे,जब!हाड. मांसवगेरा देवतोंकेउपरडालतेहैं ओर!जादुसे!कालवगेराभी पडादेतेहैं ओर;दुनी यांको,जादुसे-यहसुझातेहैं किअबकेदेवतोंकी पुजानहीकी'जीससे'कालपडाहे;फीर दुनीयां देवतोंकेउपर जीवडोंकोःमारनेलगतीहे.तोफीर सोदागरमहाजनांन पाप को-कमकरदेतेहैं-तोकुछ मेहबरसजाताहे ओर!अगर?यहमहाजन जादुकापापनही छोडेंःतोहरगीजःनहीबरसे चाहेसारी दुनीयांकेजीव.देवतोंकेउपरमारदेवें.तोफीर. दुनीयां यहकहतीहे किअबके?मालीककीहीमरजी?मेहबरसानेकीनहीहे सोयहबातें ऊन.मुलकोंमेहोतीहैं.किजीव जीन२मुलकोंमे देवतोंके'उपरमारतेहैं'सोतलाशकरके देखलो परन्तु राजा;बादशाह,ईनमहाजनांनके;जाहीरकोदेखके भरोसाकरतेहैं अग रचे-अंन्दरुनीहाल?मालुमहोवे तोहरगीज२ईन बनीयेबेईमांनोंका?भरोसानहीकरें— परंन्तु तमांमजहांनके लोगोंकीबुधीःअपनेःराक्षसीपापसे ऐसीखराबकरदीहे किजो

समझतेहीनहीहें किजेसे तमांमजहांनके-राजा-बादशाहोंकी अकलको रावणने;ख राबकरदीथी,उसीतरहपर,ईन बनीयोंनेभीकीहे किजोसमझायेसेभी!नहीसमझतेहें. ओर यहबनीये राजाःबादशाहोंकोःआपुसमेंःलडाकेमारदेतेहें परंन्तु अपने'राक्ष; सीपापको;ऐसेकरतेहें;किबीलकुल जाहीरनहीहोनेदेतेहें ईससेराजा-बादशाह-हिंन्दु मुसलमांनवगेरा यह नहीजांनतेहें;किराक्षसबीद्याका;जाल ईनबनीयोंनेभी बल;रा जाकेबादसे'रावणके'मुवाफीकचलयाहे जीसकीखबर कीसीराजाःबादशाहको;अब तकनहीहें अगरचे खबरहोतीतो,जरुरईन,बनीयोंकाजाल दफेकरनेकेलीये बंन्दोब स्तकरतेःओरःईनहोंका अेतबारनहीकरते परंन्तु'बडीभारीअकल'ईनबनीयोंने,यह कीःकिपहले तमांमजहांनके राजा'बादशाहोंकी'अकल ओर रैयतको;ऐसीफेरदीहे किजोजाल,ईनबनीयोंका,जाहीरदारीमे चलरहाहे वोह-मेरेनजदीक-बहुतहीबदहे-जीसको तमांमजहांनकेलोग खासजाल,खयालकरतेहें,बलके बनीयोंकी बडाईक रकेःओरःबनीयोंकाजाल खयालकरके अपनी२जबांनसे!यहकहतेहें!कियह'कोई-जाल बनीयोंकानहीहे यहतो,परमेश्वकी.कुदरतहे जीससेतमांमखलकत ईनबनीयों का!भरोसा!दीलसेकररहीहे ओर यकीनसे'ईन'बनीयोंकेजालको कुलसंसारकेलो ग!ईश्वकी कुदरतजानतेहें ओंर,यहनहीसमझतेहें,कियह परमेश्वकी कुदरतनहीहे.ले कीन,जबकि,बुधीकेदहोजातीहें अलावाईसके संसारकेलोगःयहभीकहतेहेंःकिहमस बलोग बनीयोंके सहारेसेहीपलतेहें-अबतुमलोग-अच्छीतरहसेसमझो ओर देखो-किजब-रावणने-राक्षसीपाप चलायाथा जब,तमांमखलकत,परमेश्वको—भुलगईथी ओर रावणके राक्षसीपापकी!मालाफेरतीथी!ओर यहकहतीथी किरावणके'सहा रेसेहीपलतेहें?ओर?रावण वगेराकीतरहसे किजबसेईनःबनीयोंनेःराक्षसीपापचला याहे जबसेईनकी मालाफेरतेहें!ओर!कहतेहेंःकिहमःबनीयोंके सहारेसेहीपलतेहें?इ ससे-बनीयेमाई-बापहें सोदेखोभाई जीसतरहसे रावणकेवक्तमे!ओर!हरनाकुशके. ओर कंस राजाकेवक्तमे,ओर;कारूंन बादशाहकेवक्तमे परमेश्वको;भुलगयेथे;ओर उनहोंकेजालकी मालाफेरतेथे उसीतरहसे-अबईनःबनीयोंकेजालकी मालाफेरतेहें ओरःईश्वकोभुलगयेहेंःओर बनीयोंकेजालको ईश्वकी!कुदरतबोलतेहें;ओर;ईनकेजा लकेउपर जराभी खयालनहीकरतेहेंःबलके;इनहोंकेउपर ऐसे२लाडरखतेहें किजी सतरहसे-मा-ओरःबापकेहुकमको बेटा बेटीउठातेहें ओर'अपने'बुजगोंकेसांमने.स रकोझुकातेहें अगरचे उनबच्चोंको;कोईशखस;कोईबात भली,बुरीकहवे तोवोहबच्चा

अपने,मा,बापसेजाके उसबातको उसीवक्तकहदेतेहैं ओर?कीसीतरहकाडर?अपने दीलमेनहीरखतेहैं-सोईसतरहसे-हिंन्दु मुसलमांन बुरी.भलीबात,बनीयोंसे छुपाके नहीरखतेहें ओर बनीयोंकेउपरःलाडरखतेहैंःसोसब जहांनकेलोगो तुमअपनी२; आंखोंसे-देखहीरहेहो?किजेसाहोरहाहे ओर मैंदेखरहाहूं.किजीसतरहसे.यहबनीये कहतेहैं ओर सलाहकरतेहैं;उसीतरहसेहोताहे;बलके हिंन्दुस्तांनमेतो बनीयोंकाही डाला,नीमकपडताहे,परंन्तु हिंन्दु मुसलमांन ईन;बनीयोंकालाडतो;हमेशासेहीरख तेहैं-ओर-बनीयेबेईमांनोंका माजनादेखो किजबसेईनहोंने!राक्षसीपाप!चलायाहे– जबसेसंसारका बुराकररहेहैं सोऐसे२तो.हिंन्दु.मुसलमांन ईनबनीयोंके लाडरख तेहैं!परंन्तु!यहबनीयेःऐसेबदमाश ओर हरांमकारहैं-कियहअपनी-हरकतसेबाज.न हीआतेहैं सोईन बनीयोंकेजालोंको;ओर;बेईमांनीयोंको तमांमजहांनके राजाःबाद शाह-ओर-हिंन्दु-मुसलमांन ओर अंग्रेजवगेरा मुलाहजाकरोःओरःसोचो.किईनब नीयोंने जादुकेजोरसे अव्वलही,अव्वलमेतो,राजा बादशाहोंके खजांनोंको;जमीन केरासतेसे,खेंचलीयाहे,ओर खेंचलेतेहैं याने-जमीनकोफाड२के;ओर,जीनबादशा होंको किखराबकरदीयाहे सोउनबादशाहोंके;खजांनोंको जादुकेजोरसे पहलेही-खेंचलीयाथा;किजोखजांना;कदीमीथे परंन्तु जबकियंह;बनीये;कीसीकेखजांनोंको खेंचनाचाहतेहैं तोपहले जमीनकेफटनेके;नांमका;जादुकरातेहैं जब जादुकेजुलमसे जमीनमाता-फटजातीहे-जब राजा बादशाहोंके खजांनोंको,खेंचलेतेहैं,परंन्तु;जादु सोदागर महाजनांन समुंन्द्रकेउपर.कीसीटापुमेकरातेहैं,किजहां चोरासीलाख कुं न्डीयां;राध;लहुकीबनाइहें सोदुनीयामे उसपापकी सब,तारीफ,ओर;बीखांनकर, तेहैं किमालीककेघरमे चोरासीलाख.कुंन्डीयां?राध,लहुकी नारगीपडनेकीहैं–सो ईनबनीयोंने,उस,गुपतीपापका कीस्साचलादीयाहे सोसुन२केकहतेहैं;ओर;ईनबनी ये-महाजनांनने स्वर्ग ओर,नर्कभी,रावणकीतरहसे,बनायाहे सोजबकि चोरासी लाख'जीवाजुनको'चोरासीलाख कुंन्डीयोंकेउपर दुखदेतेहैं;जब;जादुचलताहे'ओर जीसतरहके जालकि दुनीयांमे,तरह२केचलरहेहैं,यहबनीयोंके घरका ईन्द्रजाली' पापहे-ओर-ईसी ईंद्रजालीपापसे तमांम राजा बादशाहोंकीअकल'ओर'संसारकेलो गोंकी अकल फेररक्खीहे,जीससेयह,सोदागर अपनेजालको संसारकेलोगोंपर– जाहीर!नहीहोनेदेतेहैं!ओर खजांनोंकोखेंचलेतेहैं ओर,राजा.बादशाहोंको'ओर'सं सारकेलोगोंको'ऐसासुझादेतेहैं'किधन सरकगया'ओर,राजा बादशाह'ओर'संसारके

लोगही ऐसा कहनेकोलगजातेहैं:किलक्षमी:सरकगइहे ओर यहनहीकहतेहैं:कियह बनीयोंकेघरका;राक्षसीपापहे;परंन्तु वोह कीसतरहसेकहें!क्युंकिउनकी!अकलतो-राक्षसीपापमे केदहोरहीहे ईससेवोह.जालको,नहीपहचांनतेहैं ओर जीसतरहसेकि यहबनीये-जादुकेजोरसे-खजांनोंको खेंचलेतेहैं उसीतरहसे!यहबनीये!मंन्दीरोंकी-पुतलीयोंकोभी संसारके भुलानेकेलीये;जमीनको;फाड२के उडादेतेहैं ओर,मंन्दी रोंकोभी'उडादेतेहैं'ओर,फकीरोंकेदीलमे ओर जतीयोंकेदीलमे,ओर;राजा;बादशा होंकेदीलमे ऐसासुझादेतेहैं किजोगी,जती,बडेकरामातीहैं सोजोगी जती;अपनेदी लमे.यहकहनेकोलगजातेहैं.किहम बडेकरामातीहैं ओर:सीधहोगयेहैं:जीससे.संसा रकेलोगभी यहजांनतेहैं किजोगी,जती,बडेकरामातीहैं परंन्तु जोगी'जती'जींन्दा समाजलेतेहैं-जीसकी-वजहयहहे किसोदागरमहाजन जादुकेजोरसे!जमीनको-फा डदेतेहैं सोजमीनको सो,कोसतकफाडके,पोलीकरदेतेहैं जबवोह जती.जोगी,सो कोसकेउपर!उसरासतेसेहोके बाहीरनीकलतहैं:सोयहबात काबीलगोरकरनेकेहे:कि जहांतक ईनबनीयोंके दीलमेआताहे?ऊसीकदर?जमीनफाडके जादुकेजुलमसे!पो लीकरदेतेहैं:सोअगर-यहबनीये अपने राक्षसीपापसे:जमीनको:कोस:दोकोसमे;फा डदेवें जबतो जती,जोगी,कोस दो कोसकेउपरजाके-बाहीरनीकलतेहैं-अगरचे-ती न.चारकोस.जमीनकोफाडदेवें तोतीन चारकोसके-ऊपरजाके-बाहीरनीकलतेहैं-- ओर जोजीयादा दुरतकफाडें:तोजीयादा.दुरपेजाकेनीकलतेहैं ओर जोकमजमीन कोफाडें,तोकमदुरपेजाके.बाहीरनीकलतेहैं ओर यहबनीये-ऐसाभीकरतेहैं-किजोप हलेजमांनेमे भगतलोग महादेव,ओर:देवी,देवतावगेराहुयेहैं ऊनकीसमाजीयोंकेऊ पर-मंन्दीरवगेरा-बनादीयेहैं ओर ऊनकी समाजीयोंकेऊपर.लोग.बकरावगेरा,च ढातेहैं किजीनकेगुन तमांमजहांनके;लोगगातेहैं;ओर ऊनकीपुजाकरतेहैं तोयहब, नीयेलोग.जादुकेजोरसे.जमीनकोफोडके ओर ऊनकेमंन्दीरोंकी:पुतलीयोंको-जी सकदर दुरपेबाहीर नीकालना;मनजुरहोवे;नीकालदेतेहैं ओर दुनीयांको,अपनेजा दुसे,ऐसासुझादेतेहैं.किदेवी देवतावगेरा फलांनीजगहपर-नीकलेहैं-ओर.यह-रोग जमीनमाताको ईसतरहकाहे किजेसे'आदमीकेवदनमे'बादीकीसोजन ओर चीस, ओर-चबकहोजातीहे-ओर वोहसोजन ओर चबक.ओर.चीस'मीसलन'आदमीके सरमेहोवे ओर वोहऐकसाथही;फोरन;पांवमेआजावे ओर पांवमेसे;कमरमेआजावे ऊससेआदमीको'बहुतसखत'तकलीफहोतीहे किमरनेलायक होजाताहे:ईसीतरहसे

यहमहाजनलोग बादीकारोग;जमीनमाताको;करदेतेहें;जबउनको कीसीखजांनों;या मंन्दीर-ओर-मंन्दीरकी पुतलीयांवगेरा ओर फकीरवगेरोंकोःजलदीखेंचना;मनजु रहोवे तोजमीनमाताको बादीकी;चीसका;रोगकरदेतेहें किवोहचीस फोरनखींचके चलीजातीहे,जीसजगहपर,खेंचकेमंगाना ओर नीकालना!मंनजुरहोवे!फोरनजमी नफटके अंन्दरहीअंन्दरमे जमीनके;उसजगहपर,पहूंचकर बाहीरजमीनके नीक्रल जातेहें:जेसेआदमीकेःसरीरमेबादीसे चीसहोरहीहोवे ओर!होते२बहोतजलदी!कम रमे-यापांवमे-जाकेहोनेलगे तोआदमीउससे बहोततकलीफ.ओर.दुखपाताहे!ओर ईसीतरहसे जमीनमातामी उसरोगसे-बहुतभारी-दुखपातीहे ओर जोकीसीचीज; कोःहोले२खेंचनाचाहेंःओर नीकानाचाहें तोजमीनमाताको;बादीकेसोजनका;रोग करादेतेहें तोवोहचीज होले२सरकके!जीसजगह!खेंचनाचाहें खेंचकेबाहीर नीका लदेतेहेंःजेसेआदमीके.बदनमेबादीकी सोजनसरकतीहे कभीहाथमे!कभीगरदनमे– ओर गरदनसेकमरमे ओर;कमरसेपांवमे;तोउसमेभीआदमीको दरदहोताहे ईसीत रहसे,जमीनमाताके,सरीरमेभी बादीकीसोजनसे दरदहोताहे!ओर!ऐसी२अनेकत, रहकी बीमारीयोंसे जमीनमाताःदुबलीहोगइहेःईससे जमीनमाताकी चरबी,याने खांनें'सोने'ओर चांदीकीगलगइहें ओर-जबदेबी-देवताको जमीनफाडके नीकाल देतेहें जबउनके-देखनेकेवास्ते-कुलखलकतजातीहे ओर!बहुतखुशहोतेहें!ओर हाथ जोडतेहें;ओर;तरह२की दुआअेंमांगतेहें सोयहसबब'बनीयोके'राक्षसीपापकाहेःकि जीसकानांम ईनहोंने कलुकालरक्खाहेःजीससेसबःसंसारको ऐसाहीसुझताहे कि जोंदुनीयां.भरोसाकरनेको.लगजातीहे ओर यहनहीसमझतीहे!कियहबनीयोंके–घ रकाजादुहे किजोदेबी देवताःईसकदरदुरपेःआकेनीकलेहें ओर नहीसमझते?किप त्थरकीपुतली,कीसतरहसे,चलसक्तीहे सोदुनीयांतो ईनकेजालमे-भुलीहुइहे-जीस; से-कुछपहचांन जादुवगेराकी नहीहोसक्तीहे;किईन;बनीयोंने जादुकेजोरसे तमांम जहांनकेलोगोंकी अकल केदकरदीहे;किजोसमझायेसे,नहीसमझतेहें ओर जीसतर हसे-किजमीनको-फाडके पोलीकरदेतेहें ओर खजांनोंकोःखेंचलेतेहेंःजब?तमांमज हांनकेलोग यहजांनतेहें?किधन सरकगयाहे;सोजीसतरहसे कियहबनीये-खजांना को.खेंचलेतेहें.उसीतरहसे मँन्दीरोंकी पुतलीयोंकोभी-जादुकेजोरसे?जीसकदरदुर पे?जमीनफाडके नीकालनाःमनजुरहोवेःउसीकदर जमीनफाडके बाहीरनीकालदे तेहें-अगरचे-ईनहोंकोयह बातमनजुरहोवे किफलांनेमंन्दीरकी;पुतलीको;फलांनीज

गहपर नीकालें तोवहींजाके;नीकाललेवेंगे;सोयहबात ईसतरहसेहे किजोयहबनीये जीसमंन्दीरकी,पुतलीके,नांमसे पापकरातेहें तोउसीमंन्दीरकी-पुतलीको'बाहीरनी कालदेतेहें ओर लोगोंके;समझानेकेलीये;पहलेऐसा सुझादेतेहें किदेवीके,मंन्दीरकी पुतली-हजारकोसपे-जाकेनीकलीहे ओर देवीबडी!परचेवालीहे!ओर यह परमेश्वर कीकुदरतहे जीसकोसब संसार,ओर'राजा,बादशाहवगेरा बडीखुशीकेसाथ देख नेकेवास्तेजातेहें:ओर:डंडोतकरतेहें सोयहपुतलीयोंका नीकालना!ओर!जमीनका; फटना ओर कालवगेराकापडना;ओर;बीमारीयोंका ओर खजानोंवगेराकाखेंचना ओर-अकलवगेराका-फीरना ओर बारीशकानाहोना!ओर!कमउमरमेमरना?जादु सेहोरहाहे ओर यहजादु,ईन्द्रजाली,रावणकीतरहसे ईनबनीयोंने बल-राजाकेबा दसे'चलारक्खाहे'जहांजमीनवगेरा फटजातीहे ओर;कहींकीपुतली;कहींपेजाके-बा हरनीकलतीहें सोयहबातें तमांमजहांनमे,मशहुरहें.परंन्तु अकल ऐसीखराबकरदीहे किईसबातको!पहचांनतेहीनहीहें!ओर परचोंकेभरोसे तमांमलोगभुलेहुये-ओर-बह केहुयेहोरहेहें सोभाइमेरेहो किजीसकदर?यहपरचेहोरहेहें:यहसब बनीयोकेचलाये हुयेहें,ईसीतरहसेपहले,रावणनेभी दुनीयांके भुलानेकेलीये-परचेचलायेथे-चुनाचे, बादमरने रावणवगेराके ईनबनीयोंनेभी,दुनीयांको,भुलानेके ओर बुधीकेदकरके तरह२के'परचेदीखलादीयेहें'देखोभाई जबकिअपने बदनमे,कीसीतरहकी;तकलीफ होजातीहे ओर हड्डीवगेरा;टुटजातीहे;तोफीरकीसतरहका दरदहोताहे किजोखाना पीनाभी,भुलजातेहें.ओर यहबनीये जादुकेजोरसे जमीनको'फाडदेतेहें'ओर?तरह तरहकेरोग जमीनकेनांमसे जमीनको,करारहेहें,ओर कीसीकोअपने राक्षसीपाप; करनेकी,मालुमनहीहोनेदेतेहें,ईससे में संसारकेलोगोंको-ईनबनीयोंके-जालसे,वाकी फकरताहूं किजीसतरहसे तुम्हारेबदनमे,दरदहोताहे,ईसीतरहसे जमीनमाताके:बद नमेभी-दरदहोताहे-जीसकेहालसे संसारकेलोग बीलकुल;बेखबरहें;कियहसोदागर महाजनांन जमीनमाताके नांमका,पापकरातेहें;ईससेजमीनको तकलीफदेरहेहें ओर सबसंसारकी,अकलको.अपने राक्षसीपापसे खराबकरके-ऐसे२परचेदीखलारहेहें: किजीससे दुनीयां यहनहीसमझतीहे;किरावणके;मुवाफीक ईनबनीयोंके घरका;रा क्षसीपाप,चलरहाहे,बलके संसारकेलोगतो परचोंकेभरोसे-भुलेहुयेहें'ओर'ईधर;उ धर गोतेखातेफीरतेहें ओर,यहसमझतेहें,किपरचा कोईनीहायतही ऊमदाचीजहे. परंन्तु-भाइमेरेहो-जीसपरचोंको तुमअच्छासमझतेहो सोयह.अच्छानहीहे.यहतो?नी

हायतही खराबजादुहे क्युंकिःरावणकेमुवाफीकःईनसोदागर महाजनांनने राक्षसी पाप-बलराजाके-बादसेचलायाहे ओर संसारको ओर!राजा!बादशाह;ओर;फकीरःफुकराको करामाती संसारमेसुझातेहें;जीससे;संसारकेलोग साधु फकीरोंकेपीछे दोडतेफीरतेहें,ओर.हाथजोडके उनफकीरोंकी खुशांमदकरतेहें;किजोफकीर;अपने मुहसे कीसीशखसको यहकहदेःकिजाबच्चाःतेरालडका जोबीमारहे वोह;अच्छाहो जावेगा-कितुदेबीकेउपर-याफलांने पीरकेउपर चार पांच!याकम?जीयादा—बकरा यापाडावगेरा हमारे कहनेमुवाफीक,अभीजाके,चढादेना चुनाचे उसने.फकीरके कहनेपर-यकीनलाके-ओर फकीरकेकहनेमोजीब उसीकदर!बकरेवगेरालाके?चढा दीये किजीसकदर फकीरनेबतायेथे;जोबीमार;अच्छाहोगया जबतोफकीरको करामाती-ओर;सीध्ध-तमांमजहांनकेलोग जाहीर करनेकोलगजातेहें.ओर.कहनेकोलगजातेहें किफलांनाफकीर बडाकरामातीहेःओरःजोअच्छानहीहुवा तोसंसारकेलोग-यहकहनेकोलगजातेहें-किउसकी कजाआगईथी सोभाइमेरेहो'यहतुम्हारी'बुधी, काजोहरहे किजोतुमलोग क्रशमोंकेभरोसे;देवतोंकेउपर;जीवदेतेहो ओर हाडडालते हो.ओर.परचोंकेभरोसे-भुलेहुयेहो परंन्तु;यहपरचा कोईचीजनहीहे-ओर!नाफकीरों? अतीतोंकेकहनेसे.कुछहोताहे हांऐसाअलबत्ताहे किजोफकीरहे-ओर-परमेश्वकी भगतीकरताहे तोउसके जीवकाभलाहोताहे;दुसरेकाभला;सीवाये परमेश्वके नहीक रसक्ताहे,सोईश्वतो,सबकाही भलाचाहताहे वोहतोकीसीकेवास्ते;बुरानहीचाहताहे; यहतो सोदागरांनने रावणकीतरहसेःराक्षसीपापःचलायाहे ओर तमांमजहांनकी अकल-राक्षसीपापसे-खराबकरदीहे जीससे परमेश्वकोतो'कोईभीयाद!नहीकरताहे जीससे परमेश्वको सबभुलगयेहेंःओरःबनीयोंकेजालकी सब मालाफेररहेहें,किजेसे रावणकेवक्तमे'तमांम'जहांनकेलोग रावणके जालकी'मालाफेरतेथे'उसीतरहसेअब इनसोदागरांनके राक्षसीपापकी माला,फेररहेहें,ओर ईनबनीयोंने सेंकडोंकीसमके जालकेरोगतो.जाहीर.करदीयेहें जीससे जमीनमाता-दीन२दुबली—होतीजातीहे—क्युंकि फीजमांनेमे चांदी.सोनेकी-खांनेंबोलतेथे.वोहबीमारीके सबबसे गलगइहें परंन्तु'यहचांदी'सोनेकीखांनेंहें जमीनमाताके सरीरकीचरबीहे'लेकीन'यहबात.का बील खयालकरनेकेहे किजब.सरीरमे.चरबीनहीहोगी तोसरीरकी ताकतकहांसेर हेगी,बलके,उनकीतोताकतके अलावा हड्डीभीगलजावेंगीःचुनाचेःअबःजमीनमा—तामे ताकतनहीरहीहे क्युंकिईसके,सरीरकी,चरबीगलगइहे ईसीसे जमीनमाता-दु

अच्छीतरहसे नही बलीहोगइहे ओर दुबलीहोनेकेसबबसे-जमीनकेउपर-कोईचीज होतीहे,जीसकीखास,वजहयहहे किईन बनीयोंनेःराक्षसीपापःचलारक्खाहे;जीससे नातो मेहहोताहे ओर'नाजमीनमाता'सुखसे'सांसलेतीहे जीसकीखबर अबतकतुम संसारके-लोगोंको-बीलकुलनहीहे अगरचे खबरहोती! तोअपनी२ओलाद! बचनेके लीये.बंन्दोबस्तकरते क्युंकि'रावणवगेराकेवक्तमे'सनीश्चकेकहनेसे बंन्दोबस्तकीया था;जबपापःदफेहुवाथाः फीर;सनीश्चकीतरहसे;अबमेंभी;बनीयोंके;राक्षसीपापसे,तुम सब संसारके बचेबचनेकेलीये-तुम-सबको-वाकीफकरताहूं जीसका बंन्दोबस्त;त मांमजहांनके!हिंन्दु!मुसलमांन ओर अंग्रेजवगेरा!अपनी२ओलाद!बचनेकेलीये—इ स-कीताब-[जगतहीतकारनीके]-मजमुनको पढकरके बंन्दोबस्तकरो,जब.तुमको ओर तुम्हारी ओलादको,अच्छीतरहसे.आरांममीलेगा अगरचे बंन्दोबस्त-नहीक रोगे,तोयहबनीये.दुसरीबादशाहतको अब लाकर हिंन्दुस्तांनकाःराजकराअेंगेःइ. ससे में सबकोपहलेसे वाकीफकरताहूं,किजो.पहलेसेही ईनबनीयोंका जालमीटा- दीयाजावे-तोफीर-दुसरीवलायतका बादशाह हिंन्दुस्तांनमे.राजकरनेको.हरगीज२ नहीआवे क्युंकिजब पाप-दफेहोजावेगा-तोसतजग होजावेगा ओरःसबकीबुधी. दुरस्तहोजावेगी! जबकोई! कीसीकी चीजकोलेना अच्छानहीजांनेगा-ओर,अबतो— ईसगर्जसे दुसरीवलायतके बादशाह,हिंन्दुस्तांनमेआतेहें,किहमारेपास धन जीयादा होजावेःपरंन्तुःयहखबर कीसीकोभीनहीहे किहमारेमुलकमे,ईसकदरधनथा;वोह;क हांगया क्युंकिउस धनकोःईनबनीयोंनेःअपने;राक्षसीपापसे पहलेहीखेंचलीया;ओर ओर-अकलको-खराबकरदीया जब भुखेमरतेआतेहें!किशेर!अवायाःओर धापा- हुवाहोताहे तोकीसीपर हमला-नहीकरताहे-ओर जबकि भुखाहोताहे;जबउसके; सांमनेकोई!जांनवरआवे!फाडखाताहे ईसीतरहसे बादशाहोंका—हालहे—क्युंकिईन सोदागरांनका ईरादा चारकुंटमे,राजकरनेकाहे,ईससे संसारकेलोगोंकी अकल;फेर दीहे,किजोदुसरोंकाही,बुराकरना सुझताहे;ओर भलाकरनानही'जीसकीवजह'यह हे.किऐक दुसरेका बुराचाहेगाःजरुरःतनाजाहोगा तोआपुसमे लडायां;ओरःदंगे होंगे!ओर!लोगआपुसमे लड२के मरेंगे ईसीतरहसे.राजा.बादशाहोंमेभी;आपुसमे बीगाड रंजहोगयेहें किजोऐक२को-देखके-राजीनहीहें ओर दीलमे.ऐसाईरादाहे किमें,ईसको,मारडालूं तोईसकाराज मेरे कबजेमेहोजावे.गर्जकि.दोनोंमेसे ऐककाः भी-मतलब ओर मुराद'हांसीलनहीहोतीहे!ओर'आपुसमेलडकर मरजातेहें ओर

फीर उसचीजके मालीक;अेरी'गेरी;ओर ही याने यहबनीयेलोग बनबेठतेहैं;ओर ईसीतरहसे,तमांमजहांन,ओर वलायतके राजा;बादशाह;गारतहोजावेंगे:ओर:बनी योंकी जातकेलोग जीयादारहजावेंगे;जबतमांम;वलायतोंके अंन्दरयह सोदागर:म हाजन,अपना,राजकरेंगे क्युंकिजो?राक्षसीपाप चलाताहे!वोहईसी!गर्जसेचलातेहैं जीसकासबुत अव्वलही अव्वलमे:लीखदीयाहे:क्युंकिपहले रावणवगेराने चला. याथा-परंन्तु-संसारनेअपनी ओलादवचनेका खयालकरके!सनीर्श्वके!कहनेपर—य कीनलाकर रावणके राक्षसीपापको-छोडाया-ईसीतरहसेअब ईनबनीयोंका राक्षसी जाल!छोडानाचाहीये!परंन्तु यहजाल आसांनीकेसाथ'ईसतरहसेछुटेगा;किसब;रा जा-रैयतसमेत ऐकदीलहोकर शहर,दरशहर,ओर गांव दरगांवमे;ईनसोदागरांनके जालको,जाहीरकरो;ओर अंग्रेजोंको ओर दुसरी:वलायतकेलोगोंको:ईनबनीयोंके जालसे वाकीफकरो जबईन,बनीयोंका;जालछुटेगा किजोदरीयावोंके उपरअलोप पापकरारहेहैं;सोऐभाईयो.हिंन्दु मुसलमांन ओर अंग्रेजवगेरा'ईसबातको'साथपुख तादीलके समझो ओर,ईसकाचरचा,शहर२ओर,गांव२ओर गली२मे अपनी२ज बांनसेकरतेरहो ? ओर ? जबकिबादशाह-[अेडवर्ड]-ईसमजमुन?याने?सोदागरांनके— राक्षसीपापको अच्छीतरहसे समझलेंगे,जबईन,बनीयोंका राक्षसीपाप किंजोदरीया वोंके-टापुपर-अलोपकरारहेहैं मीटादेंगे सोयहजादुके पापकाहाल:खीदमतमे.बंन्द गांनआली बादशाह अेडवर्डसाहब'बहादुर'दांमईकबालहुके अर्जकरके दफेकराया जावे!किजीसकी:तलाशमे वलायतके,कुलअंग्रेजहैं किऐसी;कोनसीबात;साल;बसा लहोतीहे किकीरोडहा आदमी,हेजा.ओर,पलेगवगेराकी बीमारीकेसबबसे मरजा तेहैं-ओर-कीरोडहाकच्चीऊमरमे ओर ही बीमारीयोंकेसबबसे.मरजातेहैं.परंन्तु:सा फ२हाल अबतकजाहीर नहीहुवा,किकीसवजहसे,मरजातेहैं ईसबातमे साध:[अ नोपदास]:हकीमों:ओर,तबीबोंको ओर डाकटरोंको ओर;सबसंसारके;लोगोंको; ओर अंग्रेजोंको वाकीफकरताहूं;सोईसका,बंन्दोबस्तकरो तोकोईशखस कच्चीउमरमे नामरें-ओर-वोहयहहे किसोदागर,महाजनांन जमीनके:दुबलीहोजानेका:ओर'मर द:औरतको कच्चीउमरमे मरनेका-ओर-हवा जीयादाचलनेका ओर.दरखतोंको-जमीनसेउखाडने?ओर?बरसात जमीनपरनाहोनेका ओर-संसारकेलोगोंकी?बुधी भ्रष्टहोनेका ओर परअस्त्रीसे;भोगकरनेका;ओर;जांनवरोंसे बुराकांमकरनेका ओर ओरतोंको,बेओलादरखनेका,पाप चोरासीलाख कुंन्डीयोंपरकराके-चोरासीलाख

जीवाजुनका कलपातेहैं ओर-यहसोदागरलोग-दुखदेतेहैं जबवोह पाप,सबकोआके लगताहे!सोजीसतरका!पापकरातेहैं उसीतरहका बुराहोजाताहे,जीसकोपरचा,व परमेश्वकीकुदरत खयालकरकेबेठेहैं ओर;ईन;सोदागरांनने पहलेसेही ऐसी२बातें चलादीहैं.ओर.कोई२पोथी टीपनोंमेभी लीखदीयाहे-किऐसा-कलजगआवेगा!कि लोग मा बहनसेभी हरांमकरेंगे'सोजेसेभुल'पडतीजावेगी ओर राक्षसीपापसे;बनी येलोग,बुधी,संसारकेलोगोंकी फेरतेजावेंगेःओर अपनलोगोंको'कोनसी'खबरपड तीहे किहमारीबुधी बनीयोंनेःपापसेफेरदीहेःतोफीर संसारकेलोग जांनवरोंकेमुवा फीक-मा-बहनसे!बुरेकर्मकरनेलगेंगे क्युंकिजांनवर कोनसासमझतेहैं!किहम!मा-ब हनसे बुराकांमकरतेहैं ईसीतरहसे;संसारकेलोगोंकी;बुधीभ्रष्टहोकर जांनवरोंके मुवा फीकहोजावेगी.जब.मा;बहनसे हरांमकरेंगे सोसब संसारकेलोगःईसजालकोःऐक दीलहोकर बहुतजलदी छोडाओ;किजोऐसावक्त;नहीआवे किजोसंसारके लोगः मा-बहनसे-बदसहोबक्तकरें जीसपहले ईसजालको छोडानेका!बंन्दोबस्तकरो!कि-जोतुम्हारे सबसंसारकी ओलाद,नहीबीगडे,सोभाइमेरेहो में अच्छीतरहसे तुमको समझाताहूं'कियह'परमेश्वकी कुदरतनहीहे;यहतो बनीयोंके;राक्षसीपापकी;कुदरतहे सोईसको हेतकरकेछोडाओ क्युंकिईन,सोदागरांनने,संसारकीअकल ऐसीखराबक रदीहे-जीससेतुमको-जमीनमाताके सरीरकी बीमारीकाहाल.मालुमनहीहोताहेःकि जमीनमाता जीवताजीवहे यामरीहुइहे;सोदेखोभाई;जमीनमाता तोजींन्दाजीवहे-ओर.अमरहे.मरीहुईनहीहे-अगरचे मरीहुईहोती तोसुखकर-कबकी!गलजाती!तो संसार ईसजमीनमाताकेउपर कहांसेरहता!सोखयालकरनेकी बातहे क्युंकिजमीन मातातो-जींन्दाजीवहे-जीससेकुलचीजें ईसकेउपर पेदाहोतीहें!ओर!संसारईसके,उ पररहताहे ओर यहतोतुम;सबसंसारको;बनीयोंने;अपने राक्षसीपापसे भुलारखाहे जीससेतुम;सबसंसारको;ऐसाहीसुझताहे क्युंकिजोबनीये जमीनमाताके'नांमका'पा पकरातेहैं जीसकोसब संसार-परचा२कहतेहैं-ओर खुशहोतेहैं ओर,बनीयेभी;जा हीरदारीमे,सबहिंन्दु.मुसलमांनके सांमने परचा२कहतेहैंःपरंन्तुःयहबनीये;अपनेदी लमे खुशहोतेहैं किहमारा-राक्षसीपाप-चलरहाहे किजीसकोसब संसारके.राजा. बादशाहःओरःरैयतवगेरा परचाजांनतेहैं ओर!बनीयेतो!अपने राक्षसीपापको!खु बजांनतेहैं परंन्तु यहबनीये;अपने;राक्षसीपापसे;अपने पापकीखबर तुम'राजा'बा दशाहोंको'नहीपडनेदेतेहैं'ओर मुझगरीबसाधुको ईनबनीयोंने-अपने;राक्षसीपापसे

कलपायाहे जबमुझको ईनके,राक्षसीपापकी?खबरपडीहे.ओर जबतक किमुझको राक्षसीपापसे?नहीकलपायाथा!जबतक मेंभी अंन्धोंकीतरहसेथा-परंन्तु-जबकि--इ नहोंने मुझको अपने,राक्षसीपापसे,दुखीकीया,जबमुझको ईनकेजालोंकी खबरप डीहेःलेकीनःतुमसंसारकेलोगतो अबतक बेखबरहो जीसकी.खासवजह.यहहे-कि तुमलोगोंकी अकल ईनबनीयोंनेःअपनेःराक्षसीपापसे;खराबकररक्खीहे जीससे,ईन बनीयोंकी,खबरतुमको,नहीपडतीहे ईससेअब में सबसंसारके बच्चेबचनेकी?गर्जसे ईनसोदागरांनके राक्षसीजालसे,वाकीफकरताहूं,किजोकुछ जमीनको रोगहोरहाहे ओर,कच्चीउमरमे,मरतेहें ओर मंन्दीरोंकी पुतलीयोंको-जमीनफाडके-बाहरनीका; लदेतेहें सोयह सबफीतुरांन'सोदागरांनके'राक्षसीपापकाहे जीसकोतुम सबसंसार केलोगःओरःराजा-बादशाह ओर रैयतवगेरामीलके--ओर,ऐकदीलहोके,ईनहोंके-राक्षसीपापको छोडाओ तोसंसारकी;ओलादको;सुखप्राप्तहोवे ओर ईनसोदागरां नने,अपने,राक्षसीपापसे तमांमजहांनके राजा बादशाहोंकी-अकल-ओर?रैयतवगे राकी अकल ऐसीखराबकरदीहेःकिजीसकाहालःमेंःकलमसे नहीलीखसक्ताहूं— क्युंकिराजा'बादशाह'ईनबनीयों नमकहरांमोंकोही सच्चाजांनतेहें;ओर;सभोंकोझुठा हालांकि तमांमहिंन्दु मुसलमांन,सच२बातकहतेहों,तोभीझुठासमझेंगे ओर सोदाग रमहाजन-चाहेझुठबोलतेहों-तोईनको सच्चासमझेंगे सोयहसारा!सबब!राक्षसीपाप; काहे परंन्तु;हिंन्दु मुसलमांन,ईनबनीयोंको मा'बापकेबराबर जांनतेहें-तोभीयहब नीये.झुठे.सच्चेकागज करजाके हिंन्दु मुसलमांनोंकेनांमसे-बनाकेरखछोडतेहें?ओर कुछदीन गुजरनेकेबाद उनहोंसेझगडा,करके,उसझुठे सचेकरजेमे उनगरीबोंकेघर का,माल,असबाब ओर'गाये बेल'ओर भैंसवगेरा,जीसकदर माल;उसकेघरमे'नी कलताहे करजेमे वसुलकरलेतेहें,ओर,ऐक,कागज जाली ओर,उसपरअपने--दस्त खत'ओर'अपनेकांमदारके ओर-दो चारगवाहोंके,दस्तखतकराके,रखछोडतेहें;ओर जबकि अदालतमे कीसीतोरसे?नालीशका!कांमपडताहे तोयहबनीये उसकागज जालीका'सबुत,पेशकरदेतेहें ओर'अदालतउस जालीकागजको'सचाजांनतीहे'ओर बनीया उसकागजको पेशकरके.सचाहोजाताहे.सोबनीयेके रुबरु गरीबआदमी-अदालतमे.झुठाहोजाताहे.यहअदालतका ईनसाफहोताहे क्युंकियह-बनीये-गरीबों केःबुजर्गोंकेनांमसे झुठाजाली तमसुकवगेरा.लीखके.रखछोडतेहें ओर जबकिउन के,बुजर्गमरजातेहें,जबउनसे रुपीयावगेरा,मांगतेहें किजोतमसुकके, अंन्दर लीखेहों

ओर यह लीखतेहैं,कितुम्हारेदादानेःहमारेदादासे,रुपीयालीयेथे जीसका सबुत, तमसुकहे-ओर-तुम्हारेबाप दादाकेहाथके दस्तखतमोजुदहैं!जीसकारुपीया!तुमदेदो नहीतोहम राजमे नालीशकरके;लेलेवेंगे'अगर;गरीबने डरके बनीयेहीकेकहनेसे, रुपीयादेदीयेःजबतोखेरःओर जोनहीदीये तोराजमे नालीशकरदी.ओर.वोह–तम सुक पेशकरके राजमेकहा,कियहईसके,बापके,हाथकालीखाहुवाहे फीरराजमे उस कागज'याबहीको'यातमसुककोदेखके बनीयेके डीगरीकरदी;ओर;गरीबआदमीको झुठाकरदीया उससेबनीयेको दीलादीया;गर्जकि;गरीब जोसचाथा वोहतो;झुठाकी यागयाःओर;बनीया जोबीलकुलझुठाथा'वोह सच्चाकरदीयागया'ईसतरहसे'राजमे फेसलाहोताहे सोऐसा फेसला,राजसे,ईनसोदागरांनके राक्षसीपापसे ईसीतरहसे होताहे-क्युंकिअकलःतोकुलसंसारकी ईनसोदागरांनके राक्षसीपापसे–फीरीहुइहे– तोईसीतरहसे अदालतके हाकमोंकीभी!बुधी?राक्षसीपापसे ईनबनीयोंने फेरदीहे ईसवास्ते,अदालतमे,जोबनीया झुठाहोताहे'वोहतो सच्चाहोजाताहे!ओर!गरीबःजो सच्चाहोताहे वोह झुठाहोजाताहे,ओर;गरीब,बेचारेकी बनीयेकेसांमने अदालतमेभी पुछनहीहोतीहे-ओर-गरीबकाभरोसा ओर अेतबार!नहीकरतेहें?चाहे?वोहकेसाही सच्चाक्युंनाहों तोभीउसको झुठासमझतेहें.ओर.बनीये चाहेकेसेही झुठेक्युंनाहूं;तो भीउनको-सचासमझतेहें-सोयहसबब ईनबनीयोंके राक्षसीपापकाहे'किईनहोंने'सब की अकलोंको अपने;राक्षसीपापसेःखराबकरदीहे;जीससेसब राजा बादशाह;ओर गरीब,गुरबाकेसबुतको.झुठासमझतेहें ओर बनीयोंकेसबुतको-सचाजांनतेहें-किजो बीलकुलझुठा सबुतपेशकरतेहें किजोजाली;कागज;ओर बहीवगेरा पहले;जालकी बनाकरके,ओर,गवाही शाहदी लोगोंसेकराके ओर-अपने-दस्तखतःओरःअपने– कांमदारके दस्तखतकराके ओर;मोहरछापलगाके;जरुरतकेवक्त अदालतमे सबुत पेशकरतेहें-जबवोहकागज-अदालतमे सचासमझाजाताहे सोखयालकरनेकी;बातहे किसारीदुनीयां रात दीनकमातीहे;जबभीभुखेमरतीहे,ओर ऐककोडी पासनहीहे ओर-यहबनीये-दीनभर बेठेरहतेहें सोईनकेपास ऐसी२जालसाजी,ओर,बेईमांनी, योंसे बहुतकुछधनहेःजीसकीवजहयहहे;किजोबनीये;गरीबहें ओर थोडापेसारखतेहें वोहसंसारके'गरीब'लोगोंकापेसा अनेकतरहसे;छल ओर;बेईमांनीसे;काबुमेकरतेहें ओर जोबनीये जीयादाधनःदोलतरखतेहें:वोहःअमीरलोगोंकापेसा छल ओर;फ रेब,ओर,बेईमांनीसे काबुमेकरतेहें-सोयह सबसबब!बनीयोंके राक्षसीपापकाहेःकि

ईनबनीयोंने सबकी अक्लोंको;अपने;राक्षसीपापसे खराबकरदीहे जीससेःराजा बादशाह,गरीब,गुरबाकेसबुतको झुठाजांनतेहें ओर अलावाईसकेःगरीबःबनीयेतो गरीब लोगोंकेनांमका झुठाःकागज'करजादेनेका'जालसाजीसे मअे गवाहीकेबना लेतेहें,ओर.उसकागजपर मोहरछापलगाके ओर पुखताकरके!रखछोडतेहें!ओर. ईसीतरहसे तालेवर बनीयेःअमीरःलोगोंकेनांमकाःकागज करजादेनेका झुठाबना लेतेहें-आर-कहतेहें-किमुझसे फलांने अमीर सरदारनेःईसकदररुपीयाःऐकरुपीया; सैंकडेके ब्याजपरलीयेहें ओर,ब्याजकेरुपीया,बनीयेको वसुलनहीहुयेहोवें तोक्या कांमकरतेहें,किब्याजके;रुपीयेजोडके;असल;रुपीयोंमेजोडदेवें ; किजोब्याजके-रुपीयों काभी ब्याज शरुहोजावे;सोयहबनीये;बेईमांन;ऐसेरकागज झुठीगवाहीकराके-ओर मोहरछापलगवाके,ओर,सबुत पुखताकरके रखछोडतेहें.ओर.कुछदीन-याबरस-गुजरनेकेबाद यहबनीये रुपीयोंकाःतकाजाकरतेहेंःकितुम्हारे दादाने हमारेदादासे ईसकदररुपीया-करजलीयेथे-वोह हमकोदेदो क्युंकिरुपीयोंका!सबुत;हमारेपास;मो जुदहे ओर तुम्हारे,दादाकेहाथका,तमसुक,लीखाहुवाहे गवाहीवगेरासमेत हमारे पास,मोजुदहे,सोउसनेकहनेसे रुपीयादेदीये जबतोखैर!नहीतोवोहझुठा!जाली;तम सुक राजमेपेशकरके ओर, चोथाईदेके,नालीशकरदेतेहें ओर रुपीया-वसुलकरलेते हें-परंन्तु-वक्तकेहाकीम.ओर राजा बादशाह ईनसोदागरांनके!जालसाजीपर!गोर नहीकरतेहें क्युंकिजो गरीबने!बनीयेसे!करजलीयाहोवे तोगरीब यहकभीनहीकहे किमेंने.नहीलीया.क्युंकिजोरुपीया करजलेताहे वोहभी अपनेपास-लेन-देनका!स बुतरखताहे क्युंकिजब कोईशखसःकीसीकेपाससेःरुपीया करजलेताहे तोवोह'श खसभी'यादरखनेकेवास्ते'दीन मीतीलीखवालेताहे ओर;केईआदमीयोंको;वाकीफ करदेताहे किईसकदररुपीया मैंनेकरज.फलांनेसे.लीयाहे उसकीदीन मीतीमेभुल नापडे-परंन्तु-सोदागरमहाजनांन जालकेकागज पत्रबनाके!रुपीया!ऐकजबरदस्ती की-राहसेलेलेतेहें-ओर जबगरीबआदमी हाकीम अदालतसे!फरीयादकरके! ईन्सा फःकरानाचाहताहे ओर कहताहे.किजोरुपीया.यह सोदागरमहाजन हमसेमांगते हें-वोहःरुपीया-हमनेनहीलीये ओर यहकहतेहें तुम्हारेदादाने!हमारे!दादासेलीयेथे सोहमईमांन धर्म्मसेकहतेहें किहमारे;दादाने;ईनकेदादाको ब्याजसमेत रुपीया;पी छेदेदीये.जीसकासबुत.हमारीबहीमे मोजुदहे सोदेखलीयाजावे-बलके!जीसके!सां मनेदीयागयाहे वोह गहाहीमोजुदहें.उनसे.अदालत दरीयाफतकरलेवे तोअदालत

गरीबआदमीका सबुत पेशकीयाहुवा;देखतीहे;तोभीझुठाठेरातेहें ओर बनीयेके;स बुतको'सचाजांनतेहें-चाहेबनीया केसाहीझुठाक्युंनाहो परंन्तु.तोभीराजा.बादशाह बनीयोंकोहीसचा ओर ईमांनदारजांनकेःगरीबसेःरुपीयादीलवादेतेहें ओर गरीब के-सबुतको-गोरनहीकरतेहें जीसकी खासवजहयहहे किईन.बनीयोंने. ईन्द्रजाली, जालसे तमांमजहांनकी अकल;ओर,राजा;बादशाहोंकी अकलको केदकरदीहे;जी ससे,बनीयोंकोही,सचाजांनतेहें चाहेबनीये साफझुठे क्योंनाहों-ओर;गरीब;गुरबा चाहेसच्चाहोवे परंन्तु राजा,बादशाह;ईनको,झुठाहीसमझतेहें ओर अलावा—ईसके सोदागरांनकेःकांमदारःजातका खयालकरके अपने सेठोंकाहुकम!सर;माथेकेउपर उठाके हरकीसीकेनांमका जालीतमसुक.बनारखतेहें.ओर गवाहीवगेरा करारख तेहे!ओर!मजमुन?तमसुकवगेराका ईसतरहसेलीखतेहें किफलांने-शखसने-फलांने सेठसे ईसकदररुपीया ईतनेव्याजपर,बेल.गाये,ओर,मकांनवगेरा गीरवी रखके. लीयेथे-सोयहरुपीया-मेंनहीदूं तोयहकुलचीजें जोतमसुकमेःलीखदीहेंःवोहईसकरजे बाबत करजादेनेवालेकेहें हमको;राज;दरबारमे;ईनचीजोंसे जोतमसुकमे लीखदीहें कुछवास्तानहीहे-अगरचे-मेरीतरफसे ईसकरजेके रुपीयाबाबत.राज.दरबारमे?की सीतरहका उजरकरूं तोमें,राजका,गुनहगारहूं,सोयहबनीये ऐसे२कागज झुठे;जा लसाजीके-बनालेतेहें-परंन्तु राजा बादशाह जबभीईन,सोदागरांनकोही,सच्चाजां. नतेहें ओर गोरनहीकरतेहेंःसोयहःराक्षसीपापका सबबहे ओर-कोईबात-ऐसीनही किजीससे!तमांमजहांनकी!अकल फीरजावे सोयहसीर्फ—ईन्द्रजालकीही—मायाहे— ओर ईसजालसेही सबकाधन,काबुमेकरलीयाहे,ओर,दुसरीवलायतोंमे जोधनहे- उसकोभी,अपनी,हीकमतसे काबुमेकीयाचाहतेहें क्युंकिदुसरी;वलायतोंमेभी;ईनकी दुकानें पहूंचगइहें ओर,पहूंचतीजातीहे,सोईसीतरहसे वहांकाभीधन अपने,काबुमे करलेंगेःक्युंकिदुनीयांमेःचांदी सोनेकीखांने कदीमसेहीथीं-जीससेसोने-चांदीका— ठाट ओर पाटगीनाजाताथा,सोईनबनीयोंने,अपने,राक्षसीपापके जोरसे कुलधन जीसकाठाट,ओर,पाट संसारमे गीनाजाताथा सोईन?महाजनांनने-अपने-कबजेमे करलीयाहे ईससेतमांम दुनीयां;सोदागरबनीयोंके;पांवनीचेहे ईससेऐ सातों,आठों वलायतोंकेःराजाःबादशाहो यहबात कानील गोरकरनेकेहे!कितमांमजहांन!खेती बाडीकरके राजा बादशाहोंकी,ओलादको,खेतीकरनेवालेही पालतेहें ओर,जीस परभी'हजारोंतरहकी'बेठ बेगारको;हाजीररहतेहें ओर;करतेहें;सोईनलोगोंकी;ऐसी

ऐसीतो करनीहैं ओर अलावाःईसकेःयह खेतीकरनेवाले रात दीन-जांनवरोंकी तरहसे.महनतकरके.कमातेहैं ओर तमांम जहांनकोपालतेहें?सोईनलोगोंकी?महन तको देखकेतो ऐसा;खयालकरनाचाहीये;किखेतीकरनेवाले मा बापकेबराबरहें, किहमारी-ओलादको-ओर हमको यह खेतीकरनेवालेही.पालतेहें.परंन्तु?ईनसोदा गरांनने अपने राक्षसीपापसे'कुलजहांनकी,अकल'ऐसी खराबकरदीहे किंजोसो दागरांनके.ताबेदारहोरहेहें.ओर जोकि जमीनमाताकेउपर कमाकेदेतेहें!ओर!पाल तेहें ईनहोंका कुछगुन-ओर;अहसांनभी-नहीजांनतेहें सोयहवजह ईन्द्रजालकीहे-क्युंकिजालसे;लोगोंकीअकल,केदकरदीहे जीससे नेककांमवालोंकी'पहचांननहीहो तीहे बलके बुराहीबुरा?सुझताहे.किहरवक्त?गरीबोंकेगलेपर अकल फीरनेकेसब बसे'राजा'बादशाहोंने हाथोंसे छुरीरक्खीहुइहे क्युंकि,गरीबआदमीने,कीसीसोदा गर महाजनांनके पाससे-चाहेऐक-कोडीभीनहीलीहोवे-ओर गरीबआदमी ईमां, नसेकहे.किमेने.कोडीमीनहीलीहे परंन्तु राजसे कुछसुनवाईनहीहोतीहे!ओर!बनी ये महाजनलोग झुठाजालीकागजःओर.तमसुकःईसतरहसेबनातेहें किजोलोग म रेहुयेहें'उनकेनांमसे'झुठीबहीमे ओर जाली तमसुकवगेरा,लीखलेतेहें.ओर,उसतम सुकमे गवाहीयांन वगेराभी?झुठी?जालसाजीवगेराकी ऐसेलोगोंकी लीखलेतेहें-किजोलोगमरचुकेहें,याने,सात२पीढीका करजा उनकीओलादकेसाथ.जालसाजी ओर फरेब दगाबाजीकरलेतेहें-याने-परदादाकोदीये यानहीदीये झुठारुपीयाही, मांगताहे'तोपरपोतेसे'रुपीया वसुलकरलेतेहें सोऐ,तमांमजहांनकेलोगो,यहकोई-इ नसाफ नहीहुवा यहःसारासबब?राक्षसीपापकाहेःजीससेराजा बादशाहोंको यह खबरनहीहोतीहे.किगरीबने.कीसीसेरुपीया पेसा लीयाहे;यानहीलीयाहे,यायह-म हाजनलोग गरीबको झुठाही,ईलजांमदेताहे,ओर,अदालतोंके हाकीमोंको गरीब, लोगोंकेःसबुतपरःबीलकुल खयालनहीहोताहे अगर-बनीयेकेसांमने-कीसीगरीब-का सबुतझूठाभीहोवे तोऐक.आदमीझूठाहोवे.यादोझूठेहोवें यादसझूठेहोवें यह;नही होसक्ता!किकुल!बनीयेहीबनीये सच्चेहोवें ओर बाकीतमांम.संसारकेलोग.सब;झूठे होजावें यहतो राक्षसीपापसे,बनीयोंने,तमांम,संसारकेलोगोंको झूठोंके मुवाफीक करदीयाहे,ओर,अदालत गरीब आदमीयोंसे यहनहीपुछतीहेःकितुम्हारासबुतःया, बही यारसीदवगेरा जोहोवे,तोअदालतमे,पेशकरो यहतोगरीबसे कोईनहीपुछता ओर-बनीया-चाहेझूठाहोवे ओर चाहेसच्चाहोवे उसकोही,हरसुरतसे.सच्चासमझतेहें

परंन्तु यह साराहीसबब-राक्षसीपापकाहे-किअदालतके हाकीमोंकी अकल.ओर सब.संसारकी.अकल ईन बनीयेमहाजनांनने अपनेःबसमेःकररक्खीहे-ईससे-हा-कीमलोगोंको सच झुठकी!नीगाहनहीपडतीहे!ओर;ईनतमांम बनीयोंने आपुसमे ऐकाकरके,सबसंसारका,पेसाखेंचकर सब दुनीयांको गारतकरके'ओर'दुनीयामे. अपना राजकरनेकेलीये ऐसा!जुलमचलायाहे?जीसकी खासवजहयहहे कियह-बनीयेलोगःकुलःऐकदीलहोरहेहें ओर संसारकेनांमका-पापकरारहेहें;जीससे;हिंन्दु स्तांनकेलोगोंकी अकल ऐसी?खराबकरदीहे!जीससेईन सोदागरांनके पापकरने कीपहचांन?कीसीराजा.बादशाहोंको ओर रैयतवगेराको.नहीपडतीहे.क्युंकि-ईन सोदागरमहाजनांनने सबकी अकल-खराबकरदीहे-जीसकी वजहयहहे किहमारे राक्षसीपापकी,कीसीकोभी,खबर नहीपडी तोहमारा'राक्षसीपाप'खुबचलेगा;ओर जबकि हमारा राक्षसीपापःखुबचलतारहेगा?तोहमःसातोंवलायतोंका धन अपने काबुमेकरलेंगे'किजीसतरहसे'हिंन्दुस्तांनका धन सबकी,अकल,फेरकेलेलीयाहे?उ सीतरहसे सातों आठोंवलायतोंका,धन,अपने कबजेमेकरलेंगे ईससबबसेःईन;सो दागरमहाजनांनने-अपने-दीलमे सोचकर ईन्द्रजालकाःपापचलायाहेःकिजब,कुल; बादशाहोंका धन हमारेपासहोजावेगा,ओर.कीसीबादशाहकेपास ओर रैयतके. पास,धननहीहोगा,जब सब राजा बादशाह ओर रैयतवगेरा'हमारेहुकमकी'तांमी, लकरेंगे ओर जीसतरहसेकिःअबःराजाःबादशाहःराजकररहेहें उसीतरहसेहम अ पना-राजकरेंगे-ईसगर्जसे ईनबनीयोंने हिंन्दुस्तांनकेलोगोंकी.अकल.अपने!राक्ष-सीपापसे खराबकरके सातों'आठों'वलायतोंकामाल ओर धनको,अपने;कबजेमे कीयाचाहतेहेंःकिजीसतरहसे;हिंन्दुस्तांनका धन काबुमेकरलीयाहे-ईसीतरहसे-कु ल वलायतोंका धनभी-काबुमेकीयाचाहतेहें-ईससेमें तुमहिंन्दु मुसलमांन;ओर;अं ग्रेजवगेराको,ईन,सोदागरांनके राक्षसीपापसे वाकीफकरताहूंःसोआपलोगोंकोःइ-न सोदागरांनका राक्षसीपाप-सबसंसार-हेतकरकेछोडाओ जबईन बनीयोंका,रा क्षसीपापदफेहोगा.परंन्तु.यहबातभी काबील खयालकरनेकेहेःकिजोमेरेःजीतेजी-राजा बादशाहोंने ऐकदीलहोके'ईन'सोदागरांनके राक्षसीपापकोछोडाया जबतो में-यकीनकरताहूं-किजरुर२छुटजावेगा नहीतोफीर तुमलोगोंसे.नहीछुटेगा?क्युंकि तुमकोईनके जालोंकी वकफीयतनहीहे,क्युंकिईन.सोदागरांनके जाल बेशुमारहें. ओर,मुझकोतो.ईनसोदागरांनके जालकी ईसवजहसे!खबरहे?किमुझकोईनहोंने?अ

पने राक्षसीपापसे दुखीकीयाहे;ईससेखबरहे;क्युंकिमुझको तमांमजहांनकी ओला दोंको:अपनेहाथसे:ओर संसारकीमददसे ईनसोदागरांनके,राक्षसीपापसे,बचानाहे ओर मुझको ईनसोदागरांनने!जादुकेजोरसे!बहुततकलीफदीहे जीससेकुल ईन्द्र, जालीजाल'मालुमहुवाहे'किजीसकदर यहवनीये दरीयावोंके:टापुपर:अलोपपाप- करारहेहें किजीससे दीन२दुनीयामे;बुराहोताजाताहे;परंन्तु तुमलोगोंको यहवनी ये-अपने-राक्षसीपापसे दुखनहींदेतेहें याने नहींकलपातेहें,ईससेतुमको,ईनका,राक्ष सीपाप मालुमनहींहोताहे सोजबकि!तुमलोगोंको?यह सोदागरमहाजनांन समा. मुख-नहींकलपावेंगे-तोतुमको मालुमनहींहोसक्ता ओर:यह:सोदागरलोग?आपलो गोंको समामुख नहींकलपातेहें.आपलोगोंके.नांमका होमकरा२के गलातेहें;अगर समामुख;कलपावें,तोईनकेजालकी संसारमे खबरपडजावे'जबतोईनका'जालकोन चलनेदेवें ओर मुझकोतो:ईनहोंने;समामुखकलपायाहे जीससेमुझको मालुमहुवाहे ईससे:में:आपलोगोंको ईन सोदागरांनकी चोरीसे-वाकीफकरताहूं-कितुम्हारेबाल बच्चे ईनहोंकेजालसेबचें,सोतुम,सबसाहब,हेतकरके,ओर ऐकदीलहोके ईनहोंकेजा लको.मेरेजीतेजी.दफेकराओगे जबतो दफेहोजावेगा!नहीतोबाद?मेरेमरनेके?फीर तुमसे ईनसोदागरानका राक्षसीपाप.दफेनहींहोगा:ओर जोआपलोगोंने ईनहोंके जालोंको-सचजांनके-ओर यकीनलाके बंन्दोबस्तकीया तोमें!कुलजाल!ईनसोदा- गरांनका अपनेसांमने तुमलोगोंके,हाथसे,दफेकरादूंगा किजीसकदर पापईनहोंका अलोपहोरहाहे:ओर:बादमरनेमेरेके जोबंन्दोबस्त ईनसोदागरांनके.जादुकाकीया, तोदफेनहींहोगा किसोदागरलोग--कीसीकदर--पापछोडदेंगे ओर?यहकहदेंगे?कि, हमनेसब राक्षसीपाप छोडदीयाहे;जीसपर;आपलोग सचजांनके ईनसोदागरांनसे बीलकुलनहींकहोगे-ओर-यह अपना मोकापाके.फीर,पुरा पापकरना.शरुकरदेंगे ओर अपनेजालकी खबरकीसीको,बीलकुल,नहींपडनेदेंगे किजेसेअबतक कीसी कोअपने;राक्षसीपापकी;खबर नहींपडनेदीहे ईसीतरहसेफीर'नहींपडनेदेंगे'तोफीर यह सोदागरमहाजनांन तमांम,जहांनकेलोगोंको.गारतकरके अपना राजकरेंगे- ईससेईनहोंके,राक्षसीपापको,छोडानाचाहीये क्युंकि मुझको:ईनहोंकी:चोरीमालुम; हुइहे जीसकीवजह यहहे;किमुझको;समामुखकलपाया ओर दुखीकीया ईससेमा लुम-हुवाहे-सोयहबातमी सोदागरांनकेभुलकीहे क्युंकिजो!सोदागरमहाजनांन--मु झको अपने राक्षसीपापसे'भुलके;नहींसताते'तोकभी ईनकाजाल संसारकेलोगोंपर

जाहीरनहीहोता हालांकि में-सबसंसारके-भलेकेवास्ते अपनेउपर ईसःफकीरीकी हालतमे,बोझउठाके,वाकीफकरताहूं किसंसारकेलोग जलदी.मेरेकहनेपर.यकीन-लाकरके समझजावें ओरःमददेवेंःतोसोदागरांनके राक्षसीपापको दफेकरादूं-तो संसारकेलोगोंको.कीसीतरहका दुखनहीहोवेःबलकेःसतजगकीतरहसे सुखपावें?व फीर सतजगहोजावे किजेसा!रावणकेवक्तसे!पहीलेथा सोऐ संसारकेराजा-बाद शाह-ओर-रैयत?मेरेलीखनेपर गोरफरमाकर जलदी?बंन्दोबस्तकरो-तोपीछेसत्य जगहोजावे ओर सबकीउमरभी.पुरीहोनेलगे.क्युंकि परमेश्वनेतो उमरपुरीदीहे-परंन्तु'राक्षसीपापसे'कच्चीउमरमे मरजातेहैं सोमें?सोदागरांनका;राक्षसीपाप;छोडा नेकेलीये वाकीफकरताहूं ईससेयहःसोदागरमहाजनःअपने राक्षसीपापसे तुम?सं सारकेलोगोंकी-अकलको-केई२तोरसेफेरेंगे ओर जाल!जाहीर?नहोनेकेलीये?कुछ काकुछ तुम लोगोंकोसुझादेंगे.क्युंकिवनीयोंकेदीलमे,राक्षसीपापछोडनेका बीचार नहीहे?बलके?ईन सोदागरांनका जालपहलेभी कीसीराजा-बादशाहने-पकडाथा ओर दफेकरानाचाहाथा बलके'सोदागरांनका'जाल मालुमहोनेपर मंन्दीरवगेरा गीरवादीयेथे-परंन्तु-ईनसोदागरांनने उनराजा बादशाहोंकी.बुधीभ्रष्टकरके.राक्ष. सीपापसे भुलायाथा ओर-कुल?राक्षसीपाप-नहीछोडायाथा ओर बादऐकःदोपी ढीगुजरनेके,फीर,राक्षसीपाप अपना चलादीयाथा सोयहबात.दुनीयांमे.मशहुरहे सोजीस शखसने किईनहोंका!राक्षसीपापपकडाथा?सोउसीवक्त ईनके राक्षसीपा पकोछोडाके-बनीयोंको-मारदीयाजाता तोफीर राक्षसीपाप.नहीचलता?परंन्तु?गु पतीपापके करनेवालोंको गारतनहीकीयाःजीससेःगुपतीपाप चलतारहाहे सोईस बातकीखबर?कुल?हिंन्दुस्तांनके महाजनांनकोहीहे परंन्तु-गुपतीपापके-करनेवालों को गारतनहीकीया जीससे'गुपतीपापचलतारहाहे'परंन्तु अपनेघरका राक्षसीपाप जाहीरःनहोनेकेलीये,पापकरनेवालों बनीयोंको नहीबतातेहैं'ओर'रावणकेजालको तो रावणके भाईःभवीक्षणनेःबतादीयाथाःजीससेःसनीश्वनेसबसंसारको वाकीफ कीया-ओर-रावणकेजालको संसारकेहाथोंसे दफेकराया!ओर!फीर-नहीचलनेदी या परंन्तु सोदागरमहाजनांनने;अपनेकुलमें,आपुसमे ऐका ऐसाकररक्खाहे;किः सोदागरांनके,कुलमेसे,ईसबातको दरीयाफतकरो तोअपने.पापकरनेका.भेदकीसी कोभी नहीदेतेहैं चाहेकेसाही-लालचदो-परंन्तु असलीभेद कभीनहीदेंगे?क्युंकिप हीले-कीसीबादशाहने-राक्षसीपाप करनेकेसबबसे सोदागरांनकोःअच्छीतरहसेःत;

कलीफेंदीथीं बलके जादुकरनेकीःवजहसेहीःईनबनीयेलोगोंके मंन्दीरतक गीरवा दीयेथे,जबभीसच;नहीबोलेथे सोअबकीसतरहसे सचबोलेंगे-बलके-जीयादा.ओर हजारोंतरहकी कसमेंखाअें क्युंकिजीस.सुरतसेहोगा,अपने जालकरनेको छुपावेंगे ओर,पापकरना,नहीबतावेंगे क्युंकिईनके कुलमे यह!सलाहकीहुइहे!किजोजाल;क जाकार कीसीकेकहनेसे जाहीरहोजावे,ओर,राजा,बादशाह सखतीकरें या-मार देवें-तोकुछपरवाहकी-बातनहीहे परंन्तु असलीजालको!नहीबताना?क्योंकिअपनी ओलाद सलांमतरहेगी ओर,पापकाकरना.नहीछुटेगा तोतुमलोगोंके जांनकाबद ला-राक्षसीपापके-जादुसे तीनगुणालेलेवेंगे ओर अपना!राजकरेंगे!परंन्तु-पापके, करनेको हरगीजरअपने,कुलकेआदमीयों मतबताना.सोयह नहीबतावेंगे!परंन्तु-तुम,राजा;बादशाहोंको यहबात गोरकरके!समझनाचाहीये!किजबतक यहपापको नहीछोडें तोईनकी ओलादतकको,जींन्दामतरहनेदेना;ओर रावणकीतरहसे मअे ओलादके'गारतकरदेना'जबअपना राजरहेगा अगर.ईसतरहसेनहीकीया.तोकुल; वलायतोंको यह सोदागरलोग,गारतकरके.अपना राजकरेंगे ईससेतमांमजहांनके राजा,बादशाह,ओर,रैयत ईनहोंके राक्षसीपापका-करनाछोडाओ'ओर'बंन्दोबस्त करो तोमेरेजीतेजी ईनहोंका,पापकरनाछुटजावे.नहीतोफीर नहीछुटेगा क्युंकियह बनीये;दुनीयांदीखाईकेलीयेःकीसीकदरःपापछोडदेवेंगे;ओर - कीसीकदर; नहीछोडेंगे परंन्तु तुमराजा बादशाह,कीसीकदर-पापकेछोडनेसे,यहजांनोगे किईनहोंने बील कुल-पापकाकरना-छोडदीयाहे परंन्तु यह पीढी!दोपीढीगुजरनेकेबाद!संसारको-भुलाके फीरअपना राक्षसीपाप!चलादेंगे!क्युंकिसंसारके दीखानेकेवास्ते केईबार पापकोछोडचुकेहें.ओर.फीरसंसार भुलमेपडजानेकेबाद--चलारहेहें-उसीतरहसेअ; बभी करनाचाहतेहें ईससे.में,कुलसंसारकेलोगो-ईनहोंकेपुरांने ओर नयेजालसे. वाकीफकरहीदेताहूं-किजीसतरहसे सनीश्वने रावणके.राक्षसीपापसे.संसारकोवा, कीफकीयाथा तोतमांम जहांनकेलोगोंने-सनीश्वके-वाकीफकरनेसेही जलदीबंन्दो बस्तकरके,रावणके,राक्षसीपापको मअे रावणके कुलके,गारतकरदीयाथा,किजब सेफीर रावणके गुजरनेकेबाद;कुछदीनोंतक;राक्षसीपाप नहीचलाथा हांहरनाकुश वगेराने-अलबत्ता-राक्षसीपाप चलायाथा किजीसतरहसे.रावणने.चलायाथा;ले-कीन जीसतरहसेकि रावणकाःराक्षसीपापःदफेकरायागयाथा उसीतरहसे हरना कुशकेजालको!नरसिंघजीने!दुनीयांमे मशहुरकरके राजा--बादशाहोंसे--बंन्दोबस्त

करादीया सोयहबातें दुनीयांमे.मशहुरहें:परंन्तु.रावणका राक्षसीपाप कुल-सनी श्चंकी-मालुमथा-जीससे.रावण अपने राक्षसीपापकों,छुपानहीसका!सोअब!ईनसो दागरांनका राक्षसीपाप सनीश्चंकीतरहसे.मुझको-मालुमहे सोमें तमांमजहांनके- हिंन्दु.मुसलमांन.अंग्रेजवगेराको ईनसोदागरांनके जालसे-वाकीफकरताहूं-किजी. सतरहसे रावणके ईन्द्रजालीपापको.सनीश्चंकेकहनेसे.तमांम जहांनने ऐकदीलहो के-छोडायाथा-उसीतरहसेअब ईनसोदागरांनके जालको!तुम!तमांमजहांनकेलोग: ऐकदीलहोके मेरेकहनेसे छोडाओ-जबछुटेगा-ओर फीरनहीचलेगा ओर:जबकि यह.जमीनकांपतीहे.जब;जमीन राक्षसीपापसे फटजातीहे!जब!संसारके;छांनेछांने अलोप धनखेंचलेतेहें ओर:जोकिकदीमीधनथा:वोह ईनबनीयोंने अपने?राक्षसी पापसे!खेंच२के!कीसीटापुकेउपर जमेकररक्खाहे सोवोह?धनतो?दुनीयांसे-छांने; खेंच२के जमेकीयाहे सोधनकोतो;यह:बनीयेजांनतेहें;ओर दुसरीवलायतोंमे जब जमीनमाता!कांपतीहे?जब बहुतसेमकांन गीरजातेहें ओर-बहुतसी?जांनोंका-नुक सांनहोताहे ओर जब,जमीनफटजातीहे,जबलोग,परमेश्चंकी कुदरत जाहीरकरतेहें ओर.यह.नहीसमझतेहें किजमीन राक्षसीपापसे फटतीहे-सोकीसीनेधन-कदीमी- खेंचाहे यहनहीजांनतेहें सोदेखोभाई:किवलायतें:चाहे लाखोंकोसों ओर-कीरोडों कोसोंमेक्युंनहूं?परंन्तु!राक्षसीपापके जादुसे जमीनकोफाडके!कदीमीधन!लेलेतेहें, किजीसतरहसे मंन्दीरोंको जादुकेजोरसे'उडादेतेहें'ओर उनहोंकी पुतलीयोंको- कहींसेकहींपर-बाहर-नीकालदेतेहें ईसीतरह वलायतोंकाधनभी.खेंचलेतेहें.सोयह; बातें मंन्दीरवगेराके उडानेकी-ओर-कहींकेमंन्दीरकी पुतलीकहींपर नीकालनेकी बातेंदुनीयांमे.मशहुरहें.परंन्तु दुनीयांकेलोग ईनबातोंको!परचा२जांनतेहें!ओर,क हतेहें सोऐ हिंन्दु,मुसलमांन,अंग्रेज मेरी'यह'अर्जहे किजीनहोंको तुम-सब-लोग परचा२कहतेहो-यह-परचानहीहे क्युंकियहतो राक्षसीपापकी.मायाहे.परंन्तु:दुनी; यांकेलोगो तुमको ईसजालकी,खबरनहीहे;ईससेपरचा२कहतेहो जीसकी खासव जह.यहहे.किईनसोदागरांनने अपने राक्षसीपापसे कुलजहांनकी-अकलखराबकर दीहे जीससेजमीनके कांपनेका:हाल:नहीजांनसक्तेहो परंन्तु यहबातभी;काबील; खयालकरनेकेहे!किबगेर!तकलीफ जमीनमाता हरगीज२नहीकांपसक्तीहे.यह.उ- सीहालतमे कांपतीहे किजब,जमीनकेनांमका,पापकरातेहें परंन्तु सोचनेकीबातहे किजीसतरहसे.आदमीका.सरीरहे ईसीतरहसे जमीनमाताकाभी-सरीरहे-परंन्तु;

[२४]घंन्टा दीन रातमेःकोईघडी-पल.आदमीकेवास्ते ऐसीआतीहे किजोमारे दरदके-बुखारवगेरा-आजाताहे ओर कुछ नहीसुहाताहे;बलकेऐसा;मालुमहोताहे-किदमःअभीनीकलजावे क्युंकिजब'दरदकी'सखतीहोतीहे तोउसवक्तमे;तमांमसरीर कमजोरीके-सबबसे-कांपनेको लगजाताहे सोभाइमेरेहो.जीसतरहसे,अपनेसरीरमे दरद वगेराहोताहे उसीतरहसेःजमीनमाताकेभीःसरीरमे दरदहोताहे परंन्तु?जमी नमाताके!सरीरमे!दरदहोनेकीवजहसे नीहायतही खराबीयांहें'ओर'जमीनकेकांप, नेकी वजहयहहे कियहसोदागर,महाजनांन,जमीनमाताको जमीनमाताके नांमका पापकराकेःओरःजमीनकोफाडके धनखेंचलेतेहें जब?जमीनमाताके!सरीरमे-दरद होताहे ओर दरदकेसबबसेही,कांपतीहे,सोयह,सबसबब राक्षसीपापकाहे बगेर;रा क्षसीपापके-नतो-आदमीयोंको कोईबीमारीहे ओर नजमीनमाताको.कोईबीमारी-कीसीकीसमकीहे परंन्तु यहजीसकदर;बीमारीयांःदुनीयांमेहोतीहें ओर जमीनमा ताकोहें!यहसब!ईन्द्रजालकेपापसेहें क्युंकिईन बनीयोंने दुनीयांकेःभुलानेकेवास्ते; पहलेसे तरह२कीबातें नईतरहकीःचलादीहेंःकिजीससेकोई शखस हमारेजालको नापहचांनसके.मीसलन.जमीनमाता कांपतीतोहे राक्षसीपापसे-ओर-दुनीयांके;भु लानेकेवास्ते यह जाहीरकरदेतेहें'किपरमेस्वकी'कुदरतहे उसकेघरकी कोनजांन-ताहे-क्युंकिसंसारके-लोगकहतेहें किजमीनमाताकेनीचे ऐकबेलहेःओरःउसबेलके. सिंगकेउपर यह जमीनमाताहे,क्युंकिजबबेल,सिंगकोबदलके दुसरे सिंगकेउपरले ताहे-जीससेजमीनमाता?कांपतीहे ओर अलावाईसके?बहुतसेलोगोंको?ऐसासुझा दीयाहे जीससेचोह ऐसाकहतेहेंःकिजमीनमाताःबासगनागके सरकेउपर बीराजी हुइहें.परंन्तु.जबकिसरप अपने सरकोहीलाताहे तोउसके!सरहीलानेसे!जमीनकां पजातीहे ओर कोईसबबनहीहे.सोऐसी२बातें.ईनसोदागरांनने दुनीयांके भुलाने केवास्ते!पहीलेसे!चलादीहें किजमीनमाता बेलके सिंगकेउपरहे-ओर-कोईयहकह ताहे किसरपके सरकेउपरहे-ओर;कोईकहताहे-किमहादेवके लंगकेउपर बीछीहुई हे-ओर-जेसादुनीयांकेलोग कहतेहें ऐसाहीकीतावोंमे ईन.महाजनांनने.पहीलेसेही यहबातेंलीखदीहें ओर नांम-उनकीतावोंकेउपर-हिंदु मुसलमांनोंके बुजगोंके-ली खदीयेहें!किजीससेईन!महाजनांनकानांम संसारमे जाहीरनहोवेःसोदेखोयह;खया लकरनेकी बातहे किजमीनमाताःकोनसाफुलहेःकिजोबेलके सिंगकेउपर यासरप के;सरकेउपर;खडीरहसके याबेठसकेःयहतोईन सोदागरांनके'घरका'राक्षसीपांपहे

किजीससे अकल खराबकरदीहे-जीससे-जमीनमाताके सरीरकीही पहचांननहीहे परंन्तु-सोदागरांनके,कुलको ईसजमीनमाताके सरीरकीपहचांन;अच्छीतरहसेहे;कि जेसे रावणकेवक्तमे रावणके,कुळके,जमीनमाताके सरीरकीपहचांन जांनतेथे;ईसी तरहसेअब!सोदागरांनको!कुळतो जमीनके सरीरकी;पहचांनजांनतीहे'ओर'संसा; रकीओलाद नहीजांनतीहे;जीसका,सबुतयहहे,किजीसतरहसे रावणने कीतावेंचगेरा चलाकर?ओर?बुधीभ्रष्टकरके जमीनकेसरीरकी पहचांन-भुलादीथी-ओरःरावण, की कुळजांनतीथी उसीतरहसे'सोदागरांनने'अब राक्षसीपापकी कीतावेंचलाकर सभोंकी,अकलोंको,खराबकरदीयाहे जीससे जमीनकेसरीरकी-पहचांन-संसारके, लोगोंको बीलकुलनहीहे सोसब,सबब.ईन्द्रजालकाहे,ओर जबकि ईन्द्रजाल-चल ताहे-जबहीसंसारकी-अकल खराबहोजातीहे ओर जबही.संसारमेरोग?तरह२के-होजातेहें नहीतो हरगीज२रोगःनहीहोसक्ताहेःसोयह राक्षसीपाप सोदागरांनका चलायाहुवाहे!ईससे!दुनीयां भुलीहुइफीरतीहे दुसराकोई.सबबनहीहे-क्युंकिजमी नमाता कीसीके सिंगकेउपर-नहीखडीहे-यहतोसीरफ अपने दमसेखडीहेःओर. यहजोकहतेहें?किजमीनमाता?कीसचीजपर ठेरीहुइहे सोभाईयो?यहबात-कीसको मालुमहे किकीस चीजपरठेरीहे,मालीकको,खबरहे किजलकेउपर ठेरीहे?यामाली ककी-कुदरतसेठेरीहे-कोई जमीनकेबाहरजाके ओर!देखकर!थोडाहीआयाहे?ओर जमीनकेनीचे क्याकोईखड्डाहे ओर,ईनमहाजनांनने,जमीनमाताको जादुसे पाप, कराके.दुबलीकरदीहे.ईसवास्ते आपलोगोंको वाकीफकरताहुं?कि?जमीनमातातो अपने दमसेखडीहे किजीसतरहसे-आदमी-अपने;दमके सबबसे जमीनपरखडा; याबेठारहताहे!ईसीतरहसे!जमीनमाता अपने दमकेवसीलेसे?खडीहुइहे?किजीसत रहसे आदमी दमकेसबबसे-जमीनपर-खडा-याबेठाहुवाहे ओर जमीनमाताको— बेलकेःसिंगकेउपर;बतातेहें ओर;कहतेहें वोह'बनीयोंके'राक्षसीपापसे;भुलकेकहतेहें क्युंकिईन बनीयोंने सबकीअकलःराक्षसीपापसेःखराबकरदीहे जीससे उनहोंको दुरस्त-ओर-सही-नहीमालुमहोताहे ओर खीलाफबातें!सच्चीमालुमहोतीहें!फीर;ऐ सी२बातें जालकी ईनसोदागरांनकी,हजारों;बलके कोरोडोंहें किजीनकीकुछ'गी नतीनहीहे.बलके.हजारहाबातें ईनसोदागरांनकी चलाईहुइहें:सोहम-तुमःसबसंसा रकेलोग देखरहेहें ओर;अपने;हाथोंसेकररहेहें;ओर अलावाईसके केईकीतावें-ऐ; सी२जालकी-चलादीहें ओर नांम उनकीतावोंकेअन्दर हिन्दु.मुसलमांनके.बुजर

गोंका अपना बचावकरके-लीखदीयाहे,सोईसगर्जसे-लीखदीयाहे किजब कभीह मारे.जालकी.खबरपडेगी तोकीतावोंकेदेखनेसे हमलोगोंपर?जाल?सावीतनहीहो सकेगा क्युंकिकीतावें संसारकेलोगोंके,नांमसेहें,ईससेराजा बादशाह संसारकेलो गोंकोही.पकडेंगे.ओर.हमबनीयेतो अलेहदाके अलेहदारहजावेंगे.परंन्तु.ईनसोदा गरांनने ऐसी२बातेंजाली अपनेःभलेकेवास्तेःओर तमांमसंसारको गारतकरनेके वास्ते-चलादीहें-किजीसकेउपर दुनीयां अपने आपहीचलरहीहे;ओर,ईनलोगोंकी कीतावोंको दुनीयां अपनी,कीतावेंकरकेबेठीहे,सोभाईअव्वलही बात काबील;ख यालकरनेकेहे,कितमांम.जहांनकेलोग कीतावोंको वांच२के-खुशीहोतेहें-ओरःयह. कहतेहें किश्रीकृष्ण महाराजने,समुन्द्रकोमथा?ओर बीलोयाथा परंन्तु—जीसवक्त किमथाथा-ऊसवक्त-बासगनागकी रसीबनाके समुन्द्रको.बीलोयाथा.जीसको—ज वांन मारवाडमे नेतराकहतेहें'जीससे'श्रीकृष्णजी'महाराजने समुंन्द्रकोमथाथा सो यहबात.तमांमदुनीयांसे.आंमलोगकहतेहें सोयह बातभी?बनीयोंकेघरकी?चलाईहु इहे क्युंकि समुंन्द्रकाजल,श्रीकृष्णजी-महाराजने.नहीमथाथा क्युंकि श्रीकृष्णजी. महाराजभीःऐकःओतारोंमेसेथे हांश्रीकृष्णजीने ईश्वपरमातमाकी-भगतीकीहे,जीस सेउनका नांमअमररहाहे ओर,ईनहोंनेभी.सनीश्वकीतरहसे संसारकेसाथ नेककां मकीयाहे,जीससे.श्रीकृष्णजीकानांम अवतकअमरहे बाकीजाल-ईनसोदागरांनका हे सोयहजाल सीर्फसंसारके-भुलानेकेलीये-चलादीयेहें किजीनहोंको सबसंसार केलोग-बीलकुल-नहीसमझतेहें सोसंसारकेलोगोंकी अकल.फेरनेकेलीये ? राक्षसी-पापचलायाहे जीससेअकल खराबहोगइहे,ईससे,मुझगरीबके कहनेपर यकीननही लातेहो,परंन्तु,देखोकि जीसतरहसे श्रीकृष्णजी महाराज-ओतारहुयेहें;सोदेखोभा इ श्रीकृष्णजी महाराजके;तोरपरःतुम;सबहिंन्दुःमुसलमांन अंग्रेजवगेरा मनसाओ तारहीलोगहो-सोतुम;श्रीकृष्णजीको यहकहतेहो किउनहोंने'समुंन्द्रका'जलमथाथा सोउसीतरहसे अब तुमलोगभी;समुन्द्रकेजलको;क्युंनहीमथलेतेहो अगर समुंन्द्रका जल;तुमलोगोंसे;नहीमथाजाताहे तोश्रीकृष्णजी महाराज,क्याजलमथसक्तेथे.कि— जोतुमलोग बयांनकरतेहो यहःतारीफतोःसोदागरांनके जालकीहे क्युंकिसमुंन्द्र-कुछदेहीका-मटकाथोडाहीथा-किजीसको श्रीकृष्णजी महाराजने,मथलीया,क्युंकि समुंन्द्रकापांनी हजारोंकोसोंमे पडाहुवाहे;यह;नहीहोसक्ता किश्रीकृष्णजी महारा जने-समुंन्द्रकाजल—बीलोयाहोवे फीरसाफ२तुमलोगोंको खयालकरना?ओर;सम

झनाचाहीये कियह सोदागरांनके-घरकाजादुहे-सोऐसे२जादुके अंन्दर तमांमजहां नके!लोगोंकी!अकलफीरीहुइहे जीससेतुम सबको ऐसाहीसुझताहेःपरंन्तुःयहतो-खयालकरो किहम तुमसे,ऐक.तलाबकाही,जल नहीबीलोयाजाताहे तोश्रीकृष्ण महाराजने'समुंन्द्रकाजल'कीसतरहसे बीलोयाहोगा क्युंकि;श्रीकृष्णजी;महाराजतो खुदहीओतारथे किजीसतरहसे हम,ओर!तुमसब,संसारकेलोगहैं उसीतरहसे श्री कृष्णजी-महाराजथे-परंन्तु ईनबनीयोंने दुनीयांके भुलानेकेवास्तेःतरह२कीःकीता बें राक्षसीवेदकी हिंन्दुओंकेघरमे-हिंन्दुओंके-बुजगौंकेनांम लीखकर धरदीहें-ओर उसीतरह.मुसलमांनोंके.बुजगौंकेनांम लीखकेधरदीहें ओर!राजा!बादशाहोंकेघरों मे राजा बादशाहोंकेबुजगौंकेःनांमलीखकेःधरदीहेंःपरंन्तु यह सबजाल;ईनसोदा गरांनके;घरकाचलायाहुवाहे;सोईनहोंने अपने बचावकेवास्ते;यहकेसी;अकलमंन्दी कीहे किजबकोई राजा'बादशाह'ईनसोदागरांनके जालको दरीयाफतकरेगा तो हिंन्दुओंकेघरोंमे!जाली!कीतावें नीकलनेके सबबसे ? हमाराजाल ? कीसीतोरसेकोई नहीसमझेगा बलके कीतावोंकेदेखनेसे-हिंन्दु-मुसलमांनकोही ईन्द्रजालीया सम. झकरके!तरह२की!तकलीफेंदेंगे उसहालतमे ईनहीलोगोंके!बच्चेमारेजावेंगे!ओर--ह मारेबच्चे बचजावेंगे ईसवजहसे!ईनसोदागरांनने.हिंन्दु मुसलमांनोंकेघरोंमे अपने राक्षसीपापसे.अकलफेरके.जालकी कीतावें पकडादीहें-जीससे-तमांमलोगःहिंन्दु; स्तांनके आपुसमे लडतेचलेजातेहैंःईसीतरहसेःसोदागर महाजनांन दुसरी;बाद-शाहतोंके!लोगोंकोलाके!अपने राक्षसीपापसे अकलकोफेरके-ओर-आपुसमेंःनारा जगीकराके गारतकरदेंगे ओर,जीसतरहसे,किहिंन्दुस्तांनके राजा बादशाहोंको. गारतकरके,धन,अपने,काबुमेकरलेंगे सोदेखोभाई कियहबनीयेःसातोंःआठोंवलाः यतकेःलोगोंको;गारतकरनेकेलीये'अपने'राक्षसीपापको;करतेजातेहैं ; ओर - हजारोंको राक्षसीपापसे!गारतकीयेहैं!परंन्तु बादशाहलोग ओर!तमांमजहांनकेलोग!ईनसो-दागरांनकेसाथ तरह२के सल्लुककररहेहैं;जीसपर,यहलोग अपनेजालसे बाज;न हीआतेहैं-क्युंकि-सोदागरांनको बादशाहने;साहकी पदवींदीहे!ओर!दुसरेतरह२के लाडरखतेहैं ओर ईनबेईमांनोंका;चाहेकीतनाही;लाडरखें परंन्तु ईनकोतोअपनाही मतलबसुझताहेःओरःयहचाहतेहैं किसातों आठोंवलायतोंको,गारतकरके;हमारेओ लादका राज सबवलायतोंमेःहोजावेःईनकोतोःयह लोभलगाहुवाहे ईससेयहलोग अपनी!बदमाशीसे!बाजनहीआते ओर अपना राक्षसीपाप-तमांमजहांनके--गारत

करनेकेलीये रात दीनकरारहेहैं;किजीसकेसबबसे;राजा बादशाहकेलडके मअे;रै यतके-ऐसेतंग-हालहोरहेहैं किजोउनहोंको रोटी कपडाभी?नसीबनहीहोताहे?बल के साग तरकारीवगेरासे'याकंगा?कंगीवगेरा'बेच२के दीन गुजरांनीकरतेहैं—सो यहहाल-कुछछुपाहुवानहीहे?बलके सबसाहब अपनी२आखोंसे!देखरहेहैं!किजेसे. हिंन्दुस्तांनकेलोगोंकी ओर मक्कावालोंकी-केफीयतहे-परंन्तु ईनसोदागरांनने राजा बादशाहोंकेउपर'ओर : रैयतकेउपर जराभी;खयालनहीकीया;किईनराजा;बादशाहों ने हमारेसाथमे ऐसे२सल्लुककीयेहैं,किजीसके,अहसांनसे कयांमततक नहीछुटस कैहैं-ओर-नाअहसांनकोहम अपनेदीलसे भुलसक्तेहैं परंन्तु:उनअहसांनोंको;सोदा गरांनने भुलकरके उनसल्लुकके'अेवजमे?यह'नतीजा सबसंसारके लोगोंकेलीये जाहीरकीयाहे.जीससे.सालबसाल जादुकेसबबसे ईनसोदागरांनके?संसारकेलोग गारतहोते चलेजातेहैं सोऐभाइमेरेहो:ईनसोदागरांनको:सीवाये संसारके गारत, करनेके-ओर-कोईकांमनहीहे सोयह नेकीकरनेका फलहे!किअपनेसाथमे?जाहरा बहीकररहेहैं जीसपरभी हम;तुमलोग;ईनसोदागरांनकी खातरदारी कररहेहैं;ओर ईनजालमोंके!जुलमको!सेहरहेहैं जीसपरभी कोई साहब.ईनहोंकाजाल.दफेकरने. केलीये मददगार नहीहोतेहैं,ताकिईनहोंकाजाल,दफेकरायाजावे सोईसबातकोभी तोकोईसाहब-नहीसोचतेहैं-ओर अकल फीरनेकेसबबसे अपने२मतलबमे.लगेहुये हैं-ओर यहनहीसमझतेहैं किमतलबही,मतलबमे,ओर लालचही लालचमे:हिंन्दु. स्तांनको!ओर!मक्कावालोंको गारतकरदीयाहे तोईसीतरहसे-दुसरी-वलायतोंको— गारतकरदेंगे सोईसबातका बंन्दोबस्त;तमांमजहांनके;हिंन्दु मुसलमांन ओर.अंग्रे जवगेरा-ऐकदीलहोकरकरो-सोयहबात आपलोगोंको सही:ओर;दुरस्तजांननाचा हीये ओर जलदीईसजालके,दफेकरनेकेलीये,दीलसेकोशीश करनीचाहीये ताकि संसारका.भलाहोवे.ओर यहबाततो तुमलोग अच्छीतरहसेजांनतेहो!किजोशखस कीसीकेसाथ नेकीकरताहे तोउसनेकीके,अेवजमे,वोहशखस अपनी जांनदेनेको, तयारहोजाताहे.क्युंकि.फलांनेने हमारेसाथ नेकीकीहे परंन्तु-यहबनीये-ऐसेबदमा शहैं किचाहेईन बनीयोंकेसाथमे:नेकीकरतेरहेहैं:तोभीयह बनीये कुछअहसांन;नही मांनतेहैं-सोमें-ईनबनीयोंकेसाथ संसारकी नेकीकरनेका-केईजगह;लीखचुकाहूं:कि जेसेनेकी ईनबनीयोंके साथमे'कुलराजा'बादशाह'ओर रैयतवगेरानेकीहे परंन्तु. ईनसोदागरांनने!उसनेकी!करनेका खयाल जराभीनहीकीया.बलके.ओर-नेकीके

अेवजमे तमांमजहांनकी अकल,अपने,राक्षसीपापसे केदकरके खराबकरदीहे'कि जीसका'दुरस्तकरना'मुशकील होरहाहे ओर ईसी'राक्षसीपापके'जादुसेःकुलमाल अपने काबुमेकरलीयाहे ओर,ईसीसबबसे,ईनसोदागरांनकी दुकांनें दुसरीवला. यतोंमे;वास्तेधन;काबुमेकरनेके गईहुइहें'सोवहांपरभी यहसोदागर;महाजनांन;ईसी तरहसेकरेंगे किजीसतरहसे हिंन्दुस्तांनमेकीयाहे ईसीतरहसे दुसरीवलायतोंमेभी करेंगे-ईससेमें;ईनसोदागरांनके जालसे वाकीफकरताहूं ओरःकररहाहूंःक्युंकिकुल बनीये अपनी२दुकांनें लेजाकरके,पापको,पापकेकरनेवालोंके शांमीलहोके जीया दापाप-करायाचाहतेहें-क्युंकियह बनीयेऐसेहें किमीलेकेतोःमीलेरहतेहेंःओर;राजा बादशाहोंको आपुसमे लडाकेमारदेतेहें'ओर'धन—अपने काबुमेकरलेतेहें क्युंकि, हिंन्दुस्तांनका?धन?ईनबनीयोंने लोगोंकी अकलफेरके अपने—कबजेमेकरलीयाहे ओर दुसरीवलायतोंमे पहूंचभीगयेहें,सोसंसारके,लोगकहतहें किसोदागर बनीये दुसरीवलायतोंमे-जातेरहतेहें-ओर धनको काबुमेकरकेलातेहेंःपरंन्तुःईनहोंने-केसी अकलमंन्दीकीहे किगरीबों अमीरोंसे,मीलेकेतो,मीलेरहतेहें ओर गरीबों,अमीरों को'आपुसमेलडाकर'मारदेतेहें ओर आपअलाहदाके अलाहदा'रहजातेहें'सोदेखो भाई किजीसतरहसे हिंन्दुस्तांनकाःधन?अपनेःकाबुमेकरलीयाहे ईसीतरहसे दुस रीवलायतोंका-धन-अपने काबुमेकरलेंगे सोयह बनीये.अपनीअकलसे.धनकातो धन काबुमेकरलेतेहें ओर;सबसंसारके-दीलमे;ओर संसारकी ओलादके-दीलमे; यह-महाजनलोग-मीठे,ओर प्यारेसुझतेहें ओर तमांमजहांनके!लोगोंको!ओर!रैय तवगेराको ओर उनहोंकीओलादोंको,अपने,राक्षसीपापके जादुसे गारतकरदेतेहें ओर!जोकिगारतकरनेसे!बाकीरहेहें उनकोअब गारतकरदेंगे-क्युंकियह-बनीये!सं सारकेनांमसे ओर जमीनमाताके.नांमसे.अलोपपाप करारहेहें जीसकीखबरःकी सी-राजा-बादशाहःओर रैयतवगेराको नहीहे ओर!अलावाईसके!ईसजालकी-ख बर अभीतक अंग्रेजोंको,ओर,दुसरीवलायतके,लोगोंको बीलकुलनहीहे अगरचे- खबरहोवे.कियहबनीये.राजा बादशाहोंके बचे गारतकरनेकेलीये-पाप-अलोप;क रारहेहें जबतो संसारकेलोग;ओर-राजा;बादशाह ऐकदीलहोकर ईनसोदागरांन की-ओलादकोभी-गारतकरदेवें ओर फीर-हरगीज२ईहोंकेपापको?नहीचलनेदेवें— परंन्तु ईनबनीयोंनेतो सबकी-अकलोंको-अपने राक्षसीपापसे भ्रष्टकरदीहेंःकिजी ससेईन.बनीयोंका?राक्षसीजाल कीसीराजा बादशाहको—ओर—संसारकेलोगोंको

मालुम नहीहोनेदेतेहैं ओरःजोमें-ईनसोदागरांनकेःजालसे राजा बादशाहोंको;वा कीफकरताहूं!तोयह!सोदागरबच्चे अपने राक्षसीपापसे.उनकी.अकलोंकोफेरकरके उनहोंकेमुहसे ऐसी२बातें बुरी.ओर.बेजाकहलादेतेहैं किसाध-[अनोपदासने]-जोसंसारमे-बनीयोंके-जालको प्रघटकीयाहे ओर जाल२पुकारता.फीरताहे.सो-साधुको वहमहोगयाहे परंन्तु,राजा,बादशाह,यहखयाल नहीकरतेहैं कियहःफकी रहे.ओर.ईसको-रोटी-कपडेकी कुछभीपरवाहनहीहे ओर!नकीसीतरहका!लालच हे,ओर नईसकेओरतहे ओर;नबाल;बच्चेहैं;जीसकीवजहसे कुछफेल अपने;मतलब केलीये-करताहोगा-सोईनबातोंमेसे ऐकभी मुझमेनहीहेःसोईसबातको;सबही-हिंन्दु मुसलमांन जांनतेहैं कुछमेरे,लीखनेकीभी-जरुरतनहीहे,हांमुझको यह कांमकरना जरुरीबातहे!किजीससुरतसे!कुल जहांनकी ओलादको सुखप्राप्तहोवे.ओर,कीसी, कीसमकी बीमारीनहीहोवे ओर-कोईकच्चीऊमरमे-नहीमरें ओर पुरीऊमरपाकर; मरेंःईसवजहसेःयहबोझ जहांनकीओलादको राक्षसीपापसे-सुखप्राप्तहोनेकेलीये;अ पनेउपर;उठायाहे;सोखासवजह ईसकीयहहेःकियह राक्षसीपाप;सोदागर;महाजनां नका,चलायाहुवाहे ओर कहींदरीयावोंके,टापुकेउपर,होरहाहे ओर मुझको-ईन, सोदागरांनने,अपने,राक्षसीपापसे दुखीकीयाहे ईससेयहःजालःमालुमहोगयाहे!ले कीन जोकिजालको चलातेहैं,ओर,करतेहैं,वोह,काफीरगीनेजातेहैं ओर जोजाल कोपकडताहे.वोह.जीवदांनदेनेके मुवाफीकहोताहे ओर!समझाजाताहे-सोआप-सं सारकेलोगो समझो कितुम्हारे,बडे,बुढे,उसशखसको जोराक्षसबीद्याके जालको प्रघटकरे,तोउसको;केसासमझतेथे ओर अगलेलोगतो;कुत्तेकाभी;गुनमांनतेथे,ओर मैं,जोईन महाजनांनका जाल,संसारकोसुझारहाहूं,तोमुझको लोग पागल—ओर-खबतीकहतेहैं-अगलेलोगतो-जाल प्रघटकरनेवालेको जीवदांन.देनेवालेके,मुवाफी क;समझतेथे सोऐसीबाततो मैंःअपनेःनीसबतःनहीकहलाताहूं किसंसार मुझको. परउपकारीकहो'यासमझो'ओर नाअपने कलमसेलीखताहूं-ओर-नामें;अपनेको;की सीलायक समझताहूं परंन्तु,मेरेको,ऐसी२बातेंभीतो मतकहो किसीरडी;ओर-पा गल,ओर,ईसकोवहमहोगयाहे सोसंसारकोतो कुछदोशनही-उनकोतो-राक्षसीपाप से,ऐसाही. यहमहाजन सुझातेहैं;जब;संसारतोकहताहे सोजीसकाहाल बेदशास्त्रसे तमांमजहांनके;लोगोंको,मालुमहोसक्ताहे किराक्षसोंकी चोरी.पकडनेवालोंका.की तनाकुरबहें मैं;अपनीजबांनसे ईस;नाचीजबातको;अपने हेडकलरकसे क्यालीखाऊं

क्युंकिजीन शखसोंने राक्षसीपापकी:चोरीको:पकडके जाहीरकीयाहे ओर;फोजें मरीहें,जीनहोंकाहाल,कीताबोंमे लीखाहुवाहे किलंकापर - अठारापदम - फोज:रांम; चंन्द्रजीके जमांनेमे रावणका'जालछोडानेकेवास्ते'चढीथी जब रावणका-जाल-छोडायाथा.उसीतरहसे.ईनबनीयोंके राक्षसीपापका बंन्दोबस्त:करायाजावे:ओर; बाद बंन्दोबस्तहोनेके ईनबनीयोंका,जाल,दफेकीयाजावेगा ओर मैं-ईसजालको दफेकरानेकेलीये-संन - [१८८१] - से कोशीस कररहाहूं;सोजबसे,कोशीसकरते२ चंन्द रयासतोंकोतो समझाकरके,अपनेकबजेमे.करलीयाहे ओर वाकीफकरदीया हे,ईसीतरहसे - कुल - रयासतोंके लोगोंको वाकीफकीयाजावे:जबयह:कांमपारजावे, गा क्योंकिईन सोदागरांनने;ऐसीअकल;खराबकीहे किसमझायेसेभी नहीसमझ-तेहें!बलके!ईनसोदागरांनकीसीही कहनेकोलगजातेहें किसरासर.बनीयोंके.परचे; जालीचलरहेहें उनको सच्चाजांनतेहें,ओर,कुदरत२बयांनकरतेहें ईससें मैं;अफसो सकेसाथ - आपलोगोंकी - कमअकलीको ओर बनीयोंके.राक्षसीपापको.पहलसे-ली खके जाहीरकरताहूं ताकिलोगोंको:ईसअपनी:कमअकलीपर खयालहोवे बलके; अपनी.अकलोंको.असलीहालतपरलाके ओर ईनसोदागरांनके - जालोंको - मुझसे- ओर मेरे हेडकलरकसेसमझके,ओर,यकीनलाकर,सबसंसारके राजा बादशाह,व रैयत-दीलसे-अपनी२ओलादोंको प्यारासमझके ईनबनीयोंके.जालोंको,दफेकरने केलीये बंन्दोबस्तकरो क्योंकयह;तमांमसंसारके;लोगोंकी हीम्मतसे ईनजांमको: पहूंचेगा.किजीसतरहसे.रावणकेवक्तमे सनीश्चके कहनेसे - कुल - संसारकेलोगोंने ! क मर हीम्मतकीबांधी ओर-फोजेंवगेरा:तयारकरके-अपनी२ओलाद बचनेकेवास्ते; रावणवगेराके!जालको!दफेकीया किजीसका जीकर . अबतक . होताचलाआरहाहे; फीर ईसीतरहसे ईनसोदागरांनके'राक्षसीपापको'दफेकरो ओर यहकीताब?कोई मजहबकेबारेमे - याग्यांनके - बारेमेनहीहे यहसीर्फ जहांनकी:ओलादको:बुरेजालसे-सुखप्राप्त होनेकेबारेमे आपलोगोंको;हीदायतहे;किसाथगोरके ईसकीताबके मजमु नको?समझके?ओर अपनाफरजजांनके बन्दोबस्तकरो तोईन,सोदागरांनका,राक्ष सीपाप दफेहोजावे तोबहतरहे:क्युंकिईन:सोदागरांनका ईसतरहपरदीलहे किजी सतरहसे-हमने-हिंन्दुस्तांनकाधन काबुमेकरलीयाहे उसीतरहसे सातों-आठोंबाद शाहतोंका धन हमारेकाबुमेहोजावे;तोजीसतरहसे;कितमांमजहांनके राजा बादशाह राजकररहेहें.ओर.उनकाहुकम चलरहाहे ईसीतोरसेहम-अपनाराजकरें-ओर ? अप

ना-हुकमचलावें ओर जोकिहिन्दुस्तांनमे?ओर?दुसरीवलायतोंमे कदीमी धनथा वोह'ईनबनीयोंने'जादुकेजोरसे जमीनकोफाडके खेंचलीयाहे;किजीसतरहसे;मंन्दी रोंको जमीनफाडरके उडायाथा;ओर;मंन्दीरोंकीपुतलीयोंको कहींसे कहींउडाके बाहीर,नीकालतेथे,जीसकोदुनीयां परचाररकहतीहे परंन्तु!जादुसे!बाहीरनीकाल-नेकी खबरतो कीसीराजा,बादशाहको,यागरीब,गुरबाकोभी नहीपडीहे ओर-जो किखांनें-चांदी-सोनेकीथीं जीसकाहाल राजा बादशाहवगेरा?सबजांनतेहें?परंन्तु ईनसोदागरांनने अपने राक्षसीपापके'जादुसे'जमीनमाताको तरहरके रोगलगा; दीयेहें!ओर!जोकिअसलीधनथा उसकोछांने राक्षसीपापसे-खेंचलीयाहे-सोईसबा तकी खबर कीसीकोभीनहीहे,जीसकी,वजहयहहे किईनबनीयोंने अपने?राक्षसी पापकेजोरसे-सबकी-अकलोंको खराबकरदीयाहे जीससेभुलेहुये. ओर. बहकेहुयेहें ओर खांनोंकी तलाशनहीकरतेहें:किजमीनपरतो:हमेशांसे किजबसे रचनारचीहे जबसेसोने!चांदीकी!खांनेंवगेराहें सोवोहखांनें अबकहांगई-सोभाइमेरेहो-ईनसोदा गरांनने अपने राक्षसीपापसे'तमांमजहांनकेलोगोंकी'अकल ओर राजा;बादशा; होंकी-अकल-ऐसीखराबकरदीहे किजीससे खांनोंकीही.तलाशनहीकरतेहें,बलके, ऐसेभुलगयेहें किजोयह जांनतेहें?किचांदी-सोनेकीखांनें मोजुदहीनहीथीं सोभाई मेरेहो-सोने-चांदीकीखांनें मुलकरमे कदीमसेथीं परंन्तु.बल.राजाकेबादसे-जोईन सोदागरांनने जमीनमाताके नांमका'राक्षसीपाप'करानाशरुकीयाहे ओर करातेहें जीससे-जमीनमाताको-तरहरकी बीमारीयांहोगइहें ईससेसोने.चांदीकीखांने.गल गइहें क्युंकिचांदी सोनेकीखांने;जोदुनीयांमेकहतेहें;वोह जमीनमाताके सरीरकी; चरबीथी.परंन्तु.बल-राजाकेबादसे ईन सोदागरांनने-अपने!राक्षसीपापसे?काल-वगेराडालके ओर तरहरकी'बीमारीयांकरके'जमीनको बहुत तकलीफेंदेरक्खीहे जीससे-जमीनमाताकी-चरबीगलगइहे सोखयाल करनेकीबातहे;किजब;दरखतही जातारहा तोफलकहांसेलगेगा क्युंकि.सोदागरांनके.राक्षसीपापसे ओर ईनहोंके जादुकीवजहसे'जमीनमाताके'सरीरकी चरबी गलगइहे;किजीसको;फीजमांना;चां दी,सोनेकी खांनेंबोलताहे फीर,गलजानेकी,वजहसे मालुमनहीहोताहे ओर;दुटा हुवाजोधनथा!उसको!कालवगेरा पडाके काबुमेकरलीयाहे:सोखयालकरनेकी:बा तहे:किजब खांनेंही मोजुदनहीहें:तोराजा:बादशाहकेपास ओर रैयतकेपास—धन कहांसेआवे,अगर,यहसोदागरबच्चे जमीनकेनांमका राक्षसीपाप-करनाछोडदेवें-तो

फीर बदस्तुरखांनें चांदी,सोनेकी;मुलको२मे;होजावें क्योंकिजब आदमीबीमारहो वे-ओर,तरह२की,तकलीफें सहतारहाहोवे ओर खानावगेरा-हजमनहीहोताहे-व-शीकलसे बदशीकल होजाताहे,परंन्तु,जबकि,उनको आरांमहोजाताहे ओरःकोई तकलीफ'कीसीकीसमकी'उसको नहीरहतीहे जबखाना;अच्छीतरहसेखाताहे,ओर ईश्वकीकृपासे उसकाखाना अच्छीतरहसे.हजमःहोजाताहे ओर खानाहजमहोनेके सबबसे;उसकेसरीरमे;ताकतआतीजातीहे वेसाहीभला चंगाहोताजाताहे,उसीतरह पर उसकेसरीरमे गोस्त,ओर.चरबीवगेरा,बढतीजातीहे उसीतरहसे उसमेताकत आतीजातीहेःपरंन्तुःसरीरमे जबकि अच्छीतरहसे ताकतआजातीहे-तोमोटा-ताजा होजाताहे तोफीर वहीशखस'अपनेकांमको'बदस्तुरकरताहे चुंकि जमीनमाताभी सोदागरांनके,राक्षसीपापकी,वजहसे बीमारीयां पारहीहे! ईससेउसके! सरीरकी-च रबीगलगइहे जीससेअच कोईचीज,जमीनपरनहीहोतीहे,अगरचे जमीनके नांमका पापकरना-छोडदेवें-तोजमीनमाता असली हालतपरआजावे.ओर.कुलचीजें;जमी नपर बहुतअच्छीतरह पेदाहोनेलगेंःपरंन्तुःराक्षसीपापका दफेहोना तमांमजहांनके हिंन्दु!मुसलमांन!ओरःअंग्रेजवगेराके ऐकदीलहोनेसे होसक्ताहे.ईससेसब.साहबों, को ईनसोदागरांनके जालोंसे,वाकीफकीयाजाताहे,किजलद वाकीफहोकर ईनहों के;पापोंकोछोडावें-जबछुटेगा-क्योंकि ईन सोदागरांनने.पहीलेभी.राक्षसीपाप--च लाकरके तमांमजहांनके लोगोंकी-अकल-खराबकरदीथी परंन्तु जबकिःबादशाह को.ईनकेजालोंकी.खबरपडी तोउनहोंने ईनसोदागरांनसे-राक्षसीपाप-छोडानेकी कोशीशकरके'छोडाया परंन्तु;ईनसोदागरांनने;कीसीकदरतो पापकोछोडदीया;ओर कीसीकदर नहीछोडा परंन्तु;राजा;बादशाहके;सांमनेजाके ओर कसमें'गाये'ओर सुवरकी,खाकरकहा,किहमने कुलपापका करनाछोडदीया ईससेउन;राजा;बादशा होंने अपनेदीलमे यहजांनाःकिसोदागरांन!ऐसीबुरीःकसमखातेहें सोवाकेई कुल पापको-छोडदीया-ईसवजहसे सोदागरांनको फीरःतकलीफनहीदीःअगरचे-उन; होंकोयह मालुमहोजाता कियह,सोदागरबचे.झुठीकसमखातेहें ओर कुलपापनही छोडाहे!तोउसीवक्त!ईनसोदागर बच्चोंके कुळकोही गारतकरदेते,किजीसतरहसे-रावणके कुळको गारतकरदीयाथा'परंन्तु'सोदागरांनके आधापाप नहीछोडनेकी खबर.राजा.बादशाहको ईससेनहीपडीथी किईन सोदागरांनने-अपने-राक्षसीपा पके;जादुसे अकलको केदकरदीयाथा,ईससेवोह,राजा बादशाह ऐसेहीजांनतेथे;

किकुलपापका-करना-छोडदीयाहे क्युंकिधर्मकी कसमेंखाईथींःपरंन्तु!ईनसोदागरां ननें'पीढी दोपीढीतकतो पापनहीकराया,ओर,बाद--दो तीनपीढीगुजरनेके फीर वही.राक्षसीपाप,जमीनकेनांमसे ओर आदमीयोंकेनांमसे-कराना-शरुकरदीयाहे-- जबसे अबतककरारहेहें अगरचे,राजा,बादशाहको यहखबरहोती कियह;राक्षसी पाप!शरुकरदेंगे!ओर'हमारेबाल बच्चोंको बादहमारेमरनेके'फीरयह.बनीये.अपने; राक्षसीपापको चलाके संसारकोःगारतकरदेंगे.ओर हमारीबादशाहीको डबोदेंगे जबतोईन;सोदागरांनको.ईनकी ओलादसमेत जबहीगारतकरदेते-किजोईन-सोदा गरांनके कुळमेपांनीदेवा ओर,नांमलेवातक,नहीरहता परंन्तु ईनसोदागरबच्चोंको ऐसानहीजांनतेथे,परंन्तु.ईनकेजालोंसे आपलोगोंको वाकीफकरताहूंःसोआपलो-- गोंको वाकीफकरताहूं सोआपलोगोंको;ईनकी,कसमोंका ऐतबार बीलकुलनहीक रनाचाहीये,क्युंक्रियह,झुठीकसमेंखाके बचजातेहें ओर-फीरअपना-पापचलाके;सं सारको गारतकरतेहें ईससेईनहोंकीःकसमकाभरोसाःनहीकरनाचाहीये ओर मेरे सांमनेईनहोंका-राक्षसीपापःछोडानाचाहीये क्युंकि ईनहोंके;राक्षसीपापकी,मुझको खबरहे अगरचे तुम्हारेसांमनेझुठबोलेंगे,तोमें,ईनकाझुठ नहीचलनेदूंगा जबतोयह राक्षसीपाप छुटजावेगा ओर;फीरनहीचलेगा;ओर;मेरेमरनेकेबाद छुडानेका बंन्दो बस्तकरोगे,तोफीरतुमसे,नहीछुटेगा क्युंकियह अपनेधर्मकी;कसमेंखाके;बचजावेंगे किजेसे पहीलेबचगयेथे उसीतरहसे,फीरकरेंगे;क्योंकिईनहोंने अपने राक्षसीपाप से'सबकीअकलोंको'खराबकरदीयाहे जीससेकुछ मालुमनहीहोताहेःपरंन्तुःखयाल नहीकरते किजमीनतो वोहकीवहीहे,ओर'खानें'चांदी सोनेकी ईसजमीनपरनहीहें वोहकहांगई,सोयहबात,ईससेईनहोंको नहीसुझतीहे किईन,सोदागरबच्चोंने.अपने-- राक्षसीपापसे ऐसीअकल फेरदीहे,जीससेबनीयोंके,जालकीतरफ खयालही नही होताहे?क्योंकिईन?सोदागरांनकादील ईसतरहपरहे किकुलवलायतें--गारतहोजावें ओर थोडेरहजावें तोहमकुल,वलायतोंमे,अपनाराजकरें ईससेयह अपना?राजक रनेकेलीये!राक्षसीपाप!चलायाहे ओर ईसीसेसबकी'अकलोंको'केदकीयाहे-सोजा हीरहोरहाहे परंन्तु बनीयोंके,जादुकीवजहसे,अकलोंपर पडदापडाहुवाहे जीससे ईनबातोंकीतरफ?कोईसाहब?खयाल नहीकरतेहें सोयहपरताप-जादुकाहे-क्योंकि; सोदागरांनने जादुकेजोरसे हिंन्दुस्तांनका?धनतो?अपने काबुमेकरलीयाहे ओर कीसीकदर-टुटाहुवाधन-बाकीरहाहे उसकोअब काबुमेकरलेंगे?सीवायेईसके?ओर

वलायतोंको अब गारतकीयाचाहतेहैं:जीससेःदुसरी वलायतकेलोगोंको हिंन्दुस्तां नके,धनकालोभ,देकेलातेहैं ओर यह सोदागरबच्चे-अपने-पापसे;उनहोंकोःहरतर-हकी मददेतेहैं परंन्तु;दुसरीवलायतके;राजा;बादशाह यह खयालनहीकरतेहैं'कि जीसतरहसे,ईन,सोदागरांनने हिंन्दुस्तांनको नीरधनकरदीयाहे;उसीतरहसे;हमको नीरधन कीयाचाहतेहैं सोईन!बनीयोंकाःमतलबयहहे किजीसतरहसे हिंन्दुस्तांनमे कीसीकदरधन-रहगयाहे-उसीतरहसे दुसरी वलायतोंमेरक्खेंगे'ओर'जीसतरहसे-कियहबनीये अंग्रेजोंको रहेसहेधनका!लालचदेकेलायेहैं?ईसीतरहसे ओर वलाय तोंकोलावेंगे-ओर-जीसहीकमतकेसाथ हिंन्दुस्तांनके रहेसहेधनको;यह;बनीयेलोग रेलोंमे लाद२केलेगयह ओर'लीयेजातेहैं'ईसीतरहसे सबवलायतोंका धनकाबुमे, करलेंगे.ओर.जोट्टटाहुवाधन बाकीरहेगा उसको सोदागरीसेःरेलोंमेःलाद२कर-लीयेजातेहैं क्योंकियह बनीये.ऐसेबेईमांनहैंःकिजाहीरदारीमेतो अंग्रेजोंसेभी मीले हुयेहै!ओर!दीलमे;कपटसेपेशआरहेहैं किजीसतरहसे अगले?जमांनेके?बादशाहोंसे मीलेकेतोमीलेथे ओर दीलमेकपटरखतेथे.उसीतरहसे.यहबनीये अबभी कररहेहैं किजोअंग्रेजोसे!मीलेकेतो!मीलेहैं ओर दीलमेकपटरखतेहैं-जीसकीअंग्रेजोंकोभी;ख बरनहीहे सोदेखोभाई जबकि,सोदागरबच्चे,अंग्रेजोंकाधन अपने कबजेमेकरलेंगे, जबईसीतरहसे.तुमसातों.आठोंवलायतोंके राजा बादशाहोंको-धनकालोभ,ओर-मदददेके अंग्रेजोंकी ओलादको;गारत;करनेकेलीयेलावेंगे परंन्तु जाहीरदारीमे;तु मसेभीमीलेरहेंगे!ओर!दीलमेकपटरक्खेंगे ओर अंग्रेजोंकीतरहसेःओरःहिंन्दुस्तांनः कीतरहसे तुमकोभी नीरधनकरदेंगे,ईसीतरहसे;जबतुम्हाराभी धन काबुमेकरलेंगे ओर.नीरधनकरदेंगे.जब'ओर वलायतोंके राजा बादशाहसे-जामीलेंगे?ओर?उन कोभी नीरधनकरदेंगे क्युंकिउनकोभी'आपुसमे'लडाकेमारदेंगे जब ओर;वलायत वालोंको-हिंन्दुस्तांनके?धनका लोभदेकेलावेंगे ओर.उनकोभी.नीरधनकरदेंगे--ग जकि ईसीतरहसेसातों आठोंवलायतोंके,राजा,बादशाहोंको बनीये हिंन्दुस्तांनके, राजकरनेका,लोभदेके,ओर अपनेपाससे हरतरहकी मददेकेलावेंगेःओरःसीवाये बनीयोंके ओर कीसीवलायतकेःराजाःबादशाहकेपास धननहीरहेगा जबकियह; बनीये,अपना,राजकरेंगे-किजीसतरहसे अबतुम कुल वलायतोंके-राजा-बादशाह राजकररहेहो ईसीतरहसे यहसोदागर-बच्चेभी-राज-कुलवलायतोंमे कीयाचाहतेहैं क्युंकिईनहोंने'ईसीसबबसे'राक्षसीपाप चलायाहे ओर;ईसीपापसे;सबकीअकलोंको

केदकरके धनको अपनेकबजमे;करलीयाहे:ओर:जोबाकीहे उसकोअब काबुमेकर लेवेंगे-जीसकीखबर-कीसीकोभीनही ओर राजा.बादशाहोंकोभीनहीहे.किजीसके जालसे में वाकीफकरताहूं किजोतुम,सबलोग.ऐकदीलहोके ईनहोंके राक्षसीपाप को.छुडानेका.बंन्दोबस्तकरोगे तोदफेहोजावेगा क्युंकियह,बनीये—ऐसेबदजातहें— किजीसतरहसे हिंन्दुस्तांनको-आपुसमे-लडाकरके गारतकरदीयाहे.ईसीतरहसे,कु लवलायतोंको-आपुसमे-लडाकर गारतकरदेंगे ओर! यहबनीये! फरेबकरतेहें : किज बकीसी राजा बादशाहको-हिंन्दुस्तांनमेलातेहें-तोपहीले उनकेवलायतोंका धन-काबुमेकरलेतेहें,ओर.ऐक दोपीढीके बाद उनकोभुकेःमरनेकेकाबीलकरदेतेहें:फीर उनसे यहबनीये फकीरीकेभेसमे;ओर;साहुकारीकेभेसमे मीलतेहें ओर:फीर:उन को!हिंन्दुस्तांनकेधनका!लालचबताके ओर मदददेकेलातेहें.क्युंकि.हिंन्दुस्तांनका; धन ईनबनीयोंने अपने,राक्षसीपापसेःअपने.काबुमेकरलीयाहे ईससे ईनकेपास. धनबहुतहे-सोअपनेपाससे-मदददेके लातेहें सोईनकी!गर्जयहहे!किजबहम-ईनकोः अपनेपाससे मदददेके लेचलेंगे?तोहमारेबच्चोंको—यहराजा बादशाह आरांमदेवेंगे ओरःहमारेकहनमेरहेंगेःसोवोहतो हकीकतमे ऐसाहीकरेंगे;क्युंकिवोहतोःभुकेमरतेहें ईससे राजकरेंगे ओर;ईनबनीयोंकेःहुकमकी;तामीलकरेंगे क्युंकिउनकोतो ईनबनी योंने'राजकरायाहे'भलावोह क्युंनहीबनीयोंका अहसांनमांनेंगे,वोहतो,जरुरमांनेंगे परंन्तु उनराजा बादशाहोंकी?अकल?ईनकेराक्षसीपापसे ऐसीखराबहोरहीहे कि जोअच्छे-बुरेकांमकीभी-तमीजनहीरहीहे सोयह सबब!राक्षसीपापकाहेःक्युंकिजो— हिंन्दुस्तांनमेआतेहें वोह यहतो'खयालनहीकरते'किधनतो सबही वलायतोंमेथा, परंन्तु'हमारीवलायतका'धनकहांगया जोअबहम दुसरीवलायतमे;धनके,लालचसे जातेहें क्युंकिसतजगमे सब;वलायतोंमे;सोने;चांदीकाठाट ओरःपाटथा ईससेगरीब गुरबा-जगकरलेतेथे-परंन्तु अबतोभले अमीर कबीरसेभी,जगनहीहोताहे;जीसकी वजहयहहे किईनबनीयोंने अपने,राक्षसीपापसे,सब वलायतोंके लोगोंकीअकल, खराबकरदीहे-जीससे-हिंन्दुस्तांनमे आनेवाले यह.खयालनहीकरतेहें.किजब-सब वलायतोंमेधनथा तोहमारी वलायतका,धनकहांगया,ओर ऐसाराक्षसीपाप हमारे धनपर.कीसनेकीयाहे.जीसकीतो खबरनहीहे किहमाराधन?कीधरकोगयाहे!ओर कीसनेलेलीयाहे परंन्तु बनीयोंने'सबकीअकलोंको'ऐसीकेदकीहे किजो हिंन्दुस्तां नमे-आनेवालोंको—ओर?उनकी रैयतवगेराको खबरतक?नहीपडनेदेतेहे.ओर.ना

फकीरोंवगेराको खबरपडनेदेतेहें ओर नयादरहनेदेतेहैं सोहिंन्दुस्तांनमे आनेवा लोंकी बुधी ऐसीकेदकरदेतेहें,फीरअकल,खराबकीयेहुओंको देखतेहें किअब-ईन होंकी.अकल.नीहायतखराबहोगइहे जब हिंन्दुस्तांनमे लातेहें-ओर-हिंन्दुस्तांनका कुछधनबतादेतेहें ओर सबअपने:कावुमेरखतेहें:परंन्तु:उस बाकीधनको अपने;रा क्षसीपापसे ? कीसीटापुपर ! खेंचके जमेकरलेतेहें किजहांरात.दीन.राक्षसीपापकरा-तेहें;परंन्तु यह सोदागरमहाजनांन.अपनी२जबांनसें.संसारके लोगोंपर ऐसाजा हीर;कीयाकरतेहें किजबतक अंग्रेज,हिंन्दुस्तांनमे,नहीआयेथे जबतक यह-अंग्रेज अपनी;वलायतमे;बहुततंगहालसेथे ओर भुखेमरतेथे-ओर'यहबनीयेलोग'पहीलेसे संसारमे ऐसी२बात चलादेतेहें'जीससे'संसारमे'सुन२के बातकरतेहें किअंग्रेजवगेरा पहीले.अपनीवलायतमे.भुखेमरतेथे जीसकीवजह यहहे!किअंगजोंकेपास ? पेसा ? न हीथा ईससेदुखीथे सोईसबातको:बनीयोंने:अपनीजबांनसे तमांमदुनीयांमे जाहीर कररक्खाहे-किजीससे--तमांमजहांनके लोगभी ऐसाही.जीकरकरतेहें.किअंग्रेजोंके पासधननहीथा ईससेयह अंग्रेज,अपनीवलायतमे,भुखेमरतेथे परंन्तु जबसे;हिंन्दु स्तांनमेआयेहें?जबसे?भुखेनहीमरतेहें क्युंकिजबसेही ईनकेपास-धनहुवाहे-सोयहः बात सोदागरांनके राक्षसीपापकीहे'किजीस'वलायतकेलोगोंको भुखेमरते करना मनजुरहोवे!तोयहबनीये!अपने राक्षसीपापसे करकेदीखादेतेहें--बलके-परमेश्वनेतो कीसीको दुखनहीदीयाहे बलके.हरतरहका.सुखदीयाहे परंन्तु यहबनीये.अपने. राक्षसीपापसे-धनकोखेंचलेतेहें-जबवोह बगेरधनके भुखेमरनेलगतेहें ! ईससे ! में-आ पलोगोंको ईन सोदागरांनके,राक्षसीपापसे.वाकीफकरताहूं किजोमुझको मालुम हुवाहे?वोहयहहे?किसतजगमे बीमारीकाहाल सुननेमे-नहीआताथा?क्युंकिकाल-वगेरा ओर डाडचालावगेरा'नहीहोतेथे'ओर'नजमीनको दुखथा परंन्तु?बल?रा जाकेबादसे.ईनसोदागरांनने.तरह२की बीमारीयां जमीनमाताको;ओर;आदमीयों वगेराकोकरदीहें ईससेदुनीयांमे बुराहोरहाहे,परंन्तु,परमेश्वे कीसीकाबुरा नहीकर ताहे-सोयहबुराहोना-ओर कालवगेरापडना ओर चांदी;सोनेकीखांनोंका;गलजा ना सोदागरांनके राक्षसीपापसेहे,सोईनके,राक्षसीपापको छोडानाचाहीये ओर, ईनबनीयोंसे'यहभी'दरीयाफत करनाचाहीये किजोबनीये;यहकहतेहें;किअंग्रेजोंकी वलायतमे धननहीथा परंन्तु,जबसेकि,हिंन्दुस्तांनमेआयेहें जबसे ईनकेपास धन हुवाहे:वरना;ईनकेपास-धननहीथा सोखयाल करनेकीबातहे--किधनतो!सबही!व

लायतोंमेथा फीरयह बनीये,तुमअंग्रेजोंको,कीसतरहसे भुखेमरतेहुये बयांनकरतेहैं ईससेमुझ;गरीबसाध-[अनोपदासकी] हाथजोडके अर्जहे!किजबकुल!वलायतोंमे धनथा तोतुम्हारी वलायतकाधन;कहांगया;जीसकीतलाशकरो सोजीसके हालसे में-आपलोगोंको-वाकीफकरताहूं किकीसने तुम्हारीवलायतके.धनकेउपर,जादुकी याहे जीससेतुम्हारी वलायतमे,तुम्हाराकदीभी,धननहीरहा जीसकीतलाश तुम-अंग्रेजलोगो!मेरेकहनेसेकरो!क्युंकिपहीले जमानेमेतो सब-वलायतोंकेअंन्दर;चांदी सोनेकीखानेंथीं जीससेधनका टोटानहीथा'क्युंकिचांदी'सोना खानोंमेसे खोद२के नीकलवालेतेथे-ओर-उनकेबरतनवगेरा बनवालेतेथे ओर.जो२कांम,जरुरतकेहोते तोउससोने चांदीकारुपीया ओर,मोहरें,तयारकरा२के खरचमेलातेथे परंन्तु,जबसे कियहबनीये!जमीनमाताके!नांमका पापकरातेहैं जबसेसाल-बसाल-कालवगेराडा लतेहैं सोयहबनीये कालडाल२के:दुटाहुवाधन:दुनीयांका अपनेकाबुमे करतेजा; तेहैं-जीससे-जमीनमाताके सरीरमे जोचांदी सोनेकीखानेंथीं;वोह;जादुसेगलादीहैं ओर गारतकरदीहैं क्युंकि;सोदागरबच्चे;जमीनकोतरह२की बीमारीयांकरतेहैं जी ससे?जमीनकेसरीरकी!चरबीगलगइहे परंन्तु दुटाहुवाधनतो:सबही:वलायतोंमेथा सोतुम्हारी बलायतकेधनपर क्याजादुहुवा;जोतुम्हारी;वलायतोंके घरोंमे कीसीके पासधननहीरहाहे-सोउसकी-तलाशकरो क्युंकिबगेर कीसीके लेजायेहुयेतो? धन-नहीजासक्ता फीरकहांगया धन:कोईआदमी:थोडाहीहे किजोउठकर चलागया: वोहतोमीसाल.पत्थरकेहे.बगेरलेजानेके जानहीसक्ता जीसकी?तलाशकरो?क्युंकि बनीयोंने राक्षसीपापके जादुसे;सभोंकेधनको;काबुमेकरलीयाहे जीसकी तलाश. करो-तोतुमको-चोरीकरनेवालोंकी चोरीकाहाल आपसेआप.मालुमहोजावे,परंन्तु में ईनसोदागरांनके चोरीकाहाल;आपलोगोंको;जाहीरकरताहूं सोसीर्फ ईसगर्जसे करताहूं,किजोआपलोग,बंन्दोबस्तकरोगे तोआपके बाल;बच्चोंको;ईन?सोदागरांन के राक्षसीपापसे आरांममीले,क्युंकिईन,बनीयोंने,ऐसी अकलमंन्दीकीहे किजीस काहाल-में;केईजगह;आपलोगोंके समझनेकेलीये उपरलीखचुकाहूं,उससे,कुलहाल सोदागरांनका साफर२ जाहीरहोताहे,परंन्तु,अबईनहोंका ईरादाऐसाहे किजेसामेंने लीखाहे,किजब;अंग्रेजोंकेबच्चे होशीयारहूंगे;ओर समझेंगे;तोयहजांनेंगे;किईनसोदा गरांननेही हमारेबुजर्गोंको धनदीयाहे,ऐसाखयालकरके,वोह हमारे हुकममेरहेंगे ओर?हमारेकहनेकोमानेंगे?ईससे ईनसोदागरांनने अपनी.अकलमंन्दीसे.तरह२की

बातें पहलेसेचलादीहें चाहेधनदेवें-चाहेधननहीदेवें-परंन्तु अपनी ओलादकेभलेके वास्ते-ऐसी२बातें-पहलेसेचलादीहें किजब अंग्रेजोंकेबच्चे.समझेंगे.ओरःउनकोमालु महोगा तोअंग्रेजोंकेबच्चे यहजानेंगेःकिहमारेःबुजर्गोंको ईनहोंनेही धनदीयाहे,जब हमारेपासहुवाहे.जीससेहमारे.बुजर्ग ईनबनीयोंका हुकमउठातेहें?तोअब?हमकोभी ईनकाहुकम उठानावाजीबहे ईससे,ईनहोंनेपहलेसे,मतलबकी बातेंचलादीहें किजो हमारी!बातोंकोसुनेंगे?ओर उनकेउपरचलेंगे तोहमारेउपर-कीसीतरहका-नुकसांन नहीआवेगा परंन्तु ईनबनीयोंकी,अकलमंन्दीकेउपर,अंग्रेजोंके बच्चेभी गोरनहीक रते;ओरःअपने;मुलककी तलाशनहीकरते किहमारीवलायतमे;टुटाहुवाधनथा;वोह कहांगया किजीसकीहम तलाशभी;नहीकरतेहें;परंन्तु ईनबनीयोंने अपने,राक्षसी पापसे-तमांमजहांनके-लोगोंकी अकलको ऐसीखराबकरदीहे.किजीससे.तमांम,ज हांनकेलोगोंको ऐसाही सुझताहेःकिजीससेःअपनी वलायतके टुटेहुयेधनकीतलाश नहीकरतेहें!ओर!ईनहोंकेहुकमको मांनतेहें ओर यहबनीये-अपने-राक्षसीपापसे?ह मारेमुलकके धनको अपने'कबजेमेकरलेंगे,जीसकीतो खबरही नहीपडनेदेतेहें;ओर जोकिचांदी,सोनेकीखांनेंथीं,उनकोतो ईनबनीयोंने पहीलेसेही;अपने;राक्षसीपापके जादुसे कुलराजा बादशाहोंको,भुलादीहें.किजोयह,जांनतेहें किखांनें जमीनपर-मोजुदहीनहीथीं-सोऐभाईयो-तुमको ईनसोदागरांनने अपने?राक्षसीपापके?जादुसे भुलारक्खाहे क्युंकि जमीनमाताको,ईनबनीयोंने,अपने राक्षसीपापसे बीमारकर दीयाहे,जीससेखांनें,चांदी;सोनेकी गलगइहें अलावाईसके;ईसीतरहसे;ईनबनीयोंने संसारके आदमीयोंको ओरःचोपायांन-ओरःपंकेरुआंनको अपने राक्षसीपापसे, बीमारडालके,कमउमरमे,मारदेतेहें ओर कमउमरमेमारनेसे-ईनकायह,मतलबहे;कि संसार जलदथोडारहजावे ओर'हमारीओलाद'जीयादारहजावे तोहम अपना,रा जकरें-ईससे-मेंःतुमअंग्रेजोंःओर तमांमजहांनके रजवाडोंको,ईनसोदागरांनके,राक्ष सीपापसे वाकीफकरता फीरताहूं;परंन्तु;सोदागरबच्चे अपने राक्षसीपापसे,उन,रा जा!बादशाहोंकी!अकलको फेरकरके ऐसासुझातेहें किबाबाको-वहमहोगयाहे-खेर उसवहमकेकहनेका अपनेदीलमे कुछखयाल,नाकरके,ओर रंजनहीलाके दुनीयां का,भलाहोनेकेलीये,हाथाजोडीकरके समझाता फीरताहूं'तोवोह'समझनेवालेलोग मुझकोधक्केदेतेहें ओर कहींबुरा,भलाकहतेहें,फीर में उनसखतीयोंको सहकरके;पी छली-हालातोंको-किजो;रावण ओर हरनाकुशने;ओर!कंसने!ओर'कारूंनबादशा

हने ईन सोदागरांनकीतरहसेःकाफरीपाप;चलायाथाःकिसनीश्वजीने ओर नरसिं घजीने-ओर-श्रीकृष्णजीने ओर गुरुनांनकने तमांमजहांनके.वचनेकेलीये?ईन?चा रों शखसोंकीचोरीको जाहीरकरके,दफेकरायाहे,यानहीकरायाहे - जोनहीकरायाहें तोवोहकहो!जबतो!ईनबातोंकोसुनके सब अपनी२जबांनसे;यहकहनेको;लगजातेहें किहां ईनशखसोंनेतो चलायाथा?सोयहबात-सचहे?तोअब ईसीतरहसे यहसोदा गरानभी-करतेहोंगे-जीससे हमलोगोंकी अकल ऐसीखराब!होरहीहे!किजो,परमा तमाकी भगतीकरतेहें तोऐकाऐक,तबीयत,भगतीकरनेसे डांवाडोलहोजातीहे सो यहसबब - बेशक—सोदागरांनके राक्षसीपापकाहे किजोहमलोग.ईनकेपापोंको.परमे श्वेकी कुदरतजांनतेथे परन्तु;आपकेसमझानेसे;ओर आपकेचोडेकरनेसे मालुमहुवा कियह.परमेश्वेकी.कुदरतनहीहे बलके सोदागरांनके-राक्षसीपापकी-कुदरतहे:कि— जीससे कमउमरमे संसारकेलोग,मरजातेहें,फीरईसका बंन्दोबस्तकरना ओर.हो नावाजीवहे.सोअेभाईयो,में,ईसीगर्जसे आपलोगोंको मुलको२मे'जा२के'सोदागरां नके पापसे वाकीफकरताहूं:कियहपाप;सबसंसारकी;मददसे दफेहोजावे तोसबको आरांममीले-ओर-कीतावकेसुनानेका ओर मेरेसमझानेका!ओर?हजारोंरुपीया-ख रचकरनेका यहीसबबहे वरना-मुझकोईसकदर-तकलीफउठानेसे क्याकांम परंन्तु संसारको.राक्षसीपापसे.गारतहोतेदेखा फीर पहाडोंकारहना ? ओर ? जंगलकीबुटी यों;ओर फल फुलकाखानाछोडके.ओर.आपलोगोंको वाकीफकरके ईनसोदाग रांनके!जालोंको!दफेकराना दीलसे वाजीवसमझा ओर-अपनेउपर-संसारकी;ओ लादको आरांमहासील होनेकेसबबसे'तकलीफउठाना'बहतरसमझा ओर खयाल कीया,किपहीलेभी,जीसशखसको काफीरीजालकी खबरपडीथी : उसने : अपना;फ रजजांनके ओर रोटीखाना,हरांमजांनके,छोडानेकी कोशीसकी जीनहोंकीबातें. दुनीयांमे-अबतकप्रघटहें-ओर मेंभी चंन्दजगह किजहां२उन,लोगोंकेनांम.दरसाने मुनासीब समझेहें कीताबमेलीखदीयेहें,ओर,अबफीरभी आपलोगोंके समझनेके, लीये;उनकाहाल;लीखताहूं किजीनहोंने राक्षसीपाप-चलायाथा-ओर:छोडायाथा सोभाइमेरेहो किजीसतरहसे अबईनं!सोदागरांनका!राक्षसीपाप चलरहाहे सोई; सीतरहसे.पहीले.रावणने - राक्षसीपाप चलायाथा ओर:संसारकेलोंगोंकी:अकल- केरदीथी परंन्तु रावणने;सनीश्वेको;अपने;राक्षसीपापसे दुखीकीया जबसनीश्वेको मालुमहुवा-कियहतो-राक्षसीपापहे ओर तमांमदुनीयां.ईसीराक्षसीपापमे.केदहोर-

हीहे फीर पापका!जाहीरकरना-ओर:संसारके-हाथोंसे उनकेपापको छोडानावा जीवहे,ईससे,सनीश्वजीने रावणके राक्षसीपापसे तमांमजहांनको;वाकीफकीया.ज ब रावणके छोटेभाई भवीक्षणने,अपने;बडेभाई,रावणसे राक्षसीपाप बंन्दकरनेको कहा-किअब-सनीश्वको:तुम्हारा राक्षसीपाप मालुमहोगयाहे!ईसवजहसे!तुम्हारी. कीताबें संसारकेलोगोंको नहीपढनेदेताहे—ईससेअब संसारकेलोगोंकी अकलको जीयादा,खराबमतकरो,अगर सनीश्वकी अकलको:जीयादा:खराबकरोगे;तोसनी श्व;अपनी ओलादको मरवादेगा,क्युंकि,जमीनमाताकेउपर राजा बादशाह,रैयत समेतबहुतहें-ओर-अपनीओलाद वगेराकमहे सोजबकि? सनीश्व ? जीयादातकलीफ पावेगा तोतकलीफ पानेकेसबबसे:तुम्हारे:राक्षसीपापसे तमांमजहांनको वाकीफ करके.उनकेहाथोंसे.अपनीओलादको मरवादेगा क्युंकिसनीश्वको-तुम्हारे-राक्षसी पापकी कुलखबरहे ईससेईनहोंकी'जीयादाअकल'मतफेरो ईससे रावणने;अपने-भाई ! भवीक्षणकेकहनेको ! कबुलकरके सनीश्वकीडरसे लोगोंकी.अकलको.फेरना—छोडदीया ईससे रावणके-राक्षसीपापको:संसार-फोरनसमझगया जीससे सनीश्व ने'बहुतदुखनहीपाया'ओर अलावा भवीक्षणभी जीयादा;अकलखराब;नकरनेदेने कीवजहसे अपनानांम दुनीयांमे,सलांमतरखगया,परंन्तु यहबनीये ऐसेबेईमांनहें-किजो:में:गरीबों-अमीरोंको समझानेके वास्तेजाताहूं तोयह!राक्षसबीद्याके!पापसे ऐसासुझातेहें किबाबाको सनीपातहोगयाहे;परंन्तु;में;ईनबातोंपर खयाल नकरके फीर.उनहींलोगोंको.जीयादासमझाताहूं ओर उनहींसेबातें-करनेलगताहूं-तोयह—बनीयेलोग अपने राक्षसीपापसे,उनकीअकलको,फेरकरके ऐसी२बेजाबातें उनसे मुझकोकहलातेहें-बलके-वोहलोग मुझकोधकेदेतेहें चुनाचे,में,लाचार-पीछे?वापीस चलाआताहूं तोमेरे वापीसआनेकेबाद,वोह,सभाकेलोग यहकहनेको लगजातेहें किबाबाजीबडेहें'जोकहतेहें'सचकहतेहें परंन्तु कोईबातें;काबील;समझनेकेनहीहें——यहतोवेसेही बनीयोंके पीछेपडेहुयेहें?सोसभावाले?ओर मुलकोंकेराजा बादशाह ओर.रैयतवगेरा.नहीसमझतेहें किबाबा हजारोंरुपीया ! खरचकरके ! ओर.राजाओं ओर;गरीबोंसे ओर अमीरोंसे,मददलेके,हमलोगोंको समझाताफीरताहे सोजरुर कोईनाकोई.बातऐसीहे.नहीतोयह शखस क्युंरुपीया-खरचकरे-ओर ? अपनेउपर—तकलीफउठावे सोनहीसमझतेहें सोउनलोगोंके नासमझनेका यहीहे किउनहोंकी अकल-ईनसोदागरांनने:अपने राक्षसीपापसे ऐसीफेरदीहे—जीससे—नहीसमझतेहें;

ओर ऐसाकहनेको लगजातेहैं,कियहबातःबाबा,बनीयोंके वास्तेनहीकहताहे ओर बनीयोंकानांमतो-बाबा—भुलानेकेवास्ते बताताहे परंन्तु.अंग्रेजोंके.नीसबतकहताहे क्युंकिअंग्रेजोंने हिंन्दुस्तांनको लेलीयाहेःओरःईनहोंनेही कुलधन हिंन्दुस्तांनका-अपने!कबजेमेकरलीयाहे!सोयहसबब संसारके लोगोंकीअकलकाहे-किजो-अंग्रेजों केउपर ईनबनीयोंके राक्षसीपापको.टालतेहैं.यहपाप करनेवाले सोदागरबच्चेहीहैं ओरःईनसोदागर.बच्चोंहीने हिंन्दुस्तांनकाधन अपने!राक्षसीपापसे!कबजेमेकरली याहे परंन्तु यहबनीये,अपनेपापको;जाहीर,नहीहोनेकेलीये लोगोंकेदीलमे कुछका कुछसुझातेहैं-जीससेवोह-लोगभी कुछका कुछकहनेको.लगजातेहैं.अगरचे;सभामे, बनीयेलोगभी बेठेहोवें तोबनीयेःसभावालोंकीःरायेसे कहनेकोलगजातेहैं किबरा, बर,यहजाल'अंग्रेजोंकेउपर'लीखाहे सोयहबात सचहे;ओर,हमबनीयोंकी,बातनही क्युंकि अंग्रेजोंकेयहां राक्षसीपापहोताहे;सोऐभाइमेरे,यह राक्षसीपाप ईनसोदागरां नकेहोताहे!ओर!भुलानेकेवास्ते अंग्रेजोंकानांम लगातेहे-ओरःअपना-राक्षसीपाप; करके ओर अकलकोखराबकरके-खुशहोतेहैं!ओर!अपनेकुळमे जीकरकरतेहैं कि हमाराःराक्षसीपाप.जाहीरनहीहुवाहे क्युंकितमांम जहांनकेलोग'ईनकेबतानेसे'यह जांनतेहैं कियह राक्षसीपापनही,ओर;अंग्रेजोंका,राक्षसीपाप चलरहाहे सोऐभाई बनीयोतुम'संसारके'नांमसे राक्षसीपाप;बावत अकलफीरी;हुईरहनेके;ओर;अपना पापकीसीको नासमझनेदेनेके बलके,अंग्रेजोंका,पापसुझानेके करातेहो सोयह,हिं न्दुस्तांनके!बनीये!उनपापकरनेवालों बनीयोंकेपास खरच.वगेराभेजतेहैं.किजहांः पर चोरासीलाख कुंन्डीयां,राध-लहुकीबनाइहैं,वहांपर पापकरातेहैं सोदेखोभाई करातेतो;पापकोबनीये;ओर लोगोंकेदीलमे अंग्रेजोंकासुझावें'जीससे'संसारकेलोग अंग्रेजोंकेउपर मेरीकही बातकोःसमझतेहैं-परंन्तुःयहबनीये दुसरोंकेनांम सुझाके. आपभलेके!भलेरहजातेहैं!ओर जबकि बनीये मेरेदरशन—करनेको—मेरेपासआतेहैं तोमें;उनसे दरीयाफत करताहूं,कितुम,सच२बोलो ओर भवीक्षणकीतरहसे सलां मतरहनाचाहो-तोराक्षसीपापके करनेको अपनेकुळमेसे.छोडाओ!परंन्तुःयहबनीये मेरेकहनेको कबमांनतेहैं बलकेःराक्षसीपाप,रातःदीनकराके लोगोंकी अकलको. खराबकररहेहैं!जीससे!संसारकेलोगोंको नहीसमझनेदेतेहैं-जीससेवोह?लोगयहकह तेहैं,किहमतो अंग्रेजोंकाही राक्षसीपापःजांनतेहैंःजबकि वोहयह कहचुकतेहैं,जबः फीर में उनहोंको ईनसोदागरांनके राक्षसीपापसे तमांमजहांनके लोगोंकोसमझा

ताहूं ओर-कहताहूं किजोतुमःअंग्रेजोंकेःनीसबतकहतेहो सोखीलाफ बातहे?ओर जाल.बनीयोंका.चलायाहुवाहे क्युंकि अंग्रेजतो अबआयेहें!ओर!ईनहोंको?थोडा ही;अरसाहुवाहे परंन्तु ईनबनीयोंका,पापतो,बलराजाके बादसेहुवाहे सोहोरहाहे परंन्तु;जबकि;अगलेजमांनेके राजा बादशाहने ईनसोदागरांनकेःउपरःराक्षसीपाप दफेकरानेकेलीये सो दफेकरानेके सबबसे हमलाकीयाथाःओरःकुलःराक्षसीपाप दफेकरानेकेलीये सो दागरांनसे!दरीयाफतकीयाथा?सोईनहोंने अपने राक्षसीपापको-नहीबतायाथा-ज ब;बादशाहने ईनलोगोंके मंन्दीरोंको,गीरवा२के,मंन्दीरोंकी पुतलीयोंको खंन्डन कीयाथाःजीसकासबुतःअबतकमोजुदहे सोऐहिंन्दु मुसलमांन?उसजमांनेमे'अंग्रेज. कहांआयेथे जोतुम अंग्रेजोंका,जालजांनतेहो-सोयहतो,अंग्रेजोंका जालनहीहे यह तो;ईनसोदागरांनका,जालहे,परंन्तु यह सोदागरमहाजनांन-तुमको-अपने;राक्षसी पापसे अंग्रेजोंकाजाल सुझातेहेंःसोअंग्रेजोंकाःजालनहीहे क्युंकिवोह हिंन्दुस्तानका राजकररहेहें.ओर;शेर.बकरीको ऐकघाठपांनी पीलारहेहें ? ईसीतरहसे ? ईसकाभी— बंन्दोबस्तकरेंगे परंन्तु अभीईनहोंको;ईन,सोदागरांनके राक्षसीपापकी खबरनहीहे जीसवस्तु-खबरपडी-फोरन मेरेकहनेपर यकीनलाके ईनसोदागरांनके,राक्षसीपा, पको दफेकराअेंगे फीरयह,बातभी,काबील,खयालकरनेकेहे किजोतुमलोग यहः कहतेहो.किअंग्रेज,धनको खेंचकेलेगयेहें सोभाइमेरेहो'किअंग्रेजतो'रुपीयामेसे;छेअ नीलेतेहें सोछेअनीतो कदीमसेदेतेहेंःओर;लेतेहेंःकिजेसेपहीले ओर बादशाहलेतेथे उसीतरहसे-यह-अंग्रेजभीलेतेहें परंन्तु यहबात काबील'खयालकरनेकेहें'किअगले बादशाह छेअनीलेतेथे जबतोधनका'टोटानहीपडा'ओर अबकीसतरहसे पडगयाहे सोअंग्रेजलोग!छेअनीजोलेतेहें!तोवोह छेअनी पीछे.हिंन्दुस्तांनी.अमीरसेलेकरके; ओर गरीबतक जोअंग्रेजीनोकरहें,वोहलेलेतेहें;तोवोहहीसाब पुरेकापुराहे ओर— धनतो,बहुतथा,कुछःछेअनीवगेराके देनेसे धन थोडाहीटुटताहेःसोईसकाःसबब. यहहे किअंग्रेजतो वहीछेअनीलेतेहें,किजेसेपहीले,जमांनेके राजा बादशाहलेतेथे; परंन्तु,में,आपसाहबोंसे.दरीयाफतकरताहूं किपहीले हिंन्दुस्तांनके-गरीब—अमीरों केघरमे ईसकदरधनथा किजीसका,कुछ,शुमारनहीहोसक्ता सोवोहधन कहांगया सोवोहधन;अंग्रेजोंने;थोडाहीलेलीयाहे सोभाइमेरेहो ईनहोंनेतो'नहीलीयाहे'क्युंकि वोहतोसीर्फ छेअनीलेतेहें किजोअगलेःजमांनेकेःराजाःबादशाहलेतेथे सोउस छे; अनीकेलेनेसे,धनकाटोटा,कीसीहालतमे नहीपडसक्ता वोहतोःसोदागरमहाजनोंने

अपने जादुकेजुलमसे खेंचलीयाहे?क्युंकिचांदी?सोनेकाठाट पाट कुलवलायतोंमेथा परंन्तु.बलराजाकेबादसे.सोने चांदीकाठाटं ओर पाटनहीरहाहे-सोईन-बनीयोंने. अपने जादुकेजोरसे कालवगेरा : डाल२के : टुटाहुवाधन जमीनकोफाड२के खेंच, लीयाहे-ओर-अलावाईसके जोलोगादीखाउ धनथा;उसकोईनहोंने;झुठाजालचला ओर लगाके संसारकेलोगोंके,पाससेलेलीयाहे,ओर बहुतसा कालडला२के;धन लेलीयाहे:सोयहबनीये:बलराजाके बादसे अपनाकरज ! सात२पीढीयोंका ! नीकाल नीकालके लेतेजातेहें ओर,जेसाकिपहीले,सोने,चांदीकाठाट ओर पाट,कुलवला यतोंमेथा'वेसाअबनहीहे'क्युंकिवलायतोंका धनभी ईनःबनीयोंनेःजादुकेजोरसे - खें चलीयाहे जीसका सबुतयहहे;किजब;जमीनकांपतीहे;जब यहबनीये धनको;अपने राक्षसीपापके'जादुसे,खेंचलेतेहें ओर'लोगोंको कुछकाकुछ;सुझादेतेहें;परंन्तु,मुझको ईनबनीयोंने अपने राक्षसीपापसे,दुखीकीयाहे.जीससे ईनबनीयोंकी चोरीमालुम पडीहे;जीसकेहालसे - में - आपलोगोंको वाकीफकरताहूं किजीसतरहसेःपहीलेःजमां नेमे;लोगोंने पहाडसे पहाड,जादुकेजोरसे,लडादीयाथा ओर जमीनमाताको;फा डके'कहींके.मंन्दीरोंकी.पुतलीयोंको कहींपर नीकालाथा.सोईनबातोंको;सचमांन तेहें:परंन्तु अबजो में अपनेउपर,बीतीहुई,ओर,आंखोंसे देखीहुईबातको संसारमे जाहीरकरताहूं—तोलोगोंको—अच्छीतरहपर यकीन नहीहोताहे!किअबयह;बनीये— जादुकेजोरसे मंन्दीरोंको जमीनफाड२के:उडादेतेहें:ओर धनकोउडादेतेहें ओर; खेंचलेतेहें?परंन्तु?दुनीयांकेभुलानेके वास्ते यहकेसी - जालकीबात - चलादीहे—किज मीनमाता सिंग बदलनेकेसबबसे - कांपतीहे - ओर जोकिधनको खेंचलेतेहें,उसके. बारेमे—यह-जाल-जाहीरकररहेहें किलक्षमीमे जांनपडजातीहे.किजबउसके—कुळमे कोईनहीरहताहे किजीसने मालजमेकरके:जमीनमे:दफनकीयाहे फीर लावारीस होनेकीवजहसे'उस'गडेहुयेधनमे जांनपडजातीहे सोधनके;सांप;बीछुबनजातेहें;सो ईसबातको तमांमदुनीयांमे जांनतेहें:किवाकेमे:ऐसाहीहोताहे परंन्तु यहखयालही नहीकरतेहें ! किहमलोगोंको ! ईनबनीयोंने अपने जादुकेजोरसे:ऐसाही:सुझारक्खाहे परंन्तु धनमे जांननहीपडसक्तीहे;सोखयाल;नहीकरते जीसकी वजहयहहे,किईन होंने,अपने - राक्षसीपापसे - सबकी अकलोंको फेरदीयाहे.जीससेसबको,ऐसाहीसुझ ताहेःपरंन्तु यहजीतनीबातें दुनीयांमे,चलरहीहें—सोयहसब राक्षसीपापकी चलर हीहें,ओर:जबकियह बनीये ! जमीनमाताको फाडतेहें-तोजमीनको दुखहोताहे.कि

जीसतरहसे अपने सरीरमे,चोटलगजातीहे,ओर,कहींकीहड्डी टुटजातीहे तोकीस कदरभारी.दरदहोताहे.किहरऐक कांमकरनेसे लाचारहोजाताहे?सोभाइमेरेहो?कि जीसतरहसे अपने सरीरकीहड्डी:टुटजातीहे:ओर:दरदहोजाताहे उसीतरहसे जमी नकेसरीरमे!दरदहोताहे!किजबयह बनीयेलोग जादुकेजोरसे'फाडतेहें'ओर:कीसी का जमेकीयाहुवाधन खेंचके,अपने,कबजेमेकरतेहें,जीसकेहालसे में आपलोगोंको वाकीफकरताहूं;सोआपलोग;वाकीफहोके ओर दीलीईरादा-तमांमलोगोंसेकरके?इ न;बनीयोंके राक्षसीपायको दफेकराओ:तोतमांम:जहांनको ईनबनीयोंके जादुसे, सुखप्राप्तहोवे!क्युंकियह;बनीये;ऐसे बदजातहें किजीनशखसोंने-याउनके-बुजर्गोंने खेती बाडीकरके यानोकरी,चाकरीकरके,सेर,दोसेरधन यामण दोमणधन,यादस पंन्दरासेर-जमेकरलेतेहें-जबवोह फीराकमेरहतेहें किईसधनको—जमीनमेगाडदूं.की सीवक्तमे बच्चोंके कांमआवेगा'परन्तु'जमीनकेअंन्दर जीसवक्त उसधनकोगाडतेहें तोउनहोंका—दील!जादुसे कीसतरहका डांवाडोलकरातेहें किजोबयांन,नहीकीया जाता वोहयहहे किजोमें,ईसजगहपर,गाडूंगा,जबतोकोई शखस नीकाललेवेगा-ईससे'फलांनीजगह'गाडनादुरस्तहे ईसीतरहसे थोडेदीन;सोचा;बीचारीमे!लगजा तेहें:ओर बादसोचा बीचारीके,उसधनको,मुनासीब जगहजांनके ओर'बुधीफेरके गडवादेतेहें-जीससेयह-बेईमांन उसको कच्चीउमरमे!जादुसेमारदेतेहें!ओर;ऐसा—स खत बीमारकरतेहें किजबांन:जादुसे:बंन्दकरदेतेहें:किवोह शखस अपनेबाल:बच्चों को;धन-नहीबतासक्ताहे-ईससेउसकी नीती डांवाडोलरहतीहें.कियहबनीये.महाज न-उसको जादुसे यहसुझातेहें,कियहांगाडूं,यावहांगाडूं तोजीसजगह यहबनीये— चाहतेहें!उसजगह!जमीनमे गडवादेतेहें तोउन लोगोंकादील-मरते२वक्ततक-उस; गडेहुये मालमेहीरहताहे ओर;यहकहताहे;किजोमेरी जबांनखुलजावे तोअपने;बा ल'बच्चोंको:गडाहुवाधन:बतादूं परंन्तु उसकीजबांन!ऐसीसखत;बंन्दहोजातीहे;कि जबांनसे कुछकहमी नहीसक्ता,फीरवोहधन,वहींपडा रहजाताहे किजहांगाडाथा क्युंकिउसकी.ओलादकोतो.उसधनकी खबरनहीं किहमारे-बुजर्गोंकेपास-धनथा-किनहीथा ओर उसकीजबांन,बंन्दकरदी,फीरकीसतरहसे उसके घरवालोंको.मा लुमहोता;किधनथा;किनहीथा ओर'बनीयेलोगोंको खबररहतीहे,क्युंकि,जीसवक्त आदमीमरताहे जबयह बनीये-अपने:राक्षसीपापसे-उसकी जबांनको बंन्दकरदेतेहें ओर!कच्चीउमरमे?जादुसेमारदेतेहें ईसवजहसे बनीयोंको—मालुमहोताहे—सोजबकि

मरजाताहे ओर कीसीकोखबर,नहीरहतीहे,जबयह बनीये जादुकेजोरसे,कुछका कुछसुझाके-खेंचलेतेहें-सोऐसे२जाल हजारों कीरोडों.किजीसकाकुछ.में.अंन्दाज, नहीकरसक्ताहूं परंन्तु ईनबनीयोंका!असली!राक्षसीजादु यहीहे किजीसको'हिंन्दु स्तांनके!हिंन्दु!मुसलमांन-स्वर्ग नर्ककहतेहें ओर चोरासीलाख;कुंन्डीयां;राध;लहु की;बतातेहें सोयहबनीये जीसकदर,उनहोंकेनांमका,पापकरातेहें उसीकदर दुनी यांमे-बुराहोजाताहे!सोबात दुनीयांमे नारगीवगेरा डालनेकीकहतेहें—ओर—कीता बोंमेभीलीखाहे सोयह बनीयोंकेघरका,राक्षसीजालहे,अलावे ईसके दुनीयांकेलोग ऐसाभीकहतेहें'किजींन्दातो'स्वर्गमे कोईनहीजाता सोभाइमेरेहो;जींन्दा;स्वर्गमेजावे जबतोईन बनीयोंकाजादु फोरन'जाहीरहोजावे'किदुनीयांके नांमकापाप आदमी करातेहें!ओर!जोकितमांमलोग स्वर्ग२कहतेहें सोयह स्वर्ग-जमीनमाताहीहे-किजो अंग्रेजोंकीविलायत ओर दुसरीविलायत;ईसजमीनके;उपरहें फीरयह जमीनहीस्वर्गहे ओर'कहींकुछनहीहे'ओर जोकिकीतावोंमेलीखाहे ओर!उनकीतावोंके,देखने,ओर सुननेवाले जोकहींका;कहींपर स्वर्गबतातेहें ओर-यकीनकरतेहें सोवोह,रावणकी तरहसे-ईनबनीयोंने जादुका ! स्वर्गबनायाहे ! सोउसकेउपर रात.दीन.दुनीयांकेनांम का,ओर जमीनमाताके नांमका,पापकरातेरहतेहें,जीसकी तारीफ तमांमजहांनके लोग,अपनी२जबांनसे-कररहेहें ओर यह नहीजांनतेहें,कियह;स्वर्गनहीहे;किजीस कोहम तमांमजहांनके लोग,बोलतेहें,क्युंकियह,रावणकी तरहसे बनीयोंका-राक्षसी पापहे-जीससेतमांम-जहांनकेलोगोंकी अकल फीरीहुइहे!ओर!स्वर्गतो;यह ? जमीन माताहीहे क्युंकि रावणने,जोराक्षसीपाप,चलायाथा तोउसनेभी तमांमजहांनके!लो गोंकी.अकलफेरदीथी.किजोदुनीयां स्वर्गकोभुलगईथी ओर-रावणके-राक्षसीपाप कोही स्वर्गजांनतीथी किजो;रावणकी-जींन्दगीमे;संसारका बुराहोताजाताथा ओर कीसीको-खबरनहीपडतीथी-परंन्तु सनीश्चने अपनेउपर.दुखपडतेही'रावणके ? रा क्षसीपापको तमांमजहांनमे प्रघटकरदीया,जब,कुलसंसार सलांमतरहाहे ओर-उसी तरहसे!अबयह!बनीयेभी-राक्षसीपाप कररहेहें ओर-स्वर्गका.राजलेलीयाहे'ओर, लोगोंको स्वर्गभुलारक्खाहे सोयह,रावणकीतरहसे.बनीयोंके घरका राक्षसीपाप बलराजाके-बादसेचलरहाहे-जीसको में [-अनोपदास-] सनीश्चकीतरहसे.संसारको वाकीफकरताहूं ताकिसब लोगहेत-ईरादाकरके-ओर-ऐकदीलहोके ईन बनीयोंके राक्षसीपापको!दफेकराओ!तोसंसारका भलाहोवे ओर-जीनलोगोंने—किरावणके

राक्षसीपापको और हरनाकुशके-पापको:और-कंस राजाकेपापको और.कारून बादशाहके.पापको,अपनी हीकमतअमलीसे फोजेंतयारकरके:और:लडायांकरके-छोडायाथा और पापछोडानेके,सबबसे,ऊनकानांम इसदुनीयांमें अबतक?मशहुरहै फीरइन,बनीयोंके,राक्षसीपापसे तमांमजहांनकी ओलादको'आरांम'हासीलहोनेके सबबसे वाकीफकरताहूं कितुमको:राक्षसीपापके:जादुसे भुलारक्खाहै जबतुम,इन के'जालोंको-खीलाफजांनतेहो-परंन्तु यह खयालनहीकरते: किजीन२शखसोंने:रा क्षसवीद्याको पकडके और:तमांमदुनीयांको,उसकाफीरीजालसे वाकीफकरके छो डायाहै!और!पापकेकरनेवालोंको संसारकेहाथोंसे गारतकरायाहै-सोऊनका-गुन, और अहसांन तमांमजहांनके:राजा-बादशाह:और रैयतवगेरानेमांनाहे और'सुख प्राप्तहोनेके;सबबसे. संसारकेलोग अबतक ऊनभगतलोगोंके'शुकरगुजारहैं'किजी-नहोंने जमीनपररहकर काफीरोंके.जालोंसे.संसारकोबचायाहे अगर भगतलोगोंने संसारको!पहीले!नहीउभाराहोता तोसंसार जबहीगारतहोजाता-परंन्तु-ईश्वरपरमा त्माने ऊनभगतोंको संसारके'उभारनेकेलीयेही'पेदाकीयाथा किजीसका जीकर-तमांमजहांनकेलोग;अपनी;जबांनसे करतेहैं किजोसनीश्वेजी'और'नरसिंघजी'और श्रीकृष्णजी और गरुनांनकजीको:उसकरतारकरंन्ताने:पेदा नहीकीयाहोता तो. बेशक,रावण,और'हरनाकुशवगेरा अपने राक्षसीपापसे;गारतकरदेते;और-कुल-व लायतोंमें अपना राजकरते,परंन्तु,परमात्माजीने हम'तुमलोगोंके रहनेकेलीये,खुब पेदाकीया'किजोऊन'भगतलोगोंके तुफेलसे सलांमतरहे;जीससेअबतक;ऊनकेपुजा गुनको मांनरहेहैं सोमेरेभाइयो'जबकोईदुशमन'कीसीमुलकके‌उपर फोजलेके चढआ ताहै-जब-मुलककेमालीक और ऊनकीरैयतको दुशमनके.चढआनेकी?खबरनही. पडतीहै किजोबेखबर पडेहुयेहोतेहैं,जबदुशमनको-मुलक फतहकरना क्यमुशकी लहै;बलके-साथआसांनीके-फतह करसक्ताहै परंन्तु:उसवक्त:मुलकके.मालीकका-कुत्ता दुसरेमुलकके लोगोंकोदेखके,और,अपने,मुलकके मालीककोदेखके और;मा लीकके;नमकखायेहुयेका,हकजांनके इसकदर शोर व गुलमचाताहै-किजोसोतेहुये शखस फोरनजागजातेहैं तोवोह'कुत्ते'फोरन'अपनेमुलकका ईन्तजांमकराके दुशम नको;जेरकरालेतेहैं;और:उसकुत्तेके सबबसे अपनेमुलकको;बचालेतेहैं;तोबाद'फतह होजानेमुलकके मालीक उसमुलकका,उसकुत्तेका,कीतना गुनमांनतेहैं और;कहतेहैं किअगर,कुत्तोंने रातको,शोर व गुलनहीकीयाहोता-तोमुलकको हम:अपनेहाथोंसे

खोबेठते परन्तु मुलककारहना-अपनेपास;कुत्तोंके-तुफैलसेहे किजोहमको सोतेसे जगाया?किजोहमने?अपनेमुलकको दुशमनके हाथोंसेबचालीया-इससेकुत्तेका-गुन मांनतेहैं सोकुत्तेकागुन सीर्फ:मुलकरहजानेसे:मांनतेहैं किजोलोग तमांमजहांनके; लोगोंको.राक्षसीपापसे-बचातेहैं तोऊनहोंका गुनमानें?तोअचरजहीक्याहै!क्युंकि ऊनहोंनेतो संसारकी ओलादको;बचायाथा,जीसकाहाल दुनीयांमे मशहुरहै'परंन्तु यह,नहीमालुम.किइन,बनीयोंके राक्षसीपापसे तमांमजहांनके-लोगोंको-बाकीफक रताहूं तोभीनहीसुनतेहैं. और,नासमझतेहैं,बलके,अकल फीरजानेकेसबबसे यह,सं सारके,राजा,बादशाह,और साथ संत पागलकहतेहैं-और-समझतेनहीहैं-सोऐसी-अकल खराबकरदीहै सोमेरे;भाइयो;मुझको;तुमसेक्यालेनाहै सोतुम नहीसमझतेहो अगरचे,तुमनहीसमझोगे,और मुझको पागलजांनके;भरोसेमेरहोगे;जबतो'तुमलोग अपनी ओलादसमेत इनबनीयोंके.राक्षसीपापसे?गारतहोजाओगे और जोमेरेकह नेपर-यकीनलाके-समझोगे:तोतुम अपनी ओलादसमेत.सलांमतरहजाओगे.और, बाददफेहोने राक्षसीपापके कमउमरमें;नहीमरोगे,और;ऐश आरांमकरोगे और-जो कमउमरमें!मरजातेहैं!और-पुरीउमर [१२५] बरसकी-नहीपातेहैं?सोबनीयोंके?रा क्षसीपापसे मरजातेहैं और,अगलेजमांनेमेंतो,उमरें,आदमीयोंकी और अनबोलोंकी और-झाड-बनासपतीकी बहुतकुछहोतीथी और दस२ [१००००] हजार!बरस की;उमरहोतीथी;परंन्तु,अब,इसजमांनेमेंतो,[१२५],बरसकी;पापसेकररक्खीहे;सो अबपुरी-[१२५]-बरसकीभी नहीहोनेदेतेहैं और!कच्चीउमरमें!मारदेतेहैं?सोयह-- बेइमांन,अपनेकोल ईकरारसे,फीरगयेहैं,क्युंकिपरमेश्वर कीसीको कच्चीउमरमें-नही मारताहे.यहबनीयोंके.राक्षसीपापका सबबहे जीससे-कमउमरमें-लोग--मरजातेहैं, क्युंकिइश्वर कीसीको कच्चीउमरमें,नहीमारताहै;यहतो बनीयोंका राक्षसीपाप;चल रहाहै,जीससेकमउमरमें,लोग मरजातेहैं और जोकिदुसरी;वलायतकेआतेहैं;ऊनको यहबनीये अपने राक्षसीपापसे,अकल,फेरकेलातेहैं जीसकी वजहयहहे?किजोटुटा हुवाधन-ऊनकी-वलायतोंमेंहे उसको अपने राक्षसीपापसे.लीयाचाहतेहैं.इससे'दु सरीवलायत वालोंको हिन्दुस्तांनके:राजका:लालचदेकेलातेहैं और हिन्दु-मुसल मांनको.आपुसमें.लडाकेमारतेहैं जीसकी खासवजह-इनबनीयोंने ? यहसोचीहै ? कि जब;सबलोग मुलक२के गारतहोजावेंगे,और-हम,सभोंसे जीयादारहजावेंगे जब हमअपना--राज-सबमुलकमें और सबवलायेतोंमें अच्छीतरहसेकरेंगे.इससे.मै--तुम

लोगोंको इनबनीयोंके राक्षसीपापसे-वाकीफकरताहुंःसोतुमलोग वाकीफहोके इन बनीयोंके.राक्षसीपापको.छोडाओ क्युंकिअब तुमलोगोंने-नहीछोडाया-तोफीर.इ नकाजाल दफेहोनामुशकीलहे और,फीर,नहीछुटेगा। क्युंकिबनीयेलोग अभीतो-थोडेहें-और-सातों-आठोंवलायतके लोग इनबनीयोंसे ? जीयादाहें ? सोअभीतो ? छुट सक्ताहे और बनीयेलोग,जबके,जीयादारहजावेंगे,और सातों आठोंवलायतोंके; लोग.थोडेरहजावेंगे.तोइनका राक्षसीपाप कीसीसेभी-नहीछुटेगा—क्युंकियह'बनी ये,अपने राक्षसीपापसे सभोंकी,अकलोंको,खराबकरदेंगे और अपना,राजकरके सभोंको-यहबनीयेलोग-अपना नोकर और चाकर करकेरक्खेंगे.और.जबकि ? इ नके राक्षसीपापसे लोगोंकीबुधी;खुब;भ्रष्टहोजावेगी;जब आपुसमें लडकरही'मर जावेंगे.तोऐक.गांवसेजाके दुसरागांव सो कोसकेउपरमीलेगा?शहरोंकेतो!बहुतही. छोटेगांव होजावेंगे और'गांव,बीलकुल'बरबादहोजावेंगे सोयहबात पहीलेसेःदुनी यांमें!मशहुरकरदीहें!पसदुनीयांमें कहतेहें सोमालुमनहीःकिकेसाफीसादःकरवाके-याकालपडाके मारदेंगे यामरी,हेजा,यालडाइसे बुधीभ्रष्टकरके गारतकरेंगे,सोतो इनकीयहीजानें'उसवक्तमें'यहबनीये अपना राजकरेंगे;सोयहबात,बाबतराजकरनेके और दीन२कलजगहोनेके बारेमे,हिन्दु,मुसलमानोंकी कीताबोंमें लीखाहुवाहै,कि ऐसाजमाना-तंगआवेगा-किघासवगेरा तुलकरबीकेगा;और-धांनकेदांनेभी-गीनती से'बीकेंगे सोऐसी२बातें पहीलेसेही,इनबनीयोंने,चलादीहें किजोदुनीयां ऊनसे; सुन२के.कहतीहेःऔर.जोआगे अच्छेफकीरहुयेहें नांमऊनका!लगादीयाहै?किवोह लोग पहीलेसेकहगयेहें और:कीताबोंमें:लीखगयेहें सोउसजमानेको हिन्दुओंमें?क लजग-और-मुसलमानोंमें तेरहवीं चोदहवीं सदी-कीताबोंमें-कीसीःना कीसीने-प ढीहोगी सोअगर लोगऐसे,नाजुक,जमानेपरभी दीलसे;कोशीश और;खयाल;न हीकरोगे.तोअबभी.दीन२इससेभी खराबवक्त जादुसेःकरतेजावेंगे;क्युंकिजेसा;कि कीताबोंमें लीखाहै और,जोइनहोंकी,कीताबेंचलाइहुइहें,और ऊनमें जोलीखाहै; वेसाही;यहपापकराके;करतेजातेहें तोवेसाही होताजाताहै-और:वेसाही.होकेरहेगा और अलावाइसके बरसातःइसतरहसेहोगाःकिजेसे ओसपडताहै उसजमानेमें-गी नवा-दांना?नाजकेबीकेंगे सोभाइमेरेहो यहजीतनीबातें.कलुकालमें.होनेकेनीसबत कीताबोंमें लीखीहुइहें वोहउसहालतमे,सचीहोंगी,किजीसहालतमें इनका;राक्षसी-पाप-दफेनहीहोगा-अगरचे आज राक्षसीपापकाकरना सब.संसारकेलोग.ऐकदील

होके,छोडादेवें तोकलजगका नांमही,नहीहोवे,अगर दफेनहीहुवा तोयहबनीये;राक्ष सीपापसे;लीखीहुइबातोंको;दीखलादेंगे किजो हिंन्दु-मुसलमांनोंकी-कीताबोंके,अं न्दर लीखाहुवाहै इससे मै कहताहूंःकितुमलोगःऐकदीलहोके इस राक्षसीपापको मेरेशांमीलहोके'और'मददेकेछोडाओ ताकिदुख नहीउठानापडेःवरनाःयहबनीये अपने राक्षसीपापसे केसे२दुखदेवेंगे,और,ऊनदुखोंकेमारे गारतहोंजाओगे सोइन बनीयोंने-अपने-राक्षसीपापसे ऐसीअकल खराबकरीहे किजो.हिंन्दु.मुसलमांनके दीलमें ऐसाहीसुझताहै और,कीताबोंको!मांनतेहें,और कहनेको नहीमांनतेहें;सोइन बनीयोंने.यहकेसी.अकलमंन्दीकीहे किजीसकीताबमें तेरहवीं-चोदहवीं-सदीकाहा ल'लीखाहुवाहै और कलजगहोनेका;हाल;लीखाहुवाहै वोहकीताबें बनीयोकेघर की-चलाइहुइहेंःऔर-नांम ऊनकीताबोंकेअंन्दर हिंन्दु.मुसलमांनोंके.बुजगोंका--प हीलेसे छलकरके लीखदीयेहें,जीससेहिंन्दु,मुसलमांन दोनों ऊनकीताबोंपर'चल रहेहें,सोयह,अकलकासबबहै अगर ऊन कीताबोंपरःअमलनहीकरें;किजो;राक्षसी बेदकी कीताबेंहें और.ऊनकेअंन्दर.हिन्दु.मुसलमांनोंके नांमलीखेहुयेहें सोमेरेकह नेके-मोजीब-कुलसंसारकेलोग ऊनकीताबोंकोछोडके इनबनीयोंके.पापके.दफेकर नेकी कोशीशकरें तो मै उम्मेद,करताहूं,किजलद,लोगोंको इनबनीयोंके राक्षसी-पापसे-आरांम-हासीलहोवे और जीनकीताबोंको किहिंन्दु,मुसलमांन,अपनीजांन तेहें;और कहतेहें किपहीले'जोबात'कीताबोंकेअंन्दर'हमारे बुजगोंनेलीखदी वोह सबदुरस्तहै;सोयह;हिंन्दु मुसलमांनोंका खयालझुठाहै और!कुछबातनहीहै!अगरचे हिंन्दु मुसलमांनोंके बुजगोंकोःऐसाहीसुझताथाःतोऊनहोंने यहक्युं नहीलीखदीया कियह!तेरहवींसदीका!जमांना और कलुकालका जमांनाहोगा-वोह-बनीयोंके.रा क्षसीपापसेहोगा फीर आपलोगोंको'खयाल'करनाचाहीये कियह कुलजाल!बनी योंका!चलायाहुवाहै!अगरचे तुम हिंन्दु मुसलमांनके!बुजगोंने--पहीलेसे--कीताबें चलाइहोती तोतुम्हारेबुजर्ग जरुर,इनबनीयोंके,राक्षसीपापको कीताबोंके अंन्दर लीखदेते;किबनीये;राक्षसीपाप अपना चलावेंगे और;धनकोखेंचके;अपने;कबजेमें धरलेंगे और कालबगेराःडालकेःसंसारकेलोगोंकोःगारतकरदेंगे और इसतरहसे बारीशहोगी-किगीनतीसे-नाजकेदांने बीकेंगे सोऊनहोंने ! कुछनहीलीखाहे ! अगर-ऊनहोंकी बनाइहुइहोतीं तोवोह,अपनी,ओलादोंका खयालकरके जरुर२इन;बनी योंकेजालको!लीखदेते!इससे मै अर्जकरताहूं किआपलोगोंको!खुब!खयालकरना

चाहीये और अपनी-कीतावें-नाजांनकेःऔर सोदागरबच्चोंकी कीतावेंजांनकेःऔर मेरेलीखनेपर.गोरकरके.और अपनी२ओलादकीतरफ देखके!जलदीइसकांमकेःद फेहोनेकेलीये अमीर गरीब;और;अतीत-फकीर;और;राजा बादशाह मअेःरैयतके जगह२और,मुलको२में,इनसोदागरांनके राक्षसीपापका,दीलसे,जीकरकरो'और;अं ग्रेजोंको इनहोंकेजालोंसे वाकीफकरोःक्युंकिवोह.आज हिंन्दुस्तांनके मालीकहें– क्युंकिइनहोंके;समझनेसे;और मेरेकहनेसेःऔर अंग्रेजोंकी,और,राजा'बादशाहोंकी मददसे कुलजहांनकी ओलादको,आरांम-हासील,होसक्ताहै क्युंकि राक्षसीपाप. वहीचलातेहें-किजीसकेपास-कुल संसारका धनहोताहै!क्युंकिइसकांममें!खरच;जी यादाहोताहै अगरचे हिंन्दु,मुसलमांनकेःबुजर्गोंने,पहीलेसेबुरा जमांनाहोनेकी की तावें.चलरहीहोती.तोवोहइनके राक्षसीपापकाकरना और-बनीयोंकी-चलाइहुइ;की तावें [ओतारचरीत्र] वगेराका.नांमलीखकर.जाहीरकरदेतेहें और जीनकीतावोंमें नांम-लीखेहुयेहें-वोहकीतावभी इनबनीयोंकी चलाइहुइहें!परंन्तु!बनीयोंने?अपने-अकलमंन्दीसे तुमहिंन्दु मुसलमांनकेःनांमःकीतावोंमें लीखदीयेहें सोवोह?नांम-इ सवजहसे;लीखदीयेहें;किजबकोइ राजा बादशाह कीतावोंकाहाल;दरीयाफतकरेंगे तोहमबनीयोंसे नहीकरेंगे तोहमारा,जाल,वदसतुर चलतारहैगा क्युंकिकीतावें:हिंन्दु मुसलमांनके-बुजरगोंके-नांमकीहें इससे राजा बादशाह.हिंन्दु.मुसलमांनकोही?तं गकरेंगे और'कीतावोंमें नांम,नीकलनेकेसबबसे,इन,हिंन्दु मुसलमांनकोही गारत करेंगे!इससेऐसे२जालकी?कीतावें बनीयोंनेबनाके हिंन्दु ? मुसलमांनोंके ? बुजरगोंके नांमसेचलादीहें और हिंन्दुःमुसलमांनकेःघरोंमेंदेदीहें जीससेहिंन्दु मुसलमांन;ऊन कीतावोंको.अपनीजांनतेहें.और जालकी पहचांन?नहीकरतेहें-सोयहसबब.अकल फीरनेकाहे किजो समझानेसेभी,नहीसमझतेहें,ओंर कीतावोंकेउपर चलतेहें:सोयह बनीये,अपने,राक्षसीपापसे ऐसाहीसुझातेहें कियहकीतावें;हमारीहें,और,हमारेधर्म्म का;हाललीखाहुवाहै जीससेवोह कीतावोंके,लीखेहोनेके,मोजीब चलरहेहें और;इन बनीयोंने.पहीलेसे.हजारहाबरसका हाललीखदीयाहै और-कीतावेंभी–तरह२के– जादुकी चलाके तुम्हारेबुजरगोंकाःनांमलीखदीयाहै;सोवोह कीतावें तुमहिंन्दुःमुस लमांनके,बुजरगोंकीनहीहें,यह रावणकीतरहसे इनबनीयोंने;राक्षसीपाप;चलानेकी गर्जसे बनाकेचलाइहें और,जीसतरहसे,कि,रावणने ऋषिश्वरोंको और,राजा,बा दशाहोंको-गारतकरनेकेलीये पकडादीथीं इसीतरहसे–इनबनीयोंनेभी;अपने!राक्ष

सीपापसे अकलफेरके राजा,बादशाहोंको,और,संसारको पकडादीहैं किजबकोइ राजा,बादशाह.इनलागोंकेपास जालकी कीतावेंदेखेगा-तोयहजानेगा-किहिंन्दु?मु सलमांन कीसीजगहपर जादुकरारहेहैं,जीससे,दीन२बुरावक्त आताजाताहै क्युंकि हिंन्दु-मुसलमांन-अरसेसे काफरी;पापकरातेहैं जीससे.इनहोंकेघरमें.राक्षसीबेदकी कीतावेंहैं सोमेरेभाइयो किजोअगली,कीतावेंबेद,और,परांनकी और धर्म्म?पुन्य कीथीं,और?हिंन्दु,मुसलमांनके बुजरगोंकीथीं;और नेकीमें-चलनेकीथीं-सोमीसल रावणके गारतकरदीहैं और,अपनेजालकी?कीतावें,रावणके मुवाफीक चलादीहैं सोइसजालसे-हिंन्दु-मुसलमांनके बच्चेमारेजावेंगे और;जोकिसोदागरबच्चे;पापकरा रहेहैं वोहअलाहदाके अलाहदारहजावेंगे,और,अपनेपापसे तमांमजहांनके लोगोंको गारतकरदेंगे-और-अपना राजकरेंगे सोतुम वलायतके,राजा,बादशाह;रैयतसमेत ऐकदीलहोके छोडाओ नहीतो,यहबनीये,अपने,राक्षसीपापसे सातों आठोंवला-यतोंके.राजा,बादशाह,और रैयतवगेराके बाल बच्चोंको-इसजमींनकेउपर-जींन्दा, नहीरहनेदेंगे क्युंकिइनहोंको राजकरनेकी,हवीसहै,सोऐ सातों-आठों बादशाहतोंके राजा'बादशाह'अगर;टुटेहुयेधनका लालचदें तोतुम;उसटुटेहुये!धनलेनेके!लालच में;मतआओ और बनीयोंकेपेसेको,हरांमजांनना,और जोकीतावें किबनीयोंकी— चलाइहुइहैं-वोहकीतावें-इनबनीयोंके घरमेंमीहैं सोऊनकीतावोंमेंभी?हिंन्दु?मुसल. मांनकेनांम लीखेहुयेहैं सोइनबनीयोंने,अपनेघरोंमें,हिंन्दु मुसलमांनोंके नांमोंकी; कीतावें;इसगर्जसे;रखछोडाहै किजबकोइ दुसरीवलायतका-बादशाह-हिंन्दुस्तांनमें आवेगा और कीतावोंकाहाल.दरीयाफतकरेगा,तोयहकीतावें जोहम बनीयोंके— घरोंमें-हिंन्दु-मुसलमांनोंके बुजगोंकेनांमकीहैं वोहबादशाहोंको:दीखलावेंगे—और-कहेंगे कियहकीतावें हमारेबुजगोंको:हिंन्दु:मुसलमांनोंने पकडादीथीं इससेहमारे घरोंमेंमोजुदहैं!परंन्तु!काफरीबीद्याका हालतो हमको:मालुमनहीहोताहै;सोयहबनी ये'इसवजहसे इसकदर झुठबोलेंगे,किहमारा;राक्षसीपाप जाहीरनहीहोवे और'हिंन्दु मुसलमांनके-नांम-मालुमहोवे और हमसचेके सचेबनेरहवें.इससेयह,बनीये;तरह२ के-छल बरवक्त दरीयाफतकरने:दुसरीवलायतके.बादशाहके सांमनेकरेंगे और. अपनाजाल!साबीत!नहीहोनेदेंगे और'अपना राक्षसीपाप.करतेरहेंगे.और,हिंन्दु-मुसलमांन आपुसमें गारतहोजावेंगे,क्युंकिबनीयोंके,राक्षसीपापसे सबकी बुधी. खराबहोरहीहै-इससेबनीयोंका-छल जाहीर नहीहोसक्ताहै.इससे—में-आपलोगोंके

बच्चेबचनेके सबबसे तमांमजहांनको:इस:राक्षसीपापके छोडानेकीगर्जसे वाकीफ करताहूं-सोसब-संसारकेलोग ऐकदीलहोके इनबनीयोंके-राक्षसीपापको.छोडाओ जबतुमको आरांममीलेगा और'जोकिचांदी'सोनेकीखांनेंथीं वोहगलगइहें सोजब कि.राक्षसीपाप.दफेहोजावेगा जबकुल वलायतोंमें चांदी!सोनेकीखांनें!बोलतेहो: वोह जमीनकेसरीरकी चरबीहै,जीसकी,तारीफयहहै,किजो जमीनके सरीरमें;कंचनहै'वोहतोसोनाहै-और-कंचनसे उतराहुवा वोहचांदीहै.और.जोकिचांदीसे'उतराहुवाहै वोह;तांबा;पीतल लोहा:जस्त?रांगवगैराहै:और जीसकोकि तुम'रसको पका;कहतेहो'वोह'जमीनमाताके सरीरकी,मनी और;मदहै'किजीसतरहसे;आदमी केसरीरमें राजावगेराहोताहै;उसीतरहसे;जमीनमाताका राजावगेराहै-परंन्तु—राक्षसीपापके-सबबसे-दुखपारहीहै इससेजमीनमाताके सरीरमें:ताकत;नहीरहीहै;सोजबकि जमीनमाताके सरीरकी:बीमारीजातीरहेगी;जब:जमीनमाता ताजा और—तयारहोजावेगी!जबकुल!वलायतोंमें पीछाधन प्रगटहोजावेगा;किजेसा;सतजगमेंथा सोतुम संसारकेलोगो और,राजा-बादशाह,ऐकदीलहोके इनबनीयोंके राक्षसीपापको-छोडाओ-ताकिफीर चांदी;सोनेकीखांनें और:दुटाहुवाधन:होजावे;और'कीसीवलायतमें धनकीभुख नहीरहवे,क्युंकिजब,इनसोदागर बचोंका राक्षसीपाप-दफेहोजावे-जबकीसी-वलायतमें धनका टोटानहीरहेगा और?वेसाहीहोजावेगा!कि जेसाठाट और पाट,सोने.चांदीका सतजगमेंथा'अगरचे'यहबनीये दुटेहुयेधनका लोभदेवें;तोइनहोंकेलोभमें:मतआना क्युंकियह बनीये तुमको.दुटाहुवा,धनदेके;भुलादेंगे और जोकिकदीमी,धनथा,उसकोअपने,पासरक्खेंगे और जोकितुमको-दुठाहुयधनदेके-भुलादेंगे-और जोकिकदीमी धनथा उसकोअपने.पासरक्खेंगे.और जोकितुमको दुटाहुवाधनदेंगे-वोहभी;पीढी-दोपीढीकेबाद भुलाके और,अकलको फेरके!लेलेवेंगे!परंन्तु?तुम संसारकेलोगोंकोतो नीरधनका-नीरधनरक्खेंगे-इससे. कुलपाप जमीनमाताके नांमकाछोडाओ:ताकिधन:पीछा प्रघटहोजावे और'जीन शखसोंने.राक्षसीपाप.चलारके धन जमैकीयाथा ऊनशखसोंका;धन,राक्षसीपाप छोडानेवालोंने नहीलीया और,वहांका,वहींपडारहनेदीया क्युंकिपाप तजजानेकी वजहसे-कुलवलायतोंमें-पीछाधन सतजगके जमांनेकासा,होगयाथा,ईससे;राक्षसी पापके धनको,कीसीने नहीलीया?सोभाइयो?जबकितुम राक्षसीपापको संसारके लोग,ऐकदीलहोके.इनबनीयोंके राक्षसीपापको छोडाओ ? तोपीछाधन ? कुलवलाय

तोंमें होजावेगा किजेसाःसतजगमेंथा-औरःजोधनकि रावणने संसारका'राक्षसी पापसे-लीयाथा-उसधनको संसारने नहीलीया और!हरांमजांना!और;जबकि;का रूंन बादशाहने राक्षसबीद्याका;पापचलायाथा;जबकारूंन बादशाहनेभी कुल!सं सारकाधन!अपने!काबुमें करलीयाथा जीसकाहाल तमांमदुनीयांमे.लोग.अपनी, जबांनसे बयांनकरतेहें किकारूंनःबादशाहनेःराक्षसबीद्याके पापसे कुलसंसारका धनखेंच२केःचालीस-[४०]-गंज याने चालीस-[४०]-डूंगरीधन;जमैकीयाथा इससे उसधनको दुनीयांने-नहीलीयाःऔर;हरांमःबराबरजांना हालांकि कारूंन बादशाहने;उसधनको;देनाचाहा और'बृाहमनोंसे और'साधु'फकीरोंसेकहा'किंतुम इसधनकोलेलो हमपुन्य दांनकरतेहें,परंन्तु;कीसीने,नहीलीया और यहजवाबदीया किहमलोग!धनकोक्याकरेंगे!क्युंकिजोधन तुम हमको-पुन्य.दांनकरतेहो-वोहधन, तुम्हारे राक्षसीपापका जमैकीयाहुवाहै,इससे,इसदांनको नहीलेसक्ते क्युंकिजोहम इसदांनकोलेलेवें-तोहमारी—ओलादभी डुबजावेगी इसवजहसे.नहीलेते.सोमेरेभाइ यो'रावणवगेराके दांनको और'कारुंनवगेराके'दांनकोतो कीसीबृाहमनोंने और; साधु-फकीरोंनेभी-नहीलीया और हरांमके बराबरजांना.और,अलावाइसके,बाद शाहने चमडेका रुपीयाचलायाःजीसकीयह,तारीफःतमांम जहांनकेलोग बयांन; करतेहें-किसवारुपीयाकी-मेंख सोनेकी चमडेके अंन्दरलगाके'बृाहमनोंको'देनेलगे और कहनेलगे किइनरुपीयोंको,तुमलो;किजोहम,तुमको दांनमेंदेतेहें परंन्तु;तुम;इन रुपीयोंको!चमडेके!बराबरजांनना और चांदी सोनेकादांन-मतजांनना-ऐसे२फरे बकरके देनाचाहा तोभीऊन'रुपीयोंको!कीसीनेभी-नहीलीया और दांनकालेना हरांमहीजांना;परंन्तु;वोहधनभी जमीनकेउपरही पडारहा'और'कीसीने'उसधनको नहीलीया सोउस धनकोभी-ईनबनीयोंने.अपने-कबजेमेंकरके लेलीयाहै ईससेवोह धनभी!दीखनेमेंनहीआताहै!और दुनीयांने उसधनको-इसवजहसे-हरांमजांनाथा, किजोजमीनपर चांदीकी और'सोनेकीखांनेंहें'सोउसमेंसे ला२कर बरतनवगेरा, बनवाऐंगे.और.मोहरेंवगेराबनवाके खरचकरेंगे और इस-राक्षसीपापके-जमैकीये हुयेधनको हमक्याकरेंगे इसवजहसे,उसपडेहुये,धनमेंसे ऐकपेसाभी नहीलीया— और-हरांमके-बराबरजांना जीसकी वजहयहहै किखांनोंको!लोग!भुलेनहीथे!सो जबकिधनकी जरुरत संसारमें,कीसीकोभीहोतीथी,तोसंसारकेलोग खांनोंमेंसे खो द२कर!लेआतेथे!इससेउस जमैकीयेहुये धनकीपरवाह कीसीकोभी-नहीथी-और

जोकिधन जमैकीयाहुवाथा वोहभी:मालीककाहीथा:सोधनतो हरांमनहीधा परंन्तु जमैकरनेवाला-हरांमीथा-किजो संसारकेलोगोंको दुखदेके? राक्षसीपापसे? खेंचली याथा और,खेंच२के जमैकीयाथा;सोउसधनको;अगर कोइभी शखसलेता'तोकुछ हरजनहीथा!क्युंकिचोर!कीसीके मकांनसे धनखेंचके-और;चोरलेजाताहै-और; धनका पतालगाकर चोरको'गीरफतारकरादेतेहें;जब'राजा बादशाह उसधनको चोरसे.पीछा.मालीकको;दीलवादेतेहें तोमालीक उसधनका?उसधनको:लेलेताहै. किमेरीकमाइका धनथा क्युंकिचोर'चोराके'लेगयाथा सोपीछा मुझकोमीलाहै;कुछ मैने-कीसीकाछीनके-थोडाहीजमैकीयाहै उसकातो लेनाहीवाजीबहै.जीससे.लेली याहै;सोदुरस्त बातहै फीरइसीतरहसे,अगर,संसारकेलोग इस राक्षसीपापके,जमै कीयेहुये.धनकोलेलेते.तोकोइबुराईकी बातनहीथी क्युंकिवोह? धनभी-रावण—वगे राने'और कारूंनबादशाहने बतोर,चोरीकेही,खेंच२करकेलीयाथा इससे उसधनके लेलेनेमें-संसारकेलोगोंको-कोइ बुराइनहीथी खेरयहभी बहतरहीहै:किजोकीसीने; उसधनको नहीलीया तोईश्वरपरमात्माने;उसनेक;नईयतीकेसबबसे संसारकेलोगोंको बहुतसा'धनबक्षा!और!बक्षेगा किजीनलोगोंने राक्षसीपापके-जमेकीयेहुये-धनको हरांमजांना क्युंकि ऊनलोगोंने:उसजमैकीयेहुये:मालको हरांमसमझके और,राक्ष सीपापकी-पहचांन-सनीश्वकेकहनेसे करके राक्षसीपापके.करनेवालोंको.तमांम? ज हांनने ऐकदीलहोके गारतकरदीया,और.पापकाकरना छोडादीया किजीसवजहसे चांदी!सोनेकीखांनें!फीर प्रघटहोगइं इससे संसारकेलोगोंको:धनकीतरफसे—तक लीफ उठानी नहीपडीथी'सोपहीले!जमांनेकी'तरहसे यहसोदागर हमाजनांन.रा क्षसीपाप:करारहेहें:और धनको,अपनेकाबुमें कररहेहें'सोअगर'संसारकेलोग-ऐक दीलहोके इनबनीयोंके राक्षसीपापको,छोडाओगे,तोधनका टोटानहीरहेगा और वेसाहीहोजावेगा,किजेसे,सतजगमेंथा क्युंकि जमीनमाताकी;बीमारीहटजावेगी;तो जमीनमाता पीछे तंन्दुरस्त:और:ताजाहोजावेगी और;खांनें फीरप्रगटहोजावेंगी सोऊनखांनोंमेंसे-कुल-संसारकेलोग फीर बरतनवगेरा.बनवालेना.और? मोहरें-रु पीयाबनवाके खरचकरना और,राक्षसीपापके,जमैकीयेहुये मालको हरांमजांनना और,बनीयेदेवेंतोभी,मतलेना क्युंकिजब राक्षसीपापको;छोडादोगे;तोफीर,धनका टोटानहीहै अगर वोहभीसभी'लीयाजावे'तोकुछदोशनहीहै क्युंकियहधन अपनेही चोरीका!बापीसहोताहै!इससे मै बार२आपलोगोंको बनीयेलोगोंके!जालसे!लीख

करके वाकीफकरताहूं सोजलदी;इसकेबारेमें;सबःहिन्हु मुसलमांन और'अंग्रेजवगे रा,मअे-अपनी२रैयतके-अपनी२ओलाद सलांमत रखनेकी.गर्जसे.पापछोडानेकी दीलसे कोशीशकरके छोडाओगे'और'मददकरके'छोडाओगे और इसकांममें;देर नहीकरोगे.क्योंकिजो.असलीबातथी वोह मै लीखचुकाहूं!सोलीखेहुयेपर!चलके, बंन्दोबस्तकरो और इनसोदागरांनका.राक्षसीपाप.रावण कीतरहसे छोडाओःतो संसारकेलोगोंको!आरांममीले!और जोकिइन बनीयोंनेःतमांम!संसारकेलोगोंका-धनचोराके अपनेकबजेमें करलीयाहै,सोसब,संसारकेलोग इनबनीयोंके जमैकीये हुयेधनको;जोबांटकेलेलो;तोकोइ मुजायकानही और'जीसतरहसेःकिःरावणवगेरा के;वक्तमें कोइशखस खांनोंवगेराको,नहीभुलाथा,उसीतरहसे इनबनीयोंके राक्षसी पापके-चलानेसे-मतभुलो;और खांनोंकी;पहचांनरक्खो किजेसे;पहलेजमांनेके;लो गोंने पहचांनरक्खीथी सोअगरःतुमलोगमीःउसीतरहसे पहचांनरक्खोगे और?भु लोगेनही.और.पापकेछोडानेकी कोशीशकरके पापको!छोडाओगे!तोखांनें'प्रघट-होजावेंगी और जीसतरहसे,किखांनें,आज,कल,अलोपहोगइहें इसतरहसे नहीर हेंगी-परंन्तु?यहबात-काबील खयालकरनेकेहै किजेसेआजःकल—पत्थरःमीट्टीकी—खांनें जमीनपर मोजुदहें,इसीतरहसेःचांदी,सोनेकीखांनें बल राजाकेजमांनेतक. मोजुदथीं-परंन्तु-जबसेकि इनबनीयोंने राक्षसीपाप चलायाहैःजबसेहीखांनेंःअलो पहोगइहें और बीमारीकेसबबसे,गलगइहें.जीसकी,वजहयहहे किइन बनीयोंने-ज मीनकेनांमका.पापकराना.शरुकीयाहै जीससे जमीनकेसरीरकी-चरबी-गलगइहै-और खांनोंके अलोपहोनेका,यहीसबबहै,अगर,आज पापकाकरना सोदागरबच्चे छोडदेवें-तो.रफते२बदसतुर-खांनेंचांदी सोनेकी पत्थरवगेराकी-खांनोंकीःतरहसे मोजुदहोजावें और जोकिमीट्टीःपत्थरकीखांनेंःतुमलोगोंको दीखतीहें सोइससे;दी खतीहें.किंइन.खांनोंकेनांमसे पापनहीकरातेहें अगरचे इनःखांनोंकेनांमसेभीःपाप कराते तोपहाडवगेराकी खांनेंमी,गायबहोजाती,परंन्तु इनखांनोंके नांमसे,पाप; नहीकरातेहें.नहीतोयहमी?जादुसे खाकहोजातीं परंन्तु?इनबनीयोंने-ऐसी—अकल खराबकरदीहै किखांनोंकोभी भुलेहुयेहें'जीससे'यहबनीये तुमकोभुलाके और;ध नकोखेंच२के;अपनेकबजेमें;कीयाचाहतेहें तोपहीले राक्षसीपापके;जोरसे;जमीनको फाडतेहें और,जबकि जमीनफटजातीहै,जबधनको,खेंचलेतेहें जब जमीनकांपंतीहै सोयह-बनीये-कुल?वलायतोंका धन;अपने राक्षसीपापसे;खेंचरहेहें?और?जीनका

किखेंचलीयाहै उस वलायतमें:संसारके:देखनेकेलीये:थोडासाधन रहनेदीयाहै इ सीतरहसे,कुलवलायतोंमें.थोडासाधन रहनेदेंगे सोउस'थोडेसेधनको'सोदागरीके जरीयेसे खेंचलेंगे गर्जकि,जबकुल,वलायतोंका, धन, अपनेकबजेमें करलेंगे जब-अपना-राजकरेंगे-और;अलावाइसके यहबातभी खयालकरनेके! लायकहै! किकुल; जहांनमें यहबात मशहुरहै'कियहबनीये;अपने'राक्षसीपापसे कुलवलायतोंका माल व-मता!किजोअसलीहै!उसको खेंचलेतेहैं और हरऐक-वलायतमें-थोडा२रहनेदेते हैं:सोयहबातभी दुनीयांमें मशहुरहै,किजीसकदर,धन,हिंन्दुस्तांनमें और दुसरी, वलायतोंमें! असलीहै! वोह?सबलोगोंके खरचकेवास्तेहै परंन्तु?इनसोदागरांनने?अ पनी अकलमंन्दीसे संसारमें;यह'जाहीरकररक्खाहै'कि.ऐक;हीस्सेका धनतो कुल'सं सारके-लोगोंकेवास्तेहै-और [१२] हीस्साकाधन जमीनके-अंन्दरगडाहै-परंन्तु'कु ल;धन मीलके [१३] हीस्साथा:परंन्तु:यह [१३] हीस्साधनको [१३] तुंबाभी कहतेहैं!सोयह-[१३]-तुंबाधन टुटाहुवाहै सोयह:टुटाहुवाधनभी:कदीमसेहै!परंन्तु इनबनीयोंने अपने राक्षसीपापसे,भुलाकरके,अपने,कबजेमें करलीयाहै और,जो कुछकिधन-उसखरचके-हीस्सेमेंसे बाकीरहाहै उसकोअपने.राक्षसीपापके.जादुसे: खेंचकर अपनेकबजेमें करलेंगे'परंन्तु'इनबनीयोंने'अपनी अकलमंन्दीसे राक्षसी; पापसे!सबकी!अकलोंको;फेरकरके यहकेसा जाहीरकीयाहै,किकुल-तेराह-हीस्सा धनथा जीसमेंसे ऐकहीस्सा,धनतो-तमांम.प्रथवींकेलोगोंके खरचकेलीयेहै और जोकि;बारह;हीस्साधनहै वोहजमीनमें'गडाहुवाहै सोमेरेभाइयो,इनबनीयोंने,अपने राक्षसीपापसे अकल फेरके,भुलारक्खाहै,किकुल,तेराह हीस्साधनहै जीसमें,यही ऐकहीस्साधन;जाहीरकीयाहै;और बारह;हीस्साधन अलोप'जमीनके'अंन्दररक्खा है-सोभाइमेरेहो धनतो ईसजमीनके;उपरबहुतथा;किजीसकी कुछ हदभीनहीथी, परंन्तु-तेरह.हीस्साधन.दुनीयांके भुलानेकेवास्ते कीतावोंमें!लीखकरके!जाहीरकी याहै,किकुल तेरहतुंबाधनथा और,तेरहतुंबातो?इनहोंने,संसारमें बहकानेकेवास्ते. बातेंचलादीहैं.असलमें.तेरहहीस्साधनहै सो [१२] हीस्सातो!इनबनीयोंके?पासही अलोपहैं और;ऐकहीस्सा जोदुनीयांमेंहे,वोहऐक,नांमकेवास्तेहै नहीतोवोह तेरहवां हीस्साभी-इनकेपासहै-दुसरेराजा बादशाहके पासतो ऐकथोडासाहै!तोवोह!ऐक-हीस्साकाधन कुलवलायतोंके खरचके,वास्ते,जाहरातमेंहे किउसधनको तमांम-ज हांनकेलोग.खरचकरके.परवर्शपातेहैं सोइन सोदागरांनने-उसखरचके!तुंबाकोभी

अपनेकबजेमें कररक्खाहै और:यह,सोचनेकीबातहै:किबारह हीस्साधन जोजमी नकेअंन्दर'अलोपबतातेहें'सोवोह जमीनमें कीसनेगाडाहै अगर;अपन,हिंन्दु;मुसल मांनके बुजरगोंने;वोह बारह,हीस्साधन-जमीनमें,गाडाहोता तोअपन हिंन्दु;मुस लमांनोंको!उसकापता!मालुमहोता और हिंन्दु मुसलमांनके-बुजर्ग-अपनी२ओला दोंको जरुर,पताबतादेते किफलांनी:जगह:जमीनकेअंन्दर धन हमनेगाडाहै,सो. यहतो,सबचालें-इन—बनीयोंकीहें किवोह बारह हीस्साधन.जमीनमें.अलोप,कर्र क्खाहै तोइनकोही उसकापतामालुमहे,जोहिंन्दु,मुसलमांनके बुजरगोंने गाडाहोता तोवोह.मरतेवक्त.अपनीओलादोंको उसधनका पता बतादेते-तोइसवास्ते-इनबनी योंके बुजरगोंमें इसबातकाभेदहै,सोजेसेवोह,मरतेजातेहें तोअपनी ओलादोंकोभेद और-पताधनका-बतातेजातेहें परंन्तु:अपना राक्षसीपाप!जाहीर!नहोनेदेनेकी;वज हसे,इनबनीयोंने खरचके हीस्सेके;अंन्दरसे;कीसीकदरधन हरऐक वलायतकेअंन्दर खरचकेवास्ते!छोडदीयाहै!बाकी बारह हीस्साधनको अपने-कबजेमें-करलीयाहे— इससेमेरा लीखनायहहै कियह,जीतनीबातें?दुनीयांमें,जालकी होरहीहें यहसबब बनीयोंके,राक्षसीपापकाहै:क्युंकि संसारकेलोगोंकी अकल:इनसोदागरांननें:अपने राक्षसीपापसे खराबकरदीहै किंजीससे,बनीयोंके,जालकी पहचांन नहीकरसक्तेहें बलके-भुलेहुये-और,बहकेहुयेहें और-खयालमें नहीलातेहें'किइसजमीनके'उपरतो इसकदरधनथा किजीसका कुछ:अंन्दाजभी-नहीहोसक्ताथा और.सोने चांदीका. ठाट;और?पाटथा-सोवोहधन कहांगया सोइतनातो कोइभीसाहब—खयालनहीकर तेहें;सोयहभी कीतावोंसे साफ२साबीत,होताहे,किसोनेका ठाट,और पाटथा,और अबनहीहे;जीसकी;वजहयहहे किइनबनीयोंने;अपने राक्षसीपापसे;लोगोंकी;अकल खराबकरके कुलमाल ओर,मता,संसारका,अपनेकबजेमें करलीयाहे ओर:जोकि धनथोडासा-टुटाहुवा-संसारके खरचकेलीये राक्षसीपाप.जाहीर.नहोनेकेसबबसे छोडरक्खाहै उसको होले२आपुसमें:संसारकेलोगोंको:लडाके लेलेवेंगे और;सबको नीरधनकरदेंगे-और-दुसरी वलायतके:लोगोंको यहबनीये.बल;राजाकेबादसे;ला नेलगेहें अव्वलतो मक्कावालोंकोलाये,ओर;मक्कावालोंके हाथोंसे इनबनीयोंने?खुद अलाहदा,रहकर,हिंन्दुस्तांनके आदमीयोंको;मरवाया परंन्तु;यहखयाल;मक्कावालों नेभी नहीकीया किहिंन्दुस्तांनके,हिंन्दु,मुसलमांन इनबनीयोंका इसकदर,लाड,र खतेहें;और;इनलोगोंको हमारेहाथोंसे,क्युंमरवातेहें सोइसकी;वजहतो,इनबनीयोंसे

दरीयाफतकरें किकहीं बनीयोंकेःघरमेंःजादुतोनहीहैःपरंन्तु इनबातोंका खयालतो बीलकुल-नहीकीया-जीसकी वजहयहहै'किजीस वलायतके.राजा.बादशाहको;हिं न्दुस्तांनमेंलातेहैं तोपहीले ऊनकी'अकल?अपने'जादुकेजुलमसे भ्रष्टकरदेतेहें जी ससेवोह.आनेवाले.वलायतकेलोग कुछनही सोचसक्तेहैं और-जोसोचेंभीतो-राक्ष सीपापके सबबसे ऊनहोंकोफीर,उलटाहीसुझताहै,परंन्तु यहबनीये वलायतके'आ नेवाले;शखसोंकीःबुधी-ईसगर्जसे खराबकरदेतेहें किजबऊनकी;अकल;खराबहोगी तोहिंन्दु मुसलमांनोंके लोगोंको,आपुसमें,लडाकरके,मारदेंगे और वोहखुदही;बुधी भ्रष्टहोनेके-सबबसे-मरजावेंगे सोऐसी२अकलमंन्दी इनबनीयोंने.इसवजहसे.चला रक्खीहै किजब यहदुसरी,वलायतके;शखस,हमारेमुलकमें राजकरनेके वास्ते;हमा रेकहनेसे;आवेंगे;तोअव्वलतो हमारे,कहनेकोमांनेंगे दुसरा,हमअपने,राक्षसीपापसे ऊनकी वलायतकाधन अपने,कबजेमेंकरलेंगे,चुनाचे मक्कावालोंकाधन राक्षसीपा पके;जादुसे!इनबनीयोंने!हिंन्दुस्तांनका राज थोडेसे-बरसकराके-अपनेकबजेमें.क रलीयाहै और मक्कावालोंकेमुलककी,गली,कूंचोंसे अच्छीतरहसे वाकीफहुये--कि अब;नहीभुलेंगे-और-जोकिमक्कावालोंने हमारी वलायतःहिंन्दुस्तांनमेंःराजकरके-- किजोदुटाहुवा धन जमैकीयाहुवाथा,लेगयेथे;सोउसबारेमें इनबनीयोंने बुधीखरा बकरके-यह-अकलमंन्दीकीहै किअबबुधीतो,इनहोंकी खराब.होहीगइहै.सोअबइस धनको जलदी हमअपने,कबजेमेंकरलेंगे;क्युंकिहमने,इनहोंके मुलककी गलीयां;व गैरादेखलीहें.सोहमअपनी.दुकांनेंलाके और;ऊनके मुलकमेंरहके-अपने-मुलकका, धन वापीसलेलेवेंगे सोयनबनीये;जीसमुलकमें,जातेहें उसमुलकके लोगोंकी;अकल खराबकरके!और!धनको अपनेकाबुमेंकरकेःऔर ऊनलोगोंकोःभुखामरनेकेःलाय ककरके दुसरीवलायतके राजाःबादशाहकोःहिंन्दुस्तांनमें राजकरनेकेवास्ते लातेहें जबवोहभी-राजकरनेके-लालचसे इनबनीयोंके फंन्देमेंआजातेहें.परंन्तु.यहबनीये, अपने राक्षसीपापसे राजकरनेवालोंकीःअकलकोःखराबकरके ऊनके मुलककाधन अपनेकाबुमें;करलेतेहें;ओर वलायतवालोंको'और हिंन्दुस्तांनके'लोगोंको'आपुसमें यहबनीये लडादेतेहें सोइन,बनीयोंका?लडानेसे,यहमतलबहै किसब वलायतोंका धन;अपने-कबजेमेंहोजावे-क्युंकिजब कुलवलायतोंके लोग ! कमतीरहजावेंगे ! और, सबकाधन हमारे कबजेमेंहोगा,तोहमअपना-राज,कुलवलायतोंमें अच्छीतरहसेकरेंगे इसवजहसे;बनीयोंने; ईंन्द्रजालका पापचलायाहै'और इसजालकीःवजहसेही;मुलक

मुलकमें लडाइहोतीहैं नहीतोक्युंलडें?परंन्तु;यहबनीये?अपने राक्षसीपापसे लोगों कीबुधी.खराबकरके.और आपुसमें तनाजाकराके आप-अलाहदाके?अलाहदारह जातेहैं और'आपुसमें हिंन्दु;मुसलमांनको-लडाके;मरादेतेहैं सोयहसबब बनीयोंके ईंन्द्रजालकाहै-और-ईसी ईंद्रजालके सबबसे सोने चांदीकाठाट!और!पाटनहीरहाहै नहीतोपहीले सोने चांदीकाठाट,और-पाट,सबजगहथा और जोकि;मक्कावाले;हिं न्दुस्तांनमें!राजकरके!टुटाहुवाधन लेगयेहोंगे वोहभी-इनबनीयोंने-राक्षसबीद्याके; पापसे पीढी;दोपीढी या,दसपीढी,गुजरनेकेबादसे,लेलीयाहोगा परंन्तु जगह'अफ सोसकीहै;किइसकदर-खयाल मक्कावालोंनेभी?नहीकीया कियह!बनीये!लालचदेके हमको लीयेजातेहैं सोशायद,यहबनीये,हमारे,मुलककाधनभी राजकरनेका लाल चदेके,नहीखेंचलेवें,सोनहीसोचा फीरयह;मक्कावालोंकी नईयतकाही,फलहै,किजो दुसरे?मुलककेउपर चढआनेका और-राजकरनेका-डरनहीकीया और बनीयोंके कहनेसे-और-राजकरनेके लालचसें मक्कावालेआये और;राजकीया—परंन्तु;हिंन्दु स्तांनमें राज मक्कावालोंने,करीब?दस२पीढीके,कीयाहोगा याकम जीयादा,परंन्तु राजकेलालचसे!अपने!मुलककाभी धन और राजकाकरना-गुमादीया-और,जो-मक्कावाले हिंन्दुस्तांनसे राजकरके;धनकोलेगयेथे;उससे जीयादाधन अपनेमुलक का'मक्कावालोंने;गुमादीया;सोयह वजह लालचकीहै,अगर-लालच'नहीकीयाहोता तोकुछ नुकसांननहीहोता परंन्तु;यहसबब;लालचकाहै किजोबनीयोंने अपने;राक्ष सीपापसे,मक्कावालोंकाधन-अपने कबजेमेंकरलीयाहै किजो,मक्कावालेभी,हिंन्दुस्तां नकी,तरहसे सुखेमरतेहैं और,मक्कावालोंने-हिंन्दुस्तांनमेंसे छेअन्नीकाधन राजक रके,लेगयेहोंगे-उसधनकोभी-इन बनीयोंने लेलीयाहोगा'और;अलावा,इनबनीयों ने,कालवगैरा डालके ऊनलोगोंको-गारतकरके-लेलीयाहोगा और लोगयहभीकह तेहैं,कि,हिंगलाजकीतरफ,और सातादीपकीतरफ किजोमुलक-वीरांनपडेहुयेहैं,ऊ नमुलकोंके आस?पासमें करीब बीस २० या २५ या ३० या ४० कोसके उपरजा करके-दो-चार झूंपडे बसेहुयेमीलतेहैं,और,जोकिंजल प्रथवींकेउपरहे उसकोभी. इनबनीयोंने?अपने?राक्षसीपापसे ऐसा खराबकरदीयाहै.किजो.नमकजेसापांनीहै किजीसकेपीनेसे मुह खराबहोजाताहै?और.जीसखेतमें जोवोहपांनी कीसांनलोग पीलातेहैं.तोखेतीवगैराभी.बरबाद होजातीहैं सोइनबनीयोंने?अपने?राक्षसीपापसे जमीनमाताको रोगकरके केईमुलकोंका;पांनी,खराबकरदीयाहै जीसकी पहचांन

इसतरहसे करनाचाहीये किजीसतरहसेःआदमीकाःखुन बीमारीकेसबबसे बीगड जाताहै-इसीतरहसे;जमीनमाताके सरीरकाखुन बीगडगयाहै!जीससे!कुओंवगैरामें पांनीनहीरहाहै और ननीकलताहै'और'बहुतसे'मुलकोंमें पांनीःकरीब १२ कोस केउपर या ३० या ४० कोसकेउपर मीठा पांनीमीलताहै-सोवोह पांनी बेरोंमें; ७०-या-८०-पुरसकी गहराइपेजाकेःनीकलताहैःपरंन्तु बहुतसे—मुलकोंमें—बारा२ कोसके बीचमें खाराजहरपांनी,नीकलताहै-जीससे,जमीनकेउपर कोइचीज और धासवगैरा नहीउगताहै जीसकीःवजहयहहै;किइनःबनीयोंने अपने राक्षसीपापसे जमीनको!दुखदेकरके!पांनीखारा करदीयाहै,इससे धासवगेरा;नहीहोतीहै;सोनही मालुम किलोगोंने कीसकदर,दुखपायेहोंगे?और.जोसातादीप कीतरफ बहुतमुलक वीरांनपडेहें;सोंयहबात,खयालकरनेके लायकहै किऊन-मुलकोंकोतो-इनबनीयोंने अपने राक्षसीपापसे वीरांनकरदीयेहैंःऔरःलोगोंकेदीलोंमें इनबनीयोंने अपने,रा क्षसीपापसे!ऐसासुझारक्खाहै!किईश्वक। कुदरतसे सातादीपकीतरफ'मुलक'वीरांन होगयेहें किजोऊनमुलकोंमें बहुत?आदमीनहीहोंगे?परंन्तु सोचनेकीबातहै किपर मेश्वरवहीहै-जीसने-तमांमजहांनको अपनी कुदरतसे पेदाकीयाहै.और'जमीन.आस मांनबनायाहै सोपरमेश्वर कीसतरहसे?अपने.हाथकीबनाइहुइ चीजोंको बीगाडस क्ताहै;क्युंकियहबात;गोरकरनेकीहै-किजब तुमलोग अपनेहाथसे;कोइ;दरखतलगा तेहो'उसलगायेहुये दरखतको अपने,हाथसे,नहीउखाडतेहो और नबीगाडतेहो; तोपरमेश्वर'अपनीकुदरतकी'चीजोंको कीसतरहसे बीगाडसक्ताहै,तोवोह?नहीबीगा डसक्ताहै जबतकउसकी उमरःपुरीनहीहोगीःक्युंकिजब मोसम पतझडकीआतीहै तोदरखतोंके-पत्ते-आपसेआप जरूदहोके जमीनपर गीरजातेहैंःफीरःखयालकरना चाहीये किऊनपत्तोंने पतझडकाःवक्तआनेतकःपुरीउमरपाइ तोआपसेआप पकके गीरगये;तोऊन,जरदपत्तोंके गीरजानेसे;कीसीकोभी कीसीतरहका'रंज'नहीहोताहै क्युंकिपतझडके दीनथे सोगुजरगयेःऔर?बहारकेःदीनआये परंन्तु कीसीसाहबके मकांनपर-कीसीचीजका-दरखतहोवे और बहारकेसबबसे.उसदरखतकेउपर.पत्ते; लहलहारहेहूं और कोइऊन,सबज,पत्तोंकोतोडे,किजोमोसम बहारमें लहलहातेहूं तोमालीक!दरखतका!उसशखससे पत्ते'तोडनेकेसबबसे लडनेको-लगजातेहैंःऔर गाली गलोजदेतेहैं;और दरखतोंकेपत्ते,और,डालीको,नहीतोडनेदेतेहें सोदरखतके पत्तें,नतोडनेदेनेका,यहीसबबहै किदरखतको उसशखसने?वास्तेसायाके?और—म

कांनकी रवनककेलीये लगायाहे.सोभाइमेरेहो.जीसतरहसे तुमको अपनेहाथकी?ब नाइहुइचीज-प्यारी-मालुमहोतीहै और'उसको नहीबीगाडसक्तेहो.उसीतरहसे.पर मेर्श्वकोभी अपनेहाथकी बनाइहुइचीजें;प्यारी;और अच्छीमालुमहोतीहें सोपरमेर्श्वभी नहीबीगाडताहै,क्युंकिउसकी; कुदरततो;ऐसीपाकहै; किजोबात'कायमकरदेवे'तोफीर उसको बगैरउमर पुरीहुयेके,हरगीज२नहीबीगाडताहै,परंन्तु यहबनीयेलोग अपने राक्षसीपापसे;पुरीउमर,नहीपानेदेतेहें और जालकरके! संसारकेलोगोंको! गारततो अपने राक्षसीपापसे करदेतेहें,और:लोगोंकेदीलमें,ऐसे२हालात सुझादेतेहें किदेव तोंने'दोशकीयाहै-इससेलोग-मरतेहें याकिईर्श्वकी कुदरतहै और?जोकिहैजाकी!बी मारीसेमरतेहें और पलेगसेमरतेहें,परंन्तु?बगैरहुकम,ईर्श्वके पत्ताभी नहीहीलताहै परंन्तु!ईर्श्वपरमात्मा:ऐसा!रहमवालाहै तोवोह अपनीजातसे-कीसीको'कुछदुख'की सीकीससका नहींदेताहै और,नपुरी;उमरहोनेके,कीसीकोमारताहै यहतो बनीये, बेईमांन.अपने.राक्षसीपापसे तमांमजहांनको ईर्श्वकी कुदरतकासुझाके-और-देवतों का;दोशवगेरा सुझाके मारतेहें,क्युंकिइन,बनीयोंकेदीलमें इसतरहसेहे कितमांम-प्रथवींकेउपर-रावणकी-तरहसे हमबनीये अपना राजकरें!इससे!देवतोंवगेराका;सु झादेतेहें किजो सेंकडोंमुलक,बीमारीवगेराके-सबबसे,वीरांनहोगयेहें सोयह सबब बनीयोंकी-कुदरतकाहे-देवतों और इर्श्वकी कुदरतनहीहै!क्युंकिजोशखस!मरगया. वोह,बादमरनेके कुछ नहीकरसक्ताहे:फीरयह:बनीयोंकी जालसाजीहे क्युंकिजो देवतामरगयेहें!ऊनकानांम!भगतीकरनेके सबबसे अमररहाहै-परंन्तु-इनबनीयोंने. बल;राजाकेबादसे कीरोडहा तरहका:जालकरके:हिंन्दुस्तांनको और मक्कावालों को-बीलकुल:नीरधनकरदीयाहै:और उसीकेमुवाफीक तुम? अंग्रेजोंकी? वलायतको नीरधन कीयाचाहतेहें क्युंकिनीरधन.करनेकेसबबसे.अंग्रेजोंसे यहबनीये मीलेहें और!अंग्रेजोंको!हिंन्दुस्तांनमेंलाके हिंन्दुस्तांनका राजकरादीयाहै-किजो-अबतक-कररहेहें परंन्तु;यहबनीये जबकि'अंग्रेजोंको'हिंन्दुस्तांनमेंलाये तोपहीले इनकेमुल कका;धनमी;जादुकेजोरसे;खेंचके लेलीयाहोगा किजोअसलीथा!और'बाकीरहाहे उसकोअब राक्षसीपापके जोरसे,खेंच२के,लेलेवेंगे,क्युंकिजादुको वोहताकतहे कि जोचाहे.वहीकरसक्ताहे.अगर यहबनीये;जादुकेजोरसे जीस-मुलककाधन-खेंचना चाहतेहें तोखेंचलेतेहें सोइस,जादुकेजालको,तोअगले,जमांनेके राजा बादशाहभी बुराकहतेथे;किजादु;बहुतहीबुराहै परंन्तु,जबकि अंग्रेजोंको'यहबनीये'हिंन्दुस्तांनमें

लायेहोंगे तोइनबनीयोंने अंग्रेजोंकेःमुलककाःअसलीधन राक्षसीपापके जोरसे;अं ग्रेजोंकोभुलाके-दो-तीनपीढीपेशतर लेलीयाहोगा क्युंकियह.बनीये'जब'दुसरेमुल; कके,राजा बादशाहवगेराको हिंन्दुस्तांनके-राज--करानेकोलातेहैं तोऊनको पही लेसे!नीरधनकरदेतेहैं!जीससेवोह गरीबहोजातेहैं और;भुखेमरनेलगतेहैं;सोमक्कावा ले'और ईंगलीस्तांनवाले किजोःहिंन्दुस्तांनमेंःवास्तेराजकरनेके आयहैं सोऊनहों ने;राजकीयाहै,और,अभीतककररहेहैं और करेंगे परंन्तु'यहबात'वोहखुद;अपनेदी लसेजांनतेहोंगे किबेशक हम,दो,तीनपीढीतक'दुखीरहै परंन्तु यहबनीये;अपने;रा क्षसीपापसे'ऊन'राजकरनेवालोंको पहीलेसे,ऐसा सुझातेहोंगे;किकदीमसे;दुखीहीहैं सोमेरेभाइयो धन सबवलायतोंमें,बहुतथाःऔर,कीसीवलायतमें धनका टोटानहीं था'और!नाधन!बगैरउठायेके कहींजासक्ताहै परंन्तु ईन-सोदागरांननेःतीनवलाय तोंका असलीधन अपनेकबजेमें,करलीयाहै,और,जोकिटुटाहुवा धनहै उसको'क बजेमें;कीयाचाहतेहैं-और-उसीतरहसे दुसरीवलायतके राजा;बाबशाहकोःनीरधन करके यहबनीये हिंन्दुस्तानमेंलावेंगेःऔरःऊनकाधन राक्षसीपापके जोरसे;कुछका कुछसुझाके-खेंचलेवेंगे-और नीरधनकरदेवेंगे जबवोह!भुखेमरनेलगेंगे?जब?बनीये ऊनकोभी हिंन्दुस्तांनमें लावेंगे,और,हिंन्दुस्तांनका राजकराअेंगे और-अंग्रेजोंके बच्चोंको-मरवादेंगे-सोतुमसब संसारकेलोगो और तमांम!अंग्रेजो!सुनहीरहेहो?कि. अब'रुसवाले हिंन्दुस्तांनमें आनाचाहतेहैं;सोखयालकरो;किऊन रुसवालोंको हमा रे;मुलककाहाल'क्यामालुमहै'और बगैरलायेके दुसरेमुलकका,शखस;हिंन्दुस्तांनमें कीसतरहसे आसक्ताहै सोखयालकरोःकिवोहखुदःनहीआताहै और वोहभी?इस तरहसेआताहै-किजीसतरहसे-तुम अंग्रेज और मक्कावालोंको!हिंन्दुस्तांनमें!लायेथे उसीतरहसे रुसवालेभी हिंन्दुस्तांनमें-बनीयोंकी-रायेसेआतेहैं सोवोहभी ऐकदफे जरुरआवेंगे!क्युंकिइन!बनीयोंने ऊनके;मुलककाधन दो'तीनपीढी'गुजरनेसेपहीले खेंचलीयाहोगा और जोकिटुटाहुवा,धनबाकीहै,उसकोअब सोदागरीके वसीलेसे खेंचलेंगे'किजीसतरहसे'तुमलोगोंका खेंचाथा गर्जकि;तुम्हारीतरह;नीरधनकरदेंगे और;ऊनको बनीयोंने अपनेजादुसेःऐसाःसुझायाहोगा किजेसेतुमको और;मक्का वालोंको-धनखेंच२के-सुझायाथा किहम कदीमसे गरीबहीथे!फीरयह!बनीये?वहां परमी;मीलेहुयेहैं और रुसवालोंको?यह-सोदागरलोग हिंन्दुस्तांनमें राजकरनेके लीये!लानाचाहतेहैं!सोतुम'हिंन्दु मुसलमांन और अंग्रेजवगैरा-मै-तुमको;बनीयोंके

जालसे पहीले वाकीफकरताहूं:कितुम,बनीयोंके:राक्षसीपाप छोडानेका बंन्दोबस्त करो।ताकिसबको:सुखप्राप्तहोवे और सब वलायतेंबनीरहें-क्युंकिइस-जमांनेमें? इन बनीयोंने ऐसा;राक्षसीपाप चलारक्खाहै.किजीससे.तमांम जहांनकेलोग दुखीहैं और:जबकिआवेंगे-तोइस-जमांनेसेभी जीयादा यहबनीये!दुखदीलावेंगे!क्युंकि? रुसवाले बनीयोंकेकहनेसे और,बहकानेसे'कुछ,सुनवाई हिंन्दु:मुसलमांनकी और: हिंन्दुस्तांनके!लोगोंकी!नहीकरेंगे और;रुसवालोंको और;सब-वलायतोंको;समझाओ'किवोह इनबनीयोंके लोभमें,नआवें,हिंन्दु,मुसलमांनोंमेंसे कोनराजा बादशाह उस-रुसवालोंको-बुलानेगयेहें फीर यहबनीये सलाहकरकेजातेहें.और.दुसरी–वलायतके बादशाहोंकोलाके हिंन्दु:मुसलमांनको:मरवातेहें क्युंकिइनको रावण-हरनाकुश.वगैराकीतरहसे'सब'वलायतोंको लोभही लोभमें;गारतकरके;चारकूंटमें? अपना:राजकरनेका इरादाहै इसीवास्ते,हिंन्दुस्तांनका,लोभ दुसरी वलायतवालोंको बतातेहें;और'अपने;राक्षसीपापसे सबको गारतकरदेंगे.इससेसब;हिंन्दु.मुसलमांन और अंग्रजवगेरा अपना२फरज,जांनके,और,रुसवालोंको नआनेदेनेका सबब-समझके'इनबनीयोंके-राक्षसीपापको छोडाओ;और बनीयोंके;जालकी;कीताबोंको और पापकरनेकी जगहको,मेरेकहनेपर?यकीन,लाकेदेखो और पापकोछोडाओ जब;सबको-आरांममीलेगा-अगरचे बंन्दोबस्त बनीयोंके.पापछोडानेका,नकरोगे, तोयहबनीये राक्षसीपापके जादुसे,अकलको,फेरकरके आपुसमें हिंन्दुस्तांन;और मक्कावालोंके.और.अंग्रेजोंकेलोगोंको इसजालही जालमें-कुल,सातों-आठों.वलायतोंको लडाके,मरवादेंगे और,परदेसवालोंको,यहबनीयेलाके हिन्दुस्तांनका राज कराअेंगे-सोइसका-बहुतजलदी बंन्दोबस्तहो क्युंकियह बनीये.रात,दीन.राक्षसी पापकरारहेहैं और अलावाइसके,जोअगले?राजा,बादशाहोंने टुटेहुयेधनके खजांने जमेकीयेथे-सोखजांनोंकोभी-यह बनीये अपने राक्षसीपापसे.खेंचलेतेहें.परंन्तु–पहीलेजमीन राक्षसीपापसे फाडतेहें,और,बादमें,टुटेहुयेधनके खजांनोंको खेंचलेतेहें किजहांपर-यह;सोदागरबच्चे-रात दीन,राक्षसीपाप कहींकरातेरहतेहें,परंन्तु,यह;राक्षसीपाप दरीयाओंके कीनारेपर,कहींकरारहेहें?और,वहांपर सीर्फ बनीयोंकेकुळके आदमी.बहुतकुछ?रहतेहें.और चोरासीलाख कुंन्डीयांबनाइहें-और-चोरासीलाख कुळोंको दुखदेतेहें,जब राक्षसीपाप,होताहे,सोइस,राक्षसीपापके करानेमें कीरोडहा रुपीया-खरचहोताहे-सोवोह रुपीया,तमांम बनीयोंकाही,खरचहोताहे,और.वहांपे

सीवाये बनीयोंके और,कोइनहीःजासक्ताहैःकिजहां,चोरासीलाख कुंन्डीयांहें क्युं किसमुन्द्रोंमें-हजारोंकोसोंमें-पांनी पडाहुवाहै किजीस टापुकेउपर.यहबनीये.पाप करातेहें इससे'बनीयोंके पासःजीयादाधनहै—और:कुलवलायतोंके राजा बादशा होंकेपास ! थोडाधनहै ! जबयह बनीये'राक्षसीपापसे आपुसमें,लडाकेमारदेतेहें,और अकलोंको फेरदेतेहें और,उनहोंको!खजांनेवगैरा,याद नहीरहनेदेतेहें और!टुटा हुवाधनभी'याद'नहीरहनेदेतेहें सोदेखोभाई;पहीलेतोधन बहुतथा!और!अबथोडा कीसतरहसे रहगयाहै सोऐसीबाततो.बनीये.सोचनेनहीदेतेहें और उलटासुझादेतेहें जीससे-समझनेलगतेहें-किअबधन हमारेपास हमारेबुजगोंसे;जीयादाहै;और:जीस केपासथोडाहै वोहभी ऐसाहीसमझतेहें-किहमारेपास-थोडावयुंहे किहमारे बुजगोंके पासतोबहुतथा.परंन्तु.यहबनीये अपने:राक्षसीपापसे कुछकाकुछ.सुझादेतेहें.इससे लोग'वेसाही समझनेलगतेहें परंन्तु,यहखयाल,करनेकीबातहै कियहसब बनीयोंकी जालसाजीहै-क्युंकिधनतो-सब वलायतोंमें बहुतथा किसोनेकाठाटःऔर—पाटःगी नाजाताथा सोमेरेभाइयो तुम्हारेपास,धन,इसकदरथा किजीसकाकुछ अंन्दाजनही होसक्ताथा.लेकीन.इनबनीयोंने अपने राक्षसीपापसे कुलवलायतोंके-धनको-गार तकरके अपनेकबजेमें करलीयाहे,सोतुम,सब,वलायतोंके लोगोंकोतो अबभी;खबर नहीहे'परंन्तु-मुझकोतो-इन सोदागरबच्चोंका राक्षसीपाप.इसवजहसे.मालुमहुवाहे-किइनबनीयोंने मुझको अपने,राक्षसीपापसे;दुखीकीयाहे किजीसतरहसे रावणने सनीश्चको;दुखीकीयाथा;उसीतरहसे इनबनीयोंने अपने-राक्षसीपापसे-दुखीकीया है;जबइन बनीयोंका राक्षसीपाप'मालुमहुवाहे'चुनाचे संसारकेलोगोंको गारतहोते देखके:गारत:नहोनेदेनेकेसबबसे संसारको इनबनीयोंके!राक्षसीपापसे;तुम!तमांम जहांनके लोगोंको वाकीफकरताहूं,क्युंकियह,कदीमीजाल इनबनीयोंकाहीहे इससे यह.खयालहोताहै.किरावण वगेराकोभी इनबनीयोंहीने-अपने—राक्षसीपापसे.मर वायाहोगा यहबातभी इनकेजालकीही,मालुमहोतीहै,क्युंकि मै इसभेदसे बेखबर; नहीहूं-परंन्तु;मुझको-इनसोदागर बच्चोंने अपने राक्षसीपापसे.दुखीकीयाहै.इससे, इनका राक्षसीपाप जाहीरहोताहै:किखास:इनकेहीघरकाहै बलके मै सबुत;इसतरह सेदेताहूं!किजीसतरहसे!यहबनीये राजा'बादशाहके हाथोंसे-अपने;जालको-जाही र;नहोनेकेलीये करावेंगे याकरातेहोंगे,परंन्तु;असलीपापको अपने कबजेमेंरक्खेंगे और-भुलानेकेलीये-थोडाबहुत पाप'दुसरोंकेहाथोंसे करावेंगे ! फीरइसीतरहसे:इन

सोदागरबच्चोंने राजा रावण,और'हरनाकुश'और,कंस कारूनवगैराको थोडाबहुत राक्षसीपापका-करना-सीखायाहोगा परंन्तु असली ! पापकाकरना ! अपने;कबजेमें; रखतेहें फीरयहबात काबील,खयालकरनेकेहै,किजीनलोगोंने पहीलेजमांनेमें राक्ष सीपापःचलायाथाःऔर ऊनपाप करनेवालोंका पापकरना-जाहीरहुवा-तोतमांम; जहांनकेलोगोंने उसपापका जुलम,करनेवालोंको,गारतकरके छोडाया किजो-जु लम;करनेवालोंकी;ओलादकोभी जींन्दा'नहीछोडा औरःयहसमझाःकिजबहम;ऐसे बुरेकांम करनेवालोंको मअे,ओलादके,गारतकरदेंगे,तोजहांनमें फीरकोइ पापका करनेवाला;नहीहोगा;तोतमांमजहांनको हरतरहसे आरांममीलेगा;परंन्तु,रावणवगै रा'कीतरहसे अबभी राक्षसीपाप!होरहाहै?किजीसका बंन्दोबस्त नहोनेकेबारेमें. मैःपहीले!कुलजहांनमें!जीकरकरचुकाहूं और उसकामुझको-यह ? यकीनथा ? किअब कभीनहीहोगा क्युंकि पापकरनेवालोंकोःमअेःओलादके गारतकरदीयाहै अगर, यहपाप;ऊनहोंका;नहीहोता तोयहकभी'ऐसाबुरा कांमनकरते;और;रावणवगैराकी तरहसे गारतहोनेका अपनेदीलमें,डररखते,किपहीले पापकरनेवालोंको गारतकी याहै'अगरःहमलोगोंकीभीःसंसारके लोगोंको खबरपडगइःतोहमारीभीःहालत,पा पकरनेकेसबबसे बुरीकरेंगे सोभाइमेरे,अगर,राक्षसीपाप खास इनसोदागरांनका नहीहोता,तोयहशखस,मारेदहशतके कभीइसकांमको नहीकरते;परंन्तु;असलमेंपाप इनहोंकाहीहै और चोडेनहीआनेके,वास्ते,दुसरोंको,सीखातेहें और दुसरोंकी'ओ लाद,मारीजातीहै,और,आप बचेकेबचेरहतेहें इससेयह-बनीये ? बराबरपापको ? कर वारहैहें क्युंकिइनहोंने अपने,राक्षसीपापके-जादुसे,तमांम हिंन्दुस्तांनको गारतक रदीयाहै-औरःदुसरी-बादशाहतोंकोभी गारत कीयाचाहतेहें.जीसकाहाल.मुझको; इसवजहसे मालुमहुवाहै किमुझको,इन,सोदागरबच्चोंने अपने?राक्षसीपापसे तरह२ की,तकलीफेंदीहें,जीससे,इनहोंका कुलजाल जाहीरहोगया,जीसको,मै,साफतोरसे लीखचुकाहूं परंन्तु हिंन्दुस्तांनके,हिंन्दु,मुसलमांनतो,अबतक इसहालसे नावाकी फहें.और-नाअबतक-ऊनको कीसीकदरभी खयालहोताहै और.नकहनेसे.यकीन होताहै औरऐसी-अकल खराबहोगइहै,किजेसे,शराबी आदमीकी अकल-खराब होजातीहै.और.उसको अपनेसरीरकी,खबर नहीरहतीहै-और-नकुछघरका,कारो बार करसक्तहै सोयह-राक्षसीपापके,सबबसे-अकल खराबहोगइहै किजीससे,बनी योंकेजालकी!पहचांन?अबकहनेसेभी कोइसाहब नहीकरसक्तेहें ! और ! नखयालकर

तेहैं-हालांकि सोदागरांनके जांलसे?दीन२गारत—होतेजातेहैं और सोदागरांनके शांमीलही-सबलोगोंने-जनमपायाहै परंन्तु सोदागरांनके.जालका.कीसीकोभीभेद नहीहै,और सोदागरांन हीले,मीलेरहतेहैं,परंन्तु,जालकी पहचांन तोभीनहीकरते, जीसकी!खासवजहयहहै!किइन बनीयोंनेःअपने राक्षसीपापसेःतमांमःजहांनके;लो गोंकी'अकल खराब करदीहै,इससे,संसारके,लोगोंकोभी कुछखबर नहीपडतीहै और'नकीसी'कीसमका-शुभाहोताहै हालांकि इनबनीयोंकी!दुकांनें'दुसरी!बादशा हतोंमें पहूंचगइहैं,और पहूंचतीजातीहैं,किजीसतरहसे,हिंन्दुस्तांनके लोगोंकी अक ल!खराबकरदीहै!इसीतरहसे दुसरी वलायतके लोगोंकी-अकलभी-अपने.राक्षसी जादुसे खराबकरदेंगे किजोतुमःलोगभीःइनकेःजालोंको नहीपहचांनोगे और?न कुछ-शुभाकरोगे-इसीसबबसे मै तुमको पहीलेसे वाकीफकरताहूं!किइन!सोदागर; बच्चोंके ऐसेरवडे जादुहैं,किजीसके,जरीयेसे,जीसमुलकका धन खेंचनाचाहतेहैं, तोउसको;अपने;राक्षसीपापके जादुसे;खेंचके अपने-कबजेमेंकरलेतेहैं-परंन्तु'पहीले ऊनकी अकलफेरलेतेहैं जीससेवोह'अपने'मुलककेधनको भुलजातेहैं परन्तु;जीस तरहसे'किहिंन्दुस्तांनके'लोगोंकी अकल;खराबकरके गारतकीयेहैं;इसीतरहसे;कुल वलायतोंके लोगोंकी अकल,खराबकरदेंगे,और,मुलकोंके लोगोंको गारतकरके; अपना-राजकरेंगे-क्युंकिजीन लोगोंने इनसोदागर बच्चोंके!शांमील!जनमपायाहै— तोइनहोंके साथमेंही कुछ,अशराफतःनहीकी,तोतुमलोगोंके साथमेंतो क्या;अशरा फतकरेंगे!बलके!तुमलोगोंकोभी गारतकरेंगे और अपने-राक्षसीपापका-करना-न हीछोडेंगे और नबतावेंगेःक्युंकिइन.बनीयोंकादीलःइसतरहपरहै किचारकूंट और चोदाभांनमें,हमअपना,राजकरेंगे किजेसा'रावणका दीलथाःफीरःइसीसबबसे;यह सोदागरबच्चे दरीयाओंके उपर,अपना,राक्षसीपाप,रावणकीतरहसे करारहेहैं और तुम!सातों-आठोंवलायतोंके-राजा बादशाहोंको और अंग्रेजोंको?यह!सोदागरबच्चे अपने राक्षसीपापसे बरबादकरदेंगे,और-अपना,जाल जाहीर नहोनेकेलीये?यह बनीये;कुलवलायतोंके;लोगोंसे राक्षसीपाप करावेंगेःपरंन्तुःतुमको-रसता'और'का यदा इसकाबतावेंगे किजीससेतुम'वेसाही'करनेलगोगे सोइसबातकामुदआ इनहोंने यहसोचाहै-किजब-राक्षसीपापकी खबरहोगी और दुसरी!बादशाहतके-लोग!कर तेहोंगे तोहमाराजाल प्रगट,और,मालुमनहीहोगा,और अपना जालसमझके;कुछ बंन्दोबस्त!नहीकरेंगे!तोहमारा राक्षसीपाप अच्छीतरहसे-चलतारहेगा-और.जोख

बरमीहोगी तोऊनलोगोंकाहीःनांमहोगा-औरःऊनकेहीबच्चे रावण हरनाकुशवगैरा कीतरहसे'मारेजावेंगे'इसवजहसे पापकाकरना थोडासा;दुसरेमुलककेःलोगोंकोभी सीखादेतेहैं और कुछकाकुछ,सुझादेतेहैं,परंन्तु,यहसोदागरबच्चे आप अलाहदाकेः अलाहदा-रहजावेंगे-और अपने'राक्षसीपापकी खबर;नहीपडनेदेंगे.क्युंकिअसली पापको अपने कबजेमेंरखतेहैंःसोवोह,कीसीकोःनहीबतातेहैं और नसीखातेहैं!ले कीन!सोदागरबच्चोंके!जालकी खबर मुझकोतो इसतरहसेपडीहै-किइन-सोदागर-बच्चोंने मुझको;अपने राक्षसीपापसे,दुखीकीयाहै.इससेमेरी तमांमजहांनके बच्चोंको आरांम-हासीलहोनेकेलीये-सातों आठों वलायतोंके! लोगोंसे? हाथजोडके? अरजहै किजोकीतावें हिंन्दु मुसलमांनोंके,घरोंमेंहैं.और,ऊनमेंयह हालातलीखीहुइहे कि आदमीको.मारके.आदमीखावेगा वोहकीतावें इनबनीयोंके-धरकीहैं-परंन्तु'इन'ब, नीयोंने अपनी अकलमंन्दीसे-हिंन्दुःमुसलमांनके-बुजरगोंके नांम और;अतीत;फ कीरोंकेनांम-ऊनकीतावोंमें-लीखदीयेहें जीससेमांनतेहैं और!यहनहीसमझतेहैं!कि, यहबनीये महाजनांनके घरका,जालहै,और,हिंन्दुस्तांन इनकेजालोसे गारतहोग इहे,इसीतरहसेःसातों.आठों वलायतोंको गारतकरेंगे इससेमुझको-बडासोचहै-कि अभीआप सातों;आठोंवलायतोंके लोगोंको,इनबनीयोंके,जालकी बीलकुल खब रनहीहै;सोमैं,तुमसातों;आठोंवलायतोंके लोगोंको वाकीफकरताहूं'किदुनीयांमें'यह जीतनी खराबीयां और,कमउमरमेंःजोमोतहोजातीहैं,यहसब बनीयोंके राक्षसी-पापसेहोतीहैं-क्युंकि-हिंन्दुस्तांनतो इसीसबबसे खराबहोचुकीहै!और.रही?सहीहे. उसको अब गारतकरदेंगे,इससेमैं,तुमलोगोंको,वाकीफकरताहूं और कहताहूं;कि समझो'और.इनके.लालचदेनेमें मतआओ वलके इनहोंकेजाल-दफेकरनेका-बंन्दो बस्त दीलसेकरो ताकिइन,सोदागरबच्चोंके,जालसे,हमको और तुमसातों;आठों, वलायतोंके,लोगोंको,सुखप्राप्त हासीलहोवे'अगरचे जालकेःदफेकरनेकाःबंन्दावस्त नहीहुवा तोयह सोदागरबच्चे,सातों,आठोंवलायतोंके,लोगोंको अपने राक्षसीपापसे गारतकरेंगे,किजेसा,कीतावोंमें लीखाहै'और बादगारतहोने,सातों,आठोंवलायतों केःयह सोदागरबच्चे अपना,राजकरेंगे,इसवजहसे,इनहोंने यहराक्षसीपाप चलायाहै सोसातों.आठों.वलयतोंकेलोग और अंग्रेजवगेरा अपनी२ओलाद?बचनेकेलीये— इनसोदागर बच्चोंसे राक्षसीपापकाःकरनाछोडाओःजबतुम्हारी ओलाद बचेगी, क्युंकियह?जाल—तुम्हारीही ओलादसेछुटेगा और इसका?बंन्दोबस्तहोगा?जबही

हिन्दुस्तांनके लोगभी इनबनीयोंकेःजालोंसेःछुटकारापावेंगे वरना कोइ;ऊम्मेदःन हीहै-जोबचें!क्युंकिइनहोंने!तमांम राजा बादशाहोंकी अकल.केदकरदीहै.किजोस मझानेसेभी नहीसमझतेहें और,जोकि,सातों,आठोंवलायतोंके लोगोंकी अकल,ख राबकरदीहै-जीसकी-वजहयहहै कियह सोदागरबचे चारकूंटमें!और!चोदाभांनमें; अपना राज कीयाचाहतेहें,इससेतुम,सातों,आठोंवलायतोंके लोगोंकी अकलभी, केदकरदीहै!किजोचांदी!सोनेकी खांनोंकी तलाशनहीकरते'किपहीले'जमांनेमें-चां दी,सोनेकी खांनेंजोथीं वोह,कहांगइ,क्युंकिजमीनतो,वोहकी वहीहै परंन्तु?खांनें कहां-गायबहोगइ-किजोअबनहीहें परंन्तु'तलाशतोकरें सोतलाशतो;कोइभी;साहब कीसीमुलकके नहीकरते और,ना,यहखयालकरतेहें-किवोहखांनें क्युं और.कीस वजहसे!अलोपहोगइहें!सोयह बडीभारी गफलत तुम;सातों-आठोंवलायतोंके-लो गोंकीहै किजोतुम तलाशनहीकरतेहोःसोतुमलोगभी.खांनोंकी तलाश इसवजहसे नहीकरतेहो-कितुम-लोगोंकी अकल'इनबनीयोंने अपने;राक्षसीपापसे;फेरदीहै'कि जोखांनोंकी तलाश करनेकीतरफ;तुमलोगोंका;दीलनहीहोताहै बलके ऐसाखयाल करतेहो.किखांनें.कदीमसे मोजुदनहीथीं सोभाइमेरे यहखांनें-चांदी-सोनेकी.कदी मसेःहरऐक मुलकमें और,वलायतमें-मोजुदथीं,किजीसको जमीनके सरीरकी!च रबी'कहनाचाहीये'परंन्तु जेसेकि!यहबनीये जमीनमाताके-नांमका-पापकरातेहें;ज बसे;जमीनके सरीरकी चरबीगलगइहैःइससेःजमीनमाता नीहायत दरजेका'दुख पारहीहै'किजमीनपर'अच्छीतरहसे नाजवगैरा नहीहोताहै;और;कालवगैरापडताहै सोयह;सब जादुकाखेलहै और,जोबरसात,अच्छीतरहसेहोवे तोजमीनको सरद,ग रमकी-बीमारीकरदेतेहें-किजीसकी वजहसे जमीनको बदहजमीका!रोगहोकर!दी न२जमीनमाता नाताकत होतीजातीहै-फीर-इसीसबबसे जमीनपर कोइसीचीज खानेकी.नहीहोतीहै.मीसाल इसतरहपरहै किजब कोइआदमीको-बीमारी-कीसी-कीसमकी होजातीहै तोवोह,शखस,कुछ,खानावगैरा नहीखासक्ताहै और;न;कांम करसक्ताहै-अगरचे-उसनेखाना खायाभीहोवे तोवोह.बदहजमीकेसबबसे.वोह-बी मारआदमी केसी मुसीबतउठाताहै,और,सबकांमोंसे नीकम्माहोजाताहै फीर;इसी तरहसेःयहःजमीनमाताभी तरह२की बीमारीयां पारहीहै?जीससे-कोइचीज—जमी नपर पेदानहीहोतीहै और,जबकि,यह,सोदागरबचे जमीनकेनांमका पाप;जीयादा करावेंगे-जब-जमीनकेउपर कुछभी पेदानहीहोगा तोफीर!कहांसेःकुल-वलायतोंके

लोग,खाने पीनेका गुजरकरेंगेःफीर-नमोजुदहोनेःनाजवगैराके सबबसे आदमीको मारके-आदमीखावेगा-और जोकिकीतावें बनीयोंकी बनाइहुइहें.और.ऊनमें–यह बातें लीखीहुइहें किजीनकानांम [ओतारचरीत्र] वगेराहै परंन्तु इनकीतावोंमें;इन सोदागरःलोगोंनेःअपनी अकलमंन्दीसे'राक्षसीपाप जाहीर;नहोनेकेसबबसे;अगले सतीलोगोंका नांम रावण,वगैराकीतरहसे?लीखदीयेहें,और रावण वगैराहीकी. तरहसे'यहबनीये'छलकररहेहें किजेसे,रावणने राक्षसीबेदकी.कीतावें.अपनाजाल फेलानेकीगर्जसे ऋषिश्वरोंको पकडादीथींःऔरःनांमभी कीतावोंमें ऋषिश्वरोंके, बुजरगोंके-लीखदीयेथे-फीर उसीतरहसे;इनसोदागर बचोंनेभीःअपनाःजालफेला नेके;गर्जसे और आपतरकीपाके'राजकरनेकेलीये'राक्षसीबेदकी कीतावें और,टी पनावगैरा.ब्राह्मनोंको.और राजा बाहशाहोंको और-तमांमजहांनके;लोगोंको;बा दमरने राजाबलके कीतावोंमेंःबुजगोंकेःनांमलीखकर रावणकीतरहसे ददीहें-जी ससे–तमांम-जहांनकेलोग-ऊन कीतावोंको अपनीजांनकेःअपनेकांममेंःलारहेहें–ले कीन यह,नहीसमझतेहें कियह,कीतावें,सोदागरांनकीहें और,नांम जोकीतावोंमें, हमारेःबुजरगोंकाःलीखाहै,सो रावणकीतरहसे छलकरके;लीखदीयाहे ? परंन्तु ? यह कीतावें इसगर्जसे पकडादीहें,किहमाराजाल,प्रधटनहीहोगा क्युंकियह सोदागर; लोग-संसारके?गारतकरनेके सबबसे राक्षसीपाप करारहेहें.और.जोकि–कीताब-ओतारचरीत्र वगेराकीहें उसमें'लीखाहुवाहे,किअब'ऐसाजमांना तंग दीन२आवे गा,किजोमें,बार२नहीलीखसक्ताहूं क्युंकिऊन कीतावोंकेदेखनेसे?और?पढनेसे-ऐ सारंजहोताहै किउस जमांनेको,नदेखनेकेलीये-जहरखाउंहू क्युंकिसंसार समझाने सेभी'नहीसमझताहै'हालांकि संसार इसबातको अच्छीतरहसे,जांनताहै,किअब ? ज मांना खराबहै,और खराबही-आताजाताहैःऔर-बदकारीका हालभी आपुसमें, बहन-भाइके-सुनाजाताहै परंन्तु,अबतक खयालनहीहोता,हालांकि,मैंचाहताहूं'कि सब,राजा बादशाह और,संसारकेलोग,ऐकदीलहोके,मेरा कहनामांनें और,हरत रहकी-मददसे-इसबारेमें कोशीशकरें तोफीरन यह;राक्षसीपाप.इन.सोदागरांनका छुटजावे तोफीरकोइ कमउमरमें?नमरनेपावे.किजेसा सोदागरलोगोंके जादुसेहो रहाहै-किजीसको-संसारकेलोग अच्छीतरहसे,जांनतेहें और,फीरभी.तकलीफंउठा तेहें-और फीर इनकीतावोंकी-लीखीहुइबातोंको-परमेश्वकी कुदरत बयांनकरतेहें और;उसको;दुरस्तजांनतेहें किजोकीतावोंमें;बुराहोनेकी आगमें;लीखीहुइहें;वेसाही

पापकराश्के बुरा करातेजातेहैं—जीससेयह?कीताबें—सच्चीहोजातीहैं वेसाही बुरा होताजाताहै. सोभाइमेरेहो. यह तुम्हारे समझकीबातहै किजीन. कीताबोंमें. बुराहोने काहाल लीखाहुवाहै ऊन, कीताबोंकोही, तुममांनतेहो, परंन्तु वोह कीताबें, परमेश्वं की, बनाइहुइनहीहैं, वोहतो सोदागरबच्चोंकी, बनाइहुइहैं और, चलाइहुइहैं, परंन्तु; तुम हिन्दु मुसलमांनके नांमसे!और तुम्हारे!बुजरगोंके नांमसे लीखकरके-पकडादीहैं जीसकीवजह. यहहै. किजोकोइ इनकीताबोंका हाल दरीयाफतकरेगा - तोइस - हीक मतसे हम सोदागरबच्चोंका, नांम, नहीलगेगा, और तमांमजहांनके लोगोंका. नांम; होगा, सोदेखोभाइ, जोकीताबोंमें आगम लीखीहुइहैं. सोऊन. लीखीहुइआगमोंसेतो कुछ्नहीहोता परंन्तु यहबनीये. दरीयावोंपार, किजहां चोरासीलाख कुंन्डीयां; राध लहुकीबनाइहैं-और-तमांमजहांनके लोग उसको स्वर्ग. नर्ककहतेहैं, किवहांपे; स्वर्गहै सोवहांपर स्वर्गहै न नर्कहै, और, जोहेतो, जमीनमाताहीहै जीसको किंतुमलोग, जां नतेहो. वोह. बनीयोंके घरका राक्षसीपापहै इससे संसारमें, बुराहोताहै-और, वोह-आगमकी बात कीताबोंकी-सच्चीहोजातीहै-और-जेसाकि कीताब ओतारचरीत्रमें लीखाहै-किबहुतही—बुरावक्त आवेगा सोजब यहबनीये, बहुत, बुराहोनेका—और, बहुतबुरा वक्तआनेका पापकरावेंगे, तोवेसाहीहोजावेगा, किजेसा कीताब ओतार चरीत्रवगरामें?लीखाहै?और अबजोमैं तमांमजहांनके लोगोंको, इनके; जालोंसे, सा फतोरसे वाकीफकरताहूं तोकुछ, खयालमें, नहीलातेहैं, और बनीयोंके जालको, झु ठाजांनतेहैं. और. आगमोंको सच्चाजांनतेहैं और कहतेहैं कियह, आगमें, हमारे ? बुज रगोंकी भाखीहुइहैं सोयह. अकलका, सबबहै. क्युंकिइन, बनीयोंने अपने राक्षसी; पापसे - तमांमजहांनके - लोगोंकी अकल ऐसी केदकरदीहै. किजीससेवोह. जालकी-कीताबोंको अपनीजांनतेहैं सो-मेरेभाइयो-तुम्हारीनहीहैं यहतो बनीयोंकेघरकीहैं और. अपना-नांम. जाहीरनहोनेकेलीये तुम्हारे बुजरगोंकानांम-रावण-कीतरहसे—छलकरके कीताबोंमें लीखदीयेहैं-किजीसतरहसे-रावणने ऋषिश्वरोंके नांम, लीख दीयेथे - जीससे - ऋषिश्वलोग ऊनकीताबोंको अपनीजांनतेथे, फीर. उसीतरहसे—इन सोदागर बच्चोंनेभी हिंन्दु, मुसलमांनोंके, बुजरगोंके, नांम कीताबोंमें लीखके, पकडा दीहैं. सोयह?कीताबें. जाली इनसोदागरांनकीहैं सोऊन-कीताबोंको ? अपनी-मतजां नो, और न इनहोंकोपढो बल्के-इनकीताबोंसे-परहेजकरके अलाहदारहो और, जी सकेपासदेखो-उसको-समझाओ तोइन सोदागरांनका राक्षसीपाप. जलद. दफेहोवे

तोसंसारके लोगोंको आरांममीले-अब-ऐ-अंग्रेजलोगो मैंतुमको हाथजोडके,अर्ज करताहूं-सोसच२मांनो-क्युंकिमेरे नजदीकतो तुमसातों.आठोंवलायतोंके;राजा;बा दशाह ऐकहो और,मा.बापके-मुवाफीकहो-इसीतरहसे हिंन्दुस्तांनके राजा—बाद शाहवगैराभी.मा.बापके मुवाफीकहो परंन्तु जोकि,मै,आपलोगोंकी?खीदमतमें-अ र्जकरताहूं किकदीमी जाल,हिंन्दुस्तांनके?महाजनांनकाहै,परंन्तु यह सोदागरलोग जाहरातमें,नहीआतेहैं,और राक्षसीपाप;करतेरहतेहैं क्युंकिपहीले,इन,सोदागरबच्चों ने-रावण हरनाकुश कंस,कारूंनवगैरा-व,प्रथीराज चोहांनवगैराको थोडासापाप सीखाकरके-यह-कहदीयाथा कितुम;राक्षसीपाप करतेरहना,जबतुम,चारकूंट,और चोदाभांनमें राजकरोगे सोयह-बनीये-थोडासा-राक्षसीपापका करना सीखादेतेहैं परंन्तु.असलीपापको.अपनेकबजेमें रखतेहैं तोवोह यहजांनतेहैं-कि-राक्षसीपाप-ह मारेघरकाहै और बनीयोंकानहीहै-ऐसा खयाल-करनेलगतेहैं और जालही जा लमें-रावण-हरनाकुश कंस कारूंन और-प्रथीराज चोहांनवगैरा,मारेगये,और,सो दागरबच्चे अलाहदाके अलाहदारहे-परंन्तु अब-इसबातको सोचनाचाहीये और समझना-चाहीये-किजीन लोगोंने,इन,सोदागर महाजनांनके.शांमीलही,जनम,पा याहै तोऊनलोगोंको बीलकुल इनके राक्षसीपापकी खबरनहीपडी बलके जांनसे वोहलोग मारेगये और जीनलोगोंको सोदागरांनने थोडासा राक्षसीपापका कर ना सीखायाथा जीनकानांम अबतक-दुनीयांमें बुराइकेसाथ मशहुरहै परंन्तु-यह सोदागरलोग चींगारी छोडके आप अलाहदाहोजातेहैं और-दुसरे आपुसमें!लड करके गारतहोतेजातेहैं परंन्तु कदीमी पापकेकरनेवाले अबतक सतीलोग और; धरमातमा लोगकहलारहेहैं परंन्तु इनकेजालोंकी खबर अबतक-कीसीको नहीहै- और नपडेगी इसीतरह सेंकडोंआदमी इनबनीयोंके जालोंसे भुलही भुलमें मारे गये और इसीतरीके और तदबीरसे यह सोदागरलोग असलीपापकररहेहैं और बराबर चलारहेहैं किजीसकी खबर कीसीकोभीनहीहै और न-कीसीको राक्षसी पापकीतरफसे शुभाहोताहै अबकि यहसोदागरांन रावण वगैराकीतरहसे सातों. आठों वलायतोंके लोगोंकी बुधी-भ्रष्टकरके भुलावेंगे किजो;भुलकीवजहसे कुछ खयाल नहीकरेंगे फीर मै सातों आठों वलायतोंको और हिंन्दु मुसलमांनोंके-लो गोंको मअे-तुमअंग्रेजोंके पहीलेसे वाकीफकरताहूं किइन बनीयोंका वहीजालहै- किजीसजालसे इनहोंने सेंकडोंलोग हिंन्दुस्तांनमें गारतकीयेहैं फीर उसीतरहसे

अब सातों आठोंवलायतोंको मअे तुम अंग्रेजोंके गारतकरेंगे और तुमकोभी-रा वण,हरनाकुश वगैराकीतरहसे थोडा बहुत राक्षसीपापका करनासीखावेंगे लेकी न-असली पापकाकरना तुमकोभी नहीबतावेंगे और यहभी अजबनहीहै कितुम अंग्रेजोंको-राक्षसीपापका-करना रावणकी तरहसे सीखादीयाहो-यानसीखायाहो क्युंकि .बनीयेलोग यहकहतेहें किअंग्रेजलोग राक्षसहें और यही राक्षसीपाप,क रातेहें-जीससे बारीशवगैरा कमहोतीहै और-इसीसे अकलवगैरा-केदहोरहीहै और इसी पापकीवजहसे रोगचाले फेलेहुयेहें क्युंकिबनीये असलीपापतो आपकरतेहें और-भुलानेकेलीये और राजकरनेका लालचबताके दुसरोंसे राक्षसीपाप करादे तेहें जीससेवोह रावणकीतरहसे राक्षसीपापको करनेलगतेहें और कररहेहें-परंन्तु यह मालुमनही कि कीसतरहका सीखातेहें किजीसकाहाल मैंअपनी जबांनसे-कु छ-नहीलीखासक्ता क्युंकिइन सोदागर बच्चोंकी करतुतोंका कुछ अंन्दाजनहीहै-क्युंकि तरह२केहें-और जबकि जालकाकरना सीखातेहें कितुमभी राक्षसीपापका करनासीखो और स्वर्गबनाओ जब लालचमेंआके वोहभी भुलजातेहें और-रा क्षसीपापका स्वर्गबनातेहें और कहतेहें कि राक्षसीपापका स्वर्ग हमाराहै सो,पाप काकरना थोडा-बहुत लालचमेंआके सीखलेतेहें और यहजांनतेहें किहमारा-रा क्षसीपापहै परंन्तु यहनहीसोचते किहमको भुलायाहै क्युंकियह बनीये असलीपा पको अपनेकबजेमें रखतेहें किजीसकी खबर अगले सतीलोगोंकोभी नहीपडी-बलके जालमेंमारेगये किजेसे रावण-हरनाकुश वगैरा भुलहीभुलमेंआके यहजांन तेथे-किहमारा राक्षसीपापहै और इसीवजहसे मारेगये-किजो राक्षसीपाप चार-कुंट और चोदाभांनमें मशहुरहै किजोदेवता सरुपीलोगोंकी बुधी खराबकरदीथी किजोऊन भक्तलोगोंको कुछभी नहीसुझताथा किजो गारतहोनेके वक्ततक राव ण?हरनाकुश वगैरा यहजांनतेथे किहमने राक्षसीपापका स्वर्ग बनायाहै सो—वोह लालचमेंआके भुलहीभुलमें मारेगये और बनीये अलाहदाके अलाहदारहै कि, जीनका कदीमीपापहै सोदेखोभाइ किजीनको पापकाकरना सीखायाथा ऊनको अपने हाथोंसेमरवाया किजीनकानांम दुनीयांमें अबतक साथबदीके मशहुरहै— किजोइन बनीयोंके कहनेमेंआके अपनी-ओलादको अपने शांमीलही गारतकराया बलके इन-कदीमीपाप करनेवालोंके शांमीलही जनमपायाथा परंन्तु इनबनीयोंके जालोंका भेदतो ऊनकोभी नहीमीला-तोतुमको इनकेजालोंकी क्याखबर क्युंकि

तुमकोभी और भुलावेंगे-जबतक तुम अंग्रेजभी यहजांनोगे-किहम चारकूंट और चोदाभांनमें राजकरेंगे और तुमसेभी-रावण हरनाकुश वगैराकीतरहसे राक्षसीपा पका स्वर्ग-नर्क भुलाकेबनवादेंगे और तुमसे बनवायाभीहोगा अगरचे नहीबन वायाहोगा तोअब बनवादेंगे जबतुमभी.भुलजाओगे परंन्तु ऐसीबाततो तुमलोग भी!नहीसोचतेहो कि राक्षसीपापसे बुधी तीनलोककी खराबहोजातीहै परंन्तु— तीनलोक संसारमें आदमीयोंको बोलतेहैं-और कहतेहैं परंन्तु इतनीबाततो-तुमलो गभी नहीसोचतेहो किहमारी अकलतो राक्षसीपापसे खराबकरदीहै क्युंकिपहीले बहुतसे राजा बादशाह इसीजालसे-मारेगये-परंन्तु जाल नहीछुटा लेकीन यह— बात-सोचनाचाहीये-किजालतो सोदागर महाजनांनकाहै-किइनहोंने-अगले—सती लोगोंको मरवाया और तुम अंग्रेजोंकोभी मरवादेंगे परंन्तु इसबातको तुम-अंग्रेज भी-बुधी कैदहोनेकेसबबसे नहीसोचतेहो किहमकोभी मरवादेंगे क्युंकि आपलोग तो!परदेसीहो इससे आपलोगोंको इनबनीयोंके गली कूंचोंका रास्ता,मालुमनही सोजबकि इनबनीयोंने देसीलोगोंकोही अपने राक्षसीपापसे मरवादीया और—ऊ नको पतानहीलगा तोतुमको इनके-जालोंकापता कीसतरहसेलगेगा बलके तुमको भी-अपने राक्षसीपापसे भुलही भुलमें रावण हरनाकुशकी तरहसे मरवादेंगे-और जबके हिंन्दुस्तांनमें और सब-वलायतोंमें-थोडेसे आदमीरहेंगे जब यहसोदागर बच्चें-अपना राजकरेंगे इससेमेरी अर्ज-यहहै किअब-सातों आठों वलायतोंकेलोग और अंग्रेजवगैरा इनबनीयोंके-जालोंको दुरकराओगे-और तुम्हारे बंन्दोबस्तसे और ईकबालसे हिंन्दुस्तांनके बाल बच्चेबचेंगे वरना उम्मेद-बचनेकीनहीहै क्युंकि अपने हाथोंसेतो नहीमारते-परंन्तु दुसरेलोगोंको सीखाके ऊनकेहाथोंसे-मरवा-देतेहैं-तोपहीले ऊनको राजकरनेका-लोभबतातेहैं-जब वोहभी भुलजातेहैं और-ऊनको पीढी.दोपीढी या.दसपीढी राजकराना मनजुरहोताहै!तोऊनको राज— करादेतेहैं इससेवोह भुलजातेहैं और लालचमें आजातेहैं तोऊनको दगाकरके-दु सरीवलायतोंके लोगोंसे मरवादेतेहैं और दुसरोंको राजकरादेतेहैं परंन्तु जीनको कि-राज करादेतेहैं वोह बहुतखुशहोतेहैं और जीनको कि-गारतकरादेतेहैं तोफीर ऊनको-और ऊनकीओलादको ऐसा खराबकरदेतेहैं-किजो रोटी कपडाभी नही मीलताहै परंन्तु-अब जोमैंने-सोदागरलोगोंकी-बातप्रगटकीहै तोअब यह—बनीये तुमको-भुलाके-राक्षसीपाप तुम्हारे हाथोंसेकरावेंगे और जबके-सातों—आठोंवला

यतोंको इसीतरहसे खराबकरदेंगे-जब-अपना-राजकरेंगे इससे तुमलोगोंको अपने बच्चोंकीतरफ खयालकरके इनबनीयों बेइमांनोंके कहनेसे इस राक्षसीपापको नही करनाचाहीये और इनहोंका राक्षसीपाप दफेकराओ क्युंकिजब सब वलायतोंमें कम आदमीरहेंगे तोफीर तुम्हारेबच्चोंको-इनके राक्षसीपापसे कोनछोडावेगा इस वजहसे इनहोंकाजाल अभी दफेकराओ क्युंकिजो लाख पीढीतक ओलाद-अप नीही राक्षसीपापसे गारतहोतीहै और-जबतक ओलाद सलांमतहै—जबतक तुम—लोगोंका नांमभी अमरहै-और अमरहीहो और जोकि-ओलादहै वोह अमर,बी जहै-और जबतक-कि जमीन आसमांनहै-जबतक तो आदमी बंन्दाकी-ओलाद—अमरहै परंन्तु जबसे-कि-काफीरबीद्याका जाल चलाहै जबसे बेओलादरहजातेहैं और-कच्ची उम्रमें मरजातेहैं सोयह जादुकासबबहै और-अब-जो जमीनकेपेटमें: सांप बीछु-टीडवगैरा पेदाहोजातेहैं-सोयह रोग-चालेसेहोतेहैं किजमीनको फाडके पोलीकरदेतेहैं सोयह बात इसतरहसेहै किजेसे आदमीकेपेटमें रोगचालेकी वजह से-हजारोंतरहके कीडे पडजातेहैं और दुखदेतेहैं सोइसतरहके जोजीवहैं यहसब रोगचालेकेहैं और अलावेइसके दरखतोंमें-जोकीडे लगजातेहैं-और अनाजमें सी डीयां पडजातीहैं यहसब राक्षसीपापकी वजहसेहैं और इसीसेहोतेहैं और-जोकि टीपनोंमें इनहोंकाहाल लीखाहुवाहोताहै सो ब्राहमनलोग बांच२के सुनातेफीरतेहैं और जोकि-ऊंट घोडा गाये बेल और कुल चोपाया और-पंखेरुवगैराहैं या-आदमीहैं यहसब परमेश्वरके-बनायेहुयेहैं सोयह कीसीको-कीसीतरहकी तकलीफ नही देसक्तेहैं क्युंकिपहीले शेर और बकरी शांमीलचरतीथी और रहतीथी-और,अब जोकीसीमें हेत-इरादानहीहै जीसकी वजहयहहै किइन-सोदागर बच्चोंने कुलसंसारकी और-चोपायों और-पंखेरु वगैराकी अकल अपने राक्षसीपापसे ऐसी-फेर दीहै-किजो कीसीको कीसीकीदया और भावनहीहै और न—हेत महोबत्तवगैराहै इससेमैं आपलोगोंको आपकी ओलादको आरांम प्राप्तहोनेकेलीये इन सोदागर महाजनांनके जादुसे वाकीफकरताहूं और-कहताहूं किमेरे इसकहनेपर यकीनलाके-और सचजांनकर इनहोंका राक्षसीपाप छोडाओ तोतुम्हारी ओलादसुखपावे और तुम्हारेछोडानेसे दुसरी वलायतकेलोगभी बचजावेंगे क्युंकिइनका-बंन्दोबस्त आपलोगोंकी कोशीशसेही होसक्ताहै बलकेयह बनीयेलोग-तो सातों आठों-वलायतोंके लोगोंके-और तुम अंग्रेजोंके-चोरहैं क्युंकिजीस राजा-बादशाहने कीसी

शखसको राजकरायाहोवे तोवोह राज-तो? अमरहे और वोहभी राजकेकरानेवा ले-पंचहें सोभाइमेरेहो पंच-और परमेश्वतो ऐकहै-परंन्तु जीसको किराजदीयाजा ताहै.तोउसको सीर्फ नेकीकी वजहसेदेतेहै-और पंच और परमेश्व अपनेनजदीक और गरीब गुरबाके-नजदीक ऐकहें क्युंकिवोह सबको ऐकहीजांनतेहें और!हक; बहक ईन्साफकरतेहें इससेपंच और-परमेश्व-बराबरहें इससे पंचोंकादीयाहुवा रा ज!कीसतरहसे नहीजाताहै और अमररहताहै परंन्तु!इन बनीयों बेईमांनोंने-ऐसा जालचलायाहै किदुसरे लोगोंको बदनांमी देनेकेलीये और ऊनकेबच्चोंको बदनां मी-देनेकेलीये दुसरोंकेहाथोंसे मरवातेहें और सोदागरबच्चे खुद अलेहदाके–अले हदा!रहजातेहें परंन्तु जीसतरहसे कि रावण हरनाकुशवगैराने राक्षसीपापसे संसा रकेलोगोंकी अकल केदकरदीथी जीसपर रावण हरनाकुशवगैरा संसारकेनजदी क!नेकीबाले और धर्मात्मा मालुमहोतेथे फीर उसीतरहसे इन सोदागरबच्चोंनेभी जादुकेजुलमसे तमांम जहांनके लोगोंकी-अकल ऐसीफेरदीहे किजीससे अबभी. तमांम जहांनकेलोगोंको यह सोदागरलागभी मीसाल रावणवगैराके धरमातमा मालुमहोतेहें क्युंकियह सोदागरबच्चे तमांमजहांनको दीखानेकेलीये और राक्षसी पाप प्रगटनहोनेकेलीये जांनवरोंपरभी रक्ष्याकरतेहें और धर्म-पुन्यकरतेहें परंन्तु जोकियह सोदागरलोग दरीयावोंके उपर गुपतीपापकरारहेहें किजीसको दुनीयां अपनेमुहसे स्वर्ग नर्कबोलतीहे किजहां चोरासीलाख कुंन्डीयांबनाइहें और-संसार मेंभी यहबातकहतेहें किवहांपर राध-लहुकी कुंन्डीयांहें सोभाइमेरे वहांपरतो!कोइ स्वर्गहे न नर्कहे परंन्तु इन सोदागर महाजनांनने किजो चोरासीलाख कूंन्डीयां रावण-हरनाकुशके-मुवाफीक बनाइहें सोऊन कूंन्डीयोंकेउपर-तमांम-दुनीयांकेमां मका पापकरातेहें जीससे दुनीयांमें-बुराहोताहै सोयह सोदागरमहाजन अपने-क दीमीपापको अपने कबजेमेंरखतेहें और दुसरीजातके राजा बादशाहोंको थोडासा पापकाकरना सीखादेतेहें जीससेवोह भुलकर-यह जांननेलगतेहें किहमने राक्षसी पापका स्वर्गबनायाहै परंन्तु यह-खयाल-नहीकरतेहें किहमारा राक्षसीपाप नहीहे क्युंकियहतो कीसीने हमकोकरके सीखादीयाहे-और खास महाजनांनका मतल ब-यहहे किहम जाहीरनहोवें;और-हमारेबच्चे;नमारेजावें और-दुसरोंकेबच्चे मारेजावें यहीमतलब दुसरोंके सीखानेकाहे सोइसबातकातो खयाल बीलकुल नहीकरतेहें हालांकि इस-जालही जालमें आठ!तो!राजा बादशाह हिंन्दु-मुसलमांनोंके कोम

के-मारेगये किजीनहोंको इन;सोदागरमँहाजनांनने;थोडासा राक्षसीपापका करना सीखादीयाथा परंन्तु यह-खबरनहीथी कियह सोदागरलोग बुधीफेरके सीखादे, तेहें!या कीसीतरहसे किजीसका पतातक नहीलगता क्युंकिआठ नो राजा हिंन्दु मुसलमांनके कोमके मारेगये परंन्तु जालकाकरना बंन्दनहीहुवा किजीसकी बद नांमीभी ऊनहीं बादशाहोंके सरपेरही किजो जालकरनेके सबबसे रावणवगैरा, मारेगये तोभी जालकाचलना बंन्दनहीहुवा!सोयहबात काबील खयाल करनेकेहै किजब जालके करनेवालोंको गारतकरदीया तोफीर जालकाचलना क्युंकररहा जीसकी वजहयहहे किकदीमी जालकेकरनेवाले नहीमारेगये और जीनकोकिइन सोदागरांनने थोडासा राक्षसीपाप सीखायाथा वोह जालकेसबबसे गारतहोगये सोखासवजह इसजालकी यहहै किकदीमी जाल इन बनीयोंकाहीहै इससे,जाल काकरना बंन्दनहीहुवा और-पीढी!दो-पीढीकेबाद चलादीया फीर--उसीतरहसे अबतक-चलाजाताहे-परंन्तु कदीमी;जालकरनेवालोंका अबतक;कीसीने;नहीजांना परंन्तु अबमुझको,इन सोदागरांनने अपने राक्षसीपापसे दुखीकीयाहै जीससे,सा फ२जाहीरहोताहे कि राक्षसीपाप रावणकानहीथा क्युंकियह कदीमीजाल इन-ब नीयोंकाहे और-इन सोदागरबच्चोंनेही रावण वगैराको छलकरके थोडासा,रा क्षसीपापका करना सीखादीयाथा इससे रावणवगेरा इन सोदागरबच्चोंके जाल मेंआके राक्षसीपापको करनेलगे इससे-रावणवगैरा मारेगये क्युंकि रावणवगेरा को-थोडासा पापकाकरना बुधीफेरके सीखादीयाथा जीससे रावणवगेरा भुलके राक्षसीपापको करतेरहै इससे रावणवगेरा थोडासा-पापकाकरना सीखके और अपने-सर संसारकेलोगोंकी बुराइलेके राक्षसीपाप करनेसे मारेगये सोअब-तुम; सब!वलायतोंके राजा बादशाहोंको इन-सोदागर बच्चोंके कदीमीपापसे वाकीफ करताहूं कियह सोदागरबच्चे अपने-कदीमीजालसे रावणवगैरा कीतरहसे सातों आठोंवलायतोंके लोगोंको और तुम-अंग्रेजोंको थोडासा पापकाकरना सीखावेंगे और-बाद गारतहोनेके अपना राजकरेंगे और रावणवगैरा कीतरहसे सातों!आ ठोंवलायतोंके लोगोंको बदनांमीदेंगे-इससेतुम-संसारकेलोगों इन सोदागरबच्चों का!कदीमीजाल-जांनके-छोडाओ ताकि संसारमें भलाहोवे-क्युंकि-कदीमीजाल-- इन सोदागरांनकाहीहै क्युंकि इनहोंने!कदीमीजालको छोडानही और सच्च२-दुनीयांको बतातेनही क्योंकि गुपतीपापकरतेहें जीसको अपनी--जातके आदमी

योंके हाथसेकरातेहैं सोइनके-वोह-नोकरहैं-क्युंकिसमुन्द्र हजारों कोसोंमेंपडाहै,न हीमालुम किकोनसे टापुपेकरातेहैं क्युंकि धरतीकापेट चोडाहै और इनबनीयोंका गुपतीपाप यहहै किजीसकोतुम हिन्दु मुसलमांन स्वर्ग नर्क-कहतेहो और-राध-लहुकी कुंन्डीयांबोलतेहो वोह सोदागरबच्चोंके घरका राक्षसीपापहै और—इसीपा पसे बुधीफेरदेतेहैं इससेकुछ पतानहीलगताहै क्युंकिबुधी राक्षसीपापके जोरसे-इन-सोदागर बच्चोंके बसमें करीहुइहै और जोकि कीसीका जहाज वगैराजावें. तोउसको अपने राक्षसीपापसे जानेभीनहीदेतेहैं क्युंकिजभीनके पेटमें बाअेगोले का-दरदकरदेवें तोजहाज उसचक्करमें आके डुबजावे तोफीर ऊनकापता कीसतर हसेलगे और जोकिसमुन्द्रमें भुंवरपडताहे-और चढाइकरताहे तोउसकी मीसाल ऐसीहै-किजेसे आदमीकी ओझडीमें रोगकीवजहसे गरबडाहट होताहे फीर,उसी तरहसे समुन्द्रको राक्षसीपापका रोग-नहीकीयाहोवे तोवोहभी सीधाही पडारहे और-भुंवरवगैरा-नहीपडे और ना चढाइवगैराकरे परंन्तु-यहबनीये-रात-दीन-ज मीनमाताके नांमका पापकरातेरहतेहैं इससेभुंवर और अहारवगैरा हीलतारहताहे और संसारकेलोगोंकी और राजा१बादशाहोंकी ऐसीबुधी केदकरदीहे और-पही लेजमांनेमें हमेशां सुरज चंन्द्रमा अपने२कायदेमोजीब उगतेथे किजब दीन;नीक लताथा जबतो सुरजउगताथा और जब दीनछुपताथा तोचंन्द्रमा उगताथा-जेसा कि१पुनमका उगताहे उसीतरहसे सदाउगताथा सोसंसारमें कहतेहैं किसतजगमें चंन्द्रमा सदा पुराउगताथा सोजबसे-चंन्द्रमाकेनांमका पापकराना शरुकीयाहे तो ञ्दी-ऐकमसे चंन्द्रमाके नांमका पापकरना शरुकरतेहैं-तो मावसतक पंन्दरहदीन पाप इसतरहसेकरातेहैं किञ्दी ऐकमकोतो थोडापापकरके चंन्द्रमाको थोडासा;घ टातेहैं-फीर दुजको ऐकमसे जीयादापापकराके कुछ जीयादा घटातेहैं-फीर दुज से.जीयादा तीजको पापकरातेहैं जब चंन्द्रमा और जीयादाघटताहे फीर तीजसे जीयादा चोथको पापकरातेहैं जब चंद्रमा और जीयादा घटताहै और—चोथसे, पांचमको जीयादा पापकरातेहैं तो-और-जीयादा घटताहे इसीतरहसे ञ्दी-पुखमें पंन्दरह दीनतक-याने मावसतक दीन२जीयादा चंन्द्रमाकेनांमका पापकरातेहैं तो मावसको इसकदरपाप चंन्द्रमाकेनांमका करातेहैं कि-बीलकुल नहींउगताहे और; चंन्द्रमा घटते२मावसतक अंधेरी रात साफहोजातीहे ओर-फीर ऐकमसे-पापक रना थोडा२छोडतेजातेहैं तोफीर चंन्द्रमा बढताजाताहे तोसुदीऐकमको थोडा

पापछोडतेहैं तोचंन्द्रमा थोडासा बढताहै और दुजसे पाप-जीयादा छोडतेहैं तो दीखनेलगताहै और इसीतरहसे दीन२पाप कमकरतेजातेहैं तोदीन२चंन्द्रमा बढ ताजाताहे तो-पुनमतक चंन्द्रमा-पुराहोताहै?तो-पुनमको चंन्द्रमाकेनांमका पाप-बीलकुल-छोडदेतेहैं-जबपुरी जोत चंन्द्रमाकीहोतीहै और-जोउसमेंभी-ग्रहनवगैरा डालदेवें तोआधा पापकरावें तोआधा चंन्द्रमाघटताहै और जोजीदा पापकरावें तोजीयादा कमदीखताहै सोयह रोग?ऐसाहे किजेसेआदमीको आधासीसीका रो गहोताहे और-सर दुखताहै इसीतरहसे जमीनमाताको यह-आधासीसीका रोग-जादुसेकीयाहै किचंन्द्रमाको घटातेहैं सोयह रोग आधासीसीका बारह महीना,र खतेहैं-ऐक फकत पुनमकेदीन नहीकरातेहैं-सोपुरा उगताहै और,दुनीयांमें कीस्सा पहीलेसे इसतरहसे संसारमें-चलादीयेहैं?किअंधेरी-रात चोरोंनेमांगीहे और?सा सुकी-बहुनेमांगीहे-सोअनेक कीस्सा इसतरहके चलादीयेहैं-सोयह-बनीये-सुरज-चंन्द्रमाको ऐसे ग्रहकरातेहैं-जेसे-रावण-सुरज-चंन्द्रमाको ग्रहकराताथा उसीतरह अबभी-ग्रहनवगैरा-पडताहै और चंन्द्रमावगैरा घटताहै-सोटीपनोंमें-सब-लीखाहु वाहे-किइसकदर कला चंन्द्रमाकी घटी बढीहै-और बारह-महीना पेशतरसेही-सु रज-चंन्द्रमाका ग्रहन बतलादेतेहैं-और-इसीतरहसे-रावणनेभी ग्रहवगैराके टीपने चलायेथे किजेसेअब महाजनांनके टीपने चलायेहुये रावणके-मुवाफीक मोजुदहैं सोजब-यह काफरीपाप दफेहोगा-जब-सतजगकीतरह सदा-पुरा चंन्द्रमाउगेगा-और,यह,खालीबादल-जोहोतेहैं और,दस२और पंन्दरह२दीन-रहतेहैं!और!मेह;न हीबरसताहै और.उससे आदमीयोंको,बीमारीहोतीहे,और खेतोंको नुकसांन.हो ताहै!सोयह!अकसर जमीनको रोगहे किजेसे आदमीको गुजरातीका?रोगहोताहै और बादीसे सब.बदन.अकडजाताहै और पसलीमें!दरदहोताहै!इसीतरहसे-ज मीनको,खाली,बादलोंका रोगहोताहै-इसीवजहसे नाजवगैराको,रोली,गेरुहोजाता है?और नुकसांनहोताहै सोटीपनोंमें पहीलेसे सुनादेतेहैं कि-गेरु और-दायवगैरा पडेगा-जीससेधांन और-झाड बनासपती-वगेरा जलजावेगी सोजब पाप-जमी नकेनांमका करातेहैं तोजलजातेहैं सोऐसे२अनेकतरहके रोग जमीनको करादीयेहैं जबसे दुबलीहोगइहे इससेखांनें-चांदी-सोनेकी-गलगइहैं जीससे दीखतीनहीहैं-किजो-जमीनमाताको-लाखतरहका रोगकरादेवें तोकोइयह-नहीसमझें किजमीनको रोगकीयाहै बलके यहजांननेलगतेहैं किपरमेश्वकी कुदरतहै और जोकिआदमीको

सरद गरमकारोग होजावे-तोउसकासरीर-और-जीव बहुतदुखपाताहै और-जब कि.जमीतमाताको.दुख और रोगकरतेहैं तोजमीनमाताका.जीव.और-सरीरदुख पाताहे परंन्तु संसारकेलोगोंकी बुधी ऐसीकेदकरदीहे किजो-राक्षसीपापसे जमी नको फाडभीदेवें और?दरखतोंको हवाकेजोरसे गीराभीदेवें या समुंन्द्रकेपांनीको रोगकरके आफरा.और बदहजमीकरदेतेहैं तोउसको सब संसारकेलोग ईश्वरकी. कुदरतकहतेहैं परंन्तु-यह कोइनहीजांनता किजमीनतो जींन्दा जीवहै-परंन्तु इन-बनीयोंने अपने राक्षसीपापसे संसारकेलोगोंको जमीनमाताके सरीरकी पहचांन भुलादीहै-किजो-जमीनमाताका सरीर और जीव नीहायतदरजेका-दुखपाताहै? परंन्तु,इसकदर कोइभी पहचांननहीकरता कि राक्षसीपापसे जमीनको दुखदेरक्खा है-क्युंकि जमीनमातातो जींन्दा जीवहे-सोसंसारके लोगोंको यहबनीये अपने-राक्षसीपापसे कुछ नहीसोचनेदेतेहैं-किइस जमीनकेउपर-चांदी सोनेकी खांनेंनही; वोह.कहांगइ क्युंकि जमीनतो वोहकी?वहीहै सोयह बुधीकासबबहै किजोनहीसोचनेदेतेहैं क्युंकिचांदी सोनेकीखांनेंथीं वोह-जमीनके सरीरकी चरबीथी वोह-बीमारीकेसबबसे गलगइहैं किअबजो चांदी सोनेकीखांनें कहींपर दीखनेकोभीनही रहीहैं-और हिंन्दुस्तांनके लोगोंकोतो राक्षसीपापके सबबसे पागलोंकीतरह कर दीयेहैं.परंन्तु दुसरी वलायतोंकेलोग और राजा बादशाहभी नहीसोचतेहैं कि;जमीनतो-वोहकी वहीहे और चांदी?सोनेकीखांनें कहांगइ इसका खयालनहीकरते जीसकासबब यहहै किरावणने तीनलोककी बुधी केदकरदीथी और जमीनके,सरीरकी पहचांन भुलादीथी उसीतरहसे?इन सोदागरांननेभी सातों आठोंवलायतोंके?लोगोंकीबुधी?खराबकरदीहे इससे जमीनकेसरीरकी-पहचांन-कीसीकोभी-नहीरहीहै और?जबकि खांनेंथीं.जब-कीसीकोभी.धनकी परवाहनहीथी क्युंकि जब कीसीकोधनकी जरुरतहोतीथी तोवोह मीट्टी पत्थरकीतरहसे खोद२के लेआतेथे-सोअब इसकदरधन जमीनकेउपर नहीरहा किजो खोद२केलावें परंन्तु कहीं पर.मीसाल जलफुके रुपीया खरचकरके नीकलवातेहैं किजीसकदर बाबत धन, नीकलवानेके रुपीया खरचकरतेहैं तोरुपीयाका सवारुपीया होताहै-इससे-जीया दानही और कीसी२जगहपर रुपीया,खरचकरनेसे बारहआंनेका धन नीकलताहै फीर-रुपीयाका बारहआंना होनेकीवजहसे धन नीकलवानाही बंन्द करदीयाहे; और जोकि टुटाहुवाधनथा उसको बनीयोंने अपने काबुमेंकरलीयाहै और जोकि

थोडा बहुतबाकीहै उसकोअब काबुमेंकरलेंगे-जब सब वलायतोंमें सेर,कांसीरहे गी-जबऊन राजा बादशाहोंको दोलतमंन्दकहेंगे सोदेखोभाइ दोलतमंन्द उस;सेर कांसीमेंसे क्यातोधर्म्म पुन्यकरेंगे और क्याकारज वगैराकरेंगे और?क्याफोज. वगैरारक्खेंगे सोयहबात दुनीयांमेंकहतेहें किकलजग इसतरहका बुराआवेगा कि जीसकेघरमें.सेरकांसीरहेगी.वोह दोलतमंन्द कहलावेगा.यहबातेंतो.पहीलेसे,बनी योंकी चलाइहुइहें और नांम-अगले-सतीलोगोंका किहिंन्दु मुसलमांनके बुजरग होगुजरेहें ऊनहोंकानांम लगादीयाहै और आप न्यारेकेन्यारेरहेहें क्युंकि पहीले चांदी सोनेकीखांनेंथीं जब मीट्टी.पत्थरकीतरहसे खोद२के लेआतेथे क्युंकिजमी नका-सरीर ताजाथा इसवजहसे जमीनके सरीरकी चरबीवगैरा नहीगलीथी;और जबसेकि यह-सोदागरबच्चे कालवगैरा दुनीयांमेंडालतेहें जबसे-जमीनमाता तरह तरहकी,बीमारीयां,पारहीहै इससे.जमीनकेसरीरकी चरबीगलगइहै,इससे,अबवोह चरबी कि-जीसको फी जमांना चांदी सोनेकी खांनेंबोलतेहें वोह नहीरहीहैं और जोकि-टुटाहुवाधन-वलायतोंमेंथा और होगा तोउस!टुटेहुयेधनको!कीसीवलायत मेंभी नहीरहनेदेंगे जीसकासबब.यहहै.किजीसतरहसे आदमीकेसरीरमें बीमारीके सबबसे सरकाखुन पेरोंमें सोजन और वरमकेसबबसे आजाताहै और पेरोंकाखुन वरमकेसबबसे सरमें आजाताहै-फीर-इसीतरहसे-यह सोदागरबच्चे अपने.राक्षसी पापसे जमीनको बीमारकरदेतेहें किजीससे जमीनको,तरह२के रोगहोतेहें किजी, सकी-पहचांनतक तुम संसारके.लोगोंकोनहीहै.कियह सोदागरबच्चे अपने?जादुके जोरसे जमीनकोफाडके टुटेहुयेमालको खेंचलेंगे किजीसतरहसे कीसीमुलकके-मं न्दीर कीसीमुलकमें नीकालदेतेहें-फीर-उसीतरहसे-यह सोदागरबच्चेभी जमीनमा ताको.तरह२के.दुखदेके टुटाहुवामाल खेंचलेतेहें सोजमीनमाताको!यह!ऐककीस मकी?बीमारीहै किजेसे-आदमीकेसरीरमें बीमारीके-फीसादकेसबबसे बादीवगैरा फीरतीहे फीर-जबकि यहसोदागर जमीनकेनांमका राक्षसीपाप करातेहें जब,ज मीनमाता-दुखपातीहै-क्युंकि जमीनमाताकामी सरीर.मीसाल?आदमीकेहे?सोइस जमीनमाताकोभी बादीका रोगकरदेतेहें किजेसे आदमीकेसरीरमें बादीफीरतीहे;इ सीतरहसे-जमीनमाताके-सरीरमेंभी राक्षसीपापके सबबसे-बादीफीरतीहे-सोऐसे२ जमीनमाताको कीरोडहा रोगहें.सोयह.बनीयोंने.जादुकेजोरसे कीयेहें इससे!ज मीनमाता दुबलीहोगइहै जीसकी खासवजह,यहहे किजमीनमाताके सरीरकी चर

बी;गलगइहै किजोचांदी सोनेकी खांनेंदीखतीनही सोअब तुम संसारकेलोग;और सातों आठों वलायतोंकेलोग टुटाहुवाधन कहांसेलाओगे क्युंकिजब जमीनपर-खांनेंही नहीरहेंगी तोफीर टुटाहुवाधन कहांसेलाओगे क्युंकि खांनेंवगैराहोवे?ज बतो.भीट्टी पत्थरकीतरहसे खोद२के-लेआवो-और-जबकि खांनेंगलगइहें तोकहां से-लाओगे-और जोकिटुटाहुवाधनहै उसकोतो यह सोदागरबच्चे.कीसीकेपास.अ पने राक्षसीपापसे नहीरहनेदेंगे जबतुम्हारी ओलादकाकांम कीसतरहसे चलेगा क्युंकिजब कीसीकेपास दोलत नहीहोगी तोकुल वलायतोंकी ओलाद इन-सोदा गरबच्चोंके-कबजेमें-होजावेगी जबइन.सोदागरबच्चोंके दीलमें,जीसतरहसै.आवेगा उसीतरहसेकरेंगे सोऐभाइ उसवक्तमें जींन्दा रहनेकाभी धर्म्मनहीहे अलावेइसके जबतक सातों-आठोंवलायतें गारतनहोंगी जबतक,यह सोदागरबच्चे-गरीब और भक्तहोकेरहेंगे जबतक इन-सोदागरबच्चोंका-जाल जाहरातमें नहीआवेगा,क्युंकि जाहरातमें आजावें जबतोइनके जालोंको सखतीयांदेके दफेभीकरादेवें परंन्तु-इन होंकेतो तरह२केजादुहैं किजीनहोंको चोडे नहीआनेदेतेहैं जीसकासबब यहहै;कि पहीलेइनहोंने थोडासा राक्षसीपापका करना रावणवगैराको सीखायाथा किजो रावणवगैरा सीखलेनेके सबबसे और करनेकीवजहसे तमांमजहांनके लोगोंने?अ पनीओलाद-सलांमत-रहनेकीगर्जसे सखत सजादेके.गारतकीया.फीर—रावणवगे राके मारेजानेका डरकरके यह?सोदागरबच्चे जाहरातमेंनहीआतेहें बलके दुसरी कोमके-राजा बादशाहको थोडासा पापकाकरना सीखादेतेहें किजोपापकी खबर कीसीवजहसे संसारमें पडेगी.तोसीखनेवालोंकी.ओलाद मअे सीखनेवालोंके-रा वणवगैरा!कीतरहसे!मारेजावेंगे इसवजहसे यह सोदागरबच्चे.अपने?कदीमीपाप मेंसे-थोडासा पापकाकरना दुसरोंको सीखादेतेहें परंन्तु असलीपापको आपकर तेरहतेहें-जीससे-संसारमें बुराहोताहै अगर ओरोंको नहीसीखावें,जबतो—इन.सो दागरांनकोही पकडें-और इनकाही पापकरना साबीतहोजावे इसवजहसे यह-सो दागरबच्चे पहीलेसे दुसरोंको सीखादेतेहें और-यह समझतेहें कि जबतक?दुसरी कोमके राजा-बादशाहहैं जबतक-उनहोंकोसीखावेंगे-क्युंकि देखनेवाले यह.जांन लेलगतेहें कि!राक्षसीपाप इनहोंनेही चलायाहै परंन्तु सोदागरबच्चोंका कोइशुभा-नहीकरताहै और करनेवाले कुछ-शुभाभी नहीकरतेहें किहमको इन,सोदागर,ब च्चोंने सीखायाहै सोअपने पापके करनेमेंसेतो नहीसीखायाहै किजो कदीमीपाप

इन सोदागरबच्चोंकाहै किजीसको यह सोदागरबच्चे आपकरतेहोंगे सोयह—दुनी यांकेलोग बीलकुल खयालनहीकरते किहमारी बुधी;पहीलेसे इन सोदागरबच्चोंने केदकरदीहै इससेथोडासा पापकरना रावण कीतरहसे हमकोभी गारतकरनेके—लीये सीखादीयाहै सोयहकुछभी नहीसोचते सोयहसबब बुधीकेदहोनेकाहे क्युंकि जबबुधी केदहोजातीहै जब ऐसाहीसुझताहै सोऐभाइयो-इन सोदागरबच्चोंका दी ल-इसतरहपरहै कि संसारकीओलाद गारतहोनेकेलीये अपना राक्षसीपाप सीख लादेतेहें और-आप अलेहदाके अलेहदा रहजातेहें परंन्तु यह-जाल सोदागरबच्चे अपनी ओलादबचनेको दुसरोंको सीखादेतेहें जीसकीवजह यहहै,किजब राक्षसी पापको गरीबआदमीभी सीखलेवेंगे तोबहुत अच्छीबातहै इससे सोदागरबच्चे-रा जीहोतेहें सीवायेइसके जो—राजा बादशाह इनहोंकेकहनेसे—राक्षसीपापका करना सीखलेवें-तोसबसे-जीयादा राजीहोवें और यहभीकहतेहें.किहम-कभी.चोडेनही, आवेंगे तोहमारी कोमकेआदमी?सलांमतरहेंगे?और दुसरीकोमकेआदमी मारेजा वेंगे-परंन्तु जबकि पापकाकरना सीखातेहें और जोकि कीतावोंमेंदेखके करनेको लगजातेहें नहीमालुम कि साधु-फकीरका-रुपधरके सीखादेतेहें सोकीतावोंको दे खकर राक्षसीपाप चलादेतेहें परंन्तु कीतावोंमेंतो थोडासा राक्षसीपापकाकरना लीखाहै परंन्तु दुसरीकोमकेलोग यह?नहीसमझतेहें किजोकीतावोंमें थोडासा रा क्षसीपापका करनालीखाहै सोहमको कहीं मरवानेकेलीये छलकी कीतावें—नही चलादीहें किजीसका बीलकुल खयालनहीकरते जीसकासबब यहहे किबनीयोंने बेइमांनीकरके ऐसी अकलमंन्दीकीहै किचलातेतो आपहें परंन्तु-कीतावोंमें दुसरी कोमके राजा?बादशाहकेनांम और साधु-फकीरकेनांम लीखदीयेहें किजीसको स ब-मांनतेहें चलानेवाले ऊनकीतावोंके अंन्दर अपनानांम नहीलीखतेहें बलके-जा लसाजीकरके दुसरी कोमोंकेनांम लीखदीयेहें क्युंकि चोरीकरनेवाले अपनानांम कबबतातेहें बलकि दुसरोंकानांम लेलेतेहें फीर उसीतरहसे यहबनीयेभी अपने-कदीमीपापके जाहीर नहोनेकेलीये कीतावोंमें दुसरीकोमके नांम;लीखदेतेहें और अपनानांम नहीलीखतेहें जीसकीवजह-यहहै-किचोर अपनानांम बतादेवे-जबतो चोर,खुदमारेजावें फीर इसीतरहसे यहबनीयेभी राक्षसीपापकी कीतावोंमें अपना नांम नहीलीखतेहें किजब-हमारानांम-कीतावोंमें-लीखाहोवेगा जबतोहम कुल;ब नीये किजो राक्षसीपाप करातेहें मारेजावेंगे इससबबसे अपना नांम कीतावोंमें

नहीलीखाहै बलकि अपनीकोमके बचनेकेलीये दुसरीकोमके राजा-बादशाह और गरीब-गुरबोंकानांम-लीखदेतेहें सोजबकि बनीयेलोग अपने-राक्षसीपापसे-बुधी-खराब.करदेतेहें जब कीतावोंको-देखकरके-थोडा-बहुत पापकरनेको लगजातेहें इससेभुलही भुलमें अपनीओलादको पीढी दो पीढीकेबाद मरवादेतेहें परंन्तु-जा लकेकरनेवाले और सीखनेवाले यह?नहीसोचतेहें किकदीभी जालतो कीतावोंके चलानेवालोंकाहै.सोपुरा.पतातो ऊनहींकेपासहोगा किजीनहोंने.कीतावें.चलाइहें परंन्तु दुसरेलोगोंकी ऐसीबुधी केदकरदीहै किजेसे कीतावोंमेंलीखाहै उसीतरहसे राक्षसीपापकी कीतावोंमेंसे देख२के करनेको लगजातेहें और-यह नहीसोचतेहें-किकीतावेंतो कभीकी चलाइहुइहै-और अपनी-चलाइहुइनहीहें और जीनकी?च लाइहुइहें-सोवोह-न्यारेके न्यारेहें सोपापकाकरनातो ऊनका.ऊनकोही.यादहोगा क्युंकिकीतावें कुछ आसमांनसे नहीउतरीहें यहतो कीसी आदमीयोंकी बनाइहु इहें-इसबातका-खयालतो-कोइभी नहीकरते हालांकि.इसबदनांमीमें.आठ.नो,राजा बादशाह हिंन्दु मुसलमांनकी-कोमके रावण-हरनाकुश कंस-कारून वगैराकीतर हसे-मारेगये परंन्तु जालतोभी नहीमीटा किजोअबतक चलरहाहै और जीनको. कियह-जालकी कीतावें मीलजातीहें तोऊनको देख२के ऐसे-राजीहोतेहें किहम को,माल मीलगयाहै किकुल प्रथवींका-राजप्राप्तहुवाहै परंन्तु यह खयालनहीकरते किजीन लोगोंने-यह जालकेजादु चलायेथे-तोवोह उसीहालतमें पकडके मारेगये फीर-उसीतरहसेहम-जादुके करनेवालोंकी-ओलाद मारीजावेगी.सो.राक्षसीपाप, सीखनेवाले यह नहीसोचतेहें किजब रावणवगैराने राक्षसीपापको सीखकेकीया तो-राक्षसीपापकी-वजहसे संसारकेहाथोंसे मारेगये फीर.इसीतरहसे.हमभी,सीख के.करतेहें और कीतावोंकोदेखके करतेहें-तोहमारीभी ओलाद मारीजावेगी क्युं कियह.हमाराजाल.कदीमीनहीहै क्युंकि-कदीमी जालतो-रावणकाभी,नहीथा-क्युं कि-जालतो दुसरोंकाहीहै रावण-वगैरानेभी-सीखकेकीयाथा इससेवोह मारेगये, किजीनका पतातकभी नहीमीला परंन्तु कदीमी पापकेकरनेवाले नहीमारेगये ब लकि कदीमी पापकेकरनेवाले अबतक-कदीमीपापको बराबर करारहेहें किजीन का-कीसीकोभी पतानही किजो दुसरेलोग भुलही भुलमें थाडो बहुत-पापसीख नेको लगजातेहें.और फीर सीखकरके करनेको लगजातेहें सोयह बुधीकासबहै क्युंकिबुधी कदीमीपापके करनेवालोंने केदकरदीहै जीससेकुछ खबर नहीपडतीहै

बलकि दगाही-दगामें लोगमारेगये और-अबभी दगाकरके मरादेंगे जीसकाकुछ पतानहीलगेगा क्युंकियह बनीये बेइमांन दुनीयांमें पहीलेसे ऐसीबात चलादेतेहें किहम राजाओंकी कोममेंसे-नीकलेहें-और-मुसलमांनोंसे इसतरहकहतेहें किआगे साह-और-पीछेबादशाह सोदेखोभाइ यहबनीये अपने.मतलबसे.खालीनही;क्युंकि ऊनसेभी मीलेरहतेहें अलावाइसके-किजोअब-अंग्रेजवगैरा राजकरतेहें तोइनसेभी मीलगयेहें परंन्तु संसारमें बनीये यहकहतेहें किहम और-अंग्रेज ऐकहें किजीसतर हसे-हमबनीयेहें उसीतरहसे अंग्रेजभी बनीयेकहलातेहें परंन्तु बनीयोंने संसारमें यहबातें पहीलेसेचलादीहें किजीससे-संसारकेलोग-यहकहतेहें किअंग्रेजभी बनीयेहें सोदेखोभाइ किबनीये सबसेमीलेहुयेहें और गरीब होकररहतेहें और दुसरोंको, अपनाभाइ-बांपबनालेतेहें-और फीर राक्षसीपापसे ऊनको-गारतकरदेतेहें ? सोइन होंके-ऐसे२जाल सेंकडोंहें क्युंकि-यह-भाइ-बीरावनाके जालही जालसेमरवादेतेहें और-जोकि संसारमें यहबातें पहीलेसे चलादीहें किअंग्रेज चारकूंटमें राजकरेंगे-सोयहबातें इनबनीयोंने कीतावोंमेंभी-लीखीहोंगी-सोयहबात संसारमेंभी कहतेहें किअंग्रेज-चारकूंटमें-राजकरेंगे तोऐसी२बातें पहीलेसे चलादेतेहें-कि,रावण-हरना कुश-कंस कारूंनवगैरा चारकूंटमें और चोदाभांणमें राजकरेंगे बलकि राजकाक रनातो दरगुजरा-बलकि वोह जालही-जालमें मारेगये किजीनका?अबतक नांम बाबत.जुलमकरनेके.संसारमें प्रघटहै सोदेखोभाइ कि,असलीपाप,कीसीकोभीनही मालुमहुवा क्युंकिइन सोदागरांनका,दीलतो,इसतरहपरहै किचोदाकूंट.और चोदा भांनमें-हम-राजकरेंगे-जीससे राक्षसीपाप चलायाहै.इसवजहसे.यहबनीये.मुदतों, से!थोडासाजाल सीखा२के दुसरोंको गारतकरादेतेहें और जोकि रावणने!और हरनाकुशने और-कंसने और कारुंनबादशाहने राक्षसीपापके जोरसे-धन जमैकर लीयाथा!सोराजकरके!जमैकीयाथा किजोअबतक दुनीयांमें!कहतेहें!कि-रावणने. लंका सोनेकीबनाइथी और कारुंन बादशाहने चालीस डूंगरी-धन जमैकीयाथा सोवोह?धनभी कीसीने नहीलीयाथा और इन बनीयोंकेपासहै परंन्तु वोहपापके सीखनेवाले भुलही भुलमेंमारेंगये-किजोऊनकी-ओलादनेभी सुखनहीपाया और न-धनको!भोगसके!सोदेखोभाइ दुनीयांमें बहुतधनथा.सोइन.बनीयोंके--कबजेमें; हीरहा परंन्तु जो-रावणने!राजकरके?छे!अन्नीकाधन जमैकीयाथा और-रैयतके पाससे-जुलमकरके जमैकीयाथा सोभी रावणके पास-नहीरहा और-ना--ऊनकी

ओलादके पासरहा बलकि रावणवगैरा-अपनी सभे ओलादके गारतहोगये-और सबसे-जीयादाधन-इन कदीमी पापकरनेवालोंके पासरहा,किजीनकाअब,राक्षसी पापचलरहाहै सोइसीतरहसे अब राक्षसीपाप करारहैहैं और-जीनको किअब-रा वण-वगैराकीतरहसे-थोडा बहुत!राक्षसीपापका करना-सीखादीयाहै-और वोह-सीखके करनेको लगगयेहैं या;अब करनेको लगजावेंगे तोऊन सीखनेवालोंकीभी वेसीही.गतहोगी.किजेसे रावणवगैराकीहुइ सोदेखोभाइ!अगर-तुम?मेरेकहनेको-सच२नहीमांनोगे और बनीयोंके राक्षसीपापका खयालनकरोगे तोबनीये अपना राजकरेंगे और;सब वलायतोंके;लोगोंको;रावणकीतरहसे होले२गारतकरदेंगे;और हिंन्दुस्तांनतो गारतहोगइहै और जोकि बाकीरहीहै उसकोअब तुम-सातों आठों वलायतोंके लोगोंकोलाके गारतकरादेंगे-परंन्तु-लालचमेंआके भुलही भुलमें?हिंन्दु स्तांन गारतकरोगे तोतुमकोभी तुम्हारी,सभे ओलादके यहबनीये हिंन्दुस्तांनका लोभकरनेसे गारतकरदेंगे हां अलबत्ता तुमको बनीयोंके-पापकी कीसीकोभी ख बरनहीहै इससे संसारकेलोग-बनीयोंके.पापकीवजहसे-आपुसमें लडके मरजावेंगे और!जोकितुम!हिंन्दुस्तांनके राजका लालचकरतेहो सोयह?लालचकाकरना-तु म्हारेवास्ते रावणकीतरहसे बहुत खराबकरेगा क्युंकियह बनीये रावणकीतरहसे लालचदेके.गारतकरदेंगे.फीर इसतरहसे जबकुल वलायतोंमें!इनका!अमलहोगा-तोवलायतें गारतहोजावेंगी जब यहबनीये-अपना राजकरेंगे इससेमेरी अरज-य हहै-किइन बनीयोंके राक्षसीपापको छोडाओ तोकुल वलायतोंकी ओलादसुखपा वे!अगर!इस;राक्षसीपापको नहीछोडाओगे-तोयहबनीये हिंन्दुस्तांनकी;तरहसे;सब वलायतोंको.गारतकरके.धन अपने काबुमेंकरलेंगे और पापकीखबर कीसीकोभी नहीपडनेदेंगे और सतजगमें!जोदेवतासरुपी!आदमीये ऊनकीबुधी राक्षसीपापसे केदकरदीथी-किजोऊनकोभी-खबर नहीपडतीथी परंन्तु!उसवक्तमेंभी?रावणवगै राने.अपने राक्षसीपापसे सनीश्चको!नीहायत!दुखीकीया जब.राक्षसीपापकी ख बर?ऊनकोपडी जब सनीश्चवगैराने तमांमजहांनके लोगोंको राक्षसीपापकी खब रकरदी-जब संसारने ऐकाकरके-इस-राक्षसीपापके दफेकरनेकेलीये कोशीशकी; जब-राक्षसीपाप थोडा बहुतदफेहुवा परंन्तु वही राक्षसीपाप अबहोरहाहै और. मै-इसी राक्षसीपापमें केदहोरहहूं-परंन्तु?जबतक-किमुझको राक्षसीपापसे दुखी,न हीकीयाथा जबतक मुझको राक्षसीपापकी खबरनहीथी परंन्तु जबसे किमुझको

सोदागरबच्चोंने अपने राक्षसीपापसे सनीश्वके तोरपर दुखीकीयाहै जीससे–इन बनीयोंका राक्षसीपाप मुझकोभी मालुमहोगयाहै इससेमैं तुम्हारीओलाद बचनेके लीये-अपनेउपर दुखपडतेही इन बनीयोंके राक्षसीपापसे वाकीफकरताहूं कितुम सब संसारकेलोगो परमेश्वकी–रचनाहो और–मुझको इनबनीयोंने अपने.राक्षसी-पापसे समामुख दुखीकीयाहे और जोकि संसारकेलोगोंकी बुधी राक्षसीपापके जादुसे.केदकरदीहै.जीसकाहाल में केहजगह उपरलीखचुकाहूं.किबनीये.संसारको गारतकरेंगे सोदेखोभाइ किकुल संसार गारतहोजावेगा जबतोयह काफीरही?र हजावेंगे-सोतुम सब संसारकेलोगो इसबातको–सोचो और खयालकरो किजब. मालीककी रचनाही गारतहोगइ-तोफीर.क्यारहा-क्युंकि अगर-तुम संसारकेलोग और,राजा,बादशाह,रांमचन्द्रंजीकी तरहसे इनबनीयोंके-राक्षसीपापको-ऐकाकरके छोडाओ ताकिसब वलायतोंकी.ओलादबचे.क्यंकियह बनीये!अपने राक्षसीपाप से!कुल वलायतोंको गारतकरेंगे क्युंकिइन,बनीयोंने मुझको अपने राक्षसीपापसे; समामुख दुखीकीयाहै और!मैंइसी!राक्षसीपापमें!केदहोरहाहूं सोमुझसे यह–दुख नहीसहाजाता इससेमैं नीहायत दुखपाके लीखताहूं कियह बनीये,अपने राक्षसी पापसे नातो रीजकहोनेदेंगे-और ना-कीसीकेपास पेसारहनेदेंगे और.ना.बुधी. दुरस्तरहनेदेंगे-सोदेखलो किभाइ२आपुसमें लडकेमरतेहें-परंन्तु-आगेकी!खबरनही किकेसीबुधी रहनेदेंगे इससेमैं परमेश्वकेवास्ते लीखताहूं कियहबनीये अपने-राक्ष सीपापसे परमेश्वकी रचनाको दुखीकरेंगे इससेमैं गरीब बार२लीखताहूं और-अ र्जकरताहूं-किपहीले-दील्ली मंन्डलमें-राजा बादशाहबनेहुयेथे,और.नेकीमेंचलतेथे परंन्तु जबइन बेइमांनोंने.अपनेदीलमें.केसाजाल.और कपटबीचारा किजोइन-ब नीयोंने अपने राक्षसीपापसे ऊन राजा बादशहोंकी अकल खराबकरदीथी जबसे राजा!बादशाह!आपुसमें गुस्साखातेहें और झगडाकरनेलगतेहें.और.रैयतकोदुख देनेलगतेहें इससे आपसेआप तनाजाकेसबबसे मरनेलगतेहें किजोदीन२सुरत बी गडनेकी-होतीजातीहै-परंन्तु असलीभेद कीसीपर नहीखुला.कियहक्या.करतहो रहाहै क्युंकिइन सोदागरबच्चोंने-अपने-राक्षसीपापकी कीतावें इसकीसमकी-चला दीहें.किजेसे हिंन्दु मुसलमांनके जातमें इष्टहें वेसाही हिंन्दु मुसलमांनोंके पीरां-मु रीदोंकेनांम कीतावोंमें लीख२के.जाहीरकीयेहें.जीससे हिंन्दु-मुसलमांन अपनी, जांनतेहें-सोयह-हिंन्दु मुसलमांनोंकी बडीभारी भुलहै क्युंकिवोह.कीतावें.हिंन्दु,मु

सलमांनोंकीनहीहें यहतो इन सोदागरबच्चोंकी बनाइहुइहें और नांम कीतावोंमें हिंन्दु;मुसलमांनके;बुजरगोंके-किजो नेकहोगुजरेहें इसगर्जसे-लगादीयेहें-किहमारा राक्षसीपाप कीसीपर ज़ाहीरनहो-इसवजहसे-मुसलमांनोंकी कीतावोंमें तो! मुसल मांनोंके बुजरगोंकेनांम किजो पहीलेजमांनेमें पीरहोगुजरेहें और ऊनहोंको साथ दीलके-संसारकेलोग-अबतक अपनी२जातमें मांनतेहें.किजीनहोंकानांम.इन-सोदा गरबच्चोंने लगादीयाहै जीससे.मुसलमांन.यहकहतेहें कि? पीरोंने पहीलेजमांनेमें. यह-बद्दुआदीहै जीससे बादशाहतें डुबगइहैं और हिंन्दु यहकहतेहें कि-शीवजी महाराजने यह.बद्दुआदीहै जीससे राजडुबाहै फीर इसवजहसे राज?हिंन्दु मुस लमांनोंके-राजडुबेहें-परंन्तु हिंन्दुस्तांनमें जीसकदर कि.राजा.बादशाहहें.सबको— अपने२इष्टका अेब लगादीयाहै-परंन्तु--मारवाडमें-चांवंन्डा देवीका लगादीयाहै- जीससे.मारवाडके.तमांमलोग पहीलेसे यहकहतेहें कि!चांवंन्डादेवीका?यह!सराप है-कि जोधपुरका राज [५००] बरस राठोडोंके कबजेमेंरहेगा परंन्तु फीर-नही रहेगा.सीवायेइसके.जोआज कल इस हिंन्दमें बादशाह अेडवर्डसाहब.राजकररहेहें और जेर-हकुमत बडे२आलादरजा-ओर-ओहदेके-अंग्रेज याने-नवाब गोरनर— जनरलसे राजकरतेहें इनहोंकेवास्ते आंमलोग संसारके यहकहतेहें किअंग्रेजवगैरा आयेतो-नेकीसे और-जाअेंगे बदीसे सोयहबातें कीतावोंमें लीखीहोंगी परंन्तु—बु दी खराबहोनेका सबबयहहै.किजब.यहबनीये.अपने राक्षसीपापसे तुम-अंग्रेजोंकी बुधी खराबकरदेंगे जबतुमभी राजा बादशाह और गरीब गुरबाको दुखदेनेलगो गे-जब यहबनीये और कीसी-वलायतवालेको-लाके खडाकरदेंगे जबतुम गारतहो जाओगे इसवजहसे-मै बार२लीखताहूं कियह बनीये अपने१राक्षसीपापके जादुसे हिंन्दुस्तांनमें.सब.वलायतोंकोलावेंगे और,पहीलेसे इनबनीयोंने-हिंन्दु-मुसलमांनों और अंग्रेजवगैरा केवास्ते-ऐसी२बातें-चलादीहें-और अंग्रेजोंकेबाद जब.और;कोइ वलायतकेलावेंगे जब ऊनका बुराहोनेकेपहीले संसारमें बातेंचलादेंगे डुबनेकेवा स्ते.और.फीर.ऊनहींकेनांमका होमकरातेहें तोऊनहींका-बुराहोजाताहै-और-जो; आगम भाखतेहें-वोह सच्चीहोजातीहें-और-कोइभीसाहब इसबातको नहीसोचतेहें कियह-क्याबातहै-किजोकुछबात पहीलेसे;चलादेतेहें वोह.सच्चीहोजातीहें.और,जो कि.हिंन्दुस्तांनमें आवेंगे और.राजकरेंगे.वही.राजकेकरनेवाले हिंन्दुस्तांनको अ पनेहाथसे गारतकरेंगे गर्जकि सातों आठोंवलायतें हिंन्दुस्तांनमें आगे-पीछे इन-

बनीयोंके राक्षसीपापसे आवेंगे-और-हिन्दुस्तांनके लोगोंको गारतकरके—अपना राजकरेंगे-सोजीसतरहसे-कि हिन्दुस्तांनको गारतकरेंगे.सोयहपहीलेसे,सातों.आठों वलायतोंके आनेवालोंको.थोडासा।राक्षसीपाप.सीखावेंगे और असलीपापको अपने कबजेमेंरक्खेंगे और उसमेंसे थोडासा सीखावेंगे किजेसा-रावणको सीखा याथा.जब.तुम.भुलजाओगे और-जांनोगे-किहमही कुलंकीहें.सोतुम.सातों.आठों वलायतोंमें आपुसमेंही ऐकर२को गारत करतेजाओगे और जबकि सातों-आठों वलायतें आपुसमेंलडकर कमतीहोजावेंगी और सोदागरबच्चे यहजांनेंगे किअब, हम-जीयादाहें और हमको-कोइ गारत नहीकरसकेगा उसवक्त बनीये कुलंकी-रा जकरेंगे और.जबतक कितुम.सातों.आठों.वलायतोंकेलोग जीयादाहो जबतक. कितुमकोभी थोडा.बहुत राक्षसीपाप सीखाके तुमकोभी पापकाकरनेवाला बता वेंगे!अगरचे नहीबतावें जबतो,खुदमारेजावें,इससे,ऐसे२करतुत करतेहें किजो-ब नीयोंके जादुकाहाल कीसीको मालुमनहीहोगा और यहबनीये—अपने राक्षसीपा पके-जादुसे-आपुसमें-बुधीफेरके गारतकरदेंगे और जब.थोडेसे.आदमीरहजावेंगे जब यहबनीये कुलंकी अपना.राजकरेंगे और.जबतक किसंसारके लोग जीयादा हैं-जबतक दुसरोंकोही राजकरावेंगे और ऊनको कुलंकीबतावेंगे और आपचोडे नहीआवेंगे.और.मीलेके.मीलेरहेंगे और-जबकि यहजांनेंगे-किअब-संसारथोडा;र हाहै-और हम सोदागरबच्चे,जीयादाहें,जब.अपना,राजकरेंगे सोदेखोभाइ किजेसे अब,साधु,फकीरहें इसीतरहसे पहीलेजमांनेमें साधु फकीरथे!परंन्तु!इनसोदागरां नने राक्षसीपापके जादुसे-ऐसीअकल-फेरदीहै-किजोभुलेहुये और बहकेहुयेहें,सो संसारकेलोग.अगले!फकीरोंको ऐसाहीजांनतेहें किधरती-आसमांनको-ऊनहोंनेही बनायाहै और वहीउलट,पलटदेंगे,परंन्तु,यहबात,सोचनीचाहीये कियह रचना. जोहें.सोकदीमसेहै.सोइश्वकी कुदरतहै और अगले सतीलोगोंके.करनेसे.कोइजमी न.आसमांन नहीबनाहै यहतो जालहै किजेसेहम तुम सब—भुलेहुयेहें क्युंकितुम लोगभी,ऊनहींकी,ओलादहो और जोकितुम्हारे बुजरग,सतीहोगुजरेहें.किजीनका नांम कीतावोंमें लीखाहै!किजीसकोतुम!सब!मांनतेहो इससेमेरी यहअरजहै—कि जबतुम्हारे!बुजरगोंने!धरती आसमांन;बनायाहै तोअब!तुमभीधरती!आसमांन;ब नाओ अगर-तुमसे नहीबनताहै.तोऊनसेभी—नहीबनताथा क्युंकियहतो मालीक की-रचनाहै और-बनाइहुइहै किजेसे!आदमीकेपेटमें मेल.खानेवाले जीवहोजातेहें

इसीतरहसे जमीनमाताके पेटमेंभी हम.तुम.सब संसारकेलोग पेदाहुयेहैं परंन्तु मे इसवास्ते.लीखताहूं.कितुमलोगोंकी बुदी इनबनीयोंने.राक्षसीपापसे,भ्रष्टकरदीहै-जीससे तुमलोग इसीतरहपर,होगयेहो,किजेसे,भंगेडी आदमीहोताहै उसीतरहपर तुमकोभी-करदेतेहें-और इनहोंने कीतावोंमें लीखदीयाहै-किजमीन-आसमांनकी-रचना शीवजीने और!देवीनेबनाइहै!और!बृहमाने रचनारचीहै सोबृहमा-और शीवजी.और.देबीवगैरा आदमीथे किजेसेहम और!तुम!जमीनकेपेटमें!पेदाहुयेहें-इसीतरहसे शीवजीवगैरा हजारोभगत-होगुजरेहें-सोशीवजीका नांम शीवनाथजी था;और-बृहमाजी-बृहमनथे और देवीकानांम देवलीथा!किजेसेअब!बृहमनवगैराहें और!नांम शीवनाथावगैराहें-सोऊनहोंने भक्तीकीहै-इससेवोह भक्तलोग अबतक नेकीकेसबबसे;संसारमें.मांनेजातेहें और-भक्त गीनेजातेहें.किजीनकानांम;संसारमें अमरहै सोजबतक,कितुम संसारकी!ओलाद!जींन्दाहै इससेऊन भक्तोंकानांम,ले तेहो-अगर-तुम-संसारकेलोग नहीहो तोऊनकानांम कोनलेवे!सोतुम!संसारके-आ दमी,सलांमतहो तोऊनका नांमभी-सलांमतहै!अगर-ऊन भक्तोंकीतरहसे तुमभी नेकीमेंचलो तोसंसारमें ऊनके मुवाफीक तुम्हाराभी नांम सलांमतरहै परंन्तु--इन बनीयोंने राक्षसीपापसे ऐसीबुधी भ्रष्टकरदीहै किजोकीसी जीवकीदया कीसी. जीवकेउपर नहीरहती और अगले-भक्तलोगोंकेवक्तमें राक्षसबीद्याका पाप जीया दानहीथा.इससे.लोगोंकादील दयामें और नेकीमें बहुतथा-और-राजा,बलके;बा दसे,बनीयोंने राक्षसीपाप चलायाहै!इससेअब,जीव!नेकीपे नहीरहताहै और!यह कीतावोंमें,ऐसालीखदीयाहै किबृहमाने और देवीने और शीवजीने और,कृष्णजी वगेराने जमीन आसमांन-और-रचना-रचीहे-परंन्तु मेरेनजदीक आदमीकेहाथमें रचना-रचनीनहीहे-क्युंकिमालीकने आदमीके हाथमें!रचना!रचनी-नहीरक्खीहे. और नहोसक्ताहे ओर उसकीकुदरत उसीकेहाथहे ओर इनहोंने केइ कीतावोंमें; ऐसा लीखदीयाहे किहनुमांनजीने-परबतको-उठालीयाथा सोदेखोभाइ अपन-आ दमी-क्याचीजहें-कुछनहीहें और परबत कीतना बडाहे;सोपरबततो,जमीनकेहाडहें किजेसे आदमीकेहाडहें उसीतरह,जमीनकेभी.हाडहें,ओर यहभीकहतेहें किसुरज को-मुखमें लेलीयाथा सोकीतावोंमें लीखाहे किऊनहोंमें इतनीशक्तीथी तोखयाल करो किपरबतभी जादुकेजोरसे!उडताहे!ओर!सुरजभी जादुकेजोरसे नीचेउतर ताहे,सोजबकि जमीनके नांमका पापकरातेहें जब जमीनकाजीव दुखपाताहे,ओर

जमीनके हाडवगैराफाडतेहैं जब जमीनको इतनादुखहोताहै और मुसलमांनोंकी कीताबोंमें-ऐसाही-लीखाहुवाहै और मुसलमांनकहतेहैं कि-आंनासागर-जोअजमे रमेंहे.उसको फकीरसाहबने तुंबीमें-लेलीयाथा-और यहभीकहतेहैं किजब.फकीर साहब अजमेरमेंआये जब!घोडेने अपनेपांवकी टापमारी!तोजमीनके सातों पडदे फुटगये परंन्तु-हिंन्दु मुसलमांन.ऐसे,मसतहोरहेहें.किहमारे बुजरग ऐसेहोगयेहें. किजीनहोंने ऐसी२करामातें दीखाइ इससे फुले२फीरतेहें और-बातको नहीसोच तेहें-क्युंकिजलभी जादुकेजोरसे उडताहै-और-जमीनभी जादुकेजोरसे फटतीहै-और,जब जमीन जादुकेजोरसे फटतीहै तोउसको कीसकदर तकलीफ,और दरद होताहै तोऐसे२इन बेइमांनोंने-केइतरहकेरोग-जमीनको-करदीयेहें और फीर-उस जादुको.दुनीयांकेलोगोंको.और फकीरोंको करामातेंसुझादेतेहैं,और,दुनीयांकी,बु ध्दीफेरके जमीनकेसरीरकी भुल.दुनीयांकोपडादीहै.सोवोह दरदवगैरा कोइभी; नहीसमझताहे और-बनीये खुब कोशीशकरतेहैं किहमाराजाल खुबचलरहाहे और दुनीयां करामातोंमें भुलीहुइहै-सोऐसी२बातें-तरह२की चलादीहें किजीसकाकुछ हीसाबनही-परंन्तु-मुझको-इन हिंन्दु मुसलमांनोंकी दो-चारबातें-यादआतीहें-वोह लीखाताहुं अगर मैंपढाहुवाहोता.तोजीयादाबातें.यादहोती अबतुम सब-हिंन्दु-मु सलमांन-पढेहुयेहो-सोखयालकरके इसबातकोसमझो किजोमैंने.अपने?अहलकारसे बोल२के लीखवायाहै उसको-जरुरपढना-और-जबतक-किमुझको बनीयोंने नही दुखीकीयाथा जबतक तोमैंभी संसारकीतरहसे अंन्धाथा और यहजांनताथा कि अगलेलोग करामातीहें और,जबसेमुझे;बनीयोंने,जादुसे दुखीकीयाहै जबइनहोंका जाल.मुझकोभी.मालुमपडाहै क्युंकिजोकीताबें हिंन्दु.मुसलमांनके.जातकीहें—और उनमें हिंन्दु-मुसलमांनके नांम-लीखेहुयेहें-सोबनीयोंने अपनी अकलमंन्दीसे-ली खदीयेहें-किजब-राजा-बादशाह दुसरीवलायतके इन-सोदागरांनके,फरेबमेंआकर हिंन्दुस्तांनके बच्चोंको गारतकरने.केलीयेआवेंगे.और.जब हिंन्दु मुसलमांनोंकी, कीताबोंकोदेखेंगे!जब!यहजांनेंगे कि राक्षसीपाप हिंन्दुस्तांनके-राजा-बादशाहों— और-साधु फकीरोंकाहै क्युंकिहिंन्दु;मुसलमांन.कीताबोंकोपढतेहें और यहसमझतेहें किहम!करामातीहें!और जोकिभुलही भुलकेअंन्दर दुसरी.वलायतकेलोग.इन,सो दागरांनके जालमेंआकर हिंन्दुस्तांनमें-आवेंगे-और कीताबोंकोदेखेंगे और?यह. मालुमकरेंगे-किजाल-हिंन्दु मुसलमांनोंकाहै;जब हिंन्दु-मुसलमांनवगैरा-मारेजावेंगे

और?बनीये अलाहदाके अलाहदा-रहजावेंगे?परन्तु-इन सोदागरबच्चोंने राक्षसी पापकेजादुसे.ऐसी.अअलफेरदेतेहैं जीससे हिन्दुस्तांनके.लोगोंको.करामातही-नज रआतीहै परन्तु यहबनीये.अपने.राक्षसीपापके.जुलमसे तरह२की चीजेंबतातेहैं; और-दीखातेहैं-किजोहम और तुम अच्छीतरहसे जांनतेहैं-किमरेहुये-फीरनहींआ; तेहैं.परन्तु यहबनीये अपने!जादुकेजुलमसे?मुरदोंको!दीखादेतेहैं सोमुरदेतो नही आतेहैं!परन्तु?जोलोग!किभक्त होगुजरेहैं ऊनकेनांमका राक्षसीपाप.करातेहैं.जब वोहपापसे ऊनभक्तलोगोंकी शीकलें,दीखतीहैं,परन्तु,जब हिन्दुलोग हिंगलाजमें जातेहैं,और,आतेहैं,तोऊनहोंमेंसे किजो भक्तहोताहै उसको,हिंगलाजजीकी,सुरत अपने जादुकेजोरसे यहबनीये;दीखादेतेहैं,परन्तु;वोह दरशनकरनेवाले अपनेदेसमें आपीसआतेहैं.तोसंसारके.लोगोंसे कहतेहैं किहिंगलाज?देवीका?बडाभारीपरचाहै और;मैंने आंखोंसेदेखाहै जब.संसारकेलोग.अपनीजबांनसे यहकहतेहैं किजोबडा भक्तहोताहे-उसको.हिंगलाजजीके दरशनहोतेहैं और सीवायेइसके,हिंगलाजजीमें कालकादेवीकी पुजाहै सोवहांभीलोग,दरशनकोजातेहैं.और कालकादेवीपर बक रेका,खुनडालतेहैं,सोजबके खुन जमीनकेउपर गीरजाताहै,जबतो?यहकहतेहैं?कि देवी-राजीनहीहुइहै अगरचे खुनको.देवीके.उपरडाला और वोह-खुनउडगया-तोउसको.परचाकहतेहै.किदेवी खुब राजीहोगइहै क्युंकिदेवीने?मांनलीयाहै.और देवी सच्चीहै सोदेखोभाइ-संसार-परचोंकेभरोसे-भुलाहुवाहै कि-नतो देवीनेखुन उडाया-और-नापीया वोहतो सोदागरबच्चोंके राक्षसीपापका!जादुहै!किजो!खुन-भरा दरशन करनेवालोंको?उडाहुवा?मालुमहोताहै उसीतरहसे मक्का?मदीनाके मुसलमांनोंमेंभी.बडाभारी.पीर और दरशनकीजगह गीनीजातीहै,सो.मुसलमांन उसके दरशनकरनेको जातेहैं?सोमुसलमांनोंकीतो?बादशाही जातहै सोदेखोभाइ इनकोभी.भुलादीयाहै.क्युंकिजब जातेहैं;तोउसवक्त दरशनकरनेवालोंको-ऊटनीके दरशन जादुकेजोरसे सुझादेतेहैं जब वोह यहजांनतेहैं किहमारेउपर पीर-फकीर बहुतराजीहै इससेहमको दरशनहोगयेहैं और हिंगलाजके रस्तेपर चंन्द्रकुपस्वांमी है?सोवहांपर जमीनमाताको जादुके-जोरसे-रोगकीयाहै किजेसे आदमीकेसरीरमें रोगकीवजहसे-नासुरहोजाताहै-और राधपडके गोस्तगलजाताहे.और.राध.बाही रकोआताहै उसीतरहसे इनबनीयोंने.जमीनमाताको.रोगकीयाहे सोजबकि सब; लोगजातेहैं जबयहकहतेहैं कि चंन्द्रकुपस्वांमीजी दरशनदे और,बोल सो जीसवक्त

किआदमी अर्जकरतेहैं तोसुराखमेंसे राध बाहीरको बबकताहै जब यहज्यांनतेहैं किचंन्द्रकुपस्वांमीने-दरशन-हमकोदीये सोयह;हमको खबरनही-किवोह-नासुर,बेरे जीतनाहै यावानडी जीतनाहे.याकम-जीयादाहै.सोऐसेररोग सेंकडों करदीयेहैं इससे-जमीनमाता-दुबलीहोगइहै और;चरबीतक नहीरही.सोइसबातकी;तलाश;क रोगे!जब खबरपडेगी क्युंकि-जमीनमाताको-जादुकेजोरसे तरहरके रोगकरदी येहैं.किजोतुमको.जमीनके सरीरकी धुलडालदीहै इससेतुमको!खबर!नहीपडतीहे चाहे-जमीनको कीतनेही रोगकरदीयेहूं परंन्तु तुमतो परचारकरतेहो और परचों के.भरोसेभुलेहो और हिंन्दुस्तांनके जोतुम हिंन्दु मुसलमांनहो सोतुम सातों;आठों वलायतोंके लोगोंको और.अंग्रेजोंको.इन.सोदागरांनके जालकीखबरदो और-जोकिमैंने-बनीयोंके-जालकी कीताबलीखवाइ उसकोदेखरके.अर्जकरो.कि?हिंन्दु स्तांनऐकहे और दुसरीवलायतें-सात-आठहैं-सोयह जीयादाहैं और?तुम्हारीऐक वलायतहे!और!यहबनीयेतो धनीमार;जातहे सोइनहोंकेछलोंको!मैंने!अच्छीतरहसे पहीचांनलीयेहैं इससे थोडा.बहुतलीखताहूं,कियह.बनीयेतो सातों आठोंवलाय तोंको-हिंन्दुस्तांनमें-लावेंगे और तुमकोमरवादेंगे सोदुसरी.वलायतके,आनेवाले-ऐसानहीजांनेंगे किबनीये राजकरनेवालेहैं-और-यहीकुलंकीहैं और यहीसबको-गारतकरेंगे-ऐसा-बीलकुल नहीसमझेंगे और बनीयेजादुसे-नहीसमझनेदेंगे-सोयह बुध्दीकोफेरदेंगे सोऊनकोभी दगाकी.खबरनहीपडेगी.क्युंकिबनीयोंका दगा और फरेब!बडाभारीहे!और इनहोंने इसीतरहपर सोचाहै किजीसतरहसे!हमने!हिंन्दु स्तांनकाधन अपने कबजेमेंकरलीयाहै-उसीतरहपर-सातों आठोंवलायतोंका धन काबुमेंकरलेंगे-किजेसे-रावणवगैराने राक्षसीपाप करके.बीचारलीयाथा.इसतरहसे इनबनीयोंनेभी अपनेदीलमें बीचाराहे?सोदुसरी?वलायतके लोगोंको यह?खबर नहीहे!किहमाराभीधन!कबजेमेंकरके और हमारी ओलादको!गारतकरके!कुल-व लायतोंमें थोडेसे आदमीरहजावेंगे जब यह बेइमांन हमारीओलादकेउपर रावण वगैराकीतरहसे छलकरके राजकरनेको करेंगे सोयह मालुमहोवे जबतो दील्लीमं न्डलका लोभतकनहीकरें और-दील्लीमंन्डलका-राजकरनेपर खाकडालें और-सो दागरबच्चोंके-जाततकको-नहीरक्खें बलके घांनीमें पीलवादेवें-परंन्तु-बनीयोंके!क पटका भेदनही ऐसेभुलहीभुलमें.सातों.आठों.वलायतोंकेलोग और हिंन्दुस्तांनके हिंन्दु!मुसलमांनके!बच्चेमारेजावेंगे इससेमैं हिंन्दु मुसलमांनके!बच्चोंको!इन!सोदाग

रांनके जालसे वाकीफकरताहूं क्युंकियह बनीये सबको गारतकरेंगे सोतुम-हिंन्दु स्तांनके.लोगोंकी.औलादमेंसे अगर कोइभी जबतक जींन्दारहै—और.कीसीतर हकी तकलीफ नहीपहूंचे,तोइनके,जालकी,खबर,दुसरी वलायतोंके लोगोंकोदेना किबनीयोंका-जाल-संसारकी कोशीशसेमीटे अगर दुसरीवलायतोंके-लोगोंको-वा कीफ नहीकरोगे तोजाल?कभीनहीमीटेगा-और?भुलहीभुलमें सब संसारकेलोग मारेजावेंगे और-तुम हिंन्दुस्तांनके हिंन्दु मुसलमांनकी सातों-आठों वलायतोंके-लोगोंकेआगे और?राजा बादशाहोंकेआगे हाथजोडके यहकहो किइन बनीयों-बेइमांनोंके-जालतो-रावण हरनाकुशके मुवाफीकहैं और?हमलोग-इनके-जालकी वजहसे आपुसमें लड२के-मरतेजातेहैं-और-फीर-यह-बेइमांन हमको दुसरीवला यतोंके!हाथोंसे!मरवादेतेहैं और अखीरमेंतो भुलहीभुलमें यह!सोदागरबच्चे!सातों आठों वलायतोंको अपने.राक्षसीपापसे.गारतकरदेंगे.और हमलोगतो इनके-जा लोंसे-पागलके-मुवाफीकहोगयेहैं सोइसमें तुम ऐकरतीकी-भुलमतसमझो-और-इन बनीयोंने हमलोगोंकी बुध्दी-ऐसी-खराबकरदीहै-किजोइनका राक्षसीजालहै उस को.हमलोग करामात समझतेहैं और करामातके भरोसे भुलेहुयेहैं और जोआप, लोगोंको जबयह हिंन्दुस्तांनमें,लातेहैं—तोहमको;आपलोगोंकी नजरोंमें कुलंकीसु झातेहैं;और हमकोहमारी बुध्दीफेरके हमारीनजरोंमें आपलोगोंको कुलंकीसुझातेहैं और-यह बेइमांन ऐसी२बातें-पहीलेसे-चलादेतेहैं-किहिंन्दुस्तांनकी बाततो दुसरी वलायतोंके-आनेवालोंके-सांमने यहचलातेहैं किहिंन्दुस्तांनमें-हिंन्दु—मुसलमांन—कु लंकीहैं और हिंन्दुस्तांनके-लोगोंकेसांमने-यहबात चलादेतेहैं किहिन्दुस्तांनमें?दुस री-वलायतोंके आनेवाले कुलंकीहैं और आपचोर अलाहदाके अलाहदा रहतेहैं. और हिन्दुस्तांनमेंतो करामातोंके.बहांनेसे.राक्षसीजालकी कीतावें और—पुस्तकें चलादीहैं और पुस्तकोंमें हिन्दु मुसलमांनके बुजगोंके नांमलीखदीयेहैं किजब हि न्दुस्तांनमें दुसरी वलायतकेआवेंगे और ऊन कीतावोंमें और-पोथीयोंमेंनांम हि न्दु:मुसलमांनोंके;बुजगोंकादेखेंगे तोजाल-हिन्दु मुसलमांनोंकाही;साबीतहोगा,सो यहबात आपलोगोंके समझने.ओर.सोचने.ओर.खयालकरनेके लायकहे किजो चोर,चोरीकरेगा,तोवोह अपना नांम कब प्रगटहोनेदेगा ओर;नांम;चोडेआनेदेगा तोऐसी बातपर खयालकरो,किजो,जाल,हिन्दु,मुसलमांनकाहोवे तोवोह जालकी कीतावों और पुस्तकोंकेउपर और अंन्दर नांम अपने बुजरगोंका क्युंलीखें और

अपना नांम क्युंचोडेआनेदेवें–यहतो सोदागर–महाजनांनके जालकी कीतावेंहें सोइनहोंने-अपना-नांम चोडे नाआनेकेवास्ते अपने नांम-कीतावोंमें?नहीलीखेहें और हिंन्दु मुसलमांनके.बुजगोंके.नांमलीखदीयेहें.और जोकीतावें जालकी-इन सोदागर.महाजनांनके.घरोंमेंहें ऊनमेंभी नांम हिंन्दु मुसलमांनोंके.बुजरगोंकाही. लीखाहुवाहै बनीयोंके बुजरगोंका-कीतावोंमें-नांमभीनही और यह,बेइमांन,सब संसारके-बच्चोंको-गारतकरके अपने बच्चोंका राजकरावेंगे-और-जोकिइन-बनीयों का;जाल प्रगटहुवाहै सोसबको-भुलादेंगे-और-कहेंगे किहमारा जालप्रगटमतकरो और,आगे,बादशाहोंकोभी भुलादीयाथा क्युंकियह बनीये,बडेकाफीरहें,कि-लोभ देके-भुलावेंगे सोतुम लोग.इनबनीयोंके.लालचमें.मतआना अगर लालचमेंभुलोगे तोतुम-अपनेबच्चोंको-मरवाओगे और मै तुम्हारे बच्चे-बचनेकेलीये-अर्जकरताहूं क्युंकिमुझको सभोंकी दयाआतीहै-इससे-बनीयोंके-राक्षसीपापसे वाकीफकरताहूं किसबके.बच्चेबचें.क्युंकिइन बनीयोंकी दुकानें दुसरी.वलायतोंमें.पहूंचगइहें–कि जोदरीयावोंके पार वलायतेंहें.और.वहींपर.धनकोलेगयेहें किजेसे रावण,धनको लंकामें-लेगयाथा-उसीतरहसे यहबनीयेभी लेगयेहें सोअब-बनीये-हिंन्दुस्तांनमेंसे हजारोंतरहके फरेबकरके नीकलजावेंगे?क्युंकिधनको?इनबनीयोंने पहीलेसे दरी यावोंकेपार-पहूंचादीयाहै-इससे चलेजावेंगे और जबतक-कि-पेसा-थोडा?बहुत– लोगोंके पासदेखेंगे जबतक-हिंन्दुस्तांनमेंरहेंगे-परंन्तु तुम-लोगोंको भुलादेंगे?कि पेसा.हमारेपास.नहीरहा सोयहबात;अभीसे कहतेहें.कि.बनीयोंकेपास.पेसानही;र हैगा-सोयह बनीये संसारके.लोगोंको.दीखानेकेलीये देवालेभी नीकालनेलगेहें, सोयह-खयाल-करनेकीबातहै किकीसने इनकेपाससे पेसा,छीनलीयाहै,किजोइनके पासपेसा नहीरहाहै या नहीरहैगा-और-यह-बेइमांन पेसातो रावणके मुवाफीक दरीयावोंकेपार.खेंचके.लेकरतो आपगयेहें और फीर-अपनेपास-पेसानहीबतातेहें और-जीस टापुपर यह,चलेजावेंगे,फीरतो,गुपतीपाप करानेवालोंको कह२करके खुब.पापकरावेंगे.और सातों आठों वलायतोंमें जादुसे.बीमारी.वगैराकराके.या; बुधीफेरके आपुसमें लडा२के-या-कालवगैरा-पडा२के गारतकरदेंगे और-जब-सब-वलायतोंमें-थोडेसेआदमी रहजावेंगे जबयह जांनजावेंगे-किअब-कुल-वलाय तोंमें,हमारेसे कोइ लडनेके,लायकनहीहें,जब,कुल,वलायतोंमें अपना राजकरेंगे; सोइसीवास्ते.यहजाल.इनबनीयोंने चलायाहै किजो धन.दुनीयांका,बनीयोंने,का

बुमें-करलीयाथा वोह बनीयोंके-पासथा-परंन्तु-बनीयेकहतेहैं किहमारे पासनहीहे सोइन.बनीयोंके.फरेबोंको खयालकरो और पुछो किधन,कोइआदमी,थोडाहीथा जोउठके चलागया सोयहतो,इन,बनीयोंका.जालहै,क्युंकि बनीयोंने संसारकेलो गोंकी,अकल-अपने-राक्षसीपापसे खराबकरदीहे किजीससे-संसारकेलोग-बनीयों कीसी कहनेकोलगतेहैं और-तुम-हिंन्दु-मुसलमांन-ऐकहीटापुमें पेदाहुयेहो और. भाइके-मुवाफीक-भाइहो परंन्तु राज तुम्हारा जातारहा और.नोकरी.और?मजदु रीकरके खातेहो तोभी,संप,नही सो,राक्षसीपापसे,ऐसी बुद्धी भ्रष्टकरदीहै-कि-राज;तक-तुमलोगोंका-लेलीयाहे तोभीखबरनही सोदेखोभाइ-हिंन्दुओंनेतो-मुसल मांनोंका क्यालीयाहै और-मुसलमांनोंने-हिंन्दुओंका क्यालीयाहै किजोआपुसमें गुस्साखातेहैं.और.संपनहीरखतेहैं सोयह सब सबब राक्षसीपायकाहै.क्युंकि,राक्ष सीपाप ऐसा जुलमीहोताहे,किबुद्धी-खराबकरदेताहै.क्युंकिपहीले ऐसे२भक्तलोग थे,किजो-देवतासरुपी-समझेगयेहैं वोहभी इसजालसे कायल-होगयेथे-फीर,ऊनहों ने-काफरोंका जुलमदेखके ऊन.काफरोंकोमारके.बीलकुल राक्षसीपापको मीटा; दीया.किजोफीर.सतजगहोनेलगा और आपुसमें संसारके.संपहोगया.किजोऐक को-ऐकदेखके जीतेथे और,हरऐकके,दीलमें,दया,और नेकी उत्पनहोतीथी-फीर अच्छे.कर्म्म.करनेकीवजहसे सबही संसारकेलोग नेकीमें.चलनेलगे.और!कीसी२ अखबारोंमें पहीलेसे ऐसी२बातें-लीखदीहैं-कि-फलांने बरसमें लडायांहोंगी,और बडे२ओफीसर!और!राजा महाराजा मारेजावेंगे जब?हिंन्दु!और'मुसलमांनोंमेंसे ऐक-शखस ओतारी पेदाहोगा!और!यहदेखेगा!किअब संसारकेलोग आपुसमें. कटकर.मरजातेहैं.जब.संसारके शांमीलहोके वोह ओतारी.शखस.अपना?परचा दीखावेगा और अपना,अमलकरेगा.जब.संसारमें,अच्छीतरहसे अमन चेनहोगा सोदेखोभाइ,यहबातें,सबलीखीहैं सो खीलाफहैं परंन्तु यह.सोदागरबच्चे.अपने. राक्षसीपापके जादुसे ऐसाकरेंगे और लोगोंको सुझावेंगे किजेसालोग अपने,दी लमें ओतारहोनेका खयालकरतेहैं परंन्तु वोह शखस बनीयोंके कुळकाहोगा सो; अपने कुळकेलोगोंको तो,कुछ?नुकसांन;नहीपहूंचावेगा?और,तुम हिंन्दु मुसलमां नोंको,मारेगा,और,जोकिउसके हुकमको मांनेगा और,उसके,हुकमके,मुवाफीक. चलेगा ऊनको नहीमारेगा,और,जोकिउसकी,हुकम अदुलीकरेगा ऊनकोमारेगा और.जोकितुम.ओतार२कहतेहो सोयह राक्षसीपापका.जादुहै.क्युंकिजेसे;हम;तुम

सबही वलायतें!मनुष्य ओतारहें.उसीतरहसे.तुम्हारी.ओलादभी मनुष्य ओतार है,सोयहबात!हमेशांसेहै!किजबसे रचना इश्वकी कायमहुइहे!जबसे!मनुष्य!ओता रहीहें और-जोकि अखबारोंमें-मनुष्य-ओतारोंकेहोनेका लीखतेहें-वोह क्याओता रहै;किजो-पहीलेतो-आपुसमें लडकर कटमरेंगे जबवोह.ओतारीआवेगा,जब,संसा रमें सुखप्राप्तहोगा सोयहतो,नांमरक्खाहुवाहै,कियह,मनुष्य ओतारहें और,यह-चारपाये,और.पंखेरु,ओतारहें इससे मेराकहना यहहै कितुम,सातों.आठों.वलाय तोंकेलोग आपुसमें हेत-इरादारक्खो-कितुम्हारी-और-सबकी ओलादें सलांमतरहें और-जोकि-लोगोंकेनांमका राक्षसीपाप पहीलेसे चलादीयाहै.सोयह.राक्षसीपाप इनबनीयोंने दुसरोंके नांमसे इसगर्जसे चलादीयाहै किहम बनीये अपने-जालसे कीसीपर-जाहीर-नहीहोंगे और अलाहदाके अलाहदा रहजावेंगे-क्युंकिजब-हम-अपने कुळमें,हिन्दु मुसलमांनका!बेटा!बनाके!रखदेंगे!किजब हिन्दु मुसलमांनके; कोममें.कीसी.राजा.बादशाहके लडका पेदाहोगा तोउसको.यहबनीये.अपने-राक्षसीपापसे छांने मारदेवेंगे-और-उसकी-शीकलका-लडका यहबनीये अपनी,जातके!लडकोंमेंसे!बेठादेवेंगे किजीसको तुम ओतारकहतेहो!उस;रोज!यह-बनीये;ऐसी,कलाकरेंगे और तुमको,जादुसे,याने,तुम,राजा,बादशाहोंका बेटा किजेसा,तुम्हारे-बेटाथा-वेसाही,सुझादेंगे जीसकी खबर तुमको बीलकुल-नहीपडेगी-बलके, तुम;यहजांनोगे किहमारा बेटाहै,क्युंकितुम्हारी,नजरको राक्षसीपापसे बंन्दकरदेंगे जब!हिन्दुओंकी!जातकेतो!यह जांनेंगे किहमारी जातका!बेटाहै!और!जब-मुसलमांनोंकी जातका बेटाबनाके,रखदेंगे,जब,मुसलमांनकी जातके-यहजांनेंगे कि.हमारी.जातका;बेटाहै;परंन्तु बनीयेलोग ऐसाजांनतेहें किजीसकदर.जलदी.कट२के मरें;और थोडेरहजावें तोहम!अपना-राजकरें!क्युंकि अखबारके लीखनेवाले;और टीपनोंके,बनानेवाले,हिंन्दु मुसलमांनकी जातकेहें सोऊनकोतो,लीखनेकी;वजहसे कुछ-दोश कीसी तरहकानहीं,क्युंकि,नमालुम,कि,सोदागर बच्चोंकी कीतावोंमेंसे देख२के!लीखतेहें!या-फकीरोंके मुहसे सुनके लीखतेहें-या.ऊनकेघटमें.राक्षसीपापसे,सुझादेतेहें जीससे लीखतेहें,जीसकी;खबरनही,इसकीतो वही अखबार;लीखनेवाले-और,टीपनोंके-बनानेवालेजांनें परंन्तु अखबारके!लीखनेवाले.और!ठीपनोंके,बनानेवाले तो,इन बनीयोंके.जालकी.कीतावोंको.इससे मांनतेहें किबनीयोंने अपनी;अकलमंन्दीसे;हिंन्दु मुसलमांनके बुजरगोंका नांम.ऊन;जालकी;कीतावोंमें

लीखदीयाहै इससेऊन कीतावोंको,हिंन्दु,मुसलमांन,अपनी जांनतेहैं देखोइसकदर जाल होताजाताहै तोभी नहीसोचतेहैं सो खयालकरना चाहीये किजब हम.कट कटके,मरजावेंगे,जबतो,नीहायतही बुरीबातहै परंन्तु,इनबनीयोंने,यहकेसी,अकल मंन्दीकीहै किहमारी जातका,शखस.हिंन्दु,मुसलमांनके जातमें.बेटा होकररहैगा जब,हिंन्दु,मुसलमांन,उसको अपनाजांनेंगे किहमारी जातमें,पेदाहुवाहै,इससे,भुल ही,भुलमें रहजावेंगे और,उसको,परमेश्वके,मुवाफीक,जांनेंगे सो,आदमीतो बंन्दा गांन्दाहै परमेश्व कीसतरहसे होसक्ताहै क्युंकि परमेश्वकीतो जोत;सब जीवा;जुनमें प्रघटहै.सोवोह.क्यापरमेश्वहे और वोह कब परमेश्व होसक्ताहै.परंन्तु.बनीयोंने;रा क्षसीपापके जादुसे अकल,ऐसी,खराबकरदीहै,कि.जीससे ऐसाहीसुझताहै क्युंकि जादुकेजुलमसे?आदमीको?परमेश्व सुझादेतेहैं सोयह अकलमंन्दी;इन;बनीयोंने;इस गर्जसेकीहै किजब हमारीजातका,शखस,इन,हिंन्दुओंके,जातमें बेटाहोकेरहैगा;और जबके,लडाइ,और,दंगावगैराहोगा जबइन हिंन्दु मुसलमांनका,बेटा.ओतारी,हमा रीतरफको देखेगा तो हिंन्दु-मुगलमांन-हमारी-जातका नांम बीलकुल नहीलेंगे, ऐसे-ओतार-होनेकीबातें पहीलेसे जालकरके संसारके-लोगोंको-राक्षसीपापसे--सु झादीहैं परंन्तु अखबारवालों!और!टीपनोंवालों!और बनानेवालोंको इन,सोदाग रांनके-जालोंकी-बीलकुल खबरनहीहै वोहतो जालकी.कीतावोंको.देख२के.और लोगोंकी जबांनी सुन२के,लीखदेतेहैं,वेसाही,होजाताहै,परंन्तु होतातो उसीहाल तमेंहै,किजब!चोरासीलाख!कूंन्डीयोंके उपर यहबनीये पापकरातेहैं-जब-वोह;टीप नों-और अखबारकीबातें सच्चीहोजातीहैं-और;जो-पापनहीकरावें तो कीसीकाभी बुरानहीहोताहै.परंन्तु.यह.अकलमंन्दी बनीयोंने अखबारवालोंके.मरानेकेवास्ते-- कीहै!किजब कोइशखस समझेगा,तोयहजांनेगा,किजीनहोंने अखबार और,टीपने बनायेहैं,और,चलायेहै,वही राक्षसीपाप करनेवालेहैं क्युंकिइनको,पहीलेसे,खबर, पडीहै,इससे इनहोंने अखबारको,और,टीपनोंको,बनायाहै परंन्तु अखबारके,बना नेवालोंका-राक्षसीपापनहीहै-यहतो बनीयोंका राक्षसीपापहै-परंन्तु-बनीयेबेइमांन; ऐसेहैं,किजो संसारकेनांमका पाप;आपुसमें,लडाइकरानेके करादेवें तोभाइ२आपु समेंलडकर,मरजावें,अगरचे राक्षसीपापका कराना संसारके,नांमसे,थोडा,बहुत छोडदेवें तोसंसारके लोगोंकी-अकल-दुरस्तहोजातीहै-जब संसारकेलोग यहकह नेको.लगजातेहैं.किक्युंलडें हरगीज२नहीलडना चाहीये.फीर.इसीतरहकाखयाल

करके नहीलडतेहैं बलके लडना छोडदेतेहैं सोदेखोभाइ किजब यहबनीये-संसा
रकेनांमका-राक्षसीपापका-करना छोडदेतेहैं,जब कीसीकाभी;बुरानहीहोताहै;और
ना संसारकेलोग आपुसमें.कीसीके.नांमका.बुराचाहतेहैं और ना,करतेहैं-परन्तु
यहबनीये.कुलपापको.नहीछोडतेहैं और जबके थोडा बहुत-छोडदेतेहैं?जब!लडा
यांभी बंन्दहोजातीहैं जबही!संसारकेलोगोंको!जादुकेजोरसे ऐसा सुझादेतेहैं—कि
कोइओतार!पैदाहुवाहै!परंन्तु संसारकेलोगोंकी;अकल खराबकरदीहै.किकुछ.नही
सोचते हालांकि इर्श्वकेघरमें,सिंघ,और,बकरी,शांमीलचरती ऐसा संपथा-परंन्तु;
लोगोंकी.अकल;ऐसी.खराबहोरहीहै किजो ऐककेलीये.ऐकखानेको;दोडताहै.सो
यह राक्षसीपापका सबबहै-क्युंकियह-सोदागरबच्चे-आदमीकोभी संसारमें परमेर्श्व
सुझादेतेहैं-और-परमेर्श्वको संसारकेलोगोंसे;भुलादेतेहैं किजीसने-जमीन-आसमांन
बनायाहै और रचनारचीहै,परंन्तु.इसबातको.कोइभी.नहीसोचताहे सोयह राक्ष
सीपापका.सबबहै.क्युंकि राक्षसीपाप ऐसाबुराहै किकुछका.कुछ,सुझादेताहे.और
भुल,डालदेतेहैं सोइसबातको-तुमलोग?अच्छीतरहसे-समझो और राक्षसीपापको-
भीडाओ-तोसभोंकी-ओलादबचे क्युंकियह राक्षसीपाप-बनीयोंकाहै,और-यही ? अ
पने-राक्षसीपापसे संसारको कुछका,कुछ,सुझादेतेहैं,और,कुछका कुछ करदेतेहैं—
जीससे-संसारकेलोग-यहकहनेको लगजातेहैं और इर्श्वको.भुलजातेहैं.सोसंसारके
लोगोंकोतो कुछदोश कीसीतरहकानहीं-क्युंकिबुद्धी-राक्षसीपापके जुलमसे केदक
रदीहै,क्युंकियह,बनीये,बेइमांन ऐसाकरतेहैं किजीसका राज,डबोनाहोताहै,तो,प
हीले-अपने राक्षसीपापके जुलमसे!उस!राजा!बादशाह किजो राजगादीपर,बेठा
होवे-उसकीबुद्धी-भ्रष्टकरदेतेहैं जबवोह;राजा बादशाह-दुनीयांमें-इन्साफ-नहीकरते
है.बलके जुलमकरनेको लगजातेहैं-और-जीसकीबुद्धी भ्रष्टनहीकरें और;राज,खो
नाहोवे,तोउसको,मारदेतेहैं जबयह बनीये अपने कुलमेंसे,सलाहकरके.अपने.कुल
का-आदमी उस?राज गादीपर.बेठादेतेहैं.किजीसको मारदेतेहैं अगरचे?वोहभी-
जुलमकरनेको.लगजावे.किजो बनीयोंने अपने कुलका.बेठायाहोवे.तो-बदनांमी.
राजा बादशाहोंके कुलकोहीदेतेहैं-तोबदनांमीभी-ऊनकोही-लगतीहै और जबकि
राजडुबा-तोकुल-और-ओलादडुबी जीनका कि राजहोवे-अगर-यहबनीये ? अपने
राक्षसीपापसे नजर बंन्दकरदेतेहैं,किजबतक,वोह,राजका करनेवाला बनीया,जीं
न्दारहवे.और.जोकि.राजा बादशाह मरजातेहैं जब यहबनीये.अपने.कुळ.ओला

दके-आदमी उस,राजा बादशाहकी,जगहपर,किजो,राजा बादशाह मरगया,राज करनेको.बेठादेतेहैं.और.वोह राजकरताहै तोवोह राजका.करनेवाला.बनीया.कि जो.राजगदीपर राज करनेकेवास्ते,बेठा,वोह,राजा,बादशाहकी ओरतोंको और ऊनकी-ओलादवगैराको-उसकी सुरत जादुके जोरसे-राक्षसीपापके-करनेवाले-ब नीये,हुबहु वेसीही दीखादेतेहैं;किजीस;शीकलका;राजा बादशाह मारदेतेहैं;और वेसीही,शीकल,और,सुरत मअे कांन और नाक वगैराके,अपने,जादुकेजोरसे,दी खादेतेहैं चाहेउसकी रानीहो,या,माहो,परंन्तु,पहीले,ऊनकी नजरोंको राक्षसीपाप के-जुलमसे.बंन्दकरदेतेहैं.किजोउस राजाकी रैयत और;कुळके;आदमीवगैरा;और अहलकार वगैराहोतेहैं ऊनकीनजर-बंन्दकरदेतेहैं-जबऊनको ऐसाही सुझताहै-कि राजका-धनी,यहहै-परंन्तु ऊनको यहबात मालुम नहीहोतीहै-किहमारा-धनी—मा रागया और,यह दुसरा,छलकरके.और.ही,धनीआयाहै सो,मालुम नहीहोताहै. क्युंकिजब.नजर.बंन्दहोजातीहै जबकुछ मालुम नहीहोताहै.और.अलावाइसके.ऐ सामी,करदेतेहैं किजो राजा;बादशाहको;नहीमारें;तोउसकी राक्षसीपापसे बुद्धी-भ्रष्टकरदेतेहैं-इससे,वोह-जुलमकरनेको लगजातेहैं और राजको-डबोदेतेहैं,और,ज बके-जुलम करतेहुये देखतेहैं,तोदुसरे,राजकोलेलेतेहैं,जबवोह आपहीआप डुबग या-सोइन;बनीयोंके;ऐसेरजालहैं क्युंकिजब बाजीगर तमाशाकरतेहैं;तो,तमाशगीर जमेहोतेजातेहैं तोउसवक्त सबकी-नजर-बंन्दहोजातीहै तोऊनको बाजीगर;अपने तमाशोंसे-तरहरके-दरखत-फलदार और रुपीया पेसावगैरा?दीखादेतेहैं-सो—सब लोगदेखतेहैं और सबकहतेहैं,कि,बाजीगरोंका,जादुहै,सोइस बातकी खबरतो,दु नीयांको,अच्छीतरहसे,मालुमहै परंन्तु यह जादुभी बनीयोंके;राक्षसीपापसे;होताहै क्युंकिजब बनीये राक्षसीपापको!करतेहैं!जब!बाजीगरोंका जादुचलताहै परंन्तु, बाजीगरोंको.मालुमभीनहीहै.वोह तो यहजांनतेहैं कि हमने.कीसीदेवताको.बसमें कीयाहै,जीससे हमारा जादुचलताहै,परंन्तु,सब,कांमकाहोना बनीयोंके राक्षसी-पापसेहै-परंन्तु-बाजीगर-ऐसे भुलगयेहैं किजो भुत पलीत-और-देवतोंके-नीसबत कहतेहैं किहमने,बसमें करलीयाहै-जीससे-जादुचलताहै सो,सब गलतबातहै;क्युं कि.जीसतरहसे.रावणने.तीन लोककी बुद्धी बसमें करलीथी.उसीतरहसे—इन—ब नीयोंनेभी तीन,लोककी बुद्धी,बसमेंकरलीहै,परंन्तु,बुद्धी राक्षसीपापकी वजहसे; बसमेंकीहे-किजीसकोतुम-स्वर्ग और नर्क कहतेहो वोह?बनीयोंके-घरका-राक्षसीपा

पहै-परंन्तु उसी राक्षसीपापसे,बसमें.करलीहै.किजो,बाजीगर और कारबेलीया किजोकोइ,संसारमें,जादुको सीखके सीखाताहै और ऐक२के,पाससे,सीखतेहें;सो यह,रस्ता बनीयोंने पहीलेसे-चलादीयाहै-सो-सुन२के-और देख२के करनेकोलग जातेहें.और.फीर.ऊनके घटमें देवतों और भुतोंका सुझादेतेहें.जीससे.वोह,बाजी गरवगैरा यहजांनतेहें किहमने,देवताको,और,भुत,पलीतको बसमेंकीयाहै जीससे हमारी!करामातचलतीहै!और जोकि भुत पलीत सुझातेहें वोह!बनीयोंका!गुपती पापहै,कि,जीसको दुनीयां स्वर्ग!नर्क,कहतीहै,और!चोरासीलाख कूंन्डीयां राध लहुकी;बतातेहें-वोह-बनीयोंके घरका अलोप पापहे सोयह-बनीये-इस;गरजसे;लो गोंकेदीलमें सुझातेहें किजो;बाजीगर;और;कारबेलीया;और संसारकेलोग सीखते हें,सोयह-बनीयोंने-सभोंको मरानेकेवास्ते अकलकीहै किजब.कोइ.करेगा.तोयह, जांनेंगे कि,जादुतो यहकरतेहें-जीससे-जादुचलताहै-क्युंकिवोह संसारको दीखाके करतेहें!जीससे!वहीपकडेजावेंगे सोयह संसारकोतो खबरनहीहै!किहमारे!मुवाफी क,यहभी जादुमें,केदहें सोयहतो,बीलकुल,खयाल,नहीकरते कि.बीचारे भुलमें-मारेजावेंगे-क्युंकिइनहोंसे-जादु नहीचलता वोहतो बनीयोंका-अलोप-पापहोरहाहै क्युंकिगुपती पापके करानेमें,हजारों,रुपीया,खरचहोताहै जब,राक्षसीपाप चलताहै और.जोकि.दुनीयांमें.तमाशा दीखातेहें ऊनको बनीयोंके.भेदकी.खबरनहीहै.अ गरचे खबरहोवे किबनीयोंने!हमारेबच्चे!मरानेको!यह राक्षसीपाप चलायाहै,कि, जीसको-हमने-खेलसमझके सीखाहै अगर यह मालुमहोवे-कियह;बनीयोंका-जादुहै तोकभी तमाशावगैरा नहीकरें;और;ना;करनासीखें;और;ना कीसीकोदीखावें क्युं कि,वोहतो,बेचारे-भुत-पलीत और देवताओंके बहानेसे भुलेहुयेहें,क्युंकि,राक्षसी पापके करनेवाले बनीये-चोडे-नहीआतेहें-इससे-संसारकेउपर और सभोंकेउपर इनबनीयोंके.राक्षसीपापका.साया पडाहै इससे सभोंकी अकल.फीरीहुइहै.जीससे यहबनीये अपने,जादुसे लोगोंकी;बुद्धीफेरके;और;ऊन बाजीगरोंको मरानेकेवास्ते ऐसाजादु-करवातेहें-और-जब इनबनीयोंको अपने-कुळके-आदमीयोंको ? राजकरा नाहोवे तो,राजा बादशाहको!मारदेतेहें!और!जीस घोडेकेउपर या-जीस,सवारी केउपर;राजा;बादशाह सेरकरनेको;या;शीकार खेलनेको!गयाहोवे;तोउसको;वहांपे मारदेतेहें और,उसी अपने,कुळके!आदमीको,उसकी सवारीपर,बनीये राजा.बा दशाहकी-शीकल-बनकर वापीस;घरआताहै;और राजा-बादशाहकीतरहसेही-सब

कामकरताहे जीससेकुछ-मालुम-नहीहोताहे-और-वोह-राज करतारहताहे इसबात को,तुम!संसारकेलोग!सच२जांनना और इसतरहसे खयाल!नकरना!किइस—की तावमें,ऐसी बेहुदाबातें क्युंलीखवाइहैं!किजेसे!कोइलड्का नादांन बावला!और बेवकुफ-बातेंकरताहे-इसतरहसे यहबातें लीखवाइहें परंन्तु-गरीबकी-हाथजोड्कर अरजहे किजोमैंने इनबनीयोंके-जालकी,बातें,अपनी-जबांनसे कीतावमें बोल२के लीखवाइहैं-वोह-दुरस्त और सहीजांनताहूं ओर तुमभी दुरस्त-ओर-सहीजांनो—ओर,बावला ओर,अहमक ओर-नादांन-ओर-बेवकुफ ओर,गेले बच्चोंकीसी? बा तोंपर.खयाल.मतलाओ.क्युंकिमैं बनीयोंके राक्षसीपापमें.केदहोरहाहूं.ओर.तुमको इनबनीयोंका राक्षसीपाप मालुमनहीहे,जीसवक्तमें,रावणने जाल चलायाथा,तब सीता,व,रांमचंन्द्रजीको,धोकादीया याने जादुसे भेस बदलके,हीरनहुवा,ओर,रां मचंन्द्रजी ऐसा नहीजांनतेथे!कि,रावणहीथा,असलमें?रावणहीथा परंन्तु जादुके जोरसे-हीरन-मालुमहुवा यहतो सनीश्वरजी महाराजने-वाकीफकीया-अगर.वोह बात.दुरस्तहे तोयहभी सही;समझना.तुमलोग;मुझको बावला व गेलावगेरा जां नोगे,क्युंकिइन,बनीयोंने,मुझको अपने राक्षसीपापसे अगले,देवतोंके.चहरे,किजो भक्तहो२के मरगयेहैं ऊनके,चहरे,दीखायेहैं,क्युंकिजब,कहींका राजा बादशाह;की सी,मुलकमेंआताहे,तो,गरीबका चहरा सुझादेतेहें किकोइ,गरीब,कीसी,मुलकका. आया हे ओर जब कोइ गरीब कीसी मुलकका आता हे तो जादुके जोरसे, राजा बादशाहका चहरा सुझादेतेहें कि—राजा बादशाह कीसी मुलकका— आयाहे.सोइन.बनीयोंके करतुतोंको मैंने अच्छीतरहसे देखलीयाहे.ओर.देखताहूं, कियह बनीये,बेइमांन अपने,राक्षसीपापकी,वजहसे,हरऐकका चहरा सुझादेतेहें, परंन्तु,मैंऐसा,गेलानहीहूं,यहतो बनीयोंका जादुहे सोकुछका,कुछ,सुझादेतेहें,क्युंकि मैंअपने उपर,बीतीहुइ लीखताहूं!सोइसमें!बीलकुल!झूठनही इसमें झूठहोवेतो;तुम संसारके.लोग.मुझसेकहो.कि जीसको तुम चोदहवीं या.सोलहवीं.बीद्याकहतेहो, वोह.क्याचीजहे सोवोह कहींपर,सुनीहोगी.और,कीसी२कीतावोंमें ओर पुस्तकोंमें लीखीहोंगी सोतुम कहतेहो कि राजा भोज चोदहवीं ओर पंन्दरहवीं ओर सोल हवीं,बीद्या सीखनेको गुरु,गोरखनाथके,पासगयाथा,ओर साथमें बोलीया,धोबी गयाथा.परंन्तु.जबके.गोरखनाथजीने राजा भोजको.पंन्दरहवीं.सोलहवीं.बीद्या, सुनाइ!जब बोलीया धोबी बाहीर खडाथा सो बोलीया धोबीनेभी सुन!लीया

सो-राजा भोजनेभी सीखली-और.बोलीया-धोबीनेभी सीखली सोदुनीयांमें-इन का,कीस्साभी,कहतेहैं,सोकीसी२कीतावमेंभी कीस्साका,हाल,लीखाहीहोगा;सो;ज बकि-इन दोनोंने,चोदहवीं और,पंन्दरहवीं?वीद्या,सीखली सोजबकि राजाभोज घोडेकेपास,स्वारहोनेको,आया तोबोलीया,धोबीने राजा,भोजसेकहा,कि,अंन्दाता गोरखनाथ महाराजने क्यासीखायाहे-सो-मुझकोभी बताओ,जब राजाभोजनेकहा किमुझकोतो-कुछभी-नहीसीखाया हमतो युंहीं सत संगतकरतेथे-जब-बोलीया,धो बीनेकहा किजोबात आपने!गोरखनाथजीसे,सीखीहै!वोह मैंनेभी सीखलीहे,क्युं कि.जब.गोरखनाथजी.महाराज आपको सुनातेथे उसवक्त.मैंबाहीर.खडाथा.सो मैंनेभी बाहीरसे सुनके,सीखलीया,जब,राजाभोजने बोलीयासेकहा किजो'तुमने सीखाहै-वोह-हमकोभी दीखाओ सो नहीमालुम बोलीया-धोबीने?राजासाहबको कीस रुपसे दीखाया,सोयहतो,मालुमनही-क्युंकिमैं,पढाहुवानही अगर मैंपढाहुवा होता.तोउसके.कीस्सोंको किजीस कीतावमें लीखाहुवाहै पढकर,जेसा,हालहोता वेसाही लीखदेता खेर-बोलीया-धोबीने-सीखाहुवा-हाल राजासाहबको बताया जब-राजासाहबने-बोलीयासेकहा कितुमनेभी यह सीखलीया-और,मैंनेभी,सीखा है;सोहम और-तुम ऐकहीगुरुके,चेलाहें,सोहम,और,तुम गुरुभाइके मुवाफीकहें;जब तो,राजासाहबबोले,कितुमने सीखके मेरेकोदीखाया सो,मैंभी,तुझेदीखाताहूं,सो— राजासाहब तोतेके खोलीमेंगये-उसवक्त?बोलीया-धोबी राजासाहबकी खोलीमें चलागया!सो!राजासाहब बनगया और महलोंमें आने!जानेलगा,और!राज,पाट करनेलगा और मुलकोंके,तोतोंको,पकडवाके,मरवानेलगा जीसकीवजह यहथी; किजीस,तोतेकेसरीरमें,राजा अपने;जीवको;लेगयेहें सोजबके,कुलतोते,मारेजावेंगे और-कोइ तोतानहीहोगा जब-राजाभोजभी-मारेजावेंगे इसगर्जसे तोतोंको—मर वानेलगा.और.दुनीयांमें.यहभी कहतेहें कि राजाभोजकी.पाटरानी.राजाभोजको बोलीया धोबीजांनके अपने,पास,नहीआने-दीयाकरतीथी तो,रानीको कहगयेथे क्युंकि-जीसवक्तमें-राजाभोज चोदहवीं पंन्दरहवीं बीद्या-सीखनेगयेथे;बाकी-और सब रांनीयोंकेपास बोलीया!धोबीआता,जाताथा!सोऊन रांनीयोंको इस,छलका कुछ.भेदनहीथा.जीससेआता जाताथा परंन्तु बोलीया धोबीके.छलका.भेद.पाट रांनीको मालुमहोगयाथा किअपना-राजानहीहै-किजो-और सब,रांनीयोंके पास आता-जाताहै क्युंकिभोज-रांजाको तो कीसीने छल लीयाहै-परंन्तु जीस-तोतेके

अंन्दर राजाभोज अपने,जीवको लेगयेथे उस,तोतेको,कीसी पातरने या कीसी और-जातने-पकडलीयाथा सोजीस!जातकेघरमें तोताथा-उससे-तोतेनेकहा!किमैं राजाभोजहूं और मैंअपनी,खोलीकोछोडके-तोतेकी,खोलीमें आगयाहूं और.मेरी खोलीमें!बोलीया!धोबी घुसगयाहै;सोवोह;राजा बनबेठाहै!परंन्तु,राजामैंहूं!क्युंकि मै.और धोबी बोलीया;चोदहवीं;और;पंन्दरहवीं;बीद्या और!सोलहवीं कला,सीख नेको-गोरखनाथजीके-पासगयेथे सोउसनेभी सुनके-सीखलीया;इससे,बोलीयाधो बी-मेरेसे दगाकरके मेरीखोलीमें;घुसगया,सोइसकी;खबर तुम,मेरी पाटरांनीकोदो किजो,बोलीया,धोबीको,अपने पास नहीआनेदेतीहै उससेकहो,कितुम्हारा,राजा तोतेकी खोलीमेंहे सोवोह,मेरेमकांनपरहै,सोउसने,पाटरांनीको खबरदी जब-पाट रांनीने-तोतेको-मंगवाया जब तोतेने पाटरांनीसे यहकहा कि-रांनीसाहब,तुम;बो लीया धोबीसे यहकहना-कि-राजाभोजसाहब-जोतुमने-चोदहवीं और सोलहवीं बीद्यासीखीहै!वोह!हमको बताओ तोहमभी सीखें जब तुमको!हमभी!सब-रांनीयों कीतरहसे अपनेपास आनेदेंगे,सो—पाटरांनीने,यहबातेंकहीं सो,बोलीया धोबीने सुनी.और.सुनकर.अपनी सीखीहुइ बीद्या पाटरांनीको बताइ.सो.जीसवक्त.कि बोलीया धोबीने राजाभोजकी;पाटरांनीको,अपनी;सीखीहुइ बीद्याबताइ उसवक्त भोजसाहब.तोतेकी.खोलीमेंसे नीकलकर अपनी असली.खोलीमेंआगये.क्युंकि-बोलीया धोबी,बकरेकी खोलीमें-चलागयाथा-सोजबके राजाभोज अपनी;खोली में.आगये.और.बोलीया धोबीको बकरेकी खोलीमेंदेखा.जब.भोज.राजासाहब. उस-बकरेकेपीछे कि जीसमें,बोलीया,धोबी,जीवको लेगयाथा उसकेपीछे-वास्ते मारनेकेभागे-क्युंकि-बोलीया धोबी बकराहोके बाजारमें-चलागयाथा-जब,इन;ब नीयोंने छोडवादीया और-कहनेलगे,कि,अंन्दाता-इसको अमरकरकेछोडदो और इसको,मतमारो,सोइस,बातका चरचा,संसारमेंभी करतेहें,सोवोह,बाततो,तुम;सच्च मांनतेहो सोदेखोभाइ किजीसको,तुम,चोदहवीं,और,पंन्दरहवीं बीद्या जोकहतेहो वोह.करामातनहीहै.वोहतो बनीयोंकेघरका जादुहै परंन्तु.इनबनीयोंने.अपने?गुप तीपापको प्रगट नहोनेकेलीये-तरह२के-कीस्सा-चलादीयेहें किजीससे राजा.बाद शाह-और-साधु-फकीर और रैयत भुलीहुइहै अगर कोइ-समझेगा-तोभी;हम-बनी येतो अलाहदाके अलाहदा,रहजावेंगे,और,राजा,बादशाह साधु,फकीर और;रैयत वगैरा;मारीजावेंगी;क्युंकि समझनेवाले राजा बादशाह;यहजांनेंगे-कि;राक्षसीपाप

इनकाहीहै जीससेयह दुनीयांको-बहकाते-फीरतेहैं-सोयह अकलमंन्दी इनबनीयों ने-ऊनहोंके-मरानेकेवास्तेकीहै अलावा इसके यहबनीये अपने-जादुसे-नजर,बंन्द करदेतेहैं और,जीसको कि,मारनाहोताहै,उसको,मारदेतेहैं जब,उसके शीकलका दुसरा.शखस;अपने;कुळमेंसेकरके सुझादेतेहैं सो राजा भोजकोभी.इन.बनीयोंहीने माराहोगा क्युंकि गोरखनाथजीसे;और;बोलीया;धोबीसेतो कुछभी नहीहोसक्ताथा होतातो.बनीयोंके.राक्षसीपापसे क्युंकि राक्षसीपापके करानेमें.कीरोडों?रुपीया-खरचहोताहै जब जुलसहोताहै,सो,गुरु?गोरखनाथजी,ऐसे,पापी और दुष्टथोडा हीथे.जो.राक्षसीपापका?जुलम चलाते यहतो बनीयोंने चलायाहै.और.नांम-लो गोंके-और राजा बादशाहोंके-और-साधु-फकीरोंके वास्तेमरानेके छलकरके,ल गादीयेहैं?क्युंकि,खोलीमेंसे नीकलकर दुसरी खोलीमें,नहीजासक्ताहै ? और;तमांम बातें झुठीहैं ना राजाभोज,तोतेकीखोलीमें,और,ना,बोलीया धोबी राजासाहबकी खोलीमें;ना.बकरेकी.खोलीमेंगया यह तमांम झूठी२बातें.जालकीहैं.परंन्तु,जादुसे ऐसातो जरुरकरदेतेहैं कि,कंगालको,राजा,और,राजाको कंगाल जादुसे,सुझादेतेहैं जैसेकि-मीट्टीका-जादुसे-रुपीया सुझातेहैं क्युंकि जीव कला-तो-इसतरहपरहै,कि. जीसको,हम और,तुम,और सब,संसारकेलोग,देखरहेहैं क्युंकिजब आदमी,और चारपाया-पंखेरुवगैरा-भोग-वीलास करतेहैं जब ऊनकी-बींन्दसे-बेटा-बेटी.पेदा. होजातेहैं सोदेखोभाइ जीव!कलातो,इसतरहपरहै!और अलावाइसके जो,झाड,ब नासपतीवगैरा.और.रीजक वगैराहै वोहभी अपने२बीजसे;पेदाहोतेहैं.सो;इसबात कोभी-हम और तुम,और,सब,संसारकेलोग,देखरहेहैं,परंन्तु बुद्धी राक्षसीपापसे, ऐसी;भ्रष्टकरदीहै;किजीससे परमेश्वरकी कलाको भुलेहुयेहैं;सो-मालीककी;रचना जोहै उसकोतो बीलकुल!इनबनीयोंने!अपने!राक्षसीपापसे बुद्धी भ्रष्टकरके;भुला दीहै-और-जोकि-राक्षसीपापसे संसारकी बुद्धीफेरके दीखलातेहैं-उसको-मालीक की-कुदरत-और रचना समझतेहैं,सोयह,राक्षसीपापसे होताहै किजीसतरहसे-जीव कला,रावणने,भुलादीथी-किजो रावणके राक्षसीपापका बरतमांन,सुझताथा,सो-तमांम दुनीयां भुलगइथी;किजो-रावणके;बरतमांनकोभी परमेश्वरकी कलाजांनतेथे उसीतरहसे!इन!बनीयोनेभी रावणसे केइगुणा जीयादा!राक्षसीपापके!जुलमकरके संसारके लोगोंको सुझातेहैं-सोअब,रावणकीतरहसे-बनीयोंकी कलाको परमेश्वकी कुदरत.जांनतेहैं.सोभाइयो यह;परमेश्वकी;कुदरतनहीहै यह.बनीयोंका.राक्षसीपाप

है—क्युंकिजो परमेश्वरकी रचनाह-वोहतो?हम-और-तुम सबही अपनी२आंखोंसे देखरहेहें;परंन्तु;यहबनीये.अपने जादुसे देवतोंका और.भुतोंका;सुझातेहें;सोयहतो कुल राक्षसीपापहै क्युंकिउसकी?कुदरततो!ऐसीहै?किजोउसकी कुदरतसे हरऐक चीज-पेदाहोतीहै-किजीसको हम और तुम सब संसारकेलोग?अपनी२आंखोंसे-देखतेहें क्युंकि परमेश्वरकी-कला-छांनीनहीहें-क्युंकिसब जीवाजुनकी और;आद मी,वगैराकी,ओलादहोतीहै जीनको सबही अपनी२आंखोंसे,देखतेहें,सोयह,आवा गवन.यहीहै किजीस२की ओलादहै.और?जोकि.बीजहै वोह जीवकलाहै.और. जोकि;गुपतीपाप-दुनीयांके-नांमका चोरासीलाख कूंन्डीयोंके-उपरकरातेहें-जब;सं सारको सुपनावगैरा होतेहें;किजो,संसारके,आदमी,मरगयेहें ऊनको यहबनीये-जादुसे!सुपनेमें!सुझादेतेहें और दीखातेहें सोदेखोभाइ मरेहुये!कहांसे,दीखतेहें!ले कीन इनबनीयोंके राक्षसीपापसे-मरेहुओंके-चहरेहोके-सुझतेहें और दीखजातेहें, सो,चहरेतो,नहीसुझतेहें,परंन्तु इनबनीयोंका राक्षसीपाप,जोहै,वोह,मरेहुओंका-च हराहोके सुझताहै,और कीसी२को!जागतेहुयेभी!सुपनेकरतेहें सोऊनको जागते, हुये.सुपनोंमें.ऊनका.चहरा सुझातेहें किजोऊनके सांमने?मरेहें.किजीनको.जींन्दा देखाथा ऊनकाचहरा सुझादेतेहें-सोजीसवक्त,कि-राक्षसीपापको करतेहें और;जी स,कीसीको,कि,चहरा,सुझानाहोवे तो हु बहु वेसाही,चहरा,सुझादेतेहें,कि,जीस; शखसको जेसा जींन्दादेखाथा!वेसाही!बादमरनेके!उस शखसको यहबनीये,रा, क्षसीपापसे-जागतेसुपने-दीखादेतेहें जब सुपनोंके देखनेवाले-संसारमें-सुपनोंकी-बातेंकहनेको लगजातेहें किमैंने,फलांने,शखसको,देखाहै किजो,मरगयाहे सोइन बनीयोंने.अपने.राक्षसीपापसे हजारोंको भुत पलीत वगैरा.बनादीयाहे.सोयह;जा गतासुपनाहै किनींदमें और,जागतेमें,सुझातेहें,और,यह सोदागरबच्चे अपने;जादुके जोरसे.भुत.पलीतकानांम लगाकर हजारों आदमीयोंको मारदेतेहें,सोयह,संसारके भुलानेकेलीये तरह२के बहांना-और,छल,लगादेतेहें-और संसारमें यह,जोकहतेहें किभुत,पलीत,जन,परीवगैरा अमरहें और जोकि आदमीका,जीव,नीकलताहे-जब वोह-जीव हरऐकके जुनमें;चलाजाताहे;सोजीव;कीसीका कीसीमें नहीजाताहे;यह तो.बनीयोंका.जादुहै.क्युंकिजीस बीजका दरखतहोगा उसीका.फल.पेदाहोगा,या ने!जोबीज जीसचीजका बोयाजाताहे.वेसाही.उगताहे.और दीखाइदेताहे बस—यही.आवा.गवनहै.क्युंकिआदमीके बीजसे आदमीहोताहे.और.जांनवरके,बीजसे

जांनवरहोताहै फीर इसीतरहसे-हरऐकचीज-अपने२बीजसे पैदाहोतीहै और.जो कला.परमेश्वरकी.बनाइहुइहें वोहकुछ छांनीनहीहें और.जोकि.संसारमेंकहतेहें,कि ऐक२का जीवनीकलके दुसरेकी,खालीमें,चलाजाताहै,सो जीव;कीसीका कीसीके खोलीमें;नहीजाताहै;क्युंकि गुपतीपापसे सुपना वगेराहोताहै;और,भुत;पलीतवगेरा सुझातेहें सोयह,बनीये राक्षसीपापको-करातेहें.सो-संसारको गारतकरतेहें जीससे वोह-सुपनावगेरा?हीताहै-सो गुपतीपापके भुलानेकेलीये लाखोंतरहके-कीस्सा-च लादीयेहें परंन्तु,यह बनीये,राक्षसीपाप;करातेहें,और ऐसाभीकरतेहें किजीसको: मारदेतेहें.उसीकी.शीकलका दुसरा आदमी लोगोंको.जादुसेसुझादेतेहें.और-दीखा देतेहें मीसाल-इसकी यहहै.किजब.बाजीगर.तमाशाकरतेहें तोकेसे२खेल ऊमदा दीखातेहें.किजोमीट्टीका.रुपीयाकरके और सबचीजें तरह२की.दीखलादेतेहें.जब; तुमको मालुमहोताहै कियह-रुपीयानहीहे?और-दुसरी चीजेंनहीहें बलके,तुम?तो ऊनकोही,रुपीया.और.ऊमदा चीजेंजांनतेहो और देखतेहो.सोजबके.राजा.बाद शाहको-और साधु फकीरोंको.और,गरीब.गुरबाको.और अमीर ऊमरावको;सुप नाहोताहै-जब-तुम-सुपनोंमें ऊनको देखतेहो किजोतुम अपने-बाप-दादे-और-बहु तसे,आदमीयोंको जीता देखतेहो,सोऊनको-तुम,सुपनोंमें वेसाहीदेखतेहो जेसा. तुमने.अपनेबाप.दादेको.जीतादेखाथा वेसाही सुपनोंमें.मरेहुओंको?देखतेहो.सो-जबके,तुम सुपनादेखतेहो और,चहरे,सुपनोंमें,देखतेहो तोकुछ फरक,सुझताहै;तो कुछभी-फर्क-नहीसुझताहै-हु बहु वेसाही चहरा सुपनोंमें-सुझताहे-किजेसा,ऊनको जींन्दगीमें देखाथा वेसाही?बादमरनेके!सुपनोंमें?दीखताहै और दुनीयांमेंभीकहतेहें किजादुसे,मुरदोंके,चहरेसुझादेतेहें और,बाजीगर वगैराभीकहतेहें,सो,परमेश्वरकी, कलाकोतो भुलगयेहें-और जादुकी-कलाकोही-परमेश्वरकी कलासमझतेहें ऐसी-बुद्धी;बसमेंकरलीहे.सो.बादमरनेके सुपनोंमें जोचहरे दीखतेहें.सोबनीयोंके.राक्षसी पापसेही. दीखतेहें,वोह पीछेनहीआतेहें,यहतो,बनीयोंका गुपतीपापहै,सोयह गुप तीपाप-तुम-संसारको-मरेहुओंका चहराहोके सुझताहे-सोयह;सुपनेतो-तुमसंसारको राक्षसीपापसे करतेहें सोसुपनोंकीतो,तुम-संसारको,खबरहीहै किजेसे२सुपने करा तेहें.किरातमें.सोतेहुओंको सुपनाकरें तोदीन दीखादें;और;जोदीनमें.सोतेहुयेहोवें तोऊनको सुपनाकरें तोदीनकी,रात,सुपनेमें,सुझादेवें इसीतरहसे मरेहुओंकाभी-सुपनाकरके-सुझादेतेहें-सोतुमको मालुमहीहे क्युंकि चोरासीलाख-कूंन्डीयोंकेउपर

चोरासीलाख जीवाजुनको ऐसे-दुखदेतेहें-जीससे-वोह बेहोशहोकर अपनेजीवको भुलजातेहें,सोयह,बनीये,ऐसे२जुल्म करके जीवा जुनको,सतादेतेहें,जीससे,ऐसे२ सुपनेहोतेहें सोजबकि बनीयोंके!राक्षसीपापकी!साया संसारके लोगोंपरपडताहै जब.संसारको.ऐसे.जुल्मके सुपनेहोतेहें किजो दीनकी.रातसुझतीहै.और.रातका, दीनसुझताहै सो इसीतरहसे,कीरोडों,तरहके,सुपनेहोतेहें जीसकाकुछ अंन्दाजनही अगर-ऐक-बातहोवेतो-मैंलीखूं और आगेकीसी राजा बादशाहको-या-गरीब-गुर बाको सुपनाहोताथा तोवोह,उसीवक्त,जांनजातेथे,किहमको और,संसारको कोइ राक्षसीपापसे!गारत!कीयाचाहताहै जीससेसुपना वगैराहोतेहें,सोइसबातको;सोच कर राक्षसीपापकी तलाशकरतेथे,परंन्तु,इन-बनीयोंने,अपने राक्षसीपापसे ऐसी बुद्धी.केदकरदीहै.किजो!राजा बादशाह गरीब गुरबातक.नहीसमझतेहें.चाहेलाखों तरहके सुपने;और बीगनकरें;तोभी.नहीसमझें;क्युंकिइन बनीयोंने;अपने राक्षसी पापसे.संसारके.लोगोंकी ऐसीबुद्धी केदकरदीहै किजो.समझायेसेभी.नहीसमझतेहें जीसतरहसे कि;राजाभोज और;बोलीया.धोबीकी;बीद्याकहतेहें सोतो;सब दुनी यांने.सुनाहीहै.सोदेखोभाइ.खोलीयामें कीसीकाभी जीव.नहीजाता.हां.जीसको. मारदेतेहें उसका,सरीरतो जादुसे,सुझादेतेहें,सोजीसकी शीकलका सुझानाहोवे– उसीकी,शीकलका,जादुसे,सुझादेतेहें सोयहतो सुपनेहोतेहें,सो,मरेहुओंके,चहरे-सुप नोंमें,सुझादेतेहें सोयहतो तुम-संसारकेलोगोंको-मालुमहीहै सोइसीतरहसे जागनेमें नजर;बंन्दकरदेवें.तोवोह.जागता सुपनाहै परंन्तु जीवतो;कीसीके;खोलीयामें;नही जाताहै,परंन्तु सरीर उसका,जरुर,जादुसे,सुझादेतेहें सोजीसतरहसे कि,बोलीया धोबीको-और-राजाभोजको!माराहोगा उसीतरहसे इन सोदागरबच्चोंने-दील्लीके बादशाहको मारदीयाहोगा और,दील्लीके-बादशाहकी,जगह सोदागर बच्चोंने!अ पनी,जातका,बेठादीयाहोगा,और अलावाइसके यह जो,हिंन्दुस्तांनमें,कहतेहें,कि; जीसवक्त दील्लीका बादशाह,तखतपर;बेठाथा,और,राजकरताथा उसवक्तमें बाद शाहने-राजाओंसे-नो-रोजालीयाथा और राजाओंकी बेटीयोंको-मांगताथा-सो– बादशाहने राजाओंको इसतरहसे;दुःख;दीयेथे,सोखबरनही किइन सोदागरबच्चोंने अपने!जादुके.जुल्मसे.बादशाहकी बुद्धी भ्रष्टकरदीहोगी इससे.बादशाह.जुल्मकर नेको लगगयेहोंगे;परंन्तु इसबातका-असली-हाल-मुझको मालुमनही कि;बनीयोंने दील्लीके-बादशाहको-मारके अपनी जातका तख्तपर-बेठादीयाहोगा-सोइस,बात

कोतो बनीयोंहीकी जातकेजानें-सोइसकाभेद-संसारकेलोगोंको और राजा-बाद शाहको,बीलकुल,मालुमनहीहै परंन्तु दील्लीके बादशाहने,इसकदर,खयालनहीकी या,किमैं राजाओंपर इतना,जुल्मकरताहूं,सोमेरे,जुल्मकरनेकी खबर दुसरे,बादशा हकोहोगी?जब?दुसरी?बादशाहतके लोग मेरीबादशाहतको-जुल्म-करनेकीवजहसे लेलेवेंगे जबतोहम;कुल मुसलमांनोंकी-ओलाद-डुबजावेगी सोइसबातका खयाल बीलकुल.नहीकीया;और,ना पहीले बादशाहनेकीया सो.बनीयोंने.जादुकेजुल्मसे बुद्धी.भ्रष्टकरदीहोगी इसवजहसे कुछभी,खयाल.नहीकीयाहोगा और जोबुद्धीको भ्रष्ट;नहीकीयाहोगा,तोबनीयोंने,दील्लीके बादशाहको मारकरके,अपनी,जातका; शखस तख्तपर बेठादीयाहोगा-जीससे-राजोंकेउपर जुल्मकरनेको लगगयाहोगा क्युंकिजब;बनीयोंके;कुळका तख्तपर बादशाह बनके;बेठगया;जबतो,राजोंको;और संसारके लोगोंको डबोनाहीचाहतेहें,इसवजहसे,ऐसा,फरेब कीयाहोगा सोजबके इसबातको-कीयाहोगा-जब संसारके लोगोंको और बादशाहके-भाइयोंकी-और-अहलकारोंकी और बादशाहके;बेगमोंकी,नजरोंको;जादुके जुल्मसे बंन्दकरदीहोगी जीससेसब,अहलकारोंको,और भाइ बेटोंको और बादशाहकी,बेगमोंको,बनीयोंके कुळका बादशाहही सुझाहोगा,और,जो,राजा,बादशाह जुल्मकरनेलगें तोऊनके, भाइ,बेटे,ऊनराजा,बादशाहोंको तख्तसे उतारदेतेहें और,राजा,बादशाहके,बेटोंको तख्तपर संसारकेलोग बेठादेतेहें-और,जो,राजा-बादशाहके ओलाद नहीहोवे,तो संसारकेलोग,ऊनके,भाइ,बेटोंमेंसे बेठादेतेहें;परंन्तु नेकीके,करनेवालोंको,बेठातेहें, और जोकीसीकोभी नहीबेठावें!जब,राजा,बादशाह!खुद जुल्मकरके अपनेहाथसे अपने-राजको-डबोदेतेहें-और जोकि बादशाहकेपास हजारों-आदमी-कांम-करने; वालेहोतेहें तोऊनकी बुद्धी,जादुकेजुल्मसे-भ्रष्टकरदेतेहें,जीससे वोहभी जुल्मकरने को,लगजातेहें,और,दुसरोंको यहबनीये जादुसे ऐसा सुझातेहें,किजो,जुल्मकरताहै उसको ऐसाजांनतेहें कि,राजकाधनीहै,सो,जुलमकरेतो करनेदो सो-धनीकाजुलम करना,और,धनीका,मारग सरकेउपरहै और यह कहतेजातेहें,किअब-इनका,राज जानेवालाहै सोराजको जुलमकरके-डबोदेवेगा-तोऐसा जुलम क्युंकरनेदेवें;परंन्तु कहनेसे!जुलमकरनेवाले!मांनें कब क्युंकिजब बुद्धी भ्रष्टकरदेतेहें;जब!वेसाहीसुझता है,और जोभलाइके वास्तेकहें!उसको,जहरके!बराबर सुझताहै सोइसमेंझूठनहीहै, क्युंकि-बनीये-राक्षसीपापसे बुद्धी भ्रष्टकरदेतेहें जीससे-ऐसाहीसुझताहै-और-दुनी

यांमें?कहतेहें कि कलुका,सायाहै,सो,भलाकहते,बुरामांनतेहें सोकलजग क्याचीज है,खयालकरो,परंन्तु,तुमको मालुमनही इससे कलजग२कहतेहो,परंन्तु,कलजग;ब नीयोंके पापकानांमहै क्युंकियह-बनीये;दुनीयांके-नांमका पापकरातेहें जीससे;दुनी यांकी.बुद्धी.भ्रष्टहुइहै.क्युंकिपहीले कलजगके तोरपर रावण.हरनाकुश.कंन्स.का खूनवगैराने राक्षसीपाप चलायाथा!उसीतरहसे,इन!बनीयोंनेभी राजा बलके,बा दसे,राक्षसीपाप,चलायाहै,जीसको सब संसारकेलोग और,राजा,बादशाह.कलु. कालकहतेहें वोह सोदागरबच्चोंके,घरका?अलोपपाप,जादु रावणकीतरहसे होरहाहै इसवजहसे;सभोंकीबुद्धी;बनीयोंने राक्षसीपापके सबबसे;भ्रष्टहोरहीहै;सो;सोदागर बच्चे;दुसरी वलायतके राजा-बादशाहको;बुलाके-और ऊनकेहाथोंसे जुलमकरवाके बादशाहको-मरवादेतेहें-कि जुलमकरताहै परंन्तु दुसरी-वलायतोंके-लोगोंको;और राजा बादशाहोंकोभी यहबनीयेही—बुलाकेलातेहें-जीसकीवजह यहहै किइनबनीयों को,कुल,वलायतोंमें,अपना राजकरनाहै और यहीदीलहै,किजीस,सुरतसेहोसके— हम-अपना राजकरें इससे,राक्षसीपाप?चलायाहै?और,दुसरी बादशाहतके लोगों को!और!बादशाहोंको!इसवास्ते लातेहें सोदुसरे बादशाहोंको!इनहोंके!फरेबोंका. भेदनहीहै क्युंकियह बनीये,ऊनकोभी,गारत,करनेकेलीये और,धन लेलेनेकेलीये बुला२के-लातेहें;जब-ऊनहोंसे कहतेहें किहमारेउपर जुलमकरतेहें-सोजबकि-दुसरी वलायतके राजा बादशाह,जुलम,करतेहुयेदेखतेहें,जब,ऊनको और ऊनकी;ओला दको.मारकर.राजलेलेतेहें परंन्तु दुसरी वलायतके आनेवालोंको,यह,खबरनहीहै किबनीयोंने जादुसे बुद्धी-भ्रष्टकरदीहै-जीससे-ऐसा जुलमकरतेहें सोइसबातकोतो दुसरी.वलायतवालेभी,नहीसोचतेहें सोजबकि ऊनको,ऐसे,अंन्दरकेभेदकी.मालुम नहीहे तोक्यासोचें अगर,मालुमहोवे.तो.सोचेंभी,किजीसतरहसे दील्लीके बादशा हकी-बुद्धी-भ्रष्टकरके-गारतकीयाहै उसीतरहसे हमकोभी-हमारी-बुधी-भ्रष्टकरके; गारतकरेंगे सोयह,हाल मालुमहोवे,जबतो,इनकेजालका बंन्दोबस्तहोजावे परंन्तु परंन्तु,मालु नही,इससेकुछ, नहीकरते परंन्तु मुझको इनबनीयोंके,जालका,भेद,मालु महोगयाहै सोमैं,सब संसारके-और;सब;वलायतोंके-बच्चे बचनेकेलीये यह,कीताब लीखताहूं!किसब!संसार और राजा बादशाह हेतकरके-इनबनीयों—कलंकीयोंका जादु-छोडाओ जब सबकी-ओलादबचेंगी-और-जोनहीछोडाया तोयह बनीये— कलंकी-चारकूंटमें-और-चोदा भांणमें अपना राजकरेंगे क्युंकियह-बनीये-बेइमांन

ऐसे-करतुतोंके खोटेहैं किजीस-राजा,बादशाहोंने-या संसारमेंसे कीसी-अमीर;ग
रीबने,बहुतसा,रुपीया,पेसा कमाके जमेकीयाहोवे तोऊनहोंको,कचीउमरमें,जादुसे
मारदेतेहैं और जोऊनकेबच्चे,छोटेहोवें.और.ऊनको,रुपीया पेसाकी मालुमनहीहोवे
और.जीनके.रुपीया.पेसा जीयादाहोवे तोयह बनीये?जादुके?जुल्मसे.ऊनके.ओ
लादवगैराभी नहीहोनेदेतेहैं-परंन्तु-इश्वरनेतो-सबकोही ओलाददीहै कीसीको-बेओ
लाद,नहीरक्खाहे,परंन्तु यहबनीये जादुके जुल्मसे माइ,बाइकेपेटमें,रोगकरदेतेहैं—
जीससे बेओलाद रहजातेहैं,परंन्तु,बेओलाद,जबसे रहनेलगेहैं किजबसे-राक्षसी
पाप-चलायाहे-इससे-ओलाद नहीहोतीहै जीससे वोह-भाइ,बीरादरोंमेंसे-खोले;व
गोदलेतेहैं परंन्तु;उसको गली;कूंचेकी;मालुमनही;परंन्तु पेसेके;लालचसे क्यातो-
राजा;बादशाह.और.गरीब व अमीर और क्यादुसरेलोग.सबको.कचीउमरमें;मा
रदेतेहैं और;रजवाडोंमें देखोतो-कांमेती-यहीहैं-और गरीब-अमीरमें देखोतो-कांमे
तीयहीहैं.और.जबऊन.छोटोंबच्चोंका बाप मरजावे तोयह.बनीये.ऊनका.रुपीया
पेसा अपनेकाबुमें करलेतेहैं;तो;राजा.बादशाहहोवे;तोवोहभी टुटजाताहै और.ग.
रीब-अमीरहोवे-तोवोहभी टुटजाताहे सोजबके रुपीया पेसा-नहीहोवे-तोउसका—
घर-आपही टुटगया फीर दुनीयांमे इसतरहसेबात चलादेतेहैं किनहीमालुम यह
पेसा;कहांगया.सोपेसा.कोइ आदमीनहीहै सोघरसे उठके.चलाजावे.वोहतो,बनीये
जादुके जुल्मसे खेंचलेतेहैं-और,ऐसी,वेसीबातें-लोगादीखाउ दुनीयांमें चलादेतेहैं
और!जीसकेओलाद!जादुसे नहीहोनेदेतेहैं तोऊनको देवतोंका!सुझादेतेहैं!किदेवतों
ने-दोशकीयाहे और देवता-नाराज,होगयाहै,या-मालीककी सुझादेतेहैं कि,माली
कने,ओलाद,नहीलीखी,ऐसा घटमें सुझादेतेहैं और मालीकने,जीसदीन रचाना
रचीहै जबसे कीसीको.बेओलाद.नहीरक्खाह,परंन्तु यहबनीय जादुकेजुल्मसे,नही
होनेदेतेहैं-और-देवतावगैराका सुझादेतेहैं सोदेवताओंका-सुझाना-यह-बनीयोंके;घ
रका राक्षसीपापहै क्युंकिजब?राक्षसीपापका?सायापडताहे जब,संसारको दुःख
होताहै,सोजबके,बहुतसे जीवडोंको;मारतेहैं;जब पापलगताहै;सोयह,बनीये,अलोप
पापकरातेहैं किजीसको तुम,संसारकेलोग,नर्क,कहतेहो वोह बनीयोंकेघरका;अलो
प,पापहै,सोवहांपर,संसारके नांमका अलोप पापकरातेहैं,जय,देवताओं,और,भुतों
पलीतों और,तरह२के जाल-सुझतेहैं,सोयह-बनीये गुपतीपाप कराते हैं,सोजबकि
कीरोडों-जीवमारतेहैं-जब एक बाल खंन्डत होताहै;और-जोकितुम-संसारकेलोग

सुनतेहो और-कहतेहो कि-स्वर्ग,नर्कमें,चोरासीलाख-कूंन्डीयां राध लहुकीहैं,सो वहांपर.चोरासीलाख.जीवाजुन संसारको भुगतनी पडतीहैं.यहबात.संसारमें–प्र गटहै-सो-जुन तो,यहहै किजो,अपने२कुळसे,पेदाहोतेहें सोमालीकनेतो इसतरहसे रचना,बनाइहै,सोहम,और,तुम सबहीदेखतेहें और जोकितुम,सब,संसारके,लोग; भुलसे चोरासीलाख कूंन्डीयां-बतातेहो,सोवोह-बनीयोंके घरका राक्षसीपाप,रा वण.हरनाकुश.कंन्स.कारूंन बादशाह वगैराकी तरहसेहै.सोजीसतरहसे.कि,रावण वगैराने राक्षसीपाप चलायाथा!और,स्वर्ग;नर्क!बनायाथा उसीतरहसे इनबनीयों नेभी,राक्षसीपापका,स्वर्ग नर्क बनायाहै सोजबके जीवा,जुन,संसारकेनांमसे,दुखी करतेहें जबजाके संसारमें-बुराहोताहै,सो,सुननेमें-आताहे परंन्तु खेती,पातीवाले और-राजा!बादशाह-और रेबारी गुजर और कुम्हारवगैरा-गधोंकेउपर!और-अंन बोलोंकेउपर कमाके पेटभरतेहें!सोभी,सुनलो;किजो!अंनबोलोंके वसीलेसे कमाके खातेहें.इन.कुळोंको.हम और तुम सभीदेखतेहें सोराजा.बादशाहके.घरमें.हाथी– घोडा,ऊंट बैलवगैरा और,गाये,भेंसवगैरा,कांमआतेहें और,खेती पातीवालोंके, बेल-भेंसा-कांमआतेहें-और गाये भेंस खेती पाती वालोंको-दुध!पीलातीहें-और रेबारीयोंके घरमें बकरी,भेड,और,ऊंटनीयोंके,टोले,और कुम्हार बेलदारोंकेघरमें गधा.गधी.कांमदेतेहें.सो सातों आठों अनबोलोंकी कुळों.और.औलादोंके.उपर-किजो संसारको कमाकेदेतेहें-सोहम!और!तुम-सभीसंसारके लोगदेखतेहें सोसब संसारको,सात,आठ,कुळोंके कमाकेदेतेहें सो माइ बापके,बराबरहें,सोइनका,गुण; नहीभुलना चाहीये क्युंकिजीसके!घरमें-हाथी-घोडा!ऊंट बैलवगैराहै और;पीठके उपर.उठाकरफीरतेहें.इससे.इनकी करनी जीयादाहै इससे.माइ.बापके.बराबरहैं-और जीनकेघरमें बकरी-और-भेड-ऊंटवगेराहें-और कमाकेदेतेहें तोऊनकेघरमें, यह-बकरीवगैरा-माइ बापके बराबरहें और जीनकेघरमें गधा-गधी–कमाकेदेतेहें ऊनकेघरमें गधा,गधी माइ,बापके,बराबरहैं,और,जीनकेघरमें बैलवगैरा खेती;पा तीकरके-कमाकेदेतेहें-ऊनकेघरमें बेलवगेरा माइ बापके बराबरहैं?क्युंकिवोहतो-बे चारे अंनबोलेहें सोवोह,कब,बोलतेहें;और;कब,कहतेहें,किहम दुःखीहें किसुखीहें परंन्तु.आदमी.बंन्दाको समझनाचाहीये किजो कुळ कमाकेदेतीहें,वोह;सदा;अपने बच्चोंसे जीयादाहें क्युंकिबच्ची-बच्चोंको,यह;पालतेहें-सोसातों आठोंवलायतोंमें इन सातों-आठों-कुळोंके-वसीलेसे कमाकेखातेहें सो तमांम जहांनमें?सातों-आठों-कुळें

दुःखीहोतीहें सोयह दुःख-अनबोलोंपर-जबसेपडाहे किजबसे यहबनीये-काल;प डानेलगेहें-और-जबसेही खेती पातीका पापचलाहै और-सतजगमें-कालवगैरा;न हीपडताथा तोमेवा मीसटांन.रीजक.बनासपती.वगेरा अच्छीतरहसे बगैर.बोयेहु येकेही.पेदाहोताथा.क्युंकि राक्षसीपाप नहीचले तोसदा.सतजगहीहे.और;जलकी ही;मायाहे क्युंकिजीससे आपही,तरह२के,मेवा,मीसटान रीजक बनासपतीवगेरा होजातीथी-और,जबसे;बनीयोंने राक्षसीपाप चलायाहै;जबसेमेवा,मीसटांन;रीजक बनासपती वगेराको गालदेतेहें और गालदीयाहे जीससे अनबोलोंके,उपर यह; खेती पातीका पापचलायाहे सो-बीज-लेलेके बोतेहें और जोनहीबोवें तो खावें, क्या-इससे बोतेहें और आगे बगैर बोयेहुयेके कुलचीजें पेदाहोतीथी जीससे-अ नबोलोंको कोइ दुःखीनहीकरताथा फकत गाये भेंस बकरीका दुध काममेंआता था,और अनबोलोंको बीलकुल,दुःख,नहीथा,और,अबतो संसारके देखनेमें,आठ सातकुळें.पेटभरनेके.खातीरसे दुःखीहोतीहें और तमांम जहांनके,कांममें,सात,आ ठकुळें सब-वलायतोंमें कांमआतीहें,और,इन,बनीयोंके राक्षसीपापमें चोरासीलाख कुळें,कांममेंआतीहें,सो,संसारमेंतो सात आठकुळें और,जुन,दुखीहोतीहें,और,बनी योंके राक्षसीपापमें चोरासीलाख,जुन-दुःखीहोतीहें,और जोकितुम संसारकेलोग कहतेहो,कियहांपर,स्वर्गहे और स्वर्ग नर्कमें चोरासीलाख!जुन?भुगतनीपडतीहें— और जुनभुगतके दुःख-पानापडताहै-सोइन-बनीयोंके पापमें चोरासीलाल?जुन कलपतीहें.सोवोह.पाप जीयादाहे किसंसारमें सात आठजुन.दुःखीहोतीहें.सोवोह जीयादाहे सोयहबात सोचनी,चाहीये.कियह,बनीयेबेइमांन दरीयावोंकेउपर पाप करातेहें!किजीसतरहसे!रावणने लंका दरीयावोंके बीचमें!अलोपबनाइथी!उसीत रहसे इनबनीयोंनेभी दरीयावोंके-उपर-पापकरनेकीजगह अलोपबनाइहे किजहां सीवाये-बनीयोंके-और कीसीकी जातका आदमी नहीजासक्ताहै-और-दुनीयांमें, यहबात चलादीहे कियहांपर,नारगी,स्वर्ग,नर्कहे,सोवहांतो बनीयोंकेघरका पापहे जीसकी-रावणके-मुवाफीक सोभाचलाइहे और स्वर्ग-नर्कतो-यह-जमीनमाताहीहे और रावणके वक्तमेंतो!सनीश्वरको.रावणने!दुःखीकीयाथा जीससे सनीश्वरने. रावणके.राक्षसीपापकी.तलाशकी और रावणसेकहा कितुम्हारे.कुळमें,अलोप,जा दुहोरहाहे सोमेरेनांमका जादुकराया-सोमेरामी—वृम-तुम्हारे राक्षसीपापमें केदहे जब-सनीश्वरकी-बातको-भवीक्षणने अपने दीलमेंसोचा-किजो-रावणके-राक्षसीपा

पको?हम सच२नहीबतावेंगे जबतो-मझे-मेरी-ओलादके मुझकोभी गारतकरादेगा और-जो.रावण–छलकरेगा.तो रावण भुगतेगा इससे रावणके.जालको.बतानेसे उभरेंगे और-रावणने कोइ.राक्षसीवेद्य,और,टीपनावगैरा और-स्वर्ग नर्कबनाके; चलायेथे,सोसनीश्वरको,राक्षसीपापसे दु:खीकीया जीससे,सनीश्वर,रावणके,पाप को;अच्छीतरहसे समझगया और,रावणकी,चोरीको,संसारमें प्रगटकीया सो;संसारभी.समझगया.और.रावणने लंका अलोप बनाइथी और,वहींपर.स्वर्ग–नर्क.राक्षसीपापका बनायाथा सोपाप,कराताथा,सोसनीश्वरको भवीक्षणने लंका.जोअलोपथी,बतादी,परन्तु,रावण करातातो पापथा और सोभा,चलादी,स्वर्गकी,और रावणके पापको रावण,और,भवीक्षणका,कुळही,जांनताथा और संसारकेलोगोंको बीलकुल.भेद.मालुमनहीथा सोजबके सनीश्वरको राक्षसीपापसे.कलपायाथा.जब रावणकी चोरी सनीश्वरको!मालुमहुइ,जब,सनीश्वरने! रावणकी चोरीको प्रगट. करके,संसारके,हाथोंसे जालको छोडवाया जब संसार उभराहे,और,अब,मुझ,साध;अनोपदासको सनीश्वरकी तरहसे!बनीयोंने.अपने!राक्षसीपापसे केदकीयाहे– और.मेरेनांमका.पापकराया जीससे मेराभी बूम केदकीयाहे जबमैंभी.इन.बनीयोंकी,चोरीको लीखगया और,समझगया,सोयहबात मैंबनीयोंसे कहताहूं;किजेसे; सनीश्वरने.रावणके.कुळकोकहाथा उसीतरहसे मैंभी.बनीयोंके.कुळसेकहताहूं.कि; जहांपर इनबनीयोंका मेळाभरताहे,और,बहुतसे,बनीये जमेहोतेहें वहां.मैंजाताहूं ओर;कहताहूं;कितुमने;रावणकी तरहसे ओर हरनाकुश;वगेराकी;तरहसे;राक्षसी-पाप-चलायाहे सो जबसेके,तुमने;राक्षसीपाप,चलायाहे जबसे कालवगेराभी;डालना.तुमनेही.शरुकीयाहे और इसीपापमें तुमने मुझे.दु:खीकीयाहे.जीससेमैं.तुम्हारी,चोरीको पहीचांनगया और,संसारको-ओर,गरीब अमीरको ओर;राजा;बादशाहको-ओर-साधु-फकीरोंको तुम्हारे;जालकी मालुमनहीहे-क्युंकिऊनके-देखतेतो तुम,नेकीमें चलतेहो ओर,गुपतीपाप,अपने,आदमीयोंके हाथोंसे करातेहो,सो,सच२बताओ;किजीसतरहसे.भवीक्षणने लंकाबताइथी उसीतरहसे.तुम्हारी;जातमेंभी पापहोरहाहे सोबताओ सो-तुमभी-भवीक्षणकी-तरहसे उभरो!और जोकि-तुम;बनीयोंने-रावण-हरनाकुश-वगैराकी तरहसे राक्षसीपापका - स्वर्ग - नर्कबनायाहे-कि-जीसकी सोभा दुनीयांमेंहोरहीहे!किजोतुमने?केइतरहके राक्षसीवैद्य और?ग्रहचालाके!टीपनावगैरा!चलायेहें सोभी सोभा दुनीयांमें तुम्हारे!पापकीहोरहीहे!सो;दु

नीयां-स्वर्गके और वेदोंके भरोसे भुलीहुइहै क्युंकि संसारकेलोगोंको तुम?बनीये अपने!राक्षसीपापसे!दुःखीमतकरो और मुझको गरीबदेखके!तुमने!दुःखीकीयाहे; सोमैंने तुम्हारी चोरीको,पहीचांनलीयाहै.सोमैं,लीखगया सोयहपाप तुम?संसारके सांमने.और.मेरे?जीतेजी छोडदो तोउभरजाओ और.संसारकोतो.मालुमनहीहे— यहतो मेरेको दुःखीकीयाहे-सोमेरे,जीतेजी,नहीछोडोगे-जबतोतुम संसारको और साधु-फकीरोंको-और-गरीब अमीरोंको,भुलादोगे और-पाप-साफनहीछोडोगे-सो मेरे,जीतेजी नहीछोडोगे तोसंसार,तुम्हारी,औलादतक गारतकरदेगा और—जोमेरे जीतेजी.छोडदोगे.तोतुमभी उभरजाओगे और मेरेमरनेके.बादतो.तुमक्याछोडोगे क्युंकि संसारके लोगोंकोतो-तुम्हारे,पापकी-खबरनही सोकोइतो यहकहनेलगतेहैं किजो,बेइमांनहोंगे,जीनहोंने चलायाहोगा और कोइयह,कहताहे,किहमको,खबर नही;जब मैंकहताहूं;कि राक्षसीवेद्य,और,ग्रहचालाके,टीपना कीसने चलायेहैं-और राध,लहुकी,कूंन्डीयांबनाइहैं जीसकीसोभा संसारमें;कीसनेचलाइहे,और;मरी;और काल.और जांनवरों और!मनुष,देहको.रोग!कीसनेचलायेहैं और सभोंकोबीमार तो;करतेहो.जादुसे.और सुझादेतेहो,देवतोंका सोदेवतोंके.उपरभी,रावणकीतरहसे पापकरना सरूकरदीयाहै और,कच्चीउमरमें,आदमी,और अंनबोले मरतेहैं,और;टी पनोंमें.छे.महीने.पहीलेसुनातेहैं सोयह कीसने चलायेहैं;और;मैंतो;तुम्हारे.राक्षसी पापमें अच्छीतरहसे केदहूं-सोमें-बाकीफहूं-क्युंकिजाल तुम्हारेकुळने चलायाहे,यह जाल-तुम-राजा-बादशाह और सब संसारकेआगे मेरेजीतजी-छोडादो-सोतुमभी उभरो और जोकितुमने,पाप,अपनेकुळमें,संसारके,गारतकरानेको चलायाहे सो-तुम्हारीतुम-भुगतोगे-मैंतो तुम्हारेजालको संसारमें प्रघटकरताहूं-सोसंसारकोभी— अपने बच्चे प्यारेलगतेहैं-और-संसारभी-अपने-बच्चोंको गारतकराना अच्छानही-समझतेहैं-परंन्तु-तुमबनीयेतो यहसमझतेहो किचोदाकूंटमें-और-चोदाभांनमें-संसार को,गारतकरके अपना राजकरेंगे,किजब,संसारके,आदमी थोडेरहजावेंगे और; हम.बनीयोंके.कुळके.आदमी जीयादारहजावेंगे जब.रावणकी.तरहसे.चारकूंटमें— राजकरेंगे सो?रावणभी चारकूंटमें?राजकरने?नहीपाया और बीचमेंहीमारागया सोमैंतो-सनीश्वरकीतरह-परमेश्वरके वास्ते और संसारकेबच्चे-उभरनेकेवास्ते-तुमको राक्षसीपाप करनेसे मनाकरताहूं-कि,पापकाकरना-छोडदो सोतुम मेरे;जीतेजीछो डदो-तोतुमभीउभरो-तोबनीये बेइमांन मुझपर गुस्साहोकर-गालीयां,देनेलगजातेहैं

और,कहतेहैं कि;राजा बादशाहसे;कह-और,पुकार-सोइनकी यहबातें तोमैं;इनहोंके मेळोंमेंजा२के.और.समझा२के सोदागर महाजनांनको कहताहूं.कितुम.यहपापछो डदो तोतुमभीउभरो और,पुस्तकभी,सोदागर,महाजनांनको बताताहूं और,पढवा ताहूं;तोमेरीबातको!सुनकर और कीतावको पढकर और!मतलबसमझके;दुनीयांको यहकहने लगजातेहैं किबाबा-गैलाहोगयाहै,यहबात-यह बनीये संसारकोकहतेहैं; कि,यूंहीं.कीतावें,बनाताहे और पोथीयोंमें क्यारक्खाहे,सोतुम.संसारकेलोग,इस-बातको अच्छीतरहसे गोरकरो.किजहां२इन,सोदागर महाजनांनके मेळेभरतेहैं;तो यहबेइमांन;अपने.मेळोंमें;इसवास्ते जमैहोतेहैं किदुनीयांके;नांमका.पापकरानेकी;स लाह आपुसमें सबमीलकेकरतेहैं,किअबके.सालमें,पापकराके कालपडावें या!संसा रमेंरोग.बीमारीकरके.मरीडालें याकीसीका राजगुमावें;या;और-कीसीतरहका;पा पकरावें किजीससे अनेकतरहके-बीगन,संसारमें-फेलजावें और,यह ऐसी२सलाहें करके-करनेकेवास्ते-मेळोंमें जमैहोतेहैं फीर इस बातको-संसारमें-छे२महीनेपहीले; बलकि बारह महीनापहीले,टीपनोंमें,सुनादेतेहैं,किअबके बरसमें ऐसाहोगा ? फीर गुपतीपाप.करनेवालोंको.लीखभेजतेहैं जब वोह इसतरह.गुपतीपाप.बनीयेकरातेहैं तोवेसाही होजाताहे और,यहबातभी,खयालकरनेके,लायकहे बलके तुम;संसारके लोग;हमेशांदेखतेहो!किइन बनीयोंके मेळे जहां२भरतेहैं!तोइनके!कीसी;मेळोंमें;तुम संसारकेलोगोंने कभी कीसीतरहकी-बीमारी-नहीदेखीहोगी ना सुनीहोगी,यहां, तकके,बनीयोंकी.जातके.हजारों आदमी जमैहोतेहैं परन्तु.कीसीतरहका.रोग.बी मारी वबाका वास्तानहीहोता!और,बाकी,हिन्दु!मुसलमांनोंके जीसकदर मेळा-और,तीरथहोतेहैं,याने,हरदुवार और काशी व पराग और,पुशकर.और,दुवारका वगैरा-और अकसर मेळा.घोडा.ऊंट.बैलवगैराके.बहुत जगहहोतेहैं और;मुसल मांनोंके,मेळा,और,तीरथ अजमेर ओर मक्कावगेरामें बलके,बहुतसीजगह,होतेहैं-और मुसलमांनोंके जोतीरथहैं,सोदेखलो,कि,सब,मेळोंमें यहबनीये महाजन,बेइमां न.पापकरा२के.रोग.बीमारी करादेतेहैं किजीससे हजारों.आदमी!कच्चीउमरमें.मे ळोंमें मरजातेहैं,और यहबनीयेही-जादुसे-मरीडालके-मारदेतेहैं और जादुसे;संसा रको;यहसुझातेहैं;कि;मुसलमांनोंमेंतो यहकहतेहैं कि अजमेर;या;मक्कावगैरामें,मरजा वें तोयह,कहतहैं किउसके बहुतअच्छे!भागहैं,और!हिन्दु यहकहतेहैं कि.हरदुवार और.पुशकरवगेरामें!मरजावें तोइससे बहतर कोइबातनहीहे!सोतीरथोंकी.जगह

मरजानेको अच्छाजांनतेहैं सो-संसारकी,बुद्धीफेरके-यहबनीये जादुसे ऐसामुझातेहैं सोसंसार-यह-नहीसोचता-कि तीरथोंकी जगहजावें तोवहां-मालीकको-यादकरने जातेहैं वहांपर,बीमारी और,रोग,क्युंहोनाचाहीये,वहांतो सबतरहका चैंन,आरांम होनाचाहीये!बीमारी!होवेतोभी दफेहोजानीचाहीये क्युंकि!मालीकको!यादकरनेको जातेहैं सोमालीकको कृपा,और,महरबांनी,रखताहै,परंन्तु यह;महाजनलोग संसारको?कम-करनेकेवास्ते-जादुसे रोग बीमारीकरके मारदेतेहैं-अपना-राजकरनेके-वास्ते संसारको कमकरतेहैं,और,संसारमें,जो,रोग बीमारीकरतेहैं तो;बेचारे;हकीम व.डाकटर.व.वैदवगैरा इलाजकरतेहैं सो पहीलेतो.संसारमें.पैसा.बहुतथा-जबतो पुन्यलेखे अपने पाससे;दवा;वगैरादेकर;इलाजकरतेथे उपकारकेवास्ते किसंसारको फायदापहुंचे;अबइन-महाजनांनने जबसे पापकराना-शरुकीयाहे-याने,पापकरा२के और कालपंडा२के;पैसा संसारमेंसे,खेंचलीया,इससे,संसारमें पैसानहीहे तो;हकीम डाकटर,वैदवगेरा,इलाजकरतेहैं तोजीसको,इलाजसे आरांमहोजाताहे,तोउसे-राजी करके अपना इलाजकरनेका,हकलेतेहैं,सोउसमेंतो,कुछ बुराइनहीहे परंन्तु,यह,बे इमांन-ऐसासमझतेहैं-कि हकीम वैद डाकटर दवाकरके-कीसीकोभी--कच्चीउमरमें नहीमरनेदेवेंगे तोफीर पापकराके,ऐसेकरतेहैं,किऊनकी,दवासे और इलाजसे,की सीको.आरांम.नहीहोनेदेतेहैं और जब यहबेइमांन सब देसोंमें.मरी.बीमारीवगेरा डालतेहैं तोफीरतो कीसी२कोही-इलाजसे-आरांमहोनेदेतेहैं किजीसके नांमका;पा प,नहीकरातेहैं,वरना,बहुतसे लोगोंको जादुसे मारदेतेहैं और,फीर.संसारमें,यह-कहनेको लगजातेहैं कि,हकीमों,व,वैदों,व,डाकटरोंकी,दवाइयोंसे और इलाजवगे रासे.कुछ.नहीहोताहे.सोइस बातकी हकीमों और डाकटरोंको.बीलकुल.खबर.न हीहे,कि जीन२दवाओंसे पहीले,आरांमहोतेथे,अब,क्युंनहीहोतेहैं सोऐसी बातोंको सोचनी-चाहीये,कि-दवातो वोहकी,वहीहैं फीर,अब आरांम,क्युं,नहीहोताहे,परंन्तु महाजनलोग रावणके मुवाफीक,अपने,राक्षसीपापसे,दवा और इलाज,नहीचलने देतेहैं-सोऐसे-पापकी-हकीम और डाकटरोंको बीलकुल-खबरनहीं-कि-रावणके,मु वाफीक पापसे,दवा नहीचलनेदेतेहैं-तोयह-बेइमांन हकीमों?और डाकटरोंकी-रोटी भी-खोदेंगे,क्युंकियह,बेइमांन जादुसे दवा चलनेभी नहीदेतेहैं,क्युंकियह,समझतेहैं किजो हकीमों-और डाकटरोंके!इलाजोंसे!लोगोंको!आरांम होतारहेगा तोसंसार कीसतरहसे-ओछाहोगा-और बहुत कम घटेगा क्युंकिजब,संसार-कमहोगा-जबही

हमारा कुलवलायतोंमें राजहोगा-इससे-दवावगैरा नहीचलनेदेतेहें सोभाइमेरे,अम रतो,कोइनहीहे,बुड्ढेहोकरतो सबहीमरतेहें परंन्तु यहबेइमांन,संसारकी,कुळ,कमहोने केवास्ते जादुसे कच्चीउमरमें,मारतेहे,इससेमैं,लीखकर तुम,संसारके लोगोंको.वा कीफकरताहूं.किजीनके.नांमका जहां गुपतीपाप करातेहें.तो,मरनेके.जीतना;पाप करावें जबउसको;वोह दवाइयां-देनेसेभी-आरांम-नहीहोताहै चाहेकुछ दवाअेंदो; क्युंकि-डाकटर-हकीमतो-ऐक दवादें और;यह केहरोग शरीरमें-करदेतेहें;और-जी नका,जीतना मरनेका पापनहीकरें,याने,पाप,उसकेनांमका छोडदेवें तोवोह?वच जातेहें.सोयहभी.दुनीयांके डरतेहुये कि संसारको मालुम.हमारेजालकी?नहीहोवे जीससेथोडे बहुतोंको आरांम!दवासे,होनेदेतेहें!वरना यहतो गारतकरनाही.चाह तेहें,याने,संसार,कमहोजावे और जब इनकेजालकी संसारमें,भुलपडजावेगी,तो. यह,संसारको बहुत कमकरदेंगे-और,बुद्धीभी-भ्रष्टकरदेवेंगे जबतो कीसीको;बी, लकुल.समझने.नहीदेवेंगे इसवास्ते अबमैं समझाताहूं.तोकोइ.मुझको.पागलकहतेहें और,कोइ कहतेहें,कि सीरडीहोगयाहें!जीससे!बनीयेही बनीये पुकारताहे,सो,सं सारको;कुछ-दोशनहीहे-यहतो संसारको;जादुके जुल्मसे-मुझको-पागलही;सुझातेहें सोइनकी गरज,यहहे किजहां,गुपती,पापकरातेहें-वहांपर,कागज भेजकर यह.स मीचार.लीख.भेजतेहें.कि राजा बादशाहके नांमका पाप.या.गरीब.गुरबोंके—नां मका पापकराओ सोसबकी-बुद्धी,भ्रष्टहोजावे,सो-साध अनोपदासकी बातको— कोइ-नहीसमझे;और;यहकहतेहें कि आपही कुकते२ओर;बकते२मरजावेगा-सोफीर अपने जालको,कोइ नहीछोडावेगा-क्युंकि,दुसरोंको-भेदनही और मेरेकोतो-इन होंने!दुःखीकीयाहै!जब इनहोंके जालका भेद मुझको मीलाहै;परंन्तु!रावणनेतो,थो डी-बुद्धी भ्रष्टकीथी सो,सनीश्चके,समझानेसे,संसारकेलोग फोरन समझगये-परंन्तु इनबनीयोंने-संसारके-नांमका पापकराके सबकी बुद्धी-भ्रष्टकरदीहै,सो-समझानेसे भी-नहीसमझतेहें और जीस,कीसीके,नांमका,थोडा पापकीयाहै सोवोह?थोडा. समझतेहें.और.कहतेहें.किजो बात साध अनोपदास.कहतेहें.वोह.दुरस्तहै;क्युंकि, पहीलेभी इसीतरहसे रावण-वगैराने-राक्षसीपाप-चलायाथा और बुद्धी-भ्रष्टकर दीथी!उसीतरहसे!अबभी होरहाहै क्युंकिजो साध अनोपदास!कहतेहें!वोह-सचहै क्युंकिआगे रावणभी कच्ची!ऊमरमें!मारताथा!और!धनको और मैहको,और;मो तको-कबजेमें-करलीयाथा सोमैं जीन लोगोंको बनीयोंके-जालकी-वाकीफकरताहूं

और-समझाताहूं तोथोडा बहुत-समझतेहैं-परंन्तु-कुलको नहीसमझतेहैं और;ना;ऊ
नको.कुल.जालकी.खबरपडतीहै क्युंकिऊनको समामुख-दुःखीनहीकरतेहैं—इससे
इनको इनहोंकेजालकी खबरपडे.सो.जालकीतो.ऊनहोंको कीसतरह खबरपडे-
परंन्तु-जीसकदरमैं-मुहजबांनीकहूं वोह यादरक्खें और-संसारमें-चरचाकरतेरहें;कि
जो,बाबाकहताहै उसका बंन्दोबस्तकरो,तोठीकहै,और सब,उभरजावें और,जोमेरे;
मुवाफीक;दुःखीकीयाहोवे.जबतो ऊनकोभी भेदमीलजावे.परंन्तु.समामुखतो;कल
पातेनही और,सुपना और,वहमकरें.तोहोवेकुछ,और सुझादेवेंकुछ सोइनहोंकी.गर्ज
यहहे.सो.समामुखतो.कलपातेनही अगर समामुख.कलपावें.जबतो ? इनकी—चोरी
मालुमहोजावे सोअपनी चोरीको-कोन,मालुमहोनेदेवें-और चोरीभी बहुत.खराब
कीहै-जोसब-संसारको-गारतकरना सोमेरेकोतो अनासुरती-कलपायाहे-जीससे ? इ
नहोंकी चोरी मालुमहुइहे,सोभीयह,बनीये,ऐसाजांनतेहैं किजो बाबाकी,कहीहुइ
बातको.नहीसमझें.और कीताबभी गायब होजावे तोठीकहै,क्युंकिहमारा.जाल;सं
सारमें प्रगट नाहोजावे!और-जोयह-बनीये!कीतावको गायबकरदेवेंगे तोयहबनीये
होले२संसारको.गारतकरदेंगे.सोयह बनीये कलंकी.अपना.राजकरेंगे.किजब—सं
सारके-आदमी थोडेसेरहें. जब,अपना.राजकरेंगे,सोक्यातो हिंन्दु-और क्यामुसल
मांन.और.क्याअंग्रेज.और.क्या सातों आठों वलायतोंके.लोग.इस,कीतावको;अ
पने,जीवके मुवाफीक रखना!और.कीतावको!पढकर वाकीफहोना ओर,पुरांनी
होनेपर-नइ,कीताव-छपवाकर इसका नमुना पास रखना-और,कीतावें—छपवाके
बहुतसी जारीकरादेना ताकि,संसार,भुलेनही,ताकि,सब संसारकेलोग हेतकरके
इनबनीयोंके.जालको.रावण वगैराकी तरहसे छोडावें सोमेरे.जीतेजी.सब-संसार
केलोग ऐक-दीलहोकर इन-बनीयों,बेइमांनोंके-राक्षसीपापको रावणकी तरहसे;
छोडाओगे-तो-छुटजावेगा नहीतो फीर तुमसे नहीछुटेगा-क्युंकितुम-लोगोंनेदेखा
नहीहै.इससेतुमको इनके जालकी,मालुमनहीहै.और,यह बेइमांन ऐसेहैं.किअपने
पापके,प्रगट.नहोनेकेलीये,सब संसारके लोगोंको भुलावेंगे,क्युंकिपहीले.इन,बनी
यों,बेइमांनोंने झूठी,सच्ची कसमें,खा२के-राजा,बादशाहोंको भुलाकीयेथे जीसका
सबुत-और,हालयहहे-किजीसवक्तमें बादशाहने मंन्दीर-गीरवायेथे,और-पुतलीयों
के,नाक व कांनकटवायेथे और!बनीयोंकी!औलादकोभी गारतकरादेतेथे जब,इन
बनीयोंने-गाये-सुरकी-कसमें खाइथी सो तवारीखोंसे साबीत-होताहै;फीर-बनीये

जुलमी झूठीकसमें धर्म्म-इमांनकी.खा२के.और—झूठबोल२के उभरजातेहैं सोअब पापको,मेरे,जीतेजी,छोडादीया जबतो छुटजावेगा और,बनीयेभी,उभरजावेंगे,न हीतो-फीर नहीछुटेगा क्युंकिआप-लोगोंको-इनके-जालोंकी मालुमनहीहे और— मेरेकोतो!इनबनीयोंने!समामुख दुःखीकीयाहै इससेमैं समझगया!सो?आपलोगोंको तो,इनहोंके जालका भेदनहीहे,क्युंकि,सबकी,बुद्धी,केदकरदीहै सोहोगातो कुछ- और-सुझादेवेंगे-कुछ-और जबतककि पाप नहीछुटेगा और-ना-बनीयेछोडेंगे-और तुमको,थोडा बहुत बतावेंगे,कियह,चोरासीलाख,कूंन्डीयांहैं और यह,चोरासी, लाख.जुनहैं.सोऐसे.फरेबको औरोंके उपरभीलगाके बतावेंगे.और,अपने.उपरभी हरीतरहसे करोडों तरहके-फरेबकरके,बतावेंगे-परंन्तु मेरेआगे इनका.झुठ,नही चलनेपावेगा!क्युंकि!मुझकोतो समामुख,कलपायाहै सोइनहोंका!जाल!देखाहुवाहे सोमेरे जीतेजी छुटजावे,जबतोमैं,सबको,वाकीफ,करदूं सोखुदही छुडवादोगे;और बंन्दोबस्त,करलोगे,परंन्तु यह बनीये जांनकेतो कभी,कीसीको;समामुख,नहीकल पातेहैं अगर जांनकेकलपावें-जबतो,मारेजावें,और-मुझको भुलसे कलपायाहै,जी ससे.मुझको.चोरीकी.खबरपडीहे सोमैं लीखगया और.जोकितुम?संसारके.लोग स्वर्ग,नर्क कहतेहो और,राध,लहुकी,कूंन्डीयां,बतातेहो सोवोह पापतो,दरीयावोंके ऊपर-अपनी-जातके-आदमीयोंसे कहीं अलोप करातेहैं-सोइनहोंके-पापका-भेद— सीवाये बनीयोंकी जातके;और;कीसी;जातको;मालुमनहीहे इसी,पापसे संसारके लोगोंकी.अकल.भ्रष्ट.होगइहे जीससे पाप और पुन्यमें.नहीसमझतेहैं;परंन्तु.जोकि इन सोदागरांनका पापहे-वोह,बहुतहीहै,और-संसारसे बुद्धीफेरके करातेहैं?सोवोह प्रगट,पापहे,किजोमैं,आपलोगोंको वाकीफ होनेकेलीये,लीखताहूं,जीसकी,तारीफ सुनो-परंन्तु संसारके लोगोंकी-एसी,बुद्धी,भ्रष्टकरदीहे-किजो संसारकेलोग पाप करतेहैं.उसकोही.धर्म्म.समझतेहैं और वेसेही इनको.सुझादेतेहैं.किकोइ.एसाभी;ध र्म्महोगा सोऊनकोभी नहीसमझनेदेतेहैं-कियह-जुलमका पापहे कि,पुन्यहै-सोऊन की,बुद्धी,भ्रष्टकरदेतेहैं,किजो पापको और पुन्यकोभी,नहीसमझतेहैं,कियह;जुल्मका पापहे किपुन्य सोसबकी!बुद्धी,भ्रष्टकरदेतेहैं,इससे?नहीसमझतेहैं क्युंकिपापहे वोह तो-पापहीहै-और-जोपुन्यहै वोह पुन्यहीहे और इन्द्रजाल-एक-जनाकरे-तो;नही- चलताहे परंन्तु इनबनीयोंने-बुद्धी.भ्रष्टकरके-थोडा२पाप भुतोंके मुवाफीक,संसा रको.सीखादीयाहै.जीससे पाप दुनीयांमें फेलगयाहै सोइस.बातका.इन्साफकीया

चाहीये क्युंकि इन्साफके-करनेसे,खुद,मालुम,होजावेगा-कि जीसकदर पाप.इन सोदागरांनने-चलायाहे-किजो रीजक तक नहीरहनेदीयाहै-काल-वगैरा,डाल२के सोतो सभीजांनतेहें किजो!आदमी-और-जीव!जन्तु दुःखपातेहें सोभी,सब,जांन तेहें.सोइसके.सीवाये.और क्यापापहोगा सोदुनीयांको.पापसे.भुलाके.जादुखोरा बनादीयाहे और जादुखोरा!देव;बनगयेहें,और!दुनीयांको भुत!पलीत बनादीयाहे और,जमीनदेव,और,रीजकदेव और जलदेव कीसीकी,अकलको,भ्रष्ट,नहीकरतेहें यहतो दुनीयांमें भुलडालीहे,किजो,दुनीयांको,भुलाके देवतोंकेउपर दुनीयांके,हा थोंसे.जीव.मरवातेहें.सोयह सब सबब बनीयोंके जादुकाहे.क्युंकि.रीजक.खानेसे तो-अकल ठीकानेआवे सो-अकलकोतो,यह,बनीये-जादुसे फेरदेतेहें और-इश्वर, कीसीकी,अकलको,नहीफेरताहे क्युंकिउसके घरमेंतो सिंध,और-बकरी,शांमील-चरीहें,एसा संम्प और;इरादाहै;सोजबकि;राक्षसबीद्याका;पाप चलताहै जब,दुनी यांकी!बुद्धी!भ्रष्टहोजातीहै जबही दुनीयांमें खार अेंखार अनेक!प्रकारका!बढजा ताहे सोजब जुल्मकरनेको-लगजातेहें,और;कइदफे-बेइमानोंने पापचलायाहे और बुद्धी.भ्रष्टकीहे.जबके बेइमान पापकरनेवाले पकडेगये वेसेही.पापको.छुडवातेगये सो जीसतरहसेकि पापको,छुडवातेगये,उसीतरहसे,बुद्धी दुरस्तहोतीगइ क्युंकि-मालीकके-घरमेंतो-सबकी बुद्धी दुरस्तहीहे परंन्तु जाल-बनीयोंकाहे-सोयह?बनीये अपने राक्षसीपापसे अकल-फेरदेतेहें,और-जांनवरोंको झूठ,बोल२के मरवादेतेहें, सो.सबकी.इनबनीयोंने.ऐसी अकलको फेरदीहे किजो.लाखों.साधुओंको.और, फकीरोंको और संसारके!आदमीयोंको,जादुके!जुल्मसे पागल करदीयेहें;और;जी स,साधु,फकीरको,कि पागलकीयाहे सोऊनको क्यासुझताहे,किजो,वोह-भीष्टा-व पेशाबको खाते पीतेहें,और,फीर;वोह;अपने,आप,यहकहतेहें किहम सीद्ध.होनेके. वास्ते;एसा;कांम;करतेहें और कोइ मरेहुये जांनवरोंके हाड;और;आदमीयोंकी;खो पडीयां वगैरा जमैकरतेहें,और,ऊन?हाडों,वगैराके अंन्दर पडेरहतेहें,और,ऊनके दीलमें.जादुसे.एसा.सुझातेहें किहम औलीया होगयेहें.सोऊनको,जादुसे.एसा;सु झातेहें सो,दुनीयां देखतीहे-कि,साधु,पागल-होगयाहे या;कीसी साधुने;फीटकार दीहे या कीसी देवताकी साधना करताथा सोउसमें चुक पडगइहे इससे पागल-होगयाहे तोसंसारको एसा सुझातेहें जब दुनीयां यह;कहतीहे कि पागलहोगयाहे और;जबके संसारमें बहुतदीन गुजरजातेहें और शराब पीतेहुये देखतेहें-सो;संसा

रको-जादुसे ऐसासुझातेहैं कि,शराबका,दुध,बनादीया,और गोस्तहोवे तोउसका गुड.सुझादेवें.और.गोस्तको और शराबको और कीसम२की.चीजें.जादुसे.सुझा देतेहैं,सो साधु फकीरोंको-खबरनही-किजो;ऐकचीजका रुपथा उसने;दुसरे;रंगका सरुप!कीसतरहसे!करलीयाहोगा याने कीसतरहसे रंग!बदललेतेहैं!और,वोह,यह जांनतेहैं किहमारा परमेश्वर,बेली,आयाहे,इससेऐसा,हुवाहे कि,गोस्तका गुड,हो जाताहे-परंन्तु-काफीर-बीद्यासे एसा होजाताहे तो समझेंनही-सो?नजर-बंन्दहोजा तीहे-जब शराबका दुध-सुझताहे-सोयह-काफीरी-पापहे जीससे गोस्तका-गुड-सु झताहे.वरना.गोस्तका.गोस्तही रहताहे और शराबका.शराबही.रहताहे.सोइसत रहसे.और सब.चीजेंहैं और-बेइमांन-बनीयोंके-जादुसे जीस?रंगकी चीजेंहोतीहैं वेसेही सवांद लगनेलगतीहैं सोबुद्धी भ्रष्टकरदेतेहैं सोजबके बुद्धी भ्रष्टकरदेतेहैं जब फीर-वेसेही-सवाद-लगने लगजातीहैं किजीस रंगकी चीजेंहोवें-सोनजर-बंन्द'हो जातीहैं जीससे कुछकाकुछ.सुझनेको?लगजातेहैं.सो.साधुओंको कुछ दोशनहीहे और-संसारके-लोगोंको जादुके जुल्मसे बीमार करदेतेहैं-और?जीसको-किपागल कीयाहोवे उससे उस-बीमारकेउपर-हाथ-फीरवादेवें किजीसको पागल-कीयाहो वे,उससे उस बीमारकेउपर,हाथफीरवादें,किजीसको पागल कीयाहोवे,और,जी सको.कि.बीमारकीयाहै उसके नांमका पाप चोरासीलाख.कूंन्डीयोंके.उपर,छोड देवें!तोवोह बीमार आदमी!उस,पागल,फकीर!वगैराके हाथ,फेरनेसे अच्छाहोजावे और,संसारमें,कीसीको,कच्ची उमरमें मारदेवें और साधु,जादुसे,पागल,हुवाहोवे; ऊनको रोतेहुयेदेखके यहकहदेवे,कि,जा,तेरा,बेटा,जींन्दा होजावेगा तोवोह;गुपती पापको.छोडदेवें.किजहां.ऊनके नांमका गुपती पापकरातेहैं.तोवोह.जींन्दाहोजावे क्युंकि मालीकनेतो सबको!पुरी,उमरदीहै,और!जोकि कच्चीउमरमें मरतेहैं.वोह. राक्षसीपापसे!मरतेहैं!सो कीरोडोंको पापसे मारदेतेहैं!और?संसारको?भुलानाहोवे तोकीसी२को पागलके हाथफेरनेसे,एक,दोको,जींन्दा होजानेदेतेहैं और;जींन्दा, होजावे सोयहभी मालीकको जीयादा भुलानेकेवास्ते इनके जालके,परचा दुनीयां में-चलादीयेहैं जीससे कच्चीउमरमें-मारतेहैं-किजो-गुपतीपापका करना ऊनके;नां मका.छोडदेवें.किजीसको जादुसे माराहोवे सोजबके वोह.पीछा.जीताहोजावे,तो संसारकेलोग यह कहनेको-लगजातेहैं,कियहतो,बडा-औलीयाहै जब उस,पागल को.संसारमें.कीसीको जींन्दा करतेदेखके कोइ२सत संगतकरनेको?लगतेहैं—और

जांनतेहें किहमभी ऊनके मुवाफीक सीद्धहोजावें सो सत संगतकरतेहें और उसी तरहसे हाडवगैरा और भीष्टावगैरा देखा देखी करनेको लगजातेहें और जांनतेहें किहमभी उसके मुवाफीक सीद्धहोजावें सोभीष्टा व मेला और हाड व पेशाबतो कदीमसेही मेला-व खराब कांमहै सोसबको दीखताहे सो दुरस्तकहतेहें सो;सहीहे और.यह.बेइमांन.जादुसे परचा सुझातेहें जब दुनीयां.भुलजातीहे.किजो.मेली,ची जको अच्छी जांननेलगतेहें,और,संसारमें;यहभी,कहतेहें कि-बृहमणोंको बीकानेर राजासाहबने बृम भोजदीयाथा सो खबरनही कि बृमभोजमें शीरा बनायाथा, या मीठाइ बनाइथी सो बीकानेरमें कोइ साधु फकीरथा सोउसने ऊंटका हाड, अपने कांधेपरउठाया और उठाके-आया और उस बृमभोजवाली कडाइमें,उस ऊंटके,हाडको,घुसेडदीया,जब सब बृहमण कहनेलगे,किइस,पागल;फकीर;साधुने हमारा धर्म्म भ्रष्टकरदीया;जब.बृहमण;कुकते२राजमेंगये और उस.फकीरकोभी पकडकर लेगये जब उस फकीरसे राजने दरीयाफतकीया कितुमने बृहमणोंके बृमभोजमें ऊंटकाहाड क्युंघुसेडदीया जब साधु फकीरनेकहा कि;आपने जीमन दीयाहै और हमने दीक्षणादीहे सोवोह हाडनहीहे वोहतो सोनाहे सो जादुके जु ल्मसे-उसीहाडको सोना सुझादीया-और,वोह,था-ऊंटका हाड सो,जबतककि,रा क्षसीपापका साया,उस हाडपर रक्खाहोगा जबतक वोह.हाडका सोनाही दीखा होगा सोजीसतरहसे संसारको.हाडका.सोनादीखाहोगा उसीतरहसे साधु,फकी रको.हाडका.सोनादीखाहोगा जब साधु फकीरने उस.बृमभोजके,अन्दर,उसको घुसेड दीयाहोगा,सो साधु,फकीरको,और,अतीतको,कुछ दोशनही और,जोकि इश्वरने-सोना-चांदीबनायाहै वोह कदीमसेही सोना चांदीहे-सोतो-सोना-चांदीही रहेगा,और जादुसेकहोतो चांदी-सोनेके-कंकर-पत्थर और,कोयला वगेरासुझादें सोजीसतरहसे-रावणने-और कंस वगेराने ऋषिश्वरोंको;और;संसारको;भुलायाथा और दीसासुल करदीयाथा किजो कुछका कुछ जादुसे सुझातेथे इससे जीयादा; अब,बनीये अपने राक्षसीपापसे तरह२के परचा सुझातेहें सोदुनीयां मुहसे.परच२ कहरहीहे और बनीयेबेइमांन बृहमणोंके-उत्तम-कुळको भ्रष्ट करनेकेलीये साधु,फ कीरोंकी.बुद्धी.भ्रष्टकरके ऊनके हाथोंसे ऊंटका हाड.बृमभोजकी.कडाइमें.घुसड वा.दीया और लोगोंको,जादुसे,सोना,दीखादीया,सोऐसे२परचे चालाकीकरके, लाखों चलादीयेहें सो दुनीयां मुहसे परचा२करतीहै परंन्तु बनीयोंने जादुसे भु

लाके-ऊनका धर्म्म अष्टकराया-सोजबके-ऊनहोंने-हाडका सोनादेखा जब,ऊन होंने,बृम्भोज,करलीया,और जीमलीये सोवोहतो परमेश्वरकी,कळासेभुले,जब;बे चारे जीमणको जीमलीये;सोऊनहोंको;जादुकी;खबरनही और;ना संसारको;ख बर!कि!राक्षसीजालहे और मेरेकोतो ऐक दो बात यादआतीहे!सो!लीखताहूं— और परचे अनेकतरहके-चलायेहें-कि-जीसकाकुछ-पारहीनहीहे सोऐसे परचोंके भरोसेसे.धर्म्म.अष्टहुवाहे सोयह समझेंनही सो राक्षसीपापसे.ऐसी.बुद्धी.अष्टकर दीहै.किजो समझायेसेभी नहीसमझतेहें,और,जीस,मुलकमें ऐसे परचा;चलायेहें; और-जादुसे-कुछकाकुछ-सुझादेतेहें सोजीस मुलकमें-ऐसे२परचा-हिन्दुस्तांनके,हिं न्दु,मुसलमांनको और दुसरे-राजा-बादशाहोंको-दीखाके भुलादेतेहें और,यह,हिं न्दु!मुसलमांनके!धर्म्म!इमांनको अष्टकरदेतेहें और करामातोंके!भरोसे!भुलेहुयेहें-सोजबही तो हिंन्दुस्तांनकी,बादशाहसको,और,रीजकको करामातके सबबसे,डबो दीयाहै-और-दुसरी-वलायतोंमें इनकी दुकांनें जावेंगी-तोऊनकाभी,वही-हालहोगा कि;जेसा हिंन्दुस्तांनका हुवाहे!और;ऊनकोभी!करामातोंके जुल्मसे भुलावेंगे;सो यह.राक्षसीपाप.मीटाना;चाहीये क्युंकि बीमारीतो राक्षसीपापके.जुल्मसे.करातेहें और सुझादेतेहें देवतोंका सो कोइ साधु फकीर उस बीमारकेउपर हाथ फेरदेवें तोवोह.अच्छाहोजावे.या.और कोइ साधु फकीर पागल.नहीहोवे.और,वोह,हाथ फेरदेवे और कहदेवे,कि,जा,तेराबेटा,अच्छाहोजावेगा,सो जबके वोह;अच्छाहोजावे तो-परचा२करतेहें-सो-और भी कइ परचा चलादीयेहें किजो-धूंनीमें-आगहोवे— और,उसको कोइ झोलीमें!डालके-चलाजावे!तोसंसारको ऐसा सुझादेतेहें,कि;पुरा औलीयाहै!सोजबके!आगकेउपर पापका सायापडताहे जब!उस!आगका.तेज.च लाजाताहे इससे झोलीका,कपडा,आगसे;नहीजलताहे,सोऊन फकीर साधुओंको भी,खबरनही,और,कोइ२यहभी बद दुआदेतेहें कि जा तेरा.घर,जलजावेगा-सो जलजाताहे परंन्तु जलता,तो,है,राक्षसीपापके,जादुसे,और सुझादेतेहें परचा-सो साधु फकीरोंको राक्षसीपापकी खबरनही और वोहतो यहजांनतेहें कि हमको;प रमेश्वरने बचन सीद्धकीयाहे-और-संसारकोभी-राक्षसीपापसे ऐसाही सुझादेतेहें; कि.इस.साधु.फकीरका.बचन सीद्धहे सो बनीयोंने राक्षसीपापसे.भुला.रक्खाहे; कि-रावणने ऋषिश्वरोंको जादुके,जुल्मसे,परचोंके,भरोसे भुलारक्खाथा उसीतर हसे इन बनीयोंनेभी राक्षसीपापके जुल्मसे साधु फकीरोंको और संसारको भुला

याहै-और जादुसे कीसी२साधुवगैराके-दीलमें-ऐसा-सुझातेहें किहम सीद्धहोगयेहें और.शेर.बनजातेहें,और संसारकोभी ऐसाही सुझादेतेहें.किजीससे.संसारकेलोग यहजांनतेहें कि कोइ२साधु;शेर;बनजातेहें;सोयह;करामाती होगयाहे और,माली कके।घरमें।पहूंचगयाहे।सोदेखो यह सरीर कीसीकाभी।नहीपलटताहे।जबतक।जीं न्दारहताहे क्युंकि मालीकने-जीसतरहका,बनायाहे-वैसाही रहताहे सो;संसारकी और;साधुओंकी;बुद्धीको.ऐसी भ्रष्टकरदीहे-जीससे वैसाही.सुझताहे;और;सुझादेते हें,और,कइ आगमें परचोंकी।चलादीहें-कि।नांमदेवजी महाराज दुवारका.गयेथे सो-दुवारका-नाथजीने-अपना मंन्दीर फेरके दरशनदीये-और-सवाइगीर-बाबाने घोडा.छोड मुसजीद दोडाइ,और,बादशाहसे,मुलाकातकी और यहकहतेहें.कि-रांमापीर.रणुंजामेंथे.और चोसर खलतेथे उसवक्त बनीयोंका.जहाज.समुंन्द्रमें.डु बताथा.सो रांमापीरने गांव;रणुंजासे।बांऐं,लंम्बीकरके डुबतेहुये जहाजको.पक डलीया,सो,जहाजके,पकतेवक्त रांमापीरके अंगरखेकी,बांऐंसे,समुंन्द्रके,झागलगे. सो-रांमापीरके साथ ऊनका,भाइ,बीरमदेवजी,चोसर,खेलतेथे सो बीरमदेवजीने रांमापीरके,अंगरखेकी,बांऐंसे समुंन्द्रके झाग लगेहुयेदेखे,जब.बीरमदेवजीने,कहा कि;तुमने समुंन्द्रतक बांऐं।पहूचादी,सोऐसे,सीद्धहो।सो खयालकरनेकी बातहे;कि रणुंजासे,सेंकडों,कोसोंपेजाके समुंन्द्रहै सो वहांपर रांमापीरकी,बांऐं,कीसतरहसे; गइहोगी क्युंकि रांमापीर,तो,इसतरहसे.हुयेहें.किजेसे,हम और तुम,और,संसारके आदमी.उसीतरहसे.रांमापीरभी आदमीथे परंन्तु ऊनहोंने.भक्तीकीहे.जीससे।ऊ नका-नांमरहाहे और यहकहतेहें,कि,बल.राजाके,घर,कृष्ण महाराज बावन.रुप धरके और.ब्रहमणकी.शीकलबनके आये और झूंपडी.करनेकेवास्ते,बल.राजासे जमीनमांगी और कहा,कि,मुझको,ढाइ,कदम,जमीनदो,तोमैं अपनेलीये झूंपडी,ब नाउंं-जब,बल,राजानेकहा कि जमीनलो और झूपडीबनाओ,जब,कृष्णमहाराजने बल,राजासेकहा कि बचनदो,जब,हम,ढाइ,कदम,जमीन अपने वास्तेलेके.झुपडी बनावें.जब.बल.राजाने बचनदीया और बचनदेके और.जलकी.झारीलेके.ढाइ. कदम जमीनका शंकलप-कृष्णमहाराजको-देनेलगे-उसवक्त शंक्राचारजजी बल; राजाके-गुरु-भोंराहोकर झारीकी टूंटीमें घुसगये सो पांनी-टूंटीके-रास्तेसे-बाहीर नहीआताथा जब कृष्णमहाराजने-झारीकी-टूंटीकेअंन्दर सलाइडाली सोवोह।स लाइ-शंक्राचारजजीके-आंखमें लगी इससे शंक्राचारजजी-कांणेहोगये-और,घबरा

के-झारीकी टूटीमेंसे बाहीरकोनीकले-जब?झारीमेंसे पांनी—बाहीर नीकलनेलगा जब.बल;राजाने.कृष्णमहाराजको ढाइ कदम जमीनका.शंकलपदीया,और.बचन दीया,और कहा कि,कृष्णमहाराज,ढाइ,कदम,जमीन,नापो जब कृष्णमहाराजने अपना-सरीर-बढाया-सो आकाशमें सर गया और पातालमें-पांवगये,और-जमी नको नापनेलगे जब!कुल!जमीनको!दो!कदमकी!इसकदर देहको बढाइ,जब,कृष्ण महाराजने.बल.राजासेकहा कि हमको आधा कदम जमीन.और;दो.क्युंकियहतो दोहीकदम जमीनहुइ नहीतो बचनहारो जब बल राजानेदेखा कि,इतना सरीर कीसतरहसे-बंढायाहै,किजो-दो;कदम जमीनकीहै और-कहतेहें;कि-आधा;कदम;ज मीन,और,दो सोइस बातकोदेखके-बल,राजा-बहुतघबराये कि अब,जमीन,तो; और.कहीं.दीखतीहीनहीहै अब आधा कदम जमीन कहांसेदूं.जब?बल.राजापर कृष्णजीने कोपकीया और-कहा,कि,आधाकदम-जमीन और दो,नहीतो,बचन-हारदो-जब-बल-राजाकी माने बल राजासेकहा कि-कृष्णमहाराजके-आधे,कदम जमीनमें अपनी,देह देदो जो पुरी ढाइ कदम जमीन कृष्णजीके होजावे,जब-बल राजाने-अपनी-माके-बचनको सुनकरके कृष्णजी महाराजके-पांवकेनीचे-गीरगये जब कृष्णमहाराजने बल,राजाके,शरीरमें—लातमारी,तो,लातके लगनेसे जमीन फटगइ-सो-बल,राजा,पातालमें चलेगये जब बल राजा,कृष्णजीके-पांवको-चाटने लगे!जब कृष्णजीमहाराजने बल-राजासेकहा?कि-बोल क्यामांगताहै जो;तु;मांगे वहीदूं-जब,बल.राजाने,कृष्णजीसे कहा कि मुझको बचनदो,जब,मैंमांगूं-जब,कृष्ण जीने;बचनदीया जब बल,राजाने,कृष्णजीसेकहा,कितुम हमारेघर बारह;मासरहो जब.कृष्णजीनेकहा.किजोहम तुम्हारे घर पडेरहेंगे जबतो?सब.दुनीयां.मरजावेगी जब;बल राजानेकहा कितुम बचनहारो जब कृष्णजीनेकहा कि बचनतो;नहीहारूं मै-तुम्हारेघर-पडारहूंगा-जब कृष्णमहाराज बल राजाके-घरपडेरहै-सो-संसारमें; बरसातहोना बंन्दहोगया जब,दुनीयां,दुःख,पानेलगी,जब राधकाजीने कुल,संसा रमें-कृष्णजीकी-तलाशकी-तो ढूंडते२बल राजाके द्वारेमीले-जब?बल-राजाकेहाथमें राधकाजीने डोरा राखीबांधी.और.धर्म,भाइबनाया.और बल राजासे;कहनेलगे कि.बल.राजाजी.हमको बचनदो जब बल राजाने राधकाजीसे.कहा.बचन.हीहै और बचनदीया बोलो?तुम!क्यामांगतेहो!जब!राधकाजीने बल राजासेकहा,कि कृष्ण-महाराजको-हमारे घरभेजो जब,बल राजाने राधकाजीसेकहा-कि-कृष्णजी

महाराजको,तो हम नहीभेजते-क्युंकि,कृष्ण-महाराजने हमको हमारे.घररहनेका वचनदीयाहै.इससे.नहीभेजते जब राधकाजीनेकहा कि.तुम.नहीभेजो.वोहठीकहै परंन्तु कृष्णमहाराज तो,परमेश्वरहैं,सोजबसे,कि,तुम्हारेद्वारेआये जबसे कृष्णजी महाराजने-संसारमें-बरसात नहीहोनेदीयाहै सो सारी दुनीयां-दुःखीहे-सो?सारी दुनीयां बरसातबगैर मरजावेगी.सोतुम;नहीभेजोतो.वचनहारो जब बल;राजाने कहा.कि.तुम्हारेघरमें.चार महीना कृष्णजीको भेजूंगा और.आठ.महीना.मेरेघर रहैंगे,जब राधकाजी चार-महीनेका-हुकमलेके-और-बल राजासे रुखसतहोकर; कृष्णजीकोलेके.घरआये.जब चार महीना संसारमें बरसातहोताहै.परंन्तु.पहीले बारहमास बरसातहोताथा सो,कहतेहैं,कि,कृष्णमहाराज बचनोंमेंआयेहैं जीससे. आठमहीनातो-कृष्णजी-बलराजाके घररहतेहैं और चार-महीना-राधकाजीकेघर आतेहैं.जब संसारमें चारमहीना'मेहहोताहै'और'पहीले सतजगमें बारहमास.याने ऐक?महीनेमें?ऐकदफे?अच्छीतरहसे बरसातहोताथा और?दुसरे?महीनेमें?फीर—अ च्छीतरहसे किजीससे जमीन'खुश्क.नहीहोनेपातीथी'याने महीनेकी महीने'बरसात होतीथी;और-जमीन.तररहतीथी जीसको लोग बारह.मेघ.मालाकहतेहैं;और;इस जमांनेमेंतो मुशकीलसे चारमहीना-मेह?बरसताहै-वोहभी जादुसे थोडाबरसनेदेतेहैं और,पुरा,नहीबरसनेदेतेहैं और ऐसी बातोंका कीस्सा चलादीयेहैं,कि,कृष्ण,महा राज राजाबलके बचनोंमेंआयेहैं,इसवास्ते,और,महीना,याने आठमहीना नहीबर सता!कीस्सोंसेतो!कुछ नहीहोता यहतो संसारकी बुद्धी!जादुसे!भ्रष्टकरदीहे;इससे ऊनको ऐसाहीसुझताहै और,यहबनीयेभी,ऐसाही,खयालकरतेहैं किइनको इतनी ही;समझहे-इसवजहसे-यह जादुकेजोरसे थोडा महीना-बरसनेदेतेहैं,सोइस;बातका बीखांन बडे२पंन्डीत लोगहीकरतेहैं,और,संसारकेलोगभी करतेहैं और,इसबातको जीयादातो-मैंक्याकहूं-कि पढेहुये राजालोगभी कहतेहोंगे-और-जबतक-मुझको;इन बनीयोंने अपने,जादुसे दुःखी-नहीकीयाथा-जबतक-मैंभी यहीजांनताथा कि,कृ ष्णमहाराजही!संसारमें!मेह बरसातेहैं और आठ महीना!कृष्णजी!बल-राजाकेघर रहतेहैं,इससे चारमहीने मेह,होताहै,ऐसा,मैंभीजांताथा इसमें ऐक.रती?झूठनहीहै मेरा.जीवभी.यही.गवाहीदेताथा कि कृष्णमहाराजही मेह.बरसातेहैं?और.कृष्ण-महाराजही परमेश्वरहैं और.घडन,भंजनहैं-और.जमीन आसमांनके घडनेवालेहैं और;रचनाको-रचनेवालेहैं ऐसा-मैंभीजांनताथा और;मेरे-जीवमें;ऐसाहीसुझताथा

किजबतक मुझको राक्षसीपापमें-दुःखीनहीकीयाथा-जबतकमैं कृष्णजीकोही परमेश्वर-जांनताथा;कि;कृष्णमहाराजही पेदाकरंन्ताहै जबकोइ-हिन्दु;मुसलमांन-बुद्धीमांन,शख्स मुझसेकहता किवहतो,अपने;मुवाफीक,आदमीथा तोमैं;ऊनसे;लडनेको लगजाताथा.और.मैंकहताथा कि कृष्णमहाराजतो घडन.भंजनहैं,जबकोइ.बेचारा बुद्धीमांनकहता किवोह बेचारा;राजाथा-और;उसने भक्तीकीथी इससे;उसका;नांम संसारमें!अमररहाहै!तोउससे मैंगुस्साहोकर लडपडता!और,कहता,कि!कृष्णजीतो घडन,भंजनहैं सोवोहतो बेचारे,सच२कहतेथे.और,मैंऊसको ऐसाजांनताथा कि बेवकुफहैं;और;मुरखहैं;और संसारमें इसकदर कृष्णमहाराजकी;सोभाकरतेहैं;और कृष्णजीतो घडन भंजनहैं-सो-संसारमें-कृष्णमहाराजकी झुठीबात थोडीहीकरतेहैं परंन्तु,वोहथी.सच्चीबात.सो सच्चीबातके कहनेवालोंको.मै.मुरखजांनताथा.क्युंकि मै-राक्षसीपापमें केदथा और,अंन्धे,आदमीकी,तरहसेथा जीससेमैं ऊनसच्चे;आदमीयोंको-मुरखकहताथा-सोमैं यह कीस्सोंके सुननेकी वजहसे-कहताथा-किजो;शख्स कृष्णजीको संसारके मुवाफीक,आदमीकहै.वोह,मुरखहीहै सोमैंमुरख ऊनसेऐसा कहताथा.क्युंकिइन.बनीयोंने रावणके मुवाफीक राक्षसीजालके.कीस्सा.चलायेहैं जीसका;कुछ पारहीनहीहै परंन्तु,संसारमें;यहकहतेहैं,किजो भक्तीकरताहै उसको कृष्णमहाराज.मीलतेहैं.क्युंकिजीसको मीलतेहैं उसके जीवका,सब.नीसतारा,करतेहैं-किजो भक्तीकरताहै उसको-कृष्णमहाराज-मीलतेहैं ऐसे२कीस्सा सुन२कर, मैंभी अंन्धाथा और भजनोंको सुनताथा तो वहीबात और ब्रहमणोंकेपास कृष्णमहाराकी बातेंसुनताथा तोवोहभी यही,बातेंकहतेथे जब जांनता.कि.कृष्णजीही घडन भंजनहैं सोमैं साधुतोहुवा परमेश्वरकेवास्ते और परमेश्वर सुझते कृष्ण.महाराज-सोमैं जंगलमें कृष्णकेवास्ते रोताफीरता किजो आंखोंका पांनीतक नहीटुटताथा और जंगलहीमें रहताथा और जंगलमेंही सोताथा और वनासपतीके फुल और,फल वगैरा खाताथा और कृष्णको ढूंडता फीरताथा जीसमें पंन्दरह,दीन और-बीस२दीन खानाभी नहीखाता भुखा पडारहता और कहता कि मरजाऊं तो!बलासे परंन्तु कृष्णमहाराजके दरशनहों क्युंकिआगे बहुतसे साधुहुयेहैं!ऊनको.दरशनदीयेहैं और ऊनकी मुरादें पुरीकीहैं इससेमेरीभी अबलखा कृषणजीसे मीलनेकीहे कुछ मायाकेवास्ते-साधु,नहीहुवा-फकत आपके दरशनके,वास्तेहुवाहूं सोऐसी;चाहना.रहतीथी कि कृषणजी महाराज मुझकोमीलें;जब;बचूं-नहीतो;यह

शरीर कृष्णाअर्पणहै——और?संसारके-आदमीयोंकोभी अपनेपास नहीआनेदेता और.पहाडोंमेंरहता.याने पहाड आबु आडावळा और.मालवेके,भाकरोंमें—और, सीवांणाके और जालोरीके,भाकरोंमें,भागता,फीरता,और आदमीयोंको नहीमी लताथा-और,ना-ऊनको अपने पास आनेदेता अगर मेरेपास-आदमीआता-तोमैं भागके चलाजाता और'दबकजाता'सो'संसारके'लोगोंसे दरीयाफ़तकरो तोवोही लोगकहदेंगे.कि.जीनकोदेखके मैंभागताथा कियह साधु.वहां२भागता.फीरताथा और आदमीयोंसेबात नहीकरताथा और जंगलमेंही हरताथा जब मुझको,पॅन्दरह या-बीसदीन भुखेमरते और.प्यासेमरते.होजाते.और यहजांनता.कि अब.मेरी; जांन.नीकलजावेगी.जबयह बेईमांन जादुसे कृषणमहाराजका.चहरासुझाते.जब. मुझको ऐसा मालुमहोता,कि;कृष्णमहाराज;मेरेपास,खडेहैं सो कृष्णजीका;चहरा मुझको,तरह२का,सुझातेथे सो कभीतो बीकराल रुप और,कभी,और,तरहका,सो जबके बीकराल रुपसुझातेथे-सो,कीसतरहका,सुझातेथे-कि कृष्णमहाराज गायेका गोश्त-अपने-कांधेकेउपर उठायेखडेहैं और मेरेसे यह-दरीयाफतकरतेहैं-कितु,इस जगहपर क्युंपडाहै सोजबके.मै.कृष्णजीका.सरुप.ऐसादेखता तोकहता किऐसा अपराधी आदमी कोनखडाहै गायेका गोश्तलीये और मै हिन्दुहूं जबमैं,उससे;गु स्साहोकरकहता.कितुम.चलेजाओ जब वोहकहता कि.तेरीजांनतो?नीकलनेकोहु इहे,और,तु भुखा प्यासा,यहां,क्युंपडाहे,जबमैं,जीयादा गुस्साहोकर यहकहता;कि तुमचलेजाओ तुम हमारेपास क्यापुछतेहो जब फीर वोह मुझेपुछता कितु,क्युंपडा हे;जब.फीर.मैंगुस्साहोकर कहता कि तुअपराधी क्यामुझको.गायेका.गोश्तदेवेगा, सोयह चीजतो मुझ हिन्दुके नजदीक भीष्टाके बराबरहै और मैंतो यूहींपडाहूं;तुम चलेजाओ.तुमको.क्याकांमहे.जब नमालुम कि गायेका गोश्त.तो.कहां.अलोपहो गया,सोइन बनीयों बेइमांनोंने?राक्षसीपाप?कृष्णजीके नांमकाकराके कृष्णजीका चहरा सुझादीया और,इसीतरहसे,चारभुजा,और मोरमुकट और,गोपीयांवगैरा भी-जादुसे-उसीवक्त-सुझादीं सो जेसे नींदमें सुपनाहोताहे-उसीतरहसे-वोह-जाग ता,सुपनाथा और बहुत आदमीयोंको दुनीयांमें जागता सुपना कीसीको,भुतका और कीसीको देवतोंका करातेहोंगे सोवोह कुलतमांम जागता सुपनाहे-क्युंकि;ऐ साबुरा-पापहे-कि-मरेहुओंका पाएसे चहरा सुझादेतेहैं सो-खेर?कृष्णमहाराज-तो मुझको क्यासुझते परंन्तु बनीये जो राक्षसीपाप करातेहैं जीससे बनीयोंका;राक्ष

सीयाप क्रष्णका चहराहोके-सुझताथा-उसीतरहसे-और भक्तोंके नांमका.पापकरा तेहैं.सोऊनका.चहराहोके सुझताहैं किजीस२के नांमका.पापकरावैं.उसीका.चहरा दीखे-जब क्रष्णमहाराज कहनेलगे,कि,मांग,क्यामांगताहे जबमैंने क्रष्णजीसे-सीधे भावकहा!किदुनीयांमें!कालपडताहै इससे सारी सृष्टी दुःखीहे!सोऐकतो!काल!दु नीयांमें नहीपडे और-दुसरा-कच्ची,ऊमरमें-कोइ-नहीमरें और,तीसरा रोगचाला वगैरा!सृष्टीमें!नहीहोवें और चोथा सतजगकीतरहसे सब!गरीबों!अमीरोंकेपास, दरब,और मायाहोवे और कोइ भुखेनहीमरे और सतजगकीतरहसे अमन-असांन रहे-और-सतजगकीतरहसे सबकी बुद्धी दुरस्तरहे और-कीसीमें!खार-ऐंखारनही रहै,सोमैंतो संसारके वास्तेकहताहूं-और,सब-सुखीहोवेंतो उपकारहोवे वोह,उपका रहे;जबइसनी.बातसुनकरकहा कि तुमको क्याकांमहे संसार.मरजावेतो,तुझकोक्या और रहजावेतो तुझकोक्या-जबमैंनेकहा;कि,संसारमरजावेगा जब आपकाभी;नांम कोनलेवेगा;जब;क्रष्णमहाराजनेकहा किसंसारतो महा दुष्टहै;तु;मांम;जोतुझको;मांग नाहो जबमैंनेकहा किमैंने,संसारमेंसे.नीकलके.अपना,घरही छोडदीया सोअबमैं क्यामांगूं!मेरेतो!जीवका भलाहोना चाहीये मुझकोकुछ धन!नहीचाहीये!और;तुम परमेश्वर कहलातेहो ओर-संसार,कहताहे;कि,हमारी-बुद्धी परमेश्वरने भ्रष्टकरदीहे सोसंसारकोतो-कुछ-दोशनही वोहतो कहतेहैं कि हमारी-परमेश्वरने-बुद्धीभ्रष्टकीहे सोआप परमेश्वहो सतजगमेंतो,संसारकी!बुद्धी.तुमने अच्छीतरहसे रहनेदीथी;और अबतुमने.भ्रष्टकीहे.सोअब तुम्हारे हाथ क्याआताहे सोबुद्धी.भ्रष्टहोनेसेतो.गरीब गुरबा दुःखीहोतेहैं और,गरीबोंकातो,तारनेवाला,परमेश्वरहोताहै सोअब गरीबोंको ऐसा-दुःख-नहीदेनाचाहीये इतनी मेरेउपर क्रुपाकरो क्युंकि-आगे२भी!तुमहारी. सोभा संसारमेंहोरहीहै कि-भक्तोंकेकहनेसे-संसारमें-बहुत२सुखदीयेहैं तो अबभी मेरी.यहीअरजहै.किजेसे सतजगमें सुखथे वेसेही अब.होनाचाहीये.और.जबचाहूं जब-मुझको आपके दरशणहुवाकरें-जब-मुझसेकहा-कितुम ऐसाकरो कितुम,सर, भंगीके.मुवाफीक.होजाओ और कुत्तोंके साथ खाना खायाकरो.जब;संसारके;लो ग,तुमको बुराकहाकरेंगे जब,हम,तुमको.मीलाकरेंगे,और तुमहारे जीवका-भला होगा.सोतुम.हिन्दुहोतो.गाये और सुअरकाभी गोश्त खाजाओ.तोतुमहारी.आवा गवन मीटजावे जब,मैंनेकहा,कि,गाऐतो,हम,हिन्दुओंकी माताहै क्युंकि,हिन्दु,मु सलमांनको-दुध-पीलानेवालीहै इससे सब संसारके नजदीक-माताके-बराबरहै-सो

इसबातमेंतो मेराधर्म्म भ्रष्टहोताहै-तो-कहनेलगे-कि-तेरा स्वर्गमें भलाकरेंगे,कि,ज हांपर.राध,लहुकी.कूंन्डीयांहैं वहांपर तुझको राध लहुकी.कूंन्डीयोंमें.नहीडालेंगे; जबमैं ऐसी बातसुनके,कुत्तोंकेसाथ.और.भंगीयोंके,घरका टुकडा खानेलगगया और,अपना,धर्म्म,भ्रष्टकीया और जोकि ऊनहोंने कहाथा,वोह,सब,चीजेंखालीं, और,खाने पीनेलगा सो!गायेके;गोइतकी;परशादली!जीयादातो नहीखाया परंन्तु मेरा-धर्म्मजातारहा-सोमैंने जांना कि कृष्णमहराज परमेश्वरहैं-सोयह-कहतेहैं—सो करलो,सो मुझकोतो इसबातकी,बीलकुल,खबरनही,कि बनीयोंका जालहे,कि,जी सतरहसे-रावणने-ऋषिश्वरोंकी बुद्धी भ्रष्टकरदीथी क्युंकि!रावण-ईन्द्रजालकेपापसे लोगोंका धर्म्म भ्रष्टकरताथा.सोमेरेको;यह.मालुमनहीथा कि,रावणके मुवाफीक धर्म्म भ्रष्ट करतेजातेहैं और रावण और उसके कुळके लोग साधुवगैराका रुप,ध र२के,संसारको,बहकातेफीरतेथे और रावण वगैराने साधुओंकाही,रुपधर२के,सी ताजीको बहकालीयाथा उसीतरहसे-यह-बनीयेभी-डूंडीये पंन्डीतों और.साधु,फ कीरोंका-रुपधर२के-और भाकरों वगैरामें मील२के बहकातेहैं-कभी-शीवजीकारुप कभी गोपीचंन्दका कभी,भरतरी,और,गोरखनाथका,रुपधर२के जोहिंन्दु मुसल मानोंमें,आगे अनेक साधु,फकीरहुयेहैं,ऊन,मरेहुये,साधु फकीरोंका रुपधर२के, बहकातेफीरतेहैं-और-इन डूंडीयों वगैरानेही तरह२के रुपधरके-संसारमें-राक्षसी, पापचलाया और राक्षसीवेदके-टीपने.और-पोथीयोंवगैरा चलाइहैं और,इनहोंनेही पहीलेसे,ऐसे२कीस्से,भरतरी और गोपीचंन्द और गोरखनाथ.वगैराके.चलायेहैं कियह साधु;अमरहैं और,जीतेहैं;सोऊनका,भक्तीकेसबबसे नांम अमररहाहे;सोइन बनीयोंने.ऐसी२बातें संसारमें चलाकरके संसारकी बुद्धी.भ्रष्टकरदीहे.और.संसा रको भुलादीयाहे;और कारबेलीया,और,सांप,पकडनेवालोंकी तरहसे मरेहुये;सा धु!फकीरोंका,रुपधर२के!पहाडों वगैरामें बहकाते फीरतेहैं!इसीतरहसे,मुझको!यह डूंडीयावगैरा मील२के बहकातेरहे,और,कइतरहकी,आगम मुझको बताईं,कोइ,का लपडनेकी-और-कोइ-रोगचालेकी और कोइ मरीपडनेकी-आगम-मरेहुये-साधु— फकीरोंकी सुरतमें और रुपमेंहोकर,मुझकोबताइ;जबमैंने इन बनीयोंका जाल;पक डाहै;और.मरेहुओंका.जागता सुपना जोकरातेहैं वोहतो.और;बातहे.परंन्तु;बातेंतो मुझको खुद,खबरु रुप तरह२के धर२के बताइथीं मरेहुओंके सुपनेकरानेका तोमैं कीताबमें!कइजगह!लीखचुकाहूं सोवोहतो यहहे कि पाप!मरेहुओंकेनांमका!करावें

तो,सुपना सुझजाताहे और,जोपाप,छोडदीया,तो,सुपना नहीसुझताहे सोइसकी, मुझको,बीलकुल,खबरनहीथी मैंतो यह जांनताथा कि कृष्णमहाराजहैं,सो,मुझको यह,खबरनही कि कृष्णमहाराजके-नांमका-जागता सुपनाकीयाहे किजेसे;नींदमें सुपनाकरतेहैं-जेसायह-जागता सुपनाकीयाहे जबमैं कृष्णजीके-कहनेसे-सब-चीजें खानेलगा तोमुझको जादुसे;बावलाकरदीया,सो;कृष्णजीतो नहीथा थातो;जादुका फेल;सो.जादुसे.कृष्णजीका सरुप सुझादीया क्युंकि कृष्णजी.तो.मरगये;और;जो ऊनहोंने भक्तीकीहे तोऊनहोंका,नांम,अमररहाहे,क्युंकिवोहभी अपने मुवाफीक, और;संसारके;मुवाफीक आदमीथे सोजब मुझको जादुके जुल्मसे;बावलाकीया,तो ऐसाकीया किकुछ कहीनहीजावे-और,माइ,बाइ,और-आदमी आपुसमें सुख,दुख कीबातें.या.कमाने.खानेकी बातेंकरते और जोमैं गांवमेंजाता.और.ऊनकी.बातें; सुनता तोऊनकीबातें मुझको,उलटी,मालुमहोतीं,और-कांनोंसे उलटी सुनाइदेतीथीं कियह;मुझको;गालीयांदेतेहैं किजो आपुसमें बातेंकरतेथे वोह;मुझको.जादुकेजुल्मसे ऐसी,सुझादेतेथे कियह मुझको-डाकी,और,भुतकहतेहैं-जब ऐसे,जागते सुपनेकीये जबमैं.सोचा;कि.कृष्णमहाराज और कोइभी अमरतोनहीहैं.फीर.यह.जंजालक्या और,मैंपागल केसाहोगयाहूं मालीकके,नांमसेतो,और,बत्तीस लछनआतेहैं और बुद्धी.ठीकानेरहतीहे.फीर.मैंपागलके मुवाफीक केसेहोगया.ऐसे२जालतो.जागते; सुपने,मेरेको जादुसे इनबनीयोंने-दीखाये-जब-मैंवाकीफहुवा और डूंडीयेलोग— बहरुपके-मुवाफीक-साधु फकीरका रुप तरह२का धर२के-मेरेकोबहकाते-कि.अबके कालपडेगा यो मरीपडेगी,और;हजारोंतरहके;बीगन,बतलाते जबमैंने मालुमकीया कियहतो.रावणकी.तरहसे जालहे जबमैं इनबनीयोंके जालसे.वाकीफहुवा,कि;रा वणकी ओलादमेंसेभी ऐसे२साधु,फकीरोंका,रुपधर२के,ऋषिश्वरोंको और संसा रको,बहकातेथे,बलके,यह डूंडीये जीते जागते मीलतेथे यहकोइ,सुपनानहीहे,यहां तकतो,यहबातें मुझको जादुसे,सुझादीं,क्युंकिजादुसे,मुझको बावला करदीयाथा; जीससेऐसा,सुझनेलगाथा,सो जोकोइ गरीब बातेंभी करेंतो,ऐसाही,मालुमहोताथा किजेसे गालीदेवेहैं सोवोहतो-बेचारे,सीधी-बातेंकरतेथे और-मुझको जादुसे ? जो बावला.करदीयाथा.इससे.मुझको उलटा सुझताथा जबमैं.ऊनको.गालीयांदेता,कि बेइमांनों,तुम हमको गालीयांदेतेहो,और,भुत,डाकीकहतेहो और मैंतो-परमेश्वका भक्तहूं-और-तुम-हमेशां तुमहारी मोजआवे उसीतरहसे मुझको-कहतेहो-जबमैं?की

सीर२को पत्थरोंसे मारनेलगता!और-बुरी२गालीयां!देनेलगता सोमैंतो अकेला और.संसार.बहुत.और मैंसरीरमें बहुतकमजोर और आंखोंमें.दमआरहा.सोमैं-जादुके जुल्मसे दुःखीहुवाथा,सोजब;मुझको,गालीयांदेतेहुये लोगदेखें जब;मुझको मारें,और,कहें;कि यहतो बावला;होगयाहे सोजीस गांवमेंजाऊं,वहांयही,हालतकरें और वहींमारें और'कहें'किआगे'बहुत'समझदारथा'और अबकीसीने फीटकारदीहे सोबावला.होगयाहे.सोजीस गांवमेंजाऊं वहांपर वहीहाल.मेराकरें.याने.गुजरात और,मालवामें और मारवाडवगैरा-याने-जीस-मुलकमेंजाऊं तोउसी मुलकमें;बा वला२कहें.और.मारें.किजोमेरा बुराहाल होगया सोमैं.यह.बीचारकरूं.किकूंवेमें गीरजाऊं या फांसी या,अमल,खाकेमरजाऊं,ताकि,मेरा दम नीकलजावे तोठीक आतहे,ऐसा,दुःखीहुवाथा सोइसतरहके दुःख सहते२दस,बारहबरस,गुजरगये,तो यह,बीचारकरूं कि अबमैं;कहांजाऊं;ऐसा;दुःखीहुवाथा जबइन बनीयोंने,ऐक,गा येको-कचीउमरमें-जादुसे गांव बालोतरामें मारदी सोवोह-रातभर-मरीहुइ,पडीर ही!सोमैं जहांरहताथा वहांपर,भंगीकीतरहसे,रहताथा,और मजदुरीकरके और-झाडु!बुहारुदेके!रोटीखाताथा और जबमैं मरीहुइ गाऐके!पासगया!तोलोग;कहने लगे;कि ऐबावले गाऐकेपास मतजा यहतो मरीहुइहे जबमेरेको जादुसे ऐसा;सुझा या.किकांन.हीलातीहे जबमैंनेकहा-किबेइमांनो गायेतो.जीतीहे और,तुम,मरीहुइ कहतेहो कुछमैं बावलाथोडाहीहूं-यहतो.कांन-हीलातीहे सोमैंने-कांन हीलातेदेखा जब-मैंनजांना-किजीतीहे और थी मरीहुइ और मैंजादुके-जुल्मसे-गैलाथा;सोमेरे को,ऐसासुझा किकांन हीलातीहे,सोजीतीहे,जबमैंने,गायेके पीठपर हाथमारा,जब गाये.बेठीहोगइ.जब.वहीलोग कहनेलगे किइस बावलेको.मतमारना.यहतो,सीद्ध होगयाहै और मालीककेघरमें'पहूंचगयाहे!सोइसको'मारना अच्छानहीहे यहतो. भक्तहे-इससे-लोगादीखाओ बकताहे और मैंजादुमें दुःखीथा-और-लोगोंको;जादु से,ऐसासुझावें कियह भक्तहे-सोअपनेको-भुलानेकेवास्ते और संसारकेभुलानको-बकताहे.और.संसारको दीखानेकेवास्ते सीरडी बनगयाहे.सो.संसारके.आदमी, अपने,आप यहकहें कियह,बावलातोनहीहे,यहतो,भक्तहे परंन्तु इसवास्ते,बावला बनगयाहे-किकोइ-मुझको भक्तनहीकहें और मेरेपीछे-संसारकेलोग-नहीलगें-इस. सबबसे सीरडीकी तरहसे.बकताहे,सो,संसारको.जादुके जुल्मसे ऐसासुझावें,और मैंतो-दुःखीथा-और-संसारने आपसे आप बातें चलादीथीं-जब-ऐसे२परचे!मेरे

हाथसे चलाने शरुकीये-सो-बालोतरामें-बनीयोंका-सेवकथा और बनीयोंके;मंन्दी रोंकी.पुजाकरताथा.सोउसकोभी जादुसे अन्धाकीयाथा सो.गायेका.परचादेखके सेवक मेरेपांवमें पडगया,और,पांवको;छोडेनही,और,मैंजादुके जुल्मसे महादुःखी किजो;आदमीका;कपडा लगजावे तोवोहभी सुहावेनही,ऐसादुःखीथा;और,सेवक मेरेपांवको छोडेनही जबमैंने-गुस्साहोकेकहा-कि-बेइमांन तुझको नहीसुझे;तोमैंक्या करूं;मेरे-नजदीक-अपनी आंखोंमें धुलडाल सोउसने सुनतेही-इसबातके-आंखोंमें धुल,डालली सोउसकीआंख खुलगइ-सोमैं-कोनसा-जांनताथा किधुल डालनेसे आंख.खुलजावेंगी.मैंनेतो.गुस्साहोके कहाथा जब सेवकने.मांना.किइनका.बचन धुलडालनेका होगयाहे जबउसने'धुल'आंखोंमेंडाली'तोउसकी आंख खुलगइ,और सुझनेलगा और कहनेलगा किजीसको तुम मारतेथे और बावलाकहतेथे उसनेतो हमरी,आंख,खोलदी,सोवोहतो हमारा गुरुहे इसीतरहपर ऐक;गांव;खेडा;परगने; मालांनीमेंहे सोवहांपर चमारों-याने-भांबीयोंका-गुरुरहताथा सोउसकी ओरतका दुध;जादुके.जुल्मसे.सुखादीयाथा सोउसके चार पांचबच्चे.बगैरदुधके.भुखेरह२के मरगये सोमैं अपने फकीरीके-हालतमें-वहांपर-चलागया तोवोह ओरत परचोंका हालसुनके मेरेपांवको पकडके,माइ,बैठगइ,और,कहनेलगी कि;बाबाजी मेरे;चार पांचबच्चें-बगैरदुधके-मरगयेहैं सो हाल इसतरहसेहै किजो-ऊंगलीयोंमें-दुधहोवे;तो मेरे,थनोंमें दुधहोवे सो-बचनकहो,सोमेरे,दुधआवे-जबमैंनेकहा किमैंतो संसारका बाल.बच्चाहूं.और.संसार माता पीताहै सोमैं क्याजांनूं कि.दुधआवे-या.नहीआवे सोमैंने उसकेथन बच्चोंके-मुवाफीक;चूंसे;सोदुध-आगया किजीसतरहसे माइ;बाइके दुधहोताहै;उसीतरहसे - उसकेभी;दुधआगया;तोउसनेभी-जांना-कियहतो;बडा;बचन सीद्धहै और चलेपरचे और मुझको खबरनही और फीर गांव पादरु इलाके;सी वांनामें-जोहै-उसजगह-जोमैंगया तोक्यादेखताहूं किमरद--और-बाल-बच्चे-कूंवेके-होजमें अशनांनकररहेहैं और,तेल,मेट,और,साबून,देरहेहैं और गाये,भैंस,खेलीमें पांनीपीतीहैं.सोमैंने?यह.कांमदेखके बाल बच्चोंको और.मरदोंको.अशनांनकरनेसे मनेकरदीया सोमेरेकहनेसे बाल!बच्चे?और!दुसरेआदमीतो हटगये और;ठाकुरका आदमी!नहीहटा!जब!दुसरेलोग और बाल बच्चे कहनेलगे!कियह!बाबा?तो!बडा सीद्धहै और बावलासा-दीखताहै-सोयह-मनेकरताहै-सोहमतो नहीनहाते जबउस ठाकुरके-आदमीनेकहा-किऐसे साधु बावले तो बहुत फीरतेहैं-हमतो-नहावेंगे-इस

पागलकेकहनेसे हम क्युंरुकजावें-जब.मैंनेकहा-कितुम मत नहाओ,और,मैंलङने लगा.तो.ठाकुरका.आदमी मुझपर गुस्साहोकर कहनेलगा.जब.मैंडरा.कि?मुझको मारेगा जबमैंने खेलीके,सरमारा!और!खेलीसे,सरफोडके दुसरे गांव.चलागया और,ठाकुरका,आदमी,अशनांन करतारहा जब वोह बाहीर,नीकला,तो,कोढी;हो गया-और उसको,बडा रोगहोगया,जबमैंने,ठाकुरके,आदमीको होजमें नहानेसे; मनेकीया,किइसमें;मत;नहायाकरो क्युंकि इसमें गायेवगैरा;पांनी;पीतीहें,इसवजहसे मनेकीयाथा सोठाकुरतक और-रैयततक,कोइ-उसरोजसे होजकेअंन्दर नहीनहाते सोउसकी.बुद्धी.भ्रष्टकरके.जादुसे बनीयोंने नहलाया.और.जादुसे.बडा?रोगकर दीया,जब उसने साध,अनोपदासके!नांमकी,परशादबोली और कहा,किअबमैं. कभीभुलकेभी-इस-होजमें अशनांन नहीकरूंगा मेरायह-गुनाह!माफकरो!तोउसके नांमका पाप चोरासीलाख,कूंन्डीयोंकेउपर,करना,छोडदीया तोवोह अच्छाहोगया और.मेरेको.खबरहीनही और मेरेनांमका दुनीयांमें परचासुझावें.और.मेरेनांमका पाप दीन२जीयादाकरके,बावला,करदीया!किजोमें,दीन२बावला होताजाऊं कि जो;दीन२लकडीके.मुवाफीक सुखगया किजो मेराजीव.अंन्दरसे.बहुतदुःखी;और फीर वहांसे भागा२सीवांणाके,इलाकेमे,गांव,बीजलीयाके भाकरमेंगया और;वहां जाकरबेठा-और-महादुःखी और यूंकहूं किमेरा दमनीकलजावे!तोबहुत!अच्छीबा तहै इसदुःखमें बेठा२सोच.बीचारकरताथा.किवहीं.भाकरमें जहांबेठाथा वोह;जा दुसे,बनीयोंने.फाडा.सोमैं डाकोरजीके रास्तेमें लालगुवाडीके.हदमें.पहूंचकर-कि जहांपर नो दस,कोसके-उजाडमें-झाडीपडतीहै,वहांपर जमीनही जमीनमेंजाकर बाहीर,नीकाला,सो,जीसतरहसे कि जादुसे देवतोंकी,पुतलीयोंको,जमीन;फाडके नीकालतेहें उसीतरहसे इन,बनीयोंने!जमीनमाताको,रोगकरके और जमीनको. फाडके!मुझ;गरीब;साधुको नीकाला तोमैं हवा और गरदके जोरसे;बेहोश!होगया सोखबरनही दस या बारह,रोज,पडारहा-या,कम,जीयादा उसकी मुझको खबर नहीहे.और.जबकिमैं;होशमेंआया तोमैंने बहुत सोचकीया.किमैं.कीस.मुलकमेंआ गया;यहक्या जुल्महुवा किजो;आवाज;आदमीयोंकी;सुनूं तोदुसरे मुलककी,और मुलकदेखूं-तोदुसरा;जबमैंने दीलमें सोचा किमैं आदमीयोंसे;यहकहूं,किमैं;जमीनके अंन्दरसे नीकलाहूं तो-मांनेंगेनही;इससेमैंने;ऊन-आदमीयोंसे यहकहा कि;मारवाड यहांसे!कीतनीदुरहै-और कीधरहै जब ऊनहोंने मुझको बडे२शहर-बताये!किजो

जोधपुरके राजके रास्तेमेंआतेथे-जबमैं-दरीयाफ्त करते२मारवाडमें वापीसआया सोमुझको-जादुके-जुल्मसे दुसरे मुलकमें नीकाला और-लोगोंको-जादुके-जुल्मसे; क्यासुझावें कि बाबाने,समाजीलीथी,सोकहांजाके,नीकला सोतो बाबाकी;बाबा जांने.और.मैंतो.जादुके जुल्मसे महादुःखी और ऐसाचाहूं.कि.जीव—नीकलजावे तोअच्छाहो और दुनीयांको!जादुके!जुल्मसे!ऐसासुझावें!कि सीद्धहोगयाहै परंन्तु मै-लालगुवाडीकी-तरफसे वापीस आतेवक्त गांव चोटीला-इलाके-पालीमेंआया, और वहांपरबैठा और,मेरेनांमके,परचेरतो,पहीलेसे,पुकारतेथे कि ठाकुरका;आ दमी-अपनी-ओरतसमेत मेरे पासआया;और उसने और-उसकी-ओरतने;मेरेपांव पकडलीये और उसआदमीके,और,उसओरतके,कोइ,बाल बच्चा जादुके,जुल्मसे नहीहुवाथा.और.शादी कीयेकोभी बीस या तीस बरसहोगयेथे.सो?माइ.बाइके-पेटमें रोगकरदेतेहें जीससे,बेओलाद,रहजातेहें,सोजब.उस आदमीको ओर;उसकी ओरतको,मेरेआनेकी,खबर चोटीलामेंहुइ तोठाकुरका आदमी,अपनी,ओरतसमेत मेरेपासआया और मेरे,पांवपकडे,और,छोडेनही,जबमैंने गुस्साहोके ऊन,दोनोंसे कहां-किहम-तुमकोक्यादें हमारेपास बेटा कहांसेआया जोदेवें-तुम-चलेजाओ—सो वोह,नहीगये और पांवपकडेहुये-बेठेरहे-जब-मुझको-बहुत गुस्साआया और;कहा कि.क्यातुमको?गु.याने चरकीनदेवें सोमैंने गुस्साहोकर, ऊनको.गुका?कहा.और मुझको यह खबरनहीथी,किइसके,बच्चाहोगा;सो,गुही,गुहोजावेगा सोउसके नोवें महीने,बच्चा,पेदाहुवा,क्युंकि मैने जब,गुकाकहा तोदोनों ओरत,मरद,यहसोचे,कि महाराजका बचनहोगया सो-घरमें,बेटा?बेटीहोंगे,सो-गुही गुहोजावेगा महाराजके पांवछोडदो-सोयह-खयालकरके पांवछोडदीये सो फीरतो-उसके;दीलमें-सीधाइ; जमगइ सोबोहभी यहकहनेलगा-कि,बाबा,बचन-सीद्धहै क्युंकिहमारेको गुकानांम लीयाथा,सोहमारे;बेटाहोगया सोइन बनीयोंने माइ बाइके;नांमका,पापछोडदीया सोउसके पेटमें जोरोगथे,वोह;मीटगये;सोउसके,बेटाहोगया और फीर,बच्चेहोनेलगे सोआप.लोगोंको.और.सब लोगोंको इसबातकी खबरदेताहूं.कि,इश्वरने.कीसीको भी,सतजगमें बेऔलाद नहीरक्खाहै-क्युंकि-सतजगमें सबकेही औलादहोतीथी, क्युंकि-परमेश्वरने-आदमीकेहाथ यह बातें नहीरक्खीहें;बेटा-बेटीवगैरादेनेकी;यहतो जीसदीनसे राक्षसीपाप चलाहै!उसदीनसे!बेऔलाद कीसी२को रखदेतेहें,और, जीस.कीसीको.कि.बेऔलाद रक्खाहो और उसकेनांमका.पापछोडदेवें.तोउसके

औलादहोजावे तोफीर संसार-यहकहनेलगे,कि-देवतोंनेदीयाहै या फकीरोंनेदीया है-सोदुनीयांको-भुलानेकेलीये राक्षसीपापकी सीद्धाइ चलाइहै-सोयह;सीद्धाइ-पर मेश्वरके भुलानेकेवास्ते संसारमें।बनीयोंने।जादुके।जुल्म चलायेहैं सो,संसारकेलोग सीद्धाइके;भरोसेसे,परमेश्वरको भुलेहुयेहैं और बनीयोंके,राक्षसीपापको,परमेश्वकी कुदरत जांनतेहैं यह,परचा,बनीयोंने,इसवास्ते,चलायेहैं,कि दुनीयां परचोंके,पर तापसे-भुलीहुइरहेगी-तोहमारे राक्षसीपापकी पहीचांन-कीसीकोभी-नहीहोगी-तो हमारे राक्षसीपापकी सोभा-संसारमें,बनीरहैगी,सो-दुनीयांको;तो खबरनही कि राक्षसीपापमें.बाबाका.बृम केदहै इससे बाबा दुःखीहे सो-दुनीयांकी.बुद्धी.जादुसे भ्रष्टकरदीहे जीससे दुनीयांको;ऐसाहीसुझादें;कि;बाबा जांनके गैलाबनगयाहै,और जबतक,मैने,बनीयोंके,जालका हाल कीतावमें नहीलीखायाथा,जबतक,तो,मेरे-ऐसे२परचे लोगोंको भुलानेकेवास्ते,सुझायेथे,और,जबसे;मैने इनकेजालको संसा रमें.जाहीरकरना.शरुकीयाहे और कीतावमें लीखवायाहै जबसे.मेरेकहनेसे.कीसी कामी,भला बुरा नहीहोताहै;सोमैंतो,पहीलेभी,कीसीकेभलाइके और बुराइकेवास्ते नहीकहताथा-और-अबभी कीसीको कुछ नहीकहताहूं परन्तु-यह-महाजन-खुदही अपने राक्षसीपापसे जो,चाहतेथे,वोह,करतेथे,और,जो,चाहतेहैं वोह अब-करतेहैं परन्तु,पेशतर,लोगोंकी,नजरोंमें मुझको बचन सीद्ध सुझादेतेथे,और,संसारकेलोग मुझको कहतेथे,कि बाबा-गैला,बावला,बनाफीरताहै-और बचन?सीद्धहे सोमैंतो भ्रम,जालमें-दुखी.सोमैं दुनीयांसेकहूं किजेसे रावणके पापमें.सनीचर,केदथा;उसी तरहसे बनीयोंनेभी भ्रम'जालमें;मुझको;केदकीयाहे-जीससे'मैंदुःखीहूं सो;संसारकी बुद्धी.जादुके;जुल्मसे.केद कीहुइहे सोऊनको क्यासुझावें कि.सीद्ध;होगयाहे.इससे गैलाहोके बहकाताहे और,मैंसमझाऊं,किजेसा,रावणका,जालथा उसीतरहसे इन बनीयोंका-जाल-फैलरहाहे सोइस जालकोभी रावणकी तरहसे-छोडाओ-तो;सब उभरो क्युंकितुम सीद्धाइके,भरोसेभुलेहो,सोमैंने, ईन्द्रजालकी सीद्धाइ बहुतदेखीहै और.उसीजालमें.केदहूं और दुःखीहूं और जोकिमैंने नांम.देवजी.छीपाका.हाल उपरलीखाहै कि नांम-देवजीको-द्वारकानाथजीने-मंन्दारको फेरके दरशनदीयेथे सो;मंन्दीरतो-जादुके-जुल्मसे फीरताहे और;यह कहतेहैं कि-सवाइगीर-बाबाने;घो डाछोड मसजीद दोडाइ।सोऊनहोंने।नहीभी।दोडाइहोगी तोभीयह पहीलेसेही, संसारमें.कीस्सा.चलादीयेहैं सोयह अकलकीहे किजब हमकभी?जादुसे—मसजीद

और मंन्दीरवगैरा फेरेंगे;किअगले-करामातीथे-वैसेही;अबभीहें सोइसतरहसे हमा रे;राक्षसीपापकी;खबर कीसीकोभी नहीपडेगी सोयहबातें;जोलीखीगइहें-जादुकीहें क्युंकि संसारमें कहतेहें,कि,कृष्णमहाराजने,अपना,शरीरबढाके कुल प्रथवींके;दो कदम;जमीनकी-सो-कृष्णजीभी अपने,मुवाफीक आदमीथे-सोइतना-लंम्बा;शरीर कीससे होसक्ताहै किजो'आसमांनसे'सरलगे'क्युंकि'नारांयणने जीसकदर आदमी की.देहबनाइहै.उतनीहीरहतीहे और आसमांनसे सरलगे इतनी.लंम्बी;देह.कीसी सेभी नहीहोताहे होतातो,जादुसेहे,सोयहभी,राक्षसबीद्याकी सोभाहे और,कृष्णजी कोइ;जल.थोडाहीथे;सो चारमहीना संसारमें बरसते सो.दुनीयां.कृष्णमहाराजका और बलराजाका कीस्साकहतेहें-कि,कृष्णजी,आठ-महीनातो बलराजाके घरपर रहतेहें-और-चारमहीना राधकाजीके घररहतेहें सोजबके-राधकाजीके-घररहतेहें, जब,चार महीना मेहबरसताहे!सो;कृष्णजी;थोडाही!बरसतेहें यहतो सब,राक्षस बीद्याकी.सोभाहे.क्युंकिजब जल बरसताहे जब जमीनमाता.पांनी;पीतीहे.क्युंकि पहीले बारहमास पांनीबरसताथा-जब-जमीनमाता महीनेकी महीने-पांनीपीतीथी जीससे-जमीनमाताका-शरीर महीनेतक तररहताथा और-जबके-जमीनमाताका. अहार गलजाताहे और,पेशाबके,रस्ते-और,पायेखांनाके रस्तेहोके नीकलजाताथा तो.जमीनमाताको.फीर भुखलगती तो महीनाकेबाद फीर.जमीनमाता.पांनीपीती सोजीसतरहसे कि आदमी,वगैराको,प्यास,लगतीहे,और वोह खाना;दांनाखाताहे और-पांनीवगैरा-पीताहे और खानावगैरा हजमहोके पायेखांनाके?और-पेशाबके रस्तेसे नीकलजाताहे और-फीर,भुखलगतीहे,जब-फीर खानावगेरा खाताहे,जी ससे.शरीरको.दुःखवगेरा नहीपहूंचताहे तोउसीतरहसे जमीनमाताभी.पांनीपीके अहारकरतीहे क्युंकि अपने!मुवाफीक,जमीन;माताकाभी!शरीरहे सोजब इसका अहार-गलताहे?जब-पेशाब और पाऐखानेकेही रस्ते नीकलताहे-जब-रत्नागरसा गर नीचेको उतरजाताहे-सो,रत्नागरसागर,जमीनमाताकी ओझडीहे और;जोकि सात.सायरकहतेहें.वोह जमीनमाताके शरीरमें ओझडीके.मीसाल.सतपुडाहै.सो यह सातपुडा ओझडीके-मुवाफीकहे-और-जमीनमाता-तो सदा जलकाही,अहार करतीहे'और'जीसतरहसे कि आदमीयों और चोपायों'पंखेरुओंके-पेटमें'ओझडीके पास सतपुडाकी ओझडीहोतीहे!उसीतरहसे!जमीनमाताकी ओझडीकेपास सत-पुडा-ओझडीहोतीहै-और यह बनीये बेइमांन जादुके जुल्मसे-जमीनमाताको-आठ

महीना रोगरखतेहैं सो;गरमीके–महीनोंमें–तो,चारमहीना गरमीका रोगरखतेहैं किजो-लुऐंवगैरा-जीयादा चलतीहैं यह जमीनको गरम-ताओका-रोगहै?जब?आ दमीयोंको और चोपायांन,पंखेरुओंको,गरम,ताओकी वजहसे बीमारीयांहोतीहैं; और,सरदीके,महीनोंमें चार महीना सरदीका रोगरखतेहैं,किजो,सरदीकीवजहसे जांनवरों वगैराको और;आदमीयों,वगेराको,ठंडा;ताओवगैरा चढताहे सोजबकि जमीनमाताको.ठंडा.ताओ चढताहे और जादुसे ठंडे ताओका.रोगकरतेहैं.जब,अ नाज,और बनासपतीवगेरा सरदीके,रोगकीवजहसे,जलजातीहे जेसाकि आदमी योंको.ठंडा.ताओचढताहे और कलेजेमेंसेभी और पेटमेंसेभी.ठंडउठतीहे.उसीतरह से जमीनकोभी सरदीकी-मोसममें;ठंडे;ताओका-रोग जादुसेकीयाहे और!जोगर मीके-दीनआतेहैं-और लुऐंवगैरा जीयादा चलतीहैं तोजादुसे-जमीनमाताको?गरम ताओका रोगकीयाहे और,जोआदमीको,यह,सरदी,और गरमीके रोगनहीहूं,तो हमेशां.तंन्दुरस्तीसे.सरीररहताहे और तबीयत खुशरहतीहे.तो;सतजगमें.जमीन– माताको कोइतरहका रोगनहीथा-जब;सबको;हवा-सुहातीथी और जमीनमाताका जीव-खुशरहताथा-और आदमीयोंको और अनबोलोंको और-चोपायों;व-पंखेरु; वगैराकोभी जब सरदीका,रोगहोजाताहै?और,फैलजाताहे सो राक्षसीपापके.जु ल्मसे-सरद-गरमके-रोगकरके जमीनमाताको दुबलीकरदीहे-इससे-जमीनमाताकी चरबी गलगइहे किजीसको!संसारमें!सोने!रुपेकी खांनेंकहतेहैं वोह;बीमारीके;स बबसे.गलगइहैं.और बनीयोंने संसारमें कीस्सा चलाकर.यह,प्रगट.कररक्खाहे– किसरदी गरमीकी रुतहैं,और,बनीये,बेइमांन,अपने,कुळमें सबजांनतेहैं किसरद; गरमका,रोगहे,और,हमने जादुसे रोग जमीनको कीयाहे,और,संसारके,लोगोंकी बुद्धी राक्षसीपापसे ऐसी-भ्रष्टकरदीहे,किजो-जमीनके सरीरकी पहीचांन;भुलादीहे किजो-बेगीनती-जमीनको सरद गरमके रोगकरें तोउसको-पहीचांनेंभीनहीं-और सरद गरमके रोगकोभी,रुत२कहतेहैं,सोजीसतरहसे,किअपना सरीरहे और,वोह बारह,मास,अच्छारहताहे और कोइ रोग नहीहोताहै,तोकेसी,अच्छी,तबीयतरहती हे,और जोसरद गरमका-बुखार,आदमीको-चढजावे तोकेसी तबीयत,बीगडकर खराबहोजातीहे.और.सरीरभी दुबलाहोजाताहे फीर;इसीतरहसे.जमीनमाताभी-जीवता जीवहे सोजमीनमाताकोभी,सरद.गरमके,रोग जादुसेकीयेहैं इससे;जमी नमाताभी-रोगके-सबबसे दुबलीहोगइहै परंन्तु इन बनीयोंने-संसारके? भुलानेके

लीये लाखोंतरहके कीस्से-चलादीयेहैं-किजोमें-उपर अनेकतरहके भक्तोंका;हाल लीखचुकाहूं-किजीनहोंके-नांमके कीस्से चलादीयेहैं-उससेकुलहाल-बनीयोंके,राक्ष सीजालका मालुमहोताहे किजो,संसारमें,राक्षसीपापके कीस्सा बनीयोंने-चलादी येहैं.किजीससे.संसारकेलोग करामातको समझकरभुलेहैं,और.है.बनीयोंकाजाल; सो राक्षसीपापके जुल्मसे!काल!वगैराडालतेहैं!और जालसेही कच्चीउमरमें;मार तेहैं,सो-जालतो,सांमनेहीदीखताहे सोयह शंक्राचारजजीतो,आदमीथे,सोऊनहोंने तो,भक्तीकीथी इससे ऊनहोंके,नांम,अमररहेहैं,किफलांनेने भक्तीकी और,यह,बे इमांन.जागते.सुपनेकरके जादुके जुल्मसे देवतोंवगैराको.सुझादेतेहैं.किजीससे.सुप नेकीभी बातेंकरतेहैं उसीतरहसे?जागता-सुपनाकरें?जब वोह बातेंकरनेकोलगजावें सोजब-जीस-देवताका सुपनाकरें तोकहतेहैं किअबके-बरसमें-कालपडेगा!या!दुनी यांमें रोगहोनेका सुपनाकरें,और?जहां,मरीपडनेका सुझावें,और जहां,यहसुझावें किअबके.बरसमें.तलवारचलेगी या कीसीका राजडुबेगा.सोजीसका.बनीयोंको-राज डबोनाहोवे याकीसीका,बुराकरनाहोवे;सोयह,बनीये मरेहुओंके जंजालकरके कइ-राज;डबोदेतेहैं-और तमांम जहांनको भुलही भुलपडाके-डबोवेंगे;और-जोकि संसारमें यहकहतेहैं कि;शंक्राचारजजी,भोंराबनाथा;सोआदमीसे कीसतरहसे भोंरा बनागयाहोगा.और.कीसतरहसे भोंराबनके बल राजाके.झारीकी.टूंटीमें;घुसकर; बैठगयाहोगा परंन्तु संसारकी-बुद्धी,जादुसे-भ्रष्टकरदीहै इससे?जांनतेहैं कि.सच्च भोंराही,हुवाहोगा,और यह कहतेहैं कि अजेपाल जोगी,अबतक.जींन्दाहै,और-कीसी२को दरशन देताहे,सोजब,कीसी२को,अजेपाल जोगीके नांमका,पापकरा तेहैं.जब.बनीयोंके.घरका राक्षसीपाप किजीसको सुपना.कीयाहोवे.उसको.अजे पालका चहराहोकर सुझताहै!सोवोह,जागता!सुपनाहे सोजब कीसीको!जागता सुपनाकरके!सुझादेवें!जब वोह दुनीयांमें बातेंकरताहै किहमको?अजेपाल?जोगी. मीला,सो,न तो,ऊनको खबर,किजीसने,अजेपाल,जोगीको जागते सुपनेमेंदेखा सोऊनको.यहभी.खबरनही कियह जागता सुपनाहै और न.दुनीयांमें.बातके.सु ननेवालोंको यह खबर,कियह,जागता,सुपनाहै,बलके,वोह जागते सुपनेको,करा मात२करतेहैं,और,अनेक भक्तहुयेहैं जीनकाभी चहरा राक्षसीपापके,जुल्मसे,सुझा देवें-जब दुनीयां कहतीहै-कि,देवी,देवता,चेतनहैं-और परचावालेहैं जब,दुनीयांको दरशनदेतेहैं-और-दुनीयांमें यह नहीसमझतेहैं किजेसे-नींदमें-सुपना-राक्षसीपापके

जुल्मसेकरातेहैं वेसेही यह-जागता,सुपनाहै,सोयह-सब ईन्द्रजालहै और;यह;जाल बनीयोंने,चलायाहे.और ईन्द्रजालका जोगुणहैं वोह सब.बुराहीहें,सोगुपतीपापसे तो,हमेशांही बुराहोताहे और,राजा,बादशाह,और,चोर चंडाल और,साध,संत; पंडीत,फकीर,और,गरीब.गुरबाहोवे तो वोहभी यह.कांमकरना,नहीचाहतेहें,क्युं कि,पापोंसेतो बुराहोताहे ओर-खेती,वाडीका,पाप-और राजा बादशाहके,पापसे और.चोर.चंडालके.पापसे ईन्द्रजालका पाप जीयादाहे.और.ईन्द्रजालमेंतो,लाखों आदमी गुपतीपापकरतेहें सो,वोह,तो,संसारमें,अलोपहैं और जोकि!चोरासीला ख'कूंन्डीयांहैं'और'संसारमें स्वर्ग नर्क,कहतेहें वोह रावणकी'तरहसे'बनीयोंने'गुप तीपापका स्वर्ग नर्ककीयाहे!वोह;प्रगटनहीहे;सो!खेती पातीके कांमकाभी-पाप;ज बसेचलाहै!जबसे!बनीये काल पडानेलगेहें और चोर?चंडालभी?जबसेहुयेहें—कि जबसे इनबनीयोंने ईन्द्रजालका!पापचलायाहे;और!जबसेही बनीयोंने धनको;का बुमें-करलीयाहे-जबसे भुखेमरतेहें इससे-चोर चंडाल चोरीकरतेहें-और-आगे;का ळ वगैरा नहीपडताथा,जब,धांनवगैरा,बगैर,बोयेहुयेकेभी बहुतहोताथा और-ध नभी.हरऐकके.घरमें बहुतथा किजब चोर चंडालपना बीलकुल.नहीकरतेथे.और परमेश्वरके ध्यांनमेंरहतेथे परंन्तु-दुनीयां-देवकलाके भरोसेभुलीहुइहे किजेसे,राव णने.भुलायेथे.परंन्तु.इनबनीयोंने तो जीयादा भुलायाहै.सोयह,सब.जादुखोरोंका परतापहे और गुपतीपापसे,सुपनेहोतेहें,और,मरीपडतीहे और दुःखभीकरतेहें;ले कीन!यह!खबरनहीहे किऐक२के नांमसे बुरीतरहसे जीवडे!मरातेहें!जीसका,कुछ अंन्दाजानही और दुनीयांमें-यह,जोकहतेहें,कि-मालीक नारकीमें डालताहे.सो; जीसको-कि-चोरासीलाख कूंन्डीयां कहतेहें और यहकहतेहें-कि-कीलोंकी—मारदे तेहें,और बहुतसे यहकहतेहें-कि,गुरजोंकी,मारदेतेहें-और बहुतसे यहकहतेहें? कि चमडोंकी.मारदेतेहें.और चमडोंको उतारतेहें और यहकहतेहें.कि;गरम.थंम्भोंसे, बांधकर मारतेहें और,बहुतसे,यहकहतेहें,कि,स्वर्ग,नर्कमें-अर्क नीकालतेहें और. खुन.उतारदेतेहें;और.बहुतसे यहकहतेहें कि कूंन्डीयोंके नीचे.जातेहें;जबतो.कीडे खातेहें और-जबके बाहीरआवें-जब,कागले,और,चीलें-चोंचें मारतीहें-और बहु तसे—यहकहतेहें,कि,वहांपर लहुकी कूंन्डीयांहैं और राधकी,कूंन्डीयांहैं,सोऊन—कूं न्डीयोंपर ऐसा पापहोताहे,कि,पहीलेतो,जीवडोंके,स्सतरोंसे चोटदेतेहें जब;ऊन स्सतरोंकी.जरबसे.खुन.नीकलताहै और जख्महोतेहें और.फीर.ऊन.जख्मोंमें,की

डे-पडजातेहें जब वोह-कीडे,ऊन,जीवडोंको,खातेहें,तो-फीर ऊनको दर्द-बहुत होताहे.जब.वोह.जीवडे उस तकलीफसे कूंन्डीयोंमें ऊंचे नीचे.तडपतेहें.सोयह-बेइमांन ऐसातो रावणके-मुवाफीक-संसारके-नांमका-पापकरातेहें और सोभा;च लादीहे!कि-स्वर्ग!नर्कमें कूंन्डीयां नारकी डालनेकीहें सोतो सारी!दुनीयांमी!सो भा,कररहीहे सोइन सजाओंका!कुछ,पारनहीहे,और,जीसको!कि तुम हिंन्दु;मुसल मांन.स्वर्ग!नर्क.कहतेहो वोह बनीयोंके घरका रावणके मुवाफीक.अलोप.पापहे. और,स्वर्ग नर्क तो,यह,जमीनमाताहीहे,और,गुपतीपापसे अनबोले जांनवरोंको; मारतेहें-सोतुम-हिंन्दु मुसलमांन खुले दीलसे बीखांनही-कररहेहो;और-गुपतीपाप मेंतो अनबोले जांनवर-कांमआतेहें,और!चोपाये,और-पंखेरु और जलकेरहनेवाले जांनवरोंके.कुळोंको.दुःखकरके और कलपाके संसारके नांमसे.मारतेहें.सोउस-स्वर्गकोतो तुम सारे,संसारकेलोग,बीखांनतेहो,और,सुनतेहो सोवोहतो बात;छां नीनहीं-सोतुम-सभीलोग कहतेहो कि वहां मालीककी दरगाहहे-सोजहां;कि-माली ककी दरगाहमें स्वर्ग,नर्ककी,कूंन्डीयांहैं!सो,मालीक,नारकी डालके सजादेताहे. सो!मालीकनेतो.तुम.हम और जीवाजुन और जमीन.आसमांनकी.इसतरहसे-र चना-बनाइहे कि मालीक!कहीं.ऐक.जगह!थोडाहीबेठाहे वोहतो सबमें;व्यापकहे और.मालीककी.रचना.तो यूंहे सोतुम हम सभी देखतेहें.सोअब.तुमलोगो.इस-बातको गोरकरकेदेखो और,सोचना,चाहीये,कि,जहां,राध लहुकी कूंन्डीयांहैं;सो वहींतो-जीवडोंको-मारतेहें जब राध खुनहोताहे सो इतनी-बाततो-आप-सब;संसा रके लोगोंको सोचनाचाहीये-क्युंकि!रावणने-राक्षसीपापका स्वर्गबनाके मालीक की'दरगाह'सुझायाथा'और सब संसारमें राक्षसीपापके स्वर्गका'बीखांन'चलाया था-सो रावण दुनीयांसे!ऐसा;थोडाहीकहताथा;कि!मैने राक्षसीपापका स्वर्गबना याहे.वोहतो.जादुसे.बुद्धी फेरकर ऐसा सुझाताथा कि.मालीककी.दरगाहहे.और मालीककी दरगाहके कीस्सा!गुपतीपापके-चलादीयेथे!सोयह बात सारे;संसारमें प्रगटहे.सो.संसारके;लोगोंने राक्षसीपापका स्वर्ग तुडवाया,सो.रावणको.रावणकी मेअ ओलादके दुःखदेकर-तुडवाया-जब-संसार-बचाहे और जेसा;कि;रावणके-पापका-बीखांन-संसारके लोग पहीलेही कररहेथे उसीतरहसे!अब-इन!बनीयोंके राक्षसीपापका बीखांन और.सोभा,संसारके,लोग,कररहेहें.सो बनीये कबकहेंगे कि.हमने.रावणके;मुवाफीक राक्षसीपापका स्वर्ग बनायाहै,सो.बनीयोंने.रावणकी

तरहसे बुद्धीफेरके ऐसा-सुझायाहै,और,सुझातेहैं,कि-राक्षसीपापका जोस्वर्गहै वोह मालीककी-दरगाहहै-ऐसा सुझातेहैं और,रावणकी तरहसे लाखों-कीस्सा-गुपती, पापके बनीयोंने चलादीयेहैं'सो,दुनीयांमें,सोभा,होरहीहै'सो इन बनीयोंकाभी-रावणकी.तरहसे.राक्षसीपापका स्वर्ग तुडवाओ जब सब.संसारकी.ओलादबचेगी और जोकि दुनीयांमें;राक्षसीपाप;फेलरहाहै;वोह;सबको मालुमहै परन्तु,भुलायेहैं बुद्धीफेरके-सीर्फ-मालीकके भरोसे और१संसारको यह भेदनही-कि-बनीयोंनेभी. रावणके मुवाफीक राक्षसीपापसे,भुलायेहैं,सोयह,भेद संसारको बनीयोंके-कपटका नहीहै.और.चोरासीलाख जुंनको जो कलपातेहैं तोसंसारके.नांमका.अलाहदा२ पापकरातेहैं और संसारभी-कहताहै;कि;चोरासीलाख-जुन भुगतनीपडतीहे यहतो संसारके,नांमका,पापकरातेहैं और संसारमें इनके नांमके,कीस्से,चलादीयेहैं,कि-चोरासीखाख जुन भुगतनी,पडतीहें,सो,जुनतो,मालीकनेबनाइहें सोतुम हम;सब कोही.दीखताहै.सोइस बातका कीस्सा पुछनेकाभी कांमनही.क्युंकिजो-मालीकने रचना बनाइहै वोह,छांनीनहीहे,सोयहतो,सबकी,कुळें,और ओलादें न्यारी२दीख तीहें-सो-जीसदीनसे कि रचना इस जमीनमाताके पेटमें रचीहे-जीसदीनसे-आद मीकी ओलादसेतो आदमी,याने,आदमीके,बीजसेतो आदमीहोताहै और.गाये. बेलकी.ओलादसे.गाये बेल होताहै और भैंस पाडेकी.ओलादसे!भैंस.पाडाहोताहे और-घोडा घोडीकी ओलादसे-घोडी-घोडाहोताहै-और गेहूंकी ओलादसे-गेहूं होताहै!और!आंमकी-ओलादसे आंमहोताहै इसीतरहसे-लगाये!झाड?बनासपती-और लगाये आदमीयों,और,अनबोला,सब,अपनी२ओदसे पेदाहोतेहैं सोतुम,हम सबकोही.दीखताहै.सोसबकी कुळें और जात न्यारी२हैं सो.बनीये.चोरासीलाख कूंन्डीयोंके उपर चोरासीलाख-जीवा.जुनको.संसारके-नांमसे कलपातेहैं उसका लेखा,बनीयोंकोहीहे,याने गुपतीपापका किजो गुपतीपापमें जीतनी,कुळें-कांमआ तीहैं,जीसकी सोभा दुनीयांमें,चलाइहै,कि,मालीक,चोरासीलाख जुन भुगताताहै सो;संसारभी-सुननेसे-ऐसा जांनने लगताहै कि इतनी जुनहूंगी-और-इतनीही;भु गतनीपडतीहैं सो भुगतनीतो,क्यापडतीहूंगी,यह,बनीयोंने राक्षसीपाप चलायाहै और,इनहोंने,भुलडालनेकेवास्ते ऐसे कीस्से चलादीयेहैं और,पैदातो,सब.अपनी२ ओदसेहोतेहैं सोसबको दीखताहै-परंन्तु,यह-चोरासीलाख कूंन्डीयोंकेउपर चोरा सीलाख-जीवाजुनको-कलपातेहैं और ऊनका दुनीयांमें लेखा-चलायाहै-सो-सब

की-कुळके पीछे कूंन्डीयां,न्यारीरहैं,और,चोरासीलाख जीवाजुनसे कुळें-बहुतहैं सो;सब-संसार-इसका शुमारकरें तो शुमारतक नहीहोवे-क्युंकि-जीवाजुनका;कुछ अन्दाजनही क्युंकि आदमी-और,अनबोला,और-चोपाया और पंखेरुवगैरा;और रीजक.घास.बनासपतीभी जुनमें गीनीजातीहे इसीवजहसे.जुनोंका.हीसाब? नही होसक्ताहै जो चोरासीलाख—कूंन्डीयोंकेउपर-चोरासीलाख जीवाजुनको कलपा तेहैं-सोइसका-हीसाब कीताब बनीयोंके घरमेंहे सो चोरासीलाख-जीवाजुनके—कु ळोंको कलपातेहैं और मारतेहैं सो वोह पापतो बनीयोंके कबजेमेंहे सोकीसीको नहीदीखातेहैं-परंन्तु-इन बनीयोंके,पापकीतो मुझको-इसतरहसे-खबरपडीहै;किजेसे सनीचरको रावणके जालकी,खबरपडीथी,क्युंकि,रावणने सनीचरको अपने;रा क्षसीपापसे.समा.मुख.कलपायाथा जब खबरपडीथी.सोअब.इनबनीयोंने.मुझको भी,अपने राक्षसीपापसे सनीचरकी,तरहसे,समा,मुख,कलपायाहै और कलपातेहैं जीससे-बनीयोंके-जालकी मुझको खबरपडी सोतुम हिन्दु-मुसलमांन;अंग्रेज;सबही सुनतेहो और कहतेहो-कि;वहांपर;नारंगीकी;कूंन्डीयांहैं-सो गुपतीपापहै सोइन?ब नीयोंनेभी!रावणकी!तरहसे राक्षसीपापका स्वर्ग बनायाहै!सोमुझको!राक्षसीपापसे दुःखीकीयाहे;और;जहांकि-गुपतीपापकरतेहैं,वहांपर-मेरेनांमकी;जीवाजुनको;दुःखी करतेहैं जीससे मेराभी!बुम,दुःखीहुवाहै,सोमैं,बनीयोंके!पापको प्रगटकरताहूं कि रावणने-देवता-सरुपीयोंकी बुद्धी राक्षसीपापसे भ्रष्टकीथी-सोउसका,सबुत;वैद्यक शास्त्रमें और कीतावों,और,परांनोंमें!लीखाहुवाहै,इससे जाहीरहोताहै सोजबकि सनीचरको.दुःखीकीया.जब सनीचरने सती लोगोंको और.राजा.बादशाहोंको, वाकीफकीया जब ऊनहोंकी-आंखेंखुली-वरना-दुनीयांकोतो ऐसाही सुझताथा-कि;रावण-बडाभक्तहै सो रावणने दुनीयांकी ऐसी बुद्धी भ्रष्टकीथी-सोइन;बनीयों ने,रावणसेभी जीयादा लोगोंकी!बुद्धी—ऐसी!भ्रष्टकरदीहे जीससे ऐसाही,समझतेहैं कि,जहां बनीयेनही वहां,राजनही,और,बनीयेतो,माइ,बापहैं और जोखेती;बाडी करके.और.कमाके.राजा बादशाहोंकोदेतेहैं सो जीनकीतो.बेचारोंकी.कुछ.गीनती हीनहीहे और जोकि-दुसरी!वलायतोंके!लोगोंसे-मीलके मरवातेहैं जीसका-कुछ पताभी-नहीलगनेदेतेहैं-और प्यारेहो२के सबसे हीले मीलेरहतेहैं-सो-दुसरी.वला यतोंकाभी धन लेलेनेकी.गर्जसे,हिन्दुस्तांनके,हिन्दु.मुसलमांनको मरातेहैं सोजब ऊनकाभी!धन!काबुमेंकरलेंगे जब ऊनकोभी आपुसमें लडाके!मरादेगें!और;जब

थोडेसे आदमीरहेंगे और-बनीयोंकी,जात,जीयादा-रहजावेगी जब बनीये;अपना राजकरेंगे.सोजब.सातों आठों वलायतें;गारत होजावेंगी और.सबकाधन.काबुमें करलेंगे जब इनबनीयोंकाही-राजहोजावेगा.जीससे.यह-पाप हिंन्दुस्तांनमें बनी योंने,बल,राजाके,बादसे चलायाहै किजो दील्ली मंन्डलसे,याने,हिंन्दुस्तांनसे-उ ठकर दरीयावोंके पार-चलेगयेहैं,और,हिंन्दु,मुसलमांनके-बच्चे किजो हिंन्दुस्तांन मेंहैं.ऊनको.यह.बनीये अपने राक्षसीपापसे मरातेहैं और.आप.गरीबहोके.और-दुसरी बादशाहतोंसे मीलकर,मरातेहैं.सो.दुसरी,बादशाहतोंके लोगोंको खबरनही किइन.बनीयोंने.रावणके मुवाफीक चार कूंटमें राज करनेकेवास्ते.जाल.चलायाहै इसवास्ते हम दुसरीवलायतोंके-लोगोंको-हिंन्दुस्तांनका लोभबताके हिंन्दुस्तांनके लोगोंको-मरवातेहैं-और हमको हिंन्दुस्तांनके लोभमें डालके-हमारी-वलायतोंके-गली कूंचोंको देखतेहैं,और,बाकीफहोतेहैं,सो,सातों,आठों वलायतोंको इन-बनी योंके.दगाकी.बीलकुल खबरनहीहे किइन बनीयोंके जालसे.कुल.राजा,बादशाह आपुसमें लडकर मरजावेंगे-क्युंकि,जीनके,नांमका-पापकरावें ऊनकी बुद्धी-भ्रष्ट होजातीहे-सोजबकि-बुद्धी भ्रष्टहोजातीहै जब आपसेही दीलमें-लोभ-उठताहे! सो जबके जहांतक सातों,आठों,वलायतोंके,लोग,सलांमतहैं जबतकतो आपुसमें! ल डाकर.मारेंगे.क्युंकि.बनीये गरीबहोके रहतेहैं और सबसे.हीले.मीलेरहतेहैं.और लोगा,दीखाओ धर्म्म पुन्यकरतेहैं,सोयह,बनीये,राजकरना चाहतेहैं इसबातकी; खबर,अगर,राजा,बादशाहोंकोहोवे तो राजा बादशाह,इन,बनीयोंके.ओलादतक रावणकी तरहसे गारतकरदेवें!और;पापको;छोडादेवें!परन्तु ऊनको यह;खबरनही कि.बनीये.अपने.राक्षसीपापसे सभोंकी अकलको फेरके.हिंन्दुस्तांनका.लोभ,बता तेहैं!जीससे दुसरी वलायतोंके'लोगभी'भुलजातेहैं'और'चलेआतेहैं जब हिंन्दुस्तां नके.हिंन्दु.मुसलमांनोंके बच्चोंको दुःखीकरतेहैं और बनीयोंसे.मीलेरहतेहैं!और-बनीये ऊनसे मीलेरहतेहैं,और,दुसरी,वलायेतोंवाले,यह नहीसोचतेहैं कि;रावण हिरनाकश-वगैराकी-तरहसे हमारी सब वलायतों और-हिंन्दु-मुसलमांनके-बच्चों का,यह बनीये कालहैं-यह,बात.कहांसेजांनें,क्युंकि-ऊनहोंकोतो मालुमनही और जबके.रावणने.जाल चलायाथा जब दुसरी बादशाहतोंमें.रावण!मीलारहताथा. आर मील्लतही मील्लतमें!हिंन्दुस्तांनके-लोगोंको!दुसरी वलायतोंसे दुःखीकरा ताथा-और-महरावणसेभी मीलारहताथा इससे रावणको-संसारकेलोग-सतीकहते

थे-क्युंकि रावण लोगादीखाओ-धर्म्म-पुन्यकरताथा उसीतरहसे अब-बनीयेभी; लोगादीखाओ-धर्म्म-पुन्यकरतेहैं और दुसरी वलायतोंके-बादशाहोंसे-मीलेरहतेहैं और दुसरी वलायतोंके,हाथोंसे,हिन्दुस्तांनके,लोगोंको,मील्लतही मील्लतमें मरा तेजातेहैं.परंन्तु.रावणने सनीचरको दुःखीकीया जब सनीचरने.रावणके.राक्षसी पापको दुनीयांमें प्रगटकीया-जब,महरावणने,और-सब वलायतोंने समझा;कि;रा वण-सब-वलायतोंको राक्षसीपापसे बुद्धी भ्रष्टकरके गारतकरेगा-सो-इसबातको; सब वलायतोंने और,संसारने,और,राजा,बादशाहोंने,समझके और ऐकदीलहोके रावणकोमारा-और;रावणके राक्षसीपापको छोडाया जब-संसारकी-ओलादरहीहे और उसीतरहसे अब-संसारकेलोग-इन-बनीयोंके-जालकोमीटाओ तोसब संसा रकी.ओलादबचे.और!यह जो दुनीयांकहतीहै कि चोरासीलाख.कूंन्डीयां.राध-लहुकीहें और-स्वर्ग नर्ककीहें,सोवोह,रावणके,मुवाफीक,इन बनीयोंके घरका-गु पतीपापहै-सोवोह-गुपतीपाप बनीये अपनी जातके आदमीयोंके-हाथोंसे-कराते हैं सोवोह पाप सीवाये.बनीयोंकी,जातके.और,कीसीके.जातमें मालुमनहीहे सोवोह पाप.नहीछोडाओगे.जबतक संसार;नहीउभरेगा सोवोह.इसतरहसे,छुटेगा;किजेसे रावण हिरनाकश वगैराकी,संसारके,लोगोंने,ओघही नीकालदीथी और,जो,ऊ नहोंने-राक्षसीपापका-स्वर्ग बनायाथा सो वहांपर चोरासीलाख-जुनको-कलपाते थे,सोवोह सब संसारने-दुःखदेके,हीसाब,पुछा-कितुम चोरासीलाख जुन,कलपा तेहो.सोसब.पाप.हमको दीखाके छोडोगे जबतो तुमभी.बचजाओगे,परंन्तु.बताके नहीछोडा जब संसारने.रावण.वगैराकोमारके.पापछोडाया सोअब उसीतरहसे; इन,बनीयोंका.राक्षसीपापहे और चोरासीलाख जुन संसारके,नांमसे.कलपातेहैं-सोउसीतरहसे इन बनीयोंकोभी-सजादेके-चोरासीलाख जुन?पुछो किजहां?यह बनीये,पापकरातेहैं,सोमेरे जीते जी इन बनीयोंकी चतुराइ,नहीचलेगी,अगर,मेरे जीते,जी,यह बनीये सब,संसारको;दीखाके,गुपतीपापको छोडदेवें तोयहभी,उभर जावेंगे!अगर!मेरे!जीते जी नहीछोडा तोयह फीर संसारकी!बुद्धीफेरदेंगे!और!मु झको,रात दीन समामुख.कलपातेहैं,जीससेमैं,इनके.जालसे वाकीफहूं और,दुसरे राजा.बादशाह.और दुनीयांको इनके जालोंकी खबरनही.इसवास्ते.भुलादेवेंगे-क्युंकिमैं संसारको बनीयोंके!जालसे!वाकीफ!कररहाहूं!किजो संसारको चोरासी लाख,जुन,दीखाके,नहीछोडेंगे जबतो नहीछुटेगा और,जोमेरे,जीते,जीछोडदीया

जबतो छुटजावेगा नहीतो-तुम, संसारके, लोगो-बनीयोंको सखतीदेके दरीयाफ्त करना. किंतुम. बनीये. चोरासीलाख जुन हम संसारके. नांमसे. कलपातेहो. किजहां राध लहुकी कुन्डीयांहैं, और, हमको, भुलायेहें, सो, बुद्धीफेरके भुलायेहैं सो, स्वर्गके भरोसेसे-भुलातेहैं-सोयह बात तुमने आंखोंसेतो नहीदेखी परन्तु-कांनोंसे-स्वर्ग-नर्ककी सोभा सुनतेहो. कि, जेसे, जीवडोंको, सजादेतेहैं. सोउसके दुःखकी सोभा; सभी, हिंन्दु, मुसलमांनके, लोगो तुम सुनतेहो सो इस कीताबके, देखनेसे; तुम, सब-वाकीफहोकर जालको छोडाओ, और, यह, बनीये, थोडा, बहुत राक्षसीपाप तुमको-छोडके. भुलादेवेंगे. सो. आगेभी राजा बादशाहोंको इन. काफीरोंने. भुलाये. कहतेहैं और-अब मेरे जीतेजी-नहीछोडाओगे-जबतो-संसारको भुलावेंगे क्युंकिइन-बनीयों, बेइमांनोंका, दील, मेरे जीतेजी पाप छोडनेकानहीहे क्युंकि, यह, संसारको, गारत करके अपना राज, कीयाचाहतेहैं, इससे, दुनीयांमें, बुद्धी, भ्रष्टकरके मुझ साधुको? संसारके. नजदीक. पागल सुझातेहैं सोइन बनीयोंकी गर्ज यहहै. किजो. साधुके; जीतेजी राक्षसीपापको संसारके-लोगोंने, हैतकरके-छोडादीया जबतो छुटजावेगा, क्युंकि. यह. साधु. हम. बनीयोंसे पापको छुडवादेगा क्युंकि. साधुको. समा; मुख. दुःखी कीयाहै इससे मालुमपडाहै-इससे, संसारके; लोगोंकी-बुद्धी भ्रष्टकरतेहैं और; समझने नहीदेतेहैं. फीर. मै. अकेला क्याकरूं क्या अपना सर फोडूं. मैंतो. दुनीयांके. वास्ते, दुःखपाके सरीरसेभी नाताकत, होगयाहूं, और, बनीये, बेइमांन दुनीयांको सुझातेहैं बावला-सोदुनीयांको-क्यादोश वोहतो काफीरी पापसे संसारको-बावला? सुझातेहैं सोदुनीयांको क्यादोश सो-मेरी, जांनमैंतो, दुनीयां-बावली और दुनीयांके, जांननेमें मैंबावला. सोमेरेकोतो. ऐसा दुःखहोरहाहै सो दुनीयां नहीसमझतीहै. इससेमैं. नीहायतही हैरांनहूं किजो, दुनीयां, नहीसमझेगी, तोयह, जाल कीसतरहसे छुटेगा; इससे दुःखपारहाहूं-और-संसारके नजदीक मुझ गरीब साधुको-बावला-सुझातेहैं, और. जीन२गरीबोंने आगे राक्षसीपापको, दुःखपा२के, संसारके उभरनेकेवास्ते पकडाहै और. संसारने. वाकीफहो२के राक्षसीपापको छोडायाहै. जीसका? गुन. संसारकेलोग अबतक जांनतेहैं किजीनहोंने-राक्षसीपापको. प्रगटकीया-और फीर संसारनेछोडाया, और, रावण, हिरनाकश और कंस; कारून बादशाहने राक्षसीपापसे, थोडी. बुद्धी भ्रष्टकीथी जीससे संसारकेलोग, जलदी, समझगयेथे, परंन्तु इनबनीयोंने अपने; राक्षसीपापसे? संसारके-लोगोंकी और राजा बादशाहोंकी ऐसी-बुद्धी? भ्रष्टकरदीहै-

किजो समझानेसेभी नहीसमझतेहैं-कि,राक्षसीपापसे-हमारी ओलादको गारत,क रदेंगे.जोपापको.नहीछोडावेंगे तो बगैर छोडायेके केसेउभरेंगे.क्युंकि,जीसको;तुम स्वर्ग नर्क,कहतेहो वोह,बनीयोंके,घरका,अलोप,पापहै,और स्वर्ग,नर्कतो यह,ज मीनमाताहीहे,सो,सारी सृष्टी स्वर्गमेंही बसतीहे और खेती,बाडीका,पापभी,जबसे चलाह जबसे बनीये.राक्षसीपापसे.कालपडातेहैं.जब रीजकवगैरा थोडारहाहै-और.थोडाहोताहै.जबसे खेती बाडीका पापचलायाहै और.जबतक.कि.राक्षसी पाप नहीचलाथा तोकालभी-नहीपडताथा,क्युंकि-बरसातहोनेसे आपही तरहरके मेवा.मीष्टांन.रीजक.बनासपती वगैरा होजातीथी क्युंकि.सब.जलहीका.मायाहै, और जलही सबका,बीजहै,और,जब,बनीये,कालपडातेहैं जब जमीन-बीमारहो तीहे;और.कालनहीपडावें तो जमीनमाताको सरद गरमका.रोगकरके,बीमारकर देतेहैं तोमेवा मीष्टांन,बनासपती,वगैरा?गलजातीहे,और.जब मेह बरसताहै-जब जमीनमाता-पांनीपीतीहे-जेसेकि आदमी खाना पीना खाता-पीताहे-जब;सारे;स रीरमें;और;अंग२में;असर,पहूंचताहै;जब;देही;हरीरहतीहै;इसीतरहसे; जमीनमाताका भी आदमीके मुवाफीक सरीरहे जब साओदेसमें मेह होताहे जब जमीनकामी-सरीर हरा,और ताजारहताहै-सोऐसी;बीरखा-अबहोतीथी किजब,यह बनीये;महा जन.काल.नहीपडातेथे और अबतो बीरखाका ऐसा हालहै कि.दस.गांवमेंहोवे-और बीस गांवमें,नहीहोवे,याने?ऐक?परगनेमें,बारीशहोवे,और दुसरेमेंनही सोयह जादुसे,ऐसी,बीरखा,होनेदेतेहैं सोयह जमीनके नांमका,पापकरातेहैं,जीससे,जमी नकी नाडें-जादुसे बंधहोजातीहें-सो,जीधर-बंधहोजावें उधर-बरसेनही और;जी धर.रोगनहीहोवे.उधर मेह बरसताहे और पहीलेसे इनहोंने.ऐसी२बातें.चलादीहैं कि-कलजग ऐसा आवेगा,कि,गायेका,ऐक,सिंग,भीजेगा और ऐक-सिंग-नहीभी जेगा,सोदेखलो,किअब ऐसा वक्तहै;किऐक खेतमें मेहहो,और,उसके,बराबरके;खे तमें,होवेहीनही सोजीस वक्तमें?यह,जमानाआवेगा?किमेहसे ऐक सिंगभीजेगा-और.ऐक.नहीभीजेगा.तोउस वक्तमें क्या हालतहोगी सोजमीनका.कलेजा.और फिपडा और दीलकेउपर;रोगकरातेहैं,जब,जमीनकी;नाडें बंधहोजातीहें जब,ऐसा मेह,बरसताहे,किऐक खेतमें बरसे और ऐकमें नहीबरसे,और,ऊन,चोरासीलाख क्रंन्डीयोंपे जो सर.दुखनेका;पापकरावें;तोसर.दुखनेकोलगे और कलेजा,फिपडा और-दील;और-पेट दुखनेका पापकरावें तोयह चीजें दुखनेलगें-जेसेकि-आदमीके

पीडाहोतीहे उसीतरहसे जमीनके-नांमका-पापकरावें-जब उसकेभी पीडाहोतीहे इससेही.जमीन.दुबलीहोगइहैं जीससे सोने रुपेकीखांनें गलगइहें.और.साओदेस मेंहहोवे तोवोह बरस,अच्छाहोताहे,जबयह,जांनना,कि,जमीनमाताने पांनी अच्छी तरहसेपीया;अगर;साओवदेसभी मेंहहोजावे और आफरा;बदहजमीका;रोग;जादु से,करदेवें तोअनाज वगैरा!गलजाताहे!जब!संसारके!लोगकहतेहें कि खारे-समुन्द्रका-मेहबरसाहे-इसतरहके कीस्सा पहीलेसे बनीयोंने चलादीयेहें-सो-संसारको खबरनहीं कि राक्षसीपापसे,जमीनमाताको,रोगकीयेहें,और जबके आफरा?बद हजमीकी.बीमारीहोतीहे.तो जमीनका अहार खारा पडजाताहे.किजेसे.आदमी. बीमारहोताहै और बदहजमीसे-अहार?खारा?पडजाताहे-और वोह आफरा;बद हजमीकी,वजहसे,थोडाखाताहे उसीतरहसे जब जमीनमाताको,बदहजमीका,रोग करातेहें किजीससे अनाजवगैरा,गलजाताहे,और,फीर जमीनपर रोगकीवजहसे अनाज-मेवा-मीसटांनवगैरा थोडाहोताहे क्युंकि जमीनमातामी-जीवता-जीवहे;सो जबके जमीनमाताके नांमका-पापकरातेहें-जब-जमीनमाता बीमारहोजातीहे यांने पापके,सबबसे,और.जो आदमीयोंके नांमका पापकरातेहें.तो,आदमीयोंको,बीमा रीहोजातीहे और इसीतरहसे,सबको,और,जोकि,चांदी,सोनेकी खांनें संसारके, लोगकहतेहें-वोह-जमीनमातके सरीरकी चरबीहे सो जीसतरहसे-कि-आदमीका-सरीरहे उसीतरहसे जमीनमाताकाभी-सरीरहे-सोमें-क्यालीखूं और क्यामेरी,च तुराइ.सोतुम,हम.सभीदेखतेहें किजोहम तुम सभी जीवाजुन.इस.जमीनमाताके-पेटमेंहें सोसबहीदेखतेहें सोजबके,जमीनका,पेटहै,तो,सरीरभीहे परंन्तु इनबनीयों बेहमांनोंने-राक्षसीपापसे-सातों आठों वलायतोंके लोगोंकी-बुद्धी-केदकरदीहे-कि जेसे रावणने तीनलोककी;बुद्धी,भ्रष्टकरके,जमीनमाताके;सरीरकी पहीचांन भुला दीथी.उसीतरहसे;इन.बनीयोंनेभी तीनलोककी;बुद्धी भ्रष्टकरके.जमीनके.सरीरकी पहीचांन भुलादीहे जीससे,संसारकेलोग,सोने,चांदीकी खांनोंको भुलगयेहें;सो जबतकके.मुझ.गरीब.साधुको इन बनीयोंने अपने राक्षसीपापसे.समा.मुख—नही दुःखीकीयाथा जबतकतो मैंभी-संसारके,लोगोंकीतरहसे-अंधा बनाथा परंन्तु,जब कि-इन-सोदागरांनने-अपने राक्षसीपापसे समासुख कलपाया-कि-जहांपर-यह,ब नीये अलोप पापकरातेहें!सो;वहांपर-जमीनके;नांमका!पापकरातेहें और जीवाजु नके.नांमका.करातेहें.सो जबसेकि मुझको कलपायाहै जब.मैंसमझा.कि—जमीन

माताकाभी सरीरहे और-जमीन!जीवता!जीवहै-सो जमीनमाताके सरीरमें,पहाड जोहैं,वोहतो,हाडहैं,और मीट्टी जोहे वोह गोस्तहे और,चांदी,सोनेकी,खानें-जोहैं वोह;चरबीहे और जोकि,बडे२दरीयावहैं,वोह,जमीनके सरीरकी अतडीयांहैं;और जोछोटे२नदी.नालेहैं.वोह जमीनमाताके सरीरकी नाडेंहैं.और,जो.रत्नागरसागर और सात,सायरहैं वोह-जमीनमाताके;सरीरकी-ओझडीहे सोजबके मेह,बरसताहे जब,जमीनमाता,जलका अहार करतीहे-तो जल अतडीयोंके,रास्तेहोके,ओझडीमें जाताहे जब जमीनमाता,जलका,अहारकरतीहे,और,जबसेके यह बनीयेलोग,का ल.पडानेलगेहैं.जबसे जमीनमाता बीमारीके सबबसे दुबलीहोगइहै.इससे.जमीन माताके उपर धननहीरहाहै-और,ना-कीसीको,दीखताहै-कीसवास्ते कि डुटाहुवा धन,बनीयोंने-पहीलेसे-काबुमें करलीयाहै जीससे राजा बादशाहभी-दुनीयांके-उ पर लोभकरनेको लगगयेहैं!और,सब,संसार!भुखाहोनेकी वजहसे चोर,चेन्डाल होगयेहैं;और;संसारके लोगभी चोरीकरनेको लगगयेहैं परंन्तु.इसबातका,कोइभी खयाल नहीकरते कि-संसारमें!इसकदर;धनथा!वोह-कहांगया सो डुटेहुयेधनको रावणके!मुवाफीक!इन बनीयोंने बुद्धी भ्रष्टकरके लेलीयाहै!सोइस!बातकी!खबर कीसी वलायतके राजा,बादशाह,और,रैयतवगैरा,तककोनहीहे कि खानेंकहांगइ परंन्तु;इतना;कोइभी.साहब खयाल नहीकरते किइन बनीयोंने.जादुके;जुल्मसे;ज मीनमाताको नाताकत करदीयाहै;जीससे;जमीनके;सरीरकी चरबीगलगइहै इससे धननहीरहा-सोअब-हम दुनीयांका कारो बार कहांसेकरेंगे-क्युंकि--जमीनके,सरी रकी पहीचांन संसारके,लोगोंको,इन,बनीयोंने,भुलादीहै सो जमीनमाताको-जा दुके;जोरसे.नीहायत.दरजेका दुःखदेतेहैं सो दुनीयांमेंभी.कहतेहैं.कि;राक्षसीपापसे जमीन दुःखपातीहै और-रावण;हिरनाकुशके;वक्तमें-और कीसी२ वैद्यकशास्त्रमेंभी लीखाहुवाहै-कि;राक्षसीपापसे जमीन दुःखपातीथी सोयह;बनीयेभी-रावण;हिरना कुशके मुवाफीक जमीनके,नामका,पापकराके,जमीनको बीमारकरके दुःखदेतेहैं-जीससे.खानेंतक.नहीरहीहैं और जबसेकि काल पडानेलगेहैं.जबसे.जमीनमाता, दुःखपारहीहै और जोकि-ग्रहन-पडताहै-और-जमीन-कांपतीहे और जमीन;फट जाताहे!सोयह!बनीयोंके जादुसे फटजातीहे सोयह तरह२के!रोग!जमीनमाताको बल राजाके बादसे.करनेलगेहैं.इससे,जमीनमाता.दुबली होगइहै इससे;चांदी;सो नेकी-खानें-अब नहीरहीहैं सो जीसतरहसे कि आदमीके सरीरमें-चरबी-बीमारी

के!सबबसे गलजातीहै उसीतरहसे-जमीनमाताके-सरीरकीभी चरबी जादुके? जु
ल्मसे.गलगइहै.और.जबसेकि इन बनीयोंने जादुका करना.शरुकीयाहै.जबसेही,
कालपडातेहैं जबसेही जमीनमाता!थोडा;पांनी;पीतीहै!और बीमारीसे सुखगइहै
और-इन;बनीयोंने-रावणकी तरहसे;मुझकोभी दुःखीकीयाहै-जीससे;इनके-जालकी
खबरपडीहै जीससेमैं आप,लोगोंको,सनीचरकी,तरहसे वाकीफकरताहूं क्युंकि-
संसारके!लोगोंको!और राजा बादशाहोंको जादुके जुल्मसे!सुपनेके!मुवाफीक-कर
दीयेहैं,और बुद्धी भ्रष्टकरदीहै,जीससे,तुम;नहीसमझतेहो,कि बनीये रात;दीन;पाप
करातेहैं.और.संसारके लोगोंको इस पापसे खराबकरदेतेहैं सो.दुनीयांकेलोग.मे
रीकहीहुइ बातको दुरस्त-नहीमांनतेहैं,सोयह-बुद्धी,फेरनेका-सबबहै और जोकि
यह!लोगकहतेहैं!कि!रांमचंन्द्रजी और बल राजावगैरा अमरहैं!और!जींन्दाहैं!सो
अमरतो कोइनही अमरतो.ऊनका;नांमहे.परंन्तुःकोइ.लोग मेरीकहीहुइ बातको;
मांनके,कहतेहैं,किहां,बल राजावगैरा;अमरनहीहैं तोयह,बनीये,जादुके,जुल्मसे,सो
ते-जागते सुपनेकरके उसको-दीखादेतेहैं?सोयह-बनीयोंका पाप मरेहुयेका-चहरा
होके.दीखजाताहै.सोजीनरके नांमका पापकरादें उसीकाचहरा.सुझजाताहै.याने
भरतरी और गोरखनाथ-और.शीवजी.महाराजवगैराके-नांमका पापकरादें और
चहरा.सुझानाहोवे.तोबनीयोंका पाप ऊनहीं भक्तलोगोंको,चहराहोके.सुझजावे;कि
जो,मरगयेहैं ऊनकातो नांम-अमरहै;और,जो;देवी-देवताओंके नांमका चहराहोके
सुझजावे-और-जोभ्रुत-पलीत और डाकन डाकी चुडेल खबीस-और-देव-परी;व
जनवगैराके नांमका पापकरावें,तोबनीयोंका,पाप,इनहीं,भ्रुत बलावगैराका चहरा
सुझजावे!जीससे!दुनीयां यहकहतीहै किजो औरत मरीहै वोह!चुडेलहुइहै!और--
जोकि आदमीमराहै वोह-भ्रुतहुवाहै;इसीतरहसे;कीसीको-कुछ और कीसीको;कुछ
सुझादेतेहैं-सो-संसारके लोगोंकी बुद्धी केसी केदकीहुइहै किजो-झुठीबातको-सची
खयालकरके बेठेहुयेहैं और,मै,सची,और,सही,बातकहताहूं उसको खीलाफ;सम
झतेहैं,और,यह,जोकि,बनीयोंने पापचलायाहै सो संसारके,गारत,करनेके,वास्ते-
चलायाहै और जोकितुम-बुद्धी;भ्रष्टहोनेके;सबबसे-स्वर्ग नर्कबतातेहो और-चोरा
सीलाख!कुंन्डीयां!कहतेहो वोह बनीयोंके घरका पापहे!और!यहपापहे-किसब?व
लायतोंके मरेहुये लोगोंका.चहराहोके.सुझजाताहै.क्युंकिजब रावणने राक्षसबीद्या
चलाइथी-जब-रावणभी कुछका कुछ सुझाताथा सोतो संसार-कुछ?खयाल-नही

करतेथे और जीसतरहसे-कि,सनीचरको;रावणने-दुःखीकीयाथा उसीतरहसे इन बनीयोंने.राक्षसीपापसे.मुझको दुःखीकीयाहै इससेमें आप.लोगोंको.सनीचरकी, तरहसे वाकीफकरताहूं और!लीखताहूं-कियह-बनीये!जादुके जोरसे मुरदोंको-सुलातेहैं-इसवास्ते-लीखनेमेंआताहै कि कीरोडों आदमीयोंको-सुतोंके;और-चुडेलों के,बहानेसे मारतेहैं और,कीसीको;देवताओंके,बहानेसे,और कीसीरको कीसीके बहानेसे.सो;नतो.जनहैं और न सुतहैं और न पलीत वगैराहैं;परन्तु:जादुचालेसे-मारदेतेहैं आर जोथोडापाप,जीस,कीसीके;नांमका,करावें वोहतो बीमारीपाताहे कि.जीसके;नांमका.पापकरातेहैं और जबकि पापको छोडदेवें.तोफीर-वोह.बीमार किजो जादुसे बीमारकीयाथा-अच्छाहोजाताहे'किहमको-फलांने साधु या;फकीरने बीमारीसे-बचालीया-क्युंकि फकीरने हाथफेरके आरांम-करदीया-सो-अच्छातो-इससे होगया किबनीयोंने,उस,बीमारके,नांमका,पापकरना छोडदीया और;फकीरको,यह.सुझादीया.कि तु इस बीमारकेउपर हाथफेर जो.आरांमहोगा,फीर,फकीरने हाथफेरदीया और-बनीये,जो,बीमारके,नांमका-पापछोडदें तोवोह बीमार-बचजावे.सो.हाथके.फेरतेही आरांमहोगया जबतो फकीरके.परचेरदुनीयांमें.करनेलगें,और है बनीयोंका.जाल,सोयह;जबके,देवतोंके.नांमसे बीमारीकरावें तोजब उनकेनांम-बकरा-और-पाडा वगैरामारें और वहांपर फीर-बीमारके-नांमका,पाप छोडदेवें तोबीमार अच्छाहोजावे-तोफीर-देवतोंका परचारकरनेको लगजावें;और चोरासीलाख.कुंन्डीयां.राध लहुकी बनाइहें सो वहांपर.जीयादा पापकरें,जबतो मरहीजावे और पाडा,बकरा,मारनेसेभी,नहीबचे,सोऐसे कांमपर नतो-कीसीका पाडाचले-और-न-परचा और अमरतो कोइभीनहीहें यहतो-बनीये-चल-राजाके बादसे कच्ची उमरमें!मारनेलगेहें,क्युंकिपहीले,कोइ!कच्ची उमरमें नहीमरताथा सो;कच्चीऊमरमें.इसवास्ते मारतेहैं कि सब दुनीयांमें थोडे.आदमीरहजावें;तोहम बनीयोंकी जातके जीयादारहजावें,जब;तमांम,दुनीयांमें हमारा राजहोजावे:जबके राक्षसबीद्या,चलातेहें,जबही कच्ची ऊमरमें मरतेहें नहीतो,परमेश्वरके,घरमेंतो!सबकी ऊमरपुरीहे और,पुरीऊमर,पाकरही!मरतेथे,और,जो बनीयोंके जालसे,कच्ची.ऊमरमें,मरनेलगेहें सोसब संसारके लोगोंको दीखताहे.और,लगायेआदमीसे और-जीव जन्तुसे कोइभी-पुरीऊमर-नहीपातेहें-और-कच्ची ऊमरमें मरजातेहें-यह!सब!बनीयोंके!जादुसे मरतेहें कि रावण हिरनाकश्य!वगैराने!राक्षसबीद्याके

पापसे आदमीयोंको और-जीना;जुनको,कच्ची,ऊमरमें-मारना शरुकीयाथा और मारताथा.सो.रावणने.और हिरनाकश वगैरानेभी मुत.पलीतके.सर.और.जन-और,देवी देवता वगैराके,सर.बदनांमी.लगादीथी,और रावणवगैराने लोगोंकी बुद्धी-भ्रष्टकरदीथी-जीससे संसारकेलोग देवतोंके उपर-बकरा-पाडावगैरा?मारने लगेथे और उसकाहाल,दुनीयांको,मालुमनहीथा,इससे रावणके वक्तमेंभी-रावणके पापकी,वजहसे,कच्ची,ऊमरमें लोग और जीव जन्तुवगैरा,मरतेथे?और,इश्वरनेतो सबकोही पुरीऊमरदीहे परंन्तु,कमऊमरमें,जोमरें,वोह,कच्ची ऊमरमेंमरतेहैं सो; जादुसे,मरतेहैं,सोजबके,कच्ची ऊमरमें कोइ कीसमका जीवमरे,तोजांनना,कि,की सीने राक्षसीपापचलायाहे और-इसवक्ततो;राक्षसबीद्याका-पाप प्रगटहै किदेवतोंके उपर.जांनवर.मारतेहैं:रावणकी तरहसे सो जो कीसीको यकीन.नहीहो.सो,देख लो;कि;जीस मुलकमें जांनवरोंको,देवतोंकेउपर,मारतेहैं,सो मरातेतो जादुसे;बनीये और-सुझातेहैं-देवतोंका सोयह बनीयेभी जादुसे बीमार-वगैराकरतेहैं-और-बदनां मी,देवतोंके सरपे लगादेतेहैं,और,संसारके,लोगोंके,घटमें देवतोंहीका सुझादेतेहैं; जीससे,संसारके,लोग बुद्धी भ्रष्टहोनेके सबबसे देवतोंकेउपर,जांनवरोंको,मारतेहैं और,यह कांम जांनवरोंके,मरानेको,देवतोंके,उपर,बुद्धी भ्रष्टकरनेके वास्ते,चला याहे.किजीससे.तमांम संसारकी बुद्धी जादुसे भ्रष्टहोजावेगी.इस.सबबसे.यह—ब नीये जादुसे सुझाके-बकरे,भैंसे,देवतोंकेउपर,मरातेहैं-और बनीयोंके जादुसे,कच्ची ऊमरमें-हरकीसमके-जीव मरनेका पाप सब वलायतोंमें फेलावेंगे-किजेसा-आज; कल हिन्दुस्तांनमें बल,राजाके.बादसे.फेलाहुवाहे;इसीतरहसे दुसरी वलायतोंमें फेलादेंगे.सोजबके;कोइ राजा बादशाह दयावंन्त जागेगा;किजो.देवतोंकेउपर,जी व,चढातेहैं वही राक्षसबीद्या,करनेवाले.और.उनकी राक्षसबीद्याहे और,यह,खया ल,नहीकरेंगे,कियहतो मुलसे देवतोंकेउपर जीव चढातेहैं क्युंकि,बनीयोंने,राक्षस बीद्याके पापसे बुद्धी,भ्रष्टकरदीहे;और;राक्षसबीद्याहै,बनीयोंके घरकी सो;खयाल नहीकरेंगे;यह;बनीयोंने अकलमंन्दीकीहे कि हमारा जाल;कीसीपर.प्रगटनहो;और हमको कोइभी ईन्द्रजालीया,नहीजांनें.इसवजहसे,डाकनों वगैराके सर,और,देवी देवतोंके,सर,बदनांमी लगादीहे और मुलकोंमें मरी और,कालवगैरा?जो,पडजा तेहैं,वोह सब बनीयोंके,जादुसे,होजातेहैं.और,संसारको,सुझातेहैं कि मंगल,भारी था.और.सनीचरके ग्रह बहुत तेजथे और सुकर नीहायत खराबहै.सो.मंगल?व

सनीचर व सुकरवगैराभी;आदमीथे सोवोहतो अपनी;ऊमरपाके मरगये सोवोहतो इस.जमीनपर.अब.कहांसेआवें और इसीतरहसे कभी२देवी.देवतोंकाभी.सुझातेहैं कि-देवी स्वर्गसे उतरेंगी;वोह,खप्पर;भरेंगी;सोजब,बनीये;तमांम मुलकोंके नांमका पापकरातेहैं-तो-तमांम मुलकोंमें मरी पडजातीहे और जो-थोडेसे-गांवोंके-नांमका पापकरावें तोथोडेसे गांवोंमें-मरीपडजावे-सोइसका-हाल तुम संसारकेलोग-हर बरस.टीपनोंमें.सुनतेहो.परंन्तु मैंतो ऐक;दो बात लीखताहूं.और.जोकि.टीपनोंमें जीसकदर हाल राक्षसबीद्याका-लीखाआताहे-वोह-सब होजाताहे सो-सुनतेहीहो किजो-अनेकतरहके-ग्रह गोता दुनीयांमें लगादीयेहैं सोतुम-हिन्दु-मुसलमांन;और अंग्रेजवगैरा टीपनों वगैरामें,सुनतेहीहो,सोयह,टीपने,बनीयोंने पहीलेसे चलादी येहैं.और.बृहमणोंको.पकडादीयेहैं जीसतरहसे कि रावणने.राक्षसबीद्या.चलाइथी और रावणने ऋषिश्वरोंकी-बुद्धी-भ्रष्टकरके-राक्षसबीद्याके टीपने पकडादीयेथे-सोअब-इसीतरहसे-इन बनीयोंनेभी राक्षसबीद्याके टीपने-बृहमणोंकी-बुद्धी-भ्रष्ट,करके बृहमणोंको मरानेकेलीये!पकडादीयेहैं!परंन्तु!इन!बनीयोंने ऐसी अकलमंन्दी कीहै.किइनहोंने.राक्षसीपापकी खबर कीसीकोभी नहीपडनेदीहै,और.जो;संसार के,लोग,और राजा बादशाह-समझभीगये-तोयही-जांनेंगे-कि राक्षसबीद्या बृहमणोंके.घरकीहै.और.टीपनेभी इनहोंनेही चलायेहैं इससे.बृहमणोंके.बच्चे.मारेजावेंगे सो-जीसतरहसे कि सब,संसारकेलोग,भुलेहुयेहैं,उसीतरहसे यह बृहमणभी;भुले हुयेहैं,सोयह,बात,काबील खयाल करनेकेहे कि बगैर,छलतो-बृहमण,कीसतरहसे भुलें जीससे बनीयोंने!राक्षसीपापसे!बुद्धी!भ्रष्टकरके!भुलायेहैं किजेसे रावणने-तमांम.जहांनके,राजा बादशाह और रैयत वगैराकी बुद्धी.खराबकरके.भुलायाथा उसीतरहसे इन बनीयोंनेभी-बुद्धी;खराबकरके;आर!जीयादा पापकरके भुलायाहे क्युंकिइन,बनीयोंने,तरह२के जालकरके;भुलायाहे और,अनेकतरहका,जाल;चला दीयाहे;और केइ कीताबोंमें,ऐसी२बातें—पहीलेसे,लीखदीहैं,कि देवता जींन्दा;स्वर्ग में-बैठेहैं-और-यह कीताबें बनीयोंकी बनाइहैं और नांम ऊन-कीताबोंमें-इन-बनीयोंने अपने बचावकेवास्ते,और,जाल,अपना,जाहीर,नहोनेके लीये अगले,भक्त;लोगोंके.लीखदीयेहैं.सोयह बात खयालकरनेके काबीलहे कि.देवतोंने.अच्छेकांम कीयेहैं जीससे ऊनहोंके!नांम-अमरहे,और,यह-बनीये!जादुसे लोगोंको बीमार;करदेतेहैं,और,ऊनके दीलमें देवतोंका सुझातेहैं जब ऊनहोंके,हाथसे,ऊन,देवतोंकी

समाजीयोंके उपर जीव-मरवातेहैं,सो,वोह,समाजीयोंके-उपर जीवडोंको इस;वज हसे,मारनेलगेहैं;और;बनीये जादुसे ऊनहोंके दीलमें देवतोंका;सुझातेहैं;कि;देवतोंने बीमारकीयाहे और राजा!रावणनेभी-देवता-सरुपी!लोगोंकी बुद्धी भ्रष्टकरदीथी परंन्तु,रावणने,पाप,थोडा चलायाथा जीससे बुद्धी थोडी,भ्रष्टहुइथी,और,इन-ब नीयोंनेतो साफ बुद्धी,भ्रष्टकरदीहे,किजो,बीमारतो,जादुसेकरतेहैं आर ऊनहोंके घटमें-ऐसा-सुझातेहैं कि देवाता जीव मांगताहे सो जब देवतोंके-नांमका-जीवमारें जबतो बीमारीसे अच्छाहोजाताहे,सो,जादुखोरा,जब,उसके नांमका पापछोडदेवें तोवोह-बीमारीसे-अच्छाहोजावे और संसारके लोगोंको-ऐसी२करतुतोसे—भुला-येहैं,कि,भक्त लोगोंकोभी अपने!जालकी!खबर!नहीपडनेदेते और लोग,यह,ख याल.कहनेसेभी.नहीकरते.कि पाप बुराहे या भलाहे और.जोकीसी.साधु.फकी रको,कीसी देवतापर कीसी-जांनवरको,मारतेहुये-देखकर दयाआवे और,गुस्सा होकर,यह,कहनेलगे,कितुमतो अंधे होगयेहो किजो देवतोंकेउपर,जीवको,मारतेहो सोतुम जीवको मतमाराकरो.सो;उस;साधुकोभी.जादुसे बीमारकरदेतेहैं और;फीर साधु.फकीरोंके.दीलमेंभी इसीतरहसे सुझातेहैं कि तुमने.हमारे.भोगको.बंन्दकरा दीया,और तुम साधुहोके,हम,देवतोंकी,नंन्द्या,करतेहो,जीससे हमने तुमको,बीमा रकीयाहे-सोइन-बनीयोंने साधु फकीरोंकी,बुद्धी ऐसी केदकरदीहे-किजोयह-नही समझतेहैं किजो देवतोंका.सुझादें.तो-साधुभी.देवतोंकेउपर जीव मारना;अच्छीबात जांनतेहैं;और;यह;खयालमें नहीआताहे कि रावणके मुवाफीक;यहतो;जादुका;कुछ और,ही छलहे सोयहतो-कुछ,और;ही,छलहे-सोऐसातो यहबनीये अपने-राक्षसी पापसे-नहीसमझनेदेतेहैं-और जादुसे बीमार करदेतेहैं जीससे-साधुभी-यह-जांनने लगतेहैं.कि देवता सच्चाहे-और-मैंझूठाहूं-जीससे-देवतोंने बीमारकीयाहे जीससे-साधुभी.देवतोंके.भरोसेसे भुलेहुयेहैं सो भुलेतो बनीयोंके.पापसेहैं.क्युंकिबनीयोंने बुद्धी,भ्रष्टकरदीहे सो देवतोंका,सुझादेतेहैं,तोउसीको,सच मांननेलगतेहैं और,जो और.कीसीको.सुझादेवें—तो वोहभी मांननेलगें फीर इसीतरहसे.साधुभी.भुलकर सच मांननेको लगजातेहैं-कि,भुत,पलीत;देवी,देवता-बडाहे सच्च जीवमांगताहे क्युंकि,साधु,फकीरोंकोभी जादु चालासे बीमार करदेतेहैं जब,वोह,जीवमराना—सच्च समझतेहैं और!कहतेहैं!कि!देवताकेउपर!जांनवरोंकादेना दुरस्तहे और—मै झुठाहूं-सो-ऊनहोंको यहबात मालुमनहीहे;कि रांवणकी तरहसे-इनबनीयोंने-जादु

चलायाहे सो हकीकतमें-असल-पापःइन-बनीयोंकाहे-अगर बनीयोंके जादुकी;ख बर-संसारके-लोगोंको पडजाये तो संसारकेलोग बनीयोंके-घरमेंही-जीवडोंको;मा रकेडालदेवें परंन्तु संसारके,लोगोंको,इनके,जालकी,मालुमनहीहे वोहतो देवकला के;भरोसे.झुलेहुयेहें.क्युंकि रावणवगैरा देवतोंकेउपर जीवडोंको;मरवाताथा;परंन्तु जबके रावणके पापकी-खबरपडी-जब-संसारके-लोगोंने रावण हिरनाकश;वगैरा की.ओदही.नीकालदीथी फीर रावणकी;तरहसे इन बनीयोंकाभी.जाल.चलरहाहे सोअब रावणकीतरहसे इन,बनीयोंके,जालकी,मुझको खबरपडीहे जीसतरहसे;कि पहीले.पापके.चलानेवालोंको सजादीगइहे उसीतरहसे इन.बनीयोंकाभी.पाप;छो डाओ,तो संसारका भलाहोवे-और-रावण-हिरनाकश-वगैरानेतो थोडा पाप?च लायाथा-जीसपरही-ऊनकीतो ओघ नीकालदीथी और इन-बनीयोंनेतो-इतना-पापचलायाहे कि जीसका,कुछ,अंन्दाज,नहीहे,क्युंकि,कीरोडों आदमीयोंको यह बनीये.जादुके.जुल्मसे.मारदेतेहें और नांम देवतोंका लगादेतेहें.कि.देवतोंने.दोश कीयाहे जीससे मरेहें,इसीतरहसे;कीरोडों;जांनवरोंको,अपने जादुसे देवतोंका;नांम लगाके-मरादेतेहें;सोतुम संसारके लोगोंकी बुद्धी राक्षसीपापने;भ्रष्टकरदीहे-जीससे तुम,देवतोंके उपर अपने,हाथसे,जांनवरोंको,मारतेहो,सोयह राक्षसबीद्याका पाप प्रगटहे;सोतो;जीस;मुलकमें देवतोंके उपर जीव मरातेहें सो;तलाशकरकेदेखो;क्युंकि यह,बात प्रगटहे सो-संसारको-कुछ-दोशनहीहे-क्युंकि संसारके लोगोंको?राक्षसी पापसे-अंधोंकी-तरहपर करदीयेहें सोवोह देव कलाकेही भरोसे-झुलेहुयेहें-सो?ब नीयोंने राक्षसीपापसे ऐसी,बुद्धी,खराबकरदीहै,किजो;ऊनको मने कीयाहोवे-तो लडनेको!लगजावें!सोयह जाल मीटेगा जब बुद्धी दुरस्तहोगी!और!अबतकतो-ब नीये-लोगोंने बुद्धी खराबकरके-और-इनके-हाथोंसे-जीवडोंको मरवाके और-ऊ नके?खालकी.चीरें बारीक२नरम२दरखतोंके डालीयोंमें लपेटतेहें.सो?जीसकदर कि.खाल सुखतीहै उसीकदर-दरखतोंको-दुःखहोताहे-सो दरखतोंमेंभी हम.तुम आदमीयोंकी-तरहसे-जीव होताहै जीससे वोह दर्खत हरेरहतेहें!और!यह.दर्खत. ऐसे-सतीहें कि अपन,सबको,फल,फुलदेतेहें,और,इन,दर्खतोंकी लकडी "कांममें, आतीहें;परंन्तु.इन.बनीयोंने अपने राक्षसीपापसे ऐसी अकल.खराब.करदीहे;कि जीससे ऐसाही सुझताहे-कि;जैसा;यह;बनीये;अपने-राक्षसीपापसे सुझातेहें सोयह राक्षसबीद्याका!प्रगट!पापहै सोतुम हिन्दु मुसलमांन अंगरेज!वगैराको!और;तमांम

जहांनकी खलकतको दीखताहे-और-यह-बनीयेलोग-तो पापमें समझतेहें ? जीससे ऐसा;पापचलायाहै.क्युंकि.झाड वनासपती;अपनेको फल.फुलदेतेहें.सोवोह;बेचारे बडे-करनीवाले और सतीहें,जीससे,इन,बनीयोंने,राक्षसबीद्याका पाप चलायाहै किजो,अगले,सतीलोग,हुयेथे तो देवता सरुपी कहलातेथे परंन्तु,इन,बनीयोंने;ऐसी अकलमंन्दीकीहै कि-तमांम-संसारके-लोगोंकी-अकल राक्षसीपापसे भ्रष्टकर दीहै-जीससे-संसारके-लोगोंको दया धर्मनहीहै क्युंकि देवतोंके-नांमका-धर्म-पुन्य करें,तो,ठीकहै क्युंकि तुम्हारे,बाल,बच्चोंके,आडेआवेगा,और साधु संन्त,और,फकीर-फुकरा-और-बृहमणों वगैराको देवतोंके नांमका जीमण-जीमाओ-तो-वोह-धर्म्मका कांमहै और,पुन्यहै,और,देवतोंको,समाजीयोंके,उपर जीवमारना पुन्य; नहीहै,क्युंकि,देवतोंकी समाजीयोंके उपर जीवडोंको मराना,बहुत,बुरापापहै?वोह तो,जीतेथे जब कीडीकेउपरभी-दयापालतेथे-परंन्तु-यह बेइमांन ऐसेहें,कि;जादुका पाप संसारके.नांमकाकराके संसारको बीमारकरतेहें और.फीर.देवतोंवगैराका-सुझादेतेहें जब संसारकेलोग,बेचारे.लाचारहोके,देवतोंकेउपर जीव मारनेलगतहें और;जब,बनीये,बेइमांन संसारके नांमका पापछोडदेतेहें,तोवोह,अच्छेहोजातेहें;जब संसारको जादुसे ऐसाही,सुझादेतेहें,कि,देवता,ऐसाही,भोगमांगतेहें जीससे हमको बीमारकीयाथा-और-कभी जीव मारनेसेभी अच्छानहीहोवे तो-संसारको-यह;सुझा देवें,कि देवतोंने पाडा-और-बकरा-मांनानही-और-बेइमांन जीसरमुलकमें.जीव मरवातेहें,तो,मेह,बंन्धकरके देवतोंके उपर जीव मरवादेतेहें,और,लोगोंके,दीलमें-ऐसा सुझादेतेहें किअबके,देवतोंकेउपर,पाडा,बकरा,चढायानही जीससे मेह.नही बरसाहै;जब.लोग.गांवरमें जीव मारने'लगजावें जब यह.बनीये,जमीनके;नांमका पापकरना छोडदेवें तोफीर-ऊन,गांवोंमें,मेह,बरसजाताहै-और जो पापकरना-जमीनके.नांमका.नहीछोडें तो जीव मारनेसेभी नहीबरसता सो.वोह.जीवमरानेको कब,राजीहें सोवोहतो मरगये,सो,वोह,कहनेकेवास्ते,कहांसेआवें और दुनीयांको यह.खबरनही.कि.राक्षसबीद्याके पापसे हमारी बुद्धीको केदकरदीहे.जो.हम.नही समझतेहें किजे हमारे,बुजर्ग,पहीले,भक्त,होगुजरेहें,और,ऊनको हम सब.लोग; मांनतेहें,जीनको,समाजीयोंके उपर हमारी बुद्धीको राक्षसीपापसे,फेरकर,और?ह मारे.हाथोंसे जीवडोंको मरातेहें,सोयहतो?बडा,जुल्महै सोयह खबरनही.क्युंकि वोहतो?देव.कलके.मरोसे भुलेहुयेहें सो संसारको और.राजा.बादशाहको-कुछ

दोशनही किइनहोंकी राक्षसबीद्याके,पापमें,बुद्धी,केदहै जीससे बुरेकांमोंकोही;अ च्छा?समझतेहैं.और.आगे राजा रावणने राक्षसबीद्याका पाप?चलाके.सब—ऋषि श्वरोंकी और संसारकी,बुद्धी,भ्रष्टकरदीथी,सो,उसकी,सजा रावणको और.राव णकी.ओलादकोमीली,सो रावणकी तरहसे इन बनीयोंके,राक्षसीपापको.अपनी२ ओलाद बचनेकेलीये छोडाओ.किजेसे,रावण.वगैराके पापको छोडायाथा;उसी तरहसे.छोडाओ.और.जोमैं बार२रावण वगैराका हाल.लीखताहूं.सो!तो.राजा बादशाहोंने लडायांकरके पापको-छोडायाथा-सोयह-बातें दुनीयांमें प्रगटहै;सो. जब,मै,रावणवगैराका,नांमलेताहूं जब दुनीयां यह कहतीहे,किहां.ऊन,बेइमांनोंने तो-पापचलायाथा सो जब.दुनीयां.मांनतीहै.और.कहतीहै कि बाततो;सच्चीहै;प रंन्तु.कदीमी.पापतो.बनीयोंके घरकाहै और रावणका नांमतो.मैने.इसवास्ते—ली खाहे-और मै संसारके लोगोंसे,बनीयोंके.जादुका,कहताहूं तो संसारकहताहे कि जादु,क्याचीजहोतीहे,हमतो जादुको मांनतेहीनहीहैं सो भाइयो,तुमतो;मांनतेभी— नहीहो-और न पापको समझते-परंन्तु-चांद-सुरजको-पाप लगजाताहे याने;ग्रहन करदेतेहैं,सोतुम;सब,संसारके लोग देखतेहो सोतुमको बृहमण,लोग;टीपनोंमें,आये बरस,छे२महीने पहीलेसे सुनातेहैं,और,पापतो,चांद,और सुरजको और,जमीन माता.व.मेहको.व.मोतको व पवन पांनीको लगजाताहे तो.तुम्हारी.हमारी.कोन; चलाइ क्युंकितुम कहतेहो.कि,जादु;हम,समझतेहीनही.परंन्तु आगे बडे२सती;लो गोंको'पाप'लगगयाथा तो हमारी तुम्हारी कोन चलाइ और'तुमकहतेहो'किजादु हम समझतेहीनही और;मै'कुल'वलायतोंकी'ओलाद'बचनेकेलीये लीखताहूं क्युंकि मेरेउपर-बीतीहुइ-बातहै सोइस पापको छोडाओगे तो संसार-उभरेगा-सो;तुमतो पापको मांनतेही नहीहो,परंन्तु,तुम्हारे,नांमका,होम,और पापकरातेहैं सो,वोह,पाप लगजाताहै-और-रावण वगैराके जमांनेमेंभी रावण वगैराका-पाप-संसारको;लग गयाथा उसीतरहसे अब,इन,बनीयोंके,जमांनेमेंभी,बनीयोंका पाप सबको;लगर हाहै.परंन्तु.संसारके.लोग समझतेनही,क्युंकि पापको.आंखोंसे.देखलेवें.जबतो;स मझजावें परंन्तु यह.बनीये,दीखाके-नहीकरतेहैं,वोहतो.रावणके मुवाफीक अलोप करातेहैं,सो,संसारकोतो भुलातेहैं क्युंकि स्वर्ग और देव कलाके,भरोसे,भुलेहुयेहैं और जीस२ने दुःख-पा२के,संसारके,लोगोंको-राक्षसीपापसे उभाराहै ऊनका— गुन.दुनीयां.अबतक मांनतीहै और मुझ गरीब साधुको संसारके.लोग.उलटा,पा

गलही,कहतेहैं सो दुनीयांको-कुछ,दोशनही,कि-ऊनको यह बनीये,जादुसे,ऐसाही सुझातेहैं.जीससे.संसारकेलोग मुझे पागल कहतेहैं क्युंकिबनीये.अपने.कदीमीपाप को,अपने पासरखतेहैं उसको!चोडे.नहीआनेदेतेहैं!और मुझकोतो इन-बनीयोंने भुलसे-दुःखीकीयाहै-जीससे मैंलीखताहूं और यह बनीये-संसारमें!गरीबहोकेरहतेहैं सोयह बनीये पापमेंसे,थोडा२सबको,सीखातेजावेंगे,और गारत करतेजावेंगे,और आप.चोडेनहीआवेंगे.और जब कुल वलायतोंमें थोडेसे.आदमी.रहजावेंगे,जब-यह,बनीये कलंकी अपना-राजकरेंगे-जबतो-यहबनीये-ऐसा जुल्मकरेंगे कि;जीस तरहसे.इन.बनीयोंकेदीलमें आवेगी उसीतरहसे संसारके.बच्चोंपर.जुल्मकरेंगे-सो ऐसी२आगमें इन बनीयोंने.पहीलेसे;संसारमें;चलादीहैं.कि सो कोसकेउपरजाके ऐक'गांव'बसाहुवा'मीलेगा जब ऐसा कलजग आवेगा कि'हाथको'हाथ'खानेलगे गा!जबतो आपही कट२के.मरजाना.अच्छाहै.क्युंकिजब संसार थोडारहैगा?जब यह'बनीये!कुल!वलायतोंमें अपना राजकरलेंगे और जोइनका!पाप!नहीमीटाओगे तो,सबको गारतकरदेंगे क्युंकिजब-बुद्धी-केदहोजातीहै जब भाइ२आपुसमें-लडकर मरजातेहैं-क्योंकिइन-बनीयोंने देवतोंपर ऐसा जुल्म चलायाहै-किजो-अरज.नही कीयाजाताहे बलके तुम,सबही,देखतेहो!और,जांनतेहो,किजो बनीयोंने अनबोलों पर.और.झाड.बनासपतीपर पाप चलायाहै सोतो प्रगट.पापहे.सो.संसारकेलोग तुम-देखतेहो और सुनतेहो-क्युंकि,जीन२मुलकोंमें,इन-बनीयोंने जुल्मका पाप!च लायाहै,सो,आप,लोगोंमेंसे जीस२ने नहीदेखाहो तोतुम हिंन्दु,मुसलमांन,और,अं गरेज मेरीबातको गोरकरके,और,इन,बनीयोंके,जालको तलाशकरके देखो-तो-तुमकोभी-काफरी-जालकी खबर होजावेगी क्युंकि इनहोंने-इतने२देवतोंके-उपर; अनबोला जीव मरायेहैं-और,मरातेहैं,और,दरखतोंमें-कीलें गडवातेहैं सो;चुडैल और.खबीस.और भुत पलीत और जन वगैराके नांमसे करवातेहैं.और.संसारके लोगोंको जादुसे बीमारकरतेहैं,और,लोगोंके,घटमें,सुझातेहैं भुत पलीतवगैराका और.कहतेहैं.किइस.झाडमें भुत पलीत वगैरा रहताहै वोह.लगगयाहे.सो,झाडमें कीलें;वगैरा गडवाओ सो-भुत-कीलदीयाजावे-इसीतरहसे अनेक दरखतोंमें.कीलें साधु-फकीरोंकेहाथसे-और संसारकेहाथसे गडवातेहैं और-कीलें-गाडनेवालोंको जादुसे ऐसाही सुझादेतेहैं!कि;हम;बडे;करामातीहैं;और!समझदारहैं जीससे भुत;प लीतको,वसमें,करलीयाहै और आदमीको अच्छा करलीयाहै और,जब,वोह—भुत

पलीतके नीकालनेवाले झाड-वगैरामें,कीलेंगाड्देवें-और जब उसके;नांमका;पाप छोड्देवें.जब;वोह.अच्छाहोजावे सो कीलें गड्वाके पापको.छोड्देतेहैं;जब,ऊनको आरांमहोजाताहै जब लोग,जांनतेहें,कि,भुत,पलीत,और जीस२मुलकमें डाकनीयां बनाइहैं-और;जोबड्डा-गांवहे ऊनमें डाकनें बनाइहें जीसका-हालसुनो;किजो-छोटा गांवहै उसमेंभी दस'बाराह,डाकनीयां,और,जोबड्डा'गांवहे उसमें पचास,या,सो, और.जोबड्डे.शहरहैं.वहां और जीयादा बनाइहैं परंन्तु बुढा.बुढीहोवें.वोहतो.ती रथ-सरुपीहें सो वद्यक-शास्त्रमें!कहतेहें!सुनो!इन-बेचारोंको डाकन डाकीयोंकी-बद नांमीदीहे,और,तीरथ सरुपीयोंको संसारके हाथोंसे मरवातेहें,कि,जीन,मुलकोंमें-डाकनें बनाइहें,ऊनहीं मुलकोंके,आदमीयोंके,हाथोंसे,मरवातेहें और डाकनीयोंके दीलमें.जादुसे;ऐसा.सुझातेहें किहम डाकी डाकनेंहीहें सो.बीमारतो;करतेहें.जादुसे और सुझातेहें डाकनीयोंका,कि,जीनहोंको, डाकनीयोंकी बदनांमीदीहे सो;डाकनी योंकाभी,वहम,बुद्धीफेरके राक्षसीपापसे केदकरदीयाहै सोऊनको,यही,सुझादेतेहें;कि हम-डाकनेंहें क्युंकि जेसा,संसारमें,नींदमें,खाने,पीनेका सुपना करतेहें,या,और. अनेकतरहकी.लड्डाइ.भीड्डाइ वगैराका होताहै सो डाकनीयोंकोभी.सुपना.उसीत रहसेहोताहे सो?जबके डाकनीयां!बनाइहें!ऊनकोभी!जागता सुपना?या नींदका सुपनाकरके,सुझातेहें,किहम डाकनेंहें और आदमीको खारहीहें?इससे,वोहभी?यह जांननेलगतेहें किहम डाकी,डाकनीयां,और,डायनहें,और संसारको जोसब.मुल कोंमें.सुपने.हुवाकरतेहें.और आगे राक्षसीपाप नहीथा तो.सुपनाभी.नहीहोताथा और,जीस मुलकमें कि-बहुतसी-डाकनीयां-बनाइहें-और संसारके लोगोंको,जा दुसे.बीमारीकरें.तो.संसारकेलोग यह कहनेलगें कि आज.कल.डाकनीयोंने.बड्डा भारी फेलमचायाहै सो,डाकनीयोंको.और.संसारके,लोगोंको बनीये जादुसे.ऐसा ही-सुझावें-किहमको-डाकनने माराहै और डाकनभी यह-समझें-किहमनेही-माराहै और,सब संसारकहे कि,अबतो,अच्छे२आदमीयोंको,खानेलगीहें याने जीस२मुल कमें.डाकनें.बनाइहें.उसी मुलकके आदमीयोंको जादुसे सुझादें.कि.अबतो.अच्छे२ आदमीयोंको डाकनें खानेलगीहें-जब,उसी,मुलकके-आदमी किजीस मुलकमें.डा कनीयां-बनाइहें;ऊन-डाकनीयोंको संसारकेलोग हेतकरके-और;पकड्करके-नीले कांटोंमें जलवादेतेहें और!बहुतसीयोंको!पीटवाके!मरवादेतेहें सो?जबके डाकनोंको अनेकतरहकी.तकलीफें.करके संसारके हाथोंसे मरवादेतेहें.तो—फीर.यह.बेइमांन

जांनतेहैं कि,तीरथ सरुपीयोंको-संसारके-हाथोंसेही-मरवायेहैं और गरीबोंको,ब हुत-दुःख-दीलादीयाहै-तो फीर संसारके नांमका पाप छोडदेतेहैं-जब-वोह-अच्छे होजातेहैं तोउस मुलककेआदमी,कि,जीन,मुलकोंमें-डाकनोंकी बदनांमीदी वोह-यह;कहनेको.लगजावें.कि डाकनीयोंको मारा जीससे अब.दुसरी.डाकनें.डरने-लगीहैं सोअब दुसरी,डाकनें,अपनेको,नहीखावेंगी,और,जबसेकि अंग्रेज आयेहैं जबसे-डाकनीयोंका-फेल थोडाहै और,जबतक कि अंग्रेज-नहीआयेथे-जबतक;इन हूंका,फेल बहुतथा किजीस,मुलकमें;डाकनीयोंकी,बदनांमी चलाइहे उस,मुलकके आदमीयोंको-यह-बनीये जादुसे कीरोडों फेलकरके मारदेतेहैं-और,सुझादेतेहैं,डा कनीयोंका सो डाकनीयांमी,कीसको,बनाइहें,किजो,बनीयोंकी जातके सीवाये;दुस री!जातकेहैं!और!ऐसी२बुढी डाकनें बनाइहें किजीनके मुहमें!दांत!तकनहीहें!और बनाइभी ऊनहींके मा'और'दादी'और.नांनी'बुवा'और'मांमी काकीवगैराको डा कनीयोंकी!बदनांमीदीहें!सोयह खयाल करनेकी बातहे कियह!तीरथ!सरुपीहें!कि नही और.बेटोंके हाथोंसे!डाकनीयोंकी!बदनांमी!लगाके मरवादेतेहैं सोयह.बहुत बुरी?बातहै;परंन्तु?डाकनीयोंके बेटेतो भुलेहुयेहें वोह यह;जांनतेहैं;कियह?बीजनस डाकनेंहीहें परंन्तु डाकनें-और,भुतवगैरातो.कुछभी,नहीहैं-और झूठी बदनांमीदेके मरवादेतेहैं,और;वैद्य.परांनोंमें लीखाहुवाहै;कि रावण.गरीबोंको;मरवाताथा.परंन्तु बनीयेतो अपने पापको,खुब,समझतेहैं,क्युंकि,गरीबोंको दुःखीकरेंगे तोआपसेही संसारमें-बुराहोजावेगा-इसवास्ते ऐसा पाप चलायाहे सो-बुढे-डोकरोंको-डाकनें; बनाके मरवातेहैं सोक्याहे,गरीबोंका,मरवाना-पापहे,या,नही तोइसीतरहसे बनी येभी.रावणके.मुवाफीक गरीबोंको डाकनीयोंके बहांनेसे मरवातेहैं.और.कांमरुदेस कामी दुनीयांके लोगकहतेहैं-कि,वहां,जादु,बहुतहे,सो-कांमरुदेस मैंने अबतक,दे खानही,अगर,देखाहोवे जबतो सब हाल वहांका लीखदूं परंन्तु,सुनताहूं,कि:वहां परभी,इन बनीयोंने बुद्धीफेरके-ऊनको-कुछका-कुछ-सुझादीयाहै और सुझातेहोगें सो-कांमरुदेसके-आदमीभी इनहीं जालमें भुलेहुयेहोंगे सोऊनकोभी-ऊनकी-बुद्धी फेरके.भेरु.या पीरका या,वीरका,या;देवी,वगैराका,सुझातेहोंगे जीससे वोहभी; भुलेहुयेहोंगे.क्युंकिवोह.जांनतेहोंगे कि हमारे बसमें देवी देवताहें.सो.हमारी.करा मात-चलतीहे सो बनीयोंने.यह.केसी?अकलमंन्दीकीहे.कि—जब राजा बादशाह जालको-समझेंगे-और दरीयाफ्त करेंगे तो कांमरुदेसकेभी मारेजावेंगे-और-दरी

याप्तके करनेवाले यह.जानेंगे.कि.जादु.कांमरुदेस.वालोंकाहे और डाकनीयोंके उपर.और.देवतोंकेउपर.और भुत पलीतकेउपर जीव मरानेकेलीये.बदनांमी.लगा दीहे-परंन्तु अकलमंन्दी बनीयोंकीहे;और;जालतो;बनीयोंकाहे और बदनांमी-और जातकेउपर-लगादीहे-भुलाकर सो इसवास्ते यह अकलमंन्दीकीहे-किहमारा-जाल प्रगटनहीहो इस सबबसे,मुलकों२में,इन,बनीयोंने चोरोंकी तरहसे खोज,मालुम; नहोनेकेलीये.मुलकों२में.डालदीयेहें और संसारकेलोग भुलेहुयेहें.देवतोंके.भरोसे और डाकनीयोंके और,देवी,देवतोंके,भरोसे,भुलेहुयेहें,और,है राक्षसीपाप और मुझकोतो-इन-बनीयोंने राक्षसीपापसे दुःखीकीयाहे जीससे इनहोंकी-चोरी-मुझको मालुमहुइहे जीससेमें आप,लोगोंको.वाकीफ.करताहूं,और मेरेको नहीकलपायाहो ता,तोइस,बातका,क्याभेदमीलता क्युंकि इनहोंनेतो जालके,पडदे,डालदीयेहें,कि, जो?संसारको पताही नहीलगे,तो,पाप;कीसतरहसेमीटे,परंन्तु यह बनीये?तमांम संसारको.गारतकरेंगे.और सब वलायतोंमें थोडेसे आदमीरहेंगे.जब;यह.बनीये; अपना राज जालही-जालमेंकरलेंगे?जबतो?कुल-आदमीयोंकी औलादको बहुत दुःखहोगा-जोइनहोंका?राक्षसीपाप नहीछोडाओगे और?बाजीगरोंकोभी?भुलायेहें संसारके मुवाफीकही और,बाजीगर,यह,जांनतेहें,किहमने कीसी देवताकी-साजना कीथी.सो?देवता बसमेंहोगयाहे जीससे हमारा जादु चलताहे.सो.बाजीगरोंकोभी कुछका कुछ-सुझादेतेहें सो-जादुसे-कांमरुदेसमेंभी-जागते सुपने-और नींदमेंसुपने करके,तरह२के,खेल,जादुके दीखातेहें और;डाकनें और चुडेलें,सुझातेहें,फीर,इसी तरहसे नजरका फेल,संसारमें,जादुसे,चलायाहे,किजो,अच्छा मकांनहोवे तो;गी रजावे;या.अच्छा.घोडाहोवे या अच्छा ऊंटहोवे वोह मरजावे.इसीतरहसे.गाये;भेंस वगैरा अच्छाहोवे तोमरजावे-नजरके-फेलस-और-अच्छा नर?नारीहोवेतो वोहभी मरजावें,सो,मारतेतो,कच्ची ऊमरमें जादुसेहें और बदनांमी,देतेहें,नजरकी,और;जी सतरहसे,कि आदमी तमांम,संसारमें,जादुसे,भुलेहें,उसीतरहसे किजीसको नजरकी बदनांमीदीहे.वोहभी.यह जांनतेहें कि मेरी नजर बहुत करडीहे.और.आंखेंतो;ना रांयणने देखनेके वास्तेदीहें-सो-मालीकने-आंखेंतो-सब सरीरमें अनमोल;हीरा-बनाइहें-सो-नजर-कीसीको कीसीकी नहीलगतीहे नजर-कोनसीबरछी-भाला-या गोली तीरहे;जो लगजावे;यहतो?नारांयणने,देखनेकेवास्ते बनाइहें;क्युंकि आंखें नहीहोवें--तो.सरीर.कीसी कांमकानहीहै इसीतरहसे छिंकके.उपर.बदनांमी--दीहै

क्युंकि बुरातो करतेहैं जादुसे-इसीतरहसे-कीसीको-यह बातलगादीहे कि आज,सु बहको.फलांने.आदमीका.मुह देखाथा सो सारा दीन-दुःखपायाहे.सो.उस?दीन उस-शख्सके नांमके ग्रह,जादुसे,करडे,करदेतेहैं,किजीस शख्सने उस-फलांने;श ख्सका,मुहदेखाथा,जीससे,वोह देखनेवाला आदमी सारेदीन,जादुके,ग्रहसे,दुःख पातारहे सोतो उसको;मालुमनही,किमुझको,जादुका;ग्रहहे जीससे दुःखपायाहे— क्युंकिमुहके-देखनेसेतो-कुछभी नहीहोताहे क्युंकि आत्मा सो,परमात्मा;और-सबमें परमेश्वरका रुपहे,सो संसारमेंभी-कहतेहें,कि,सबमें,पुरन-ब्रमहैं और सबकेअंन्दर मालीककी-रोशनीहे-और कुदरतहे सो सतजगमें क्यामालीक-दुसराथा-और,अब क्या दुसराहोगया मालीकतो,वोहका,वहीहे,सो,सतजगमेंतो ऐक२को देखके;जी तेथे,और,ऐक२पर,बहुत हेतरखतेथे सो;लगाये झाड बनासपतीसे,और,अनबोलों से,और लगाये आदमीयोंसे;ऐसा;संम्प;और;हेतथा;किसबमें परमेश्वरहीथा परंन्तु जबसे-इन-बनीयों-बेइमांनोंने ऐसा राक्षसीपाप चलायाहे किजो-सबकी-बुद्धी-भ्र ष्टकरके कुछका;कुछ संसारमें-बहम,चलादीयाहे-किजीसकी कुछ गीनतीभीनहीहे अगर.कुछ.गीनतीमेंआवे.तो लीखूं सो बहमोंका तो.संसारमें.पारहीनहीहै.और-और,संसारके नांमका पापकराके,कुछका,कुछ,बुराकरदेतेहें और संसारमें,नुकसांन पापसे.करादेतेहें.जीससे बहमोंको सच्चा जांननेलगतेहें सो.जीसदीनसे.राक्षसीपाप चलायाहे उसदीनसे बहमकरके.और;कुछका;कुछ.सुझाके और संसारके;नांमका पापकराके,बुराकरदेतेहें,इससे संसारमें बहम चलाहे सो,सच,संसार,गुपतीपापको छोडाओगे जब सबको,आरांम,मीलेगा-किजेसा,सतजगमेंथा वेसाहीहोजावे जब कि;पापको.छोडादोगे;जब पीछे सतजगहोजावेगा और;सदा.सतजगहीरहेगा:और तुम जोयह कलजग२कहतेहो-सो,कलुकाल,कोइ-चीजनहीहे यहतो बनीयोंने!रा क्षसीपाप!चलायाहे!सो रावण हिरनाकशके मुवाफीक पाप!चलायाहे!सोइसका— नांम,बनीयोंने कलुकाल रखदीयाहे,सो,जीसतरहसे,कि,रावणने संसारके नांमका पापकराके:सबकी.बुद्धी.भ्रष्टकरदीथी उसीतरहसे इन.बनीयोंनेभी.चकवे:राजकर नेकी-वजहसे सबकी बुद्धी!भ्रष्टकरदीहे!सो!इस!कलुकालके पापको सब-मीलके छोडाओगे;तो-सदा-सतजगहीहे अगर पापको फीर कभी-नहीचलनेदोगे-और;पु रा२बंन्दोबस्त सब वलायतोंमें-रक्खोगे-तोसब-संसारमें-सुखरहेगा सोयह जाल कदीमसे;बनीयोंकाहीहे.और हिंन्दुस्तांनमेंसेही चलाहे सो.हिंन्दु.मुसलमांनोंने;इन

बनीयोंके शांमीलही जनम-पायाहे,और,ऐकही,टापुके-रहनेवालेहें सो सब;संसार के,लोगभी,कहतेहें,कि,ऐक मुल्कवाले शख्सोंके हेत इरादा,बहुतहोताहे,किजो,आ पुसमें-लाज शरम रखतेहें,और-गैरकेपास-अपनी,लाज शरमको नहीजानेदेतेहें-सो.ऐक.मुल्कके.रहनेवाले ऐक२की शरम संसारमें सदा.रखतेआयेहें.परंन्तु.इन; बनीये बेइमांनोंने अपने!मतलबकेवास्ते?क्या!जालकीयाहे किजो कदींमीपापहे.उ सको-अपने-पासरखतेहें और उस कदीमी पापमेंसे थोडासा-हिंन्दु-मुसलमांनोंको छलकरके और सीखाके,रावण,हिरनाकश.कंन्स,कारूंन वगैराको छलकेअंन्दर डालके-गारतकराया-और भुलाया कितुम चारकूंटमें राजकरना-सो-राजकाकरना तो कीधरहीकोगया बलके!अपनी२ओलादोंको!जालही जालमें मरवादीये,परंन्तु यह.बनीये.शांमीलहीके शांमीलरहै और ऊनहोंको अपने.जालकी.इन—बनीयोंने जरामी खबर नहीपडनेदी-हालांकि-ऊनहोंने-इन-बनीयोंके शांमीलही जनम;पा याथा?परंन्तु-जालही जालमें हिंन्दुस्तांनके लोगोंको गारत-करदीया?उसीतरहसे अब यह बनीये दुसरी,वलायतोंसे,मीलनेलगेहें,सो,आप,लोगोंको और अंग्रेजोंको और,रुम,सुमको,और दुसरी वलायतोंको रावण हिरनाकश,वगैराकी,तरहसे-छल करके,चकवे राजकरनेकेलीये यह-बनीये-आपलोगोंको छलके अंन्दरडालेंगे;कि जीसतरहसे,हिंन्दुस्तांनके,लोगोंको जालमें डालके गारत,करदीयाहे,उसीतरहसे—आपलोगोंको बहका२के और.कदीमी,पापमेंसे.थोडा२सीखाके और कुल;वलाय तोंमें.राज.करनेकेवास्ते.तुमकोभी बहकाके थोडा बहुत पाप.सीखादेंगे.सो?चार कूंटमें-राज करनेकेवास्ते तुमकोभी-बहकादेंगे?सो-आपलोगभी भुलजाओगे क्युंकि रावण,हिरनाकशने,शांमीलही जनम पायाथा सो उनकोभी,बनीयोंने,जालही,जा लमें,मरवादीये परंन्तु हिंन्दुस्तांनके,लोगोंको,अबतक,इनहोंके जालकी खबरनही कि?बनीयोंका.जालहे.और हिंन्दुस्तानको तो परचोंके भरोसे.भुलाइहै.और?जा लकोही परचाजांनतेहें और,कहतेहें,कि,मालीकके,घरकी कुदरतहे और,देवतोंके परचा.वगैराहें.इस२तरहके.जाल बनीयोंने चलारक्खेहें.किजीसका.कुछ.अंन्दाज नहीहै?सो आपलोगोंको खयाल-करना,चाहीये,कि-जीसतरहसे हिंन्दुस्तांन तबाह होगइहे-और-जो-कीसीकदर बाकीरहीहे उसको आपलोगोंको-लालचदेके-तबाह करादेंगे इसीतरहसे कुल.वलायतें;तबाह;होजावेंगी.जब सब वलायतोंमें?थोडेसे आदमी.रहजावेंगे.तोयह बनीये सब वलायतोंमें राजकरेंगे,इसवास्ते,यह.जादुका

पाप-चलायाहे जब यह.बनीये.राजकरेंगे.किजब.ऐक आध वलायत-बाकीरहेगी जब.यह.बनीये.राक्षसीपापसे ऊनकीभी बुद्धी भ्रष्टकरदेंगे.जब.आपुसमें.लडकर भाइ२मरजावेंगे सो इसमें-झूंठहोवेतो-हिन्दुस्तांनमें-देखलो किजो हिन्दु?मुसलमांन के.तोहार.बनायहें.कि ताजीया और रेवाडी कृष्ण महाराजकी.नीकला.करतीहें सो-तोहार तो अगले,लोगोंने,धर्म्मकेवास्ते,बनायहें,सो फकीरोंको और-साधु-सन्तको!खाना!खीलावें तोयह धर्म्मकी बातेंहें और जो!आपुसमें!खाना;खीलाया पीलायाकरें?तो वोह हेत इरादाहै सो तोहार तो हेत इरादेकेवास्ते अपनी२जातमें न्यारे२बनायेहैं?सो-हिन्दु मुसलमांनकी बुद्धी राक्षसीजालसे ऐसी-भ्रष्टकरदीहे?कि जो तोहारमेंभी आपुसमेंही,लडकर,मरतेहें,सो,सब,वलायतके राजा बादशाह;इस; बातको-गोरकरकेदेखो-और खयालकरो कि हिन्दुस्तांनके-लोगोंकी-बुद्धी,केदकर दीहे,किजो भाइ२की बुराइ-करतेहें!और!आपुसमें-कट२के मरजातेहें इसीतरहसे जबकि;रावण.वगैराने.बुद्धी खराबकीथी जबभी संसारके.लोग.आपुसमें.कट२के मरजातेथे और रावणने,छलकरके,शीवजी,और,रांमचंन्द्रजी और ऋषिश्वरों-व गैराको,भुलादीयाथा,और जब सनीचरजीने रावणका छल,शीवजी,रांमचंन्द्रजी और ऋषिश्वरों वगैराको,वाकीफकीयाथा.फीर,वोह,छलमें नहीपडे जबही-हम तुम.आप२के.बुजरगोंकी ओलाद और राजा बादशाहोंकी.ओलाद.और;ऋषिश्व रोंकी ओलाद और-सब;संसारकी;ओलाद;जीतीहे;अब-यह बनीयोंका जाल;प्रगट हुवाहै,सोयह,छल,बहुत कुछकरेंगे पहीले;तो बादशाहोंको,छलकरके;भुलादीयाथा क्याजांनें क्या छलकीयाथा-सो,तो-इनकी,यहीजांनें-जीसका सबुत यहहे,कि,अ गले.बादशाहोंने.इनके.मंन्दीरोंकी पुतलीयों वगैराके नाक.और.कांन,कटवाकर; मंन्दीरोंको गीरवादीयेथे और-यह,बनीये-बेइमांन,गाये-सुव्वरकी कसमें खाकर बचगये-और;ऊन-बादशाहोंके मरनेकेबाद फीर इनहोंने जादु,चलाके-ऊनकी-बाद शाहतको और ओलादको,गारतकरदीया,सोयह,हिन्दुस्तांनमें देखलो और,पैसा वगैरा.जो.बादशाहोंने इनसे लीयाहोगा;वोहभी फीर ऊनको.गारतकरके.लेलीया होगा-और ऊनकी ओलादको-बीलकुल-खराब-करदीया और दुनीयांको,दीन२ खराबकरके,कम,करतेजातेहें क्युंकि पहीले दुनीयांमें आदमी,बहुतथे,किजब,रांम चंन्द्रजी महाराजने रावणका.जाल,मीटानेको,लंकापर.चढाइकीथी उसवक्त फो जमें;अठारह;पदम;आदमीथे और फोजमें लडनेवाले;जवांन२आदमी,गयेहोंगे;और

बुढे,डोकरे और औरत.बच्चे.पीछेभी,रहेहोंगे.तो.खयालकरो कि उसवक्त,आदमी कीतनेहोंगे.और.अब मरदम शुमारीमें,देखो कि हिन्दुस्तांनमें.कीतने.आदमीहैं;तो पहीलेसे बहुत थोडेहैं,परन्तु;काइभी?खयाल?नहीकरते,और बनीये अनकेतरहसे संसारको?मारतेहैं?और गुरु नांनकने अपनी पोथीमें ऐसा लीखाहे?किइन?काफी रोंका ऐतबार कभीनहीकरना.चाहीये,चाहे,यह,इसकदर.कसमें क्युं न खावें?कि जेसे.कोइ.आदमी.मरेहुये घीके कुप्पमें हाथ घुसेडदेवे और.फीर.उसहाथको.नी कालके तीलोंमें घुसेडें.तो,घीके,भरेहुये,हाथमें,बेशुमार.तील लगजावें इसकदर, कसमेंखावें-तबभी-काफीरोंका ऐतबार न करना चाहीये-इसीतरहसे-कृष्णमहारा जके-वक्तमें संसार कंन्स;राजा.और.हिरनाकश.और;कारूंन वगैराके छलमें.नही पडा.क्युंकि.सनीचरजी कृष्णमहाराज और नरसिंघमहाराज.ओर.गुरु.नांनकजी महाराजने वाकीफ करदीयाथा-इसवास्ते-छलमें-नहीपडे इससे अपने२बुजर्गोंकी ओलाद,बचीहै,अगर,सब संसार राक्षसोंके छलमें पडजाता,तो,गारत,करदेते;इसी तरहसे जोमेरे जीतेजी,बनीये;अपना;जाल;छोडदेवें,तो बनीयेभी उभरजावें;क्युंकि जेसेतुम-संसार-माइ बापकी तरहसेहो उसीतरहसे बनीयोंकोभी-अपना-माइ-बाप जांनताहूं;परंन्तु यह बेइमांन-तुमको,छलकरके,भुलादेंगे-क्युंकि तुम लोगोंको;इनके जालकी.खबरनही.और मेरेको इन बनीयोंने समा मुख कलपायाहै.जेसेकि.राव णने सनीचरजीको कलपायाथा!इसवास्ते?मुझको!इनके जालकी मालुमहै-अगर इनको,जाल,छोडनाहोवे तो तुम;लोगोंसे छलक्युंकरें परंन्तु,यह,तुमको,छलकरके भुलादेंगे और बाद-तुम्हारे,मरनेके,तुम्हारी-ओलादको गारतकरेंगे मेरेको?यह-बहुत-फीकरहै-क्युंकिमैंभी अकेलानहीहूं मेरीभी जात-बीरादरीहै-जीसकदर,चाक रकी,ओदहै मैंभी कोइ!अकेलानहीहूं!क्युंकिहमारी!तुम्हारी सबहीकी ओलाद;जा डुसे,डुबतीहैं,इससे,लीखताहूं किइनका छलहै और इसीवास्ते,यह,छल,चलायाहै कि-सब वलायतोंको गारतकरके,यह,कलंकी,राजकरेंगे जोतुमको अपनी२ओलाद प्यारीहै;तोतुम.अंग्रेज और हिंन्दु मुसलमांन इनके छलमें;मतपडना,नहीतो;मुल्कमें पैसा नहीरहनेदेंगे और!ओलादोंको!दुःखीकरके!गारतकरदेंगे और जोयह;मेरे;जी तेजी-जाल-छोडदेवें तोयहभी उभरजावें और जालभी मीटजावे-और-बार२कह ताहूं कि हरगीज२इनके छलमें मतपडना कि हमारी तुम्हारी जात और ओलाद कायम रहै चाहै यह कीतनाही छलकरें परंन्तु जालको छोडाना जो सुख शास्तहो